गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

गुरु गोबिंद सिंह
इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय

वार्षिक रिपोर्ट
2021-2022

सेक्टर- 16 सी, द्वारका, दिल्ली - 110078
वेबसाइट: www.ipu-ac-in

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

Sector - 16 C, Dwarka, New Delhi - 110078

Vision

The University will stimulate both the hearts and minds of scholars, empower them to contribute to the welfare of society at large. It will train them to adapt themselves to the changing needs of the economy; advocate them for cultural leadership to ensure peace, harmony and prosperity for all.

Prof. (Dr.) Mahesh Verma
Vice Chancellor

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

Sector - 16 C, Dwarka, New Delhi - 110078

Mission

Guru Gobind Singh Indraprastha University shall strive hard to provide a market oriented professional education to the student community of India and particularly in Delhi. It will serve the educational fraternity for the cause of higher education as well as meet the needs of the growing Indian Industries by promoting the establishment of schools and colleges as learning centres of excellence. Guru Gobind Singh Indraprastha University will focus on emerging areas of professional education in the fields of Engineering, Technology, Medicine, Education, Pharmacy, Nursing, Law and more.

Prof. (Dr.) Mahesh Verma
Vice Chancellor

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

Sector - 16 C, Dwarka, New Delhi - 110078

Quality Policy

Guru Gobind Singh Indraprastha University is committed to providing professional education with thrust on creativity, innovation, continuous change and motivating environment for knowledge creation and dissemination through its effective Quality Management System.

Prof. (Dr.) Mahesh Verma
Vice Chancellor

विश्वविद्यालय प्रबंधन संरचना

आगंतुक

- श्री रामनाथ कोविंद
  महामहिम, भारत के राष्ट्रपति

कुलाधिपति

- श्री अनिल बैजल
  दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रा के माननीय उपराज्यपाल

कुलपति

- पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा

संस्थान अध्यक्ष

- प्रो. नीरजा लुगानी सेठी — विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ
- प्रो. अनु वेणुगोपालन — विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ
- प्रो. मीनू कपूर (01.08.2021 से प्रभावी)
  प्रो. के.के. अग्रवाल — विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
- प्रो. अरिंजय कुमार (12.07.2021 से प्रभावी)
  प्रो. उत्तम कुमार मंडल — विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
- प्रो. संगीता चौहान (23.02.2022 से प्रभावी)
  प्रो. धनंजय जोशी — विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ
- प्रो. विवेक सचदेवा
- प्रो रीता सिंह — विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ
- प्रो. मनप्रीत कौर कंग — विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
- प्रो. प्रवीण चंद्रा — विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ
- प्रो. अमर पाल सिंह — विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ
- प्रो. ए. के. सैनी — विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
- प्रो. क्वीनी प्रधान — विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ
- प्रो. यतीश अग्रवाल — विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ

प्रो. प्रभारी

- प्रो. मनदीप सिंह — विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ
- प्रो. अजय कुमार सिंघौली — विश्वविद्यालय स्वचालन और रोबोटिक्स विद्यापीठ

कुलसचिव

- श्री शैलेन्द्र सिंह परिहार (01.11.2021 से प्रभावी)
- श्री रवि दाधीच (17.10.2021 तक)

वित्त नियंत्रक

- सुश्री रिंकू गौतम

परीक्षा नियंत्रक

- श्री राजू नायर सीओई I
- डॉ. एस.एल भंडारकर (सी.ओ.ई II)

निदेशक (अकादमिक मामले)

- प्रो. सी. एस. राय (05.01.2022 से प्रभावी)
- प्रो. पी. सी. शर्मा (दिसंबर 2021 तक)

निदेशक (छात्र कल्याण)

- प्रो. मनप्रीत कौर कांग

निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय मामले)

- प्रो. विजिता अग्रवाल

निदेशक (अनुसंधान और परामर्श)

- प्रो. एनसी गुप्ता

निदेशक (विकास) और (इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय उद्योग इंटरेक्शन सेल)

- प्रो. ए. के. सैनी

निदेशक (समन्वय) एवं सीईटी

- प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

निदेशक (उत्कृष्टता का केंद्र में आपदा प्रबंधन)

- प्रो. अमरजीत कौर

निदेशक (औषधि विज्ञान उत्कृष्टता केंद्र)

- प्रो. ए. के. नरूला

निदेशक (कानूनी सहायता केंद्र)

- प्रो कंवल डीपी सिंह

निदेशक (अनुसंधान परियोजना निगरानी कक्ष एवं नवाचार)

- डॉ. सुदीप कुमार

विषय सूची

क्रम संख्या	शीर्षक	पृष्ठ सं.
1.	परिचय	12
2.	सत्र की मुख्य विशेषताएं (2021-22)	23
3.	छात्र कल्याण निदेशालय	35
4.	विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ	38
4.1	विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ	38
4.2	विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ	42
4.3	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	51
4.4	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	62
4.5	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	71
4.6	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	77
4.7	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	95
4.8	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ	100
4.9	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	118
4.10	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	131
4.11	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	142
4.12	विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	151
4.13	विश्वविद्यालय स्वचालन और रोबोटिक्स विद्यापीठ	161
4.14	विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ	162
5.	विश्वविद्यालय केंद्र	170
5.1	आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र	170
5.2	फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र	171
5.3	कानूनी सहायता केंद्र	173
5.4	मानवीय मूल्यों एवं नैतिकता केंद्र	177
6.	अंतर्राष्ट्रीय मामले	180
7.	विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र	191
8.	शैक्षणिक मामले	192
9.	अनुसंधान एवं परामर्श	195
10.	निदेशक विकास	197
11.	विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग	202
12.	संबद्धता शाखा	203
13.	परीक्षा शाखा	222
14.	प्रवेश शाखा	223
15.	वित्तीय स्वास्थ्य	226
16.	केंद्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल	228
17.	विश्वविद्यालय का एनएसएस/एनसीसी सेल	232
18.	विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएं	250

1. परिचय

1.1 गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय: उत्पत्ति

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की स्थापना राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 के प्रावधानों के तहत की गई थी। एक संबद्ध सह शिक्षण विश्वविद्यालय के रूप में, इसका उद्देश्य इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, वास्तुकला, प्रबंधन, कानून, चिकित्सा, फार्मेसी, फिजियोथेरेपी, नर्सिंग, शिक्षा, पत्रकारिता और जन संचार आदि जैसे विषयों में व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने के साथ उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में अध्ययन, अनुसंधान और विस्तार कार्य को सुविधाजनक बनाना और बढ़ावा देना है।

बीस वर्षों की अवधि में, विश्वविद्यालय ने न केवल भारत के भीतर बल्कि पूरे विश्व में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह वर्तमान में अपने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ और संबद्ध संस्थानों (सरकारी और स्व-वित्तपोषण) में 155 से अधिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, इस प्रकार लगभग 80,000 छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस विश्वविद्यालय के छात्रों को देश और विदेश में सर्वश्रेष्ठ कंपनियों एडोब, सिल्वर पीक ग्लोबल, क्रिसिल,अमेजॅन, बायजस, जारो, ग्रेल, फ्लिपकार्ट, नागारो, इवैल्यूसर्व, टीसीएस,टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड, ब्रावुरा सॉल्यूशंस, आईसीआईसीआई, इंफोसिस,यामाहा मोटर्स, विप्रो, गोदरेज और बॉयस, कॉग्निजेंट आदि में उत्कृष्ट प्लेसमेंट मिल रहा है। उनमें से कई डॉक्टरेट की पढ़ाई भी करते हैं और प्रतिष्ठित संगठनों में अनुसंधान सहायक/अनुसंधान अध्येता के रूप में काम करते हैं और भारत और विदेशों में अन्य शैक्षणिक रुचियों को आगे बढ़ाते हैं। कई छात्रों ने सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में वरिष्ठ पद, सरकार में जिम्मेदार पद भी प्राप्त किए हैं और अपने संबंधित व्यवसायों में सफलता प्राप्त की है।

1.2 क्षेत्राधिकार

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, 1998 (1998 का 9) के प्रावधानों के तहत, उस क्षेत्र की सीमाएँ जिसके भीतर विश्वविद्यालय अपनी शक्ति का प्रयोग करेगा, संबद्धता के प्रयोजन के लिए राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड अधिनियम, 1985 (1985 का 2) के अनुसार होंगे।

1.3 विश्वविद्यालय के उद्देश्य

अधिनियम में उल्लिखित इस विश्वविद्यालय के उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- पोषण करना, बौि(क गतिविधियों और सामाजिक आवश्यकताओं के बीच सहजीवन प्राप्त करने के लिए व्यावसायिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए समग्र दृष्टिकोण का पोषण और प्रचार करना;
- उच्च शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में निर्देश प्रदान करना और अनुसंधान और उन्नति के साथ-साथ ज्ञान और कौशल के प्रसार के लिए प्रावधान करना;
- व्यावसायिक शिक्षा के उभरते क्षेत्रों में स्व-वित्तपोषित कॉलेजों और संस्थानों को बढ़ावा देना और जिम्मेदारी सौंपने और जवाबदेही सुनिश्चित करने के माध्यम से गुणवत्ता बनाए रखना;
- शिक्षण, अनुसंधान के लिए भारत और विदेशों में उद्योग, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों, उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ सहयोग स्थापित करना, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और संबद्ध गतिविधियाँ;
- बाह्य अध्ययन और विस्तार सेवाओं को व्यवस्थित करना और शुरू करना;
- प्रभावी शिक्षा और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूचना प्रौद्योगिकी की क्षमता का उपयोग करना;
- नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों को विकसित करना, और छात्रों के बीच सामाजिक संवेदनाएँ।

1.4 मान्यताएं

29 जनवरी 1999 को धारा 2(एफ) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

मार्च 1, 2001 को धारा 12 (बी) के तहत यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त।

2013-2018 के लिए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (एनएएसी) द्वारा 'ए' ग्रेड के रूप में मान्यता प्राप्त।

2019 में नेशनल इंस्टीटयूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ), एमएचआरडी, भारत सरकार द्वारा समग्र रूप से 95वें स्थान पर रखा गया।

1.5 विश्वविद्यालय के वैधानिक प्राधिकारी

1.5.1 कोर्ट

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम 1998 के प्रावधानों के अनुसार, विश्वविद्यालय न्यायालय के पास निम्नलिखित शक्तियां और कार्य हैं:

क) समय-समय पर विश्वविद्यालय की बोर्ड नीतियों और कार्यक्रम की समीक्षा करना और विश्वविद्यालय के सुधार और विकास के लिए उपाय सुझाना;

ख) विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट और वार्षिक खातों तथा ऐसे खातों पर इसके लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना और प्रस्ताव पारित करना;

ग) किसी भी मामले के संबंध में कुलाधिपति को सलाह देना, जिसे सलाह के लिए उसके पास भेजा जा सकता है; और

घ) ऐसे अन्य कार्य करना जो निर्धारित किये जायें।

वर्ष 2021-2022 के लिए विश्वविद्यालय न्यायालय का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलाधिपति – अध्यक्ष
2. कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
3. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (पदेन)

4. सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रा दिल्ली सरकार

आंतरिक सदस्य (नामांकित)

5.	प्रो. ए. के. सैनी, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 14.01.2021 से 13.01.2022)	प्रो. मनप्रीत कौर कंग, अध्यक्ष विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ, जीजीएसआईपीयू (कार्यकाल: 14.01.2022 से 13.01.2023)
6.	प्रो. ए. पी. सिंह, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 14.01.2021 से 13.01.2022)	प्रो. रीता सिंह, अध्यक्ष, विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ, जीजीएसआईपीयू (कार्यकाल: 14.01.2022 से 13.01.2023)

बाहरी सदस्य (नामांकित)

7.	डॉ. दीपक नैय्यर, पूर्व कुलपति, दिल्ली विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 24.07.2018 से 23.07.2022)	प्रो. ए.डी.एन. बाजपेयी, कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय, बिलासपुर (सी.जी.), (पूर्व कुलपति, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय) (कार्यकाल: 24.07.2021 से 23.07.2024)

8. प्रो. प्रीतम बरुआ, अध्यक्ष, स्कूल ऑफ लॉ, बीएमएल मुंजाल विश्वविद्यालय, गुरुग्राम, हरियाणा।
9. प्रो. जुबैर मीनाई, सामाजिक कार्य विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली।
10. श्री सुमेर सरीन, बिजनेस डेवलपमेंट के उपाध्यक्ष, कार्नौस्टी सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली।
11. श्री डी.पी. सिंह, अध्यक्ष, सारा टेक्सटाइल्स लिमिटेड, नोएडा।
12. श्री एन.बी. गुप्ता, निदेशक (वित्त), शक्ति वित्त निगम) पीएफसी)/चार्टर्ड एकाउंटेंट, नई दिल्ली ।
13. श्री अभिनंदन सेखरी, न्यूजलॉन्ड्री के सह-संस्थापक और सीईओ (पत्रकार), नई दिल्ली ।
14. श्री योगेश दुआ, एमडी फुजियामा पावर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली ।
15. श्री मनित जैन, चेयरमैन फिक्की अलायंस फॉर री-इमेजिंग स्कूल्स, फिक्की की एजुकेशन विंग और चेयरमैन हेरिटेज स्कूल्स, नई दिल्ली

16. श्री जयदीप आहूजा, एमडी और सीईओ, आहूजा रेजीडेंसी प्राइवेट लिमिटेड (भारत की अग्रणी हॉस्पिटैलिटी कंपनी), गुरूग्राम।
17. प्रो. (डॉ.) सोनिया जिंदल, प्रिंसिपल, गीतारतन इंस्टीटयूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग, रोहिणी, दिल्ली।
18. डॉ. प्रवीण गुप्ता, निदेशक, लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान ।

1.5.2 प्रबंधन बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख कार्यकारी निकाय है। इसके पास विश्वविद्यालय के राजस्व और संपत्तियों के प्रबंधन और प्रशासन और विश्वविद्यालय के सभी प्रशासनिक मामलों के संचालन की शक्ति है।

वर्ष 2021-2023 के लिए विश्वविद्यालय बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (पदेन)

3. सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
4. सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
5. सचिव (प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

आंतरिक सदस्य (नामांकित)

6.	प्रो. यूके मंडल, अध्यक्ष, यूएससीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल-01.10.2020 से 11.07.2021)	प्रो. यतीश अग्रवाल, अध्यक्ष, यूएसएम एवं पीएमएचएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 12.07.2021 से 11.07.2022)	
7.	प्रो. केके अग्रवाल, अध्यक्ष, यूएसबीटी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल-01.10.2020 से 31.07.2021)	प्रो. धनंजय जोशी, अध्यक्ष, यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 01.08.2021 से 11.03.2022)	प्रो. मनप्रीत कौर कंग, अध्यक्ष, यूएसएचएसएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय (कार्यकाल: 12.03.2022 से 11.03.2023)

बाहरी सदस्य (नामांकित)

8. श्री सुरेश कुमार, चिकित्सा निदेशक, लोक नायक अस्पताल, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार
9. श्री अशोक कुमार राजदेव, मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार

क्र.सं.	सितंबर 2021 तक	(कार्यकाल: 01.10.2021 से 19.01.2022)
10.	सुश्री आशु चड्ढा, सीईओ, ऑन डिमांड एजिलिटी सॉल्यूशंस, एससीओ गुरुग्राम	श्री दिवाकर निगम, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, न्यूजेन सॉटवेयर टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, नई दिल्ली
11.	सुश्री अर्पिता पाल अग्रवाल, सीईओ, एम-सीआरआईएल, गुरुग्राम	डॉ. सतिंदर पाल सिंह बख्शी, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक, बैकसन ड्रग एंड फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
12.	प्रो. अंबुज डी. सागर, विपुला और महेश चतुर्वेदी नीति अध्ययन के प्रो. और संस्थापक प्रमुख, विद्यापीठ ऑफ पब्लिक पॉलिसी आईआईटी, हौज खास, नई दिल्ली	प्रो. रमेश के. गोयल, कुलपति, दिल्ली फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली
13.	डॉ. राज सेनानी, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग प्रभाग, पूर्व निदेशक (एनएसआईटी), एनएसयूटी, नई दिल्ली	प्रो. (डॉ.) महेश चंद्र मिश्रा, सलाहकार और सर्जरी के प्रो., स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च, शारदा अस्पताल, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा
14.	डॉ. राजीव सराफ, सीईओ, लेप्टन सॉटवेयर एंड रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड, गुरुग्राम	प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार अग्रवाल, (पूर्व डीन), प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली

क्र.सं.	सितंबर 2021 तक	(कार्यकाल: 01.10.2021 से 19.01.2022)
15.	प्रो. एन. के. गांगुली, वैश्विक स्वास्थ्य रणनीतियाँ, नई दिल्ली	प्रो. (डॉ.) निर्मल कुमार गांगुली (पदम भूषण), पूर्व महानिदेशक, आईसीएमआर, वैश्विक स्वास्थ्य रणनीतियाँ, नई दिल्ली
16.	श्री किरण कामिक, पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम गुरुग्राम	डॉ. किरण कार्निक, पूर्व अध्यक्ष, नैसकॉम गुरुग्राम

1.5.3 अकादमिक परिषद

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख शैक्षणिक निकाय है। यह विश्वविद्यालय के भीतर निर्देशों, शिक्षा और परीक्षण के मानकों की रक्षा और व्यवस्था के नियंत्रण के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2021-2022 के लिए विश्वविद्यालय शैक्षणिक परिषद का गठन इस प्रकार है:

आंतरिक सदस्य (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. अध्यक्ष- यूएसबीएएस/ यूएसबीटी/ यूएससीटी/ यूएसईएम/यूएसआईसीटी/यूएसएचएसएस/यूएसएमसी/ यूएसएलएलएस/ यूएसएम एवं पीएमएचएस/ यूएसएमएस/यूएसएपी/यूएसई, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय।
3. निदेशक- शैक्षणिक मामल/ समन्वय/ छात्र कल्याण/सीडीएमएस/विकास/अंतरराष्ट्रीय मामले/सीईपीज/अनुसंधान और परामर्श/कानूनी सहायता/आईयूआईआईसी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
4. लाइब्रेरियन, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
5. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

आंतरिक सदस्य (नामांकित)
(कार्यकाल-अप्रैल 2021 से मार्च 2022)

6. प्रो. एम. अफजल वानी, विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
7. प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य, विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
8. प्रो अमित प्रकाश सिंह, विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
9. प्रो. शालिनी गर्ग, विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय
10. प्रो. लिसा लुकोस, विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय

बाहरी सदस्य (नामांकित)

क्र.सं.	(कार्यकाल: 03.05.2018 से 02.05.2021)	(कार्यकाल: 11.06.2021 से 10.06.2024)
11.	प्रो. पीके जुल्का, क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली (सेवानिवृत्त).	डॉ. महेश पटेल, पैथोलॉजी के प्रो., बीजे मेडिकल कॉलेज सिविल अस्पताल अहमदाबाद
12.	प्रो. जेएल गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	प्रो. जेएल गुप्ता, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
13.	प्रो. एम. सी. शर्मा, स्कूल ऑफ एजुकेशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), नई दिल्ली (सेवानिवृत्त)	डॉ. एसपीएस बख्शी, पूर्व अध्यक्ष, सेंट्रल काउंसिल ऑफ होम्योपैथी, नई दिल्ली
14.	प्रो. कर्मेषु, स्कूल ऑफ कंप्यूटर एंड सिस्टम साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (सेवानिवृत्त)	प्रो. (डॉ.) संगीता तलवार, निदेशक-प्रिंसिपल, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली
15.	श्री अरविंद मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष, विधि संकाय, डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा, पूर्व निदेशक/ प्रमुख, स्नातकोत्तर विभाग। विधि विभाग आगरा कॉलेज, आगरा, उत्तर प्रदेश के महामहिम राज्यपाल के पूर्व ओएसडी (कानून), लखनऊ	डॉ. अशोक चक्रधर, पूर्व अध्यक्ष, हिंदी विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली

क्र.सं.	(कार्यकाल: 03.05.2018 से 02.05.2021)	(कार्यकाल: 11.06.2021 से 10.06.2024)
16.	श्री संदीप गुप्ता, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एकेडमी ऑफ एंबेडेड टेक्नोलॉजी, दिल्ली	प्रो. एमएल सिंगला, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
17.	प्रो. राजीव भट्ट, विद्यापीठ ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	प्रो. राजीव कपूर, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, दिल्ली
18.	स्वर्गीय प्रो. पीएन वार्ष्णेय, नई दिल्ली-(31.10.2020 को समाप्त)	डॉ. संजीव कुमार सिंघल, सीए, सदस्य सेंट्रल काउंसिल, द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली
19.	प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुलश्रेष्ठ, अध्यक्ष, स्कूल ऑफ लॉ, शारदा विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा	प्रो. (डॉ.) अलका चावला, कैंपस लॉ सेंटर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
20.	ए.आर रूपल एस. रंधावा, 204-ए, पॉकेटबी, मयूर विहार, फेज-2, नई दिल्ली-110091	श्री आशीष गुप्ता, संयुक्त प्रिये. सचिव, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्किटेक्ट्स, उत्तरी चौप्टर, नई दिल्ली

संबद्ध संस्थानों के बाहरी सदस्य (नामांकित)

	(कार्यकाल-02.11.2020 से 01.11.2021)	(कार्यकाल 20.01.2022 से 19.01.2023)
21.	प्रो. एमएन होदा, निदेशक, भारती विद्यापीठ के कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं प्रबंधन संस्थान, ए-4, पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली-63।	प्रो. एमएन होदा, निदेशक, भारती विद्यापीठ के कंप्यूटर संस्थान अनुप्रयोग एवं प्रबंधन, ए-4, पश्चिम विहार, रोहतक रोड, नई दिल्ली-63.
22.	डॉ. सोनिया जिंदल, प्रिंसिपल, गीता रतन उन्नत अध्ययन और प्रशिक्षण संस्थान	डॉ. सोनिया जिंदल, प्रिंसिपल, गीता रतन उन्नत अध्ययन और प्रशिक्षण संस्थान
23.	डॉ. रवि के. धर, निदेशक, जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ, दिल्ली	डॉ. रवि के. धर, निदेशक, जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट विद्यापीठ, दिल्ली
24.	स्वर्गीय डॉ. सुरेंद्र कुमार, प्राचार्य, दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, होलंब खुर्द, दिल्ली (15.04.2021 को समाप्त)।	डॉ. नीरज प्रिया, गुरु राम दास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, दिल्ली
25.	डॉ. महाराज कृष्ण भट, निदेशक, महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,महाराजा अग्रसेन शिविर,प्लॉट नंबर 1, सेक्टर-22, रोहिणी, दिल्ली।	-

1.5.4 योजना बोर्ड

यह विश्वविद्यालय का प्रमुख नियोजन निकाय है और विश्वविद्यालय के विकास की निगरानी के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2021-2022 के लिए योजना बोर्ड का गठन इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय - सचिव

बाहरी सदस्य (नामांकित)

	(कार्यकाल-06.08.2018 से 05.08.2021)ऋ	(कार्यकाल 18.08.2021 से 17.08.2024)
3.	प्रो. बीपी खंडेलवाल, पूर्व अध्यक्ष, एनयूईपीए और सीबीएसई, नई दिल्ली	प्रो. रणबीर सिंह, नेशनल लॉ विश्वविद्यालय, दिल्ली के पूर्व और संस्थापक कुलपति
4.	प्रो. जेड. एच. जैदी, पूर्व कुलपति, बरेली विश्वविद्यालय, सलाहकार, अल फलाह विश्वविद्यालय, धौज, फरीदाबाद, हरियाणा, सलाहकार, इन्वर्टिस विश्वविद्यालय, बरेली (यूपी)	प्रो. आर. के. खंडाल, पूर्व कुलपति, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, लखनऊ, यूपी और अध्यक्ष (आरएंडडी और बिजनेस डेवलपमेंट), इंडिया ग्लाइकोल्स लिमिटेड, जीबी नगर
5.	प्रो. सुंदर लाल, पूर्व कुलपति, पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर (यूपी)	प्रो. के.पी. चिंदा, पूर्व अध्यक्ष एवं प्राचार्य, गणित विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

	(कार्यकाल-06.08.2018 से 05.08.2021)ऋ	(कार्यकाल 18.08.2021 से 17.08.2024)
6.	प्रो. एस. पी. मिश्र, पूर्व कुलपति, देव संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार और श्रीधर विश्वविद्यालय, पिलानी	प्रो. (डॉ.) जसपाल सिंह संधू, कुलपति, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब
7.	प्रो. जे. एस. विरदी, माइक्रोबायोलॉजी के प्रो., माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस।	प्रो. रणदीप गुलेरिया, पूर्व निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
8.	डॉ. अशोक अग्रवाल, पूर्व निदेशक, विद्यापीठ ऑफ हेल्थ साइंसेज, इग्नू	प्रो. (डॉ.) अनिल कुमार जे. नायक, कुलपति, हेमचंद्राचार्य नॉर्थ विश्वविद्यालय, पाटन, गुजरात
9.	प्रो. एस. एम. के कादरी, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	डॉ. शंकर अफ्यर, निदेशक-मालो स्माइल यूएसए, सह-निदेशक, क्लिनिकल असिस्टेंट प्रो., रिस्टोरेटिव डेंटिस्ट्री विभाग, रटगर्स स्कूल ऑफ डेंटल मेडिसिन, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय
10.	प्रो. राकेश भटनागर, कुलपति, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय	डॉ. जोसेफ मसाद, टेनेसी स्वास्थ्य विज्ञान केंद्र विश्वविद्यालय, मेम्फिस, टीएन (यूएसए)
11.	प्रो. सुजॉय कुमार दास गुप्ता, निदेशक (कार्यवाहक), बोस संस्थान, कोलकाता	प्रो. एन. वी. वर्गीस, कुलपति, राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली

1.5.5 संबद्धता बोर्ड

यह विश्वविद्यालय के विशेषाधिकारों के तहत कॉलेजों या संस्थानों को प्रवेश देने के लिए जिम्मेदार है।

वर्ष 2021-2022 के लिए संबद्धता बोर्ड का संविधान इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. कुलसचिव, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (नामांकित)

क्र.सं.	(कार्यकाल: 06.08.2018 से 05.08.2021)	(कार्यकाल: 8.08.2021 से 17.08.2024)
3.	प्रो. अशोक डे, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	प्रो. (डॉ.) रवि कांत, निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ऋषिकेश, उत्तराखंड
4.	प्रो. ओम विकास, पूर्व (निदेशक (वीसी) एबीवी-आईआईआईटीएम) भारतीय सूचना संस्थान)। प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन, ग्वालियर एवं वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, भारत सरकार और काउंसलर (एस एंड टी), भारतीय दूतावास, टोक्यो, जापान), मुख्य संपादक, विज्ञान प्रकाश और अध्यक्ष, लोक विज्ञान परिषद।	प्रो. ओम विकास, पूर्व (निदेशक (वीसी) एबीवी-आईआईआईटीएम (भारतीय सूचना संस्थान)। प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन, ग्वालियर एवं वरिष्ठ निदेशक, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, भारत सरकार और काउंसलर (एस एंड टी), भारतीय दूतावास, टोक्यो, जापान), मुख्य संपादक, विज्ञान प्रकाश और अध्यक्ष, लोक विज्ञान परिषद
5.	प्रो. ए. के. अग्रवाल, प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली	प्रो. ए. के. अग्रवाल, प्रो. ऑफ एक्सीलेंस, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
6.	प्रो. एम. एन. डोजा, कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संकाय, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	प्रो. एम. एन. डोजा, निदेशक, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, सोनीपत,
7.	प्रो. जेपी गुप्ता, नोएडा	प्रो. (डॉ.) रितु दुग्गल, मुख्य सीडीईएआर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अंसारी नगर पूर्व, नई दिल्ली-110029
8.	प्रो. सुधीर सोपोरी, पूर्व कुलपति,जेएनयू	प्रो. राज बहादुर, कुलपति, बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, सादिक रोड, फरीदकोट, पंजाब
9.	डॉ. एस. के. त्यागी, चेयरमैन देव ग्रुप ऑफ इंस्टीटयूशंस, आगरा	प्रो. (डॉ.) संजय श्रीवास्तव, कुलपति, मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज

1.5.6 वित्त समिति

यह खातों की जांच करता है और व्यय की जांच करता है, विश्वविद्यालय के वित्तीय अनुमानों को मंजूरी देता है और व्यय की समग्र सीमा तय करता है। ग्रेड का पुनरीक्षण, वेतनमान का उन्नयन, आदि और अधिनियम, कानून या अध्यादेशों में प्रदान किए गए अन्य मामले से संबंधित प्रस्तावों की भी जांच की जाती है

वर्ष 2021-2022 के लिए वित्त समिति का गठन इस प्रकार है:

आंतरिक (पदेन)

1. माननीय कुलपति, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – अध्यक्ष
2. वित्त नियंत्रक, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय – सचिव

बाहरी सदस्य (पदेन)

3. सचिव (वित्त), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार या उनके नामांकित व्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे न हों।
4. सचिव (उच्च शिक्षा), राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार या उनके नामांकित व्यक्ति जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे न हों।

बाहरी सदस्य (नामांकित)

5.	डॉ. पीएस नैय्यर, एमएस, संजय गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल नई दिल्ली	श्री अशोक कुमार राजदेव, मुख्य अभियंता, पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार 27.12.2021 से प्रभावी

6. श्री श्यो प्रताप सिंह,आईएएस (सेवानिवृत्त), पूर्व सचिव (वित्त), जीएनसीटीडी
7. श्री बृज मोहन, आईएएएस (सेवानिवृत्त), वाणिज्यिक लेखा परीक्षा के पूर्व प्रधान निदेशक, नई दिल्ली

1.5.7 विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ

प्रत्येक विद्यापीठ उन कार्यक्रमों में शिक्षण और अनुसंधान कार्य के लिए जिम्मेदार है जो विश्वविद्यालय द्वारा इसे सौंपे गए हैं। संबंधित विद्यापीठ का अध्ययन बोर्ड विद्या परिषद, अध्ययन पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम को अध्ययन के पाठ्यक्रमों पर विचार करने, शिक्षण के मानकों की उन्नयन, उद्योग के साथ विचार-विमर्श, विद्याथयों की नियोजनीयता और नियोजन संबंधी रिपोर्टों, अथवा राजस्व सृजन, अनुसंधान एवं परामर्श, संकाय विकास के प्रस्तावों आदि की सिफारिश करता है।

1.5.7.1 विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम

अधिनियम में निर्धारित उद्देश्यों के अनुसरण में, विश्वविद्यालय ने विभिन्न कार्यक्रमों की पेशकश करते हुए निम्नलिखित अध्ययन विद्यापीठों की स्थापना की है:

1. विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ
2. विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ
3. विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
4. विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ
5. विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ
6. विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ
7. विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
8. विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ
9. विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ
10. विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ
11. विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ
12. विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ
13. विश्वविद्यालय स्वचालन और यंत्र मानववत् विद्यापीठ
14. विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ

1.5.7.2 विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम

परिसर में पेश किए जाने वाले कार्यक्रम छह प्रकार के होते हैं, अर्थात:

1. दोहरी डिग्री कार्यक्रम
2. एकीकृत कार्यक्रम
3. स्नातक कार्यक्रम
4. स्नातकोत्तर कार्यक्रम
5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम
6. डॉक्टरेट कार्यक्रम

दोहरी डिग्री कार्यक्रम उन छात्रों के लिए हैं जिन्होंने सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा या समकक्ष योग्यता प्राप्त की है। बी.टेक./एम.टेक.दोहरे डिग्री कार्यक्रम 6 वर्ष की अवधि के होते हैं। ऐसे सभी कार्यक्रम में, चार वर्ष की अवधि पूरी करने पर बी.टेक. डिग्री के साथ बाहर निकलने का विकल्प होता है। जो छात्र 6 साल की अवधि तक अपनी पढ़ाई जारी रखते हैं, वे एम.टेक. डिग्री पुरस्कार के लिए आगे पात्र हो जाते हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के दौरान विश्वविद्यालय के स्कूलों में प्रवेश की पेशकश किए गए कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:

	(क) दोहरी डिग्री कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	सूचना प्रौद्योगिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(ii)	कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक/एमटेक	4+2
(iii)	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(iv)	रासायनिक अभियांत्रिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
(v)	जैव रसायन अभियांत्रिकी में बी.टेक/एम.टेक	4+2
	नए कार्यक्रम 2021-22 से आगे	
(vi)	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस में बी.टेक	4+2
(vii)	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में बी.टेक	4+2
(viii)	इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स में बी.टेक और	4+2
(ix)	ऑटोमेशन और रोबोटिक्स में बी.टेक	4+2
	(ख) एकीकृत कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.ए.एल.एल.बी. (एकीकृत)	5
(ii)	बी.बी.ए. एल.एल.बी. (एकीकृत)	5
	(ग) स्नातक कार्यक्रम	**अवधि वर्ष**
(i)	बी.आर्क	5
(ii)	बी.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	4
(iii)	बी.टेक (रासायनिक अभियांत्रिकी)	4
(iv)	बी.टेक (जैव रसायन अभियांत्रिकी)	4
(v)	बी.टेक (सीएसई)	4
(vi)	बी.टेक (ईसीई)	4
(vii)	बी.टेक (आईटी)	4

नए कार्यक्रम 2021-22 से आगे

(i) बी. डिजाइन

(घ)	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	अवधि वर्ष
(i)	मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बीए)	2
(ii)	एम.बीए (वित्तीय बाजार)	2
(iii)	एम.बीए (कार्यात्मक/क्षेत्रीय विशेषज्ञता के साथ) (सप्ताहांत)	2
(iv)	एल.एल.एम	1
(v)	एल.एल.एम (सप्ताहांत)	2
(vi)	एम.एस.सी (पर्यावरण प्रबंधन)	2
(vii)	एम.एस.सी (जैव विविधता संरक्षण)	2
(viii)	एम.एस.सी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)	2
(ix)	एम.सी.ए (एसई)	3
(x)	एम.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी)	2
(xi)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग)	2
(xii)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग)	2
(xiii)	एम.टेक (कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xiv)	एम.टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग) (सप्ताहांत)	3
(xv)	एम.टेक (जैव प्रौद्योगिकी)	2
(xvi)	एम.टेक (नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)	2
(xvii)	एम.टेक (इंजीनियरिंग भौतिकी)	2
(xviii)	एम.टेक (केमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xix)	एम.टेक (बायोकेमिकल इंजीनियरिंग)	2
(xx)	एम.एड.	2
(xxi)	एम.ए. (मास कम्युनिकेशन)	2
(xxii)	एम.बी.ए (आपदा प्रबंधन) (सप्ताहांत)	2
(xxiii)	एम.ए. (अंग्रेजी)	2
(xxiv)	एम.ए. (अर्थशास्त्र)	2

नए कार्यक्रम 2021-22 से आगे

(xxv) एम.प्लान (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)

(xxvi) एम.आर्क (शहरी डिजाइन)

(ड)	डॉक्टरेट/एम फिल कार्यक्रम	अवधि वर्ष
(i)	एम. फिल (अंग्रेजी)	1
(ii)	सभी विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ अनुसंधान के उभरते क्षेत्रों में डॉक्टरेट डिग्री कार्यक्रम प्रदान करते हैं।	

नए कार्यक्रम 2021-22 से आगे

पी.एच.डी. (अर्थशास्त्र) और पी.एच.डी. (वास्तुकला)

(च)	स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम	अवधि वर्ष
(i)	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा	1
(ii)	डेटा विश्लेषण में पीजी डिप्लोमा	1
(iii)	उद्यमिता और स्टार्ट-अप में पीजी डिप्लोमा	1
(iv)	इक्विटी रिसर्च में पीजी डिप्लोमा	1
(v)	अग्नि और जीवन सुरक्षा लेखा परीक्षा में पीजी डिप्लोमा	1

1.6 प्रवेश का तरीका

छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर के टेस्ट और सामान्य प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश दिया जाता है। हालाँकि, कुछ कार्यक्रमों में प्रवेश योग्यता सूची के आधार पर किया जाता है, जो योग्यता परीक्षा में उनके द्वारा प्राप्त अंकों, साथ ही अनुभव के लिए वेटेज, जैसा लागू हो, और साक्षात्कार पर आधारित होता है।

1.7 विश्वविद्यालय की मानव पूंजी (शिक्षण संकाय)

1.7.1 शिक्षण संकाय

शिक्षण संकाय एक शैक्षिक संगठन के मूल का गठन करता है। भरे हुए शिक्षण पदों का विवरण (विद्यालयवार) तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	विद्यालय/केंद्र	प्रो.	सह प्रो.	सहायक प्रो.	कुल
1	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	0	0	6	6
2	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	3	0	5 (3 नियमित + 2 अनुबंध)	8
3	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	7	0	7	14
4	विश्वविद्यालय वास्तुकला और योजना विद्यापीठ	2	6 (2 नियमित + 4 अनुबंध)	18 (6 नियमित + 12 अनुबंध)	26
5	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	6 (5 नियमित + 1 अनुबंध)	2	4 (2 नियमित + 2 अनुबंध)	12
6	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	7	2	11 (6 नियमित + 5 अनुबंध)	20
7	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	4	1	11 (7 नियमित + 4 अनुबंध)	16
8	विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयुक्त विज्ञान विद्यापीठ	6	5	9	20
9	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	8	3	9	20
10	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	19	4	17	40
11	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	11	1	13 (10 नियमित + 03 अनुबंध)	25
12	विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ	1 (अनुबंध पर)	1 (अनुबंध पर)	1 (अनुबंध पर)	03
13	विश्वविद्यालय स्वचालन और यंत्र मानववत् विद्यापीठ	1 (प्रतिनियुक्ति पर)	0	1	02

क्र.सं.	विद्यालय/केंद्र	प्रो.	सह प्रो.	सहायक प्रो.	कुल
14	सीईपी,स	0	0	5 (अनुबंध पर)	5
15	परियोजना निदेशक (पूर्वी परिसर)	1 (अनुबंध पर)	0		1
16	नियुद्रि अधिकारी	0	0	1 (अनुबंध पर)	1
	कुल	76 (73 नियमित + 3 अनुबंध)	25 (20 नियमित + 5 अनुबंध)	118 (84 नियमित + 34 अनुबंध)	219 (177 नियमित + 42 अनुबंध)

1.7.2 गैर शिक्षण

गैर-शिक्षण कर्मचारियों की कुल संख्या 374 है ।

2. सत्र 2021-22 की मुख्य विशेषताएं

1 अनुसंधान

- संकाय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति की पत्रिकाओं में 432 शोध लेख प्रकाशित किए हैं।
- फैकल्टी को उनके शोध कार्य और शोध के लिए ढांचागत सुविधाएं स्थापित करने के लिए 12 करोड़ से अधिक एक्स्ट्रामुरल रिसर्च अनुदान प्राप्त हुआ है।
- 44 विश्वविद्यालय संकाय ने 130 राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों, सेमिनारों और संगोष्ठियों में अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया है और उनमें से कई ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक/पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए पुरस्कार जीते हैं।
- इस वर्ष के दौरान कुल 134 पीएचडी डिग्रियां प्रदान की गईं।
- छात्रों के पुरस्कार

  1. यूएसईएम 2015 बैच की पर्यावरण विज्ञान की छात्र प्रेरणा शर्मा को 15 जुलाई, 2021 को आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बोलचाल: गंगा संवाद, 2021 में प्रथम पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ शोध कहानी) मिला।
  2. यूएसईएम 2016 बैच के पर्यावरण विज्ञान के छात्र बलराम भारद्वाज को यूएनडीपी के एसडीजी 7 लक्ष्य अप्रैल 2021 को पूरा करने के लिए कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता के लिए एसएचके टर्बाइन के लिए ब्रिक्स राष्ट्र सतत विकास प्रौद्योगिकी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
  3. डॉ. कुलवीन त्रेहन के नेतृत्व में यूएसएमसी की पीएचडी स्कॉलर सुश्री स्नेह गुप्ता, 'ग्रामीण राजस्थान में डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से किशोरियों को सशक्त बनाने: गर्ल्स इफेक्ट के छाजा (गो फोर्थ एंड शाइन) कार्यक्रम का एक केस स्टडी' के लिए यूनिसेफ सी4डी रिसर्च फंड ग्रांट (इंटरनेशनल) की विजेता थीं, परियोजना सलाहकार: डॉ. कुलवीन त्रेहन

- 77 छात्रों ने सीएसआईआर, यूजीसी नेट, गेट परीक्षा उत्तीर्ण की।

2 संकाय के पुरस्कार एवं उपलब्धियाँ

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज के एसोसिएट प्रो. डॉ. गुलशन कुमार धमीजा को 4 मार्च 2022 को उच्च शिक्षा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिल्ली सरकार द्वारा सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार दिल्ली के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया द्वारा दिल्ली सचिवालय में आयोजित एक समारोह में दिया गया। पुरस्कार में एक लाख रुपये का चेक और प्रशस्ति पत्र दिया गया।

डॉ. धमीजा रसायन विज्ञान के एक प्रसि) शिक्षक हैं और रसायन विज्ञान पर कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय समितियों के सदस्य हैं।

डॉ. कुलवीन त्रेहन को 'ग्रामीण राजस्थान में डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से किशोरियों को सशक्त बनाना: गर्ल्स इफेक्ट्स छाजा (गो फोर्थ एंड शाइन) प्रोग्राम का एक केस स्टडी' के लिए यूनिसेफ सी4डी रिसर्च फंड ग्रांट अवार्ड से सम्मानित किया गया (सनेह गुप्ता, पीएचडी स्कॉलर डॉ. कुलवीन त्रेहन, के तहत)। परियोजना सलाहकार: डॉ. कुलवीन त्रेहन) ।

प्रो. रीता सिंह को ईस्ट हिमालयन सोसाइटी फॉर स्पर्मेटोफाइट टैक्सोनॉमी के डॉ. एचटी हाइनेवेटा बायोडायवर्सिटी गोल्ड मेडल 2021 से सम्मानित किया गया।

डॉ. नरेश के. वत्स को 5 सितंबर, 2021 को सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021 से सम्मानित किया गया।

प्रो. लिसा पी. लुकोज को वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीडब्ल्यूए-वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन) से कानून में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता पुरस्कार (2021) प्राप्त हुआ था।

डॉ. मनोज कुमार को डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रलय, भारत सरकार द्वारा 4.8 लाख रुपये की राशि का यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप (वाईएफआरएफ) से सम्मानित किया गया।

3 प्रमुख आउटरीच और सहपाठयचर्या गतिविधियाँ

विश्वविद्यालय ने छह नए इनोवेटिव कार्यक्रमों के साथ शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है

विश्वविद्यालय ने 13 विश्वविद्यालय स्कूलों, एक वर्चुअल स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरा मेडिकल साइंसेज, 2 मार्च 2022 को और दिल्ली एनसीटी और एनसीआर क्षेत्र के 111 संबद्ध संस्थान और द्वारका परिसर और सूरजमल विहार परिसर दोनों के दो उत्कृष्टता केंद्रों में स्नातक से अनुसंधान स्तर तक के लगभग 185 विभिन्न कार्यक्रमों के लिए उपलब्ध चालीस हजार से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2022-2023 से निम्नलिखित छह नए अभिनव कार्यक्रम शुरू किए।

विश्वविद्यालय के संबद्ध कॉलेज में एम. एड विशेष शिक्षा (बौद्धिक विकलांगता)

1. मास्टर ऑफ डिजाइन (औद्योगिक डिजाइन)
2. मास्टर ऑफ डिजाइन (इंटीरियर डिजाइन)
3. बी. डिजाइन (औद्योगिक डिजाइन)
4. बी. डिजाइन (इंटरैक्टिव डिजाइन)
5. बी. डिजाइन (इंटीरियर डिजाइन)

शैक्षणिक सत्र 2022-2023 के लिए मौजूदा बी. डिजाइन कार्यक्रम में पार्श्व प्रवेश भी उपलब्ध है। ये कार्यक्रम क्र.सं. 2 से 6 सूरजमल विहार परिसर में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डिजाइन एंड इनोवेशन में उपलब्ध हैं।

विश्वविद्यालय ने छात्रों को ड्रोन और एआई तकनीक में प्रशिक्षित करने के लिए एविएशन इंडिया के साथ साझेदारी की है

विश्वविद्यालय ने विभिन्न क्षेत्रों में युवाओं और बिरादरी के बीच कंप्यूटर विज्ञान, युवा मामलों और खेल की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 22 फरवरी 2022 को एविएशन इंडिया (एविएशन एंड स्पेस फेडरेशन फॉर यूनिवर्स का एक एकीकृत हिस्सा) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

एविएशन इंडिया देश में विमानन खेलों और चौंपियनशिप को सुविधाजनक बनाने और बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रहा है। यह समझौता छात्रों को विभिन्न राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने में मदद करेगा, और ड्रोन प्रौद्योगिकी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में उनके करियर क्षितिज का विस्तार करेगा।

इंडिया चौप्टर विभिन्न विश्व चौंपियनशिप में भाग लेने के लिए एक राष्ट्रीय टीम तैयार करने की दिशा में काम कर रहा है, जो कंप्यूटर विज्ञान, इंजीनियरिंग और खेल के छात्रों के लिए वैश्विक अनुभव हासिल करने और सर्वश्रेष्ठ से सीखने का एक अच्छा अवसर है।

एमओयू पर कुलसचिव श्री शैलेन्द्र सिंह परिहार, ओएसडी श्री मनोज कुमार, प्रो. प्रवीण चंद्रा, अध्यक्ष यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी (यूएसआईसी एंड टी) और यूएसआईसी एंड टी के संकाय की उपस्थिति में कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा और बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल एविएशन गेम्स के कार्यकारी निदेशक श्री आशु गुप्ता ने हस्ताक्षर किए।

यह महत्वपूर्ण सहयोग विश्वविद्यालय के छात्रों और संकाय के लिए विश्व स्तर पर प्रासंगिक डोमेन में ज्ञान के आदान-प्रदान और साझा करने के दरवाजे खोलेगा। यह दिल्ली और भारत के युवाओं में कौशल-आधारित क्षमता निर्माण में भी सहायता करेगा।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए एमबीए प्रवेश विवरणिका जारी की

विश्वविद्यालय ने 15 फरवरी 2022 को शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए एमबीए प्रोग्राम (कोड - 101) के लिए अपना प्रवेश विवरणिका जारी किया है।

ब्रोशर का विमोचन वस्तुत: कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा और कुलसचिव श्री द्वारा किया गया। शैलेन्द्र सिंह परिहार ने विश्वविद्यालय के सभी अधिकारियों, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज और संबद्ध संस्थानों के अध्यक्ष और निदेशकों की उपस्थिति में किया।

विश्वविद्यालय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, वित्तीय प्रबंधन, वित्तीय विश्लेषण और विश्लेषिकी जैसी विभिन्न विशिष्टताओं में एमबीए कार्यक्रम की पेशकश कर रहा है। प्रवेश कैट 2021, सीमैट 2022 और यूनिवर्सिटी के कॉमन एंट्रेंस टेस्ट 2022 की मेरिट के आधार पर दिया जाएगा। कार्यक्रम में प्रवेश के लिए कैट 21 की मेरिट, फिर सीमैट 22 की मेरिट और उसके बाद विश्वविद्यालय द्वारा इस उद्देश्य के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा की मेरिट को प्राथमिकता दी जाएगी।

एमबीए कार्यक्रम विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ (यूएसएमएस) और विश्वविद्यालय के 15 संबद्ध संस्थानों में उपलब्ध है। कुल सीटें करीब 2,400 हैं।

जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय और अंबेडकर विश्वविद्यालय संयुक्त रूप से नए प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम विकसित करेंगे

गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय(जीजीएसआईपीयू) ने अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं और उसका आदान-प्रदान किया है, जिसका उद्देश्य भागीदारी मोड के माध्यम से विभिन्न ज्ञान क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करना है। 3 फरवरी 2022 को।

दोनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा (जीजीएसआईपीयू) और प्रो. एएस लाठेर (एयूडी) की उपस्थिति में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए और आदान-प्रदान किया गया। समारोह में डॉ. नितिन मलिक, कुलसचिव - एयूडीय प्रो. कार्तिक दवे, अध्यक्ष (योजना) - एयूडी, और प्रो. एके सैनी, अध्यक्ष (विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ) - जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय भी उपस्थित थे।

एमओयू, जो हालिया राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है, दोनों विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षाविदों और उद्योग के पेशेवरों के लिए संयुक्त रूप से प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम डिजाइन और वितरित करने में सक्षम बनाता है। वे प्रबंधन, मनोविज्ञान, संचार, समाजशास्त्र, हिंदी, फिल्म अध्ययन और कई अन्य क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और परामर्श भी देंगे।

यह सहयोग दोनों विश्वविद्यालयों के छात्रों और शिक्षकों के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों में ज्ञान के आदान-प्रदान और साझा करने के दरवाजे भी खोलेगा।

विश्वविद्यालय के तेईस छात्रों को प्रतिष्ठित दक्षिण कोरियाई 2021 हाना छात्रवृत्ति मिलती है

आईपी विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर और उसके संबद्ध कॉलेजों के तेईस छात्रों को प्रतिष्ठित दक्षिण कोरियाई 2021 हाना छात्रवृत्ति दी गई। यह छात्रवृत्ति विश्व के अग्रणी दक्षिण कोरिया के हाना बैंक द्वारा दी जाती है। 30 दिसंबर 2021 को विश्वविद्यालय में आयोजित एक समारोह में प्रत्येक छात्र को पांच सौ अमेरिकी डॉलर दिए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार देव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव द्वारा उन्हें छात्रवृत्ति दी गई। इसके अलावा,

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के सात छात्रों को विश्वविद्यालय से उत्तीर्ण होने के बाद उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया।

स्वच्छ भारत पखवाड़ा पर नारा लेखन प्रतियोगिता जीतने के लिए विश्वविद्यालय के तीन कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, हाना बैंक के कंट्री हेड श्री सेउंग जिन यान, कुलसचिव श्री शैलेन्द्र सिंह परिहार, निदेशक-छात्र कल्याण प्रो. मनप्रीत कौर कांग भी उपस्थित थे।

मौके पर मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार देव ने कहा कि किसी राष्ट्र की नींव उसके छात्रों और शिक्षकों से बनती है। डॉ. देव ने कहा, "हमें खुद को एक अच्छी उत्पादक संपत्ति साबित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए।"

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि ऐसी उपलब्धियाँ करियर में आगे की सफलता के लिए उत्प्रेरक की तरह काम करती हैं।

विश्वविद्यालय ने विकलांग व्यक्तियों के लिए ई-पत्रिका शुरू की

विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ (यूएसएमएस) ने विकलांग व्यक्तियों की आवाज उठाने के लिए एक ई-मैगजीन 'इनक्लूजन एंड एक्सेसिबिलिटी' शुरू की है।

इस पत्रिका की संस्थापक संपादक प्रो. शालिनी गर्ग ने बताया कि इस ई-पत्रिका के चार अंक पहले ही जारी हो चुके हैं। ये सभी मुद्दे जानकारीपूर्ण सामग्री और प्रतिष्ठित विकलांग व्यक्तियों या विकलांग व्यक्तियों के हित में लगे व्यक्तियों को शामिल करने के कारण संरक्षित किए जाने वाले मुद्दे हैं।

इस नेक पहल को शुरू करने के पीछे की कहानी बताते हुए उन्होंने कहा कि यह विचार महामारी के दौरान आया और अब यह पहल ऐसे व्यक्तियों की आवाज उठाने के लिए एक मंच के रूप में काम कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट, एसएचआरएम इंडिया आदि जैसी शीर्ष कंपनियों के विकलांगता विशेषज्ञ, राष्ट्रीय स्तर के पैरा एथलीट नितिन गुप्ता, पीसीआई अध्यक्ष सुश्री दीपा मलिक, निदेशक एसएआई, श्री सतीश सरहदी ने इस पत्रिका में सक्रिय योगदान दिया है।

विश्वविद्यालय ने अटल इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना की आधारशिला रखी

आईपीयू इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन फाउंडेशन आईपीयू-आईआईएफ), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के तहत एक उद्यम को अपने द्वारका परिसर में नीति आयोग के सहयोग से अटल इनक्यूबेशन सेंटर (एआईसी) की स्थापना के लिए चुना गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने 13 दिसंबर 2021 को अपने द्वारका परिसर में इस उद्देश्य के लिए एक नई इमारत स्थापित करने के लिए आधारशिला रखी। नई इमारत को चार मंजिलों के लिए डिजाइन किया जाएगा, जिनमें से दो मंजिलें स्टार्ट-अप, आईपी और व्यावसायीकरण और नवीन प्रौद्योगिकियों तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए समर्पित होंगी।

उल्लेखनीय है कि नीति आयोग अटल इनोवेशन मिशन के तहत इन्क्यूबेशन केंद्रों को 10 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता प्रदान करता है और इन्क्यूबेशन टीमों को उन्नत क्षमता निर्माण भी प्रदान करता है।

नए भवन में जैव प्रौद्योगिकी, रासायनिक प्रौद्योगिकी, पर्यावरण विज्ञान, फार्मास्युटिकल विज्ञान, नैनो विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सूचना के क्षेत्र में स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए अत्याधुनिक प्रयोगशाला सुविधाएं होंगी। और संचार प्रौद्योगिकी और स्वास्थ्य एवं कृषि क्षेत्र में इसके अनुप्रयोग।

एआईसी और डीएसटी की मदद से डॉ. सुदीप कुमार, निदेशक (आर, पीएमएंडआई), प्रो. अमित प्रकाश सिंह, (निदेशक, आईपीयू-आईआईएफ), यूएसआईसीटी और प्रो. एनसी गुप्ता, (निदेशक, आईपीयू-आईआईएफ), यूएसईएम इनक्यूबेशन सेंटर की स्थापना के लिए मुख्य समिति में हैं। विश्वविद्यालय शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन काउंसिल के साथ भी काम कर रहा है और राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति (एनआईएसपी) के साथ भी काम कर रहा है। प्रो. अमित प्रकाश सिंह, निदेशक (आईपीयू-आईआईएफ) को अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (एआईसी) और एनआईएसपी के लिए विश्वविद्यालय समन्वयक नियुक्त किया गया है।

विश्वविद्यालय ऊर्जा संरक्षण का संदेश फैलाने के लिए 'साइक्लोथॉन' का आयोजन करता है

27 अक्टूबर 2021 को द्वारका परिसर में विश्वविद्यालय ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान संघ (पीसीआरए) के सहयोग से एक मेगा साइक्लोथॉन का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के जश्न 'आजादी का अमृत महोत्सव' के हिस्से के रूप में आयोजित किया गया था।

साइक्लोथॉन को विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, डॉ. निरंजन कृ. सिंह, पूर्व ईडी-पीसीआरए, श्री विक्रम सिंह, अतिरिक्त डीसीपी-I, द्वारका, श्री मनोज कृ. सिंह, ओएसडी, जीजीएसआईपीयू, और श्री नवीन गुलाटी, निदेशक (पीएस), पीसीआरए ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए गैर-मोटर चालित परिवहन के महत्व और उस समय पेट्रोलियम और ऊर्जा के संरक्षण की आवश्यकता को प्रचारित करना था, जब देश वायु प्रदूषण में वृद्धि के साथ-साथ ईंधन और अनवीकरणीय संसाधन की कमी के संकट से जूझ रहा है।

इस पहल के बारे में बोलते हुए, कुलपति ने कहा, "साइकिल चलाना न केवल परिवहन का एक स्थायी साधन है, बल्कि असंख्य स्वास्थ्य लाभों के साथ एक कम प्रभाव वाली गतिविधि भी है। मैं बहुत रोमांचित हूं कि विश्वविद्यालय और पीसीआरए ने यह पहल की है, और आशा करता हूं कि यह युवाओं को पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए एक मजबूत संदेश देगा क्योंकि प्रदूषण का बढ़ता स्तर हम सभी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है।

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय इसी उद्देश्य से अपने कर्मचारियों और छात्रों के उपयोग के लिए एक साइकिल किराए पर लेने वाली एजेंसी भी नियुक्त करने जा रहा है।

पीसीआरए के निदेशक (पीएस) श्री नवीन गुलाटी ने इस अवसर पर कहा कि नवीकरणीय संसाधनों को बचाने का यह सही समय है क्योंकि अन्य विकल्पों पर स्विच करने में समय लगेगा।

विश्वविद्यालय परिसर, आसपास के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों के कई साइक्लिंग क्लबों के 500 से अधिक छात्रों ने साइक्लोथॉन में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसे विश्वविद्यालय परिसर के चारों ओर 2.5 किमी की सवारी के लिए निर्धारित किया गया था। इस अवसर पर ऊर्जा और ईंधन संरक्षण के महत्व पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का भी मंचन किया गया और लोगों से छोटी दूरी की यात्रा के लिए साइकिल चलाने का आग्रह किया गया।

विश्वविद्यालय ने संबद्ध महाविद्यालयों को जर्मन मास्क वितरित किये

विश्वविद्यालय ने कोरोना के खतरे को कम करने के लिए एहतियाती उपायों के तहत कैंपस स्कूलों और लगभग 115 संबद्ध कॉलेजों में लगभग दो लाख जर्मन मास्क वितरित किए।

27 अक्टूबर 2021 को विश्वविद्यालय के द्वारका परिसर में संबद्ध कॉलेजों के प्रतिनिधियों के साथ आयोजित एक इंटरैक्टिव सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति पद्म श्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा द्वारा मास्क वितरित किए गए। बातचीत का विषय था – "शैक्षणिक स> 2021-22: कोविड समय की चुनौतियों पर काबू पाना।"

इस अवसर पर कुलपति ने कहा कि हम छात्रों के लिए हैं और एक शिक्षा संस्थान के रूप में हमें हर समय छात्रों को ध्यान में रखना चाहिए। "तेजी से बदलते शैक्षिक परिदृश्य में जीवित रहने के लिए मानक और गुणवत्ता आवश्यक तत्व हैं। हमें दौड़ में बने रहने के लिए बुनियादी ढांचे को उन्नत करने पर भी ध्यान देना होगा। हमें शैक्षणिक संस्थान की एक आभा बनानी होगी और गलत सूचना फैलाना बंद करना होगा," कुलपति ने कहा।

उन्होंने आगे कहा कि हर शैक्षणिक संस्थान अनोखा होता है. दूसरों से तुलना की कोई बात ही नहीं है. हमें समय के साथ और भी मजबूत और उन्नत होना है।

विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय की निदेशक प्रो. मनप्रीत कौर कंग ने कोविड के समय छात्रों और कर्मचारियों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा की गई पहल के बारे में बताया।

विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मामलों के निदेशक प्रो. पीसी शर्मा ने कोविड के समय में विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों को जारी रखने की चुनौतियों के बारे में जानकारी दी।

इस अवसर पर कुलसचिव श्री सुशील कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं संकाय सदस्य उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय के कर्मचारी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 के दौरान सत्यनिष्ठा की शपथ लेते हैं

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने 26 अक्टूबर 2021 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह (26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021) के हिस्से के रूप में सत्यनिष्ठा की शपथ ली। कुलसचिव श्री सुशील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी प्रो. एन. रघुराम और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों ने भी सत्यनिष्ठा शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया।

कुलपति ने इस अवसर पर कहा कि सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों और संकाय सदस्यों का ध्यान विश्वविद्यालय में एक ईमानदार, गैर-भेदभावपूर्ण और भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण के निर्माण में नैतिक आचरण के महत्व की ओर आकर्षित करने में मदद करेगी।

15 अगस्त 2022 को पड़ने वाली भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ मनाने की दिशा में एक कदम में, केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने निर्णय लिया कि सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021, 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2021 तक "स्वतंत्रता भारत @75: "ईमानदारी के साथ आत्मनिर्भरता"; "स्वतंत्र भारत @ 75: सत्यनिष्ठा से आत्मनिर्भरता" थीम के साथ मनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय ने स्वच्छता पखवाड़ा मनाया

विश्वविद्यालय ने अपने द्वारका परिसर में 1 सितंबर से 15 सितंबर 2021 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया। यहां कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के समस्त स्टाफ ने 'स्वच्छता' को सभी की जिम्मेदारी बनाने की शपथ ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गंदगी और बीमारी एक साथ चलती हैं। इसलिए, यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने आस-पास को साफ-सुथरा रखें। कुलपति ने कहा, अगर हर कोई अपनी जिम्मेदारी निभाए तो हमारे देश में स्वच्छता में बड़ा बदलाव आएगा।

अभियान के सभी पंद्रह दिनों के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता आदि जैसे कई कार्यक्रमों की योजना बनाई गई थी। विश्वविद्यालय में स्वच्छता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुलपति ने इस स्वच्छता अभियान के सभी पंद्रह दिनों के दौरान सभी स्कूलों और विभागों का दौरा करने की भी इच्छा व्यक्त की।

यह स्वच्छता पखवाड़ा सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल, स्वच्छ भारत मिशन के एक भाग के रूप में मनाया गया। भारत के सभी मंत्रालयों और विभागों को स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में शामिल करना।

यूनिवर्सिटी ने किया कोरोना वॉरियर्स का सम्मान

विश्वविद्यालय ने अपने तीन कर्मचारियों – श्री सौरभ मिश्रा, श्री तिलक राज और मोहम्मद को सम्मानित किया। सैयद अली को कोरोना हीरो और दस अन्य कर्मचारियों को कोरोना योद्धा के रूप में – श्री अजय गोयल, डॉ. प्रार्थना अग्रवाल, डॉ. अंजलि शौकीन, डॉ. वंदना सिंह, डॉ. जुबैर खान, श्री सीता राम, श्री मनोज के शर्मा, डॉ. दिनेश कुमार, श्री विनय शाह और श्रीमती मधुलिका कोरोना वारियर्स के रूप में।

उन्हें 16 अगस्त 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा द्वारा सम्मानित किया गया।

कठिन और चुनौतीपूर्ण समय में, विशेषकर महामारी की दूसरी लहर के दौरान, अपने प्रियजनों की जान जोखिम में डालकर उनकी अनुकरणीय सेवा, साहस और दृढ़ संकल्प के लिए उन्हें सम्मानित किया गया।

दिल्ली के उप मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के नए ऑडिटोरियम का शिलान्यास किया

दिल्ली के माननीय उप मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने 2 जुलाई 2021 को विश्वविद्यालय के नए श्री-इन-वन ऑडिटोरियम-सह-प्लेसमेंट सेल और ओपन एयर थिएटर की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह लंबे समय से विश्वविद्यालय की जरूरत थी। निर्माण से निश्चित रूप से विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को सुविधा होगी।

उन्होंने कोविड-19 प्रभावों के कारण वर्तमान शिक्षा परिदृश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कोविड-19 के कारण शिक्षा क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है, हालांकि, हमें नुकसान को कम करने और ऐसे में कार्यक्रम को सुचारू रूप से चलाने के तरीकों की तलाश करनी होगी। एक प्रतिकूल स्थिति श्री सिसौदिया जी ने कहा, "यह एक-दूसरे से सीखने का समय है।" उन्होंने विश्वविद्यालय के शिक्षकों से ऐसे कठिन समय में अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों के व्यापक हित के लिए शिक्षण के नवीन तरीकों को साझा करने का आह्वान किया।

उन्होंने परिसर में पौधे भी लगाए और विश्वविद्यालय के उन शिक्षकों और कर्मचारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कोविड-19 के कारण अपनी जान गंवा दी।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने इस अवसर पर बताया कि यह परियोजना 25 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ नौ महीने की समय सीमा में पूरी की जाएगी। "इस सभागार की बैठने की क्षमता लगभग 750 होगी और ओपन एयर थिएटर के लिए, यह लगभग 1,500 होगी। स्ट्रक्चरल कूलिंग सिस्टम, रेडियंट कूलिंग, थर्मल स्टोरेज, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट जल प्रबंधन जैसी नवीन चीजों की योजना वहां अत्याधुनिक ढांचागत दृष्टिकोण देने के लिए बनाई गई है," कुलपति ने बताया।

विश्वविद्यालय 28 जून 2021 से स्वास्थ्य सहायकों के लिए एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू करता है।

विश्वविद्यालय ने 28 जून 2021 से नौ मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में बहुत आवश्यक 'स्वास्थ्य सहायकों के लिए प्रमाणपत्र पाठयक्रम' शुरू किया। यह दो सप्ताह का सर्टिफिकेट कोर्स दिल्ली स्थित निम्नलिखित नौ मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के निकट समन्वय में आयोजित किया गया था-

1. वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल
2. डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज
3. ईएसआई - पीजीआईएमएसआर
4. अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल
5. उत्तरी डीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल
6. राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल
7. दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल
8. संजय गांधी अस्पताल
9. चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय

सर्टिफिकेट कोर्स को अद्भुत प्रतिक्रिया मिली क्योंकि एक सप्ताह के भीतर केवल 5,000 सीटों के लिए बहुत बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के निर्देशानुसार इस सर्टिफिकेट कोर्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए उठाए जाने वाले विभिन्न कदमों पर चर्चा करने के लिए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा की अध्यक्षता में एक वर्चुअल बैठक बुलाई गई।

बैठक में अध्यक्ष यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल एंड पैरा मेडिकल साइंसेज डॉ. यतीश अग्रवाल, विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रवि दाधीच और सभी नौ चिकित्सा संस्थानों के प्रमुखों ने भाग लिया।

बैठक में एक संस्थान में एक बैच में 50 आवेदकों को प्रशिक्षण देने का निर्णय लिया गया। केवल वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में 50 आवेदकों के दो बैच थे। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का पहला बैच 5,000 आवेदकों में से 500 ऐसे आवेदकों के साथ शुरू किया गया था जिनके आवेदन सबसे पहले प्राप्त हुए थे। शेष 4,500 आवेदकों को सभी नौ चिकित्सा संस्थानों में दूसरे और बाद के बैच में प्रशिक्षित किया गया।

इस अनूठे प्रशिक्षण कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कहा कि यह पहल कोविड-19 महामारी की पहली और दूसरी लहर के दौरान देखी गई चिकित्सा कर्मचारियों की कमी को देखते हुए

की गई थी। उन्हें बुनियादी नर्सिंग, पैरा मेडिकल, जीवनरक्षक, प्राथमिक चिकित्सा घरेलू देखभाल, नमूना संग्रह, ऑक्सीजन सांद्रक, सिलेंडर संचालन और अन्य में प्रशिक्षित किया गया था। ऐसे कार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल समापन के बाद, उन्हें प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया और विश्वविद्यालय द्वारा उन्हें एक मेडिकल किट भी दी गई जिसमें बीपी मापने की मशीन, पल्स ऑक्सीमीटर, डिजिटल थर्मामीटर आदि शामिल थे।

"ये प्रशिक्षित युवा सीओवीआईडी -19 की संभावित तीसरी लहर की तैयारी के हिस्से के रूप में डॉक्टरों और नर्सों की सहायता के लिए हैं। जब भी किसी आपदा या महामारी के दौरान उनकी सेवाओं की आवश्यकता होगी, इन प्रशिक्षित स्वास्थ्य सहायकों को शामिल किया जाएगा," कुलपति ने कहा।

विश्वविद्यालय ने पूर्वी दिल्ली परिसर में पांच नए कार्यक्रमों के साथ ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की

विश्वविद्यालय ने 8 मार्च 2021 को स्नातक से लेकर अनुसंधान स्तर तक के लगभग 150 विभिन्न कार्यक्रमों में उपलब्ध 40,000 से अधिक सीटों के लिए ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया शुरू की है।

विश्वविद्यालय शैक्षणिक सत्र 2021-22 से नव निर्मित पूर्वी दिल्ली परिसर, सूरजमल विहार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग, इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स और ऑटोमेशन एंड रोबोटिक्स के क्षेत्रों में निम्नलिखित पांच नए बी.टेक/एम.टेक डुअल डिग्री प्रोग्राम पेश कर रहा है।

नव निर्मित स्कूल के तहत - यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ ऑटोमेशन एंड रोबोटिक्स (यूएसएआर) और एक अन्य नव निर्मित स्कूल - यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ डिजाइन एंड इनोवेशन (यूएसडीआई) के तहत बैचलर ऑफ डिजाइन का एक और मांग वाला कार्यक्रम।

विश्वविद्यालय ने द्वारका परिसर में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग (यूएसएपी) के मौजूदा स्कूल के तहत एम. आर्क (शहरी नियोजन) और एम. प्लान (शहरी क्षेत्रीय नियोजन) और संबद्ध कॉलेज में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बेसिक एंड एप्लाइड साइंसेज (यूएसबीएएस) के तहत एम. एससी. पैकेजिंग टेक्नोलॉजी की भी शुरुआत की।

विश्वविद्यालय वर्तमान शैक्षणिक सत्र से अर्थशास्त्र और वास्तुकला में पीएचडी भी शुरू करने जा रहा है, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने तीन प्रवेश ब्रोशर - सामान्य ब्रोशर, विदेशी छात्रों के लिए एम फिल और पीएचडी प्रवेश और प्रवेश विवरणिका के लिए ब्रोशर के ऑनलाइन रिलीज समारोह में यह जानकारी दी। ।

विश्वविद्यालय कठिन समय में एक साथ खड़ा है

जैसे ही कोविड-19 मामले बढ़ने लगे और एसओएस कॉल दिन-रात आने लगीं, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कर्मचारी एक साथ आए और अप्रैल, 2021 में रातों-रात एक 'कल्याण समूह' का गठन किया। शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने स्वेच्छा से कल्याण समूह को धन का योगदान दिया, जो इस उद्देश्य का समर्थन करने के लिए आवश्यक गतिविधियों के वित्तपोषण के लिए पहला कदम था। इन निधियों का उपयोग ऑक्सीजन सिलेंडर और सांद्रक, स्वयंसेवकों

के लिए पीपीई किट प्राप्त करने, कर्मचारियों और परिवारों के लिए डॉक्टरों के साथ टेली-परामर्श की व्यवस्था करने और गंभीर मामलों में अस्पताल में भर्ती होने के समय आवश्यक तत्काल भुगतान करने के लिए किया गया था।

समूह ने 500 से अधिक कर्मचारियों और उनके परिवारों की एसओएस कॉलों का उत्तर देने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम किया। इस अभूतपूर्व समय में जब लोग रिश्तेदारों और दोस्तों का समर्थन करने के लिए घर की सुरक्षित सीमाओं से बाहर निकलने से डर रहे थे, विश्वविद्यालय के कर्मचारियों ने जरूरत के समय दरवाजे तक ऑक्सीजन सिलेंडर की व्यवस्था करने और पहुंचाने में आगे कदम बढ़ाया। कल्याण समूह ने गंभीर रूप से बीमार रोगियों के लिए ऑक्सीजन और आईसीयू बेड की तलाश में अस्पतालों को सक्रिय रूप से कॉल किया।

संयुक्त प्रयासों से, कल्याण समूह प्रत्येक कर्मचारी और उनके परिवार की प्रत्येक आवश्यकता की व्यवस्था करने में सक्षम था। विश्वविद्यालय ने एसडीएम, द्वारका की मदद से आरटी पीसीआर परीक्षण शिविरों की व्यवस्था की, जिससे सीओवीआईडी -19 ट्रेसिंग और आइसोलेशन में काफी मदद मिली जो बढ़ते मामलों को रोकने में महत्वपूर्ण साबित हुई।

विश्वविद्यालय ने आगे एक 'कोविड-19 टास्क फोर्स' का गठन किया है जो विश्वविद्यालय में बेहतर स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे की तैयारी के लिए विचार-विमर्श और प्रतिक्रिया करता है और महामारी की वर्तमान जरूरतों को संबोधित करने के साथ-साथ अनुकूल मानदंडों को लागू करता है। टास्कफोर्स ने अधिकारियों को विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार करने, ऑक्सीजन बेड के साथ एक सीओवीआईडी देखभाल केंद्र स्थापित करने, नियमित आरटी पीसीआर परीक्षण और टीकाकरण शिविर आयोजित करने, विशेष रूप से कुछ संविदा कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों के लिए सुचारू वित्तीय मंजूरी सुनिश्चित करने का प्रस्ताव दिया है। सूची बनाने के लिए। यह टास्क फोर्स सद्भाव में और कल्याण समूह के समानांतर काम कर रही है जो एक परिवार के रूप में एक साथ जरूरतमंद कर्मचारियों का समर्थन करना जारी रखती है।

स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी के पूर्व छात्रों ने, एक एनजीओ के सहयोग से, यूनिवर्सिटी हेल्थ सेंटर को 3 कंसंट्रेटर उधार दिए हैं, जो एक बहुत सराहनीय कदम है।

विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की

विश्वविद्यालय ने 8 अप्रैल 2021 को विश्वविद्यालय शिकायत निगरानी प्रणाली शुरू की। इसका लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.ipu.ac.in पर उपलब्ध है।

यह सार्वजनिक शिकायतों के निवारण और निगरानी के लिए एनआईसी द्वारा विकसित एक ऑनलाइन वेब सक्षम प्रणाली है। लॉन्चिंग समारोह में विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कहा कि यह विश्वविद्यालय के प्रशासनिक और शैक्षणिक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में सहायक होगा।

इस पोर्टल की मुख्य विशेषताएं सार्वजनिक शिकायतों का रखरखाव, शिकायतों की प्राथमिकता, कई विभागों को अग्रेषित करना और भेजना, निवारण तक शिकायतों की ट्रैकिंग और शिकायतों की ऑनलाइन स्थिति की जांच करना आदि हैं।

इस अवसर पर एनआईसी द्वारा इस संबंध में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

विश्वविद्यालय ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आईआईआरएस, इसरोय एनडीआरएय एवं आईजेएल, कीयो यूनिवर्सिटी जापान के साथ तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए

8 अप्रैल को विश्वविद्यालय में एक समारोह में विश्वविद्यालय के आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र (सीडीएमएस) ने तीन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ), एमएचए, भारत सरकारय भारतीय रिमोट सेंसिंग संस्थान (आईआईआरएस), इसरो, अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार, देहरादूनय और भारत जापान प्रयोगशालाएँ (आईजेएल), किओ विश्वविद्यालय, जापान के साथ शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं ।

समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर समारोह के दौरान, श्री एसएन प्रधान, आईपीएस, महानिदेशक, एनडीआरएफय डॉ. प्रकाश चौहान, निदेशक, आईआईआरएस, इसरोय प्रो. राजीब शॉ, निदेशक, आईजेएल, कीयो विश्वविद्यालयय श्री अतुल गर्ग, निदेशक, दिल्ली अग्निशमन सेवाएँ; श्री ए. के. सेंगर, आईपीएस, आईजी, एनडीआरएफय श्री बी. सी. नायक, सेवानिवृत्त आईपीएस, पूर्व विशेष निदेशक इंटेलिजेंस, एमएचए; श्री अनिल सिन्हा, आईएएस सेवानिवृत्त बिहार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संस्थापक उपाध्यक्ष, दिल्ली अग्निशमन सेवा, एनडीएमए, भारतीय सेना के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अध्यक्षधनिदेशक के साथ ऑनलाइन/ऑफलाइन मोड में उपस्थित थे।

आईआईआरएस के साथ समझौता ज्ञापन विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस अनुप्रयोगों में प्रशिक्षण और शिक्षा और उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान में मदद करेगा। आईजेएल, कीयो यूनिवर्सिटी जापान के साथ समझौता ज्ञापन, आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में आगे के संयुक्त अनुसंधान की गुंजाइश के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के उपयोग से जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम को कम करने में मदद करेगा। एनडीआरएफ के साथ समझौता ज्ञापन से आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर सीडीएमएस, जीजीएसआईपीयू की छात्रों के लिए संसाधन व्यक्तियों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण और संयुक्त केस स्टडीज में मदद मिलेगी। समझौता ज्ञापन के सभी पक्षों ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण और न्यूनीकरण के उभरते क्षेत्रों पर संयुक्त रूप से काम करने में गहरी रुचि दिखाई।

समझौता ज्ञापन के दौरान, एनडीआरएफ के महानिदेशक ने कहा कि जीजीएसआईपीयू के छात्र आपदा प्रबंधन के लिए एनडीआरएफ द्वारा निपटाए जाने वाले वास्तविक समय की स्थितियों के दौरान शामिल हो सकते हैं जो छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करेगा और सीडीएमएस के अकादमिक इनपुट के साथ संयुक्त केस स्टडीज भी विकसित की जा सकती हैं। निदेशक, आईआईआरएस ने उन्नत रिमोट सेंसिंग और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों पर संयुक्त अल्पकालिक/पीजी पाठ्यक्रम विकसित करने और संसाधन व्यक्तियों के आदान-प्रदान और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता पर जोर दिया। निदेशक, आईजेएल, कीओ विश्वविद्यालय ने जोर देकर कहा कि आपदा प्रबंधन से निपटने और उन्नत प्रौद्योगिकी के उपयोग में जापान के अनुभव को अकादमिक और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए सीडीएमएस के साथ साझा किया जा सकता है जो विभिन्न प्राकृतिक और मानव निर्मित आपदाएँ जोखिम को कम करने में प्रबंधन और योजना बनाने में मदद करेगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति पद्मश्री प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने कहा कि विभिन्न शैक्षणिक सहयोगों के माध्यम से इस प्रकार के शैक्षणिक संबंध समय की मांग हैं, जहां हम प्रौद्योगिकियों और जनशक्ति संसाधनों को एक दूसरे के साथ साझा कर सकते हैं। इस तरह के शैक्षणिक सहयोग निश्चित रूप से अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अनुसंधान और शैक्षणिक उत्कृष्टता और सर्वोत्तम प्रथाओं में उच्च लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए तालमेल बनाने में मदद करेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव श्री रवि दाधीच ने एमओयू समारोह के सभी गणमान्य व्यक्तियों को धन्यवाद प्रस्ताव दिया और कहा कि विश्वविद्यालय माननीय कुलपति, जीजीएसआईपीयू के गतिशील नेतृत्व में नई ऊंचाइयां हासिल कर रहा है।

15 जुलाई, 2021 को आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ शोध कहानी, बोलचाल मेंरू गंगा संवाद, 2021), यूएनडीपी के एसडीजी 7 लक्ष्य अप्रैल 2021 को पूरा करने के लिए कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता के लिए एसएचके टर्बाइन को ब्रिक्स राष्ट्र सतत विकास प्रौद्योगिकी पुरस्कार के रूप में सम्मानित किया गया।

3. छात्र कल्याण निदेशालय

छात्र कल्याण निदेशालय ने विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है, वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमोंधातिविधियों का संक्षिप्त सारांश इस प्रकार है:

1. शिक्षक दिवस समारोह (5 सितंबर, 2021)

विश्वविद्यालय में 5 सितम्बर, 2021 को सायं 04.00 बजे शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। प्रो. श्याम बी. मेनन, पूर्व कुलपति, अंबेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली मुख्य अतिथि और प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, माननीय कुलपति ने समारोह की अध्यक्षता की। समारोह में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के संकाय सदस्यों और छात्रों ने भाग लिया।

2. विद्यार्थी परिषद का गठन

कक्षा प्रतिनिधियों (सीआर), स्कूल प्रतिनिधियों (एसआर-सामान्य और एसआर-शैक्षणिक) का चुनाव 09.03.2022 को आयोजित किया गया था और शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए छात्र परिषद के पदाधिकारियों का चुनाव 22.03.2022 को आयोजित किया गया था। निदेशक, छात्र कल्याण, कुलसचिव, मुख्य वार्डन, प्रॉक्टर की उपस्थिति। प्रो. अरिंजय जैन, अध्यक्ष, यूएससीटी और प्रो. एपी सिंह, अध्यक्ष, यूएसएलएलएस (कुलपति के नामांकित व्यक्ति) को छात्र परिषद के समग्र चुनाव के संचालन के लिए माननीय कुलपति द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी के रूप में नामित किया गया था। सुश्री आंचल गौतम, यूएससीटी, सुश्री अनुष्का गुप्ता, यूएसएलएलएस और सुश्री आरुषि बंसल, यूएसएपी को सभी एसआर द्वारा क्रमश: अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में चुना गया।

3. रचनात्मक अभिव्यक्ति के लिए सृजन-इंद्रप्रस्थ सोसायटी

छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निदेशक, छात्र कल्याण कार्यालय द्वारा सृजन के तहत निम्नलिखित 14 क्लब स्थापित किए गए हैं:

1. फोटोग्राफी/फिल्म क्लब
2. साहित्यिक क्लब
3. ड्रामेटिक्स क्लब
4. प्रकाशन क्लब
5. संगीत क्लब
6. नृत्य सभा
7. ललित कला क्लब
8. विज्ञान क्लब
9. नेचर क्लब
10. संवैधानिक क्लब
11. जेंडर चौंपियंस क्लब
12. हेरिटेज क्लब
13. कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी
14. एक भारत श्रेष्ठ भारत

सृजन, डीएसडब्ल्यू द्वारा निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की गईं

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की तिथि
1	एकल उपयोग प्लास्टिक हटाओ विषय पर ऑनलाइन निबंध प्रतियोगिता	05-04-21
2	निबंध लेखन प्रतियोगिता बोलने की स्वतंत्रता का अधिकार और इसकी सीमाएं	27-04-21
3	वाद-विवाद प्रतियोगिता है "भारतीय अर्थव्यवस्था में निजीकरण: एक वरदान या एक अभिशाप"	01-05-21
4	अंतर्राष्ट्रीय फोटो प्रतियोगिता 'यूथ आइज ऑन द सिल्क रोड्स' का तीसरा संस्करण	24-05-21 से 24-08-21 तक
5	डॉ. सुधीर पुनिया (एमबीबीएस, एमएस ऑर्थोपेडिक), पूर्व एसआर पीजीआईएमएस रोहतक, पूर्व सलाहकार ईएसआईसी ओखला दिल्ली द्वारा "पहेली सुलझाना...कोविड" विषय पर बातचीत	28-05-21
6	सार्वजनिक स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग के एसोसिएट प्रो. और प्रमुख मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज डॉ. विक्रांत मोहंती द्वारा वेबिनार और शपथ ग्रहण समारोह	31-05-21
7	सुश्री भावना शर्मा द्वारा ध्यान सत्र	12-06-21
8	सुश्री हरलीन चड्ढा काउंसलर-छात्र/अभिभावक और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों द्वारा एडवेंचर इन एटीट्यूड	25-06-21
9	11 अगस्त, 2021 को नशा मुक्त भारत अभियान में डॉ. राकेश गुप्ता एमबीबीएस द्वारा बातचीतय सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा और अनुसंधान के लिए एमडी अध्यक्ष और निदेशक सार्वजनिक स्वास्थ्य रणनीतिक संस्थान	11-08-21
10	"जश्न ए-आजादी"	14-08-21
11	नि:शुल्क नेत्र जांच	21-08-21
12	स्वच्छ भारत मिशन जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में स्वच्छता को प्रोत्साहित करता है	31-08-21
13	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय परिसर में वर्ष 2021 के लिए स्वच्छता पखवाड़ा	01-09-21 से 15-09-21 तक
14	मैत्रीबोध परिवार (एमपीबी) द्वारा हिंदुजा हॉस्पिटल मुंबई के सहयोग से मेडिकल वेलनेस रिसर्च प्रोग्राम का आयोजन किया गया।	07-09-21
15	ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	13-09-21
16	स्वच्छता पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता - एक व्यापक परिप्रेक्ष्य पर कर्नल केके शर्मा द्वारा वेबिनार, एक पूर्व सेना अधिकारी और पर्यावरणविद् हैं	15-09-21
17	सामाजिक/राजनीतिक रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना	23-09-21 से 29-09-21 तक
18	फिल्म क्विज का 2021 संस्करण	18-09-21
19	"आजादी का अमृत महोत्सव- गांधी जयंती"	02-10-21
20	गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में साइक्लोथॉन	29-10-21
21	भारत को जानो	29-10-21
22	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 का जश्न: आजादी: भारत को स्वतंत्र बनाने का संघर्ष विषय पर एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	29-10-21
23	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 का उत्सव: ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता	30-10-21
25	श्री कुलजीत सिंह द्वारा नाटक इंटरैक्टिव आभासी सत्र की बारीकियाँ	30-10-21
26	हाना छात्रवृत्ति क्लैक वितरण	30-12-21
27	डॉ. पंपोश और डॉ. अंशू गुप्ता द्वारा "आजादी का अमृत महोत्सव-गणतंत्र दिवस" मनाने का निमंत्रण	25-01-22
28	विभा द्वारा एकल उपयोग प्लास्टिक को खत्म करने पर निबंध प्रतियोगिता	26-01-22
29	वनिता गोयल, मानव, शुभम द्वारा "बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट: रिगार्ड बिफोर यू डिसकार्ड"।	26-01-22

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम की तिथि
30	द टॉकिंग मास्टर्स- द एक्सटेम्पोर इवेंट	31-01-22
31	निशिता गेरा द्वारा जल संरक्षण पर "ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता"।	20-02-22
32	यश द्वारा स्वच्छता - एक व्यापक परिप्रेक्ष्य	21-02-22
33	विशेष द्वारा "शाकाहारी आहार: प्रकृति की भलाई" पर वाद-विवाद प्रतियोगिता	21-02-22
34	डॉ. वंदना, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. जुबैर द्वारा ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता	24-02-22
35	डॉ. वंदना, डॉ. राकेश कुमार, डॉ. जुबैर द्वारा ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता	25-02-22
36	डॉ. पम्पोज द्वारा ऑनलाइन सेमिनार प्रकृति एवं संगीत	04-03-22
37	विज्ञान दिवस पर डॉ. राजेश कुमार की लोकप्रिय बातचीत	08-03-22
38	डॉ. दिनेश कुमार द्वारा सिक्किम विश्वविद्यालय के साथ एक सांस्कृतिक महोत्सव	08-03-22
39	जुबैर अहमद खान, वाणी प्रकाश और राकेश कुमार द्वारा कविता प्रतियोगिता	08-03-22
40	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जुबैर अहमद खान, वाणी प्रकाश और राकेश कुमार द्वारा वेबिनार जिसका शीर्षक था "महिला अधिकार न्यायशास्त्र के निर्माण में न्यायपालिका की भूमिका"	08-03-22
41	सुश्री अदिति कुंडू और डॉ. शालिनी यादव द्वारा साम्य अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	09-03-22
42	साम्य (पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता)	10-03-22
43	सुश्री अदिति कुंडू और डॉ. शालिनी यादव द्वारा साम्य (पैनल चर्चा)।	15-03-22
44	सुश्री अदिति कुंडू और डॉ. शालिनी यादव द्वारा सौम्या फिल्म की स्क्रीनिंग	23-03-22
45	डॉ. कुल्विन त्रेहन द्वारा होली मिलन	23-03-22

4. यात्रा अनुदान

निम्नलिखित विवरण के अनुसार छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	पेपर का शीर्षक	कार्यक्रम का स्थान	दिनांक	स्वीकृत राशि
1	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ (संध्या भट्ट, नामांकन संख्या 90067051215, पीएच.डी, यूएसईएम द्वारा प्रस्तुत)	जल संसाधन और पर्यावरण पर छठा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पेपर का शीर्षक: "सुल्तानपुर झील, गुड़गांव, हरियाणा में तलछट जीवाणु विविधता और सामुदायिक संरचना पर जल विज्ञान शासन का प्रभाव"	टोक्यो, जापान	23.08.2020 से 26.08. 2020 तक	रु. 46852/-
2	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ (उपलब्धि त्यागी, नामांकन संख्या 00316190616, पीएच.डी., यूएससीटी द्वारा प्रस्तुत)	उन्नत कार्यात्मक सामग्रियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन एनसीएएफएम-2019, पेपर का शीर्षक: हरित विलायक में कार्यात्मक उत्प्रेरक का उपयोग करके बायोमास के मॉडल घटक का मूल्य वर्धित उत्पादों में उत्प्रेरक परिवर्तन।	नई दिल्ली	20.11.2020 से 21.11. 2020 तक	रु. 2000ध-

5. सेमिनार अनुदान

निम्नलिखित विवरण के अनुसार सेमिनार आयोजित करने के लिए निम्नलिखित संबद्ध संस्थानों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है:

क्र.सं.	संस्थान का नाम	सेमिनार/सम्मेलन का शीर्षक	कार्यक्रम का स्थान	दिनांक	स्वीकृत राशि
1	महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और आवेदन 2020	एमएसआईटी, नई दिल्ली	06.02.2020 से 07.02.2020 तक	रु. एक लाख

4. विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठ

4.1 विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजना विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	बी. आर्क	5 वर्ष	80 प्रति बैच
2	एम.आर्क	2 वर्ष	22
3	एम. योजना (शहरी एवं क्षेत्रीय योजना)	2 वर्ष	22

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल के संबंध में स्कूल में नई सुविधाओं के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1	कंप्यूटर लैब	एम.आर्क और एम.प्लान के छात्रों के लिए 20 कंप्यूटरों वाली 2 कंप्यूटर लैब
2	एम.आर्क के लिए स्टूडियो एवं एम.प्लान.	प्रत्येक 22 छात्रों के लिए एम.आर्क (शहरी डिजाइन) के लिए 2 स्टूडियो प्रत्येक 22 छात्रों के लिए एम.प्लान (शहरी नियोजन) के लिए 2 स्टूडियो

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

(क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो. नीरजा लुगानी सेठी

- सेठी एल. एन, 2022, बिहेवियरल साइंसेज हॉस्पिटल्स इन इंडिया, जर्नल ऑफ एडवांस रिसर्च इन साइंस एंड सोशल साइंस (जेएआरएसएससी), 05, 01, 70-90।
- सेठी एल. एन और शर्मा, ए., 2021, निर्माण उद्योग में श्रम की क्षमता निर्माण के लिए शिक्षण अध्यापन, द यूएसएपी जर्नल, I, 59-64।

प्रो. रजत रे

- रे. आर., 2021, दिल्ली के 3 वास्तुकला विद्यापीठ, द यूएसएपी जर्नल, 1, 16-20।

अर. रेखा भास्करन

- भास्करन, आर., 2021, मेट्रो स्टेशन के आसपास अंतिम मील कनेक्टिविटी के लिए एक विकल्प के रूप में चलने की चुनौतियाँ, द यूएसएपी जर्नल, I, 8-15।

अर. अवतार सिंह

- सिंह, ए., 2021, डिजाइन प्रक्रिया में चिंतनशील सोच के एक उपकरण के रूप में स्केचिंग, यूएसएपी जर्नल, I, 39-42।

अर. अदिति कुंडू

- कुंडू, ए., 2021, लोकतंत्र और वास्तुकला, द यूएसएपी जर्नल, I, 21-22।

अर. सुमंत शर्मा

- शर्मा, एस. और जनवेजा, एस., 2021, आवास परिदृश्य को आकार देने में भवन उपनियमों की भूमिका: द्वारका, नई दिल्ली का एक उदाहरण, द यूएसएपी जर्नल, I, 23-33।

अर. हेमलता चौहान

- नायर, वी. और चौहान, एच., 2021, धार्मिक केंद्र का महत्व: हरिद्वार और ऋषिकेश का केस स्टडी, द यूएसएपी जर्नल, I, 34-38।

अर. अनुराग गिरि

- गिरी, ए. और अग्रवाल, पी., 2021, आवासीय क्षेत्र में अनियोजित वाणिज्यिक विकास की हताहतों की संख्या का अध्ययन और विश्लेषण, यूएसएपी जर्नल, I, 43-58।

अर. दिलीप सिंह कुशवाह

कुशवाह, डी. एस., 2022, भारतीय शहरों में जल प्रबंधन के मुद्दे: ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत का केस स्टडी, एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (इजरासेट), 10, 2 फरवरी, 52-55।

अर. चिराग वार्ष्णेय

वार्ष्णेय, सी., 2022, खराब रोशनी और कम हवादार इमारतों में सिक बिल्डिंग सिंड्रोम (एसबीएस), 2022 ईसीएस-द इलेक्ट्रोकेमिकल सोसाइटी ईसीएस लेनदेन, 107, 1. https://iopscience.iop.org/article/10.1149/10701.9275ecst/meta.

अर. मल्लिका देव

देव, एम., 2021, स्ट्रीट वेंडर्स का कार्यान्वयन (आजीविका का संरक्षण और स्ट्रीट वेंडिंग का विनियमन) अधिनियम 2014: वडोदरा का मामला, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग टेक्नोलॉजीज, 12, 162-166.

अर. नमिता सिंह

सिंह, एन., 2021, शक्ति, महिला और वास्तुकला: स्थानिक निर्माण की समीक्षा, विज्ञान, इंजीनियरिंग और प्रबंधन में उभरते रुझान, 1, 29-33।

अर. शाहनम साजिदा

साजिदा, एस., 2021, पेरी शहरी क्षेत्र खाद्य सुरक्षा के प्रति संवेदनशीलता, इंजीनियरिंग में तकनीकी अनुसंधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 8, 6, 47-52, https://ijtre.com/journal-articles।

(ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

प्रो. नीरजा लुगानी सेठी

सेठी एल.एन, और गुप्ता, एस., 2022, भारतीय स्मार्ट शहरों में शहरी गांव: चुनौतियां और अवसर (दिल्ली का मामला), शहरी गांवों पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान संगोष्ठी।

अर. अंजू मणि कलिता

- कलिता, ए. एम, 2022, यादव अश्मिता, यमुना नदी प्रणाली पर औद्योगिक विकास और तेजी से शहरीकरण का प्रभाव- दिल्ली का एक मामला, 'भविष्य शहरी है' लचीलापन, रहने योग्यता और संसाधन संरक्षण आईएसबीएन 9781032378923 रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस समूह, 37-41।

अर. साजिदा शाहनम

- शाहनम, एस., 2021, परिवहन लिंग तटस्थ नहीं है, आईएसबीएन 97881949173049 वास्तुकला और परे पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएबी' 2021), 159-164।
- शाहनम, एस., गर्ग, आई., 2021, जल संवेदनशील योजना के लिए एक उपकरण के रूप में जल संसाधन वहन क्षमता का मूल्यांकन: महाराष्ट्र के पालघर जिले का एक मामला, आईटीपीआई द्वारा 69वां राष्ट्रीय नगर और देश नियोजक सम्मेलन, 369-378।

(ग) पुस्तक अध्याय

अर. रेखा भास्करन

- भास्करन, आर.और गर्ग, सी., 2021, शहरी गांवों में जीवन की गुणवत्ता की स्थिति- नाहरपुर का एक अध्ययन। एसएम अख्तर (एड.) में, गांवों के लिए वास्तुकला और योजना, वेलवर्थ बुक्स इंटरनेशनल। आईएसबीएन 978-81-953960-0-9, 146-153।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

अर. सुमंत शर्मा

- भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता, 15 - 27 अप्रैल 2021, ऑनलाइन मोड।

अर. रेखा भास्करन

- भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता, 16 - 27 अप्रैल 2021, ऑनलाइन मोड।

अर. अंजुल भट्ट

- भारतीय सांकेतिक भाषा (मध्यवर्ती स्तर), 09 - 21 अगस्त 2021, ऑनलाइन मोड।

अर. अनुराग गिरि

- फैकल्टी इंडक्शन प्रोग्राम, 20-अगस्त 21 - 16 सितंबर 21, ऑनलाइन मोड।

अर. हेमलता

- स्मार्ट सिटी- अवसर और चुनौतियाँ, 08-13 अगस्त 2021, ऑनलाइन मोड।

अर. दिलीप सिंह कुशवाह

- "महामारी के बाद की दुनिया में रहने लायक स्थिति को संबोधित करना" -एमिटी यूनिवर्सिटी कोलकाता, 14 - 20 जुलाई 2021, (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।
- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" - एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. नेहा आर पारीक

- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" - एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।
- भारत और मंगोलिया के लिए तत्काल लचीलापन और अनुकूलन - यूरोपीय संघ के इरास्मस. कार्यक्रम द्वारा वित्त पोषित, 22 जनवरी 2022, ऑनलाइन मोड।

अर. चिराग वार्ष्णेय

- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. अंजू मणि कलिता

- स्मार्ट शहरों के अवसर और चुनौतियाँ, 08-13 अगस्त 2021 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।
- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" - एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. रेणुका अवतरमणि

- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" - एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. मेधा सोबती

- "आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास" एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह) और 13 मई 2022, ऑनलाइन मोड।

अर. मल्लिका देव

- आईसीटी-एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 - 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. शमीन खान

- आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका इनडोर वायु गुणवत्ता का प्रबंधन, 7 – 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह) और 27 जनवरी 2022, ऑनलाइन मोड।

अर. साजिदा शाहनम

- आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकासह एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 – 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।
- 'ट्रांसफॉर्मिंग पेरीअर्बन 'यूचर्स' पर बहु-हितधारक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एसपीए भोपाल, कोलोन-जर्मनी विश्वविद्यालय, डेल्फ्ट विश्वविद्यालय, सैसीवाटर्स-हैदराबाद), 18 – 19 जनवरी 2022 (2 दिन), ऑनलाइन मोड।
- एनआईटी कालीकट में 9-11 दिसंबर (3 दिन), ऑनलाइन मोड में "विरासत और सतत विकास" पर एक कार्यशाला में समन्वय और भाग लिया।
- मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम द्वारा मध्य प्रदेश ऊर्जा संरक्षण बिल्डिंग कोड (एमपी-ईसीबीसी) पर परिचयात्मक और उन्नत स्तर की प्रशिक्षण कार्यशाला, एक सप्ताह, मार्च 2021, ऑनलाइन मोड।

अर. क्षितिज कुमार

- आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 – 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह), ऑनलाइन मोड।

अर. नमिता सिंह

- आईसीटी के माध्यम से आपदा प्रबंधन और सतत विकास एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ और जीजीएसआईपीयू द्वारका, 7 – 11 मार्च 2022 (1 सप्ताह) ऑनलाइन मोड।

5. शोधार्थियों का विवरण:

(क) चल रहे पी.एच.डी. पंजीकृत शोधार्थियों की कुल संख्या: 01

6. प्रकाशित आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

यूएसएपी जर्नल, प्रकाशक: यूएसएपी, खंड: 1, प्रकाशित वर्ष 2021

7. अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

(क) ऑनलाइन मोड में आयोजित सेमिनारों की कुल संख्या: 10

(ख) कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम की कुल संख्या: 4

4.2 विश्वविद्यालय बेसिक और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एम.टेक इंजीनियरिंग भौतिकी	02 वर्ष	18
2	एम.टेक. नैनो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	02 वर्ष	15

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

डॉ. आरिफ अली खान

- नीतू और खान, एए, "उनके उत्पादों के चक्रीकरण और अलगाव द्वारा दो अविभाज्य कन्फर्मर्स में कार्बन-कार्बन बॉन्ड के आसपास रोटेशन को फ्रीज करना", कार्बनिक और औषधीय रसायन। आई जे. 2021 (स्वीकृत/डीओआई: 10.19080/ओएमसीआईजे.2021.11.555810)। (प्रभाव कारक: 1.3)

डॉ. योगेश त्यागी

- रोहिल्ला, एम., सक्सेना, ए., त्यागी, वाईके, सिंह, आई., तंवर, आरके और नारंग, आर., 2021, बहुमुखी अनुप्रयोगों को कवर करने वाली संघनित एरोसोल आधारित अग्नि शमन प्रणाली। अग्नि प्रौद्योगिकी, https://do.org/10.1007/s10694-021-01148-4।
- रोहिल्ला, एम., सक्सेना, ए., त्यागी, वाई.के, 2021, आग बुझाने के अनुप्रयोग के लिए एयरोसोल बनाने वाले कंपोजिट के प्रदर्शन पर धातु ऑक्साइड की भूमिका। थर्मल विश्लेषण और कैलोरीमेट्री जर्नल। https://doi.org/10.1007/s10973-021-11078-6।
- कुमार, ए., सिंह, एम., पांडब, एके और त्यागी, वाई.के, 2021, एमाइड-लिंक्ड डेंड्रोन-आधारित एम्फीफाइल्स: निरंतर दवा रिलीज के लिए पीएच संवेदनशील और अत्यधिक जैव-संगत दवा वाहक का एक वर्ग। सुपरमॉलेक्यूलर केमिस्ट्री, 33 (5), 211-221।
- कुमार, ए., सिंह, आर., त्यागी, वाईके, 2022, एमाइड-लिंक्ड डेंड्रोन-आधारित गैर-आयनिक एम्फीफाइल्स का डिजाइन, संश्लेषण और स्व-संयोजन। जर्नल ऑफ द ईरानी केमिकल सोसाइटी, 19, 1167-1177।

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

- प्रियंका, गुप्ता, एसएम, और शर्मा, एसके, 2022, "कार्बन नैनोट्यूब नैनोफ्लुइड के स्थिरीकरण पर एक समीक्षा" जर्नल ऑफ थर्मल एनालिसिस एंड कैलोरिमेट्री 147, 6537-6561 आईएसएसएन 1388-6150, 1572-8943। डीओआई: https://doi.org/10.1007/s10973-021-10999-6।

डॉ. राम शंकर गुप्ता

- रानी, एस. और गुप्ता, आरएस, 2021, केनमोत्सु मैन्किोल्ड्स पर क्वासी-*आइंस्टीन मेट्रिक। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज, 25(4), 509-516। समकक्ष की समीक्षा हो जाना।
- टम्टा, एस. और गुप्ता, आरएस, 2021, E_1^3 में WC* पार्टनर कर्व। जर्नल ऑफ इंटरनेशनल एकेडमी ऑफ फिजिकल साइंसेज, 25(4), 495-508। समकक्ष की समीक्षा हो जाना।
- रानी, एस. और गुप्ता, आरएस, 2022, कोसिम्प्लेक्टिक मेट्रिक के साथ मैनिफोल्ड्स पर रिक्की सॉलिटॉन। यूपीबी. विज्ञान. बुल., सीरीज ए, 84(1, 89-98. एससीआई (आईएफ 0.903), यूजीसी-देखभाल सूची।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

- चौधरी, एस., हसीना, डी., सैनी, एम., रंजन, एम. और महापात्र, एस., 2022, ZnFe2O4-ZnO हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर के सुस्पष्ट संश्लेषण, रूपात्मक, संरचनात्मक, फोटोकैटलिटिक और ऑप्टिकल गुण, मिश्र धातु और यौगिकों के जर्नल 895, 162723.

- कुमार, आर., सुधाइक, ए., खान, एएपी, रायजादा, पी., असिरी, ए.एम, महापात्र, एस., ठाकुर, एस., ठाकुर, वीके, सिंह, पी., 2022, डुअल की डिजाइनिंग पर वर्तमान स्थिति ऊर्जा और पर्यावरण अनुप्रयोगों के लिए जेड-स्कीम फोटोकैटलिस्ट, जर्नल ऑफ इंडस्ट्रियल एंड इंजीनियरिंग केमिस्ट्री 106, 340-355।
- जमीलुर, आरए, सिंह, एन., अनवर, एस., महापात्र, एस., दत्ता, ए., 2022, सिल्वर नैनोकणों ने बढ़ी हुई फोटोकैटलिटिक गतिविधि के लिए दो आयामी एमओएस2 नैनोशीट्स को सजाया, कोलाइड्स सर्फेस ए: इंजीनियरिंग 635, 128102।
- साहू, के., बिष्ट, ए., दत्ता, ए., सोम, टी. और महापात्र, एस., 2021, फोटोकैटलिटिक और कैटेलिटिक अनुप्रयोगों के लिए आरएफ मैग्नेट्रोन स्पटरिंग द्वारा Au-Cu2OCuO नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों का निर्माण, सतह और इंटरफेस 26, 101436.
- चौधरी, एस., बिष्ट, ए., दलाई, एमके और महापात्र, एस., 2021, ZnFe2O4 नैनोस्ट्रक्चर के सुस्पष्ट संश्लेषण, रूपात्मक, संरचनात्मक, फोटोकैटलिटिक और ऑप्टिकल गुण, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स 32, 27429-27440।
- साहू, के., सतपति, बी. और महापात्र, एस., 2021, फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोगों के लिए CuO नैनोशीट्स का आसान निर्माण, एप्लाइड फिजिक्स ए 127, 361।
- साहू, के., खान, एसए, पांडे, ए. और महापात्र, एस., 2021, Au-Cu2O-CuO नैनोकम्पोजिट पतली फिल्म के रूपात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुणों का थर्मल विकास, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स 32, 24058-24068.
- चौधरी, एस., बिष्ट, ए., सतपति, बी. और महापात्र, एस., 2021, फोटोकैटलिटिक अनुप्रयोग के लिए सीई-डोप्ड जेएनओ नैनोस्पिंडल्स का आसान संश्लेषण, एप्लाइड फिजिक्स ए 127, 909।

प्रो. अनिंद्य दत्ता

- अंसारी, जेआर, नासेह, एमडी. एफ., सिंह, एन., सरकार, टी., और दत्ता, ए., 2021, जलीय मीडिया में As (III) की एक विस्तृत श्रृंखला पर एमओएस2 क्वांटम डॉट्स की अनूठी फोटोल्यूमिनेशन प्रतिक्रिया; नैनोटेक्नोलॉजी 32, 345708-345719।
- साहा, डीआर, कुमार, केआर, अंसारी, एफ., स्वपन, के. घोष, दत्ता, ए. और दीपांकर चक्रवर्ती, 2021, सरल भौतिक सम्मिश्रण मार्ग द्वारा उत्तेजना-उत्तरदायी कोटिंगय सेरामिक्स इंटरनेशनल, 47(18), 26357-26365A doi:10.1016/j-ceramint-06-04.
- सिंह, एन., अंसारी, जेआर, पाल, एम., दास, ए., सेन, डी., चट्टोपाध्याय, डी. और दत्ता, ए., 2021, कोबाल्ट-कम ग्राफीन ऑक्साइड हाइब्रिड सामग्री की उन्नत नीली फोटोल्यूमिनेसेंस और अवलोकन आकृति विज्ञान को सिलाई करके दुर्लभ प्लास्मोनिक प्रतिक्रियाय अनुप्रयुक्त भौतिकी ए, 127:568; https://doi.org/10.1007/s00339-021-04697-1.

- नसेह, एमडी, एफ., सिंह, एन., अंसारी, जेआर, कुमार, ए., सरकार, टी. और दत्ता, ए., 2022, एल-सिस्टीन ने एएस (III) के सब-पीपीबी डिटेक्शन के लिए ग्राफीन क्वांटम डॉट्स को क्रियाशील किया। य नैनोटेक्नोलॉजी 33 065504.
- अंसारी, जे.आर, सिंह, एन., अनवर, एस., महापात्र, एस. और दत्ता, ए., 2022, सिल्वर नैनोकणों ने बढ़ी हुई फोटोकैटलिटिक गतिविधि के लिए दो आयामी एमओएस 2 नैनोशीट्स को सजायाय कोलाइड्स और सतहें ए: भौतिक रासायनिक और इंजीनियरिंग पहलू 635, 128102; https://doi.org/10.1016/j. कोलसर्फा.2021.128102.

डॉ. कृति बत्र

- कश्यप, एस. और बत्रा, के., 2022, "SnlSemSn क्लस्टर्स के संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक, थर्मोडायनामिक और ऑप्टिकल गुण: एक डीएफटी अध्ययन", रासायनिक भौतिकी, 558, 111501।
- यादव, एस., मिश्रा, एन., खन्ना, पी., मानसी, बत्रा, के. और खन्ना, एल., 2022, "विभिन्न सॉल्वैंट्स का उपयोग करके डिबेंजाजेपाइन और 2,5-डाइमिथाइलफुरन के डायल्स-एल्डर रिएक्शन पर एक डीएफटी अध्ययन और तापमान की स्थिति", पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक यौगिक, डीओआई: 10.1080/10406638.2022.2056622।
- चानाना, जी. और बत्रा, के., 2022, "डीएसएससी अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न सॉल्वैंट्स में प्राकृतिक डाई अणुओं लॉसोन और पुरपुरिन की मॉडलिंग: एक डीएफटी और टीडी-डीएफटी अध्ययन।" आणविक सिमुलेशन, 48(9), 1-16।
- चानाना, जी. और बत्रा, के., 2021 "डीओआई संयुग्मित कार्बनिक डाई अणुओं के आणविक संरचना, यूवी-दृश्यमान स्पेक्ट्रा और ऑप्टिकल गुणों के मॉडलिंग में कार्यात्मक प्रदर्शन और स्थानापन्न प्रभाव की जांच: एक डीएफटी और टीडी-डीएफटी अध्ययन" जर्नल आण्विक मॉडलिंग के, 27(8) 229 (1-19)।

डॉ. लीना खन्ना

- यादव, एस., मिश्रा, एन., खन्ना, पी., मानसी, बत्रा, के. और खन्ना, एल., 2022, विभिन्न सॉल्वैंट्स और तापमान का उपयोग करके डिबेंजाजेपाइन और 2,5-डाइमिथाइलाफुरन की डायल्स-एल्डर प्रतिक्रिया पर एक डीएफटी अध्ययन स्थितियाँ। पॉलीसाइक्लिक एरोमैट. कॉम्पड., https://doi.org/10.1080/10406638.2022. 2056622. प्रभाव कारक 3.74
- दीक्षा, सिंह, आर. और खन्ना, एल., 2021. ग्लीबियोनिस कोरोनारिया (एल.) कैस। एक्स स्पैच (एस्टेरेसी)-संभावित जीवाणुरोधी गुणों वाला एक नया फैब्रिक डाई। जे. इंडियन केम. समाज., 98 (11), 100193, 1-8. प्रभाव कारक 0.284
- खन्ना, एल., यादव, एम., मिश्रा, एस., खन्ना, एन. और पंकज, 2021, इन वॉटर" सिंथेसिस ऑफ बीआईएस (इंडोलिल) मीथेन्स: ए रिव्यू। सिंथ। कम्यून., 51(19), 2892-2923. प्रभाव कारक 2.0
- सिंघल, एस., खन्ना, पी., मिश्रा, एन., खन्ना, एल., 2021, मल्टीटार्गेट डायलिल डाइसल्फाइड्स (डीएडीएस) अगेंस्ट एए एग्रीगेशन: स्क्रीनिंग थ्रु मॉलिक्यूलर डॉकिंग विथ Ax42 एंड ZnII-Ax16, एडीएमई, डीएफटी एंड सिंथेटिक स्ट्रैटेजी। रसायन विज्ञान चयन, 6(17), 4112-4123। प्रभाव कारक 2.1
- सिंघल, एस., खन्ना, पी. और खन्ना, एल., 2021, संश्लेषण, बीआईएस इंडोल शिफ बेस और सीटी-डीएनए और एसएआरएस-सीओवी-2 एमप्रो के साथ आणविक डॉकिंग के इन विट्रो जीवाणुरोधी, एंटीऑक्सिडेंट और यूवी प्रतिदीप्ति अध्ययन में तुलनात्मक। ल्यूमिनसेंस, 36(6), 1531-1543। प्रभाव कारक 2.46.

(ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

डॉ. कृति बत्र

- चानाना, जी. और बत्रा, के., 2022, "नॉनलाइनियर ऑप्टिकल (एनएलओ) अनुप्रयोगों के लिए मॉडलिंग उपन्यास कार्बनिक अणु 2- (4-एथिलबेंजाइलिडीन) मैलोनोनिट्राइल (ईबीएम), परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में अनुप्रयोगों के साथ नैनो भौतिकी, 271 (2022) 421-438। भौतिकी स्प्रिंगर सिंगापुर में स्प्रिंगर कार्यवाही।

डॉ. आभा अग्रवाल

- वर्मा, आर. और अग्रवाल, ए., 2021, भाषाई अंतर्ज्ञानवादी फजी पेऑफ के साथ मैट्रिक्स गेम: बुनियादी परिणाम और समाधान विधियां। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समीक्षा, 54(7), 5127-5162।
- वर्मा, आर. और अग्रवाल, ए., 2021, (2010-6234) 2-टयूपल अंतर्ज्ञानवादी अस्पष्ट भाषाई भुगतान के साथ मैट्रिक्स गेम पर। फजी सिस्टम्स का ईरानी जर्नल.

- मोहन्ता, के.के, शरणप्पा, डीएस और अग्रवाल, ए., 2021, डेटा आवरण विश्लेषण के आधार पर भारत में कोविड-19 महामारी के प्रबंधन में दक्षता विश्लेषण, व्यवहार विज्ञान में वर्तमान अनुसंधान, 2, 100063।
- श्रीवास्तव, एस., अग्रवाल, ए., और मेहरा, ए., 2022, संचयी संभावना सिद्धांत द्वारा पोर्टफोलियो चयन और माध्य-विचरण मॉडल के साथ इसकी तुलना। ग्रैन्युलर कंप्यूटिंग, 1-14.

डॉ. राजेश कुमार

- गुप्ता, डी., चौहान, वी., कोरटकर, एन. और कुमार, आर., 2022, 2-डी एमओएस2 की इलेक्ट्रॉनिक संरचना इंजीनियरिंग ने आयन बीम विकिरण के तहत पतली फिल्मों को फैलाया: नियंत्रित दोष पीढ़ी द्वारा प्रेरित, सिरेमिक इंटरनेशनल 48, 2999-3019 (एल्सेवियर)।
- चौहान, वी., गुप्ता, डी., उपाध्याय, एस., महाजन, ए., गौड़, ए., कुमार, एस. और कुमार, आर., 2022, ऑप्टिकल, भौतिक-रासायनिक और पर उच्च खुराक गामा विकिरण का प्रभाव नैनोक्रिस्टलाइन ZrO2 पतली फिल्मों की सतह आकारिकी गुण, ऑप्टिकल सामग्री, 126, 112121 (एल्सेवियर)।
- गुप्ता, आर., कुमार, वी., राम, जे., चौहान, वी., गुप्ता, डी., कुमार, एस., कोरटकर, एन. और कुमार, आर., 2022, मचान-सहायता प्राप्त इलेक्ट्रो संश्लेषित PbSe नैनोवायरों में गुणों के संशोधन के लिए उच्च ऊर्जा (एमईवी) Au9+ आयन विकिरण का प्रभाव, अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार, 135, 109093 (एल्सेवियर)।
- गुप्ता, डी., चौहान, वी., उपाध्याय, एस., कोरटकर, एन., सिंह, एफ., कुमार, एस., महाजन, ए., चंद्रा, आर. और कुमार, आर., 2022, दोष इंजीनियरिंग और उच्च ऊर्जा आयन किरण विकिरण द्वारा 2D-एमओएस 2 पतली फिल्मों के ऑप्टिकल और संरचनात्मक गुणों में वृद्धि, सामग्री रसायन विज्ञान और भौतिकी 276, 125422 (एल्सेवियर)।
- साहिल, कुमार, आर., यादव, एमके और कुमार, पी., 2022, Li2B4O7 के ओएसएल और टीए-ओएसएल गुण: विकिरण डोसिमेट्री के लिए अल, जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स, 908, 164628 (एल्सेवियर)।
- दीपिका, पारस, एन., आर्य, ए., कुमार, आर., शर्मा, एस., लाल, एस., कुमार, वी. और गौर, ए., 2022, पीबी-जेडएन में कमरे के तापमान मैगेंटो-इलेक्ट्रिक कपलिंग को प्रतिस्थापित किया गया Co2Y-हेक्साफेराइट जर्नल ऑफ मैटेरियल्स साइंस: मैटेरियल्स इन इलेक्ट्रॉनिक्स, 33, 16874-16888 (स्प्रिंगर)।
- गुप्ता, डी. और कुमार, आर., 2022, मोलिब्डेनम डाइसल्फाइड (एमओएस2) के ऑप्टिकल, संरचनात्मक, रासायनिक और रूपात्मक गुणों के संशोधन, उच्च खुराक गामा विकिरण के तहत पतली फिल्में, विकिरण भौतिकी और रसायन विज्ञान, 197, 110144 (एल्सेवियर)।
- गोयल, एम., वर्मा, एस., मलिक, जे., गिरी, पी., कुमार, आर. और गौर, ए., 2022, इलेक्ट्रोड के रूप में संक्रमण धातु आधारित CoB2O4 (B = Co और Fe) ऑक्साइड का विद्युत रासायनिक प्रदर्शन ऊर्जा भंडारण उपकरणों के लिए सामग्री, न्यू जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, 46, 10671-1068 (आरएससी)।
- घोषाल, डी., कुमार, आर., कोरटकर, एन., 2021, रासायनिक वाष्प जमाव द्वारा एमओएस 2 में नियंत्रित पुन: डोपिंग, अकार्बनिक रसायन विज्ञान संचार 123, 108329 (एल्सेवियर)।
- चौहान, वी., गुप्ता, डी., उपाध्याय, एस., राम, जे., कुमार, एस. और कुमार, आर., 2021, संभावित अनुप्रयोगों के लिए हाई-के ZrO2 की उन्नति: एक समीक्षा, इंडियन जे प्योर ऐपल। भौतिक 59.
- चौहान, वी., गुप्ता, डी., कोरटकर, एन. और कुमार, आर., 2021, नी आयन बीम विकिरण से प्रेरित जिरकोनियम ऑक्साइड पॉली-क्रिस्टलीय पतली फिल्म का चरण परिवर्तन और बढ़ी हुई नीली फोटोल्यूमिनेसेंस, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 11, 1, 1-16 (स्प्रिंगर)।
- गुप्ता, डी., चौहान, वी., कोरटकर, एन., सिंह, एफ. और कुमार, आर., 2021, उच्च ऊर्जा (एमईवी) आयन बीम ने एएलडी द्वारा विकसित Al2O3-ZnO मल्टीलेयर पतली फिल्मों में संशोधन और फोटोल्यूमिनेसेंस में वृद्धि, ऑप्टिकल और संरचनात्मक गुण, वैक्यूम, 192,110435। (एल्सेवियर)।
- सरन, एम., सहारे, पी. डी, चौहान, वी., कुमार, आर. और मांडलिक, एनटी, 2021 ईयू डोप्ड NaLi2PO4TLD नैनोफॉस्फोर में थर्मोल्यूमिनेसेंस: टीएल विशेषताओं पर कण आकार का प्रभाव, जर्नल ऑफ ल्यूमिनसेंस, 238,118207, 2021। (एल्सेवियर)।
- कुमारी, ए., कुमारी, के., अलजॉ, आर., अलवी, पी., दलेला, एस., अहमद, एम, चावला, ए., कुमार, आर., विज, ए. और कुमार, एस., 2021, BiFeO3 नैनोकणों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और मल्टीफेरोइक गुणों पर ला प्रतिस्थापन की भूमिका, एप्लाइड नैनोसाइंस, संख्या। 81, 13204 (स्प्रिंगर)।

- कुमार, एस., श्रीवास्तव, जी., अलमुटैरी, जी., अहमद, एफ., शालान, एनएम, दलेला, एस., कुमार, आर., कुमार, पी., अल्वी, पीए, चाए, केएच, हम्मूद, एचएच और कुमारी, के. 2021, ला-डॉप्ड BiFeO3 नैनोकणों की इलेक्ट्रॉनिक संरचना और इलेक्ट्रोकेमिकल गुण, जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोस्कोपी और संबंधित घटना, 253,147138। (एल्सेवियर)।
- कुमार, एस., अल उमर, एसवाई, कुमारी, के., अलबलावी, एफ., कुमार, आर., 2021, अहमद, एफ., अहमद, एन., द्विवेदी, एस. और अलवी, पीए, स्ट्रक्चरल, ऑप्टिकल, इलेक्ट्रिकल और फेडोपेड CeO2 नैनोकणों के जीवाणुरोधी गुण, क्रिस्टल, 11(12), 11121594, एमडीपीआई, स्विट्जरलैंड।

(ग) पुस्तक अध्याय

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

- गुप्ता, एस.एम., यादव, पी. और शर्मा, एसके, 2022, नवीकरणीय कच्चे माल से सर्फेक्टेंट में "नैनो सर्फेक्टेंट का संश्लेषण और गुण", संस्करण. दिव्या बाजपेयी त्रिपाठी, अंजलि गुप्ता, अरविंद कुमार जैन और अनुराधा मिश्रा, सीआरसी प्रेस, टेलर और फ्रांसिस ग्रुप। आईएसबीएन 978-0-367-70165-9(एचबीके), आईएसबीएन 978-0-367-70205-2(पीबीके) आईएसबीएन 978-1-003-14487-8(ईबीके), डीओआई: 10.1201/9781003144878।

डॉ. राजेश कुमार

- चौहान, वी., वशिष्ठ, जी., गुप्ता, डी., कुमार, एस. और कुमार, आर., 2021, परमाणु परत जमाव द्वारा विकसित नैनोस्केल फेराइट थिन फिल्म्स, फेराइट नैनोस्ट्रक्चर्ड चुंबकीय सामग्री, एल्सेवियर।

डॉ. लीना खन्ना

- खन्ना, एल., मानसी और खन्ना, पी., 2022, न्यूनीकरण/हाइड्रोजनीकरण प्रतिक्रियाओं के लिए नैनोकैटलिसिस, कार्बनिक संश्लेषण और इलेक्ट्रोएनालिसिस के लिए उन्नत नैनोकैटलिसिस 1: 96-113। डीओआई: 10.2174/9789815040166122010008।
- खन्ना, एल., मानसी और खन्ना, पी., 2022, न्यूनीकरण प्रतिक्रियाओं में उत्प्रेरक के रूप में ग्राफीन आधारित नैनोमटेरियल, ग्राफीन-आधारित नैनोमटेरियल कैटलिसिस 1: 130-151। डीओआई:10.2174/9789815040494122010010।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

प्रो. वैशाली सिंह

- नैनोमटेरियल्स (आईसी एन 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन, 9-11 अप्रैल, 2021, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत में एक "आमंत्रित वार्ता" दी गई।

डॉ. राम शंकर गुप्ता

- विभेदक ज्यामिति और गतिशील प्रणालियों का XVवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (डी जीडीएस 2021), 26-29 अगस्त 2021, बुखारेस्ट, रोमानिया।

डॉ. सत्यब्रत महापात्र

- एमआरएसआई की 32वीं वार्षिक आम बैठक और तीसरा भारतीय सामग्री कॉन्क्लेव, दिसंबर 2023, 2021, आईआईटी मद्रास।
- सेंसर विकास में आयन बीम पर ऑनलाइन स्कूल-सह-कार्यशाला (आईबीएसडी-2021), 7-8 सितंबर, 2021, आईयूएसी, नई दिल्ली।

डॉ. कृति बत्र

- स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कार्यान्वयन चुनौतियां और आगे की राह, 19 फरवरी, 02 अप्रैल, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा 5 फरवरी, 2022 को ऑनलाइन आयोजित क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के प्रो. सर कॉलिन हम्फ्रेस द्वारा "ग्राफीन और गैलियम नाइट्राइड: बुनियादी विज्ञान से विनिर्माण उपकरणों तक"।

- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित "जैव-प्रेरित, प्रतिक्रिया-युग्मित सुपरमॉलेक्यूलर पॉलिमर" प्रो. सुबी जैकब जॉर्ज, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), बैंगलोर, 31 जनवरी, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित प्रो. अविनाश के अग्रवाल, आईआईटी कानपुर द्वारा "आंतरिक दहन इंजन का भविष्य और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से अस्तित्व संबंधी खतरा", 28 जनवरी, 2022, ऑनलाइन ।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित "संख्या सिद्धांत और गतिशीलता में यादृच्छिकता" प्रो. अनीश घोष, टीआईएफआर, मुंबई, 24 जनवरी, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जेपलर इंस्टीट्यूट ऑफ फोटोनिक्स के निदेशक प्रो. सर डेविड पायने द्वारा "द फाइबर लेजर रिवोल्यूशन: फ्रॉम द पास्ट टू द "यूचर", 22 जनवरी, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित, डॉ. बीएन उपाध्याय आरआरसीएटी, इंदौर द्वारा "हाई पावर फाइबर लेजर: चुनौतियां और अवसर", 22 जनवरी, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल द्वारा आयोजित उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित, "सीओ2 के संग्रहण, पृथक्करण और रासायनिक रूपांतरण के लिए कार्बनिक-अकार्बनिक हाइब्रिड सामग्री, प्रो. तापस कुमार माजी, स्कूल ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल्स (एसएएमएटी), जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), बैंगलोर, 21 जनवरी, 2022, ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा 12 जनवरी 2022 को आयोजित नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिकी 2020 के प्रो. रेनहार्ड जेनजेल द्वारा "40 वर्ष की यात्रा" ऑनलाइन।
- नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित ह्सेंसिंग, ड्रग डिलीवरी और थेरेपी में क्रियती हेल्थकेयर टेक्नोलॉजीज प्रो. रोहित श्रीवास्तव, प्रो. और प्रमुख, बीएसबीई विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई, 10 जनवरी 2022 को ऑनलाइन।
- प्रो. उदयन गांगुली, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई द्वारा "न्यूरॉन्स और सिनेप्सेस: आरआरएएम आधारित न्यूरोमॉर्फिक इंजीनियरिंग" और प्रो. रेणुका पी जिंदल, प्रख्यात वैज्ञानिक और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी, वेंडरजिल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एलएलसी, प्रिंसटन, न्यू जर्सी, द्वारा "द सॉलिड-स्टेट रिवोल्यूशन एंड द इंफॉर्मेशन एज" पर चर्चा में भाग लेकर दो व्यावसायिक विकास घंटे। 28 दिसंबर, 2021, ऑनलाइन।
- प्रो. अमिताव दासगुप्ता, वीवी शास्त्री इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष प्रो., इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग आईआईटी मद्रास द्वारा "एमओएसएफईटी से एमआईएसएचईएमटी तक - एक विकास" और कौस्तव बनर्जी, प्रो. इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग और निदेशक, कैलिफोर्निया नैनो सिस्टम्स इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी एफिशिएंसी, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा "सस्टेनिंग मूर्स लॉ (एंड बियॉन्ड) विद 2डी मटेरियल्स प्रोफेसर", पर निम्नलिखित वार्ता में भाग लेकर दो व्यावसायिक विकास घंटे, 27 दिसंबर, 2021, ऑनलाइन।
- "आविष्कार जिसने आधुनिक समाज को बदल दिया: डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने वाले ट्रांजिस्टर का विकास" डॉ. समर साहा, मुख्य अनुसंधान वैज्ञानिक, प्रोस्पिसिएंट डिवाइसेस, कैलिफोर्निया, यूएसए द्वारा। 24 दिसंबर 2021, ऑनलाइन।

डॉ. लीना खन्ना

- रसायन विज्ञान विभाग, अग्रवाल कॉलेज, बल्लभगढ़ द्वारा 6-9 अक्टूबर, 2021 को आयोजित "कंप्यूटर एडेड ड्रग डिजाइन" पर राष्ट्रीय वर्चुअल लैब कार्यशाला में ऑनलाइन भाग लिया।

डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता

- उन्नत भौतिकी में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इम्फिस-21) में "हीट ट्रांसफर अनुप्रयोगों के लिए Fe-CNT हाइब्रिड नैनोफ्लुइड की तैयारी", इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, कोलकाता, भारत (वर्चुअल मोड), 1-3 अप्रैल, 2021, ऑनलाइन।
- नैनो सामग्रियों पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन (आईसीएन 2021) में "स्वस्थाने एजी-सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लुइड का संश्लेषण और उनके थर्मोफिजिकल गुणों का अध्ययन" महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरेला ,9-11 अप्रैल, 2021, ऑनलाइन ।

- बेहतर जीवन के लिए नैनो टेक्नोलॉजी (एनबीएल 2021), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान श्रीनगर, भारत (ऑनलाइन मोड) पर 7–11 सितंबर, 2021 को अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एजी/सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लूइड – हीट ट्रांसफर अनुप्रयोगों के लिए तैयारी और विशेषता"।
- अगली पीढ़ी के अनुप्रयोगों के लिए उन्नत सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएमएनजीए 2021), में "स्वस्थाने एजी–सीएनटी हाइब्रिड नैनोफ्लुइड का संश्लेषण और उनके थर्मोफिजिकल गुणों का अध्ययन" गलगोटियास यूनिवर्सिटी ग्रेटर नोएडा, भारत, 29–30 सितंबर, 2021, ऑनलाइन।

4. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1.	डॉ. राम शंकर गुप्ता	2021	22 दिसंबर, 2021 को डॉ. हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश भारत में राष्ट्रीय गणित दिवस पर आयोजित महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन के सम्मान में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बायहार्मोनिक सबमैनिफोल्ड्स और संबंधित समस्याओं पर चेन का अनुमान" शीर्षक से आमंत्रित वार्ता।
		2022	अंशदायी वार्ता "बिहारमोनिक हाइपरसर्फेस संतोषजनक $\Delta H=\lambda h$ छद्म-यूक्लिडियन स्थानों में "डिफरेंशियल ज्योमेट्री और उसके अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी", 30–31 मार्च, 2022, गणित विभाग, स्कूल ऑफ साइंसेज, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, (केंद्रीय विश्वविद्यालय), हैदराबाद –500032, भारत।
		2022	"विभेदक ज्यामिति और उसके अनुप्रयोगों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" में सत्र की अध्यक्षता करें, मार्च 3031, 2022, गणित विभाग, विज्ञान विद्यापीठ, मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय, (केंद्रीय विश्वविद्यालय), हैदराबाद–500032, भारत
2.	डॉ. सत्यब्रत महापात्र	2021	स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी, यूएसए द्वारा ग्लोबल रैंक: 2086 और ऑल इंडिया रैंक: 49 के साथ एप्लाइड फिजिक्स में विश्व के शीर्ष 2% वैज्ञानिकों में शामिल (2021)
		2021	संकाय उपलब्धि पुरस्कार, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (2021)
		2021	एसोसिएट एडीटर, नैनोटेक्नोलॉजी में फ्रंटियर्स का नैनोकैटलिसिस स्पेशलिटी सेक्शन (2021)
3.	डॉ. कृति बत्र	2021	प्रशंसा का प्रमाण पत्र नेशनल अन्वेषिका नेटवर्क ऑफ इंडिया, इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स, विज्ञान प्रसार और शिक्षा सोपान द्वारा आयोजित एनएईएसटी 2021 की रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए
4.	डॉ. राजेश कुमार	2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत (एनएएसआई)

5. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. राम शंकर गुप्ता	सबमर्शन, लाइटलाइक ज्योमेट्री और रिक्की सॉलिटॉन का एक अध्ययन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	2021–22	0.21
2.	डॉ. लीना खन्ना	"सिलिको उपकरणों के माध्यम से सैद्धांतिक अध्ययन और जैविक महत्व के नवीन इंडोल डेरिवेटिव का संश्लेषण"	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.8
3.	डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता	गर्मी हस्तांतरण अनुप्रयोग के लिए स्थिर Cu-CNT हाइब्रिड नैनोफ्लुइड की तैयारी	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.26
4.	डॉ. सत्यब्रत महापात्र	CeO2–ग्राफीन और CeO2-ZnO नैनोकम्पोजिट पतली फिल्मों के संरचनात्मक, ऑप्टिकल और फोटोकैटलिटिक गुणों पर तेज भारी आयन विकिरण के प्रभावों का अध्ययन	इंटर यूनिवर्सिटी एक्सेलेरेटर सेंटर आईयूएसी, नई दिल्ली	3 वर्ष	6.75

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
		पानी में विषाक्त कार्बनिक प्रदूषकों के अत्यधिक कुशल फोटोकैटलिटिक क्षरण के लिए ZnFe2O4 आधारित हाइब्रिड नैनोस्ट्रक्चर का विकास	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.55
5.	डॉ. राजेश कुमार	संश्लेषण और एसएचआई बीम ने संभावित अनुप्रयोगों के लिए एमओएस2 नैनोस्ट्रक्चर पतली फिल्मों के संशोधनों को प्रेरित किया	आईयूएसी, नई दिल्ली	3 वर्ष	10.25

6. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

(क) सम्मानित पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 07

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	उपाधि का पुरस्कार की तारीख
1	निकिता गुप्ता	नैनोफ्लुइड थर्मो-फिजिकल पर संश्लेषण पैरामीटर्स का प्रभाव गुण और उसका अनुप्रयोग	24.05.2018	डॉ. शिप्रा मितल गुप्ता	28.3.2022
2	अश्वनी कुमार	उनके ड्रग एनकैप्सुलेशन और टॉक्सिकोलॉजिकल अध्ययन के साथ उपन्यास कार्बोनिल लिंक्ड-एम्फिफाइल्स का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	22.09.2016	डॉ. योगेश के. त्यागी	दिसंबर 2021
3	जे आर अंसारी,	सेल्फ असेंबली और टेम्पलेट संचालित नैनो-कंपोजिट और उनके संभावित अनुप्रयोगों का संश्लेषण और लक्षण वर्णन	19.09.2014	प्रो. अनिंद्य दत्त	दीक्षांत समारोह 2022 पर (14 दिसम्बर 20)
4	नीलम सिंह,	ग्राफीन/ग्राफीन ऑक्साइड आधारित संश्लेषण एवं लक्षण वर्णन नैनोमटेरियल्स और नैनोकम्पोजिट्स	25.10.2013	प्रो. अनिंद्य दत्त	3.08.2021
5	श्री जगजीवन राम	"नैनो मेटल ऑक्साइड पॉलिमर कंपोजिट का संश्लेषण, लक्षण वर्णन और आयन बीम संशोधन"	2016	डॉ. राजेश कुमार	2021
6	विष्णु जी चौहान	"जिरकोनियम ऑक्साइड पतली फिल्मों में विकास, लक्षण वर्णन और आयन बीम प्रेरित संशोधन"	2016	डॉ. राजेश कुमार	2021
7	अमर रतन	नैनो-आयामी संक्रमण धातु डाइक्लोजेनाइड्स-पॉलिमर नैनोकम्पोजिट्स। संश्लेषण और उनका संभावित अनुप्रयोग	2.8.2016	प्रो. वैशाली सिंह	20.10.2021

(बी) चल रहे पीएचडी पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 13

7. जेआरएफ-नेट/गेट योग्य छात्र का विवरण

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	श्री गौरव अरोड़ा	यूजीसी रेफ. क्रमांक: 1875 (सीएसआईआर-यूजीसी नेट जून 2019)
2	सुश्री प्रिया दहिया	गेट 2022 (सीवाई22एस 43029435)
3	श्री ब्रह्म प्रकाश	यूजीसी-नेट
4	सुश्री मीनल गुप्ता	नेट 2016

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
5	कुणाल जी	गेट 2020
6	सुश्री स्वेक्षा श्रीवास्तव	सीएसआईआर-नेट
7	सुश्री दीपिका	यूजीसी-जेआरएफ-नेट उत्तीर्ण
8	श्री आशुतोष आनंद	गेट योग्य
9	सुश्री काजल	गेट योग्य
10	सुश्री अलका सिंह	गेट
11	सुश्री मानसी वत्स	गेट

8. अवधि के दौरान महत्वपूर्ण अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

प्रो. वैशाली सिंह

1. एनएसटी लैब (बीटीएल-009ए) के लैब प्रभारी। [संदर्भ। क्रमांक जीजीएसआईपीयू/डीन यूएसबीएएस दिनांक 14-02-2022]
2. कई केंद्रीय और राज्य विश्वविद्यालयों के लिए पीएचडी थीसिस के मूल्यांकन के लिए बाहरी विशेषज्ञ।
3. संकाय पदों पर नियुक्ति के लिए विषय विशेषज्ञ समितियों का हिस्सा।
4. सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स के प्रभारी। [एफ। क्रमांक: 1(4)(5)/2015/स्था/पीआई/11670 दिनांक 27-11-2020]
5. अंतरिम अध्यक्ष, आंतरिक शिकायत समिति, जीजीएसआईपीयू। [संदर्भ संख्या फ्र.1(6)(21)/2019/प्रति.- II. /दिनांक 31-12-2021]
6. अध्यक्ष, विश्वविद्यालय की छात्र शिकायत निवारण समिति।
7. विश्वविद्यालय पुस्तकालय समिति के सदस्य।
8. शासी निकाय सदस्य, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय। [सीबी-आई/जीबी/एनसीटीडी/2021 दिनांक 20-12-2021

4.3 विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. स्कूल द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एम.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी)	2	24
2	बी.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी)	4	56

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख:

प्रो. मीनू कपूर

- कपूर, एस., खुराना, आर., भीमराजका, एस., शिवकृष्ण, जी., वर्मा, वी., बूरा, एन., गवांडे, जी., कपूर, एम. और खरीड्, वीआर., 2022, ओसएमएडीएस 29 के विनियामक डोमेन ट्रांसक्रिप्शन की विशेषताय समीपस्थ ऑक्सिन-उत्तरदायी डोमेन और एक मजबूत दूरस्थ नकारात्मक तत्व की पहचान। पादप विज्ञान में सीमाएँ। स्वीकृत: 02 मार्च 2022।
- बूरा, एन., वर्मा, वी., खुराना, आर., गावंडे, जी., भीमराजका, एस., चपराना, के., कपूर, एम. और कपूर, एस., 2021, बीआईएसी-एफआरईटी-एफएलआईएम परख द्वारा एक एमएडीएस-बॉक्स ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर और एक कैल्शियम सेंसर प्रोटीन दो मोनोमर्स के बीच त्रिपक्षीय बातचीत का निर्धारण। विजुअलाइज्ड प्रयोगों का जर्नल. डीओआई: 10. 3791/62791-वी।

डॉ. रीनू शर्मा

- यादव, ए. के., गुलाटी, पी., शर्मा, आर., ठक्कर, ए. और सोलंकी, पीआर, 2022 एल्कोक्सीसिलेन प्रतिस्थापित पॉलिमर-संशोधित डिस्पोजेबल बायोसेंसिंग प्लेटफॉर्म का निर्माण: एक नए कैंसर बायोमार्कर के रूप में शुक्राणु प्रोटीन 17 सेंसिंग की ओर। तलंता। मार्च 19;243:123376.
- गुप्ता, एस., अपराजिता और शर्मा, आर., 2022 एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में विभेदित रूप से व्यक्त और मिथाइलेटेड जीन की पहचान करने के लिए इन-सिलिको विश्लेषण: संभावित बायोमार्कर की खोज करें। ईसीएस लेनदेन, 107 (1) 13069-13088।
- सुयाल, जी., पांडे, पी., सराया, ए. और शर्मा, आर., 2022 टीटीके (एमपीएस 1) को लक्षित करके एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में माइक्रोआरएनए-335-5पी की ट्यूमर दमनकारी भूमिका जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल एंड मॉलिक्यूलर पैथोलॉजी फरवरी; 124:104738.
- अपराजिता और शर्मा, आर., 2021 फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर को 1 की तरह समझना: ऑनकोजीन या ट्यूमर सप्रेसर? कैंसर उपचार और अनुसंधान संचार। अक्टूबर 5;29:100472. डीओआई: 10.1016/जे.सीटीएआरसी.2021.100472।

प्रो. निमिषा शर्मा

- कुमारी, एस., डबास, पी. और शर्मा, एन., 2022, "मानव और विखंडन खमीर ईएलएल और ईएएफ प्रतिलेखन बढ़ाव कारकों के बीच अनुक्रम, संरचनात्मक और कार्यात्मक संरक्षण।" मोल. बायोल. प्रतिनिधि 49:1303-1320.
- डबास, पी., ढींगरा, वाई., कुमारी, एस., चक्रवर्ती, एम., सिंघल, आर., त्यागी, पी., बेहरा, पीएम, दीक्षित, ए., भट्टाचार्जी, एस. और शर्मा, एन., 2021 "अरेबिडोप्सिस थालियाना में दो नवीन ईएलएल एसोसिएटेड फैक्टर (ईएएफ) होमोलोग्स हैं"। आईयूबीएमबी लाइफ 73:1115-1130।
- भारद्वाज, वी., विश्वकर्मा, पी., लिन, ए. और शर्मा, एन., 2021 "आरएनए पोलीमरेज II के गैर-आवश्यक आरपीबी9 सबयूनिट के विलोपन के परिणाम स्वरूप शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में प्लियोट्रोपिक फेनोटाइप्स होते हैं"। बायोचिम बायोफिस एक्टा प्रोटीन प्रोटीन। 1869(7):140654.
- कुमारी, एस. और शर्मा, एन., 2021 "ईएलएल प्रतिलेखन बढ़ाव कारक और ईपीई 1 के बीच कार्यात्मक बातचीत से हेटरोक्रोमैटिन के बाहर प्रतिलेखन के नियमन में ईपीई 1 की भूमिका का पता चलता है"। मोल. माइक्रोबायोल., 116:80-96.

डॉ. गौरव पांडे

- चौधरी, एल., शुक्ला, ई., जेना, आर., यादव, वी., अहमद, ए., मिश्रा, आर. और पांडे, जी., 2022 स्टैफिलोकोकल प्रोटीन ए इंजीनियर्ड सिस्टीन के साथ: एक महत्वपूर्ण के रूप में मोनोमेरिक सामग्री की तुलना इंट्रासेल्युलर और एक्स्ट्रासेलुलर अभिव्यक्ति के दौरान गुणवत्ता विशेषता। किण्वन, 8(4), 150. https://doi.org/10.3390/fermentation8040150

प्रो. एन. रघुराम

- उदवर्डी, एम., बिलो, एफई, कैस्टेलानो, एम., ईगल, ए., गिलर, केई, 2 लाधा, जेके, लियू, एक्स., माज, टीएम, नोवा-पेंको, बी., रघुराम, एन., रॉबर्टसन , जीपी, साहा, एम., रॉय, एस., श्मिट, एस., टेगेडर, एम., यॉर्क, एलएम, और पीटर्स, जे., 2021, कृषि नाइट्रोजन के जिम्मेदार उपयोग के लिए एक शोध रोड मैप। सामने। बनाए रखना। खाद्य सिस्ट. 5:660155. डीओआई: 10.3389/एफएसयूएफएस.2021.660155।
- कुमारी, एस., शर्मा, एन. और रघुराम, एन., 2021, उपज-संबंधित और एन-उत्तरदायी जीन के मेटा-विश्लेषण से चावल में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता (एनयूई) के लिए क्रोमोसोमल हॉटस्पॉट, प्रमुख प्रक्रियाओं और उम्मीदवार जीन का पता चलता है। सामने। पादप विज्ञान. 11, 627955.
- मंडल, वीके, जंगम, एपी, चक्रवर्ती, एन., और रघुराम, एन., 2022, नाइट्रेट-रेस्पॉन्सिव ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण से अतिरिक्त जीनध्प्रक्रियाओं और संबंधित लक्षणों का पता चलता है। जैपोनिका चावल में ऊँचाई, टिलरिंग, हेडिंग तिथि, रंध्र घनत्व और उपज। प्लांटा 255:42.
- यांग, ए. एल., रघुराम, एन., पोर्टर, एस., आध्या, टीके, बंसल, एस., पांडा, ए. निसानका, एस. शाजली, ए., हसन आर., वाटो, एमए, अनिक, एआर, जोशी, आर., जयवीरा, ए., पोखरेल, ए., कौशिक, एच., कैंटर, डी., चौधरी, एस., शर्मिन, एस., दास, एस., और जेफरी आर., 2022, मुकाबला करने की नीतियां दक्षिण एशिया में नाइट्रोजन प्रदूषण: अंतराल और अवसर। पर्यावरण. रेस. लेट. 17: 025007.
- रघुराम, एन., अजीज, टी., कांट, एस., झोउ, जे. और श्मिट, एस., 2022, संपादकीय: फसल पौधों में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और सतत नाइट्रोजन प्रबंधन। सामने। पादप विज्ञान. 13:86209.

डॉ. रंजीत कुमार सीटी

- काओ, सी., सुरजीत, एम., कुमार, आर. सीटी., 2021, संपादकीय: वायरल हेपेटाइटिस: पैथोफिजियोलॉजी, रोकथाम और नियंत्रण। फॉन्ट सेल संक्रमित माइक्रोबायोल। 2021 अगस्त 26;11:633580. डीओआई: 10.3389/एफसीआईएमबी.2021.633580।

प्रो. प्रोमिला गुप्ता

- शर्मा, आर., रावत, पी., सिंह, पी., कनोजिया, एस. और गुप्ता, पी., 2022, मुक्त और बाध्य फेनोलिक एसिड, एंटीऑक्सिडेंट और जीवाणुरोधी गतिविधियों और यूपीएलसी-एमएस/एमएस के अल्ट्रासाउंड सहायता प्राप्त निष्कर्षण का सांख्यिकीय अनुकूलन एलुसीन कोराकाना की दो किस्मों का लक्षण वर्णन। जर्नल ऑफ फूड मेजरमेंट एंड कैरेक्टराइजेशन (स्प्रिंगर), 16(9):1-18, http://dx.doi.org/10-1007/s11694-022-01336-y, आईएसएसएन: 2193-4126, (*संबंधित लेखक) , यदि: 3.006.
- चतुर्वेदी, एस. और गुप्ता, पी., 2021, अग्न्याशय लाइपेज इंटरेक्शन में संभावित भूमिका के साथ बायोएक्टिव मेटाबोलाइट्स और ऐमारैंथ के एंटीऑक्सिडेंट-समृद्ध अर्क का मूल्यांकन: इन-सिलिको और इन-विट्रो अध्ययन। मेटाबोलाइट्स (एमडीपीआई), 11(10), 676: https://doi-org/10.3390/मेटाबो11100676, आईएसएसएन: 2218-1989, आईएफ: 5.581।
- शर्मा, आर. और गुप्ता, पी., 2021, पेनिसेटम टाइफाइड माइक्रोग्रीन्स की न्यूट्रास्युटिकल क्षमता: एंटीऑक्सिडेंट और जीवाणुरोधी गतिविधियों का इन विट्रो मूल्यांकन और सिलिको स्टैफिलोकोकस ऑरियस एटीएसजेड निषेध में। फूड बायोसाइंस (एल्सेवियर): https://doi.org/10.1016/j.fbio.2021.101151, आईएफ: 5.318
- यासमीन, एस और गुप्ता, पी., 2021, डालबर्गिया सिसो रॉक्सब के जलीय अर्क की कॉस्मीस्यूटिकल और कैंसर रोधी क्षमता। हवाई भाग. जर्नल ऑफ हर्बल मेडिसिन (एल्सेवियर): https://doi.org/10.1016/j.(hermed.2021.100456) । यदि: 2.54

डॉ. राम सिंह पूर्ति

- चौधरी, के., चक्रवर्ती, एन., गांधी, एम., चटर्जी, एस. और पूर्ति, आरएस, 2022, स्जोग्रेन सिंड्रोम और रुमेटीइड गठिया की प्रगति में शामिल सामान्य जीन की पहचान करने के लिए तुलनात्मक ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण। जर्नल ऑफ एप्लाइड बायोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी, 10(4), 1-2।
- शर्मा, वी., सिंह, ए., शर्मा, डी., शर्मा, ए., ोगट, एस., चक्रवर्ती, एन., चटर्जी एस, और पुर्टी, आरएस, 2021, पौधों की वृ) को बढ़ावा देने वाले राइजोबैक्टीरिया की तनाव शमन रणनीतियाँरू पौधों की वृ) को बढ़ावा देने वाले राइजोबैक्टीरिया तं>। प्लांट साइंस टुडे, 8(एसपी1), 25-32।
- चौधरी, के., गांधी, एम., कुमार, यू., चटर्जी, एस. और पूर्ति, आरएस, 2022, रुमेटीइड गठिया के रोगियों में घातक ब्रेन ट्यूमर 1 प्रोटीन अभिव्यक्ति और डीएनए मिथाइलेशन प्रोफाइल में हटाए गए का मूल्यांकन। डीओआई: 10.4103ध्आईएनजेआर. आईएनजेआर_181_21
- सिंह, डीके, चटर्जी, एस. और पुर्टी, आरएस, 2021, टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकण (नैनोटियो2) भारतीय सरसों (ब्रैसिका जंसिया एल.) के पौधों में भारी धातुओं के तनाव को कम करते हैं। प्लांट सेल बायोटेक्नोलॉजी और आणविक जीवविज्ञान, 131-140।
- कुमार, पी. और पुर्टी, आरएस, 2021, टेपेटम-विशिष्ट प्रमोटर की प्रकृति घातक बार्नेज जीन वाले चावल ट्रांसजेनिक की पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण है। जर्नल ऑफ क्रॉप साइंस एंड बायोटेक्नोलॉजी, 24(5), 579-587।
- कुमार, एस., चौधरी, एस., राजदान, ए., कुमारी, डी., पूर्ति आरएस, राम, एच., कुमार, पी., नायक, पी. और शुक्ला, एसडी, 2021, उम्मीदवार जीन अभिव्यक्ति का डाउनरेगुलेशन और स्ट्रेप्टोजोटोसिन-प्रेरित हाइपरग्लेसेमिया में पिपेरिन द्वारा न्यूरोप्रोटेक्शन और चूहों में स्मृति हानि। फ्रंटियर्स इन ार्माकोलॉजी, 11, 595471।

प्रो. पीसी शर्मा

- वर्मा, एसके, कौर, एस., तेवतिया, ए., चटर्जी, एस. और शर्मा, पीसी, 2021, ठोस टेनरी अपशिष्ट मेटागेनोम से खनन किए गए माइक्रोबियल प्रोटीज का संरचनात्मक लक्षण वर्णन और कार्यात्मक एनोटेशन। बायोलोजिया 76रू1829-1842.
- चौधरी, एस., ग्रोवर, ए. और शर्मा, पीसी, 2021, माइक्रोआरएनएरू तनाव-सहिष्णु सलों के विकास के लिए संभावित लक्ष्य। जीवन 11(4)रू289.
- जैन, ए. और शर्मा, पीसी, 2021, तीन आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण वायरस परिवारों के जीनोम में यौगिक माइक्रोसैटेलाइट्स की घटना और वितरण। संक्रमित. जेनेट। विकास. 92रू104853.
- सिंह, एस. और शर्मा, पीसी, 2021, भारतीय हिमालय के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में उगने वाले सीबकथॉर्न (एच. रैम्नोइड्स एल.) की जीसी-एमएस आधारित जैव रासायनिक प्रोफाइलिंग। ाइटोकेमिकल विश्लेषण 33(2)रू 214-225.
- वर्मा, एसके और शर्मा, पीसी, 2021, ठोस टेनरी अपशिष्ट मेटाजेनोम से पहचाने गए एक उपन्यास सेरीन प्रोटीज का अलगाव और जैव रासायनिक लक्षण वर्णन। बायोलॉजिआ 76रू 3163-3174।
- सिंह, एस. और शर्मा, पीसी, 2021, भारतीय हिमालय के दो भौगोलिक क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाले सीबकथॉर्न (एच. रैम्नोइड्स एल.) बेरी की 1एच एनएमआर-आधारित मेटाबोलोम विविधता। खाद्य विश्लेषणात्मक विधियाँ 15रू 157-171।
- वर्मा, आर. और शर्मा, पीसी, 2022, आरएनए-सेक आधारित ट्रांसक्रिप्टोम प्रोफाइलिंग को नियोजित करके गैस्ट्रिक कैंसर में चरण-विशिष्ट विभेदित रूप से व्यद्र जीन और एसएनपी की पहचान। जीनोमिक्स 114रू61-71.
- जैन, ए., कुमार, ए. और शर्मा पीसी, 2022, भारतीय हिमालय के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों से उत्पन्न होने वाली सीबकथॉर्न (हिप्पोफे रमनोइड्स एल.) प्राकृतिक आबादी में मॉर्फोमेट्रिक और माइक्रोसैटेलाइट विविधता। प्लांट मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्टर https://doi.org/10.1007/s11105-022-01338-6.
- चौधरी, पी. और शर्मा, पीसी, 2022, भारतीय हिमालय में सीबकथॉर्न (हिप्पोफे रमनोइड्स एल.) के भौगोलिक वितरण और अनुकूलन के संबंध में माइक्रोसैटेलाइट पॉलीमॉर्फिज्म। जैव प्रौद्योगिकी और ार्मेसी में वर्तमान रुझान 16 (1)रू 1-13।
- चौधरी, पी. और शर्मा, पीसी, 2022, नर और मादा सीबकथॉर्न (हिप्पोफे सैलिसिफोलिया) के एनजीएस-आधारित ट्रांस्क्रिप्टोम में सरल अनुक्रम दोहराव, प्रतिलेखन कारक और विभेदित रूप से व्यद्र जीन का वितरण। जर्नल ऑफ बायोमोलेक्यूलर स्ट्रक्चर एंड डायनेमिक्स https://doi.org/10.1080/07391102.2022.2034669.

- चौधरी, पी. और शर्मा, पीसी, 2022, हिप्पोफे सैलिसिफोलिया में अजैविक तनाव में एमआईआरएनए लक्ष्य जीन का कार्यात्मक सत्यापन। जैव सूचना 18रू 61-65.

(ख) पुस्तकें/अध्याय

- चटर्जी, एस., त्रिपाठी, के., और पुर्टी, आरएस, 2021, सेल्युलोज-डिग्रेडिंग बैक्टीरिया का अलगाव और कागज के कचरे से बायोएथेनॉल के उत्पादन के लिए उनकी सेल्युलोलाइटिक क्षमता का उपयोग करना। इन एडवांस इन बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, 3-11, स्प्रिंगर, सिंगापुर।. https://doi.org/10.1007/978-981-15-7409-2_1.
- पूर्ति, आर. एस., शाक्य, आई., और चटर्जी, एस., 2021, TiO 2 नैनोकण का संश्लेषण और लक्षण वर्णन और एस्चेरिचिया कोली और स्टैफिलोकोकस ऑरियस के खिलाफ इसकी रोगाणुरोधी गतिविधि की जाँच। बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी में प्रगति में, 317-325। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-15-7409-2_32.
- रघुराम, एन.,श्मिट, एस., अजीज, टी., कांट, एस. और झोउ, जे., एड्स, 2022, नसल पौधों में नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और सतत नाइट्रोजन प्रबंधन। फ्रंटियर्स मीडिया एसए., लॉजेन, स्विट्जरलैंड। आईएसबीएन 978-2-88974-284-4. डीओआई: 10.3389ध978-2-88974-284-4।
- मदन, बी., मलिक, ए. और रघुराम, एन. 2022, स्थायी खाद्य सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन शमन के लिए नसल नाइट्रोजन उपयोग दक्षता। जलवायु परिवर्तन के युग में पादप पोषण और खाद्य सुरक्षा में, कुमार, वी., श्रीवास्तव, ए., पेन्ना, एस. (एड्स), एल्सेवियर, अकादमिक प्रेस। आईएसबीएन 978-0-12-822916-3. 47-72.

(ग) कोई अन्य प्रकाशन

- कपूर, एम., डकेट जेजी, रेंसिंग, एसए और गोफिनेट, बी., 2021, संपादकीयरू आईएबी आईएमओएसएस एसईबी 2019 संयुक्त सम्मेलन फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंसेज 20 मई 2021 की मुख्य विशेषताएंरू https://doi.org/10.3389/fpls.2021.694765।
- रघुराम, एन., बेग, जी., 2021, जलवायु परिवर्तन केवल कार्बन के बारे में नहीं है, नाइट्रोजन भी है! आउटलुक 12 अगस्त. https://www.outlookindia.com/website/story/india-news-climatechange-is-not-just-about-carbon-there-is-nitrogen-too/391230

3. सेमिनार/कार्यशालाध्सम्मेलनध्संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

प्रो. एन. रघुराम

- डिस्टैप-स्मार्ट का अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार, 17 नवरी, 2022, सिंगापुर (ऑनलाइन)।
- नसल नाइट्रोजन उपयोग दक्षता और सतत नाइट्रोजन प्रबंधन के लिए पादप जीवविज्ञान पर एएसपीबी कार्यशाला पीबी21 विश्वव्यापी शिखर सम्मेलन, 18 जुलाई, 2021, यूएसए, ऑनलाइन।
- 8वां वैश्विक नाइट्रोजन सम्मेलन 2021, 31 मई-03 जून 2021, बर्लिन।, जर्मनी ऑनलाइन।
- —षि और जलवायु परिवर्तन पर एआईपीएसएन वेबिनार, 21 जुलाई, 2021, नई दिल्ली, ऑनलाइन।
- नोबेल शांति पुरस्कार 2021। विज्ञान दिवस वेबिनार व्याख्यान, 28 नवरी, 2021, नई दिल्ली, ऑनलाइन।
- नाइट्रोजन स्थिरीकरण की हैबर-बॉश प्रक्रिया, बोरलॉग की हरित क्रांति और टिकाऊ नाइट्रोजन प्रबंधन की वर्तमान चुनौती। केके बायोटेक इंटरनेशनल वेबिनार में प्रस्तुति, 23 अक्टूबर, 2021, नई दिल्ली, ऑनलाइन।
- भारतीय नाइट्रोजन मूल्यांकन और इसके क्षेत्रीय और वैश्विक संबंध। राष्ट्रीय नाइट्रोजन संचालन समिति को प्रस्तुति, 22 सितंबर, 2021, नई दिल्ली। ऑनलाइन।
- कार्बन और नेट जीरो चर्चा से परे जलवायु परिवर्तन। फेंड्स टुगेदर के अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में वद्रा, 04 सितंबर, 2021, नई दिल्ली।
- स्थायी खाद्य प्रणालियों के लिए सतत एन प्रबंधन। सतत खाद्य प्रणालियों के लिए सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर यूएनएफएसएस प्रीसमिट सत्र वेबिनार में वद्रा, 28 जुलाई, 2021, नई दिल्ली, ऑनलाइन।

प्रो. मीनू कपूर

- वर्चुअल कॉन्फ्रेंस प्लांट जीनोम, सिस्टम बायोलॉजी और इंजीनियरिंग। कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी द्वारा आयोजित, 1-3 दिसंबर 2021, यूएसए (ऑनलाइन)।
- आईसीएआर-राष्ट्रीय अजैविक तनाव प्रबंधन संस्थान, बारामती, पुणे में प्लांट फिजियोलॉजी का राष्ट्रीय सम्मेलन-2021, दिसंबर, 09-11, 2021, भारत, ऑनलाइन।
- बदलती दुनिया में बीएल 2021, ब्रायोफाइट्स, लाइकेन और उत्तरी पारिस्थितिकी तंत्र। चार प्रमुख ब्रायोलॉजिकल, लाइकेनोलॉजिकल और बॉटनिकल सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रायोलॉजिस्ट (आईएबी), अमेरिकन ब्रायोलॉजिकल एंड लाइकेनोलॉजिकल सोसाइटी (एबीएलएस), कैनेडियन बॉटनिकल एसोसिएशन (सीबीएएबीसी) और सोसाइटी क्यूबेकॉइस डी ब्रायोलॉजी (एसक्यूबी) और लावल यूनिवर्सिटी, क्यूबेक, कनाडा, 6-9 जुलाई, 2021, कनाडा ऑनलाइन ।

डॉ. रीनू शर्मा

- एसोफेजियल कैंसर में छोटे गैर-कोडिंग आरएनए का विहंगम दृश्य: निदान और चिकित्सा पर प्रभाव। अंतर्राष्ट्रीय कैंसर दिवस को चिह्नित करने के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय के होम इकोनॉमिक्स संस्थान, जैव रसायन विभाग (आईक्यूएसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तत्वावधान में) द्वारा राष्ट्रीय वेबिनार "कैंसर अनुसंधान में हालिया रुझान" का आयोजन किया गया, 4 फरवरी, 2022, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- छोटे अणु बड़ा प्रभाव डालते हैं: ग्रासनली के कैंसर में मिर्नास का एक विहंगम दृश्य। सूक्ष्मजीव सोसाइटी, माइक्रोबायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय (आईक्यूएसी और डीबीटी स्टार कॉलेज योजना के तत्वावधान में) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला, 01 अक्टूबर, 2021, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- कौर, बीपी, अपराजिता और शर्मा, आर., एसोफेजियल स्क्वैमस सेल का सिनोमा में एलएनसीआरएनए-एमआईआरएनए-एमआरएनए इंटरैक्शन पर अध्ययन 2021। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 29-30 नवंबर 2021, ऑनलाइन, वर्ल्ड वाइड।
- अपराजिता और शर्मा, आर., 2021, एसोफैगल कैंसर में फाइब्रोब्लास्ट ग्रोथ फैक्टर रिसेप्टर लाइक 1 का नैदानिक महत्व। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29-30 नवंबर 2021, ऑनलाइन, वर्ल्ड वाइड।
- गोयल, टी., लक्ष्मी जीबीवीएस, सिंह, एस., सोलंकी, पी. और शर्मा, आर., 2021, एसोफैगल कैंसर के शीघ्र निदान के लिए एंटी-एसपी17 एंटीबॉडी का पता लगाने वाले बायोसेंसर का विकास। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29-30 नवंबर 2021, ऑनलाइन, वर्ल्ड वाइड।
- गुप्ता, एस., अपराजिता, शर्मा, आर., 2021, एसोफेजियल स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा में विभेदित रूप से व्यक्त और मिथाइलेटेड जीन की पहचान करने के लिए इन-सिलिको विश्लेषण: संभावित बायोमार्कर की खोज करें। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 29-30 नवंबर 2021, ऑनलाइन, वर्ल्ड वाइड।
- कार्बन आधारित स्क्रीन मुद्रित इलेक्ट्रोड के आधार पर रोगी के नमूनों में मौखिक कैंसर का पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल इम्यूनोसेंसर का निर्माण। स्मार्ट ग्रीन कनेक्टेड सोसाइटी के लिए प्रौद्योगिकियों पर पहला अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021, 29-30 नवंबर 2021, ऑनलाइन, वर्ल्ड वाइड।

डॉ. आर. एस पूर्ति

- पादप जैव प्रौद्योगिकी और जीनोम संपादन में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (एपीबीजीई-2021), आईसीएआर- भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची, भारत, 8-10 अप्रैल, 2021, रांची, भारत।
- केमिकल इंजीनियरिंग विभाग, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, भारत द्वारा रासायनिक, जैविक और पर्यावरण इंजीनियरिंग (केम्बियोन 2021) पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 20-22 अगस्त, 2021, जालंधर, भारत में आयोजित किया गया।
- प्लांट फिजियोलॉजी और बायोटेक्नोलॉजी (आईसीपीपीबी) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आणविक जीवविज्ञान और जेनेटिक इंजीनियरिंग विभाग, स्कूल ऑफ बायो-इंजीनियरिंग और बायोसाइंसेज, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत, 10-12 सितंबर, 2021, पंजाब, भारत।

- बायोस्पेक्ट्रम 2021, जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विज्ञान पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जैव प्रौद्योगिकी विभाग, इंजीनियरिंग और प्रबंधन विश्वविद्यालय, स्मार्ट सोसाइटी, यूएसए के सहयोग से कोलकाता, 18-20, नवंबर, 2021, कोलकाता, भारत।
- पृथ्वी पर स्थिरता जीवन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2021 (आईसीएस-एलओई 2021), लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत, 17-18 दिसंबर, 2021, पंजाब, भारत।

प्रो. प्रोमिला गुप्ता

- शर्मा, आर. और गुप्ता, पी., 2022, फिंगर बाजरा अनाज के सांख्यिकीय रूप से अनुकूलित बाउंड फेनोलिक्स अर्क से पतली परत क्रोमैटोग्राफी का उपयोग करके जीवाणुरोधी गतिविधियां और फेनोलिक एसिड की पहचान। में: खाद्य और पोषण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए बाजरा की क्षमता का दोहन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: चुनौतियां और संभावनाएं (आईसीएफएम-22), जनवरी 19-22, 2022, यूएएस, बैंगलोर आईसीएआर-आईआईएमआर, हैदराबाद और आईसीआरआईएसएटी के सहयोग से, ई- पोस्टर प्रस्तुति।
- चतुर्वेदी, एस. और गुप्ता, पी., 2021, एंटीऑक्सीडेंट क्षमता और लाइपेज इंटरैक्शन के लिए बीटा वल्गेरिस अर्क का मूल्यांकन: मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग, इन-विट्रो और इन-सिलिको विधि से युक्त एक अध्ययन में: "खाद्य और पोषण पर चौथा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन", 23-24 सितंबर 2021, सिंगापुर, ई-पोस्टर प्रस्तुति, सार आईडी: खाद्य और पोषण_टी8एआईवी2। (विजेता: तीसरा पुरस्कार)।
- शर्मा, आर, और गुप्ता, पी., 2021, पेनिसेटम टाइफाइड से माइक्रोग्रीन्स: नवीन अनुसंधान के अवसरों के साथ कार्यात्मक खाद्य पदार्थ। में: खाद्य रसायन विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एफसीटी-2021), 8-10 नवंबर, 2021, यूनाइटेड साइंटिफिक ग्रुप, टेक्सास, यूएसए, ई-मौखिक प्रस्तुति।

4. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/अवधि
1	कार्यशाला: व्यावहारिक प्रोटीन शुद्धिकरण: करके सीखना। साइटिवा फॉर पीएचडी स्कॉलर द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया	7- 8 अक्टूबर 2021
2	कार्यशाला: व्यावसायिक और सामाजिक सफलता के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम	27 -31 दिसंबर 2021
3	जीवन विज्ञान में यूएसबीटी विशिष्ट व्याख्यान, विषय: पादप जीनोमिक्स की हमारी यात्रा, वक्ता: प्रो. अखिलेश के. त्यागी दिल्ली विश्वविद्यालय साउथ कैंपस	24 अगस्त 2021
4	जीवन विज्ञान में यूएसबीटी प्रतिष्ठित व्याख्यान, विषय: राइबोसोम बायोजेनेसिस और मलेरिया परजीवी के अंगों में [Fe-S] पाथवे प्रोटीन, वक्ता: प्रो. समन हबीब, सीएसआईआर-सेंट्रल ड्रग रिसर्च इंस्टीट्यूट	27 अक्टूबर 2021
5	यूएसबीटी जीवन विज्ञान में विशिष्ट व्याख्यान, विषय: सेलुलर संघर्ष की सुंदरता: आक्रमणकारियों और मेजबानों का, वक्ता: प्रो. चंद्रिमा शाहा भारतीय रासायनिक जीवविज्ञान संस्थान, जादवपुर	01 फरवरी 2022
6	जीवन विज्ञान में यूएसबीटी विशिष्ट व्याख्यान, विषय: एक कृमि विश्व, वक्ता: प्रो. गगनदीप कांग, क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेल्लोर	28 फरवरी 2022

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1	प्रो. एन. रघुराम	2019-2022	अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय नाइट्रोजन पहल
		2021-2024	सदस्य, सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर अंतर-मंत्रालयी राष्ट्रीय संचालन समिति
		2021-2022	3 पत्रिकाओं के विशेष अंकों के लिए अतिथि संपादक: फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस, एनवायरन। रेस लेट और एन.वी.रेस. कम्यून
		2021-2022	पीएमबीपी की संपादकीय उत्कृष्टता के लिए स्प्रिंगर-नेचर बैज से सम्मानित किया गया
		2021-2022	संपादकीय बोर्ड सदस्य, फ्रंटियर्स ऑफ एग्रीकल्चरल साइंस एंड इंजीनियरिंग

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
		2021–2022	मुख्य संपादक, फिजियोल मोल. बायोल. पौधे
		2021–2022	मानव संसाधन विकास और बाह्य परियोजनाओं पर डीबीटी समितियों के सदस्य
		2021–2022	सदस्य, अकादमिक इंटीग्रिटी पैनल, टीईआरआई स्कूल ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, नई दिल्ली
		2021–2022	सदस्य, भारतीय चावल अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद की अनुसंधान सलाहकार समिति
		2021–2022	सदस्य, पोषक तत्व प्रबंधन पर यूएनईपी वैश्विक भागीदारी (जीपीएनएम) की संचालन समिति
2	प्रो. मीनू कपूर	2021	आणविक आनुवंशिकी और जीनोमिक्स (एमजीजी) के लिए पादप आनुवंशिकी के लिए सह संपादक। एमजीजी आनुवंशिकी पर पहला जर्नल है, जिसकी स्थापना 1908 में हुई थी और यह आनुवंशिकी और जीनोमिक्स के सभी क्षेत्रों को कवर करते हुए सहकर्मी-समीक्षित लेख प्रकाशित करता है। इलेक्ट्रॉनिक आईएसएसएन 1617-4623; प्रिंट आईएसएसएन 1617-4615। स्प्रिंगर-वेरलाग जीएमबीएच जर्मनी, स्प्रिंगर नेचर का हिस्सा।
		2021	प्लांट फिजियोलॉजी के संपादकीय बोर्ड पर समीक्षा संपादक (फिजियोलॉजी में फ्रंटियर्स और प्लांट साइंस में फ्रंटियर्स का विशेष अनुभाग)। फ्रंटियर्स एक अग्रणी ओपन एक्सेस प्रकाशक और ओपन साइंस प्लेटफॉर्म है। फ्रंटियर्स मीडिया एसए, एवेन्यू डु ट्रिब्यूनल फेडरल 34 1005 लॉजेन, स्विट्जरलैंड।

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो. एन. रघुराम	"दक्षिण एशिया नाइट्रोजन हब"	यूकेआरआई-जीसीआरएफ	5 वर्ष	230.0
		"फसल पोषक तत्व उपयोग दक्षता में जी-प्रोटीन की भूमिका: चावल में आरजीए 1 उत्परिवर्ती में।"	डीएसटी-सर्ब	3 वर्ष	24.06140
		"एन-सिग्नलिंग में शामिल एपिजेनेटिक रूप से विनियमित जीन की पहचान और चावल में उपयोग दक्षता"	एफआरजीएस - जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.26
2.	डॉ. रीनू शर्मा कपूर (पीआई)	एसोफेजियल कैंसर में केमोरेसिस्टेंस के एमआईआरएनए मध्यस्थता विनियमन को समझना	सीएसआईआर	3 वर्ष	21.29
		नियोएडजुवेंट-थेरेपी के प्रति एसोफेजियल कार्सिनोमस की प्रतिक्रिया की भविष्यवाणी करने के लिए वैश्विक एमआईआरएनए अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग	आईसीएमआर	3 वर्ष	49.97996
		विशिष्ट मुख कैंसर की पहचान के लिए प्वाइंट ऑफ केयर डिवाइस का विकास	डीएसटी	2 वर्ष	17.79624 (वित्तीय वर्ष 2021-22 में 8.89812 प्राप्त)
3.	रंजीत कुमार सीटी	चिकनगुनिया कोट प्रोटीन द्वारा आरआईजी-I की मध्यस्थता वाली जन्मजात प्रतिरक्षा प्रतिक्रियाओं का मॉडयूलेशन	सीएसआईआर	3 वर्ष	30

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
4.	डॉ. प्रोमिला गुप्ता	विशिष्ट पाचन एंजाइमों के निषेध और क्रिया के तरीके के लिए शॉर्टलिस्ट किए गए यौगिकों की विशेषता	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.80
5.	प्रो. मीनू कपूर	फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में पीपीईएफ4 ए के सिंगल और डबल जीन नॉकआउट म्यूटेंट का ट्रांसक्रिप्टोम विश्लेषण (सिद्धांत अन्वेषक)	वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर)	3 वर्ष	230.0
		मॉस फिस्कोमिट्रियम पेटेंस में तनाव उत्तरदायी स्थानांतरण आरएनए एसपारटिक एसिड मिथाइलट्रांसफेरेज 1 (टीआरडीएमटीएल/ डीएनएमटी2) के जैविक कार्यों की जांच (सिद्धांत अन्वेषक)	सर्ब -पावर	3 वर्ष	29.9
		मॉस में डीएनए/टीआरएनए मिथाइलट्रांसफेरेज डीएनएमटी2 के साथ परस्पर क्रिया करने वाले प्रोटीन की सिलिको पहचान और इन विवो सत्यापन फिस्कोमिट्रेला पैटेंस	एफआरजीएस-जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.8
6.	डॉ. आरएस पूर्ति	भारतीय सरसों (ब्रैसिका जंसिया एल) में भारी धातु तनाव को कम करने में टाइटेनियम डाइऑक्साइड नैनोकणों (नैनो-टीओओ2) का अनुप्रयोग	एफआरजीएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.26
7	डॉ. गौरव पांडे	कोविड 19 संक्रमण की जांच के लिए लेटरल फ्लो इम्यूनोएसे डिवाइस पर एंटीबॉडीज को पकड़ने के लिए एंटीजन का विकास और मूल्यांकन	बीआईआरएसी	18 महीने	98.33
		विनिर्माण में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी एमएबी के शुद्धिकरण के लिए स्वदेशी प्रोटीनए रेजिन का विकास	बीआईआरएसी	2 वर्ष	48.27
		पुन: संयोजक सीआरएम 197 के लिए बायोप्रोसेस का विकास	एफआरजीएस-जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.26

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	दर्शिका सिंह	पीएच.डी तीसरा वर्ष	चार प्रमुख ब्रायोलॉजिकल, लाइकेनोलॉजिकल और बॉटनिकल सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मौखिक प्रस्तुति दी गई: इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ ब्रायोलॉजिस्ट (आईएबी), अमेरिकन ब्रायोलॉजिकल एंड लाइकेनोलॉजिकल सोसाइटी (एबीएलएस), कैनेडियन बॉटनिकल एसोसिएशन (सीबीए-एबीसी) और सोसाइटी क्यूबेकॉइस डी ब्रायोलोजी (एसक्यूबी) और लावल यूनिवर्सिटी, क्यूबेक, कनाडा (6-9 जुलाई, 2021) के माध्यम से होस्ट किया गया।
2	स्वाति चतुर्वेदी	पीएच.डी	एंटीऑक्सीडेंट क्षमता और लाइपेज इंटरैक्शन के लिए बीटा वल्गेरिस अर्क का मूल्यांकन: मेटाबोलाइट प्रोफाइलिंग, इन-विट्रो और इन-सिलिको विधि से युक्त एक अध्ययन। (विजेता: तीसरा पुरस्कार) सिंगापुर में "खाद्य और पोषण पर चौथे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" में, ई पोस्टर प्रस्तुति (सार आईडी: खाद्य और पोषण; टी8एआई वी2) 23 - 24 सितंबर 2021

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
		पीएच.डी	'अपशिष्ट से धन मिशन' के तहत, 'प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (भारत सरकार) के कार्यालय' द्वारा नेतृत्व किया गया। स्वच्छता सारथी फेलोशिप: 'श्रेणी 'बी', 01 जुलाई 2021- 30 जून 2022
3	हर्षिता बावरी	एम.टेक (बीटी) चतुर्थ सेमेस्टर	ई-पोस्टर प्रस्तुति शीर्षक में प्रथम स्थान "जीनोमवाइड विश्लेषण और ओरिजा सैटिवा में लवणता तनाव के तहत बीबीआर/बीपीसी परिवार जीन की सिलिको अभिव्यक्ति प्रोफाइलिंग"। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, पंजाब, भारत द्वारा 17-18 दिसंबर, 2021 को पृथ्वी पर स्थिरता जीवन 2021 (आईसीएस-एलओई 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।
4	लिप्सा चौधरी	पीएच.डी. चतुर्थ वर्ष	सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ईशा शुक्ला, आशिमा शर्मा और गौरव पांडे द्वारा लिखित "इंजीनियर्ड सिस्टीन स्टैफिलोकोकल प्रोटीन ए (एसपीए) का उत्पादन: इंट्रासेल्युलर और बाह्य कोशिकीय अभिव्यक्ति दृष्टिकोण की तुलना" पर पोस्टर प्रस्तुति। मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर और द बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, भारत द्वारा 04-08 अप्रैल, 2021 के दौरान जयपुर, भारत में।
5	ईशा शुक्ल	पी.एच.डी. तृतीय वर्ष	मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर और बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, भारत, जयपुर, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में ईशा शुक्ला, लिप्सा चौधरी, आकाश शर्मा और गौरव पांडे द्वारा लिखित "कैटेस्टैटिन की पुन: संयोजक अभिव्यक्ति, सूजन संबंधी बीमारियों के उपचार के लिए एक संभावित पेप्टाइड" पर पोस्टर प्रस्तुति 04-08 अप्रैल, 2021 के दौरान
6	सुष्मिता	पी.एच.डी. तृतीय वर्ष	संसाधन दक्षता, ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सुष्मिता, गौरव पांडे द्वारा लिखित "ई. कोली में घुलनशील पुन: संयोजक पेप्टाइड के रूप में मानव ग्लूकागन-जैसे पेप्टाइड -1 (जीएलपी -1) की अभिव्यक्ति" पर मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति और स्वास्थ्य, सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून और बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, भारत द्वारा संयुक्त रूप से 01-04 दिसंबर, 2021 के दौरान देहरादून, भारत में आयोजित किया गया।
7	लिप्सा चौधरी	पी.एच. डी. 5वाँ वर्ष	संसाधन दक्षता, ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में लिप्सा चौधरी, गौरव पांडे द्वारा लिखित "देशी स्टैफिलोकोकल प्रोटीन ए (एनएसपीए) का मीडिया निर्भर बाह्य कोशिकीय स्राव और बढ़े हुए स्राव के लिए इसकी प्रोटीन इंजीनियरिंग" पर मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति, सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून और द बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, भारत द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया 01-04 दिसंबर, 2021 के दौरान देहरादून, भारत
8	शीबा होदा	पीएच.डी	पोस्टर "आईसीईएसीबीएस 2022" तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (22,23 और 26 जनवरी, 2022) में प्रस्तुत किया गया, फाइलोस्फीयर माइक्रोबियल विविधता और क्लोरपाइरीफोस को कम करने की उनकी क्षमता। शीबा होदा और कमल कृष्ण अग्रवाल द्वारा लिखित'

8. विद्यालय द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन:

क्र.सं.	एमओयू की तारीख	सहयोग करने वाले संस्थान आदि जैसे एमओयू का विवरण।
1	मार्च 2022	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक गतिविधियों के लिए दिल्ली जल बोर्ड के साथ समझौता ज्ञापन

9. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

(क) सम्मानित पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 04

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	उपाधि प्रदान किये जाने की तिथि
1	विधि त्यागी	फिस्कोमिट्रेला पेटेंट्स में यूकेरियोटिक अनुवाद दीक्षा कारक ईआईएफ4ए की पहचान और कार्यात्मक विशेषता	24 सितम्बर 2015	प्रो. मीनू कपूर	27 जनवरी, 2021
2	विमला परिहार	ओरिजा सैटिवा और फिस्कोमिट्रेला पैटेंस में आरएनएआई और डीएनए मिथाइलेशन मशीनरी के घटकों के बीच कार्यात्मक संरक्षण को समझना	21 अक्टूबर 2014	प्रो. मीनू कपूर	9 मार्च, 2020
3	श्वेता कुमारी	शिजोसैक्रोमाइसेस पोम्बे में ईएलएल (गयारह उन्नीस लाइसिन समृद्ध ल्यूकेमिया) प्रोटीन की भूमिका का स्पष्टीकरण	19 अक्टूबर 2014	प्रो. निमिषा शर्मा	26 अक्टूबर, 2021
4	आफरीन वजीरी	चावल में लवणता सहनशीलता के लिए साल्टोल क्यूटीएल के जीन को विनियमित करने वाले प्रतिलेखन कारक की पहचान और कार्यात्मक सत्यापन	2014	डॉ. राम सिंह पूर्ति	30 मार्च, 2022

(ख) चल रहे पी.एच.डी. पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 23

10. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	सुश्री आशु त्यागी	सीएसआईआर-जेआरएफ
2.	सुश्री भूमिका मदान	सीएसआईआर- जेआरएफ
3	आरुषि जैन (पीएचडी स्कॉलर)	नेट-एलएस, 2022
4	बबीता	आईसीएमआर-जेआरएफ
5	याशिका सारंगले	डीबीटी-जेआरएफ
6	सुष्मिता	यूजीसी
7	कायनात	डीबीटी-जेआरएफ
8	आकांक्षा	डीबीटी-जेआरएफ
9	संचित बत्रा	गेट
10	विकास मंडल	डीबीटी जेआरएफ
11	हरनूर कौर आनंद	गेट
12	रश्मी पांडे	गेट
13	तनिष्का	गेट
14	सुरभि गुप्ता	गेट
15	मानसी जुनेजा	गेट
16	नेहा सभरवाल	गेट

11. प्रकाशित आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

प्रो. एन. रघुराम प्रधान संपादक हैं और यूएसबीटी उच्च प्रभाव स्प्रिंगर नेचर इंटरनेशनल जर्नल, फिजियोलॉजी और पौधों की आणविक जीवविज्ञान का संपादकीय कार्यालय है, जिसका भारतीय मूल की वैज्ञानिक पत्रिकाओं में सबसे अधिक प्रभाव कारक है।

12. अवधि के दौरान अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

क्र.सं.	संकाय का नाम	अवधि	पद का नाम
1	प्रो. नंदुला रघुराम	2019-2022	मुख्य सतर्कता अधिकारी
2	प्रो. मीनू कपूर	अगस्त 2021- आज तक	अध्यक्ष यूएसबीटी

4.4 विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री केमिकल इंजीनियरिंग	4+2 वर्ष	30
2	बी.टेक/एम.टेक दोहरी डिग्री बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	4+2 वर्ष	30
3	पी.जी केमिकल इंजीनियरिंग	2 वर्ष	30
4	पी.जी बायोकेमिकल	2 वर्ष	30

2. प्रयोगशालाओं/संगोष्ठी आदि के संबंध में स्कूल में नए सेटअप के बारे में विवरण:

कमरा संख्या	प्रयोगशालाओं का नाम
लैब 213	कॉमसोल सॉटवेयर
लैब 212	ओरिजिन लैब प्रो V2022 सॉटवेयर
लैब 215	यूवी सॉटवेयर

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख:

प्रो उत्तम कुमार मंडल

- मंडल, यू. के. और सैकिया, ए. के, 2022, पेग/पॉली (निपम-को-एम्प्स) माइक्रोजेल के कणों की विशेषताओं, तापमान संवेदनशीलता और आकृति विज्ञान का एक तुलनात्मक अध्ययन, जर्नल ऑफ एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च, 13(1): 252-262।
- कौर, बी., तंवर, आर. और मंडल, यूके, 2021, पॉलीएनिलिन Ni0.5Zn0.5Fe2O4 नैनोकम्पोजिट्स, कोलाइड्स और सतह ए: भौतिक रासायनिक और इंजीनियरिंग पहलुओं के संरचनात्मक, चुंबकीय और विद्युत गुणों पर नैनोकणों के कैल्सीनेशन और सतह कार्यात्मककरण का प्रभाव, 628, 127273.

प्रो. अरिंजय कुमार

- गुप्ता, एस., और जैन, एके, 2021, संशोधित ए बारबाडेन्सिस मिलर का उपयोग करके जलीय घोल और वास्तविक औद्योगिक अपशिष्ट जल से नी (II) का बायोसॉर्प्शन एक प्रयोगशाला पैमाने पर निरंतर निश्चित बेड कॉलम में अवशेष पाउडर छोड़ता है।, क्लीनर इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी, 5, 100349।
- आचार्य, एस., खांडेगर, वी., शर्मा, एसके और कुमार, ए., 2022, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा सिंथेटिक और वास्तविक भूजल से नाइट्रेट हटाना: ऑपरेटिंग मापदंडों और इलेक्ट्रोलाइट्स का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री, 1-19।
- पाठक, ए., खांडेगर, वी., और कुमार, ए., 2021, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन का उपयोग करके रंगों को हटाने के लिए एक बॉक्स-बेनकेन डिजाइन के साथ संयोजन में सांख्यिकीय जांच, जे. हैजर्ड। विषैला रेडियोएक्ट. अपशिष्ट, 26, 04022001।

डॉ. नीरू आनंद

- कुमार, एस., कुमार, डी., आनंद, एन. और शाह, वी., 2021, एमसीएम-22, जेडएसएम-5 और एल्यूमिना का उपयोग करके चक्रीय हाइड्रोकार्बन में ट्रांसएस्टरीफिकेशन के उप-उत्पाद ग्लिसरॉल के उत्प्रेरक रूपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन., इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल रिएक्टर इंजीनियरिंग, 19(9), 913-920।
- त्यागी, यू. और आनंद, एन., 2021, बबूल की लकड़ी के अवशेषों का 5-हाइड्रोक्सीमिथाइल फुरफुरल में रूपांतरण: काइनेटिक्स और प्रोसेस मॉडलिंग, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 14, 100674।

- त्यागी, यू. और आनंद, एन., 2021, उत्प्रेरक के रूप में कार्बन सामग्री द्वारा उत्प्रेरित आयनिक तरल माध्यम में माइक्रोक्रिस्टलाइन सेलुलोज का सुस्पष्ट डीपोलीमराइजेशन, ग्रीन एंड सस्टेनेबल केमिस्ट्री में वर्तमान अनुसंधान, 4, 100068।
- त्यागी, यू. और आनंद, एन., और जैन, एके, 2022, फिक्स्डबेड रिएक्टर में वेटिवेरिया जिजानियोइड्स का पायरोलिसिस और व्युत्पन्न नवीन उत्पादों का लक्षण वर्णन।, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी रिपोर्ट्स, 12, 101046।

प्रो बिस्वजीत सरकार

- सरकार, बी., 2022, डाई अपशिष्ट जल के उपचार में माइकेलर ने अल्ट्राफिल्ट्रेशन को बढ़ाया: बुनियादी बातें, अत्याधुनिक और भविष्य के परिप्रेक्ष्य, सतत विकास के लिए भूजल, 17, 100730।

प्रो. तपन सरकार

- शिवांगी, भारद्वाज, एस. और सरकार, टी., 2021, Ni/NiO/SnO2 नैनोकण द्वारा पानी से कार्बनिक और अकार्बनिक प्रदूषकों का एक साथ निष्कासन, एनवायरन साइंस पोलुट रेस इंट, 29 (15), 22093-22105।
- शिवांगी, भारद्वाज, एस. और सरकार, टी., 2021, निकेल ऑक्साइड-डेकोरेटेड रिडयूस्ड ग्रफीन ऑक्साइड द्वारा जलीय घोल से कैडमियम और लेड आयनों का एक साथ निष्कासन, पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 19, 5595-5610।
- जमीलुर, आरए, नसेह, एमडी एफ., सिंह, एन., सरकार, टी., और दत्ता, ए., 2021, जलीय मीडिया में एएस (III) की एक विस्तृत श्रृंखला पर एमओएस2 क्वांटम डॉट्स की अनूठी फोटोल्यूमिनेसेंस प्रतिक्रिया, नैनोटेक्नोलॉजी, 32, 345708।
- नसेह, एमडी. एफ., सिंह, एन., जमीलुर, आरए, कुमार, ए., सरकार, टी. और दत्ता, ए., 2021, एल-सिस्टीन ने एएस (III) के उप-पीपीबी का पता लगाने के लिए ग्रफीन क्वांटम डॉ.ट्स को क्रियाशील किया। , नैनोटेक्नोलॉजी, 33(6), 1-10।
- सरकार, टी. और श्रीनिवेस, एस., 2021, बीटीईएक्स वाष्पों के अति संवेदनशील पता लगाने के लिए इलेक्ट्रोकेमिकल रूप से कार्यात्मक एकल-दीवार वाले कार्बन नैनोटयूब, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग, 247, 111584।

डॉ. एस के शर्मा

- आचार्य, सा. और शर्मा, एसके, खांडेगर, वी., 2021, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा भूजल से नाइट्रेट हटाना: प्रतिक्रिया सतह विधि के माध्यम से प्रक्रिया अनुकूलन, जे. हैजर्ड। विषैला रेडियोएक्ट. अपशिष्ट, 25(3), 04021014।
- आचार्य, एस., खांडेगर, वी., शर्मा, एस. के., और कुमार, ए., 2022, सिंथेटिक से नाइट्रेट हटाना और इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा वास्तविक भूजल: ऑपरेटिंग मापदंडों और इलेक्ट्रोलाइट्स का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल एनालिटिकल केमिस्ट्री, 1-19।

डॉ. आराधना श्रीवास्तव

- कुमार, एन., हंस, एस. और श्रीवास्तव, ए., 2021, स्केद और लाल रोशनी तरंग दैर्ध्य पर साइनोबैक्टीरिया का उपयोग करके यमुना नदी से क्रोमियम बायोरेमेडिएशन, जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 44, 102416(1-8)।

डॉ. मोनिषा मृधा मंडल

- लोमस, आर. और मंडल, एमएम, 2022, पॉलीएनिलिन-सोडियम डोडेसिल सल्फेट-सोडियम हाइड्रॉक्साइड "लडिंग, केम का उपयोग करके उन्नत तेल रिकवरी। इंजी. टेक्नोल., 45, संख्या 3, 497-507.

डॉ. दिनेश कुमार

- कुमार, एस. और कुमार, डी., आनंद, एन., शाह, वी., 2021, एमसीएम-22, जेडएसएम-5 और एल्यूमिना का उपयोग करके चक्रीय हाइड्रोकार्बन में ट्रांसएस्टरीफिकेशन के उप-उत्पाद ग्लिसरॉल के उत्प्रेरक रूपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन., इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल रिएक्टर इंजीनियरिंग, 19(9), 913-920।

डॉ. विनीता खांडेगर

- सूरी, ए., खांडेगर, वी. और कौर, जेपी, 2021, ग्राफीन-ऑक्साइड नैनोकम्पोजिट, ग्राउंड वॉटर सस्ट के साथ उपन्यास एचआरपी इमोबिलाइज्ड चिटोसन क्रॉस-लिंक का उपयोग करके ओफ्लॉक्सासिन बहिष्करण। डेवलोप., 12, 100515.
- सूरी, ए. और खांडेगर, वी, 2021, अल्ट्रा-सोनिकेशन सहायता प्राप्त ईसी प्रक्रिया द्वारा फार्मास्युटिकल यौगिकों का बहिष्कार, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, 25(2), 04021004.

- पाठक, ए., खांडेगर, वी. और कुमार, ए., 2021, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा सादे और विस्तारित सतह इलेक्ट्रोड का उपयोग करके एसिड वायलेट 17 को हटाना, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, 25 (3), 06021002।
- आचार्य, एस., शर्मा, एसके और खांडेगर, वी., 2021, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा भूजल से नाइट्रेट हटाना: प्रतिक्रिया सतह विधि के माध्यम से प्रक्रिया अनुकूलन, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट। अपशिष्ट, 25 (3), 04021014।
- खांडेगर, वी., कौर, जेपी और चानाना, पी., 2021, जल शोधन और चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए चिटोसन और ग्राफीन ऑक्साइड-आधारित नैनोकम्पोजिट: एक समीक्षा, बायोरिसोर्सेज, 16(4), 1-42।
- बनोत्र, डी., शर्मा, एस. और खांडेगर, वी., 2022, रंगों को हटाने के लिए संशोधित Fe3O4 नैनोकम्पोजिट्स का अनुप्रयोग: संतुलन, काइनेटिक और थर्मोडायनामिक अध्ययन।, जे। खतरनाक, विषाक्त, रेडियोधर्मी। अपशिष्ट, 26(1), 06021004।
- पाठक, ए., खांडेगर, वी. और कुमार, ए., 2022, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन का उपयोग करके रंगों को हटाने के लिए बॉक्स-बेनकेन डिजाइन के संयोजन में एक सांख्यिकीय जांच, जे. खतरनाक, विषाक्त, रेडियोएक्ट, अपशिष्ट, 26(2), 04022001।
- आचार्य, एस., शर्मा, एसके और खांडेगर, वी., 2022, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा सिंथेटिक और वास्तविक भूजल से नाइट्रेट हटाना: ऑपरेटिंग मापदंडों और इलेक्ट्रोलाइट्स का प्रभाव।, इंट। जे. पर्यावरण. एना. रसायन., 1-19.
- कौर, जेपी, यादव, पी., गुप्ता, एम., गुप्ता, खांडेगर, वी., और जैन, के., 2022, मूल्य वर्धित उत्पाद के स्रोत के रूप में बांस: वैश्विक परिपत्र अर्थव्यवस्था का मार्ग प्रशस्त, बायोरिसोर्सेज, 17(3), 1-27.

डॉ. सनिग्धा आचार्य

- आचार्य, एस., खांडेगर, वी., शर्मा, एसके और जैन, एके, 2022, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा सिंथेटिक और वास्तविक भूजल से नाइट्रेट हटाना: ऑपरेटिंग मापदंडों और इलेक्ट्रोलाइट्स का प्रभाव।, इंटर जे. एनवायरन एनल केम., 1-19।
- आचार्य, एस., शर्मा, एसके और खांडेगर, वी., 2021, इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन द्वारा भूजल से नाइट्रेट हटाना: प्रतिक्रिया सतह विधि के माध्यम से प्रक्रिया अनुकूलन।, जे. खतरा। विषैला रेडियोएक्ट. बर्बादी, 25(3), 1-14.

श्री विनय शाह

- कुमार, एस., कुमार, डी., आनंद, एन. और शाह, वी., 2021, एमसीएम-22, जेडएसएम-5 और एल्यूमिना का उपयोग करके चक्रीय हाइड्रोकार्बन में ट्रांसएस्टरीफिकेशन के उप-उत्पाद ग्लिसरॉल के उत्प्रेरक रूपांतरण का तुलनात्मक अध्ययन., इंटरनेशनल जर्नल ऑफ केमिकल रिएक्टर इंजीनियरिंग, 19(9), 913-920।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात:

डॉ. आराधना श्रीवास्तव

- कुमार, ए. और श्रीवास्तव, ए., 2021, गुणवत्ता वाले बायोडीजल का उत्पादन करने के लिए कुसुम और रबर के बीज के तेल की क्षमता, बीआरएसआई, भारत द्वारा जैव प्रौद्योगिकी संसाधन दक्षता, ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन और स्वास्थ्य (ब्रीच 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। 1-4 दिसंबर, आईआईपीएम देहरादून में आयोजित।

श्री विनय शाह

- शाह, वी. कुमार, डी. और मंडल, यूके, 2021, पॉलीथीन को निम्न हाइड्रोकार्बन में बदलने के लिए एल्यूमिना आधारित संरचित नैनो उत्प्रेरक का एक आसान संश्लेषण, ऊर्जा और पर्यावरण के लिए टिकाऊ अनुसंधान में प्रगति की प्रगति: पहला संस्करण 2021 आईएसबीएन: 978-81-9557245- 8, 145.

श्री दीपक गर्ग

- गर्ग. डी., कुमार, एस. और बायोमाजुमडर, सी., 2021, मूंगफली के छिलके से सक्रिय कार्बन का उपयोग करके अपशिष्ट जल से प्रत्यक्ष नीले 86 को हटाना: संतुलन, काइनेटिक और थर्मोडायनामिक अध्ययन, पर्यावरण एकीकरण के लिए तीसरा यूरो मेडिटेरेनियन सम्मेलन, 10-13 जून 2021, सॉसे, ट्यूनीशिया, 38.

(ग) पुस्तक अध्याय:

- ऋषि, एल. और मंडल, एमएम, 2022, पॉलीएनिलिन का उपयोग करके उन्नत तेल रिकवरी की मॉडलिंग, द्रव गतिशीलता अनुसंधान में हालिया रुझान। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स। https://doi.org/10.1007/978-981-16-6928-6_18, स्प्रिंगर, सिंगापुर। 2022, 215 -225.

- अहमद, एमएफ, और मंडल, एमएम, 2022, स्ट्रेट एंड हेलिकल ट्यूब्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सस्टेनेबल कंप्यूटिंग में नैनोफ्लुइड फ्लो के हाइड्रोडायनामिक्स और हीट ट्रांसफर पर सीएफडी अध्ययन आईएसबीएन 978-981-19-1652-6 अध्याय डीओआई 10.1007/978-981-19 -1653-3;22, स्प्रिंगर नेचर 2022।
- यादव, एस., आनंद, एन., कुमार, डी., और कामसोनलियन, एस., 2021, गैसोलीन अंश के हाइड्रोकार्बन के लिए जेट्रोफा करकस गैर-खाद्य तेल की कैटेलिटिक क्रैकिंग: बॉक्स-बेहेनकेन विधि के माध्यम से अनुकूलन अध्ययन, अपशिष्ट का उपयोग ऊर्जा, पर्यावरण और उत्प्रेरक में बायोमास, सीआरसी प्रेस, 143-160।
- गुप्ता, एस., एम., यादव, पी., और शर्मा, एस., के., 2022, नैनो-सर्फेक्टेंट्स का संश्लेषण और गुण, नवीकरणीय कच्चे माल से सर्फेक्टेंट, सीआरसी प्रेस डीओआई: 10.1201/9781003144878, 165182।
- गुप्ता, एस., एम., शर्मा, बी., और शर्मा, एस., के., 2022, जल उपचार के लिए तरल और क्रिस्टल नैनोमटेरियल्स: अपशिष्ट जल उपचार के लिए TiO2 गतिविधि में सुधार के लिए बुनियादी सिद्धांत, संश्लेषण और रणनीतियाँ, तरल और क्रिस्टल नैनोमटेरियल्स जल प्रदूषक निवारण, सीआरसी प्रेस डीओआई: 10.1201/9781003091486, 140-205।
- आचार्य, एस., शर्मा, एसके और खांडेगर, वी., 2021, भूजल से नाइट्रेट हटाने के लिए इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन प्रक्रिया में इलेक्ट्रोलाइट भूमिका।, रसायन, जैव और पर्यावरण इंजीनियरिंग में प्रगति।, स्प्रिंगर, 229-238।
- खांडेगर, वी. और कौर, पी.जे., 2022, एल्गल एक्सट्रैक्ट-बायोसिंथेसाइज्ड सिल्वर नैनोपार्टिकल्स: बायोमेडिकल एप्लीकेशन।, हैंडबुक ऑफ ग्रीन एंड सस्टेनेबल नैनोटेक्नोलॉजी।, स्प्रिंगर।
- आचार्य, एस., शर्मा, एसके और खांडेगर, वी., 2021, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और सस्टेनेबल कंप्यूटिंग में आयरन ऑक्साइड@एसी द्वारा कांगो रेड डाई का अनुकूलन।, स्प्रिंगर नेचर सिंगापुर पीटीई लिमिटेड, स्प्रिंगर।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

1. डॉ. उत्तम कुमार मंडल, 2021, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत, 9-11 अप्रैल 2021, केरल।
2. डॉ. मोनिशा मृधा मंडल, 2021, एमआईटीएस ग्वालियर, 13-14 नवंबर 2021, ग्वालियर (ऑनलाइन)।
3. डॉ. मोनिशा मृधा मंडल, 2021, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, पीडी हिल्स पीओ, कोट्टायम, केरल, भारत, ब्रोकला प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, ब्रोकला, पोलैंड, ग्दान्स्क प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पोलैंड, वुहान विश्वविद्यालय, चीन, 9-11 अप्रैल 2021, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (ऑनलाइन)।
4. डॉ. दिनेश कुमार, 2022, अलवणीकरण और जल उपचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: हालिया तकनीकी उन्नति, चुनौतियाँ और अवसर और भारतीय अलवणीकरण संघ की वार्षिक कांग्रेस, एमबीएम विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, 26-27 मार्च 2022।
5. डॉ. दिनेश कुमार, 2021, रसायन, जैव रासायनिक और पर्यावरण इंजीनियरिंग में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एमएनआईटी, जयपुर, राजस्थान, भारत, 23-24 अप्रैल, 2021।
6. डॉ. दिनेश कुमार, 2021, रिएक्शन इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एमएनआईटी रायपुर, 7-8 मार्च 2021।
7. डॉ. विनीता खांडेगर, 2021, ने यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम" ऑनलाइन एफडीपी में भाग लिया, 08-12 मार्च 2021 (5 दिन), ऑनलाइन एफडीपी।
8. डॉ. विनीता खांडेगर, 2021, ऑनलाइन एफडीपी ने अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा आयोजित "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करना" पर भाग लिया।, 24-28 मई 2021 (5 दिन), ऑनलाइन एफडीपी।
9. डॉ. मान्यता गुप्ता, परमिंदर जीत कौर, सनिग्धा आचार्य, अरिंजय जैन, 2021, सतत पर्यावरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बांस-आधारित हरित अवशोषक का उपयोग करके हवा और पानी से दूषित पदार्थों को हटाना": चुनौतियां और अवसर (सेको -2021), 9 - 10 सितंबर, 2021, सतत शिक्षा केंद्र, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, भारत, ऑनलाइन सम्मेलन।
10. डॉ. मान्यता गुप्ता, परमिंदर जीत कौर, सनिग्धा आचार्य, अरिंजय जैन, 2021, रासायनिक, जैव और पर्यावरण इंजीनियरिंग पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (केम्बियोन-2021), में भूजल से नाइट्रेट हटाने के लिए इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन प्रक्रिया में इलेक्ट्रोलाइट भूमिका, 20-22 अगस्त 2021, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, भारत, ऑनलाइन सम्मेलन।
11. डॉ. गरिमा, मिनोचा, विनीता खांडेगर, सनिग्धा आचार्य, 2021, रासायनिक, जैव और पर्यावरण इंजीनियरिंग पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (केम्बियोन-2021) में विश्लेषणात्मक पदानुक्रम -ष्टिकोण का उपयोग करके ई-कचरे से भारी धातुओं

की वसूली के लिए व्यवहार्य लीचिंग विधि का चयन, अगस्त 20-22, 2021, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर, भारत, ऑनलाइन सम्मेलन।

12. डॉ. सनिग्धा आचार्य, 2022, ने मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) इलाहाबाद, प्रयागराज, में आयोजित "अपशिष्ट जल उपचार में नवीन दृष्टिकोण (एनएडब्ल्यूटी2022)" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन अल्पकालिक पाठ्यक्रम में 'अपशिष्ट जल उपचार के लिए इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन तकनीक' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। फरवरी 01-05, 2022, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, ऑनलाइन।
13. डॉ. सनिग्धा आचार्य, 2021, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपीयू, द्वारा आयोजित "उद्योग 4.0" पर कौशल वृद्धि कार्यक्रम में "जल ऑडिट के एक पैरामीटर के रूप में जल गुणवत्ता सूचकांक" विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। 27-31 दिसंबर 2021 जीजीएसआईपी, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपीयू, ऑनलाइन।
14. डॉ. स्वाति यादव और राकेश अंगिरा, 2022, बेंचमार्क फंक्शंस पर विपक्ष आधारित विभेदक विकास एल्गोरिदम (ओपीडीई) का प्रदर्शन मूल्यांकन।, कॉनफ्लक्स, ऑनलाइन।
15. डॉ. विनय शाह, दिनेश कुमार, यूके मंडल, 2021, पॉलीथीन को कम हाइड्रोकार्बन में बदलने के लिए एल्यूमिना आधारित संरचित नैनोकैटलिस्ट का एक सुस्पष्ट संश्लेषण, ऊर्जा और पर्यावरण प्रबंधन के लिए सतत अनुसंधान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एएसआरईईएम-2021), एसवीएनआईटी गुजरात, भारत, 6-8 अगस्त 2021, ऑनलाइन।
16. डॉ. विनय शाह, 2021, ने ऊर्जा लेखा परीक्षा और प्रबंधन, ऊर्जा और पर्यावरण लेखापरीक्षा: उद्योग 4.0, ऑनलाइन पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
17. डॉ. ए. श्रीवास्तव, 2021, बीआरएसआई, भारत द्वारा आयोजित जैव प्रौद्योगिकी संसाधन दक्षता, ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन और स्वास्थ्य पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (ब्रीच 2021), 1-4 दिसंबर, आईआईपीएम, देहरादून

5. स्कूलों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	गति के साथ इक्का	18 अक्टूबर 2021	98
2	विहान 1.0	11 नवंबर 2021	100
3	विजन गेट 2022	30 नवंबर 2021	90
4	ऊर्जा और पर्यावरण लेखापरीक्षा: उद्योग 4.0	27- 31 दिसंबर 2021 (5 दिवसीय कार्यशाला)	150
5	एबी आरंभरू शुरुआत से (वेबिनार)	13 जून, 2021	100
6	एक व्यवहार्य कैरियर के रूप में रक्षा सेवाएँ (वेबिनार)	18 सितंबर, 2021	100
7	प्रतिष्ठित पूर्व छात्रों की वार्ता (संगोष्ठी)	21 मार्च, 2022	100
8	गेट (सेमिनार) के लिए तैयारी की रणनीति	21 अप्रैल, 2022	70
9	प्रस्तुति (पोस्टर प्रस्तुति प्रतियोगिता)	24 सितंबर, 2021	10 टीमें
10	केमोपिक्सेल (फोटोग्राफी प्रतियोगिता)	18 अक्टूबर, 2021	25
11	जैव अनुसंधान में रासायनिक इंजीनियरों की भूमिका (वेबिनार)	24 नवंबर, 2021	110
12	केमबोर्ड (फेस्टकेम-ई-टियम के तहत)	6 दिसंबर, 2021	15 टीमें
13	तत्व-घंटा 1.0 (वेबिनार)	5 दिसंबर, 2021	105
14	वाद-विवाद प्रतियोगिता (उत्सव- केमई-टियम के अंतर्गत)	7 दिसंबर, 2021	20 टीमें
15	हंटस्केप (उत्सव के तहत- केमई-टियम)	8 दिसंबर, 2021	100

क्र.सं.	गतिविधि का शीर्षक	अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
16	मैटरमाइंड (फेस्टकेम-एटियम के तहत)	9 दिसंबर, 2021	120
17	केम-ओ-पीरियोडिजी	10 दिसंबर, 2021	120
18	तत्व-आवर 2.0 (वेबिनार)	10 दिसंबर, 2021	130
19	सर्कुलर बायो-इकोनॉमी के लिए विज्ञान नीति अनुसंधान का दायरा (वेबिनार)	31 जनवरी, 2022	90
20	वाटरमैनिया (सेमिनार)	18 अप्रैल, 2022	90

6. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	अनुभव राज	जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी	7 सेम, चतुर्थ वर्ष	केम-ओ-फिलिया (आईआईटी बॉम्बे एजोट्रॉपी उत्सव की तकनीकी प्रश्नोत्तरी) में प्रथम स्थान जीता
2	दुष्यंत उपाध्याय और अनन्या पांडे	केमिकल इंजीनियरिंग	छठा सेमेस्टर, तीसरा वर्ष	आईआईसीएचई द्वारा उनकी 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन एसीएमएस-2022 में "एक विकल्प के रूप में बायोडीजल" पर पेपर प्रस्तुत किया गया।
3	दुष्यंत उपाध्याय और अनन्या पांडे	केमिकल इंजीनियरिंग	छठा सेमेस्टर, तीसरा वर्ष	एसएसएन कॉलेज, चेन्नई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में समीक्षा पत्र का पावर प्वाइंट प्रस्तुत किया।
4	अर्शिता शर्मा, विभा पांडे और मनकरन सिंह	जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी, बायो-केमिकल इंजीनियरिंग और केमिकल इंजीनियरिंग	5 वां सेमेस्टर, तीसरा वर्ष	"एस्पार्टिक कॉलेज, चेन्नई के नवीन अनुप्रयोग" विषय पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (सटीयर) में पेपर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया।
5	अर्शिता शर्मा	जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी	छठा सेमेस्टर, तीसरा वर्ष	एनसीसी में कैड 2 ताल सैनिक कैंप के लिए चयनित
6	अर्शिता शर्मा	जैव-रासायनिक अभियांत्रिकी	छठा सेमेस्टर, तीसरा वर्ष	कैडर 1 ताल सैनिक कैम ग्रुप डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
7	हर्षिता कोहली	केमिकल इंजीनियरिंग	प्रथम वर्ष	एनएसयूटी में आयोजित ऑल दिल्ली गवर्नमेंट इंटर यूनिवर्सिटी 8 टूर्नामेंट में वॉलीबॉल में स्वर्ण पदक जीता।
8	हर्षिता नायक	केमिकल इंजीनियरिंग	प्रथम वर्ष	स्वर्ण 9 पदक, कबड्डी अंतरविश्वविद्यालय प्रतियोगिता
9	हर्षिता नायक, हर्षित मित्तल और शिखर वर्मा	केमिकल इंजीनियरिंग	प्रथम वर्ष	साइंस क्लब, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान दिवस क्विज में दूसरा पुरस्कार जीता
11	आदित्य गोबडा	केमिकल इंजीनियरिंग	दूसरा वर्ष	डब्ल्यूपीसी हरियाणा पावरलिफ्टिंग चौंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया
12	आदित्य गोबडा	केमिकल इंजीनियरिंग	दूसरा वर्ष	आईपीएफ दिल्ली राज्य पावर लिफ्टिंग चौंपियनशिप में दूसरा स्थान हासिल किया
13	आदित्य गोबडा	केमिकल इंजीनियरिंग	दूसरा वर्ष	इंडियन में दूसरा स्थान प्राप्त किया

7. स्कूलों द्वारा आयोजित अतिरिक्त पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे/त्यौहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1	फेशर्स के लिए ओरिएंटेशन	–	प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा कॉलेज जीवन के बारे में जानकारी दी गई। टीम के सदस्यों द्वारा दस छात्रों को तीन विभागों अर्थात् टी एंड पी सेल, आईआईसीएचई और एएसएमपी से परिचित कराया गया। कार्यक्रम का समापन जूनियर और सीनियर्स के बीच मनोरंजक बातचीत से हुआ।
2	रंगरेज (होली उत्सव)	16 मार्च, 2022	होली के अवसर पर आयोजन किया गया. प्रतियोगिता, नृत्य और गायन हुआ और अंत में छात्रों ने होली खेली।
3	जातीय दिवस	26 अप्रैल, 2022	विद्यार्थियों ने अपने सर्वोत्तम जातीय परिधान पहने। पूरे विभाग का (संकाय सदस्यों के साथ), कक्षावार और व्यक्तिगत रूप से फोटोशूट हुआ।
4	औ रेवोइर (विदाई 2022)	10 मई, 2022	2023 के बैच को विदाई देने के लिए यूएससीटी ने विदाई पार्टी का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष सर और यूएससीटी के सभी संकाय सदस्यों के आशीर्वाद से हुई। कार्यक्रम में मिस्टर और मिस फेयरवेल के लिए प्रतियोगिता शामिल थीय प्रत्येक छात्र को डांस, सिंगिंग और डीजे का टाइटल दिया गया।

7. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी	प्रकार	छात्र का नाम	शाखा	पैकेज एलपीए
1	ट्रियने	कोर रसायन	वंश सचदेवा	केमिकल इंजीनियरिंग	3.6
2	बायजस	एडटेक	विवेक कुमार प्रजापति	केमिकल इंजीनियरिंग	3.6
3	एनवीडी	आईटी	अनुज शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	2.5
4	एनवीडी	आईटी	मैत्री उपाध्याय	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	2.5
5	एनवीडी	आईटी	सोनालिका सिंह	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	2.5
6	डिजिट	बीमा	मानसी सती	केमिकल इंजीनियरिंग	5
7	डिजिट	बीमा	द्रव्य मलिक	केमिकल इंजीनियरिंग	5
8	इंटेलीपाट	एडटेक	निशा नेगी	केमिकल इंजीनियरिंग	9
9	इंटेलीपाट	एडटेक	हर्ष पांडे	केमिकल इंजीनियरिंग	9
10	इंटेलीपाट	एडटेक	कुमार शुभम	केमिकल इंजीनियरिंग	9
11	एयर लिक्विड	कोर रसायन	रिया सिंह	केमिकल इंजीनियरिंग	6.2
12	एयर लिक्विड	कोर रसायन	अभिनव कृष्ण	केमिकल इंजीनियरिंग	6.2
13	इंफोसिस	आईटी	अभिषेक भारद्वाज	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.6
14	इंफोसिस	आईटी	जतिन कुहाड़	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.6
15	इफोंसिस	आईटी	मान्यता गुप्ता	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.6
16	इंफोसिस	आईटी	अनुज शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.6
17	जेकब्स	कोर रसायन	संजना सिंह	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	5
18	जेकब्स	कोर रसायन	ईशा चटर्जी	केमिकल इंजीनियरिंग	5
19	फेडरल बैंक	बैंकिंग	अनुज शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	5.54
20	डीडीई	कोर बायोकेमिकल	सोनालिका सिंह	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	2.98
21	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	मैत्री उपाध्याय	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8

क्र.सं.	कंपनी	प्रकार	छात्र का नाम	शाखा	पैकेज एलपीए
22	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	दुष्यन्त त्यागी	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
23	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	अनुभव राज	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
24	मैक्वेरी वैश्विक सेवाएं	गैर कोर	अजय उपाध्याय	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	10
25	नाल्को वाटर्स	कोर रसायन	श्रुति सिंह	केमिकल इंजीनियरिंग	5.8
26	नाल्को वाटर्स	कोर रसायन	मानसी सती	केमिकल इंजीनियरिंग	5.8
27	नाल्को वाटर्स	कोर रसायन	द्रव्य मलिक	केमिकल इंजीनियरिंग	5.8
28	नाल्को वाटर्स	कोर रसायन	अपूर्व सक्सैना	केमिकल इंजीनियरिंग	5.8
29	नाल्को वाटर्स	कोर रसायन	हर्षित सिंह	केमिकल इंजीनियरिंग	5.8
30	सिमुलानिस	कोर रसायन	शिवम पांडे	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	4
31	सिमुलानिस	कोर रसायन	मयंक शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	4
32	सिमुलानिस	कोर रसायन	दुर्गेश चौहान	केमिकल इंजीनियरिंग	4
33	सिमुलानिस	कोर रसायन	मान्यता गुप्ता	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	4
34	इंफोसिस	आईटी	अनुभव राज	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.6
35	इंफोसिस	आईटी	ईशा चटर्जी	केमिकल इंजीनियरिंग	3.6
36	इंफोसिस	आईटी	प्रज्ञा पलक	केमिकल इंजीनियरिंग	3.6
37	बीएमडब्ल्यू	गैर कोर	अनुष्का सिंह	केमिकल इंजीनियरिंग	4.2
38	एस एंड बी ई और सी	कोर रसायन	आदित्य बंसल	केमिकल इंजीनियरिंग	5
39	एस एंड बी ई और सी	कोर रसायन	दानिश	केमिकल इंजीनियरिंग	5
40	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	रोहित	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
41	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	मृदुल मठपाल	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
42	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	निखिल कपूर	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
43	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	मयंक सिंह	केमिकल इंजीनियरिंग	3.8
44	कॉलेजदुनिया	गैर कोर	मयंक शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	3.8
45	टीसीएस	आईटी	मयंक शर्मा	बायोकेमिकल इंजीनियरिंग	7.5

8. अनुसंधान विद्यापीठों का विवरण:

(क) सम्मानित पीएचडी अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 13

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1	श्री एओ केडिया	मेथनॉल का उत्प्रेरक रूपांतरण हाइड्रोकार्बन	15-04-2012	डॉ. दिनेश कुमार और डॉ. नीरू आनंद	पुरस्कार
2	सुश्री रुचिका तंवर	उत्प्रेरक क्षरण और अपशिष्ट जल से कार्बनिक अपशिष्ट को हटाना	06-01-2014	प्रो. यूके मंडल	पुरस्कार
3	सुश्री बिक्रमजीत कौर	पॉलिमरिक नैनो कम्पोजिट	06-01-2014	प्रो. यूके मंडल	पुरस्कार
4	श्री सुदीप अस्थाना	कम लागत वाले अधिशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातु आयनों को हटाना	06-01-2014	प्रो अरिंजय कुमार	पुरस्कार
5	श्री सुरिंदर सिंह	कपास के बीज से प्रोटीन और गॉसिपोल को अलग करने का अध्ययन	23-02-2012	डॉ. एस. के शर्मा	पुरस्कार

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएच.डी. का शीर्षक	पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
6	सुश्री बबीता शर्मा	हीट ट्रांस्फर अनुप्रयोग के लिए नैनो-तरल पदार्थों पर अध्ययन	02-09-2013	डॉ. एस.के शर्मा	पुरस्कार
7	सुश्री सनिग्धा आचार्य	भूजल का इलेक्ट्रोकोएग्यूलेशन उपचार	06-08-2013	डॉ. एस.के शर्मा	पुरस्कार
8	सुश्री श्वेता गुप्ता	जैव-अवशोषक का उपयोग करके औद्योगिक अपशिष्ट जल से भारी धातुओं को हटाने पर अध्ययन	06-08-2014	प्रो अरिंजय कुमार	पुरस्कार
9	सुश्री वृंदा गोयल	अल्ट्राफिल्ट्रेशन प्रक्रिया के लिए स्मार्ट पॉलिमरिक मेम्ब्रेन का विकास	06-08-2014	प्रो. यूके मंडल	पुरस्कार
10	श्री सत्यपाल वर्मा	जलीय घोल से कार्बनिक यौगिकों और भारी धातु आयनों को अलग करने के लिए बायोसर्फैक्टेंट आधारित माइक्रेलर उन्नत यू अल्ट्राफिल्टरेशन	06-08-2014	प्रो. बिस्वजीत सरकार	पुरस्कार
11	सुश्री रितु वर्मा	फेड बैच में माइक्रोएल्गे खेती के लिए बायोप्रोसेस रणनीतियाँ	08-09-2015	डॉ. आराधना श्रीवास्तव	पुरस्कार
12	श्री सुरभ सक्सैना	हेक्साफ्लोरोप्रोपाइलीन (एचएफपी) पर आधारित पेरफ्लूरोपॉलीथर्स (पीईपीई) का संश्लेषण - एक प्रक्रिया विकास	20-06-2017	प्रो. यूके मंडल	पुरस्कार
13	सुश्री उपलब्धि त्यागी	विषम उत्प्रेरक का उपयोग करके बायोमास के एक मॉडल घटक सेलूलोज को मूल्य वर्धित उत्पादों में परिवर्तित करना	10-08-2016	प्रो नीरू आनंद	पुरस्कार

(ख) कुल संख्या चल रहे पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की: 11

9. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1	गुरसिमर सिंह	गेट रैंक बीटी-199 गेट रैंक एक्सएल - 259
2	शिवांश गर्ग	गेट रैंक सीएच - 190 (आईआईटी बॉम्बे)
3	अभिषेक	गेट रैंक सीएच - 294 (आईआईटी दिल्ली)
4	द्रव्य मलिक	गेट रैंक सीएच - 472
5	दानिश खान	गेट रैंक सीएच - 779
6	आदित्य बंसल	गेट रैंक सीएच - 991
7	वंश सचदेवा	गेट रैंक सीएच - 1100 (आईआईटी खड़गपुर)
8	सुनील कुमार	गेट रैंक सीएच - 1103 (आईआईटी खड़गपुर)
9	प्रीती यादव	गेट रैंक XL- 2026
10	आदित्य शर्मा	कैट परसेंटाइल- 98.3
11	प्रज्ञा पलक	कैट परसेंटाइल- 94.44
12	हर्ष पांडे	कैट प्रतिशत - 88 (आईआईएम नागपुर)
13	कशिश अलविना	कैट प्रतिशत - 88 (आईआईएफटी कोलकाता)
14	अजय उपाध्याय	कैट परसेंटाइल- 88

4.5 विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ

1. विद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	एम. एड.	2 वर्ष	58

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो संगीता चौहान

- चौहान, एस. 2021, किशोरों की खुशी: हेडोनिक या यूडेमोनिक? , द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, 9(1), 1951-1960, 2348-5396।
- चौहान, एस. 2021, क्या हम वास्तव में समावेशन की ओर बढ़ रहे हैं?: समावेशी स्कूलों में श्रवण बाधित छात्रों के बुनियादी स्तर पर सांकेतिक भाषा का उपयोग, राष्ट्रीय जीवन कौशल, मूल्य शिक्षा और स्कूल कल्याण कार्यक्रम आईजेएसएचडब्ल्यू, 7 (1), 1-10, 23495464।
- चौहान, एस. 2021, किशोर खुशी की अवधारणा कैसे करते हैं? एक गुणात्मक पूछताछ, शिक्षा पर संवादों का एक त्रैमासिक रेफरीड जर्नल, 356-376।

प्रो. सरोज शर्मा

- अरोड़ा, के., और शर्मा, एस., 2021, समावेशी कक्षाओं में सीडब्ल्यूएसईएन के सहकर्मी संबंधों को मजबूत करना, ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय अंत:विषय अनुसंधान जर्नल, 11(2)।
- अरोड़ा, के., और शर्मा, एस., 2021, स्कूलों में विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले बच्चों के सामाजिक समावेशन की सुविधा, शोध सरिता, 8(29), 167-170।
- शर्मा, एस., 2021, प्रौद्योगिकी एकीकरण के साथ समग्र और बहु-विषयक शिक्षा, भारतीय विश्वविद्यालयों का संघ, विश्वविद्यालय समाचार, उच्च शिक्षा का एक साप्ताहिक जर्नल, 59, संख्या 07।
- सिंह, पी.आर, सोकेन, ए., और शर्मा, एस., 2021, सीखने के लिए सार्वभौमिक डिजाइन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रकाश में एक समावेशी शैक्षणिक ढांचा, शोध सरिता, यूजीसी केयर लिस्टेड जर्नल, लखनऊ, यूपी।

डॉ. शालिनी यादव

- यादव, एस., 2021, ट्रांसजेंडर/किन्नर या हिजड़ा को शिक्षा से बाहर करने के कारण: दिल्ली से चुनिंदा केस स्टडीज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 7(6), 7-9।
- यादव, एस., 2021, शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता सुनिश्चित करनारू तमिलनाडु शिक्षक शिक्षा विश्वविद्यालय की सर्वोत्तम प्रथाओं का दस्तावेजीकरण, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 11(21), 449-455।
- यादव, एस., 2021, दो वर्षीय एम. एड कार्यक्रम के कार्यान्वयन पर विचार: क्या हम फिर भी असफल हो रहे हैं, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 7(7), 20-21।
- कोटनाला, ए. और यादव, एस., 2021, माध्यमिक विद्यापीठ के छात्रों की लिंग पहचान निर्माण के संबंध में विभिन्न हितधारकों की धारणा, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 12 (21), 136-150।
- यादव, एस.,2021, शिक्षक प्रभावशीलता का समर्थन करने के लिए एवरीडे इंस्ट्रक्शनल कोचिंग-सेवेन ड्राइवर्स पुस्तक की पुस्तक समीक्षा, जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, 12(21), 245-246।
- यादव, एस., 2022, शिक्षण में स्नातकोत्तर स्तर पर हाइपरटेक्स्ट डिडक्टिक संसाधनों के उपयोग का एक तुलनात्मक अध्ययन - सभी विषयों में सीखना, एजुकेशन इंडिया जर्नल, 7(2), 1-7।
- यादव, एस., 2022, भारत में सतत विकास के लिए शिक्षा: ग्राउंड जीरो से वास्तविकता, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च, 7(8), 1-2।

- आहूजा, ए., 2021, माध्यमिक विद्यापीठ के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और लिंग के संबंध में नौकरी की संतुष्टि का अध्ययन, शोध संचार बुलेटिन, III, 2229-3620।
- आहूजा, ए., 2021, प्राथमिक विद्यापीठों के छात्रों के बीच समस्या समाधान क्षमताओं के संबंध में आत्म-प्रभावकारिता का एक अध्ययन, शोध सरिता, वी, 2348-2397।

डॉ. अमित आहूजा

- आहुजा. ए, 2021, माध्यमिक विद्यापीठ के शिक्षकों के बीच व्यावसायिक तनाव और लिंग के संबंध में नौकरी की संतुष्टि का अध्ययन, शोध संचार बुलेटिन, III, 2229-3620।
- आहुजा. ए, 2021, प्राथमिक विद्यापीठों के छात्रों के बीच समस्या समाधान क्षमताओं के संबंध में आत्म-प्रभावकारिता का अध्ययन, शोध सरिता, वी, 2348-2397।

डॉ. अंजलि शौकीन

- शौकीन, ए., 2021, आईसीटी के साथ गणित की शिक्षा को बढ़ाना, शिक्षा शोध मंथन, 7, 61-65।
- शौकीन, ए., 2021, भारतीय शिक्षा में डिजिटल परिवर्तन एक नया सामान्य, अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा और अनुसंधान जर्नल, 7, 39-41।
- शौकीन, ए., 2021, किशोरों का भावनात्मक कल्याण, दिल्ली के स्कूल में परामर्श सेवाओं की भूमिका, शिक्षा शोध मंथन, 7, 103-107।
- शौकीन, ए., 2021, गणित में आईसीटी का एकीकरण: लाभ और चुनौतियाँ, विद्या भारती अंतर्राष्ट्रीय अंत:विषय अनुसंधान जर्नल, 219-223।
- शौकीन, ए., 2021, बड़े आकार की कक्षा में गणित पढ़ाने की चुनौतियाँ: एक खोजपूर्ण अध्ययन, शोध सरिता, 8, 242-246।
- शौकीन, ए., 2021, रचनावाद के माध्यम से बड़ी कक्षा के शिक्षार्थियों को गणित पढ़ाना: एक मिश्रित पद्धति अनुसंधान, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ऑल रिसर्च एजुकेशन एंड साइंटिफिक मेथड्स (आईजेएआरईएसएम), 10, 434-450।
- शौकीन, ए., 2021, पूर्व-सेवा शिक्षकों की डिजिटल क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकरू साहित्य की एक व्यवस्थित समीक्षा, इंडियन जर्नल ऑफ एजुकेशनल टेक्नोलॉजी, 4, 218-229।

ख) पुस्तक अध्याय

प्रो संगीता चौहान

- चौहान, एस., 2021, उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में उभरते रुझान, ब्लूम्सबरी इंडिया ब्लूम्सबरी पब्लिशिंग इंडिया प्राइवेट। लिमिटेड दूसरी मंजिल, एलएससी बिल्डिंग नंबर 4, डीडीए कॉम्प्लेक्स, पॉकेट सी - 6 और 7, वसंत कुंज, नई दिल्ली 110070, 1-376, 978-93-9035847-2।
- चौहान, एस., 2021, पाठ योजना की तकनीक, बुकमैन, नई दिल्ली, 1-315, 978-935510-013-9।
- चौहान, एस., 2021, उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, 1-336, 978-93-90358-52-6।

प्रो. सरोज शर्मा

- शर्मा, एस. 2021, शैक्षिक चिंताओं और सामाजिक आवश्यकताओं का समन्वय, मैकमिलन पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और इंडियन काउंसिल ऑफ सोशल साइंस एंड रिसर्च (आईसीएसएसआर)।

डॉ. शालिनी यादव

- यादव, एस., 2022, समावेश के स्तंभ के रूप में समानता और समानतारू एनईपी 2020 के जनादेश का सम्मान, ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया: विजन और चुनौतियां, कुणाल बुक्स, 58-69।

डॉ. अंजलि शौकीन

- शौकीन, ए., 2021, टीचिंग ऑफ कॉमर्स, पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, 978-93-8315487-6।

- शौकीन, ए., 2021, महामारी युग में शिक्षण पेशे की चुनौतियाँ, भारत में नवीन और विकसित शिक्षक शिक्षा, इक्कीसवीं सदी प्रकाशन, पटियाला, 978-8197881-950258-5-5।
- शौकीन, ए., 2021, शिक्षक शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान: समय की आवश्यकता, उच्च शिक्षा में अंत:विषय अनुसंधान में बदलते प्रतिमान, ब्लूम्सबरी प्रकाशन, भारत, 978-93-90358-52-6।
- शौकीन, ए., 2021, भारत में उच्च शिक्षा: पहुंच समानता और गुणवत्ता, शैक्षिक चिंताओं और सामाजिक आवश्यकताओं में तालमेल से संबंधित मुद्दे, मैकमिलन एजुकेशन पब्लिशर्स, आईसीसीएसआर, 978-93-90370-30-6।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

डॉ. शालिनी यादव

- एआईएईआर और आईएओआरई के सहयोग से इंस्टीट्यूट फॉर प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित कोविड-19 महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण की चुनौतियाँ और अवसर विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक: इंटरैक्टिव ई-मॉडयूल के प्रति उच्च प्राथमिक छात्रों के दृष्टिकोण की जांच, 16-18 जुलाई 2021, ऑनलाइन।
- समाजशास्त्र विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय द्वारा आयोजित विषय: कोविड 19 महामारी के समय में शिक्षा का समाजशास्त्र विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक: कोविड 19 बार, 11 में ऑनलाइन शिक्षण के दौरान शिक्षकों के सामने आने वाली चुनौतियाँ अगस्त 2021, ऑनलाइन।
- लवली प्रोफेशनल विश्वविद्यालय, फगवाड़ा के मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित समानता, विविधता और समावेशिता: मुद्दे और चिंताएं विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक: शिक्षा में ट्रांसजेंडर का बहिष्कार, उदासीनता और भेदभाव: कारण एवं चुनौतियाँ, 25 सितंबर 2021, ऑनलाइन।
- ग्लोबल टीचर एजुकेटर एसोसिएशन के सहयोग से एसबीएचएसएम खालसा कॉलेज ऑफ एजुकेशन, माहिलपुर द्वारा शिक्षा में उभरती चुनौतियों और चिंताओं पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सेमिनार में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक - दो वर्षीय एम.एड कार्यक्रम के कार्यान्वयन की जमीनी हकीकत: क्षेत्र से अंतर्दृष्टि, 31 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- सीईएसआई, भारत द्वारा आयोजित 11 ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय सीईएसआई सम्मेलन जिसका शीर्षक 'कोविड 19 के समय में शिक्षा का मानचित्रण' में पेपर प्रस्तुत किया गया । विषय पर पेपर प्रस्तुत किया गया: कोविड 19 के समय में शिक्षा: अंतर को पाटना या इसे और बढ़ाना, 17-19 दिसंबर 2021, ऑनलाइन।
- एआईएईआर द्वारा बीजेबी कॉलेज, भुवनेश्वर में आयोजित गुणवत्ता शिक्षा के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुद्दे और चिंताएं विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक - भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए सुझावरू जनादेश को लागू करना एनईपी 2020, 25;26 दिसंबर 2021, ऑनलाइन।
- एससीईआरटी, त्रिपुरा और आईएएसई, अगरतला द्वारा आयोजित एनईपी 2020 के परिप्रेक्ष्य में शिक्षक शिक्षा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक - समावेशन और समानता की ओर बढ़ना: भारत में एनईपी 2020 को लागू करना, 15-16 मार्च 2022, ऑनलाइन।
- गेरा के सहयोग से इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल एक्सीलेंस एंड मैनेजमेंट, गाजियाबाद के सेंटर फॉर टीचर एजुकेशन द्वारा आयोजित इंटरनेशनल ई कॉन्फ्रेंस आईईसीआईटी-टीएलए 2022 इनोवेटिव ट्रेंड्स इन टीचिंग लर्निंग एंड असेसमेंट 2 में पेपर प्रस्तुत किया गया। पेपर का शीर्षक: उच्च शिक्षा में ट्रांसजेंडर का समावेश: सिजेंडर छात्रों से अंतर्दृष्टि, 25 मार्च 2022, ऑनलाइन।

डॉ. अमित आहूजा

- फैकल्टी विकास केंद्र, एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा, द्वारा "एमओओसी और ऑनलाइन लर्निंग टेक्नोलॉजीज" पर ऑनलाइन एफडीपी का आयोजन किया गया, 10- 15 अप्रैल 2020, ऑनलाइन।
- शिक्षण-अध्ययन केंद्र, रामानुजन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा "ऑनलाइन कक्षाओं का प्रबंधन और एमओओसी का सह-निर्माण" पर दो सप्ताह की एफडीपी का आयोजन किया गया, 20 अप्रैल - 06 मई 2020, ऑनलाइन।
- यूनिवर्सिटी स्कूल मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा "कोविड 19 पर वैश्विक अर्थव्यवस्था: अवसर और चुनौतियां" पर ऑनलाइन एफडीपी, 11- 15 मई 2020, ऑनलाइन।

- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एनवायरनमेंट मैनेजमेंट, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा "कोविड-19 महामारी के पर्यावरणीय प्रभाव: चुनौतियां और भविष्य के अनुसंधान" पर ऑनलाइन एफडीपी, 27 मई - 01 जून 2020, ऑनलाइन।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा "कोविड-19 के समय में भाषा" पर ऑनलाइन एफडीपी, 25 -30 जून 2020, ऑनलाइन।
- भारतीय विद्यापीठ के कंप्यूटर एप्लीकेशन और प्रबंधन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा मूडल एलएमएस पर एक सप्ताह का संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 10- 18 अगस्त 2020, ऑनलाइन आयोजित किया गया।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, दिल्ली द्वारा "बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम्स" पर ई-एफडीपी, 08-12 मार्च 2021, ऑनलाइन।

डॉ. अंजलि शौकीन

- पंजाब केंद्रीय विश्वविद्यालय, बठिंडा द्वारा गेरा के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 07 जनवरी 2021, ऑनलाइन।
- सीआईईटी, एनसीईआरटी दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 24 मार्च 2021, ऑनलाइन।
- लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेघालय द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन, 11 अगस्त 2021, ऑनलाइन।
- राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन, 18 अगस्त 2021, ऑनलाइन।

4. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	आयोजन/गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/ अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	ऑनलाइन प्लेसमेंट व्याख्यान "नौकरियों के लिए कोविड के बाद का परिदृश्य"	12.06.2021	95
2.	प्रभावशाली संचार पर ऑनलाइन प्लेसमेंट व्याख्यान	19.06.2021	98
3.	मानसिक तनाव विषय पर विश ए स्माइल एनजीओ के सहयोग से ऑनलाइन कार्यशाला, दिल्ली विश्वविद्यालय की मनोवैज्ञानिक डॉ. अमिता परसुराम द्वारा	22.07.2021	100
4.	प्रो. नमिता रंगनाथन द्वारा स्वयं को समझने पर ऑनलाइन व्याख्यान	11.10.2021	100
5.	राष्ट्रीय शिक्षा नीति विषय पर ऑनलाइन एफडीपी (एनईपी) 2020: भविष्य के भारत के लिए एक रोड मैप http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/n2210215p%20 (3).pdf	25.10.2021 से 31.10.2021	350
6.	भारत में उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संबंधी चिंताओं पर डॉ. अनुपम पचौरी, संकाय, एनआईईपीए, दिल्ली द्वारा ऑनलाइन विशेष व्याख्यान	15.11.2021	51
7.	जीजीएसआईपीयू कॉलेजों से संबद्ध बीएड के प्राचार्यों और संकाय सदस्यों के साथ बीएड पाठ्यक्रम 2021 का उन्मुखीकरण।	24.11.2021	150
8.	प्रो. वंदना सक्सेना, संकाय, शिक्षा विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा विविधता, समावेशन और शिक्षाशास्त्र पर ऑनलाइन विशेष व्याख्यान: भारत में उच्च शिक्षा परिदृश्य	25.11.2021	48
9.	नव प्रवेशित एम.एड विद्वानों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम 2021-23	02.12.2021	32
10.	प्रो. हरजीत कौर भाटिया द्वारा ऑनलाइन विशेष व्याख्यान	04.02.2022	58

5. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1.	डॉ. अंजलि शौकीन	2021	समुदाय के लिए निस्वार्थ सेवा-कोविड योद्धा

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि
1	शालिनी यादव	अकादमिक नेताओं के रूप में विश्वविद्यालय शिक्षकों की भूमिका: एक महत्वपूर्ण अध्ययन	डीआरसी जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	रु. 52,500/-
2	डॉ. अमित आहूजा	कोविड-19 महामारी में शिक्षक प्रशिक्षकों के बीच व्यावसायिक प्रतिबद्धता और व्यावसायिक तनाव का एक अध्ययन	डीआरसी जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	रु. 52,500/-
3	डॉ. अंजलि शौकीन	कोविड-19 महामारी के आलोक में शिक्षक शिक्षा संस्थानों में ऑनलाइन शिक्षण-शिक्षण प्रथाओं का एक अध्ययन	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	49,000/- रु.

7. स्कूल द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या संबंधी गतिविधियाँ जैसे /त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	एमएड के लिए ऑनलाइन विदाई पार्टी का आयोजन अंतिम वर्ष के छात्र	10.07. 2021	पार्टी में 85 विद्वान शामिल हुए
2.	हिंदी दिवस 2021 के अवसर पर ऑनलाइन कविता पाठ एवं वार्ता कार्यक्रम	14.09.2021	उत्सव में 500 प्रतिभागियों ने भाग लिया
3.	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का उत्सव http://www.ipu.ac.in/Pubinfo2020/nteduuse081121.pdf	11.11.2021	उत्सव में 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया
4.	डॉ. सरिता शर्मा द्वारा योग और ध्यान पर कार्यशाला	7-10.03.2022 12.03.2022	50 प्रतिभागियों ने भाग लिया

8. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

(क) सम्मानित पी.एच.डी अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 08

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पी.एच.डी का शीर्षक	पंजीकरण की दिनांक	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1	कोमल अरोरा	समावेशी कक्षाओं में विशेष शैक्षिक आवश्यकताओं वाले बच्चों के सहकर्मी संबंध: एक समाजशास्त्रीय अध्ययन	25.09.14	प्रो. सरोज शर्मा और डॉ. अमित आहूजा	पूर्ण
2	रवि प्रकाश सिंह	ईवीएस अवधारणाओं के अधिग्रहण पर सीखने के लिए सार्वभौमिक डिजाइन पर शिक्षकों के प्रशिक्षण के प्रभाव का एक अध्ययन	25.09.14	प्रो. सरोज शर्मा एवं डॉ. अंजलि शौकीन	पूर्ण
3	परमजीत कौर	सतत विकास के लिए शिक्षा की क्षमता के संबंध में दिल्ली के स्कूलों में शैक्षिक प्रथाओं का एक अध्ययन।	24.05.17	प्रो. सरोज शर्मा और डॉ. अमित आहूजा	पूर्ण
4	खोलीदार मनचंदा	उच्च प्राथमिक विद्यापीठ के छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए स्कूलों में पाठ्यचर्या प्रावधानों के कार्यान्वयन का एक अध्ययन	24.05.17	डॉ. अमित आहूजा	पूर्ण
5	वन्दना	दिल्ली के सरकारी स्कूलों में चुनौती 2018 की प्रभावशीलता का एक अध्ययन।	24.05.17	डॉ. अमित आहूजा	पूर्ण

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पी.एच.डी का शीर्षक	पंजीकरण की दिनांक	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्णध्चल रहा है
6	नताशा गोयल	माध्यमिक विद्यापीठ के छात्रों के बीच आलोचनात्मक सोच को बढ़ावा देने के लिए नाटक के उपयोग का अध्ययन।	08.09.17	प्रो. संगीता चौहान	पूर्ण
7	श्वेता तिवारी	पाठ्यक्रम संचालन और विद्यार्थियों की उपलब्धि के संबंध में दिल्ली के सरकारी माध्यमिक विद्यापीठ के शिक्षकों की स्वायत्तता और जवाबदेही के प्रभाव का एक अध्ययन।	24.05.17	प्रो. धनंजय जोशी	पूर्ण
8	सुप्रिया	उच्च प्राथमिक स्तर पर गणित में छात्रों की उपलब्धि पर रचनावादी शिक्षाशास्त्र की प्रभावशीलता का अध्ययन।	08.09.17	डॉ. अंजलि शौकीन	पूर्ण

(ख) चल रहे पीएचडी पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 28

4.6 विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	एमएससी (पर्यावरण प्रबंधन)	2 वर्ष	25
2.	एमएससी (जैव विविधता संरक्षण)	2 वर्ष	20
3.	एमएससी (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन)	2 वर्ष	25

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल आदि के संबंध में स्कूलों में नए सेटअपों के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	स्मार्ट क्लास (एटीएल 014)	प्रोजेक्टर और एयर कंडीशनर के साथ स्मार्ट क्लास
2.	स्मार्ट क्लास (एटीएल 216)	प्रोजेक्टर और एयर कंडीशनर के साथ स्मार्ट क्लास

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो रीता सिंह

- बिस्वास, जे. और सिंह, आर., 2022, एफेड्रा स्टिपिटाटा (एफेड्रेसी), लद्दाख, भारत की एक नई प्रजाति। एनाल्स बोटानिसी फेनिसी, 59(1), 123-129।
- दास, एसके और सिंह, आर., 2021, क्या दिल्ली, भारत के शहरी परिदृश्य में तितलियों के संरक्षण के लिए आवास विविधता प्रभावी है?' डेटा हेरफेर पर आधारित अनैतिक प्रकाशन। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, 13(13), 20140-20142।
- दीक्षा, सिंह, आर. और खन्ना, एल., 2021, ग्लीबियोनिस्कोरोनेरिया (एल.) कैस। एक्स स्पैच (एस्टेरेसी) - संभावित जीवाणुरोधी गुणों वाला एक नया फैब्रिक डाई। जर्नल ऑफ द इंडियन केमिकल सोसाइटी, 98(11)।
- सहरावत, जी., सिंह, आर., और कौशिक, ए., 2021, मिट्टी में क्रोमियम संदूषण के लिए तीन सजावटी पौधों की प्रजातियों की सहनशीलता और विषाक्त धातु के फाइटोएक्सट्रैक्शन और फाइटोस्टैबिलाइजेशन के लिए उनकी क्षमता। वर्तमान विश्व पर्यावरण, 16(2), 386-389.
- सहरावत, जी., कौशिक, ए. और सिंह, आर., 2021, धातु दूषित मिट्टी के फाइटोरेमेडिएशन में अनुप्रयोग के लिए सजावटी पौधों की प्रजातियां। पर्यावरण और हम, 16, 15-23.
- बिष्ट, एस., खुराइजम, जे. एस. और सिंह, आर., 2021, सेफलोटेक्सुसमैनी और सी. ग्रिफिथी (अैक्सैसी) नामों के वर्गीकरण पर दोबारा गौर करना। फाइटोटैक्सा, 501(1), 189-194।
- बिस्वास, जे., और सिंह, आर., 2021, जीनस इफेड्रा टूरन पर फाइटो-एथनोइकोलॉजिकल ज्ञान का ह्रास। पूर्व एल. (एफेड्रेसी) लद्दाख, भारत में। प्लियोन, 15(1), 033-044।

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

- यादव, एस., भट्टाचार्य, पी., अरेन्द्रन, जी., सहाना, एम., राज, के. और सज्जाद, एच., 2022, मध्य भारत क्षेत्र में प्रमुख एनटीएफपी प्रजातियों के भौगोलिक वितरण पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की भविष्यवाणी। मॉडलिंग अर्थ सिस्टम और पर्यावरण, 8(1), 449-468। https:// doi.org/10.1007/S40808-020-01074-4/TABLES/4
- माथुर, आई. और भट्टाचार्य, पी., 2022, स्थानांतरित खेती से कृषि वानिकी में संक्रमण: भारत के त्रिपुरा में पुनर्संमूहित गांवों का एक केस अध्ययन। पर्यावरणीय चुनौतियाँ, 7, 100471. https://doi.org/10.1016/J.ENVC.2022.100471
- चंद्रन, सी. और भट्टाचार्य, पी., 2021, इकोटूरिज्म पर आगंतुकों की धारणा पर्यावरणीय प्रभाव: मुन्नार, केरल, भारत का एक अध्ययन। वर्ल्ड जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल बायोसाइंसेज, 10(2), 1-8। https://doi.org/10.51847/ABGIA4PZSB

- शर्मा, आर., प्रधान, एल., कुमारी, एम. और भट्टाचार्य, पी., 2021, भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके नोएडा शहर में शहरी ताप द्वीपों और थर्मल आराम का आकलन। शहरी जलवायु, 35, 100751. https://doi.org/10.1016/J.UCLIM.2020.100751
- वर्मा, डी., सिंह, वी., भट्टाचार्य, पी. और किशवान, जे., 2021, भारत में निर्माण उपकरण विनिर्माण उद्योगों द्वारा अपनाई गई सतत विनिर्माण रणनीतियाँ। सर्कुलर इकोनॉमी और स्थिरता 2021 2:1, 2(1), 197-209। https://doi.org/10.1007/S43615-02100091-4.

प्रो. एनसी गुप्ता

- कौशिक, ए., कुमार, ए., अश्विनी, एम.ए, पांडा, पीपी, शुक्ला, जी. और गुप्ता, एनसी, 2021 पूर्वोत्तर अरब सागर के ऊपर आकार-पृथक एरोसोल की रासायनिक संरचना में मौसमी बदलाव: सामने। पर्यावरण. विज्ञान.2021 डीओआई: 10.3389/फेनवीएस.2020.619174।
- गर्ग, ए., कुमार, ए., गुप्ता, एनसी, 2021, दिल्ली और इसके एनसीआर में सीओवीआईडी -19 के बीच समग्र परिवेशी वायु गुणवत्ता पर लॉकडाउन के प्रभाव मूल्यांकन पर व्यापक अध्ययन, खतरनाक सामग्री पत्र जर्नल, एल्सेवियर, (2), 2021, 100010.
- गर्ग, ए., कुमार, ए., गुप्ता, एनसी, 2021, भारत के कोविड-19 प्रभावित हॉटस्पॉट शहरों में परिवेशी वायु गुणवत्ता पर लॉकडाउन का प्रभाव: वायु प्रदूषण शमन नीतियों को संबोधित करने की आवश्यकता, पर्यावरण दावा जर्नल, रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, (33), संख्या 1, 65-76।
- गर्ग, ए., गुप्ता, एनसी, और कुमार, ए., 2021, दिल्ली, भारत में परिवेशी वायु एक्सपोजर के माध्यम से विभिन्न जनसंख्या में बेंजो[ए]पाइरीन का अनुपात-अस्थायी परिवर्तनशीलता और स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन, एक्सपोजर और स्वास्थ्य, स्प्रिंगर प्रकाशन (14), 111-127.
- कुमारी, पी., कौर, ए., गुप्ता, एनसी, रुचिका, टी. और एस. अस्थाना, 2021, भूजल प्रदूषण को रोकने के लिए काओलिनाइट का उपयोग करके लैंडफिल लीचेट से खतरनाक सीसा और कॉपर आयनों को हटाना, पर्यावरण दावा जर्नल, रूटलेज, टेलर और फ्रांसिस, https://doi.org/10.1080/10406026.2022.2059211.

प्रो. अनुभा कौशिक

- सिंह, बी. और कौशिक, ए., 2022, कुछ मौजूदा सड़क किनारे पेड़ प्रजातियों की धूल पकड़ने की क्षमता: वजीरपुर औद्योगिक क्षेत्र, दिल्ली, भारत के आसपास शहरी धूल एयरोसोल निगरानी और शमन के लिए निहितार्थ। भूगोल, भूविज्ञान और पर्यावरण के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 4(1), 116-122।
- सिंह, ए. और कौशिक, ए., 2021, बायोकैथोड माइक्रोबियल ईंधन सेल का उपयोग करके उन्नत ऊर्जा उत्पादन के साथ सीडी और नी को हटाना: बायोफिल्म समुदायों के आणविक लक्षण वर्णन से अंतर्दृष्टि। जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन, 315, 127940।
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए. और कौशिक, ए., 2021, एजो रंगों को हटाने के लिए स्वदेशी बैक्टीरियल आइसोलेट नेस्टेरेनकोनिया लैकुसेखोएन्सिस का उपयोग करना: कपड़ा अपशिष्ट जल के बायोरेमेडिएशन के लिए एक कम लागत वाला पर्यावरण-अनुकूल दृष्टिकोण। पर्यावरण, विकास और स्थिरता, 24, 5344-5367।
- सिंह, बी. और कौशिक, ए., 2021, दिल्ली, भारत में कुछ चयनित वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट में वायुमंडलीय कणों की निगरानी और स्रोत विभाजन के लिए सड़क के किनारे के पेड़ों का उपयोग करके जैव चुंबकीय विश्लेषण तकनीक का अनुप्रयोग। वायुमंडलीय प्रदूषण अनुसंधान, 12(10), 101-113।
- सिंह, ए. और कौशिक, ए., 2021, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी टेक्नोलॉजी, 12 (3), 259-268 में इनोकुलम के रूप में प्रेस मड का उपयोग करके आयनिक और गैर-आयनिक ओस्मोलाइट्स के पूरक द्वारा माइक्रोबियल ईंधन सेल का बेहतर प्रदर्शन आउटपुट।
- सिंह, ए. और कौशिक, ए., 2021, माइक्रोबियल ईंधन सेल में अपशिष्ट जल से सतत ऊर्जा उत्पादन: इनोकुलम स्रोतों का प्रभाव, इलेक्ट्रोड स्पेसिंग और वर्किंग वॉल्यूम "3 बायोटेक, स्प्रिंगर, 11:344-352 में।
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए. और कौशिक, ए., 2021, रिएक्टिव रेड-35 डाई का माइक्रोबियल डिग्रेडेशन: बॉक्स-बेनकेन डिजाइन मॉडलिंग और चक्रीय अनुकूलन के माध्यम से उन्नत प्रगति। जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 40, 101782।

- सहरावत, जी., कौशिक, ए. और सिंह, आर., 2021, धातु दूषित मिट्टी के फाइटोरेमेडिएशन में अनुप्रयोग के लिए सजावटी पौधों की प्रजातियां। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक. 16, 15-23.
- सहरावत, जी., सिंह, आर. और कौशिक, ए., 2021, मिट्टी में क्रोमियम संदूषण के लिए तीन सजावटी पौधों की प्रजातियों की सहनशीलता और विषाक्त धातु के फाइटोएक्सट्रैक्शन और फाइटोस्टैबिलाइजेशन के लिए उनकी क्षमता। वर्तमान विश्व पर्यावरण 16(2):386-398.
- करवाल, एम. और कौशिक, ए., 2021, लैंडफिल बोझ को कम करने के लिए आइसेनिया फेटिडा का उपयोग करके रसोई के कचरे और भैंस के गोबर के साथ संशोधित लॉन कचरे का मूल्यवर्धित वर्मीकम्पोस्ट में जैव रूपांतरण। जर्नल ऑफ मटेरियल साइकिल्स एंड वेस्ट मैनेजमेंट, 23, 358-370।

प्रो. वरुण जोशी

- छिल्लर, एन., और जोशी, वी., 2022, टकोली गाड वाटरशेड, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत में जल गुणवत्ता सूचकांक और भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके वसंत जल गुणवत्ता विश्लेषण। पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण, 28, 239-256।
- बिस्वाकर्मा, पी., और जोशी, वी., 2021, भारत के सिक्किम हिमालय के पश्चिम सिक्किम जिले में भूस्खलन की संवेदनशीलता के आकलन के लिए जीआईएस आधारित द्वि-भिन्न सांख्यिकीय अध्ययन। जर्नल इंडियन जियोलॉजिकल कांग्रेस, 12(2), 181-194।
- बिस्वाकर्मा, पी., सिंह, एम., सरमा, एके, और जोशी, वी., 2021, भारत के पश्चिम बंगाल के चयनित जिलों में उष्णकटिबंधीय चक्रवात बुलबुल (2019) के कारण जल बाढ़ क्षेत्र का आकलन। आरएस और जीआईएस उपकरण। भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी की कार्यवाही, 87(4), 628-639।
- बिस्वाकर्मा, पी., कुमार, के., जोशी, वी., और गोयल, डी., 2021, भारत के उत्तराखंड में 7 फरवरी 2021 को चमोली ग्लेशियर फटने के कारण। आपदा अग्रिम, 14(7), 60-67.

प्रो किरणमय सरमा

- सहाना, एम., सैनी, एम., अरेंद्रन, जी., इमदाद, के., सरमा, के. और सज्जाद, एच., 2022, दबाव-राज्य-प्रतिक्रिया मॉडल और भू-स्थानिक तकनीकों का उपयोग करके सुंदरबन बायोस्फीयर रिजर्व में वेटलैंड पारिस्थितिकी तंत्र स्वास्थ्य का आकलन . रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण। 26. (100754) 1-6. (सकोपस)। https://doi.org/10.1016/j.rsase.2022.100754.
- दास, पी., बेहरा, एमडी, बारिक, एसके, मुदी, एस., जगदीश, बी., सरकार, एस., जोशी, एसआर, अधिकारी, डी., बेहरा, एसके, सरमा, के., श्रीवास्तव, पी.के. और चौहान, पीएस, 2022, पूर्वोत्तर भारत में सामूहिक दृष्टिकोण का उपयोग करके स्थानांतरण खेती प्रेरित जला क्षेत्र गतिशीलता। पेड़, जंगल और लोग. 7. 1-10. (सकोपस)। https://doi.org/10.1016/j.tfp.2021.100183.
- त्यागी, एस. और सरमा, के., 2021, भारत के पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अर्ध-शहरी क्षेत्र में भूजल उपयोगिता की मौसमी परिवर्तनशीलता, सूचकांक मॉडलिंग और स्पेटियोटेम्पोरल प्रोफाइलिंग। पर्यावरण पृथ्वी विज्ञान. 80:761 (सकोपस)। https://doi-org/10-1007/s12665-021-10018-9.
- शिमराह, टी., लुंगलेंग, पी., देवी, एएच, सरमा, के., वराह, एफ. और खुमान, वाईएस, 2021, बदलते कृषि पारिस्थितिकी तंत्र परिदृश्य में भूमि उपयोग और भूमि कवर (एलयूएलसी) और वन विखंडन पर अनुपात-अस्थायी मूल्यांकन पूर्वोत्तर भारत के मणिपुर के उखरूल जिले में। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन. 194:14. 1-14. (सकोपस)। https://doi.org/10.1007/s10661-02109548-3.
- कौर, एम., दास, एसके और सरमा, के., 2021, जल गुणवत्ता सूचकांक (सीसीएमई डब्ल्यूक्यूआई) का उपयोग करके ताल छापर वन्यजीव अभयारण्य का जल गुणवत्ता मूल्यांकन। एक्टा इकोलॉजिका सिनिका। (सकोपस) (प्रेस में)। https://doi.org/10.1016/j.chnaes.2021.09.017.
- मीर, एएच, सरमा, के. और उपाध्याय, के., 2021, मेघालय, पूर्वोत्तर भारत में पौधों की विविधता संरक्षण के लिए समुदाय प्रबंधित वनों की प्रभावशीलता का आकलन। पौधों की विविधता. (सकोपस)। (मुद्रणालय में)। https://doi.org/10.1016/j.pld.2021.11.010

- त्यागी, एस. और सरमा, के., 2021, भारत के उत्तर प्रदेश के एक उपनगरीय जिले में महत्वपूर्ण नियंत्रण कारकों के साथ भूजल के प्रमुख आयन रसायन की व्याख्या। जर्नल ऑफ अर्थ सिस्टम साइंस.130:169. (सकोपस). https://doi.org/10.1007/s12040-021-01629-8.
- जोशी, एम., दास, एस. के. और सरमा, के., 2021, राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय रेगिस्तान मॉनिटर छिपकली वरानस ग्रिसियस कोनीकजनी मर्टेंस 1954 की वर्गीकरण, जनसंख्या स्थिति और पारिस्थितिकी। सऊदी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 28, 4542-4552। (सकोपस). https://doi.org/10.1016/j.asjbs,l.2021.04.055.
- बारभुयान, एचएसए, मीर, एएच, चौधरी, जी., सरमा, के. और उपाध्याय, के., 2021, पूर्वोत्तर भारत के मेघालय के उपोष्णकटिबंधीय चौड़ी पत्ती वाले जंगलों में एक टुकड़े के आकार के ढाल के साथ प्रजातियों की संरचना और कूड़े की गतिशीलता में परिवर्तन। अनुप्रयुक्त पारिस्थितिकी और पर्यावरण अनुसंधान। 19(4). 2941-2962. (सकोपस)। http://dx.doi.org/10.15666/aeer/1904_29412962.
- वैद, एम., सरमा, के. और गुप्ता, ए., 2021, नदी प्रणालियों पर विशेष जोर देने के साथ जलीय वातावरण में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: वर्तमान समझ और आगे का रास्ता। पर्यावरण प्रबंधन जर्नल. (सकोपस)। https://doi.org/10.1016/j.jenvman.2021.112860.

डॉ. अंशू गुप्ता

- वैद, एम., मेहरा, के. और गुप्ता, ए., 2021, भारतीय पर्यावरण में दूषित पदार्थों के रूप में माइक्रोप्लास्टिक्स: एक समीक्षा। पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, doi: 10.1007/s11356-021-16827-6। (प्रभाव कारक - 5.19)
- वैद, एम, सरमा, के. और गुप्ता, ए., 2021, नदी प्रणालियों पर विशेष जोर के साथ जलीय वातावरण में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण: वर्तमान समझ और आगे का रास्ता। जर्नल ऑफ एनवायर्नमेंटल मैनेजमेंट, 293: 112860. (प्रभाव कारक - 8.91)
- सिंह, एस., कौर, ए. और गुप्ता, ए., 2021, शोरिया रोबस्टा डीओइल्ड सीड केक के सॉलिड-स्टेट किण्वन के माध्यम से टैनेज उत्पादन: गैलिक एसिड संश्लेषण में संभावित अनुप्रयोग के लिए एस्परगिलस फ्लेवस टीएफ -8 का उपयोग करके एक औद्योगिक बायोमास। बायोमास रूपांतरण और बायोरिफाइनरी। डीओआई: https://doi.org/10.1007/s13399-021-01634-3। (प्रभाव कारक - 4.05)
- श्रीवास्तव, एन., कुमार, एस., शिबूराज, एस., गुप्ता, ए. और खरे, एसके, 2021, हेलोटोलरेंट एक्सिगुओबैक्टीरियम में सेलुलर अनुकूलन प्रतिक्रियाएँ, एक साथ प्रोटीज उत्पादन के साथ कार्बनिक विलायक सहिष्णुता का प्रदर्शन। पर्यावरण प्रौद्योगिकी एवं नवाचार. डीओआई: https:// doi.org/10.1016/j.eti.2021.101803। (प्रभाव कारक - 7.76)।
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए. और कौशिक, ए., 2021, एजो रंगों को हटाने के लिए स्वदेशी बैक्टीरियल आइसोलेट नेस्टेरेनकोनिया लैकुसेखोएन्सिस का उपयोग करना: कपड़ा अपशिष्ट जल के बायोरेमेडिएशन के लिए एक कम लागत वाला पर्यावरण अनुकूल दृष्टिकोण। पर्यावरण, विकास और स्थिरता। डीओआई: http://link-springer-com/article/10-1007/s10668-021-01661-0। (प्रभाव कारक - 4.08)
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए. और कौशिक, ए., 2021, रिएक्टिव रेड-35 डाई का माइक्रोबियल डिग्रेडेशन: बॉक्स-बेनकेन डिजाइन मॉडलिंग और चक्रीय अनुकूलन के माध्यम से उन्नत प्रगति। जर्नल ऑफ वॉटर प्रोसेस इंजीनियरिंग, 40, 101782. (प्रभाव कारक - 7.34)।

डॉ. पंपोश

- वर्मा, पी., कसानिया, ए. और पंपोश्री, 2021, "नजफगढ़ झील, दिल्ली एनसीआर, भारत के आसपास पादप समाजशास्त्रीय विश्लेषण और प्रजातियों की विविधता" पारिस्थितिकी, पर्यावरण और संरक्षण 27 (3); (1357-1366), सितम्बर .
- वर्मा, पी., और पंपोश, 2021, ष्सुल्तानपुर झील, हरियाणा, भारत में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन के मौसमी परिवर्तन और स्थानिक भिन्नताष्, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में वैज्ञानिक अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (आईजेएसआरएसटी), ऑनलाइन आईएसएसएन: 2395-602X, प्रिंट आईएसएसएन: 2395-6011, 8 अंक 2, 477488, मार्च-अप्रैल। Doi पर उपलब्ध: https://doi.org/10.32628/IJSRST218270

डॉ. संजय. के. दास

- चौधरी, एसआर, सिलिवाल, एम., दास, एसके और गिरोटी, एएम, 2021, भारत के ओडिशा से टयूब में रहने वाली मकड़ी परिवार सेगेस्ट्रिडे (अरानेई: सिन्स्पर्मियाटा) की एक नई जीनस और पांच नई प्रजातियों का विवरण। जूटाक्सा,4963(1), 091-114।

- जोशी, एम., दास, एस. के. और सरमा, के., 2021, राजस्थान के थार रेगिस्तान में भारतीय रेगिस्तान मॉनिटर छिपकली वरानस ग्रिसुस्कोनीकजनी मर्टेंस 1954 की वर्गीकरण, जनसंख्या स्थिति और पारिस्थितिकी। सऊदी जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज, 28, 4542-4552।
- दास, एस. के. और सिंह, आर., 2021, क्या दिल्ली, भारत के शहरी परिदृश्य में तितलियों के संरक्षण के लिए आवास विविधता प्रभावी है? डेटा हेरफेर पर आधारित अनैतिक प्रकाशन जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा, 13(13), 20140-20142।
- जेना, एस., मोहलिका, आरके, दास, एसके और साहू, एसके, 2022, एक कूदती मकड़ी द्वारा मायरमेकोफैगी (अरानेई: साल्टिसिडे: हिलस सेमीक्यूप्रस), एक लाल बुनकर चींटी रानी को खिलाती है (हाइमनोप्टेरा: फॉर्मिसिडे: ओकोफिला स्मार्गडीना)। पेखामिया, 259.1.

डॉ. सुमित डूकिया

- डेलू, वी., सिंह, डी. और डूकिया, एस., 2022, कुत्ते को कौन बाहर जाने देता है? पश्चिमी हरियाणा, भारत में काले हिरण और अन्य वन्यजीवों के लिए संभावित खतरे के रूप में उभर रहे आवारा कुत्ते: एक प्रारंभिक आकलन। परिवेश विज्ञान, 09(2):01-04 https://DOI:10.21276/ambi.2022.09.2.aa01
- जोशी, ए., सेनचा, के. आर., रावत, एम., डूकिया, एस. और धर्मराज, जे., 2022, ग्रेटर फाल्स वैम्पायर बैट के अजीबोगरीब निवास व्यवहार पर अवलोकन। जूज प्रिंट (समॉल मैमल्स मेल), 37 (1)रू 63-66।
- जोशी, ए., रावत, एम., सेनाचा, के. आर., बोहरा, एम. और डूकिया, एस., 2021, राइनोपोमा हार्डविक पिल्लों को खिलाना। जूज प्रिंट, 36(10): 2-3।
- जोशी, ए., सेनाचा, के. आर., रावत, एम., डुकिया, एस. और बोहरा, एम., 2021, फुलवस फ्रूट बैट का रोस्ट और चारागाह व्यवहार। चिड़ियाघर प्रिंट (छोटे स्तनधारी मेल), 36 (11): 30-33।
- डेलू, वीडी, सिंह, डूकिया, एस., प्रिया और किरण, 2021, पश्चिमी हरियाणा के अर्ध-शुष्क क्षेत्र में ब्लैकबक एंटीलोप सर्विकाप्रा (एल., 1758) (मामालिया: सेटार्टियोडैक्टाइला: बोविडे) की मौसमी भोजन प्राथमिकताएं और समूह गतिविधि पैटर्न, भारत। जर्नल ऑफ थ्रेटेंड टैक्सा 13(13): 19937-19947। https://doi.org/10.11609/jott.7086.13.13.19937-19947
- सिंह, जी. और डूकिया, एस., 2021, रोस्टिंग साइटों का सूक्ष्म-आवास कीटभक्षी चमगादड़ विविधता को कैसे नियंत्रित करता है? भारत के राजस्थान के थार रेगिस्तान में कीटभक्षी चमगादड़ों (सतनधारी: चिरोप्टेरा) की बसेरा पारिस्थितिकी में एक अंतर्दृष्टि। पर्यावरण. हम इंट. जे. विज्ञान. टेक. 16: 75-83.

डॉ. दीक्षा कत्याल

- डेनियल, आर., त्रिपाठी, डी., सिंह, एस., शर्मा, एन., युवराज, ए., कात्याल, डी., और कुमार, वी., 2022, यूरेनियम: पूरे भारत में घटना, वितरण और इसके संभावित स्वास्थ्य प्रभाव . जर्नल ऑफ रेडियोएनालिटिकल एंड न्यूक्लियर केमिस्ट्री, 1-11।
- नांगिया, एस., कात्याल, डी., और वारकर, एसजी, 2021, काइनेटिक्स, क्रॉसलिंक्ड चिटोसन हाइड्रोजेल का अवशोषण और प्रसार तंत्र। इंडियन जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैटेरियल्स साइंसेज (आईजेईएमएस), 28(4), 374-384।
- नांगिया, एस., कात्याल, डी., और वारकर, एसजी, 2022, संश्लेषित चिटोसन/मोरिंगा ओलीफेरा गम हाइड्रोजेल कंपोजिट का उपयोग करके अनियोनिक एजो-डाई (कांगो लाल) को हटाने पर थर्मोडायनामिक्स, कैनेटीक्स और इजोटेर्म अध्ययन। पृथक्करण विज्ञान और प्रौद्योगिकी. (पांडुलिपि प्रकाशन हेतु स्वीकृत)।

डॉ. तुइसेम शिमराह

- देवी, एआर, और शिमराह, टी., 2021, मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत में पारंपरिक परिदृश्य में भूमि उपयोग और भूमि कवर और वन विखंडन का आकलन। पर्यावरण विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 1-16।
- शिमराह, टी., लुंगलेंग, पी., देवी, एआर, सरमा, के., वराह, एफ., और खुमान, वाईएस, 2022, उखरूल जिले में कृषि पारिस्थितिकी तंत्र परिदृश्य को बदलने में भूमि उपयोग और भूमि कवर (एलयूएलसी) और वन विखंडन पर स्पैटिओटेम्पोरल मूल्यांकन मणिपुर, पूर्वोत्तर भारत। पर्यावरण निगरानी और मूल्यांकन, 194(1), 1-13।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात:

प्रो. वरुण जोशी

- बिस्वाकर्मा, पी., कुमार, के., और जोशी, वी., 2021, पूर्वी सिक्किम जिले के पाकयोंग उप-मंडल में पाचे भूस्खलन: एक केस स्टडी। में: भूस्खलन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, 189-196।
- छिल्लर, एन., और जोशी, वी., 2021, टकोली गाड वाटरशेड, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत में झरने के पानी की भौतिक रासायनिक गुणवत्ता का आकलन। में: हिमालय के भूविज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-23
- रिजवी, एन., और जोशी, वी., 2021, भूस्खलन संवेदनशीलता विश्लेषण: हाल के मॉडलों के विश्लेषण पर एक समीक्षा। में: हिमालय के भूविज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, 113123

डॉ. अंशू गुप्ता

- गुप्ता, ए., वैद, एम. और मेहरा, के., 2021, यमुना नदी, दिल्ली विस्तार में माइक्रोप्लास्टिक प्रदूषण का आकलन। में: संसाधन दक्षता, ऊर्जा, पर्यावरण, रसायन और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएसआईआर-भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून और बायोटेक रिसर्च सोसाइटी, भारत द्वारा संयुक्त रूप से देहरादून, भारत में 1-4 दिसंबर, 2021 को आयोजित किया गया।
- वैद, एम., सरमा, के. और गुप्ता, ए., 2021, तूानी जल नाले में माइक्रोप्लास्टिक प्रंदूषण: दिल्ली का केस अध्ययन। इन: कोरिया यूनिवर्सिटी, एपीआरयू सस्टेनेबल वेस्ट मैनेजमेंट, नेचर इलेक्ट्रॉनिक्स, नेचर नैनोटेक्नोलॉजी और नेचर सस्टेनेबिलिटी द्वारा संयुक्त रूप से एलजी साइंस पार्क, सियोल, दक्षिण कोरिया में 26-28 अक्टूबर, 2021 को स्थायी भविष्य के लिए अपशिष्ट प्रबंधन और मूल्यांकन पर प्रकृति सम्मेलन का आयोजन किया गया। ?
- वैद, एम., गुप्ता, ए. और सरमा, के., 2021, नजफगढ़ ड्रेन, दिल्ली की जल गुणवत्ता पर बिंदु स्रोत प्रदूषण के प्रभावों की जांच। इन: विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2021, पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 1-3 अक्टूबर, 2021 को आयोजित (सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर पुरस्कार)।
- अनुजा और गुप्ता, ए., 2021, डिस्टिलरी एफ्लुएंट: अपशिष्ट जल या मूल्यवान संसाधन पुनर्प्राप्ति विकल्प। में: अपशिष्ट, ऊर्जा और पर्यावरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सत्यबामा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, चेन्नई, भारत द्वारा आयोजित, 23-24 सितंबर, 2021।
- वैद, एम., सरमा, के. और गुप्ता, ए., 2021, यमुना नदी के पानी की गुणवत्ता पर नजफ़गढ़ नाले का प्रभाव, दिल्ली विस्तार। मेंरू पर्यावरण, विकास और आजीविका पर राष्ट्रीय वेब सम्मेलन: पृथ्वी और लोगों को बनाए रखना, भूगोल विभाग, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे और भारतीय भूगोल संस्थान (आईआईजी), पुणे द्वारा आयोजित, 10-12 जून, 2021
- अनुजा और गुप्ता, ए., 2021, एसिड फुकसिन डाई डीकोलोराइजेशन में हरे संश्लेषित लौह नैनोकणों की प्रयोज्यता। में: "सामग्री विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी और जैव विनिर्माण सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और सम्मेलन" (आईएससीएनएमबी 2021) इंस्टीट्यूट केमाहिरन टिंग्गी बेलिया नेगारा (आईकेटीबीएन) सेपांग, सेलांगोर, मलेशिया द्वारा आयोजित, 25-28 मई, 2021 (मौखिक प्रस्तुति) - (विशेष प्रस्तुति) सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पिचिंग इनोवेशन पुरस्कार)।
- गुप्ता, ए. और सिंघल, ए., 2021, ग्राम-पॉजिटिव और ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया की वृद्धि प्रोफाइल पर हरे संश्लेषित सिल्वर नैनोकणों का प्रभाव। में: नैनो सामग्री पर अंतर्राष्ट्रीय ऑनलाइन सम्मेलन (आईसीएन 2021) महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल, भारत, 9-11 अप्रैल, 2021।

डॉ. दीक्षा कत्याल

- तोमर टी., कात्याल, डी., और जोशी वी., 2021, यूरोप और भारत में भूजल प्रदूषण जोखिम मूल्यांकन: कठोर मॉडल की समीक्षा। वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझानों पर युवा शोधकर्ता का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: भारत और यूरोप, 299-313।
- मलिक, ए., और कात्याल, डी., 2021, पीने के उद्देश्यों और संभावित गैर-कार्सिनोजेनिक स्वास्थ्य जोखिमों के लिए भूजल गुणवत्ता का आकलन: हरियाणा के पानीपत जिले का एक केस अध्ययन। वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझानों पर युवा शोधकर्ता का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: भारत और यूरोप, 176-187।
- नरवाल. एन., कात्याल, डी., 2021, थर्मल पावर प्लांटों से निचली राख के अवशेषों का उपयोग करके आयरन ऑक्साइड नैनोकणों का हरित संश्लेषण और अपशिष्ट डंपिंग साइटों और लैंडफिल के पास लीचेट नियंत्रण में उनके अनुप्रयोग का मूल्यांकन करना। वैश्विक गतिशीलता और उभरते रुझानों पर युवा शोधकर्ता का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: भारत और यूरोप, 314-327।

(ग) पुस्तक अध्याय

प्रो रीता सिंह

- काहलों, एलके, और सिंह, आर., 2021, स्थिरता और पारंपरिक नृवंशविज्ञान ज्ञान (आईके) के बीच संबंधों को समझना: उत्तरी ओडिशा, भारत में पौडी भुइयां का एक केस स्टडी। जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण 365-378, स्प्रिंगर, सिंगापुर। डीओआई:10.1007ध978-981-16-0902-2;19

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

- भट्टाचार्य, पी., और मेहरा, एस., 2021, भारतीय संदर्भ में आरईडीडी़: योजना और कार्यान्वयन परिदृश्य। ए. कौशिक, सीपी कौशिक, और एसडी अत्री (सं.), जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण, 53-75, स्प्रिंगर, सिंगापुर में। https://doi.org/10.1007/978-981-16-0902-2_4

प्रो. एन.सी गुप्ता

- त्रिपाठी, श्रुति., अरेंद्रन, जी., गुप्ता, एनसी, राज, कृष्णा., सहाना, महेबूब, 2021, अलकनंदा और मंदाकिनी नदी घाटी, उत्तराखंड भारत में 2013 की आकस्मिक बाढ़ का पर्यावरण और आजीविका प्रभाव आकलन, पर्यावरण मूल्यांकन प्रणाली और भू-स्थानिक का उपयोग करना तकनीक, रिमोट सेंसिंग और जीआई विज्ञान-चुनौतियाँ और भविष्य की दिशाएँ, पवन कुमार और अन्य। संपादक, स्प्रिंगर प्रकाशन, आईएसबीएन 978-3-030-55091-2, 2021। https://doi.org/10.1007/978-3-030-55092-9

प्रो. अनुभा कौशिक

- कौशिक, ए., अत्री, एसडी, कौशिक, सीपी, श्नेल, आर., 2021। जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण: जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण में एक परिचय - वैश्विक सबक और स्थानीय चुनौतियाँ। एड. ए कौशिक, सीपी कौशिक, एसडी अत्री। स्प्रिंगर प्रकृति. 1-8. 978-981-16-0901-5; 978-981-16-0902-2(ई पुस्तक)।
- सिंह, ए., कौशिक. ए., 2021. माइक्रोबियल ईंधन सेल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके एकीकृत अपशिष्ट जल उपचार और ऊर्जा उत्पादन: जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण में एक सतत पर्यावरण प्रबंधन दृष्टिकोण - वैश्विक सबक और स्थानीय चुनौतियां। एड. ए कौशिक, सीपी कौशिक, एसडी अत्री। स्प्रिंगर नेचरपीपी 235256. 978-981-16-0901-5य 978-981-16-0902-2(ई पुस्तक)।
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए., कौशिक, ए., 2021, अपशिष्ट जल से डाई हटाने के लिए पर्यावरण अनुकूल बायोरेमेडिएशन दृष्टिकोण: चुनौतियाँ और संभावनाएँ। जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण में - वैश्विक सबक और स्थानीय चुनौतियाँ। एड. ए कौशिक, सीपी कौशिक, एसडी अत्री। स्प्रिंगर नेचर, 273-298.978-981-16-0901-5; 978-981-16-0902-2(ई पुस्तक)।
- भारती, आरके, सिंह, ए., धार, डीडब्ल्यू, कौशिक, ए., 2021, जैव ईंधन और जैव सामग्री उत्पादन के लिए माइक्रोएल्गे द्वारा जैविक कार्बन डाइऑक्साइड पृथक्करण। बायोमास, जैव रसायन, जैव ईंधन में: जलवायु परिवर्तन शमन: ग्रीनहाउस का पृथक्करण। एड. आईएस ठाकुर अशोक पांडे हुउ न्गो कार्लोस सोकोल क्रिश्चियन लारोचे। एल्सेवियर 978-0128235003

प्रो किरणमय सरमा

- त्यागी, एस. और सरमा, के., 2021, गाजियाबाद जिले, उत्तर प्रदेश, भारत के लोनी ब्लॉक में विषाक्त धातु प्रदूषण के आधार पर भूजल गुणवत्ता का मूल्यांकन: मिश्रा, बीकेय सिंह, सीएसय गुप्ता, वी (संस्करण), पर्यावरण स्वास्थ्य और समाज। अकादमिक प्रकाशन, दिल्ली-110090। 208-217. आईएसबीएन: 978-93-83931-24-8.

डॉ. अंशू गुप्ता

- भट्टाचार्य, ए. और गुप्ता, ए., 2022, पर्यावरण प्रदूषकों के बायोरेमेडिएशन में थर्मोफाइल और थर्मोजाइम की प्रयोज्यता में वर्तमान रुझान। इन: एम. कुद्दस (एड) माइक्रोबियल एक्सट्रीमोजाइम्स: नए स्रोत और औद्योगिक अनुप्रयोग। एल्सेवियर 161-176, डीओआई: https:// doi.org/10.1016/B978-0-12-822945-3.00013-0।
- प्रभाकर, वाई., गुप्ता, ए. और कौशिक, ए., 2021, अपशिष्ट जल से डाई हटाने के लिए पर्यावरण-अनुकूल बायोरेमेडिएशन दृष्टिकोण: चुनौतियाँ और संभावनाएँ। इन: ए कौशिक, सीपी कौशिक, एसडी अत्री (एड) जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण: वैश्विक सबक और स्थानीय चुनौतियाँ। सिंगापुर: स्प्रिंगर डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-16-09022_15.

डॉ. पंपोश

- अभिजिता, सीएस, अरेंद्रन, जी., राज, के., भट, पी., और सहाना, एम., 2021, पर्यावास में मध्य भारतीय परिदृश्य में एशियाई हाथियों के लिए पर्यावास लिंकेज, पारिस्थितिकी और एकिस्टिक्स में मानव-पर्यावरण इंटरैक्शन के केस स्टडीज भारत रुखसाना, अन्वेषा हलदर, असरफुल आलम और लक्ष्मीनारायण सतपति द्वारा संपादित पुस्तक अध्याय स्प्रिंगर नेचर स्विट्जरलैंड में प्रकाशित (आईएसबीएन 978-3-030-49114-7 आईएसबीएन 978-3-030-49115-4 (ईबुक) https://doi. org/10.1007/978-3030-49115-4).
- वर्मा, पी. और पंपोश, 2021, नजफगढ़ झील और आसपास की नहर में प्रतिक्रियाशील नाइट्रोजन का स्थानिक वितरण, सतत जलवायु कार्रवाई और जल प्रबंधन में दिल्ली, आरके मिश्रा, आरबी सिंह और अनुपमा दुबे द्वारा संपादित। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर में प्रकाशित पुस्तक अध्याय (ईबुक आईएसबीएन 978-981-15-8237-0 श्रृंखला आईएसएसएन 2198-3542)।
- भट्ट, एस., और पंपोश, 2021, सतत जलवायु कार्रवाई और जल प्रबंधन में नजफगढ़ झील, दिल्ली में तलछट जीवाणु विविधता और संरचना पर प्रदूषण का प्रभाव, आरके मिश्रा, आरबी सिंह और अनुपमा दुबे द्वारा संपादित। स्प्रिंगर नेचर, सिंगापुर में प्रकाशित पुस्तक अध्याय (ईबुक आईएसबीएन 978-981-15-8237-0 श्रृंखला आईएसएसएन 2198-3542।

डॉ. सुमित डूकिया

- डूकिया, एस. और रावत, एम., 2022, उत्तरी भारत में मानव-ब्लू बुल/नीलगाय इंटरफेस के बढ़ते मुद्दे क्या हैं? जटिल समस्या पर एक अंतर्दृष्टि। में: मानव वन्यजीव संघर्ष का प्रबंधन: शमन और सह-अस्तित्व के लिए एक दृष्टिकोण (एड. वाई. दुबे) । भारतीय वन प्रबंधन संस्थान, भोपाल. 28-42 द्वारा प्रकाशित, आईएसबीएन नंबर 978-81-956633-0-9।

डॉ. नीतू रानी

- पाटिल, आरआर, पोहेकर, केएन, और रानी, एन., 2021, "निर्मित वेटलैंड: अपशिष्ट जल उपचार के लिए एक स्थायी दृष्टिकोण", भारत में पर्यावरण, विकास और स्थिरता: परिप्रेक्ष्य, मुद्दे और विकल्प, स्प्रिंगर प्रकाशन, 227-242।

घ) पुस्तक/पुस्तक अध्याय

- जलवायु लचीलापन और पर्यावरणीय स्थिरता दृष्टिकोण- वैश्विक सबक और स्थानीय चुनौतियाँ। एड. कौशिक, ए., अत्री, एसडी और कौशिक, सीपी, स्प्रिंगर नेचर, 2021।
- पर्यावरण अध्ययन में परिप्रेक्ष्य कौशिक, ए. और कौशिक, सीपी, (7वां संस्करण)। न्यू एज इंटरनेशनल पब्लिशर्स, प्राइवेट लिमिटेड एन दिल्ली, 2021।

4. संकाय द्वारा भाग लिया गया सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

प्रो रीता सिंह

- अंतर्राष्ट्रीय जैविक विविधता दिवस 2022 'बायोफिलिक अर्बनिज्म' पर विशेष वार्ता, 20 मई 2022, पर्यावरण विज्ञान स्कूल, जेएनयू, नई दिल्ली।
- पौधों का आकर्षण दिवस 2022, 18 मई 2022, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, नई दिल्ली।
- भारत-सतोयामा कार्यशाला, 4 फरवरी 2022, टेरी, नई दिल्ली।
- हिमालय और उत्तर-पूर्व भारत में पादप वर्गीकरण और पारंपरिक ज्ञान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी (ऑनलाइन), 2022 और ईस्ट हिमालयन सोसाइटी फॉर स्पर्मेटोफाइट टैक्सोनॉमी (ईएचएचएसटी) का वार्षिक सम्मेलन, 21-22 फरवरी 2022, वनस्पति विज्ञान विभाग, राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश, भारत, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता, भारत के सहयोग से।
- 'सतत दृष्टिकोण द्वारा समसामयिक पर्यावरणीय मुद्दों को कम करना (आईसीएमसीईएसए-2022)' पर अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में पैनल चर्चा 22-28 फरवरी 2022, आचार्य नरेंद्र देव कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- जैव विविधता और इसके संरक्षण की आवश्यकता पर वेबिनार, 12 फरवरी 2022, उत्पत्ति: जीवन विज्ञान सोसायटी, रामजस कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय।
- भारत-सतोयामा कार्यशाला, 4 फरवरी 2022, टेरी, नई दिल्ली।

प्रो. प्रोद्युत भट्टाचार्य

- 13–17 सितंबर 2021, देहरादून, उत्तराखंड में यूपीईएस, देहरादून में निजी वानिकी के वैश्विक अनुभवों, अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम में वरिष्ठ आईएफएस अधिकारियों के लिए एक व्याख्यान दिया।
- वानिकी विभाग, डॉ. ल्फिन पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ बायोमेडिकल एंड नेचुरल साइंसेज, देहरादून, 11 जुलाई 2021, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा "अनुसंधान, शिक्षा और विस्तार के लिए जलवायु परिवर्तन की क्षेत्रीय स्थिति" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में व्याख्यान दिया।
- 31 अगस्त 2021, इनबार, चीन के सहयोग से उत्तर पूर्व विकास और पंचायती राज, भारत द्वारा 'ग्रामीण आजीविका के लिए बांस: वैश्विक परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित वेबिनार में भाग लिया।
- एफएससी-इंडिया फोकल प्वाइंट द्वारा भारत के राष्ट्रीय ड्राफ्ट प्रमाणन मानक एनएफएसएस वी 6.0 और टीएम पर शर्त का एफएससी अनुपालन, 17 जनवरी 2022, नई दिल्ली।

प्रो. अनुभा कौशिक

- विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान और विभा मंत्रालय द्वारा "विज्ञान में रचनात्मकता का जश्न" विषय पर आयोजित 7वें भारत अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) में (आमंत्रित वार्ता: एक स्वस्थ पृथ्वी के लिए इकोरेस्टोरेशन- एक्शन एंड रिजॉल्व्स"), 11 दिसंबर, 2021, पणजी, गोवा (हाइब्रिड मोड)।
- "जलवायु परिवर्तन - एक आसन्न वैश्विक आपातकाल" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, जाकिर हुसैन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा आयोजित, आमंत्रित वार्ता: जलवायु परिवर्तन और नई स्वास्थ्य चुनौतियाँ", 18 दिसंबर, 2021, दिल्ली।
- एसटीईएम-2021 में महिलाओं के लिए करियर और अवसर पर कार्यशाला, डब्ल्यूआईएस फोरम, केयू, कुरुक्षेत्र द्वारा आयोजित की गई। आमंत्रि वार्ता: 'पर्यावरण विज्ञान-महिलाओं के लिए एक बहुविषयक एसटीईएम विषय', 09 अक्टूबर, 2021, ऑनलाइन।
- बीपीएस महिला विश्वविद्यालय, खानपुर कलां, सोनीपत द्वारा आयोजित 'विकास, स्थिरता और पर्यावरण' आमंत्रित वार्ता: 02; (1)कोविड 19 के पर्यावरणीय पहलू; (2) पोस्ट कोविड 19 स्थिरता मुद्दे, 10 सितंबर, 2021, ऑनलाइन।
- एमएआईटी, जीजीएसआईपीयू द्वारा एफडीपी, आमंत्रित वार्ता: महामारी और पर्यावरण: एकाधिक चुनौती प्रबंधन दृष्टिकोण, 23 अगस्त, 2021, दिल्ली।
- यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस-2021 पर श्इकोरेस्टोरेशनरू वे टू सस्टेनेबिलिटी एंड हीलिंग ऑफ अर्थश पर मुख्य भाषण, 5 जून, 2021, दिल्ली (ऑनलाइन)।
- सीएसआईआर-एनईईआरआई, नागपुर द्वारा आयोजित 'सतत पर्यावरण प्रबंधन के लिए पारिस्थितिकी प्रौद्योगिकी'' पर मुख्य भाषण, 11 मई, 2021, ऑनलाइन (नागपुर)।
- बायोटेक द्वारा सतत कृषि, पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (बीएसएईएच) का आयोजन किया गया। रिसर्च सोसाइटी, इंडिया ने मुख्य व्याख्यान आमंत्रित किया: 'संसाधन पुनर्प्राप्ति और ऊर्जा उत्पादन के साथ अपशिष्ट जल का पर्यावरण कुशल जैविक और जैव-इलेक्ट्रोकेमिकल उपचार', 4-8 अप्रैल, 2021, हाइब्रिड मोड (जयपुर)।
- जल संरक्षण और पर्यावरणीय स्थिरता ष्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन: एसजीटी विश्वविद्यालय, गुरुग्राम मुख्य व्याख्यान: "भूजल-अदृश्य को दृश्यमान बनाना", 22 मार्च 2022, ऑनलाइन।

प्रो. एन.सी गुप्ता

- यूजीसी, इंटर यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट, जय नारायण द्वारा प्रायोजित, यूजीसी-एचआरडीसी में शिक्षण, अनुसंधान और स्थिरता के लिए जलवायु कार्रवाई और आपदा प्रबंधन विषय पर पुनश्चर्या पाठयक्रम में 28 दिसंबर, 2021 को एक आमंत्रित ऑनलाइन व्याख्यान दिया। व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान, 28 दिसंबर, 2021, विश्वविद्यालय संस्थान, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर, राजस्थान।
- 14 दिसंबर, 2021 को हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा सुरक्षा: भारत के लिए मुद्दे और चुनौतियां विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।

- ऊर्जा और पर्यावरण ऑडिटिंग: उद्योग 4.0 पर छात्र विकास कार्यक्रम के तहत कौशल संवर्धन पहल में एक ऑनलाइन आमंत्रित वार्ता दी गई। कार्यशाला का आयोजन 29 दिसंबर, 2021 को यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी द्वारा किया गया था।
- 11 जनवरी, 2022 को यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र द्वारा आयोजित पर्यावरण अध्ययन और सतत विकास पर पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में ऑनलाइन मोड में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

प्रो. वरुण जोशी

- विश्व पर्यावरण दिवस 2021 पर एक पैनलिस्ट के रूप में, सिक्किम में उच्च ऊंचाई वाले वेटलैंड्स (हाव्स) के पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली के लिए कार्रवाई को प्राथमिकता देने पर विचार-मंथन कार्यशाला में भाग लिया। सिक्किम क्षेत्रीय केंद्र, जीबी पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा आयोजित। 5 जून 2021, सुबह 11.00 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक। (ऑनलाइन)।
- 'हितकारक पहाड़-पानी-परंपरा: सतत विकास का एक मात्र विकास' विषय पर तीन दिवसीय वेबिनार में भाग लिया और "वसंत का कायाकल्प: गढ़वाल से एक केस स्टडी" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। नौला फाउंडेशन, उत्तराखंड द्वारा आयोजित। 10-12 जून 2021। पेपर 11 जून 2021 को प्रस्तुत किया गया।
- 'पर्यावरण करियर: भविष्य के लिए हरित मार्ग' विषय पर एम.एससी. में भाग लिया और व्याख्यान दिया। पर्यावरण शिक्षा पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में 'पर्यावरण विज्ञान' - पर्यावरण विज्ञान में कैरियर के अवसर। पर्यावरण विज्ञान विभाग स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, गौतमबद्धनगर (यूपी) द्वारा 19 जून 2021 को आयोजित किया गया।
- द्वितीय संयुक्त राष्ट्र विश्व भू-स्थानिक सूचना कांग्रेस (यूएनडब्ल्यूजीआईसी) में भाग लिया। वैश्विक भू-स्थानिक सूचना प्रबंधन (यूएन-जीजीआईएम) और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार, नई दिल्ली पर विशेषज्ञों की संयुक्त राष्ट्र समिति द्वारा आयोजित। 16 अगस्त, 2021, शाम 5.30 बजे से शाम 7.30 बजे तक (ऑनलाइन)।

प्रो किरणमय सरमा

- उच्च शिक्षा में व्यावसायिक विकास केंद्र यूजीसी-एचआरडीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विषय "जैव-संसाधन प्रबंधन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" पर "एनईपी-2020 के आलोक में कौशल विकास के लिए रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग" पर संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया। 26 जून, 2022।
- फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चौंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) और एनआईडीएम (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर प्रबंधन), भारत सरकार द्वारा आयोजित "संवेदनशीलता और जोखिम मूल्यांकन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" विषय पर "जोखिम और सुरक्षा प्रबंधन में उभरती प्रौद्योगिकियों की भूमिका" पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया। 02 जून, 2022 को।
- 17 दिसंबर, 2021 को भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और डीएसटी भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "पर्यावरण प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जीआईएस का अनुप्रयोग" विषय पर "वैज्ञानिकों और प्रौद्योगिकी विदों के लिए फाउंडेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम" पर संसाधन व्यक्ति के रूप में भाषण दिया।
- 23 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान, गृह मंत्रालय, भारत सरकार और आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीलापन" पर 3 दिवसीय ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम में "आपदा प्रतिक्रिया और लचीलेपन के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" पर व्याख्यान दिया।
- 03 अक्टूबर, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के भास्कर आचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंसेज द्वारा "युवा और जलवायु परिवर्तन" पर आयोजित एक कार्यशाला में "जलवायु परिवर्तन अध्ययन और अनुसंधान के लिए रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।
- 11 जून 2021 को बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, नई दिल्ली और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक वेबिनार में मुख्य व्याख्यान के रूप में "आपदा जोखिम न्यूनीकरण में पर्यावरण और भूमि उपयोग के मुद्दे" पर व्याख्यान दिया गया।

- 5 जून 2021 को तिनसुकिया कॉलेज, डिब्रूगढ़ विश्वविद्यालय, असम में "विश्व पर्यावरण दिवस समारोह" के हिस्से के रूप में "पर्यावरण प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग" विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 5 जून 2021 को मंगलदाई कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय, असम में "विश्व पर्यावरण दिवस समारोह" के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में भाषण दिया।
- 24 अप्रैल, 2021 को दिल्ली विश्वविद्यालय के श्री वेंकटेश्वर कॉलेज द्वारा आयोजित जलवायु परिवर्तन: मुद्दे, चिंताएं और रणनीतियाँ पर ऐड-ऑन कोर्स में ष्जलवायु परिवर्तन अध्ययन और अनुसंधान के लिए रिमोट सेंसिंग के अनुप्रयोग" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अंशू गुप्ता

- "प्रकृति और संगीत" पर सेमिनार, म्यूजिक क्लब, जीजीएसआईपीयू, 24 फरवरी, 2022, ऑनलाइन।
- "कंस्ट्रक्टेड वेटलैंड्स" पर सेमिनार, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, 2 फरवरी, 2022, ऑनलाइन।
- दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के शहरी पर्यावरण पर हरित और स्वच्छ दीपावली की भूमिका पर जागरूकता अभियान, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, 2 नवंबर, 2021, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू।
- विश्व पर्यावरण दिवस - 2021, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू, 5 जून, 2021, ऑनलाइन।

डॉ. पंपोश

- 1-4 नवंबर, 2021 को वर्चुअल मोड, 7 वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में दिल्ली एनसीआर, भारत के पास पोषक तत्वों के भार में भिन्न दो ताजे पानी की झीलों में जीवाणु समुदाय संरचना पर प्रदूषण के प्रभावों का आकलन करने के लिए तलछट जीवाणु समुदायों की विशेषता पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया। जल संसाधन और पर्यावरण पर (डब्लूआरई 2021), चीन।
- विश्व पर्यावरण दिवस, 5 जून 2021, यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय का जश्न मनाने के लिए व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- विश्व वेटलैंड दिवस, 2 फरवरी, 2022, यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ को मनाने के लिए व्याख्यान और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

डॉ. दीक्षा कत्याल

- 'फसल विज्ञान-फसल सुधार, फसल सुरक्षा, मृदा संपदा एवं amp;' विषय पर शास्त्री मैपिंग और मैचिंग रुचि कार्यशाला में 'कृषि अनुप्रयोगों में नवीन प्रौद्योगिकियों की प्रगति' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। श्जल प्रौद्योगिकी' शास्त्री-इंडो कैनेडियन इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित, 18 अप्रैल 2022, नई दिल्ली।
- एनएएम देशों एसएंडटीसेंटर- द्वारा आयोजित 'देश की जरूरतों के अनुरूप विश्लेषणात्मक और मॉडलिंग टूल का उपयोग' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में 'जल प्रदूषण से संबंधित स्वास्थ्य जोखिम मूल्यांकन की प्रभावकारिता बढ़ाने में भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी की भूमिका' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। विज्ञान अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी अकादमी (एएसआरटी, मिस्र), 6-7 अप्रैल, 2022, मिस्र।
- 'पर्यावरणीय नमूने और विश्लेषण में सांख्यिकी शिक्षा की भूमिका' और 'पानी की गुणवत्ता के संदर्भ में क्षेत्रों के वर्गीकरण के लिए सूचकांक मानचित्रण और भेद्यता मूल्यांकन' पर दो व्याख्यान/आउटरीच गतिविधि दी गई। एनविस सेल, एमओईएफसीसी, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित हरित कौशल विकास कार्यक्रम। प्रदूषण मॉनिटर: वायु और जल', जेएनयू, दिल्ली, 21 मार्च और 8 अप्रैल, 2022।
- 4 अक्टूबर, 2021, ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टीज के लिए राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद द्वारा आयोजित 'जल और अपशिष्ट प्रबंधन और जल ऑडिटिंग के पहलू' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में "रियल एस्टेट के परिप्रेक्ष्य से नए आयामों और भेद्यता मानचित्रण की खोज" पर एक ई-व्याख्यान दिया गया। दिल्ली।
- राजधानी कॉलेज, डीयू, 28 द्वारा आयोजित "रासायनिक और विश्लेषणात्मक तरीकों का उपयोग करके जल प्रदूषकों के विश्लेषण पर कौशल विकास प्रमाणपत्र पाठयक्रम" में "जल विश्लेषण के लिए उपलब्ध विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं में एक अंतर्दृष्टि" पर एक व्याख्यान दिया। जून, 2021, नई दिल्ली।
- नेहरू युवा केंद्र, दिल्ली की पड़ोस युवा संसद, 30 मार्च, 2021, पश्चिमी दिल्ली में 'जल बचाया तो जल संरक्षित है' विषय पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

- इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर मेडिसिन एंड एलाइड साइंसेज (आईएनएमएएस), डीआरडीओ में सतत शिक्षा कार्यक्रम (सीईपी) में 'नैनोमटेरियल रिसर्च में नई सीमाएं' शीर्षक से "जल उपचार और शुद्धिकरण में नैनो कणों की भूमिका का विश्लेषण" विषय पर एक आमंत्रित ई-व्याख्यान दिया। 12 मार्च, 2021, दिल्ली।
- नेहरू द्वारा आयोजित 'कैच द रेन: व्हेन इट फॉल्स, व्हेयर इट फॉल्स, स्टेट इट्स फॉल्स' विषय पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में 'जल गुणवत्ता सूचकांक और भेद्यता मानचित्रण में नए आयामों की खोज' विषय पर एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित व्याख्यान दिया। युवा केंद्र संगठन, युवा मामले मंत्रलय, भारत सरकार जल शक्ति मंत्रालय के सहयोग से, 3 मार्च, 2021, दिल्ली।

डॉ. सुमित डूकिया

- विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन, 5 जून 2021, यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय।
- गवर्नमेंट में "जैव विविधता और मानव स्वास्थ्य: सीओवीआईडी -19 के समय में संरक्षण" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। बांगुर कॉलेज, पाली, राजस्थान, 21 को सितम्बर 2021, 21 सितंबर 2021, सरकार। बांगुर कॉलेज पाली, राजस्थान।
- 7 अक्टूबर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, एमओईएफसीसी में "इंडियन फॉक्स" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 4 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण, एमओईएफसीसी में "भारतीय गजल या चिंकारा" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। अगस्त 2021।
- 6 अक्टूबर 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत राष्ट्रीय प्राणी उद्यान, एमओईएफसीसी में "थार रेगिस्तान की मनमोहक जैव विविधता" पर एक राष्ट्रीय वेबिनार में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- 17 और 18 सितंबर, 2021 को वन्यजीव विज्ञान विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश द्वारा "जैव विविधता संरक्षण और प्रबंधन में आरएस और जीआईएस अनुप्रयोग" विषय पर ऑनलाइन मोड में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. नीतू रानी

- विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता।
- विश्व वेटलैंड दिवस, 2 फरवरी, 2022, यूएसईएम, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ को मनाने के लिए व्याख्यान और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।
- सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 28 फरवरी-1 जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए फरीदाबाद द्वारा मार्च 2022 का आयोजन किया गया।
- 25-31 अक्टूबर 2021 को यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ एजुकेशन, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: भविष्य के भारत के लिए एक रोड मैप" पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. तुइसेम शिमराह

- "वैज्ञानिकों के लिए उन्नत तकनीकी प्रबंधन कार्यक्रम" पर ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम, 31 जनवरी, 2022 से 25 फरवरी, 2022, ऑनलाइन (भारत के प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज, हैदराबाद द्वारा आयोजित)।
- भाग लिया: "राष्ट्रीय शैक्षिक नीति 2020: इसका कार्यान्वयन, अवसर और चुनौतियाँ", 16 जुलाई, 2021, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय पर कुलपतियों का सम्मेलन।

5. विद्यालय द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	आयोजन/गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1	विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के लिए व्याख्यान, पोस्टर प्रतियोगिता और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया	05 जून, 2021	125
2	विश्व वेटलैंड दिवस को ऑनलाइन मोड में मनाने के लिए व्याख्यान और फोटोग्राफी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया	02 फरवरी, 2022	135
3	आजादी का अमृत महोत्सव व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में, यूएसईएम ने 'मौसम और जलवायु सेवाओं' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। वार्ता राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केंद्र, आईएमडी की प्रमुख डॉ. के. सथी देवी द्वारा दी गई	18 अक्टूबर, 2021	100
4	आजादी का अमृत महोत्सव व्याख्यान श्रृंखला के एक भाग के रूप में, यूएसईएम ने 'नमामि गंगे: नदी पुनर्जीवन के लिए एक मिशन' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। यह वार्ता राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के तकनीकी निदेशक डॉ. प्रवीण मुटियार ने दी	22 अक्टूबर, 2021	100
5	पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला-1 के एक भाग के रूप में, यूएसईएम ने भारत में बाघ परियोजनाओं पर अपने अनुभव साझा करने के लिए ग्लोबल टाइगर फोरम के श्री मोहनीश कपूर द्वारा दिए गए एक व्याख्यान का आयोजन किया।	06 अगस्त, 2021	50
6	पूर्व छात्र वार्ता श्रृंखला-2 के एक भाग के रूप में, यूएसईएम ने अपने प्रोजेक्ट कार्य के अनुभवों को साझा करने के लिए भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून की सुश्री रंजना पाल द्वारा दिए गए एक व्याख्यान का आयोजन किया।	10 अगस्त, 2021	50
7	एलुमनी टॉक सीरीज-3 के एक भाग के रूप में, यूएसईएम ने साउथ पोल की साउथ एशिया सोर्सिंग मैनेजर सुश्री रिबका सिंह द्वारा दिए गए एक व्याख्यान का आयोजन किया।	12 अगस्त, 2021	50
8	'दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के शहरी पर्यावरण पर स्वच्छ और हरित दिवाली की भूमिका' पर एक जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।	2 नवंबर, 2021	100
9	एमएससी (बी एंड सी) के छात्रों के लिए दमदमा वेटलैंड, दमदमा, गुरुग्राम, हरियाणा में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया	01 नवम्बर, 2021	20
10	नजफगढ़ के कांगनहेड़ी गांव में एमएससी (एनआरएम) के छात्रों के लिए 'दिल्ली और उसके आसपास कृषि पारिस्थितिकी और कृषि वानिकी' पर एक फील्ड विजिट का आयोजन किया गया।	05 दिसम्बर, 2021	7
11	एमएससी (एनआरएम) के छात्रों के लिए सुल्तानपुर वन्यजीव अभयारण्य, गुरुग्राम, हरियाणा में एक शैक्षणिक यात्र का आयोजन किया गया।	17 दिसंबर 2021	7
12	एमएससी (ईएम) के छात्रों के लिए यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क, दिल्ली में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया गया	18 दिसंबर 2021	25
13	दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के शहरी पर्यावरण पर हरित और स्वच्छ दीपावली की भूमिका पर एक जागरूकता अभियान	02 नवम्बर, 2021	50
14	विश्व पर्यावरण दिवस - 2021, यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू	05 जून, 2021	-
15	पौधों का आकर्षण दिवस 2022	18 मई 2022	150

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1	प्रो. रीता सिंह	2021	स्पर्मेटोफाइट टैक्सोनॉमी के लिए ईस्ट हिमालयन सोसाइटी का डॉ. एचटी हाइनेवेटा बायोडायवर्सिटी गोल्ड मेडल 2021
		2022	एफेड्रा स्टिपिटाटा(इफेड्रेसी), भारत के लद्दाख की एक नई प्रजाति। बिस्वास, जे. और सिंह, आर. (2022)।
2	प्रो. अनुभा कौशिक	2021	आईआईक्यूएसी, जीजीएसआईपीयू, 2021 द्वारा प्रेरक योजना के तहत 02 प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।
3	डॉ. सुमित डूकिया	2021	16 सितंबर 2021 को 2 वर्षों के लिए आईसीसीए कंसोर्टियम के मानद सदस्य के रूप में नामांकित। सदस्य दिल्ली जैव विविधता परिषद, सरकार। 29 अक्टूबर 2021 को 3 वर्ष के लिए एनसीटी दिल्ली का
4	डॉ. दीक्षा कत्याल	2021	शिक्षा में योगदान के लिए प्राप्त विभिन्न सम्मानों और पुरस्कारों के लिए इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईआईक्यूएसी) द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	प्रो. रीता सिंह	भारत के कुछ चयनित जिम्नोस्पर्म समूहों की आणविक प्रणाली	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय,	1 वर्ष	1.33
2	डॉ. पंपोश	दिल्ली-एनसीआर के चयनित आर्द्रभूमियों के जलीय मैक्रोफाइट्स का आकलन और फाइटोसियोलॉजिकल विश्लेषण	एफआरजीएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.33/1
3	डॉ. अंशू गुप्ता	डाई डीकोलोराइजेशन में जैविक रूप से संश्लेषित लौह नैनोकणों की विशेषता और प्रयोज्यता	एफआरजीएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	1.33
4	डॉ. नीतू रानी	"दमदमा वेटलैंड, हरियाणा, भारत के माइक्रोप्लास्टिक्स और जल गुणवत्ता मूल्यांकन" नामक परियोजना के लिए एफआरजीएस 202122 के तहत अनुदान प्राप्त हुआ।	एफआरजीएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	1 वर्ष	-
5	डॉ. तुसीम शिमराह	पूर्वी हिमालय में कार्बन पृथक्करण और आजीविका सुधार के विशेष संदर्भ में स्थिरता पारंपरिक प्रबंधन प्रथाओं का मूल्यांकन, दस्तावेजीकरण और सत्यापन	जीबीपीएचआईएसडी/ एमओईएफसीसी (एनएमएचएस)	2018-2021	64.40
		राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में शहरी वनों के प्रभावी प्रबंधन के लिए दिल्ली की देशी वृक्ष प्रजातियों की सामुदायिक संरचना और पुनर्जनन क्षमता	सर्ब	2018-2021	24.58

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	प्रेरणा शर्मा	पर्यावरण विज्ञान	2015	5 जून, 2021 को विश्व पर्यावरण दिवस पर यूएसईएम, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में दूसरा पुरस्कार 15 जुलाई, 2021 को आईआईपीए, नई दिल्ली द्वारा आयोजित प्रथम पुरस्कार (सर्वश्रेष्ठ शोध कहानी, बोलचाल में: गंगा संवाद, 2021)
2	बलराम भारद्वाज	पर्यावरण विज्ञान	2016	यूएनडीपी के एसडीजी 7 लक्ष्य अप्रैल 2021 को पूरा करने के लिए कम लागत वाली नवीकरणीय ऊर्जा प्रदान करने की क्षमता के लिए एसएचके टर्बाइन को ब्रिक्स राष्ट्र सतत विकास प्रौद्योगिकी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
3	मानसी वैद	पी.एच.डी	चौथा वर्ष	इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में 1-3 अक्टूबर, 2021 को पर्यावरण और सामाजिक विकास संघ (ईएसडीए) दिल्ली द्वारा आयोजित विश्व पर्यावरण शिखर सम्मेलन 2021 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक पेपर प्रस्तुति पुरस्कार (ऑनलाइन)
4	अनुजा	पी.एच.डी	चौथा वर्ष	इंस्टीट्यूट केमाहिरन टिंग्गी बेलिया नेगारा (आईकेटीबीएन) सेपांग, सेलांगोर, मलेशिया द्वारा 25-28 मई, 2021 को आयोजित सामग्री विज्ञान, नैनो प्रौद्योगिकी और जैव विनिर्माण सामग्री (आईएससीएनएमबी 2021) पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन और सम्मेलन में विशेष सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ पिचिंग इनोवेशन पुरस्कार
5	चिंदु चंद्रन	पी.एच. डी. विद्वान	2015	ट्रैवेलिफ कोच और ऑडिटर प्रशिक्षणय 18-20 जनवरी 2022
6	इशिता माथुर	पी.एच. डी. विद्वान	2018	इंटरनेशनल यूथ सोसाइटी, ऑस्ट्रेलिया के सहयोग से केटीएचएम कॉलेज द्वारा आयोजित ऑनलाइन सम्मेलन 'पर्यावरण विज्ञान और प्रबंधन में हालिया रुझानों पर अंतर्राष्ट्रीय बहुविषयक सम्मेलन' में मौखिक पेपर प्रस्तुति के लिए अनुसंधान उत्कृष्टता पुरस्कार; 6-7 अगस्त 2021
7	साक्षी नांगिया	पी.एच.डी	2021	(मौखिक प्रस्तुति में द्वितीय पुरस्कार) निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामले, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली" और "जीन मोनेट मॉडयूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली"
8	निशिता नरवाल	पी.एच.डी	2021	(ओएमपी में प्रथम पुरस्कार: ऑनलाइन मास्टर प्रेजेंटेशन) बिएन, 2021: द एसोसिएशन ऑफ कोरियन वुमन साइंटिस्ट्स एंड इंजीनियर्स (केडब्ल्यूएसई), ऑनलाइन और होटल आईसीसी, डेजॉन, कोरिया द्वारा आयोजित महिला वैज्ञानिकों और इंजीनियरों का अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन
9	निशिता नरवाल	पी.एच.डी	2021	(पेपर प्रेजेंटेशन में प्रथम पुरस्कार) निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामले, जीजीएसआईपीयू, दिल्ली" और "जीन मोनेट मॉडयूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली"
10	निशिता नरवाल	पी.एच.डी	2021	(सर्वश्रेष्ठ कॉन्फ्रेंस पेपर पुरस्कारों में तीसरा पुरस्कार) निदेशालय, अंतर्राष्ट्रीय मामले, जीजीएसआईपीयू, दिल्लीष और "जीन मोनेट मॉडयूल, यूरोपीय अध्ययन केंद्र, जेएनयू, दिल्ली"
11	निशिता नरवाल	पी.एच.डी	2022	(सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतकर्ता) रसायन अनुसंधान में रासायनिक रुझानों पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रसायन विज्ञान विभाग एसयूएस सरकार। कॉलेज, करनाल

9. स्कूल द्वारा आयोजित पाठयेतर गतिविधियाँ/त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1	3 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया	3 जून 2022	3 जून 2022 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया
2	दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र के शहरी पर्यावरण पर हरित और स्वच्छ दीपावली पर जागरूकता अभियान	2 नवंबर 2021	त्योहार मनाने से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श क) रंगोली बनाने की प्रतियोगिता ख) पोस्टर प्रतियोगिता
3	एमएससी (ईएम, एनआरएम और बी एंड सी) के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया	01 दिसंबर 2021	एमएससी (ईएम, एनआरएम और बी एंड सी) के लिए एक ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	प्रस्तावित वार्षिक औसत पैकेज (एलपीए)
1.	फ्लोब इनसाइट्स प्राइवेट लिमिटेड, गुड़गांव	शिवांगी सहरावत	28.2
2.	सरकार बॉयज स्कूल, नई दिल्ली-59	कविता वर्मा	3.6
3.	डेलॉइट, डीएलएफ साइबर सिटी	अपेक्षा शर्मा	6
4.	राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण	आस्था चंद्रा	6
5.	टेरी, नई दिल्ली	दीक्षा	5.16
6.	साउथ पोल	प्रियंका गर्ग	5.5
7.	टेरी, नई दिल्ली	चंचल	5.16
8.	टेरी, नई दिल्ली	सुप्रिया कुमारी	5.16
9.	हैशटैग हमारी कहानियाँ	आयुषी कोठारी	3
10.	टेरी, नई दिल्ली	स्नेहा गिरीश	0.24
11।	टेरी, नई दिल्ली	राखी बंसल	0.24
12.	टेरी, नई दिल्ली	रचित कुमार	0.24
13.	टेरी, नई दिल्ली	तरुना	0.24
14.	टेरी, नई दिल्ली	वंशिका पांचाल	0.24
15.	बायजस	वर्षा मिश्रा	4.75
16.	परफैक्ट एनवायरो सॉल्यूशंस प्रा. लिमिटेड	चंचल गुप्ता	3
17.	चेग इंडिया	हिमांशी पांडे	3.6
18.	अरबस्क	बादल चौधरी	4.8
19.	अरबस्क	छवि चौधरी	4.8
20.	अरबस्क	उज्जवल कांडपाल	4.8

11. शोधार्थियों का विवरण

(क) पुरस्कृत पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 08

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पी.एच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	उपाधि प्रदान किये जाने की तिथि
1.	श्री सतीश प्रसाद	नदी परिदृश्य की गतिशीलता और ऊपरी गंगा नदी विस्तार की अखंडता। एक रामसर साइट	2014	प्रो. वरुण जोशी	03.08.2021
2.	आराधना सिंह	एक साथ और अपशिष्ट जल उपचार के लिए माइक्रोबियल ईंधन सेल प्रदर्शन का अनुकूलन	2015	प्रो. अनुभा कौशिक	07.07.2021
3.	आंचल गर्ग	दिल्ली के शहरी वातावरण में पॉलीसाइक्लिक एरोमैटिक हाइड्रोकार्बन, वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों और पार्टिकुलेट मैटर और उनके संबंधित स्वास्थ्य जोखिमों का अध्ययन	2016	प्रो एनसी गुप्ता	08.09.2021
4.	आयशा खोसला	त्रिपुरा राज्य में वन अधिकार अधिनियम की शासन पद्धतियों पर अध्ययन	2013	प्रो. पी. भट्टाचार्य	16.07.2021
5.	चारु त्यागी	एनसीआर दिल्ली में ब्लैक कार्बन और एरोसोल विशेषता के कारण विकिरण बल	2014	प्रो एनसी गुप्ता	30.03.2021
6.	आशीष कुमार पांडा	उत्तराखंड हिमालय में आपदा लचीलेपन के लिए जलवायु जोखिमों की संवेदनशीलता और अनुकूलन रणनीतियों का विश्लेषण: अल्मोडा जिले का एक अध्ययन	2014	प्रो अमरजीत कौर	25.03.2022
7.	राजलक्ष्मी मिश्रा	राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के शहरी हरित स्थानों में चमगादड़ों की विविधता और संरक्षण की स्थिति	2013	डॉ. सुमित डूकिया	09.02.2022
8.	सीमा जोशी	मंदाकिनी घाटी, उत्तराखंड में आपदा जोखिम न्यूनीकरण और लचीले संचार के निर्माण के लिए भू-स्थानिक प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना	2013	प्रो अमरजीत कौर	15.06.2022

(ख) चल रहे पीएचडी पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 57

12. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	श्री रितिक कादियान	यूजीसी-नेट-जेआरएफ
2.	सुश्री प्रियंका चौधरी	यूजीसी-नेट-जेआरएफ
3.	श्री डिक्सन हेइसनाम	यूजीसी-नेट-एनएफएससी
4.	आस्था मलिक	यूजीसी-नेट (जेआरएफ)
5.	निशिता नरवाल	यूजीसी नेट

13. इस अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शैक्षिक दौरे:

(क) कृषि-पारिस्थितिकी और कृषि वानिकी अध्ययन क्षेत्र का दौरा 5 दिसंबर 2021 को कंगनहेरी गांव, नजफगढ़, दिल्ली में यूएसईएम, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के एमएससी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन छात्रों के लिए अध्ययन का उद्देश्य क) कृषि-पारिस्थितिकी के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक पहलुओं की जांच करना, ख) कृषि वानिकी प्रबंधन प्रथाओं और संसाधन दक्षता, खाद्य सुरक्षा और खाद्य उत्पादन की समग्र स्थिरता में सुधार में उनकी भूमिका का अध्ययन करना था।

(ख) 18 दिसंबर 2021 को एम.एस.सी. (पर्यावरण प्रबंधन), तीसरे सेमेस्टर के छात्रों की यमुना जैव विविधता पार्क की शैक्षिक क्षेत्र यात्रा।

(ग) एमएससी जैव विविधता और संरक्षण पाठ्यक्रम के लिए मई 2022 में मुक्तेश्वर की शैक्षिक क्षेत्र यात्रा का आयोजन किया गया।

(घ) एमएससी जैव विविधता और संरक्षण पाठ्यक्रम के लिए मार्च 2022 के महीने में सुल्तानपुर पक्षी वन्यजीव अभयारण्य की शैक्षिक क्षेत्र यात्रा आयोजित की गई।

4.7 विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमए (अंग्रेजी) (पीजी)	2 वर्ष	60
2	एमए (अर्थशास्त्र) (पीजी)	2 वर्ष	40
3	एम. फिल (अंग्रेजी)	1 वर्ष	17

2. कार्यक्रम 2021-2022 के दौरान शुरू हुए

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	पीएच.डी अर्थशास्त्र	3+2 वर्ष	4

3. स्कूलों में नए सेट-अप के बारे में विवरण:

प्रयोगशालाएँ: 02

4. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो. विवेक सचदेवा

- सचदेवा, वी. 2021, 'कला और मानव अस्तित्व' जोधपुर अंग्रेजी में अध्ययन। XIX, (14-26).

डॉ. नरेश कुमार वत्स

- वत्स, एन. के. 2021, "भाषा, साहित्य और हाशिए से सौंदर्यशास्त्र"। इंग्लिश स्टडीज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल, 9, 1, जून 2021। आईएसएसएन 2347-3479।

डॉ. शुभांकु कोचर

- कोचर, एस. 2022, द कॉमन्स एंड द एनक्लोजर: एन इकोलॉजिकल पोस्ट-कोलोनियल रीडिंग ऑफ सेलेक्ट लिटरेरी नैरेटिव्स। अंग्रेजी भाषा और साहित्य का शोध जर्नल।
- कोचर, एस. 2022, "डॉ. नंदिनी सेन द्वारा द सेकेंड वाइफ और अन्य कहानियों की समीक्षा।" समीक्षा द वायर में प्रकाशित हुई।
- कोचर, एस. 2022, "न्यू नेशन, न्यू माइग्रेशन एंड न्यू नीग्रो: ए रीडिंग ऑफ आफ्टरमाथ, राचेल एंड एनवायरनमेंट।" एफ्रो-कैरिबियन महिला लेखन और प्रारंभिक अमेरिकी साहित्य, लाटोया जेफरसन-जेम्स द्वारा संपादित, लेक्सिंगटन बुक्स: एन इम्प्रिंट ऑफ रोवमैन एंड लिटिलफील्ड।

डॉ. प्रार्थना गोयल

- गोयल, पी., चौधरी, जेआर और परिदा, वाई. 2021. क्या असमानता-समायोजित मानव विकास प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करता है? एक लिंग आधारित परिप्रेक्ष्य. विश्व विकास, 141, 105394।
- गोयल, पी., घरेलू खाद्य सुरक्षा और श्रम प्रवासन पर जलवायु-स्मार्ट कृषि के लिंग आधारित प्रभावरू बिहार, भारत से अंतर्दृष्टि। जलवायु परिवर्तन रणनीतियों और प्रबंधन के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल।
- गोयल, पी., महिला शिक्षा, वैवाहिक वर्गीकरण, और दहेज: भारत के जिलों से सिद्धांत और साक्ष्य। जर्नल ऑफ डेमोग्राफिक इकोनॉमिक्स, 1-27.

5. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया

प्रो. विवेक सचदेवा

- एसोसिएशन ऑफ फिल्म स्टडीज इन साउथ एशिया (एएफएसएसए) द्वारा 3-5 दिसंबर 2021, दक्षिण एशिया में आयोजित फ्रॉम स्क्रीनिंग टू स्ट्रीमिंग: आइडियोलॉजी, एस्थेटिक्स एंड हिस्टोरियोग्राफी ऑफ न्यू सिनेमा पर एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'स्टडीइंग स्पेस इन लीला' शीर्षक वाला एक पेपर पेश किया

प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल

- अंग्रेजी विभाग, एमडीयू, 21-22, मार्च 2022, एमडीयू, रोहतक द्वारा समकालीन भारतीय साहित्य पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में 22 मार्च 2022 को "जीवन और साहित्य में समकालीन: भारतीय संदर्भ" शीर्षक से एक समापन भाषण दिया।
- 27 दिसंबर 2021 को एमएसआई, जनकपुरी द्वारा आयोजित एफडीपी में एनईपी 2021: चरित्र के रूप में ज्ञान से ज्ञान के रूप में चरित्र तक" शीर्षक से एक मुख्य भाषण दिया।
- 25 नवंबर 2021 को अंग्रेजी और सांस्कृतिक अध्ययन विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ द्वारा आयोजित "सांस्कृतिक अध्ययन में अनुसंधान पर स्थानांतरण प्रक्षेप पथ" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कॉन्क्लेव सह संगोष्ठी में "सांस्कृतिक अध्ययन के रूप में अंत:विषय" शीर्षक पर एक मुख्य भाषण दिया। 25-26 नवंबर 2021 तक।
- 3 सितंबर 2021 को अंग्रेजी विभाग, सेंट एलॉयसियस कॉलेज द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार "खुशवंत सिंह को श्रद्धांजलि: प्रोटीन संवेदनाओं का एक लेखक" में "खुशवंत सिंह: उनकी विरासत और इसकी साहित्यिक प्रासंगिकता" शीर्षक से एक मुख्य भाषण दिया। (सवायत्त), जबलपुर (मध्य प्रदेश) 3-4, सितम्बर 2021 तक।

डॉ. नरेश के. वत्स

- श्रीमद्भगवद-गीता में नैतिकता और दर्शन पर अंतर्राष्ट्रीय अंत:विषय सम्मेलन में "स्वयं, अन्य, और धर्म: भगवद गीता पर एक परिप्रेक्ष्य" प्रस्तुत किया गया: अनुसंधान प्रकोष्ठ, भारतीय शिक्षण मंडल, हरियाणा और विभाग द्वारा आयोजित मानवता की चुनौतियों और दुर्दशा के लिए मारक अंग्रेजी, चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जिंद, हरियाणा, 28-30, सितंबर 2021, ऑनलाइन।
- आईएमआरएफ इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड रिसर्च, भारत द्वारा आयोजित महिला सशक्तिकरण, भाषा अध्ययन और सामाजिक विज्ञान में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन - 2022 में "विभाजन के संदर्भ में लैंगिक मुद्दे" पेपर प्रस्तुत किया गया (सौम्या गुलाटी के साथ सहलेखक), 16-17 मार्च 2022, ऑनलाइन।
- हेरिटेज सोसाइटी, पटना द्वारा सेंटर फॉर कल्चरल रिसोर्सेज एंड ट्रेनिंग के सहयोग से सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, यूपी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, ग्लोबल हेरिटेज कॉन्क्लेव -22 में "लोक, जीवन और कला: लोक की अभिव्यक्ति की प्रकृति पर एक परिप्रेक्ष्य" पेपर प्रस्तुत किया गया।, संस्कृति मंत्रालय, सरकार। भारत की। इसे भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (आईसीएचआर) भारत द्वारा प्रायोजित किया गया था। (तनुश्री झा के साथ सहलेखक), 26-27 मार्च, 2022, कपिलवस्तु, यूपी
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (यूएसएमएस), जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 8-12 मार्च 2021 को 'बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम' विषय पर आयोजित ई-एफडीपी (संकाय विकास कार्यक्रम) में भाग लिया। ऑनलाइन।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन (यूएसएमसी), आईआईक्यूएसी-एनएएसी, एमओओसी-आईपीयू, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, न्यू द्वारा 'भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता' विषय पर आयोजित एफडीपी (संकाय विकास कार्यक्रम) में भाग लिया। दिल्ली, 15-27, अप्रैल 2021, ऑनलाइन।
- 21 मार्च, 2022 को अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा समकालीन भारतीय साहित्य पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- नेसामोनी मेमोरियल क्रिश्चियन कॉलेज, मार्तंडम, कन्याकुमारी डीटी, तमिलनाडु और आईएमआरएफ इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, भारत द्वारा आयोजित सौंदर्यशास्त्र, साहित्य और सामाजिक विज्ञान-2022 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 12 मई को आयोजित पूर्ण भाषण ष्पाठ, संदर्भ और संकेत", दिया गया। 2022, ऑनलाइन।
- 19 मई, 2022 को नेसामोनी मेमोरियल क्रिश्चियन कॉलेज, मार्तंडम, कन्याकुमारी डीटी, तमिलनाडु और आईएमआरएफ इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन, भारत द्वारा आयोजित सौंदर्यशास्त्र, साहित्य और सामाजिक विज्ञान-2022 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, 12 मई, 2022, ऑनलाइन।

- रेड टॉक्स डेली इंटरनेशनल, भारत द्वारा 25-26 जून, 2022, ऑनलाइन आयोजित कानूनी अध्ययन, अर्थशास्त्र, प्रबंधन, व्यवसाय और सामाजिक विज्ञान 2021 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।
- रेड टॉक्स डेली इंटरनेशनल द्वारा 16-17 जुलाई, 2021 को ऑनलाइन आयोजित साहित्य, भाषा, अनुवाद और लिंग अध्ययन 2021 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पूर्ण वार्ता "स्वयं, भाषा और अर्थ: आचार्य भतृहरि और जैक्स लैकन को समझना"।
- भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित और अंग्रेजी विभाग, एपीसी महालक्ष्मी कॉलेज फॉर वुमेन द्वारा आयोजित "भारतीय नैतिकता और दार्शनिक विरासत" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के आभासी सम्मेलन में पूर्ण वार्ता "भाषा, साहित्यिक और सौंदर्यशास्त्र: भारतीय परिप्रेक्ष्य", थूथुकुडी तमिलनाडु, भारत, 27-29 जुलाई, 2021, ऑनलाइन।

डॉ. चेतना तिवारी

- 19-20 को स्कूल ऑफ सोशल साइंस एंड लैंग्वेजेज, वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई, भारत द्वारा 'साहित्य, फिल्म और मीडिया के माध्यम से मानविकी' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिफ्टिंग होम्स, शिफ्टिंग बिलीफ्स: एंथ्रोपोसीन एंड द एनवायरनमेंट" पर एक पेपर प्रस्तुत किया। अक्टूबर 2021.
- यूएसएमसी, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा 15-27 अप्रैल 2021 तक 'भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता' विषय पर दो सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
- 7-15 मई 2021 तक आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट द्वारा आयोजित व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया।

डॉ. प्रार्थना अग्रवाल गोयल

- नारीवादी और लैंगिक अर्थशास्त्र कार्यशाला, 23 अगस्त 2021, जर्मनी
- केंद्रीय बजट: आमंत्रित व्याख्यान, 09 फरवरी 2022, जिम्स, वसंत कुंज

सुश्री पूजा राठौड़

- एसएसईआर युवा विद्वान सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर, 15-16 जनवरी, 2022, एसएसईआर।
- सतत विकास और उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11 अगस्त 2021 को प्रस्तुत पेपर "महिलाओं के खिलाफ अपराध पर महिला शिक्षा का प्रभाव"।
- पेपर प्रस्तुत "लैंगिक असमानता और आर्थिक विकास" सतत विकास और उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 10-11 अगस्त 2021।

6. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

- 22 अक्टूबर 2021 को श्री निलय जयसवाल द्वारा प्रभावी सीवी निर्माण, लिंक्डइन प्रोफाइल और कार्मिक साक्षात्कार कौशल को बढ़ाने पर वेबिनार श्रृंखला।
- प्रो. सुधीर के. शर्मा द्वारा भारतीय सौंदर्यशास्त्र और सिद्धांत के प्रकाश में कालिदास के अभिज्ञानशाकुंतलम पर विस्तार व्याख्यान।
- 01-16 अप्रैल 2021 को एक वेबिनार और 10 दिवसीय कार्यशाला "स्टॉक माइंड: ए वर्चुअल स्टॉक प्लेटफॉर्म"।
- ऑनलाइन वाद-विवाद प्रतियोगिता -5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था: 01 मई 2021 को प्राप्त करने योग्य या मृगतृष्णा
- 17-31 मई 2021 को एक वेबिनार और 10 दिवसीय कार्यशाला "स्टॉक माइंड: ए वर्चुअल स्टॉक प्लेटफॉर्म"।
- वेबिनार: 30 सितंबर 2021 को फील्ड स्तरीय वित्तीय साक्षरता
- 10-14 जनवरी 2022 को आर सॉटवेयर पर एलुमनी टॉक सीरीज -2 ऑनलाइन पांच दिवसीय कार्यशाला।
- 29 जनवरी 2022 को "आयकर परिवर्तन का आर्थिक विकास पर प्रभाव" विषय पर संगोष्ठी।
- 25 फरवरी 2022 को व्यक्तिगत वित्त पर एफडीपी।
- यूएसएचएसएस के समग्र विकास और मानसिक कल्याण पर ऑनलाइन पांच दिवसीय कार्यशाला 27-31 दिसंबर 2022 को आयोजित की गई।
- 27-29 दिसंबर 2021 को अकादमिक लेखन और अनुसंधान पद्धति (भाग 2) पर तीन दिवसीय कार्यशाला।
- 13 जनवरी - 04 मार्च 2022 को विभिन्न पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए कला और सौंदर्यशास्त्र पर ऑनलाइन विस्तार व्याख्यान।

- 23 मार्च 2022 को भगत सिंह के शहादत दिवस पर उनकी स्मृति में डॉ. रजनीश धवन द्वारा अमृतसर 1919 पर एक वार्ता।
- 04-08 अप्रैल 2022 को अकादमिक लेखन और अनुसंधान पद्धति पर पांच दिवसीय कार्यशाला।
- 12 फरवरी 2022 को बजट वार्ता।
- 20 जून 2021 को एक्सटेम्पोर इवेंट "अंतरन" का आयोजन किया गया।
- 14 अगस्त 2021 को काव्य प्रतियोगिता "जश्न-ए-आजादी" का आयोजन।
- 15 अगस्त 2021 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता "जश्न-ए-आजादी" का आयोजन
- आयोजित कार्यशाला "ट्रायम्फ" 22 अक्टूबर 2021
- 29 अक्टूबर 2021 को क्विज प्रतियोगिता "भारत को जानो" का आयोजन
- 20 नवंबर 2021 को "पूर्व छात्र वार्ता" का आयोजन किया गया

7. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कारों का विवरण
1	डॉ. नरेश के. वत्स	2021	शिक्षण और अनुसंधान में समर्पण और प्रतिबद्धता की सराहना के लिए डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार 2021, सेंटर फॉर प्रोफेशनल एडवांसमेंट द्वारा 5 सितंबर, 2021 को प्रदान किया गया।
2	डॉ. नरेश के. वत्स	2021	प्रशंसा प्रमाणपत्र 2021, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
3	प्रो. मनप्रीत कौर कंग	2021	सदस्य, आयोजन समिति, 21वां अंतर्राष्ट्रीय मेलो सम्मेलन
4	प्रो. मनप्रीत कौर कंग	2021	वक्ता, अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार
5	प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल	2021	सदस्य, सलाहकार बोर्ड, संवाद (द्वि-वार्षिक शोध जर्नल, अंग्रेजी विभाग, पीयू
6	प्रो. विवेक सचदेवा	2021	विजिटिंग प्रो., बर्मिंघम इंस्टीट्यूट ऑफ मीडिया एंड इंग्लिश, यूके
7	सुश्री पूजा राठौड़	2021	10-11 अगस्त 2021 को दूसरा सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार "सतत विकास और उच्च शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन" प्राप्त हुआ।

8. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं:

शीर्षक	अनुदान एजेंसी	अवधि	कुल परियोजना अनुदान	वर्ष के दौरान प्राप्त राशि, यदि कोई हो	प्रमुख/ मामूली/अन्य	पीआई/ सह-पीआई
स्वच्छ जल तक पहुंच और सूचना और लेनदेन लागत की भूमिका: भारत से क्षेत्र प्रायोगिक साक्ष्य	जे-पाल कैच एमआईटी फाउंडेशन	अक्टूबर 2021- फरवरी 2022	रु. 48,00,000	रु. 48,00,000	प्रमुख	पीआई

9. स्कूलों द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ/त्योहार/वार्षिक बैठकें:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि और दिनांक
1.	पूर्व छात्र सम्मेलन 2021	एक दिन और 31 दिसंबर 2021

10. शोध विद्वानों का विवरण:

(क) पुरस्कृत पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 10

क्र.सं.	विद्वान का नाम	शोध का शीर्षक	पंजीकरण की दिनांक	नामांकित संख्या	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1.	रणवीर	मर्दानगी से पूछताछ: गीता हरिहरन के उपन्यासों का एक अध्ययन	10.07.2013	90059101213	डॉ. नरेश कुमार वत्स	पूर्ण
2.	सुलभा राय	अदृश्य बच्चे: व्यावसायिक यौनकर्मियों के बच्चों के जीवन का एक मनो-सामाजिक मानचित्रण	05.01.2015	90060101213	डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	पूर्ण
3.	प्रियंका भारद्वाज	संगठित अपराध के रूप में असम में डायन शिकार का एक अध्ययन: एक मानव अधिकार परिप्रेक्ष्य	19.05.2017	90098102215	डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	पूर्ण
4.	अमर नाथ कुमार	भारतीय प्रवासी कविता की रूपरेखा: सुनीति नामजोशी, उमा परमेश्वरन और चित्र बनर्जी दिवाकरुनी का एक अध्ययन	-	00121690216	डॉ. राजीव रंजन द्विवेदी	पूर्ण
6.	सृष्टि शर्मा	सामाजिक जुड़ाव के रूप में गीत: बीओबी मार्ले, बीओबी डायलन और जॉन लेनन का एक तुलनात्मक अध्ययन	19.05.2017	00921690216	प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल	पूर्ण
7.	साक्षी सुंदरम	लिंग, हिंसा और घर: अमृता प्रीतम और कृष्णा सोबती के चयनित कार्यों का एक अध्ययन	19.05.2017	01021690216	प्रो मनप्रीत कौर कांग	पूर्ण
8.	दीपान्विता सहगल	समसामयिक पौराणिक कथाएँ: अमीश त्रिपाठी की कृतियों का एक आलोचनात्मक अध्ययन	08.01.2018	01521690217	डॉ. नरेश कुमार वत्स	पूर्ण
9.	चेतना करनानी	हिंसा की कविताएँ: सांप्रदायिक प्रतिनिधित्व के बदलते स्वरूप	10.09.2018	0221690018	प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल	पूर्ण
10.	सुकृति देसवाल	पहचान, आतंकवाद और साहित्य: चुनिंदा आख्यानों का एक महत्वपूर्ण अध्ययन	10.09.2018	02521690018	प्रो. अनूप सिंह बेनीवाल	पूर्ण

(ख) वर्तमान पी.एच.डी. पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 48

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण: 04

4.8 विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	बी.टेक (सीएसई) (यूएसएस)	4 वर्ष	60
2.	बी.टेक (ईसीई) (यूएसएस)	4 वर्ष	60
3.	बी.टेक (आईटी) (यूएसएस)	4 वर्ष	60
4.	एमसीए (एसई)	3 वर्ष	60
5.	एम.टेक (सीएसई)	2 वर्ष	18
6.	एम.टेक (सीएसई) (उब्ल्यू)	3 वर्ष	60
7.	एम.टेक (ईसीई)	2 वर्ष	18
8.	एम.टेक (ईसीई) (उब्ल्यू)	3 वर्ष	60
9.	एम.टेक (आईटीआर) (आईटी)	2 वर्ष	25
10.	एम.टेक (आरए)	2 वर्ष	18

2. संकय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिका प्रो. नवीन राजपाल में लेख

- जैन, ए., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2022, टी1 वेटेड ब्रेन एमआरआई के लिए डी-स्पेकलिंग तकनीक, इमेजेज-ए स्टैटिस्टिकल कम्पेरिजन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ परफॉर्मेबिलिटी इंजीनियरिंग।
- सोनी, पी., के., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2021, हवाई छवियों से बहुस्तरीय फिल्टरिंग और टेंसर वोटिंग का उपयोग करके सड़क नेटवर्क निष्कर्षण, द इजिप्टियन जर्नल ऑफ रिमोट सेंसिंग एंड स्पेस साइंस, https://doi.org/10.1016/j.ejrs.2021.01.004.
- सिंह, आर., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2021, शिफ्ट-इनवेरिएंट वेवलेट ट्रांसफॉर्म का उपयोग करके कार्डियक विसंगतियों का एप्लिकेशन-विशिष्ट विभेदक विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ई-हेल्थ एंड मेडिकल कम्युनिकेशंस (आईजेईएचएमसी), https://doi -org/10-4018/IJEHMC-20210701-oa5.
- सिंह, आर., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2021, अतालता वर्गीकरण के लिए डीप लर्निंग और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम पर वेवलेट-आधारित फीचर एक्सट्रैक्शन का एक अनुभवजन्य विश्लेषण, इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इंटरनेशनल जर्नल 6 (6), https://doi.org/10.9781/ijimai.2020.11.005.
- सोनी, पीके, राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2021, मल्टीस्पेक्ट्रल सेंटिनल-2 इमेजरी, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, https://link.springer का उपयोग करके शहरी भूमि कवर और भूमि उपयोग वर्गीकरण। com/article/10.1007%2Fs11042-021-10991-0.
- सोनी, पी., के., राजपाल, एन. और मेहता, आर., 2021, एसवीएम और मल्टी-स्केल मैक्सिमम रिस्पांस फिल्टर का उपयोग करके वीएचआर छवियों से रोड सेंटरलाइन एक्सट्रैक्शन, जर्नल ऑफ द इंडियन सोसाइटी ऑफ रिमोट सेंसिंग, https://doi.org/10.1007/s12524.021.01329.2.

प्रो सी.एस राय

- भाटी, बीएस और राय, सीएस, 2021, मोटे गॉसियन एसवीएम का उपयोग करके घुसपैठ का पता लगाने की तकनीक, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ग्रिड एंड यूटिलिटी कंप्यूटिंग, इंट। जे. ग्रिड और यूटिलिटी कंप्यूटिंग, 12, 1, 2021।
- जैन, एम., राय, सीएस, जैन, जे. और गंभीर, डी., 2021, संज्ञानात्मक गिरावट के प्रारंभिक पूर्वानुमान के लिए एमआरआई के मशीन लर्निंग और स्लाइस-बाय-स्लाइस पंजीकरण का समामेलन, विज्ञान और सूचना (एसएआई) संगठन लिमिटेड, उन्नत कंप्यूटर विज्ञान और अनुप्रयोग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 12, 1, 2021।

- जैन, एम., राय, सीएस और जैन, जय., 2021, रेडियोमिक्स-आधारित पाठ्य विश्लेषण और संयोजन शिक्षण क्लासिफायर, मेडिसिन में कम्प्यूटेशनल और गणितीय तरीकों का उपयोग करके मस्तिष्क अपक्षयी रोगों के विभेदक पूर्वानुमान के लिए एक उपन्यास विधि, https://www.hindawwi.com/journals/cmmm/2021/7965677।
- कुमार, ए., राय, सीएस, और खंडेलवाल, एम., के., 2022, 2.9/5.0/5.9 गीगाहर्ट्ज बैंड पर डब्ल्यूएलएएन अनुप्रयोगों के लिए लघु ट्रिपलबैंड फोर-पोर्ट स्टैक्ड एमआईएमओ एंटीना की प्राप्ति, एईयू-इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशंस, https://www.sciencedirect.com/science/article/abs/pii/S1434841122001133।

प्रो. अरविंदर कौर

- कौर, आई. और कौर, ए., 2021, क्लासिफायर की विभिन्न श्रेणियों का उपयोग करके सॉटवेयर गलती भविष्यवाणी का तुलनात्मक विश्लेषण, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 12, 520-535, आईएसएसएन: 0975-6809।
- अरोड़ा, आर., कौर, ए., 2022, फीचर चयन का उपयोग करके विषम दोष भविष्यवाणी वियतनाम जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस एंड सुपरवाइज्ड लर्निंग एल्गोरिदम, वियतनाम जर्नल ऑफ कंप्यूटर साइंस, 9,। 3, 261-284, आईएसएसएन: 2196-8896।

प्रो. प्रवीण चंद्रा

- शर्मा, डी. और चंद्रा, पी., 2022, रिग्रेशन के साथ फैक्टर एनालिसिस का उपयोग करते हुए सॉटवेयर फॉल्ट प्रॉननेस का एक अनुभवजन्य विश्लेषण, रिसर्च स्क्वायर, https://assets.researchsquare.com/files/rs832897/v1_covered-pdf?c=1631878782।
- गुप्ता, एम., के. और चंद्रा, पी., 2021, आईओटी और मल्टीमीडिया में इसके अनुप्रयोगों के संबंध में के-मीन्स एल्गोरिदम पर समानता/दूरी मेट्रिक्स के प्रभाव: एक समीक्षा, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, https://link.Springer.com/article/10.1007/s11042-021-11255-7।
- मित्तल, ए., सिंह, ए., पी. और चंद्रा, पी., 2021, वेट इनिशियलाइजेशन के माध्यम से तंत्रिका नेटवर्क में सीखने में सुधार, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, https://www.tandfonline.com/doi/abs/10.1080/02522667.2020.1826606।
- मित्तल, ए., सिंह, एपी और चंद्रा, पी., 2021, सिग्मॉइडल फीडफॉरवर्ड नेटवर्क के लिए वजन और पूर्वाग्रह आरंभीकरण रूटीन, एप्लाइड इंटेलिजेंस, https://link.springer.com/article /10.1007/s10489-020-01960-5.

प्रो. अंजना गोसाईं

- गोसाईं, ए. और दहिया, एस., 2021, बाहरी पहचान सुविधा के साथ एक प्रभावी फजी क्लस्टरिंग एल्गोरिदम, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 41, 2417-2428, https://doi.org/10.3233/JIFS-201858.
- सिंह, डी., साहा, ए., और गोसाईं, ए., 2021, क्लास असंतुलित डेटासेट के लिए डब्ल्यूसीएम आधारित हाइब्रिड प्री-प्रोसेसिंग एल्गोरिदम, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड फजी सिस्टम्स, 41, 3339-3354, https://doi.org/10.3233/JIFS-210624.
- सचदेवा, के. और गोसाईं, ए., 2021, ए. एकीकृत बाधा प्रबंधन तकनीकों के साथ संयुक्त विभेदक विकास एल्गोरिदम को लागू करने वाला भौतिक दृश्य चयन, मल्टीमेड टूल्स एप्लिकेशन, 80, 31619-31645, https://doi.org/10.1007/s11042-021-11181-8.
- अरोड़ा, ए. और गोसाईं, ए., 2021, दूसरे स्तर के प्रमाणीकरण के साथ डेटा वेयरहाउस के लिए घुसपैठ का पता लगाने की प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 13, 877-887, आईएसएसएन: 2511-2112।

प्रो. भारती सूरी

- रानी, एस. और सूरी, बी., 2021, उत्परिवर्तन परीक्षण के लिए मोथ फ्लेम ऑप्टिमाइजेशन का उपयोग करके परीक्षण मामलों की खोज और विकास, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स, 9, 3, 276-293।
- रानी, एस. और सूरी, बी., 2021, जावा के लिए म्यूटेशन ऑपरेटरों के मूल्यांकन और चयन के लिए विभिन्न मेट्रिक्स की जांच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सॉटवेयर इंजीनियरिंग एंड नॉलेज इंजीनियरिंग, 31, 3, 311-336।

- गुप्ता, ए., सूरी, बी., कुमार, वी., और जैन, पी., 2021, मशीन लर्निंग का उपयोग करके स्थिर मेट्रिक्स के साथ भेद्यता का पता लगाने के लिए नियम निकालना, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एश्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट, 12, 1, 65- 76.
- सिंघल, एस., जटाना, एन., सूरी, बी., मिश्रा, एस., और सान्ज, फर्नांडीज, एल., 2021, टेस्ट केस चयन और प्राथमिकता पर व्यवस्थित साहित्य समीक्षा: एक तृतीयक अध्ययन, एप्लाइड साइंसेज, 11, 24 , 12121.
- जटाना, एन., और सूरी, बी., 2021, समयबद्ध परीक्षण चयन के लिए लागू टी-जीएससी और एसीओ; टीसीएसपी की एक अनुभवजन्य तुलना, कंप्यूटर विज्ञान और संचार में हालिया प्रगति, 14, 2, 555-563।
- त्यागी, एस., सिब्बल, आर., और सूरी, बी., 2022, वितरित चुस्त टीमों में विश्वास बनाने के लिए अनुभवजन्य रूप से विकसित रूपरेखा, सूचना और सॉटवेयर प्रौद्योगिकी, 145, 106828।
- रानी, एस. और सूरी, बी., 2022, खोज आधारित सामाजिक समूह अनुकूलन दृष्टिकोण का उपयोग करके उत्परिवर्तन आधारित परीक्षण पीढ़ी, इवोल्यूशनरी इंटेलिजेंस, 15, 2105-2114।
- एमबी, कुशार्की., मिश्रा, एस., बेल्लो, मुहम्मद, बी., सालिहु, आई., ए., और सूरी, बी., 2022, एंड्रॉइड अनुप्रयोगों के उत्परिवर्तन परीक्षण में समतुल्य म्यूटेंट का स्वचालित वर्गीकरण, समरूपता, 14, 4 , 820.

प्रो अमित प्रकाश सिंह

- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, ए., पी., सिंह, आर., पी., और सिंह, डी., 2021, टमाटर पाउडर फफूंदी रोग के लिए एक मशीन लर्निंग आधारित स्प्रे भविष्यवाणी मॉडल, इंडियन फाइटोपैथोल, 75, 1, 225-230, 2022, डीओआई: 10.1007/एस42360-021-00430-3।
- भाटिया, ए., चुग, ए., और सिंह, ए., पी., टमाटर के पौधों में पाउडर फफूंदी रोग की भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों का सांख्यिकीय विश्लेषण आईएसएसएन: 1758-8715, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट इंजीनियरिंग इंफॉर्मेटिक्स, इंदर साइंस प्रकाशक, 9(1), 24-58, आईएसएसएन: 1758-8715।
- अहलावत, के., चुग, ए., और सिंह, एपी, बिग डेटा में क्लास असंतुलन समस्या को हल करने के लिए एक उपन्यास हाइब्रिड सैंपलिंग एल्गोरिदम, ष्डेटा विज्ञान और अनुकूली विश्लेषण में प्रगति, 13(02), 118-128। 2022. Doi: 10.1142/s2424922X21500054।
- मित्तल, ए., सिंह, ए., पी., और चंद्रा, पी., वेट इनिशियलाइजेशन के माध्यम से तंत्रिका नेटवर्क में सीखने में सुधार, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, टेलर और फ्रांसिस प्रकाशक, 43 (5), 951-971 आईएसएसएन: 0252-2667.

प्रो पुष्पेंद्र सिंह भारती

- सिंह, एन., और भारती, पीएस, 2021, टीचिंग लर्निंग बेस्ड ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम का उपयोग करके Ti-6Al-4V की माइक्रो ईडीएम ड्रिलिंग के दौरान मल्टी ऑब्जेक्टिव पैरामीट्रिक ऑप्टिमाइजेशन, मटेरियल टुडे: प्रोसीडिंग्स (एल्सेवियर), 62, 262-269।
- सिराज, आई. और भारती, पीएस, 2021, 3डी प्रिंटिंग प्रक्रिया: हालिया शोध की समीक्षा, विज्ञान प्रगति और अनुसंधान, 1, 3, 166-176।
- अग्रवाल, डी. और भारती, पीएस, 2021, मोबाइल रोबोट में पथ नियोजन और बाधा निवारण समस्या के लिए स्लाइम मोल्ड्स पर आधारित संशोधित झुंड इंटेलिजेंस एल्गोरिदम को लागू करना, एप्लाइड सॉफ्ट कंप्यूटिंग (एल्सेवियर), 107, 107372।
- सिराज, आई. और भारती, पीएस, 2022, एक्सट्रूजन आधारित एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजीज में एम्बेडिंग क्वालिटी, जर्नल ऑफ मैटेरियल्स इंजीनियरिंग एंड परफॉर्मेंस (स्प्रिंगर), 31, 5100-5117।

प्रो. मनोज कुमार

- सिंह, वी., कुमार, एम. और आर्य, एसके, 2022, 3.1 -10.6 गीगाहर्ट्ज यूडब्ल्यूबी कम शोर एम्पलीफायर के लिए कैस्कोड सेल्फ बायस कॉमन सोर्स दृष्टिकोण के साथ एक कॉमन-गेट कैस्केड, सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 14, 2389-2398 2022.00000।
- कुमार, एम. और द्विवेदी, डी., 2021, आई-एमओएस वैक्टर टयूनिंग के साथ डुअल-डिले-पाथ लो-पावर वीसीआरओ का डिजाइन, आईईटीई जर्नल ऑफ रिसर्च, टेलर और फांसिस, 1-10 जून 2021।

- खटक, ए., कुमार, एम. और ढुल, एस., 2021, ए 1.67 पीजे/रूपांतरण-चरण 8-बिट एसएआर-फ्लैश एडीसी आर्किटेक्चर इन 90-एनएम सीएमओएस टेक्नोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन, 67, 3, 437-354, 2021।
- कुमार, एम., 2022, आईएमओएस वैक्टर टयूनिंग कॉन्सेप्ट के साथ एक कम पावर डिजिटली नियंत्रित रिंग ऑसिलेटर डिजाइन, जर्नल ऑफ द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया): सीरीज बी, स्प्रिंगर, 103, 1-11, 1, 2022।
- कुमार, एन. और कुमार, एम., 2021, वायरलेस अनुप्रयोगों के लिए 0.13 माइक्रोन प्रौद्योगिकी में दोहरी विलंब चरणों का उपयोग करके लो पावर सीएमओएस डिफरेंशियल रिंग वीसीओ डिजाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल, एल्सेवियर, 111, मई 2021।

प्रो अंजू साहा

- जैन, एस., और साहा, ए., 2021, कोड गंध का पता लगाने के लिए हाइब्रिड फीचर चयन और एन्सेम्बल मशीन लर्निंग तकनीकों के साथ प्रदर्शन में सुधार, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग का विज्ञान, 212, आईएसएसएन 0167-6423।
- सिंह, डी., गोसाईं, ए., और साहा, ए., 2021, क्लास असंतुलित डेटासेट के लिए डब्ल्यूसीएम आधारित हाइब्रिड प्री-प्रोसेसिंग एल्गोरिदम, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट एंड ऋजी सिस्टम्स, 41, 3339-3354, आईएसएसएन 18758967।

प्रो. वीपी विश्वकर्मा

- चंद, एस. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, सूक्ष्म छवि डेटा का उपयोग करके तीव्र ल्यूकेमिया के वर्गीकरण के लिए द्विघात विभेदक विश्लेषण एल्गोरिदम का अनुप्रयोग, गणितीय विज्ञान में प्रगति और अनुप्रयोग, 21, 5, 2737-2750।
- आहूजा, बी. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, पैटर्न वर्गीकरण के लिए नियतात्मक मल्टी-कर्नेल आधारित चरम शिक्षण मशीन, अनुप्रयोगों के साथ विशेषज्ञ प्रणाली, 183, 115308, 1-12।
- आहूजा, बी. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, पैटर्न वर्गीकरण के लिए फजी फीचर एक्सट्रैक्शन के साथ नियतात्मक मल्टीकर्नेल एक्सट्रीम लर्निंग मशीन, मल्टीमीडिया टूल्स और एप्लिकेशन, 80, 21, 32423-32447।
- दलाल, एस. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, चेहरे की पहचान के लिए ईएलएम में वजन का अनुकूलन, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 42, 6, 1337-1352।
- दलाल, एस. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, मल्टी-क्यूमुलेंट आधारित विकासवादी हाइब्रिड क्लासिफायर का उपयोग करके ईसीजी संकेतों का वर्गीकरण, वैज्ञानिक रिपोर्ट, 11, 1, 1-25।
- आहूजा, बी. और विश्वकर्मा, वीपी, 2021, आनुवंशिक एल्गोरिथ्म का उपयोग करके चेहरे की पहचान में केईएलएम के नियमितीकरण गुणांक और कर्नेल मापदंडों का अनुकूलन, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी, 24, 3, 843-858।

प्रो. अनुराग जैन

- कौशिक, आई., प्रकाश, एन. और जैन, ए., 2021, सटीक खेती में ब्लॉकचेन और आईओटी का एकीकरण: अन्वेषण, दायरा और सुरक्षा चुनौतियां, आईईईई 12वां वार्षिक सर्वव्यापी कंप्यूटिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और मोबाइल संचार सम्मेलन (यूईएमसीओएन, डीओआई: 10.1109)/यूईएमसीओएन 53757.2021.9666554।
- भट्ट, एस., देव, ए. और जैन, ए., 2022, हिंदी ध्वनि पहचान - एक समीक्षा।, कंप्यूटर और सूचना विज्ञान में संचार, 1546. स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/978-3-03095711-7_4.
- सिंह, ए., जैन, ए., और बायबल, एसई, 2022, फायरफ्लाई ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिथम और सपोर्ट वेक्टर मशीन पर आधारित वित्तीय धोखाधड़ी का पता लगाने का दृष्टिकोण, एप्लाइड कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और सो कंप्यूटिंग, 2022, https://doi.org/10.1155/2022/1468015.
- सिंह, ए. और जैन, ए., 2021, सहसंबंध आधारित फीचर चयन के साथ धोखाधड़ी का पता लगाने के लिए हाइब्रिड जैव-प्रेरित मॉडल, जर्नल ऑफ डिस्क्रीट गणितीय विज्ञान और क्रिप्टोग्राफी, डीओआई: 10.1080/09720529.2021.1932929।

प्रो. संजय कुमार मलिक

- मल्होत्रा, पी. और मलिक, एसके, 2022, सुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग टेक्निक्स का उपयोग करके फेक न्यूज डिटेक्शन, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 43, 1, 7-15, ऑनलाइन आईएसएसएन: 2169-0103।

- गुप्ता, आर. और मलिक, एसके, 2022, आरडीएफ डेटासेट पर आरडीएफएलआईबी और एसपीएआरक्यूएल का उपयोग करते हुए एक वर्गीकरण, सूचना और अनुकूलन विज्ञान जर्नल, 43, 1, 143-154, ऑनलाइन आईएसएसएन: 2169-0103।
- मल्होत्रा, पी. और मलिक, एसके, 2022, ए-स्क्वायर सीएनएन एल्गोरिथम का उपयोग कर एक कुशल फर्जी समाचार पहचान प्रणाली, वायरलेस पर्सनल कम्युनिकेशंस, 125, 2075-2100।
- राठी, पी. और मलिक, एसके, 2021, एंट कॉलोनी ऑप्टिमाइजेशन एल्गोरिदम पर आधारित ओन्टोलॉजी अवधारणा सिमेंटिक समानता मिलान, जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ऑप्टिमाइजेशन साइंसेज, 42, 8, 1987-2000, ऑनलाइन आईएसएसएन: 2169-0103।

डॉ. वंदना नाथ

- शर्मा, एस., गोयल, ए., रेवारी, एस., नाथ, वी. और गुप्ता, आरएस, 2022, डाइइलेक्ट्रिक इंजीनियर्ड हाई-के शोट्की नैनोवायर एफईटी के उन्नत एनालॉग प्रदर्शन और उच्च आवृत्ति अनुप्रयोग, सिलिकॉन, doi.org /10.1007ध्एस12633-022-01663-1 आईएसएसएन: 1876-9918।

डॉ. रिंकज गोयल

- कुमार, आर. और गोयल, आर., 2022, प्रदर्शन आधारित जोखिम संचालित ट्रस्ट (पीआरट्रस्ट): पीयर-टू-पीयर फेडरेटेड क्लाउड में सुरक्षित सेवा साझाकरण के मॉडलिंग पर, कंप्यूटर कम्युनिकेशंस, एल्सेवियर, 183, 136-160, आईएसएसएन नंबर 0140-3664.
- मल्होत्रा, डी. और गोयल, आर., 2021, सिंगल लेयर और मल्टीप्लेक्स नेटवर्क में सुपरवाइज्ड-लर्निंग लिंक भविष्यवाणी, एप्लीकेशन के साथ मशीन लर्निंग, एल्सेवियर, 6, 100086, आईएसएसएन नंबर 2666-8270।
- अग्रवाल, आर. और गोयल, आर., 2021, Word2vec. का उपयोग करके बग गंभीरता भविष्यवाणी मॉडल विकसित करना, इंजीनियरिंग में संज्ञानात्मक कंप्यूटिंग के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, एल्सेवियर, 2, 104-115, आईएसएसएन: 2666-3074।
- वर्मा, पी. और गोयल, आर., 2021, जटिल नेटवर्क में प्रभाव प्रसार आधारित समुदाय का पता लगाना।, अनुप्रयोगों के साथ मशीन लर्निंग, एल्सेवियर, 3, 100019, आईएसएसएन नंबर 2666-8270।

डॉ. आशीष पायल

- जैन, एन., पायल, ए. और जैन, ए., 2021, आईपीवी 4 और आईपीवी 6 एड्रेसिंग नेटवर्क पर रूटिंग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन विश्लेषण, जर्नल ऑफ वेब इंजीनियरिंग, 20, 5 https://doi.org/10.13052/jwe1540-9589.2055.
- सिंघल, एम., पायल, ए. और कुमार, ए., 2021, एक विशिष्ट फसल के भीतर विविधता को संभालने के लिए संशोधित संभावनावादी सी-मीन्स क्लासिफायरियर में प्रशिक्षण डेटा के व्यक्तिगत नमूने का महत्व, एप्लाइड रिमोट सेंसिंग के जे., https://doi.org/10.1117/1.JRS.15.034507।
- जैन, एन., पायल, ए. और जैन, ए., 2021, विभिन्न रूटिंग प्रोटोकॉल के साथ 6to4 टनलिंग नेटवर्क पर लिंक किलताओं और पुनर्प्राप्ति का विश्लेषण, जर्नल ऑफ इंटेलिजेंट मैन्युफैक्चरिंग, https://doi.org/10.1007/s10845-021-01835-7.
- जैन, एन. और पायल, ए., 2021, विभिन्न रूटिंग प्रोटोकॉल का उपयोग करके विभिन्न टनलिंग तकनीकों के बीच प्रदर्शन तुलना, वायरलेस व्यक्तिगत संचार, 123, 1395-1441, https://doi.org/10.1007/s11277-021-09186-5.
- जैन, एन., पायल, ए. और जैन, ए., 2021, हाइब्रिड नेटवर्क में आरआईपी और ओएसपीएफ रूटिंग प्रोटोकॉल के प्रदर्शन पर डेटा पैकेट आकार का प्रभाव, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ परवेसिव कंप्यूटिंग एंड कम्युनिकेशंस, 17, 4, आईएसएसएन: 1742 -7371.
- सिंघल, एम., पायल, ए. और कुमार, ए., 2021, जले हुए धान के खेतों की मैपिंग के लिए अस्थायी डेटा प्रोसेसिंग में संज्ञानात्मक विज्ञान का उपयोग करके प्रशिक्षण डेटा का निर्माण, रिमोट सेंसिंग अनुप्रयोग: समाज और पर्यावरण, 22, https://doi.org/10.1016/j.rsase.2021.100516।
- महापात्र, सी., पायल, ए. और चोपड़ा, एम. 2022, क्लाउड इन्फ्रास्ट्रक्चर का उपयोग करके आईओटी के साथ डब्लूएसएन को एकीकृत करने की व्यवहार्यता को समझना, 3 सी टीआईसी: क्यूएडर्नोस डी डेसारोलो एप्लिकाडोस ए लास टीआईसी, 11, 1, 269-289, https: //doi.org/10.17993/3ctic.2022.111.269-289।

डॉ. ज्योत्सना

- यादव, जे. और भारद्वाज, आर. 2022, हाइब्रिड एन्सेम्बल मशीन लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके कोविड-19 रोग पहचान, सॉफ्ट कंप्यूटिंग पर आईसीटीएसीटी जर्नल (आईजेएससी), 12, 2, 2559-2566, आईएसएसएन: 2229, 6956 (ऑनलाइन।

डॉ. अनुराधा चुग

- कुमार, आर., चुग, ए., सिंह, एपी और सिंह, डी., 2022, ष्प्लांट लीफ डिजीज क्लासिफिकेशन के लिए मशीन लर्निंग और डीप लर्निंग आधारित दृष्टिकोण का एक व्यवस्थित विश्लेषण: एक समीक्षा," जे. सेंसर्स, 3287561, 2022, डीओआई: 10.1155/2022/3287561।
- सरीन, एन., चुग, ए. और सिंह, एपी, 2022, "हाइब्रिड डीप लर्निंग अप्रोच का उपयोग करके छवि-आधारित पौधों की बीमारी का पता लगाने के लिए एक नया ढांचा," सॉफ्ट कंप्यूट, 2022, डीओआई: 10.1007/एस00500-022-07177-7.
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, और सिंह, डी., 2022, "प्लांट डिजीज प्रेडिक्शन के लिए प्रैक्शनल मेगा ट्रेंड डिफ्यूजन फंक्शन-आधारित फीचर एक्सट्रैक्शन, "इंट। जे. मच. सीखना। साइबरन, 2022, डीओआई: 10.1007/एस13042-022-01562-2।
- वर्मा, एस., चुग, ए., सिंह, आरपी, सिंह, एपी, और सिंह, डी., 2022, एसई-कैप्स नेट: स्क्वीज एंड एक्सिटेशन (एसई) नेटवर्क के माध्यम से फीचर निष्कर्षण के आधार पर पौधों की बीमारी की गंभीरता का स्वचालित मूल्यांकन और कैप्सूल नेटवर्क, कुवैत जे. विज्ञान, 49, 1, 1-31, 2022, डीओआई: 10.48129/केजेएस.वी49ई1.10586.
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, और सिंह, डी., 2022, "आनुवंशिक एल्गोरिदम का उपयोग करके शोर में कमी आधारित इष्टतम क्लासिफायर के लिए एक संकर दृष्टिकोण: पौधों की बीमारी की भविष्यवाणी में एक केस अध्ययन, इंटेल। डेटा एनल, 26, 1023-1049, 2022, डीओआई: 10.3233/आईडीए-216011।
- गुप्ता, एस. और चुग, ए., 2022, सॉटवेयर रखरखाव भविष्यवाणी में सुधार के लिए एक फीचर चयन रणनीति, "इंटेल। डेटा एनल., 26, 311-344, 2022, डीओआई: 10.3233/आईडीए-215825।
- गुप्ता, एस. और चुग, ए., 2021, ह्सॉटवेयर रखरखाव भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग आधारित बूस्टिंग एल्गोरिदम का एक व्यापक विश्लेषण, इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इंटरनेशनल जर्नल, 7(2), 89-109। 2021. डीओआई: 10.9781/इजिमाई। 2021.10.002।
- मल्होत्रा, डी. और चुग, ए., 2021, "एट्रिब्यूटेड नेटवर्क में समुदाय का पता लगाने के लिए एक संशोधित लेबल प्रसार एल्गोरिदम," इंट। जे. इंफ. मैनेज. डेटा इनसाइट्स, 1, 2, 100030, 2021, डीओआई: 10.1016/जे.जेजेआईएमईआई.2021. 100030।
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, सिंह, आरपी, और सिंह, डी., 2021, टमाटर पाउडर फफूंदी रोग के लिए एक मशीन लर्निंग आधारित स्प्रे भविष्यवाणी मॉडल, इंडियन फाइटोपैथोल, 75, 1, 225-230, 2022, डीओआई: 10.1007/एस42360-021-00430-3।
- चुग, ए. और तारवानी, एस., 2021, "रखरखाव को अधिकतम करने के लिए अनुमानी खोज एल्गोरिदम का उपयोग करके इष्टतम रिफैक्टरिंग निर्भरता की पहचान करना," इंट। जे. सॉफ्टव. इंजी. ज्ञान. इंजी, 31, 06, 803-835, 2021, डीओआई: 10.1142/एस0218194021500248।
- अहलावत, के., चुग, ए., और सिंह, एपी, 2021, बिग डेटा में क्लास असंतुलन समस्या को हल करने के लिए एक उपन्यास हाइब्रिड सैंपलिंग एल्गोरिदम," डेटा विज्ञान और अनुकूली विश्लेषण में प्रगति, 13(02), 118-128। 2022. डीओआई: 10. 1142/ एस2424922एक्स21500054।

डॉ. राहुल जौहरी

- दहिया, एस., सलूजा, ए., सिंघल, पी., और जौहरी, आर., 2022, व्हाट्सएप उपयोगकर्ताओं के ऑनलाइन सामाजिक व्यवहार का विश्लेषण, वेबोलॉजी, 19, 1 (2022): 229-249।
- जौहरी, आर., कुमार, वी., विद्यार्थी, डीपी, 2022, ब्लॉसम: मेडिकल रिकॉर्ड की सुरक्षा के लिए ब्लॉकचेन तकनीक, एल्सेवियर जर्नल आईसीटी एक्सप्रेस, 8, 1 (2022): 56-60।
- जौहरी, आर., कालरा, एस., दहिया, एस., और गुप्ता, के., 2021, एस2नाउ: व्हाट्सएप का उपयोग करके सुरक्षित सोशल नेटवर्क ऑनटोलॉजी, सुरक्षा और संचार नेटवर्क, 2021 द्य आलेख आईडी 7940103.

डॉ. मानसी झांब

- प्रिटी और झांब, एम., 2021। उन्नत बैंडविड्थ के साथ अल्ट्रा लो पावर करंट मिरर डिजाइन, माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स जर्नल, 113, 105063, https://doi.org/10.1016/j.mejo.2021.105063।

सुश्री असना फुरकान

- प्रभाकर, एच., और फुरकान, ए., 2022, कपकार्बन (वी 5.0) सिम्युलेटर का उपयोग करके स्मार्ट शहरों में वायरलेस सेंसर नोड्स की ऊर्जा खपत प्रोफाइल, इंट। जे. संचार नेटवर्क और वितरित सिस्टम, 28, 6,1754-3924।

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात प्रो नवीन राजपाल

- कीर्ति, राजपाल, एन., यादव, जे., 2022, पौधों की बीमारी की पहचान के लिए एक उपन्यास डीडब्ल्यूटी और डीप लर्निंग आधारित फीचर एक्सट्रैक्शन तकनीक, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_29.
- जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे., 2022, मल्टीपल स्केलेरोसिस आइडेंटिफिकेशन के लिए सुपरवाइज्ड और अनसुपरवाइज्ड मशीन लर्निंग तकनीक: एक प्रदर्शन तुलनात्मक विश्लेषण, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_30.
- जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे., 2021, एन्सेम्बल मशीन लर्निंग तकनीक पर आधारित मल्टीपल स्केलेरोसिस पहचान, कम्प्यूटेशनल विजन और बायो-इंजीनियरिंग में आईओटी, सोशल, मोबाइल, एनालिटिक्स और क्लाउड पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईएसएमएसी-सीवीबी 2020), डीओआई: http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3734806।

प्रो. प्रवीण चंद्रा

- मिश्रा, ए., चंद्रा, पी. और घोष, यू., 2021, फंक्शन एप्रोक्सिमेशन टास्क पर मान्य एक नया सक्रियण फंक्शन, कंप्यूटिंग सूचना विज्ञान और नेटवर्क पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, https://doi-org/10.1007/978-981-15-9712-1_26.
- सूद, ए., चंद्रा, पी. और घोष, यू., 2021, फंक्शन अनुमान कार्यों के लिए सक्रियण कार्यों का एक अनुभवजन्य अध्ययन, कंप्यूटिंग सूचना विज्ञान और नेटवर्क पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, डीओआई: 10.1007/978-981-15-9712-1;24.

प्रो. अंजना गोसाईं

- सिंह, डी., साहा, ए. और गोसाईं, ए., 2021, अंडर-सैंपलिंग तकनीकों का उपयोग करके डेटा कॉम्प्लेक्सिटी मेट्रिक के संबंध में क्लासिफायर प्रभावकारिता की भविष्यवाणी, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 85-92।
- शर्मा, एस., गोसाईं, ए. और जैन, एस., 2021, क्लास असंतुलन समस्या में ओवर सैंपलिंग तकनीकों की समीक्षा, इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 459-472।
- गोसाईं, ए. और दहिया, एस., 2021, फजी क्लस्टरिंग में घनत्व-आधारित और दूरी-आधारित बाहरी पहचान विधियों की तुलना, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 769-778।

प्रो सी.एस राय

- जैन, एम. और राय, सीएस, 2022। फोटोग्राफिक साक्ष्य का उपयोग करके मौखिक अल्सर का प्रारंभिक पता लगाना: कन्वोल्यूशन न्यूरल नेटवर्क के संयोजन का उपयोग करके एक नया दृष्टिकोण, 2022 कंप्यूटिंग, संचार और एप्लाइड इंफॉर्मेटिक्स (एसीसीएआई) में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, https:// ieeexplore.ieee.org/abstract/document/9752570.

प्रो. भारती सूरी

- गुलाटी, जे., सूरी, बी., कैप्रेट्ज, एलएफ, वाधवा, बी. और लाथेर, एएस, 2022. साइकोमेट्रिक परीक्षण का उपयोग करके सॉटवेयर डेवलपर्स के लिए व्यवहारिक मूल्यांकन मानदंड विकसित करना, एसीएम कार्यवाही कंप्यूटर विज्ञान और सॉटवेयर इंजीनियरिंग पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, सीएसएसई, 67-70.

प्रो अमित प्रकाश सिंह

- कुमार, आर., सिंह, डी., चुग, ए., सिंह, एपी, 2022. इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग और नियंत्रण प्रणालियों पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में स्थिरता विश्लेषण के साथ पादप रोग वर्गीकरण के लिए गहन शिक्षण आधारित रेसनेट-50 का मूल्यांकन (आईसीआईसीसीएस), https://ieeexplore.ieee.org/abstract/document/9788207.
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, सिंह, आरपी, और सिंह, डी. 2021. टमाटर के पौधों में पाउडरी मिल्डयू रोग की भविष्यवाणी के लिए एक पूर्वानुमान तकनीक"। कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही में, 1, 509-520। डीओआई: 10.1007/978-981-16-33461;41।
- साहू, पी., चुग, ए., सिंह, एपी, सिंह, डी., और सिंह, आरपी, 2022. डीप लर्निंग मॉडल्स का उपयोग करके केले के रोगों का वर्गीकरण और सक्रियण मानचित्र विजुअलाइजेशन, "इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 1.751-767. डीओआई: 10.1007/978981-16-3071-2;61।
- ठाकुर, पी., चुग, ए., सिंह, एपी, 2021. "विभिन्न मॉडलों पर ट्रांसफर लर्निंग का उपयोग करके बेल पेपर प्लांट के पौधे रोग का पता लगाना, 2021 सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपीआईएन) पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2021, 1. 384 -389. डीओआई:10.1109/एसपीआईएन 52536.2021.9565945।
- वार्ष्णेय, टी., चुग, ए., सिंह, एपी, 2021. "टमाटर पाउडरी मिल्डयू रोग की भविष्यवाणी के लिए गहन शिक्षण मॉडल, 2021 में सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपीआईएन) पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 1. 1036-1041। डीओआई: 10.1109/एसपीआईएन52536.2021.9566132।
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, और सिंह, डी., 2021. समकालीन कंप्यूटिंग पर 2021 के तेरहवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "असंतुलित डेटासेट पर पुन: नमूनाकरण तकनीकों के प्रभाव की जांच करें: पौधों की बीमारी की भविष्यवाणी में एक केस स्टडी" (आईसी3-2021, 278-285। डीओआई: 10.1145/3474124.3474164)।
- कृष्णम, आर. और सिंह, एपी, 2022, तथ्यों के उपयोग और अनुकूलन के विभिन्न दृष्टिकोण: एक समीक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा और इसके नियंत्रण (पीएआरसी) में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और आईओटी अनुप्रयोगों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। 1-6, डीओआई: 10.1109/पीएआरसी 52418.2022.9726689।
- पायल, आर., सिंह, एपी, 2021, एफपीजीए प्रौद्योगिकी में केएनएन एल्गोरिदम का संश्लेषण, आईसीएमईईटी, 1-8 डीओआई- https://doi.org/10.1007/978-981-16-8550-7_1.
- पायल, आर., सिंह, एपी, 2021, विभिन्न हार्डवेयर और क्लाउड आधारित इंटरनेट ऑफ थिंग्स प्लेटफॉर्म पर एक अध्ययन, आईसीसीसीईबीएस 2021, https://iopscience.iop.org/article/10.1088/1742- 6596/1916/1/012295.

प्रो. मनोज कुमार

- जांगड़ा, वी. और कुमार, एम., 2021। डायनामिक थ्रेशोल्ड एमओएस के साथ लो पावर एक्सएनओआर आधारित सिंगल एंडेड वीसीओ सर्किट डिजाइन, 2021 में समकालीन कंप्यूटिंग पर तेरहवां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसी3-2021) (आईसी3 '21), 5 - 7 अगस्त, 2021, नोएडा, भारत। एसीएम, न्यूयॉर्क, एनवाई, यूएसए), https://doi.org/10.1145/3474124.3474141।
- जांगड़ा, वी. और कुमार, एम., 2021। रेडियो फ्रीक्वेंसी पहचान (आरएफआईडी) के लिए क्रॉस-युग्मित ट्रांजिस्टर का उपयोग करके 0.28 गीगाहर्ट्ज से 3.84 गीगाहर्ट्ज कम पावर अंतर रिंग ऑसिलेटर डिजाइन, "2021 विश्वसनीयता, इन्फोकॉम टेक्नोलॉजीज और अनुकूलन पर 9वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (रुझान और भविष्य की दिशाएँ) (आईसीआरआईटीओ), 2021, 1-5, डीओआई: 10.1109/आईसीआरआईटीओ 51393.2021.9596225।
- द्विवेदी, डी. और कुमार, एम., 2022. प्रतिरोधक-कैपेसिटिव टयूनिंग विधि के साथ एक बेहतर सीएमओएस रिंग वीसीओ डिजाइन", संचार, कंप्यूटिंग और डेटा विज्ञान के प्रतिमानों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (पीसीसीडीएस 2021)। एनआईटी कुरूक्षेत्र, भारत, 39-48। https://doi.org/10.1007/978-981-16-5747-4_4.

प्रो अंजू साहा

- प्रियंका, बी, गोसाईं, ए. और साहा, ए., 2021. पिछले दशक में डेटा वेयरहाउसिंग और डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू के एकीकरण की समीक्षा, कंप्यूटिंग, संचार और साइबर सुरक्षा पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही, स्प्रिंगर, 743-754, 978-981-19-1141-5.

- सिंह, डी., गोसाईं, ए. और साहा, ए., 2021। अंडर-सैंपलिंग तकनीकों का उपयोग करके डेटा जटिलता मीट्रिक के संबंध में क्लासिफायर प्रभावकारिता की भविष्यवाणी, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 85-92, https://doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_7.
- जैन, एस. और साहा, ए., 2021. कोड गंध का पता लगाने के लिए समर्थन वेक्टर मशीन को आनुवंशिक रूप से अनुकूलित करके प्रदर्शन में सुधार, स्मार्ट डेटा इंटेलिजेंस पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीएसएमडीआई 2021), http://dx.doi.org/10.2139/ssrn.3852580.

डॉ. वंदना नाथ

- शर्मा, एस., गोयल, ए., रेवारी, एस., नाथ, वी., गुप्ता, आरएस, 2021. उच्च आवृत्ति कार्यान्वयन के लिए गैलियम नाइट्राइड बेलनाकार शोट्की बैरियर एमओएसएफईटी (जीएएन- सीएसबी-एमओएसएफईटी), आईसीआईईआरए 2021 - पहला अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान और अनुप्रयोगों पर सम्मेलन, कार्यवाही.1-6, आईएसबीएन: 978-1-6654-3542-0।

डॉ. आशीष पायल

- सिंह, ए. और पायल, ए., 2021. मल्टी-रोटर ड्रोन (यूएवी) के लिए कूलम्ब के व्युत्क्रम-वर्ग नियम पर आधारित कम लागत वाली टकराव बचाव प्रणाली का विकास, 2021 कम्प्यूटेशनल प्रदर्शन मूल्यांकन (कॉमपीई) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 306-316, डीओआई: 10.1109/कॉम पीई 53109.2021.9752133।

डॉ. ज्योत्सना

- कीर्ति, राजपाल, एन. और यादव, जे., 2021। अंगूर के पौधे में काले खसरे की बीमारी की पहचान (विटिस विनीफेरा) डीप लर्निंग का उपयोग करते हुए, 2021 कंप्यूटिंग, संचार और इंटेलिजेंट सिस्टम पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीसीसीआईएस), 97-101, https://doi.org/10.1109/आईसीसीसीआईएस 51004.2021.9397205।
- कीर्ति, राजपाल, एन. और यादव, जे., 2022. पौधों की बीमारी की पहचान के लिए एक उपन्यास डीडब्ल्यूटी और डीप लर्निंग आधारित फीचर एक्सट्रैक्शन तकनीक, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 97-101, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-98116-3346-1_29.
- जैन, टी. और यादव, जे., 2022। फिशर सबस्पेस में चेहरे की पहचान के लिए एक उन्नत समर्थन वेक्टर मशीन, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 393-407, डीओआई: 10.1007/978-981-16-3346-1;3 .
- जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे., 2022. मल्टीपल स्केलेरोसिस पहचान के लिए पर्यवेक्षित और अनपर्यवेक्षित मशीन लर्निंग तकनीक: एक प्रदर्शन तुलनात्मक विश्लेषण, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 369-381, डीओआई: https: //doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_30.
- अली, एन. और यादव, जे., 2022. सीटी स्कैन छवियों का उपयोग करके फेफड़े के नोडयूल्स की कंप्यूटर-सहायता जांच और निदान: एक विश्लेषणात्मक समीक्षा, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 545-558, डीओआई: 10.1007/978-981 -16-3346- 1;44.
- चौधरी, जे. और यादव, जे., 2022. चेहरे की पहचान के लिए बड़े पैमाने पर डबल डेंसिटी डुअल ट्री कॉम्प्लेक्स वेवलेट ट्रांसफॉर्म आधारित मजबूत फीचर एक्सट्रैक्शन, कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 409-421, डीओआई: 10.1007/978-981- 163346- 1;33.

डॉ. अनुराधा चुग

- कुमार, आर., सिंह, डी., चुग, ए., सिंह, एपी, 2022. "इंटेलिजेंट कंप्यूटिंग और कंट्रोल सिस्टम पर छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में स्थिरता विश्लेषण के साथ पादप रोग वर्गीकरण के लिए गहन शिक्षण आधारित रेसनेट-50 का मूल्यांकन (आईसीआईसीआईसीएस), यूआरएल:https://ieeexplore.ieee.org/abstract/document/9788207।
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, ए.पी, सिंह, आरपी, और सिंह, डी., 2022. टमाटर के पौधों में पाउडर फफूंदी रोग की भविष्यवाणी के लिए एक पूर्वानुमान तकनीक", कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस पर दूसरे डॉक्टरेट संगोष्ठी की कार्यवाही, 1. 2022, 509-520. डीओआई: 10.1007/978-981-16-33461;41।

- साहू, पी., चुग, ए., सिंह, एपी, सिंह, डी., और सिंह, आरपी, 2022. डीप लर्निंग मॉडल्स का उपयोग करके केले के रोगों का वर्गीकरण और सक्रियण मानचित्र विजुअलाइजेशन, "इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, 2022, 1. 751-767. डीओआई: 10.1007/978-981-16-3071-2;61।
- ठाकुर, पी., चुग, ए. और सिंह, एपी, 2021। "ट्रांसफर लर्निंग 2021 का उपयोग करके बेल पेपर प्लांट के पौधे रोग का पता लगाना, सिग्नल प्रोसेसिंग और इंटीग्रेटेड नेटवर्क (एसपीआईएन) पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विभिन्न मॉडलों पर, 1. 384-389. डीओआई: 10.1109/ एसपीआईएन 52536.2021.9565945।
- वार्ष्णेय, टी., चुग, ए. और सिंह, एपी, 2021. "टमाटर पाउडरी मिल्डयू रोग की भविष्यवाणी के लिए गहन शिक्षण मॉडल, 2021 में सिग्नल प्रोसेसिंग और एकीकृत नेटवर्क (एसपीआईएन) पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2021, 1. 1036-1041 . डीओआई: 10.1109/एसपीआईएन 52536.2021.9566132।
- भाटिया, ए., चुग, ए., सिंह, एपी, और सिंह, डी., 2021. "असंतुलित डेटासेट पर पुन: नमूनाकरण तकनीकों के प्रभाव की जांच करें: पौधों की बीमारी की भविष्यवाणी में एक केस स्टडी,"
- लाकड़ा, के., के. और चुग, ए., 2021. "2021 में फीचर चयन तकनीकों का उपयोग करके सॉटवेयर रखरखाव भविष्यवाणी के लिए कुशल और इष्टतम मॉडल का विकास, सतत वैश्विक विकास के लिए कंप्यूटिंग पर 8वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (इंडियाकॉम), 798-803। डीओआई: 10.1109/इंडियाकॉम 51348.2021.00143।

सुश्री प्रियंका चौधरी

- चौधरी, पी., रुद्र, आर., सिपल, डी. और बौधा, एस., 2021. जीएसएम/वाईमैक्स/डब्ल्यूएलएएन अनुप्रयोगों के लिए ऑफसेट-फेड इनवर्टेड यू-शेप्ड हेक्साबैंड मोनोपोल एंटीना, एंटेना और प्रसार पर आईईईई भारतीय सम्मेलन (इनकैप 2021) डीओआई: 10.1109/इनकैप 52216.2021.9726305।

ग) पुस्तक अध्याय प्रो. सीएस राय

- जैन, एम. और राय, सीएस, 2021। ओट्सू फंक्शन और डीआरएलएस सेगमेंटेशन के साथ ब्रेन एमआरआई स्लाइस से कैंसरग्रस्त क्षेत्र का खनन, इंटेलिजेंट डेटा इंजीनियरिंग और एनालिटिक्स, स्प्रिंगर, सिंगापुर: 647-654।

प्रो. अरविंदर कौर

- कौर, ए. और कौर, एच., 2022. उम्र बढ़ने की भविष्यवाणी- विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सॉटवेयर कोड मेट्रिक्स, इंटेलिजेंट सिस्टम एल्गोरिदम और अनुप्रयोगों का उपयोग करते हुए संबंधित बग, ऐप्पल अकादमिक प्रेस [सह-पब: सीआरसी, टी एंड एफ ग्रुप, 171-182, आईएसबीएन: 9781003187059।

प्रो. प्रवीण चंद्रा

- मिश्रा, ए., चंद्रा, पी. और घोष, यू., 2021। बेंचमार्क कार्यों पर मान्य तंत्रिका नेटवर्क के लिए एक गैर-मोनोटोनिक सक्रियण फंक्शन, मशीन लर्निंग और संज्ञानात्मक विज्ञान में आधुनिक दृष्टिकोण: एक पूर्वाभ्यास। https://link.springer.com/chapter/10.1007/978-3-03068291-0_25।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

- साहू, पी., चुग, ए., सिंह, ए. पी., सिंह, डी., और सिंह, आरपी, 2021। "डीप लर्निंग का उपयोग करके पादप रोग का पता लगाने में चुनौतियाँ और मुद्दे," पैटर्न पहचान और सूचना सुरक्षा के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों पर शोध की पुस्तिका, 1. 56-74। डीओआई: 10.4018/978-17998-3299-7.ch004 आईएसबीएन 13:9781799833017।
- अहलावत, के., चुग, ए. और सिंह, एपी, 2021. "बड़े डेटा में वर्ग असंतुलन समस्या और इसके समाधान पर एक अंतर्दृष्टि, "बड़े पैमाने पर डेटा स्ट्रीमिंग, प्रसंस्करण और ब्लॉकचेन सुरक्षा, 2021, 1. 39- 49. डीओआई: 10.4018/978-1-7998-3444-. ch002 आईएसबीएन 13:9781799834465।
- वर्मा, एस., भाटिया, ए., चुग, ए., और सिंह, एपी, 2021। अनुप्रयोग, 1. 391-416. डीओआई: 10.1007/978-981-13-8759-3;15 आईएसबीएन: 978-981-13-8759-3।

प्रो पुष्पेंद्र सिंह भारती

- अग्रवाल, डी. और भारती, पीएस, 2022। मैटलैब में मोबाइल रोबोट की पथ योजना के लिए एसएफएलए और टीएलबीओ एल्गोरिदम का मूल्यांकन, मैकेनिकल और सामग्री प्रौद्योगिकी में प्रगति, स्प्रिंगर, https://doi.org/10.1007/978-981-16-2794-1_13.

- सिराज, आई. और भारती, पीएस, 2021। एफएफ प्रक्रिया के अनुकूली न्यूरो-फजी अनुमान प्रणाली मॉडल के अनुप्रयोग द्वारा प्रक्रिया मापदंडों का अनुकूलन, ऊर्जा प्रौद्योगिकी स्प्रिंगर में प्रगति, https://doi.org/10.1007/978-981-16-1476-7_24.
- सिराज, आई. और भारती, पीएस, 2021। "यूज्ड डिपोजिशन मॉडलिंग में गुणवत्ता हानि फंक्शन परिनियोजन, ऑपरेशनल मैनेजमेंट और डेटा एनालिटिक्स मॉडलिंग सीआरसी प्रेस, ईबुक आईएसबीएन 9781003181644, 25-37 ।

डॉ. आशीष पायल

- सिंघल, एम., पायल, ए. और कुमार, ए., 2021. सरसों की फसल के भीतर विविधता से निपटने के लिए संशोधित संभावनावादी सी-मीन्स क्लासिफायर में व्यक्तिगत नमूनों की भूमिका, समस्या समाधान के लिए सॉफ्ट कंप्यूटिंग 13-25, डीओआई: 10.1007/978- 981 -16-2712-5;2.

डॉ. ज्योत्सना

- कीर्ति, राजपाल, एन. और यादव, जे., ए नॉवेल डीडब्ल्यूटी एंड डीप लर्निंग बेस्ड फीचर एक्सट्रैक्शन टेक्नीक फॉर प्लांट डिजीज आइडेंटिफिकेशन, एडवांसेज इन इंटेलिजेंट सिस्टम्स एंड कंप्यूटिंग, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 355-367, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_29.
- जैन, टी. और यादव, जे., 2022। फिशर सबस्पेस में चेहरे की पहचान के लिए एक उन्नत सपोर्ट वेक्टर मशीन, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 393-407, डीओआई: 10.1007/978-981-16-3346 -1;3.
- जैन, एस., राजपाल, एन. और यादव, जे., 2022. मल्टीपल स्केलेरोसिस पहचान के लिए पर्यवेक्षित और अनपर्यवेक्षित मशीन लर्निंग तकनीक: एक प्रदर्शन तुलनात्मक विश्लेषण, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 369-381, डीओआई: https://doi.org/10.1007/978-981-16-3346-1_30.
- अली, एन. और यादव, जे., 2022. सीटी स्कैन छवियों का उपयोग करके फेफड़े के नोडयूल्स की कंप्यूटर-सहायता जांच और निदान: एक विश्लेषणात्मक समीक्षा, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 545-558, डीओआई: 10.1007/978 -981-16-3346-1;44.
- चौधरी, जे. और यादव, जे., 2022. चेहरे की पहचान के लिए बड़े पैमाने पर डबल डेंसिटी डुअल ट्री कॉम्प्लेक्स वेवलेट ट्रांसफॉर्म आधारित मजबूत फीचर एक्सट्रैक्शन, इंटेलिजेंट सिस्टम और कंप्यूटिंग में प्रगति, स्प्रिंगर, सिंगापुर, 409-421, डीओआई: 10.1007/978- 981-16-33461;33.

डॉ. अनुराधा चुग

- साहू, पी., चुग, ए., सिंह, एपी, सिंह, डी. और सिंह, आरपी, 2021. "डीप लर्निंग का उपयोग करके पादप रोग का पता लगाने में चुनौतियाँ और मुद्दे," पैटर्न पहचान और सूचना के लिए मशीन लर्निंग तकनीकों पर शोध की पुस्तिका सुरक्षा, 1.56-74. डीओआई: 10.4018/978-17998-3299-7.सीएच004 आईएसबीएन 13:9781799833017।
- अहलावत, के., चुग, ए. और सिंह, एपी, 2021। "बड़े डेटा में वर्ग असंतुलन समस्या और इसके समाधान पर एक अंतर्दृष्टि," बड़े पैमाने पर डेटा स्ट्रीमिंग, प्रसंस्करण और ब्लॉकचेन सुरक्षा, 2021, 1. 39- 49. डीओआई: 10.4018/978-1-7998-3444-1. सीएच002 आईएसबीएन 13: 9781799834465।
- वर्मा, एस., भाटिया, ए., चुग, ए., और सिंह, एपी, 2021, 1. 391-416. डीओआई: 10.1007/978-981-13- 8759-3;15 आईएसबीएन: 978-981-13-8759-3।
- लाकड़ा, के. और चुग, ए., "बेसलाइन मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के हाइपरपैरामीटर ट्यूनिंग का उपयोग करके सॉटवेयर रखरखाव की भविष्यवाणी में सुधार, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग, 1, 679-692। डीओआई: 10.1007/978-981-16-3067-5;51 आईएसबीएन: 978-981-163067-5।
- सेठी, ए. और चुग, ए., "इंजीनियरिंग और बिजनेस मैनेजमेंट में अंत:विषय अनुसंधान में प्रकृति प्रेरित एल्गोरिदम एडवांस का उपयोग करके स्तन कैंसर की भविष्यवाणी, 379-389। डीओआई: 10.1007/978-981-16-0037-1;30 आईएसबीएन: 978-981-16-0037-1।

डॉ. मानसी झांब

- प्रिटी, झांब, एम., 2021। इम्प्लांटेबल डिवाइस, माइक्रो और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, सर्किट और सिस्टम के लिए हाई-परफॉर्मेंस करंट मिरर-आधारित वोल्टेज-नियंत्रित ऑसिलेटर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में एमएनडीसीएस 2021 लेक्चर

नोट्स की कार्यवाही का चयन करें, 781, प्रिंट आईएसबीएन 978-981- 16- 3766-7, स्प्रिंगर सिंगापुर (339- 350) https://doi.org/10.1007/978-981-163767-4_32.

- शर्मा, यू. और झांब, एम., 2021. पहला ऑनलाइनरू 10 सितंबर, ए 0.7 वी 0.144 µW फ्रीक्वेंसी डिवाइडर डिजाइन सीएनटीएफटीई-आधारित मास्टर स्लेव डी- फ्लिप फ्लॉप, माइक्रो और नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस, सर्किट और सिस्टम के साथ एमएनडीसीएस 2021 की कार्यवाही का चयन करें इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में व्याख्यान नोट्स, 781, प्रिंट आईएसबीएन 978-981-16-3766-7, स्प्रिंगर सिंगापुर (387-395) https://doi.org/10.1007/978- 981-16-3767-4_37.

घ) कोई अन्य प्रकाशन

प्रो. भारती सूरी

- कुमार, के., सूरी, बी. और वाधवा, बी., 2022. "सॉटवेयर इंजीनियरिंग शिक्षा (एसईईडी 2022) पर पांचवीं कार्यशाला पर एक रिपोर्ट", सॉटवेयर इंजीनियरिंग सम्मेलन (1-2) में 15 वें नवाचार में।

डॉ. ज्योत्सना

- पेटेंट शीर्षक: "डबल डेंसिटी डिस्क्रीट वेवलेट ट्रांसफॉर्म आधारित रंगीन अंडरवाटर इमेज एन्हांसमेंट" 01 अक्टूबर 2021 को "पेटेंट, डिजाइन और ट्रेड मार्क महानियंत्रक कार्यालय, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली" में प्रकाशित हुआ।

3. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

प्रो. नवीन राजपाल

- इमेज प्रोसेसिंग और नेटवर्क सुरक्षा में गणित के अनुप्रयोग पर वेबिनार, 25-26 जून 2021, आईक्यूएसी, राजधानी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गणित विभाग।
- वस्तु पहचान में बुनियादी सिद्धांत और चुनौतियाँ, वस्तु पहचान में बुनियादी सिद्धांत और चुनौतियाँ, 29 नवंबर 2021, द्वारा आयोजित: यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड टेक्नोलॉजी (यूएसआईसी एंड टी), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, भारत।
- आगामी शाखा के रूप में एआई और रोबोटिक्स, एमएल और एआई में हालिया प्रगति, 16-22 दिसंबर 2021, भारतीय विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, नई दिल्ली-63।

प्रो. अरविंदर कौर

- सीडीएसी नोएडा द्वारा आयोजित इंटेलिजेंट सिस्टम (ईटीटीआईएस 2022) पर उभरते रुझानों और प्रौद्योगिकियों पर आमंत्रित वक्ता और सत्र अध्यक्ष अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 22 - 23 मार्च 2022, सीडीएसी नोएडा।

प्रो अमित प्रकाश सिंह

- पेटेंट के प्रति नवाचार और विचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 30 अक्टूबर 2021, आईजीडीटीयूडब्ल्यू, दिल्ली।

प्रो. मनोज कुमार

- "वीएलएसआई और संचार इंजीनियरिंग पर रुझान और मुद्दे" पर संकाय विकास कार्यक्रम में आमंत्रित वार्ता 28 अक्टूबर 2021, जीजेयूएसटी, हिसार, हरियाणा।
- इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, ईसीई विभाग, जीजेयूएसटी, हिसार द्वारा ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स, उपकरण और संचार में प्रगति पर आयोजित एक ऑनलाइन एआईसीटीई प्रायोजित एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में रिसोर्स पर्सन, 22 जनवरी 2022। अवधि: 17- 22 जनवरी 2022, जीजस्ट, हिसार, हरियाणा।

डॉ. वंदना नाथ

- आईईईई इलेक्ट्रॉन डिवाइस सोसाइटी (ईडीएस) दिल्ली चौप्टर, भारत द्वारा 23-30 दिसंबर 2022 को आयोजित "ट्रांजिस्टर के इतिहास और भविष्य पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी" की दस व्यावसायिक विकास घंटों की तकनीकी वार्ता में ऑनलाइन भाग लिया।

डॉ. रिंकज गोयल

- नेटवर्क्स एंड डायनामिकल सिस्टम्स, एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, आईआईटी मद्रास, 25-28 अगस्त 2021, ऑनलाइन में भाग लिया।
- भाषा विश्लेषण के लिए समर स्कूल मशीन लर्निंग, कोलोन विश्वविद्यालय, जर्मनी में 30 अगस्त से 03 सितंबर 2021 तक ऑनलाइन भाग लिया।
- स्वास्थ्य सूचना विज्ञान शिखर सम्मेलन, आईआईआईटी दिल्ली में भाग लिया, 16 - 19 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- मशीन लर्निंग में निष्पक्षता पर जीआईएएन पाठ्यक्रम में भाग लिया, आईआईटी पलक्कड़, 24 जनवरी - 4 फरवरी 2022, ऑनलाइन।
- एसटीसी मशीन लर्निंग और इसके अनुप्रयोगों, आईआईटी नागपुर, 07-12 मार्च 2022 में ऑनलाइन भाग लिया।

डॉ. ज्योत्सना

- साइबर सुरक्षा परियोजना टीम, एमईआईटीवाई, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा 23 अप्रैल 2021 को ऑनलाइन आयोजित साइबर सुरक्षा पर आईसीटी आधारित कार्यशाला में बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर आमंत्रित व्याख्यान।
- साइबर सुरक्षा परियोजना टीम, एमईआईटीवाई, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा आयोजित साइबर सुरक्षा पर आईसीटी आधारित कार्यशाला में बायोमेट्रिक्स सिस्टम पर आमंत्रित व्याख्यान, 19 मई 2021, ऑनलाइन।
- साइबर सुरक्षा परियोजना टीम, एमईआईटीवाई, एनआईटीटीटीआर चंडीगढ़ द्वारा 16 जून 21, ऑनलाइन आयोजित साइबर सुरक्षा पर आईसीटी आधारित कार्यशाला में साइबर सुरक्षा में बायोमेट्रिक्स की भूमिका पर आमंत्रित व्याख्यान।
- इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित पेटेंट के प्रति नवाचारों और विचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष, 30 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा सिग्नल, मशीन और ऑटोमेशन (सिग्मा) 2022 पर आयोजित दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सत्र अध्यक्ष, 5- 6 अगस्त 2022, ऑनलाइन।
- इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली, भारत द्वारा पेटेंट के प्रति नवाचारों और विचारों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सूचना प्रौद्योगिकी, अनुप्रयक्त विज्ञान, प्रबंधन और पेटेंट के लिए अंत:विषय अनुप्रयोगों में उभरते रुझान और नवाचार" पर आयोजक-विशेष सत्र, 30 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- सलाहकार समिति सदस्य- सिग्नल, मशीन और ऑटोमेशन पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (सिग्मा-2022) इंस्ट्रुमेंटेशन एंड कंट्रोल इंजीनियरिंग विभाग, नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, दिल्ली, भारत द्वारा आयोजित, 05-06 अगस्त 2022, ऑनलाइन।

डॉ. मड्डाली बाला कृष्ण

- समन्वयक के रूप में, "क्लाउड में आईओटी सेवाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: तकनीक और अनुप्रयोग, दिन, 26- 30 जून 2021, एआईसीटीई, नई दिल्ली" पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।
- तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करने वाले प्रतिभागी के रूप में, अवधि: 27 जून- 01 जुलाई 2022, प्रायोजक एजेंसी/संस्थान: एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश।

डॉ. अनुराधा चुग

- समन्वयक के रूप में, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जालंधर में 28 फरवरी - 04 मार्च 2022 को "क्लाउड में आईओटी सेवाओं के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता: तकनीक और अनुप्रयोग" विषय पर एक सप्ताह के ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम का आयोजन किया।
- तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करने में भागीदार के रूप में, 26-30 जुलाई 2021 एआईसीटीई, नई दिल्ली।
- एफडीपी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में "आई-पीढ़ी के शिक्षण और मूल्यांकन के लिए प्रौद्योगिकी" पर पांच दिवसीय ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम। व्याख्यान का शीर्षक: ई-सामग्री विकसित करने पर विभिन्न पहलुओं की खोज, अवधिरू 27 जून - 01 जुलाई 2022, प्रायोजक एजेंसी/संस्थान: एमिटी विश्वविद्यालय, नोएडा, उत्तर प्रदेश।

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स और इसके अनुप्रयोगों पर तीन दिवसीय संगोष्ठी में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान का शीर्षक: कृषि क्षेत्र में आईओटी की भूमिका, अवधि: 25 फरवरी 2022, प्रायोजक एजेंसी/संस्थान: मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, बेंगलुरु।
- पायथन में मशीन लर्निंग पर एक दिवसीय कार्यशाला में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान का शीर्षक: पायथन में मशीन लर्निंग (हैंड्स ऑन) अवधि: 25 फरवरी 2022, स्थान: दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय।
- कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस के सॉटवेयर इंजीनियरिंग प्रतिमानों पर ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान का शीर्षक: सॉटवेयर इंजीनियरिंग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अनुप्रयोग प्रायोजक एजेंसी/संस्थान: एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) अकादमी, अवधि: 25- 29 अक्टूबर 2021, स्थान: नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एनएसयूटी), नई दिल्ली।

डॉ. मानसी झांब

- तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को शामिल करने पर एआईसीटीई द्वारा 26-30 जुलाई 2021 को आयोजित एफडीपी में ऑनलाइन भाग लिया।
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर एफडीपी में भाग लिया: आर्किटेक्चर और सिस्टम लेवल डिजाइन, 27 सितंबर - 01 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- इमेज प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विजन में हालिया रुझानों और चुनौतियों पर एफडीपी में भाग लिया, 29 नवंबर - 03 दिसंबर 2021, ऑनलाइन।

सुश्री असना फुरकान

- एआईसीटीई द्वारा 6-30 जुलाई 2021 को आयोजित तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को शामिल करने में ऑनलाइन भाग लिया।
- एआईसीटीई ट्रेनिंग एंड लर्निंग द्वारा आयोजित इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी): आर्किटेक्चर एंड सिस्टम लेवल डिजाइन में 27 सितंबर - 01 अक्टूबर 2021 को ऑनलाइन भाग लिया।

4. स्कूलों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

संकाय का नाम	आयोजन/गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
डॉ. ज्योत्सना	इमेज प्रोसेसिंग और कंप्यूटर विजन में हालिया रुझानों और चुनौतियों पर ऑनलाइन एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) कार्यक्रम	पांच दिन (29 नवंबर 03 दिसंबर 2021)	200
डॉ. अनुराधा चुग	इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) पर ऑनलाइन एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण (एटीएएल) कार्यक्रम: वास्तुकला और सिस्टम स्तर डिजाइन (पाठ्यक्रम समन्वयक)	पांच दिन (27 सितम्बर -01 अक्टूबर 2021)	200
सुश्री असना फुरकान	एआईसीटीई द्वारा 26-30 जुलाई 2021 तक "तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों को विकसित करना" आयोजित किया गया	पांच दिन	-

5. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो.मनोज कुमार	यंग फैकल्टी रिसर्च फेलोशिप (वाईएफआरएफ)	डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार।	फरवरी 2019 से फरवरी 2024	4.8

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो. अमित प्रकाश सिंह	एआईसीटीई- आइडिया लैब	एआईसीटीई, भारत	अप्रैल 2022-मार्च 2024 (2 वर्ष)	110
2.	प्रो. अमित प्रकाश सिंह (पीआई) डॉ. अनुराधा चुग (सह-पीआई)	कृषि क्षेत्र में रोग जांच के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) का अनुप्रयोग	अंत:विषय साइबर भौतिक कार्यक्रम (आईसीपीएस), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत	2019-2022 (3 वर्ष)	60
3.	प्रो अमित प्रकाश सिंह	आईपीयू इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन गाइडेंशन	जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय	18-नवंबर, 22	40 लाख
4.	डॉ. अनुराधा चुग	ऑब्जेक्ट -ओरिएंटेड सॉटवेयर का उपयोग करके कोड गंध भविष्यवाणी के लिए मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का अनुप्रयोग	संकाय अनुसंधान अनुदान योजना (एफआरजीएस), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, सेक्टर- 16 सी, नई दिल्ली-110078, भारत	2021-2022 (1 वर्ष)	1.7 लाख

7. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1	ग्रेड अप	2	10
2	टीसीएस	9	3.53
3	डीएक्ससी टेक्नोलॉजीज	10	4
4	तविस्का (जेपी मॉर्गन)	6	14
5	जोश प्रौद्योगिकी समूह	2	18
		3	9.3
6	ट्रैवक्लान	5	8.88
7	थोरोगूड	1	10
8	नागरो	21	6
		7	8
9	इंटेलेक्ट पार्टनर्स	3	3.5
10	क्वेन्ट	2	9.6
		1	9.07
		2	11
		1	8.6
11	वन बीसीजी	7	6
12	न्यूजेन	3	4.25
13	हेक्साव्यू टेक्नोलॉजीज	4	9
		5	7

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
		1	5
		1	7
14	यामाहा मोटर्स	5	8.7
15	वीरसा टेक्नोलॉजीज	2	7.79
16	एडोब	1	15.3
		1	45
17	आईटीसी इन्फोटेक	3	4.25
18	ब्रावुरा	3	5.5
19	बैन एंड कंपनी	1	14
20	पब्लिसिस सैपिएंट	5	6.5
		11	6.5
21	कॉग्निजेंट	34	4
		10	6.75
		56	4.25
22	वेक्टोस्केलर प्रौद्योगिकी	4	6
23	क्रेडएबल	5	6.5
24	अमेजन	1	29.36
		1	31.31
		3	17.35
		1	31.5
		1	20
		5	44.14
		1	44.14
25	प्लैनेट स्पार्क	1	7.1
		3	7.1
26	ग्रेपसिटी	1	5
27	जारो एजुकेशन	2	8
28	सिमबायोटिक	2	4
29	सोप्रा बैंकिंग सॉटवेयर	1	8.5
30	प्रिस्टिन केयर	2	5.5
31	टाटा 1एमजी	5	18
32	आईबीएम	4	4.9
33	जेनॉन ए.आई	1	13.8

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
34	टोरकाई	1	8
35	कंट्री डिलाइट	2	6.5
36	निर्वाण सॉल्यूशंस	2	4.5
37	एचसीएल	1	3.65
		1	4.75
38	इंडिया शेल्टर फाइनेंस	2	9
		1	10
39	केल्टन	4	4
40	एफआईएस ग्लोबल	3	8.6
		2	10.45
41	अल्टरनेटिव पाथ	7	10
		1	7
		1	7.5
42	एयरटेल	8	4
43	रोरो	1	8
44	कारदेखो	7	7.5
		3	7.5
		1	7.5
45	सुगल और दमानी	1	6.5
46	लाइवलाइक	1	8
47	टू द न्यू	2	6
48	मोबीक्विक	9	14.5
49	आरएक्सलॉगिक्स	1	4.5
50	क्यूबस्टियन परामर्श	2	6.54
51	इंडस वैली पार्टनर्स	2	8
52	नवयुग इन्फोसोल्यूशन्स	1	6
53	जेनपैक्ट	1	5.8
54	जीआईएसटी मैनेजमेंट सॉल्यूशंस	4	6.1
55	रैपिडो	9	23
56	इंडियामार्ट	2	8.5
57	ओरेकल	3	11.2
		1	12.6
58	इंटररा सिस्टम्स	1	10

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
59	बायजूस	2	6
60	जेडएस एसोसिएट्स	2	13
61	मूडीज	2	6
62	यूबिक्विटी	1	4.5
63	कार्पल.एआई	1	7.5
64	सुपर सिक्स स्पोर्ट्स	1	11
65	सनटेक ग्लोबल	2	8
66	स्कुअड	1	8

8. अनुसंधान विद्वानों का विवरण:

(क) पुरस्कृत पी.एचडी अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 30

(ख) वर्तमान पी.एच.डी. पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 133

9. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण	पर्यवेक्षक का नाम
1	परशुराम	पीईटी (पीएचडी)	डॉ. चक्रेश कुमार
2	उषा रावत	पीईटी (पीएचडी)	प्रो सीएस राय
3	मानवेन्द्र सिंह	पीईटी (पीएचडी)	प्रो.मनोज कुमार
4	हिमाद्री सिंह	गेट क्वालिफाइड	प्रो सीएस राय
5	शरद गुप्ता	गेट क्वालिफाइड	डॉ. आरएल उज्जवल
6	ईशा	गेट क्वालिफाइड	प्रो. मनोज कुमार
7	विमल सिंह	गेट क्वालिफाइड	प्रो. अमित प्रकाश सिंह
8	जसमीत कौर	पीईटी (पीएचडी)	प्रो. अरविंदर कौर
9	अक्षय सिंह	गेट क्वालिफाइड	प्रो अंजना सिंह
10	ललित क्र. नारायण	गेट क्वालिफाइड	प्रो. वीपी विश्वकर्मा
11	पुनीत शर्मा	पीईटी (पीएचडी)	प्रो. एसके मलिक
12	सिल्की खरालिया	गेट क्वालिफाइड	प्रो अंजू साहा
13	वरुण गोयल	गेट क्वालिफाइड	प्रो. अरविंदर कौर
14	आयुषी गुप्ता	यूजीसी-नेट (जेआरएफ)	डॉ. अनुराधा चुग
16	कृष्ण कुमार	पीईटी (पीएचडी)	प्रो. मनोज कुमार
17	अनमोल शर्मा (एडीएफ)	गेट क्वालिफाइड	प्रो. पीएस भारती
18	अभय कुमार यादव (एडीएफ)	नेट क्वालिफाइड	प्रो. वीपी विश्वकर्मा
19	नेडा (एडीएफ)	गेट क्वालिफाइड	डॉ. वंदना नाथ
20	हीना कलीम (एडीएफ)	नेट क्वालिफाइड	प्रो. अमित प्रकाश सिंह

4.9 विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	बीए एल.एल.बी.	5 वर्ष	80
2.	बीबीए एल.एल.बी.	5 वर्ष	52
3.	एलएलएम (नियमित)	1 वर्ष	40
4.	एलएलएम (सप्ताहांत)	2 वर्ष	60

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल के संबंध में स्कूल में नए सेटअप के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	नव पुनर्निर्मित मूट कोर्ट रूम	कमरा नंबर 413

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

प्रो अमर पाल सिंह

- सिंह, ए.पी., 2021। भारत के संविधान के तहत संवैधानिक नैतिकता की रूपरेखा की खोज, कामकस-लॉ-जर्नल, आईएसएसएन: 2582-1156।
- सिंह, ए.पी, 2022. भारत में सांप्रदायिक राजनीति के सांप्रदायिक आधार, मंथन, आईएसएसएन: 2582-4481।
- सिंह, ए.पी, 2022. अमर पाल सिंह, मौलिक कर्तव्यों का मानचित्रण: भारतीय संदर्भ, कानून और कानूनी प्रणाली की वैदिक परंपरा, आईएसबीएन-978-81-951360-8-7।

प्रो कंवल डीपी सिंह

- सिंह, केडीपी, 2021. भारत में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का विश्लेषण: कानून और व्यवहार, प्रबंधन और सतत विकास का अध्ययन (उब्ल्यूआरईएमएसडी), 17, 6 2021. 723।
- सिंह, केडीपी, 2021. नागरिक उद्धयन में साइबर सुरक्षा: वर्तमान रुझान, देहरादून कानून समीक्षा, 13, 1 आईएसएसएन: 2231-1157।
- सिंह, केडीपी, 2022. शेर को उसकी मांद में छिपाना: कोविड-19 महामारी के दौरान शैक्षिक क्षेत्र में स्थिरता का मानचित्रण, अंतर्राष्ट्रीय। जे. मानवाधिकार और संवैधानिक अध्ययन, 9, 2 डीओआई: 10.1504/आईजेएचआरसीएस.2021.10040838।
- सिंह, केडीपी, 2022. भारत में डिजिटल कराधान- एक व्यापक विश्व मॉडल की आवश्यकता, सीपीजे लॉ जर्नल, XII, 1, सीपीएलजे आईएसएसएन 0976-3562।
- सिंह, केडीपी, 2021. सूचना और आयकर प्रशासन का अधिकार, शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, आईएसएसएन 2395-4337 आईजेटीएजी 29-46।
- सिंह, केडीपी, 2021. व्यवसाय में महिलाएं - कोविड के बाद समावेशिता को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता, डीओआई: 10.4324/9781003160786-आईएसबीएन 9780367750275,डीओआई: 10.4324/9781003160786-11 https://www.routledge.com/Women-and-Entrepreneurship-in-India-Governance-Sustainability-and-Policy/Kaur/p/book/9780367750275।

प्रो. क्वीनी प्रधान

- प्रधान, प्र., 2022. 'एक राष्ट्र के विचार पर बहस: भगत सिंह, गांधी और अंबेडकर' महात्मा गांधी पर पुनर्विचार, रावत प्रकाशन, आईएसबीएन 9788131611906।

प्रो. लिसा पी. लुकोज

- लुकोज, एल., पी., 2022. भारत में लैंगिक न्याय और महिला सशक्तिकरण, लैंगिक न्याय: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य, थॉमसन रॉयटर्स, आईएसबीएन: 9789391340292।
- लुकोज, एल., पी., 2022. तुलनात्मक संवैधानिक कानून शिक्षण - सुशासन, सार्वजनिक कानून और सुशासन की ओर, थॉमसन रॉयटर्स, आईएसबीएन: 9789391340216।
- लुकोज, एल., पी., 2021. कानूनी शिक्षा में शिक्षण: राष्ट्रों में सर्वोत्तम प्रथाएं, नैदानिक और सतत कानूनी शिक्षा- भारत के लिए एक रोडमैप, थॉमसन रॉयटर्स 107- 122।
- लुकोज, एल., पी., 2021. उपयोगिता पेटेंट - भारत में कानूनी संरक्षण की संभावना, लेक्सिसजेंटिया, 7 (2)।
- लुकोज, एल., पी., 2021. कोविड के दौरान मातृत्व सुरक्षा: अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ भारत के अनुपालन की जांच, आईएलआई कानून समीक्षा, 243-263, ई-आईएसएसएन: 0976-1489।
- लुकोज, एल., पी.,2021. बौद्धिक संपदा पर वार्षिक सर्वेक्षण, भारतीय कानून का वार्षिक सर्वेक्षण 2019 (एएसआईएल), एलवी, आईएसएसएन 0570- 2666।
- लुकोज, एल., पी.,2021. महामारी के दौरान सार्वजनिक हित की धारणा पर दोबारा गौर करना: एक पेटेंट परिप्रेक्ष्य, धर्म और कानून की समीक्षा, XXIX नंबर 2, 2020, आईएसएसएन: 0971-3212।

प्रो. अनुज कुमार वक्ष

- वक्षा, ए. के., 2021. निविदाओं में व्यापार रहस्य और सूचना के अधिकार को संतुलित करना: एक न्यायिक अध्ययन, रामानुजन इंटरनेशनल जर्नल ऑफ बिजनेस एंड रिसर्च, https://doi.org/10.51245/rijbr.v6i1.2021.340।
- वक्षा, ए. के., 2021. वैश्विक न्याय के लिए उपचारात्मक दृष्टिकोण। प्रिंसिपल फाउंडेशन फॉर ग्लोबल जस्टिस, इंस्टीट्यूट ऑफ ऑब्जेक्टिव स्टडीज।

डॉ. रविंदर कुमार

- कुमार, आर., 2021. मौलिक कर्तव्यों की मूल बातें, आत्म निर्भर भारत श्रेष्ठ भारत, पैरागॉन इंटरनेशनल प्रकाशक, आईएसबीएन 978-93-83154-90-6।
- कुमार, आर., 2021. भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) व्यय का महत्वपूर्ण विश्लेषण, सीपीजे ग्लोबल रिव्यू, XIII, नंबर 1, आईएसएसएन 0976-3562।
- कुमार, आर., 2021. मेरा भाषण, बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मेरा सही-विश्लेषण, सीपीजे लॉ जर्नल, XI, 75-84, आईएसएसएन 0976-3562।
- कुमार, आर., 2021. भारत में बाल श्रम: समस्याएं और परिप्रेक्ष्य, धर्म और कानून समीक्षा, आईएसएसएन 0971-3212।
- कुमार, आर., 2021. भारत और विश्व में खाद्य सुरक्षा, जिम्स जर्नल ऑफ लॉ, 5 अंक 1, एसएसएन 2581-6837।
- कुमार, आर., 2021. खोजी पत्रकारिता के उपाध्यक्ष: लोकतंत्र की जड़ों को खोखला करना, लेक्सिसजेंटिया, लॉयड लॉ कॉलेज का लॉ जर्नल, आईएसएसएन: 2454-1613।

डॉ. उपमा गौतम

- गौतम, यू., 2021. कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के बारे में ज्ञान, दृष्टिकोण और व्यवहार (केएपी): सतत कार्यस्थलों के लिए एक रोडमैप, सतत विकास के यूरोपीय जर्नल, विशेष अंक, 10, 4।
- गौतम, यू., 2022. पर्यावरण साक्षरता और पर्यावरण शिक्षा में आत्म-प्रभावकारिता का दृष्टिकोण, जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, 6,3, 4133-4137।
- गौतम, यू., 2022. महिला उद्यमियों को बढ़ावा देने में स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की भूमिका: महामारी युग की एक गाथा, जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, 6, 2, 936-947।
- गौतम, यू., 2020. दक्षिण एशियाई देशों में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के सामाजिक-कानूनी परिप्रेक्ष्य: भारत में अंतर्निहित कारणों का एक केस अध्ययन, लिंग न्याय: एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य थॉमसन रॉयटर्स, कानूनी, आईएसबीएन: 978-93-91340-29-2।

डॉ. नीलू मेहरा

- मेहरा, एन., 2022. कोविड-19 के दौरान अप्रत्याशित घटना पर कानून: लीज डीड के विशेष संदर्भ में, यूपीईएस कानून समीक्षा का छठा संस्करण।
- मेहरा, एन., 2021. भारत में नागरिक न्याय प्रशासन: प्राचीन और आधुनिक परिप्रेक्ष्य, अफ्रीका और एशिया में नागरिक न्याय सुधार और संघर्ष समाधान को आगे बढ़ाना: तुलनात्मक विश्लेषण और मामले का अध्ययन नागरिक न्याय, आईजीआई ग्लोबल, सूचना विज्ञान संदर्भ, आईएसएसएन: 2475-6644य ईआईएसएसएन: 2475-6652।
- मेहरा, एन., 2020. भारत में बाल अधिकारों पर जोर देने में न्यायिक दृष्टिकोण: एक स्थितिजन्य विश्लेषण, भारत में बच्चों के खिलाफ अपराध, निवारक और सुरक्षात्मक कानून, थॉमसन रॉयटर्स, आईएसबीएन: 978-93-90673-95-7।
- मेहरा, एन., 2020. नारीवाद में पहचान की राजनीति और हाशियाकरण: एक सामाजिक न्याय परिप्रेक्ष्य, महिलाओं के मानवाधिकार: नई चुनौतियाँ, आईएसबीएन: 978-93-91002-15-2।
- मेहरा, एन., 2020. पीपीपी आधारित इलेक्ट्रॉनिक यूनिवर्सल डेटाबैंक: अनियमित कृत्रिम प्रजनन प्रौद्योगिकी केंद्रों पर अंकुश लगाने के लिए एक समाधान, आत्मनिर्भर भारत- श्रेष्ठ भारत पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 978-93-83154-90-65।

प्रो. शिवानी गोस्वामी

- गोस्वामी, एस., 2020. भारत में अपराध, आपराधिक न्याय प्रणाली के पीड़ितों की स्थिति का महत्वपूर्ण विश्लेषण, अपराध की रोकथाम और अपराध नियंत्रण: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, थॉमसन रॉयटर्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड।
- गोस्वामी, एस., 2020. निर्भया के मामले के संबंध में भारत में बलात्कार के भयानक कृत्य, परिणाम, विलंबित और विलंबित मुद्दे, इंटरनेशनल, जर्नल ऑफ लॉ, एजुकेशन, सोशल एंड स्पोर्ट्स स्टडीज, आईएसएसएन 2455-0418।

डॉ. कविता सोलंकी

- सोलंकी, के., 2021. जेनेरिक दवाओं के माध्यम से किफायती स्वास्थ्य देखभाल का अधिग्रहण: द्वारका, दिल्ली में एक अनुभवजन्य अध्ययन, आईएलआई कानून समीक्षा (भारतीय कानून संस्थान) शीतकालीन अंक, ई-आईएसएसएन -0976-1489।
- सोलंकी, के., 2021. भारतीय दूरसंचार उद्योग में विलय और अधिग्रहणय बाजार समेकन और पुनर्गठन के लिए एक रणनीतिक उपकरण, कानूनी अध्ययन के आदर्श जर्नल।

डॉ. अनुराधा झा

- झा, ए., 2022. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के मध्यवर्ती दिशानिर्देशों के तहत डेटा एन्क्रिप्शन विवाद समाधान: चुनौतियां और भविष्य की रूपरेखा, डेसीडॉक जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, 42, 3, 201-207, डीओआई: 10. 14429/डीजेलिट.42.3.17869/2022 डेसीडॉक।
- झा, ए., 2021. दिल्ली के किसानों के लिए मूल्य सृजन का दायरा दिल्ली में किसानों की आय दोगुनी करने के तरीके और दृष्टिकोण, आईओएसआर जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस, 26(9),01-04, ई-आईएसएसएन-2279-0837, आईएसएसएन: 2279-0845.
- झा, ए., 2021. लैंगिक न्याय: 'दक्षिण एशिया में आर्थिक लैंगिक न्याय: पिछले आधे दशक पर एक प्रतिबिंब' पर एक दक्षिण एशियाई परिप्रेक्ष्य, थॉमस रॉयटर्स, कानूनी, आईएसबीएन: 978-9391340-29-2।
- झा, ए., 2021. "सतत विकास के लिए जैविक खेती का अवसर और तकनीकी उपयोग और मानकीकरण की आवश्यकता", आत्म निर्भर भारत - श्रेष्ठ भारत।, पैरागॉन पब्लिशर्स (इंटरनेशनल), आईएसबीएन 978-93-83154-90-6।

डॉ. वंदना सिंह

- सिंह, वी., 2022. मध्यस्थता समझौता और मध्यस्थता पुरस्कार: ऑनलाइन परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी दिल्ली, सेज प्रकाशन, आईएसएसएन: 2277-4017।
- सिंह, वी., 2022. मध्यस्थता- एक रामबाण या एक अलाभकारी अभ्यास: वाणिज्यिक विवादों के विशेष संदर्भ में, जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, 6, 2, आईएसएसएन नंबर 2717-7564।

- सिंह, वी., 2022. द पेरेग्रीनेशन ऑफ आईपीएबी इन इंडिया, सीपीजे लॉ जर्नल, XII, आईएसएसएन नंबर 09763562।
- सिंह, वी., 2021. पहुंच और लाभ-साझाकरण तंत्र: भारत में कानूनी मुद्दे और कार्यान्वयन चुनौतियां, एमएनएलयू, नागपुर समकालीन कानून समीक्षा, 5, II, आईएसएसएन-2581-7582।
- सिंह, वी., 2021. बौद्धिक संपदा अधिकार संरक्षण के लिए भारतीय कानूनी व्यवस्था: आपराधिक कानून की आवश्यकता, इंडियन जर्नल ऑफ क्रिमिनोलॉजी, आईएसएसएन: 0974-7249।
- सिंह, वी., 2021. वाणिज्यिक न्यायालय अधिनियम, 2015: एक महत्वपूर्ण विश्लेषण, एनआईयू इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स, आईएसएसएन नंबर 2394-0298।
- सिंह, वी., 2021. भारत में दल-बदल विरोधी कानून: उभरते मुद्दे और चुनौतियाँ, भारतीय कानून समीक्षा, आईएसएसएन 0976-1489।
- सिंह, वी., 2021. डिजिटल व्यापार और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस: बौद्धिक संपदा की भूमिका, एनटीयूटी जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी लॉ एंड मैनेजमेंट, 10, आईएसएसएन 2226-6771।

डॉ. जुबैर अहमद खान

- खान, जेडए, 2021. एआई आधारित चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी और आपराधिक न्याय: मुद्दे और चुनौतियां, तुर्की जर्नल ऑफ कंप्यूटर और गणित शिक्षा, 12, 14, ई-आईएसएसएन 13094653।
- खान, जेडए, 2021. चुनावी प्रबंधन और चुनाव सुधार को समझना: एक विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप, 15,.4, आईएसएसएन नंबर। 2229-5348.
- खान, जेडए, 2022. गरीबी उन्मूलन और प्रवासी श्रमिकों की दुर्दशा: महामारी चरण में सामाजिक-कानूनी मुद्दे, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन राइट्स एंड कॉन्स्टिटयूशनल स्टडीज, 9, 1, आईएसएसएन: 2050-103X, ईआईएसएसएन: 2050-1048।
- खान, जेडए, 2022. जैव विविधता के संरक्षण और सतत विकास लक्ष्यों के माध्यम से वैश्विक शांति प्राप्त करना। इन प्रिंसिपल फाउंडेशन फॉर ग्लोबल पीस, जेनुइन पब्लिकेशन्स एंड मीडिया प्राइवेट, आईएसबीएन: 9789391659158।

डॉ. एम. शक्तिवेल

- शक्तिवेल, एम., 2021. भारत में विकलांग व्यक्तियों के लिए सामाजिक सुरक्षा: एक विश्लेषण, इंद्रप्रस्थ टेक्नोलॉजी लॉ जर्नल, VIII, 1 और 2।
- शक्तिवेल, एम., 2022. "कराधान नीति: भारत में बौद्धिक संपदा निर्माण के लिए एक अत्यंत आवश्यक प्रयास, जर्नल ऑफ इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स।

डॉ. राकेश कुमार हांडा

- हांडा, आर. के., 2022. "कॉर्पोरेट अपराध में उभरते रुझान: एक भारतीय कानूनी परिप्रेक्ष्य", जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, एएसआर रिसर्च इंडिया आईएसएसएन 2717-7564।
- हांडा, आर. के., 2022. "उच्च शिक्षा में ई-गवर्नेंस" शिक्षण शिक्षण में आईसीटी अभ्यास, राइटर्स चॉइस पब्लिकेशंस प्राइवेट। लिमिटेड, 9789390965113।
- हांडा, आर. के., 2022. "कॉर्पोरेट धोखाधड़ी", जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, आईएसएसएन 27177564, (सकोपस)।
- हांडा, आर. के., 2021. भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली में 'अपराध के पीड़ितों' की स्थिति का गंभीर विश्लेषण, अपराध रोकथाम और अपराध नियंत्रण: एक भारतीय परिप्रेक्ष्य, थॉमसन रॉयटर्स साउथ एशिया प्राइवेट लिमिटेड, 9789393702104।
- हांडा, आर. के., 2021. "जेल और महामारी: जेल प्रणाली सुधारों का विशेष संदर्भ", पालआर्क जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी ऑफ इजिप्ट एंड इजिप्टोलॉजी, 2021-2022, पालआर्क जर्नल्स, आईएसएसएन 1567-214X (सकोपस)।

डॉ. वाणी प्रकाश

- प्रकाश, वी., 2022. "जेल और महामारी: जेल प्रणाली सुधारों का विशेष संदर्भ", पालआर्क जर्नल ऑफ आर्कियोलॉजी ऑफ इजिप्ट एंड इजिप्टोलॉजी, पालआर्क जर्नल्स, आईएसएसएन 1567214X (सकोपस)।

- प्रकाश, वी., 2022. "उच्च शिक्षा में ई-गवर्नेंस" शिक्षण शिक्षण में आईसीटी अभ्यास, 2 राइटर्स चॉइस पब्लिकेशन प्राइवेट। लिमिटेड
- प्रकाश, वी., 2022. कॉर्पोरेट अपराध में उभरते रुझानरू एक भारतीय कानूनी परिप्रेक्ष्य, जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, एएसआर रिसर्च इंडिया आईएसएसएन 2717-7564।
- प्रकाश, वी., 2021. कॉर्पोरेट धोखाधड़ी, जर्नल ऑफ पॉजिटिव स्कूल साइकोलॉजी, आईएसएसएन 27177564, (सकोपस।
- प्रकाश, वी., 2021. नारीवाद में पहचान की राजनीति और हाशियाकरण: एक सामाजिक न्याय परिप्रेक्ष्य, महिलाओं के मानवाधिकार: नई चुनौतियाँ, आईएसबीएन: 978-93-91002-15-2।

ख) संपादित पुस्तकें-

- लुकोज, एल. पी., 2022. पुस्तक का शीर्षक, पुस्तक का शीर्षक, सार्वजनिक कानून और सुशासन (संस्करण), थॉमसन रॉयटर्स, आईएसबीएन: 9789391340216। माननीय न्यायमूर्ति ए.एम खानविलकर, भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अग्रेषित)
- लुकोज, एल. पी., 2022. पुस्तक का शीर्षक, जेंडर जस्टिस: ए साउथ एशियन पर्सपेक्टिव, (सं.), थॉमसन रॉयटर्स, आईएसबीएन: 9789391340292, माननीय न्यायमूर्ति इंदिरा बनर्जी, भारत के सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अग्रेषित)
- गोस्वामी, एस.,2021. सेंट्रल लॉ पब्लिकेशन द्वारा फैमिली लॉ II, आईएसबीएन 978-93-90735-43-3
- वंदना, एस. और खान, जेडए, (सं.) 2021. आत्मनिर्भर भारत, श्रेष्ठ भारत, पैरागॉन इंटरनेशनल पब्लिशर्स, आईएसबीएन: 978-93-83154590-6।
- खान, जेडए, 2022. साइबर कानून, डेटा संरक्षण और गोपनीयता पर शोध की हैंडबुक, आईजीआई ग्लोबल पब्लिकेशन, डीओआई: 10.4018/978-1-7998-8641-9, आईएसबीएन 13: 9781799886419, आईएसबीएन10: 1799886417।
- झा, ए. और खान, जेडए, 2022. कानून और अर्थशास्त्र। नई दिल्ली: बीआर इंटरनेशनल, आईएसबीएन 97881-89974-73-2।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में दोषपूर्ण लोगों ने भाग लिया:

प्रो अमर पाल सिंह

- 07-13 जून 2021 के दौरान आयोजित एक सप्ताह के अंत:विषय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) में 9 जून, 2021 को एमिटी लॉ स्कूल, एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा, यूपी में "संवैधानिक मूल्य और मौलिक अधिकार" व्याख्यान दिया गया।
- "कानूनी बहुलवाद और राजनीतिक बहुलवाद", लॉयड लॉ कॉलेज, ग्रेटर नोएडा और एमआईएलएटी द्वारा 27 फरवरी 2022 को आयोजित नए एशिया और विविध संवैधानिक ढांचे पर राष्ट्रमंडल तुलनात्मक संवैधानिक संगोष्ठी में एक व्याख्यान दिया गया।
- "संवैधानिक दर्शन और समकालीन चुनौतियाँ", जीएलए विश्वविद्यालय मथुरा, (यूपी), 25 फरवरी 2022 में दिया गया एक व्याख्यान।
- "विश्वविद्यालय अधिनियमों, विधियों और अध्यादेशों का महत्व और भूमिका", यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, रूसा में, 9वें संकाय प्रेरण कार्यक्रम, 23 फरवरी 2022 को दिया गया एक व्याख्यान।
- दिल्ली न्यायिक अकादमी में सीएमएम/एसीएमएम और एमएम के लिए ज्ञान, कौशल और परिप्रेक्ष्य विकास पर मुख्य योग्यता सम्मेलन और सीएमएमएस/एसीएमएम और एमएम से जुड़े अभियोजकों के लिए क्षमता निर्माण पर सम्मेलन में व्याख्यान दिया गया।, 29 अप्रैल, 2022.
- 25 जनवरी 2022 को राजीव गांधी राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, पटियाला में "समसामयिक परिदृश्य में मौलिक कर्तव्यों का मानचित्रण" व्याख्यान दिया गया।
- "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और शिक्षकों की भूमिका" यूजीसी मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला में 5 जनवरी 2022 को दिया गया एक व्याख्यान।
- आजादी का अमृत महोत्सव, 21 दिसंबर 2021 के मद्देनजर आयोजित एसोचौम के राष्ट्रीय आभासी सम्मेलन में ष्संवैधानिक कानून वाणिज्यिक कानूनों को जोड़ता है" व्याख्यान दिया गया।
- संविधान और सुशासन का दर्शन" एलएलबी द्वारा दिया गया एक व्याख्यान। और एलएलएम. एनईएफ लॉ कॉलेज, गुवाहाटी के छात्र, (ऑनलाइन मोड में), 27 नवंबर 2021।

- 09 नवंबर 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किए जा रहे कानूनों पर 02 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में "भारतीय दर्शन और भारत का संविधान" व्याख्यान दिया गया।
- 12 मार्च 2022 को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक के कानून विभाग में कानून में अनुसंधान पद्धति पर एक सप्ताह की कार्यशाला में "कानून में अंत:विषय अनुसंधान" व्याख्यान दिया गया।
- "भारतीय संविधान के तहत एक मानवाधिकार के रूप में सुरक्षात्मक भेदभाव" एक व्याख्यान यूजीसी - मानव संसाधन विकास केंद्र, (एचआरडीसी), राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में भारत में मानवाधिकार न्यायशास्त्र (अंत:विषय) में 02 सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के दौरान ऑनलाइन दिया गया, 11 सितंबर 2021.
- "इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका और प्रेस की स्वतंत्रता" एक सप्ताह के संकाय विकास कार्यक्रम में दिया गया व्याख्यान, जिसका शीर्षक था "भारतीय कानूनी प्रणाली का अभियान: अनुभव, उभरती प्रथाएं और परिणाम" स्कूल ऑफ लॉ, आईएमएस यूनिसन यूनिवर्सिटी, देहरादून, 22 को जुलाई 2021.
- "शोध पारिस्थितिकी की खेती: राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी, गुवाहाटी, असम में छात्रों के लिए दिया गया एक व्याख्यान, 08 नवंबर 2021।

डॉ. वंदना सिंह

- 25 फरवरी 2022 को विवाद समाधान तंत्र के रूप में ओडीआर के भविष्य के विषय पर "उपभोक्ता कानूनों के प्रभावी कार्यान्वयन में समकालीन चुनौतियां" विषय पर एक अंतर्राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- "भारत में भौगोलिक संकेत और हस्तशिल्प उद्योग: कारीगरों के विकास के लिए आगे की राह", एशिया के चौथे आईपी और नवाचार शोधकर्ताओं (आईपीआईआरए) सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर, डब्ल्यूआईपीओ अकादमी के सहयोग से इंडोनेशिया के विधि संकाय द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 9-12 फरवरी 2022.
- स्थिरता के माध्यम से दुनिया को फिर से आकार देना: विकास को प्रभावित करने वाले उभरते रुझान", आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी द्वारा आयोजित राकेश अग्रवाल मेमोरियल ऑनलाइन नेशनल लॉ कॉन्फ्रेंस, 2022 में प्रस्तुत पेपर, 22 जनवरी 2022।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी द्वारा व्यावसायिक और सामाजिक सफलता के लिए मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 28 दिसंबर 2021।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, 27 दिसंबर 2021 द्वारा संचार, ग्राहक साक्षात्कार और परामर्श की तकनीकों पर वैल्यू बिल्डिंग कार्यशाला में संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- "पहुंच और लाभ साझाकरण तंत्र: भारत में कानूनी मुद्दे और कार्यान्वयन चुनौतियां", महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, नागपुर और महाराष्ट्र राज्य जैव विविधता बोर्ड, नागपुर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित, पहुंच और लाभ साझाकरण: भारतीय जैव विविधता को बनाए रखने पर अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में प्रस्तुत किया गया पेपर, 12- 13 नवंबर 2021.
- "कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने में बौद्धिक संपदा की भूमिका: मुद्दे और संभावनाएं", 22-23 अक्टूबर को बौद्धिक संपदा और सामाजिक न्याय संस्थान और मिशेल हैमलाइन स्कूल ऑफ लॉ, यूएसए द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक आईपी मोजेक सम्मेलन में प्रस्तुत किया गया पेपर 2021.
- "चिकित्सा उपचार और निदान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की भूमिका: आगे का भविष्य", आत्मनिर्भर भारत पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, विकसित भारत मिशन 2030 के स्वर्ण युग की वापसी, इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ, 17-18 जुलाई 2021।

डॉ. लिसा पी लुकोज

- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और भारतीय मानव विज्ञान संघ, दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "भारत में विमुक्त, खानाबदोश और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर सामाजिक, कानूनी और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य" पर वेबिनार में सह-अध्यक्षता तकनीकी सत्र, 31 अगस्त - 01 सितंबर 2021।
- 13 दिसंबर 21 को एमएनएलयू, नागपुर में डीपीआईआईटी-आईपीआर चेयर और सीआईपीआर द्वारा आयोजित बौद्धिक संपदा अधिकार (एडवांस लर्निंग) पर संकाय विकास कार्यक्रम में मुख्य वक्ता।

- 23 मार्च 2022 को स्कूल ऑफ लॉ, फोरेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज, नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी में 'रिसर्च मेथडोलॉजी: रेफरेंसिंग एंड इंडेक्सिंग इन लीगल रिसर्च' पर विशेषज्ञ व्याख्यान।
- गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित वक्ता, (02 - 16 अगस्त, 2021) विषय पर "शोध रिपोर्ट लेखन: प्रक्रियात्मक और नैतिक विचार", 11 अगस्त, 2021।
- राष्ट्रीय अपराध विज्ञान और फोरेंसिक विज्ञान संस्थान में 'बौद्धिक संपदा अधिकार: आपराधिक न्याय पदाधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियां' पर सेमिनार में 'पेटेंट अधिकारों और उपचारों के उल्लंघन' पर बोलने के लिए आमंत्रित वक्ता, 7 सितंबर 2021।
- स्कूल ऑफ लॉ, फोरेंसिक जस्टिस एंड पॉलिसी स्टडीज, नेशनल फोरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी, 28 जनवरी 2022 में "कानूनी अनुसंधान में नैतिकता' पर बात करने के लिए अतिथि वक्ता को आमंत्रित किया गया।
- तेजपुर विश्वविद्यालय के कानून विभाग द्वारा आयोजित 'कानूनी शिक्षा में महिलाएं: अतीत, वर्तमान और भविष्य' विषय पर बोलने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम-2022 में संसाधन व्यक्ति (कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - माननीय न्यायमूर्ति मार्ली वानकुंग, गुवाहाटी उच्च) कोर्ट), 8 मार्च 2022।
- 2531 जुलाई 2021 को "शिक्षण कानूनों में न्यायशास्त्र का महत्व" विषय पर स्कूल ऑफ लॉ, गलगोटियास विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रि वक्ता।
- गवर्नमेंट लॉ कॉलेज, विलुप्पुरम, तमिलनाडु द्वारा कानूनी अध्ययन निदेशालय, तमिलनाडु डॉ. अंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी, कॉमनवेल्थ लीगल यूनिवर्सिटी के सहयोग से आयोजित सीएलईए - एमआईएलएटी रिसर्च मेंटरिंग प्रोग्राम में 'शोधकर्ता के गुण' पर व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित वक्ता को आमंत्रित किया गया। एजुकेशन एसोसिएशन (सीएलईए) और मेनन इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एडवोकेसी एंड ट्रेनिंग (एमआईएलएटी), 07 जुलाई 21।
- 02-16 अगस्त, 2021 को "कॉपीराइट कानून और शैक्षणिक संस्थान" विषय पर गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल द्वारा आयोजित संकाय विकास कार्यक्रम में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित वक्ता।

डॉ. उपमा गौतम

- दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद भगत सिंह कॉलेज के भूगोल विभाग द्वारा स्वास्थ्य और खुशहाली के लिए खाद्य, जल और पोषण सुरक्षा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में किशोरावस्था की लड़कियों में एनीमिया और पोषण की स्थिति और भारत में नीतिगत हस्तक्षेप: सतत विकास के लिए एक बाधा शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।, नई दिल्ली, 13-14 दिसंबर 2021।
- भूगोल विभाग, शहीद भगत सिंह कॉलेज, विश्वविद्यालय द्वारा स्वास्थ्य और भलाई के लिए खाद्य, जल और पोषण सुरक्षा पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में किशोर माताओं के स्वास्थ्य और कल्याण और भारत में शिशुओं की मृत्यु दर की स्थिति: सामाजिक-आर्थिक सहसंबंधों का मानचित्रण शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया। दिल्ली, नई दिल्ली, 13-14 दिसंबर 2021।
- भारत में घरेलू शक्ति संबंध, नियंत्रण, पत्नी की पिटाई के रवैये और अंतरंग साथी की हिंसा की पहेली को समझना शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया: "भारत में महिलाओं के सामाजिक-कानूनी और राजनीतिक मुद्दे: समकालीन चुनौतियां" पर राष्ट्रीय वेबिनार में एक खोजपूर्ण क्रॉस-अनुभागीय अध्ययन। कानून विभाग, जीएनडीयू, अमृतसर द्वारा आयोजित, 8 मार्च 2022।

डॉ. शिवानी गोस्वामी

- यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र, कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा मानवाधिकार (अंत:विषय) में यूजीसी प्रायोजित पुनश्चर्या पाठयक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित, 27 दिसंबर 2022।
- इंडिया एंथ्रोपोलॉजिकल एसोसिएशन, दिल्ली के सहयोग से यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज द्वारा भारत में विमुक्त, घुमंतू और अर्ध-घुमंतू समुदायों की स्थिति पर ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य पर 31 अगस्त- 1 सितंबर 2021 को आयोजित 2 दिवसीय वेबिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 22 जनवरी 2022 को स्थिरता और उभरते मुद्दों पर आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- जस्टिस जेएस वर्मा एडीआर और क्लाइंट काउंसलिंग प्रतियोगिता और नेविटास-एमएआईएमएस फर्स्ट लॉ फेस्ट इन एसोसिएशन विद एनएएलएसए, 17- 21 मार्च 2021 में जज के रूप में आमंत्रित।

डॉ. क्वीनी प्रधान

- यूजीसी-मानव संसाधन विकास केंद्र (एचआरडीसी), गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर द्वारा आयोजित दो सप्ताह के पुनश्चर्या पाठ्यक्रम (सामाजिक विज्ञान के सभी अनुशासन) में 1 अक्टूबर 2021 को 'औपनिवेशिक भारत में स्वास्थ्य, स्वच्छता और महामारी' पर आमंत्रित वार्ता , 21 सितंबर-4 अक्टूबर 2021।

डॉ. दीपशिखा अग्रवाल

- "भारत में मानवविज्ञान: समकालीन बहस और भविष्य की संभावनाएं" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल जीवन और कॉर्पोरेट मानवविज्ञान" पर सत्र की अध्यक्षता की, विश्व मानवविज्ञान कांग्रेस 2023 का एक पूर्व-कांग्रेस कार्यक्रम, समाजशास्त्र विभाग और मानवविज्ञान विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित; 25-26 मार्च 2022 को आयोजित।

डॉ. कंवल दीपिंदर पाल सिंह

- सीपीजे स्कूल ऑफ लॉ द्वारा 30 जनवरी 2021 को "पारिवारिक कानून: समकालीन चुनौतियां और समाधान" विषय पर आयोजित 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन-2021 के समापन सत्र के मानद अतिथि और तकनीकी सत्र II के मुख्य वक्ता।

डॉ. कविता सोलंकी

- ई-एफडीपी "बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी, 8-12 मार्च 2021।

डॉ. जुबैर अहमद खान

- 73वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर डॉ. प्रदीप राय के साथ वेबिनार- गणतंत्र दिवस, 26 जनवरी 2022 के अवसर पर https://usllsadrblog.com/events-and-activities/webinar.
- मध्यस्थ 1.0- प्रथम अंतर इंद्रप्रस्थ मध्यस्थता प्रतियोगिता, 2021 - https://usllsadrblog.com/events-and-activities/मध्यस्थ-1-01वीं-अंतर-इंद्रप्रस्थ-मध्यस्थता-प्रतियोगिता, 3-4 दिसंबर 2021।
- मध्यस्थता पर दो दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला"- https://usllsadrblog.com/events-and-activities/a-two-day-online-workshop-on-mediation, 18-19 अक्टूबर 2021।
- 'आईसीए- क्या यह कभी शहरित' होगा? विषय पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार आईसीए में और उसके माध्यम से विविधता, समावेशिता, स्थिरता और सांस्कृतिक अक्षांश' https://usllsadrblog.com/eventsand-activities/international-webinar-on-the-topic-ica-would-it-ever-go-greener-diversityinclusivity-स्थिरता-और-सांस्कृतिक-अक्षांश-इन-एंड-थ्रु-आईसीए, 10 अक्टूबर 2021।
- कानूनी स्टार्ट-अप पर पूर्व छात्रों की बातचीत (https://www.facebook.com/LEIC2021/posts/pfbid026vZ4dUfm3n6QBfNb9N4cAWGbK6rh3jaBsSMGyUZ2bv2DpAc5oLt5NGrcmMQWDmHPl), 2 अक्टूबर, 2021।
- यूएसएलएलएस और दक्षिण-पश्चिम दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वेबिनार- 6 जून 2021 https://usllsadrblog.com/world-environment-day/8। कानून और अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय वेबिनार (https://www.facebook.com/LEIC2021 posts/pfbid0VHKFXBHqwRVWM71gPLj4MJehEV5vAVtxPeFiQvcpRkKRtnXnMmi9sJkvxW5owCC7Tl), 6 मार्च 2022।
- जस्टिस चंदर जीत सिंह, अतिरिक्त मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली द्वारा रैगिंग विरोधी जागरूकता अभियान पर वेबिनार: https://usllsadrblog.com/eventsand-activities/webinar-on-anti-rlogging-awareness-drive, 17 दिसंबर 2021.
- "साइबर यूटोपियनिज्म, डिजिटल मिलिटेरिज्म एंड साइबर गैंग्स: ए न्यू टेरेन फॉर सोशल एंड लीगल स्टडीज" विषय पर राष्ट्रीय वेबिनार। पद्मश्री पुरस्कार विजेता माननीय प्रो. डॉ. उपेन्द्र बक्सी द्वारा 10 जुलाई 2021 https://usllsadrblog.com/national-webinar-on-cyber-utopianismdigital-militarism-and-cyber-gangs] 17 fnlacj 2021।

डॉ. एम. शक्तिवेल

- विश्व आईपी दिवस, 24 अप्रैल 2021 की पूर्व संध्या पर 'डिजिटल युग में ब्रॉडकास्टर्स के अधिकार' -राष्ट्रीय कार्यशाला पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

- 24 जुलाई 2021 को सविथा लॉ स्कूल, चेन्नई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार में 'क्लिनिकल लीगल एजुकेशन एंड एक्सेस टू जस्टिस' पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया और नेशनल लॉ इंस्टीट्यूट यूनिवर्सिटी (एनएलआईयू), भोपाल द्वारा 24 जुलाई 2021 को आयोजित "भारत में क्रिप्टोकरेंसी के विनियमन" पर राष्ट्रीय ई-सम्मेलन में क्रिप्टो मुद्रा और विनियमन पर एक सत्र की अध्यक्षता की।
- 05 अगस्त 2021 को एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल्स और आईबीएमआर बिजनेस स्कूल, कर्नाटक द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'प्रबंधन संस्थानों के लिए आईपीआर' विषय पर व्याख्यान देने के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।

प्रो. अनुज कुमार वक्ष

- अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून पर यूरोपियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ आईजी द्वारा "अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक कानून में एकजुटता का मूल्य" पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला, 15 अप्रैल 2021

4. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	आयोजन की जानकारी	अवधि
1.	संसदीय कार्य मंत्रालय के तत्वावधान में 16वीं राष्ट्रीय युवा संसद प्रतियोगिता	18 मई, 2022
2.	यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएसआईपीयू और न्याय विभाग ने न्यायिक सुधारों पर कार्रवाई अनुसंधान और अध्ययन की अपनी योजना के तहत पारंपरिक आपराधिक मुकदमे के वैकल्पिक मॉडल के रूप में प्ली बार्गेनिंग के माध्यम से न्याय तक पहुंच नामक परियोजना के तहत एक विशेषज्ञ पैनल चर्चा का आयोजन किया। भारत: चुनिंदा भारतीय राज्यों का एक केस स्टडी"।	26-27 मार्च 2022
3.	कानून और अर्थशास्त्र पर राष्ट्रीय वेबिनार समय: 6 मार्च, 2022 सुबह 10:00 बजे (https://www.facebook.com/LEIC2021/postspfbid0VHKFXBHqwRVWM71gPLj4MJehEV5vAVtxPeFiQvcp RkKRtnXnMmi9sJkvxW5owCC7Tl)2.	6 मार्च 2022
4.	नए भारत में कानूनी उद्यमिता पर राष्ट्रीय वेबिनार	28 जुलाई 2021
5.	(https://www.facebook.com/LEIC2021postspfbid026v Z4dUfm3n6QBfNb9N4cAWGb-K6rh3jaBsSMGyUZ2bv2DpAc5oLt5NGrcmMQWDmHPl) पर कानूनी स्टार्ट-अप पर पूर्व छात्रों की बातचीत	2 अक्टूबर 2021
6.	स्टार्टअप पिचिंग वेबिनार	25 जनवरी 2021
7.	भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा टिकुली और वारली कला रूपों पर कार्यशाला का आयोजन किया गया	7-12 मई 2022
8.	"नए भारत के विकास में कानून का रोडमैप" शीर्षक से वर्चुअल सम्मेलन का आयोजन किया गया	22 नवंबर 2021
9.	डिजिटल सैन्यवाद और साइबर गिरोह: सामाजिक और कानूनी अध्ययन के लिए एक नया क्षेत्र	10 जुलाई 2021

5. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

क्र.सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार का विवरण
1.	प्रो. शिवानी गोस्वामी	6 मार्च, 2020 को भागीदारी जन सहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2020 पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार, 2020 प्राप्त हुआय भागीरथी जन सहयोग समिति द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस, 2021 पर महिला सशक्तिकरण पुरस्कार, 2021।
2.	प्रो. लिसा पी. लुकोज	वर्ष के उत्कृष्ट संकाय पुरस्कार -2021 के प्राप्तकर्ता (वयावसायिक शिक्षा और उद्योग में उत्कृष्टता के लिए ईईटी सीआरएस रिसर्च विंग द्वारा)
		बौद्धिक संपदा अधिकार कानून (सीपीएसीई - व्यावसायिक उन्नति सतत शिक्षा केंद्र) में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन प्रतिष्ठित प्रोफेसर पुरस्कार 2021 के प्राप्तकर्ता

क्र.सं.	संकाय का नाम	पुरस्कार का विवरण
		वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन (वीडब्ल्यूए- वीनस इंटरनेशनल फाउंडेशन) से कानून में उत्कृष्ट महिला शोधकर्ता पुरस्कार (2021) की प्राप्तकर्ता
3.	डॉ. कविता सोलंकी	रोटरी फाउंडेशन ऑफ रोटरी इंटरनेशनल 2021 द्वारा पॉल हैरिस फेलो।
4.	डॉ. अनुराधा झा	अक्टूबर 2021 में अलर्ट सिटीजन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा न्यूज मेकर्स अवार्ड 2021 दिया गया

6. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजनाओं का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. नीलू मेहरा	जीवन की गुणवत्ता का अध्ययन वृद्धजन विशेष के साथ वृद्धाश्रम में रह रहे हैं उत्तरी क्षेत्र का संदर्भ	राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग	12 महीने	13.76
2.	डॉ. उपमा गौतम	भारत में पारंपरिक आपराधिक मुकदमे के वैकल्पिक मॉडल के रूप में प्ली बार्गेनिंग के माध्यम से न्याय तक पहुंच: न्यायिक सुधारों पर कार्रवाई अनुसंधान और अध्ययन योजना के तहत चुनिंदा भारतीय राज्यों का एक केस स्टडी।	विभाग का न्याय, कानून और कानून मंत्रालय में न्याय	1 वर्ष	17
		"महानगरीय शहरों में सार्वजनिक क्षेत्रों में महिला सुरक्षा की स्थानिक गतिशीलता को मापना: राजस्थान का एक सुरक्षा ऑडिट विश्लेषण। प्रमुख अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर)	दो वर्ष	08
3.	डॉ. वंदना सिंह और डॉ. जुबैर अहमद खान (क्रमश: परियोजना अन्वेषक और परियोजना सह अन्वेषक)	"दिल्ली में निपटान जैव-चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित कानूनों, प्रक्रिया और कार्यों का एक महत्वपूर्ण अध्ययन: वर्तमान और महामारी के बाद की चुनौतियाँ"	वस्तुनिष्ठ अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली।		2.5
4.	डॉ. दीपशिखा अग्रवाल	खानाबदोश लोगों की जड़विहीन पहचानरू संरचनात्मक हाशिए और सामाजिक-राजनीतिक समावेशन के मुद्दे	अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण		.75

7. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
1.	तुषार भल्ला	बीबीए एल.एल.बी प्रथम वर्ष	एनएसयूटी 2022 में आयोजित इंटर कॉलेज दिल्ली राज्य टेबल टेनिस टूर्नामेंट में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
2.	माहिका खुराना	बीबीए एल.एल.बी प्रथम वर्ष	प्रथम उपविजेता, राष्ट्रीय लेख लेखन प्रतियोगिता, कानूनी सहायता क्लिनिक, स्कूल ऑफ लॉ, मणिपाल विश्वविद्यालय, जयपुर।
4.	जिया मेहता	बीए एल.एल.बी. द्वितीय सेमेस्टर, प्रथम वर्ष	फेटे डे ला नोमोस, क्राइस्ट लॉ कॉलेज, पुणे राष्ट्रीय मध्यस्थता-वार्ता प्रतियोगिता [14-16 मई] में सेमी-फाइनलिस्ट के रूप में चुना गया।
5.	ऐश्वर्या तिवारी	बीए एल.एल.बी. दूसरा सेमेस्टर	यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के एडीआर सेल द्वारा आयोजित पहली इंट्रा मध्यस्थता प्रतियोगिता मध्यस्थ 1.0 2021 के क्वार्टर फाइनलिस्ट

क्र.सं.	नाम	कार्यक्रम एवं वर्ष	उपलब्धि
6.	जसलीन बेदी	प्रथम वर्ष	सर्वश्रेष्ठ मध्यस्थ-मध्यस्थ मध्यस्थता प्रतियोगिता द्वितीय स्थान-जस्ट ए मिनट प्रतियोगिता (जेंडर चौंपियन क्लब) सर्वश्रेष्ठ प्रतिनिधि-आईआईटी इंदौर एमयूएन।
7.	विकास रंजन पोरिडा	5 वाँ वर्ष, 10वाँ सेमेस्टर	"भारत में वेश्यावृत्ति: क्या इसे वैध बनाया जाना चाहिए" शीर्षक से एक शोध पत्र का सह-लेखन किया गया, आईएसएसएन नंबर: 2582-7324
8.	गौतम चोपड़ा	बीबीए एल.एल.बी 5वां सेमेस्टर तीसरा वर्ष	एनएमआईएमएस इंदौर स्कूल ऑफ लॉ द्वारा आयोजित मूट कोर्ट ट्रॉफी और नकद पुरस्कार में द्वितीय उपविजेता
9.	अभिषेक जोसेफ	5 वाँ वर्ष, 9वाँ सेमेस्टर	विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज द्वारा आयोजित मध्यस्थता विवाद में सर्वश्रेष्ठ वक्ता
10.	परम गोयल	बीबीए एल.एल.बी 5वां सेमेस्टर	1.विशिष्ट सदस्यता का प्रमाणपत्र (डी-1178)। इंटरनेशनल काउंसिल ऑफ ज्यूरिस्ट्स द्वारा जारी। 2. क्वार्टरफाइनल, पहली वर्चुअल मूट कोर्ट प्रतियोगिता। ओम स्टर्लिंग ग्लोबल यूनिवर्सिटी द्वारा पुरस्कृत।
11.	लावण्या गुप्ता	दूसरा वर्ष, चौथा सेमेस्टर	1.ऑक्टा फाइनलिस्ट (सपीकर 1) - एनएलयूओ पीएचएफआई मूट कोर्ट प्रतियोगिता (सार्वजनिक स्वास्थ्य कानून) 2. क्वार्टर फाइनलिस्ट (शोधकर्ता) - महाराजा अग्रसेन मूट कोर्ट प्रतियोगिता (संवैधानिक कानून)
12	बृंदा कुंडू	बीबीए एल.एल.बी तृतीय वर्ष 5वां सेमेस्टर	1. एनएसएस यूनिट जी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित संदर्भ लेख लेखन प्रतियोगिता में दूसरा स्थान 2. जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित बिजनेस प्लान ई-प्रतियोगिता में प्रथम स्थान 3. स्कूल ऑफ लॉ, आईएमएस यूनिसन यूनिवर्सिटी, देहरादून द्वारा आयोजित और आयोजित दूसरी राष्ट्रीय मध्यस्थता प्रतियोगिता 2021 में सेमी-फाइनलिस्ट 4. एसएनडीटी यूनिवर्सिटी के लॉ स्कूल द्वारा आयोजित प्रथम राष्ट्रीय ग्राहक परामर्श प्रतियोगिता में सेमी-फाइनलिस्ट।
13.	लिखित अग्रवाल	बीबीए एल.एल.बी प्रथम वर्ष, द्वितीय सेमेस्टर	"शासन में एआई का आगमन: क्या मशीनों को मशीनों के लिए कानून बनाना चाहिए?" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया। 24 जून 2022 को कैंपस लॉ सेंटर, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में।
14.	कार्तिकेय टंडन	बीबीए एल.एल.बी पांचवां वर्ष	विशेष तृतीय पुरस्कार - 2021 मैन लैक्स अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष कानून प्रतियोगिता, एशिया प्रशांत राउंड। मैनफेड लाच्स दुनिया की प्रमुख अंतरिक्ष कानून मूट कोर्ट प्रतियोगिता है। इसका आयोजन आईआईएसएल द्वारा किया जाता है।
15.	गुरदीप राय	बीए एल.एल.बी प्रथम वर्ष	"शासन में एआई का आगमन: क्या मशीनों को मशीनों के लिए कानून बनाना चाहिए?" 24-25 जून 2022 को कैंपस लॉ सेंटर, विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय में "कृत्रिम बुद्धिमत्ता और अंतर्राष्ट्रीय कानून" पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में

8. स्कूल द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू (शैक्षणिक/अनुसंधान एवं विकास):

क्र.सं.	एमओयू की तारीख	सहयोग संस्थान आदि जैसे एमओयू का विवरण।
1.	फरवरी 2021 से 30 जनवरी 2024 तक	वीजीसी लॉ फर्म 2021
2.	12 सितंबर 2021 से 11 सितंबर 2024 तक	एमिकस कानूनी अधिवक्ता और सॉलिसिटर
3.	1 अगस्त 2021 से 31 जुलाई 2024 तक	डिजी ग्रैस्प एजुकेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
4.	25 अक्टूबर 2021 से 24 अक्टूबर 2024 तक	एएनजी पार्टनर्स अधिवक्ता और सॉलिसिटर
5.	12 जनवरी 2021 से 11 जनवरी 2024 तक	पीएसपी लीगल एसोसिएट्स
6.	15 फरवरी 2022 से 14 फरवरी 2025 तक	स्वतंत्र विचार
7.	15 नवंबर 2021 से 14 नवंबर 2024 तक	एएसडीजे एसोसिएट्स
8.	01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 तक	भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ

9. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1.	स्वतंत्र व्यवसायी और फर्म	15	10-12 लाख प्रति वर्ष

10. शोधार्थियों का विवरण:-

(क) पुरस्कृत पी.एच.डी अनुसंधान विद्वान की कुल संख्या: 12

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएचडी की उपाधि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
1.	अंजलि	मातृत्व लाभ (संशोधन) अधिनियम, 2017: निजी क्षेत्र पर इसके प्रभाव पर विशेष जोर देने वाला एक सामाजिक-कानूनी अध्ययन	प्रो. लिसा पी. लुकोज	28.03.22 को पूर्ण हुआ
2.	बबीता सिंह परसैन	लोक सभा में प्रश्नकाल: भारतीय संविधान के तहत एक महत्वपूर्ण मूल्यांकन	प्रो. एम. अफजल वानी	07.04.21 को पूर्ण हुआ
3.	सुरभि कपूर	खाद्य सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय खाद्य व्यापार: भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के संदर्भ में नियामक परिप्रेक्ष्य	प्रो. ए. पी. सिंह	07.04.21 को पूर्ण हुआ
4.	ग्रिशिका सिंघला	खनन गतिविधि और पर्यावरण संरक्षण: एक अंतर्राष्ट्रीय तुलना	प्रो. ए. पी. सिंह	09.04.21 को पूर्ण हुआ
5.	मयंक कपिला	पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण: सुई-जेनेरिस व्यवस्था को डिजाइन करना	-	03.08.21 को पूर्ण हुआ
6.	नेहा	दिल्ली में ट्रायल कोर्ट के लिए हत्या में सजा की सीमा: कानूनी पहलू	प्रो. शिवानी गोस्वामी	03.08.21 को पूर्ण हुआ
7.	सोनाली शर्मा	पागलपन में 'विरोधाभास' का मानचित्रण: कानूनी और चिकित्सा प्रवचन का एक तुलनात्मक अध्ययन	डॉ. उपमा गौतम	16.08.21 को पूर्ण हुआ
8.	ईशा वाधवा	शैक्षिक उद्देश्यों के विशेष संदर्भ में कॉपीराइट कानून के तहत उचित उपयोग के रहस्य को उजागर करना	प्रो. लिसा पी. लुकोज	06.09.21 को पूर्ण हुआ
9.	एकता सैनी	एनआरआई दूल्हों द्वारा भारत दुल्हनों का विवरण: पंजाब राज्य के विशिष्ट संदर्भ के साथ एक सामाजिक-कानूनी अध्ययन	प्रो. शिवानी गोस्वामी	28.01.22 को पूर्ण हुआ
10.	कविता	जलवायु परिवर्तन का कानून और राजनीति: विकासशील देशों के मुकाबले विकसित देशों की भूमिका"	प्रो. ए. पी. सिंह	24.02.22 को पूर्ण हुआ

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पीएचडी की उपाधि	पर्यवेक्षक का नाम	पूर्ण/चल रहा है
11.	शिवानी सिंह	भारत में न्यायिक समीक्षा के अनुभवों को अपनाना, आलोचनात्मकता और सुसंगतता: सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों के संदर्भ में एक न्यायशास्त्रीय मूल्यांकन"	प्रो. एम. अफजल वानी	24.02.22 को पूर्ण हुआ
12.	वाणी प्रकाश	पुर्नस्थापनात्मक न्याय: संकल्पना, प्रासंगिकता और भारतीय प्रतिमान	प्रो. अनुज कुमार वक्ष	09.02.22 को पूर्ण हुआ

11. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	परीक्षण का विवरण
1.	चाहत अब्रोल	जेआरएफ
2.	सोनाक्षी कश्यप	जेआरएफ

12. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

क) इंद्रप्रस्थ टेक्नोलॉजी लॉ जर्नल (वर्ष 2021 के लिए वॉल्यूम 8 नंबर 1, 2 जर्नल अंक)

ख) यूएसएलएलएस एडीआर ब्लॉग, https://usllsadrblog.com/

4.10 विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमबीए	2 वर्ष	100+15: अंतर्राष्ट्रीय छात्र
2	एमबीए (एफए)	2 वर्ष	60+15: अंतर्राष्ट्रीय छात्र
4	एमबीए (सप्ताहांत)	2 वर्ष	120
5	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में पीजी. डिप्लोमा (सप्ताहांत)	1 वर्ष	30
6	उद्यमिता और स्टार्ट-अप में पीजी. डिप्लोमा	1 वर्ष	30
7	डेटा एनालिटिक्स में पीजी. डिप्लोमा	1 वर्ष	30
8	इक्विटी रिसर्च में पीजी. डिप्लोमा	1 वर्ष	30

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार आदि के संबंध में स्कूलों में नए सेटअप के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	410	एफडीपी कक्ष

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

- अग्रवाल, वी. और कपूर, एम., 2021. "अभिनव प्रतिस्पर्धात्मकता के मार्ग में आंतरिक गतिशीलता की भूमिका को उजागर करना: अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों का एक क्रमिक मध्यस्थता मॉडल", क्रॉस कल्चरल एंड स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, 28, 4, 839-866।
- बंसल, एस., जैन, एम., गर्ग, आई. और श्रीवास्तव, एम., 2022. "व्यापार स्थिरता दृष्टिकोण के माध्यम से परिपत्र अर्थव्यवस्था प्राप्त करना: एक एकीकृत समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा", जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, 22, 1, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1002/pa.2319.
- भारती और कुमार, ए., 2021. "कोविड-19 महामारी के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में पशुपालन व्यवहार की खोज: अस्थिरता और सरकारी प्रतिक्रिया का प्रभाव", मिलेनियल एशिया, 097639962110206।
- भारती और कुमार, ए., 2022. "क्रिप्टोकरेंसी में असममित हेरिंग: कोविड 19 का प्रभाव", मात्रात्मक वित्त और अर्थशास्त्र, 6, 2, 326-341।
- चोपड़ा, आर. और शर्मा, जीडी, 2021. "स्टॉक मार्केट पूर्वानुमान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अनुप्रयोग: एक आलोचना, समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा", जर्नल ऑफ रिस्क एंड फाइनेंशियल मैनेजमेंट, 14, 11, 526।
- गर्ग, एस. और सांगवान, एस., 2021. "कार्यस्थल पर विविधता और समावेशन पर साहित्य समीक्षा, 2010-2017", विजन: द जर्नल ऑफ बिजनेस पर्सपेक्टिव, 25, 1, 12-22।
- गुप्ता, एम., सिन्हा, एन., सिंह, पी. और लीबाना-कैबनिलास, एफ., 2021. "पहनने योग्य फिटनेस ट्रैकर्स में युवा उपभोक्ताओं के बीच इंस्टाग्राम विज्ञापन: प्रौद्योगिकी स्वीकृति कारकों की मध्यम भूमिका", जर्नल ऑफ ग्लोबल मार्केटिंग, 34 , 5, 411-432.
- गुप्ता, एस. और ढींगरा, एस., 2022. "मोबाइल वित्तीय सेवाओं को अपनाने को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों की मॉडलिंग: एक व्याख्यात्मक संरचनात्मक मॉडलिंग दृष्टिकोण", जर्नल ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केटिंग, 27, 2, 96-110।
- गुप्ता, एस. और सैनी, एके, 2021. "क्लाउड को अपनाने में आईटी सिस्टम के जोखिम के प्रबंधन के लिए एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित दृष्टिकोण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (सिंगापुर), 13, 6, 2515-2523।

- हांडा, एम. और आहूजा, पी., 2021. "इतनी दूर और आगे नहीं? शहरी भारत में कम आय वाली महिलाओं द्वारा मोबाइल फोन अपनाने की जांच", जर्नल ऑफ पॉवर्टी, 25, 2, 173-192।
- हांडा, एम. और आहूजा, पी., 2022. "ऑनलाइन गतिविधियों के भूरे और गहरे पहलू: उपभोक्ता धारणाओं का एक अध्ययन", जर्नल ऑफ इंफॉर्मेशन, कम्युनिकेशन एंड एथिक्स इन सोसाइटी, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1108/JICES-07-2021-0080.
- हांडा, एम., जैन, एस. और आहूजा, पी. 2021. "क्या यह लागत बचत है या पर्यावरणीय लाभ? भारत में उपभोक्ताओं के बीच ऊर्जा बचत व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारक", इंडर्ससाइंस ऑनलाइन, यहां उपलब्ध है: https://www.inderscienceonline.com/doi/pdf/10.1504/IJICBM.2021.117478.
- जैन, एम., शर्मा, जीडी, गोयल, एम., कौशल, आर. और सेठी, एम., 2021. "दक्षिण एशिया में सीओवीआईडी-19 मामलों, मौतों और मौसम संबंधी कारकों का अर्थमितीय विश्लेषण", पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 28 , 22, 28518-28534।
- जैन, एस. और भल्ला, आर., 2022. "नए प्रतिमान में प्रतिभा अधिग्रहण चुनौतियों को खत्म करना: प्रतिभा अधिग्रहण प्रक्रिया का एक प्रस्तावित मॉडल", आईआईटीएम जर्नल ऑफ बिजनेस स्टडीज।
- कपूर, एम. और अग्रवाल, वी., 2021. "पीएलएस-एसईएम के माध्यम से आईजेवी में गतिशील क्षमताओं के स्रोत के रूप में एक ज्ञान ढांचे को समझना", जर्नल ऑफ नॉलेज मैनेजमेंट, 25, 4, 920-942।
- खत्री, पी., दत्ता, एस. और कौशिक, एन., 2021. "एशिया प्रशांत में एक सेवक नेता के रूप में शिक्षक के बदलते पैटर्न: एक समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा", एशिया प्रशांत व्यापार समीक्षा, 27, 2, 301-330।
- खत्री, पी. और गुप्ता, पी., 2021. "भारतीय संदर्भ में कार्य स्तर पर आध्यात्मिकता की मान्यता", जेआईएमएस8एम: द जर्नल ऑफ इंडियन मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी, 26, 1, 34-44।
- खत्री, पी. और रैना, के., 2021. "शिक्षा और समान अवसर: एक जिम्मेदार समाज के निर्वाह के लिए लिंग संवेदीकरण की दिशा में राज्य की पहल का एक अध्ययन", उभरती अर्थव्यवस्थाओं में आर्थिक नीति का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 14, 3, 269।
- खत्री, पी., रैना, के., दत्ता, एस., पाहवा, एच. और कुमारी, पी., 2021. "कोविड19 पर प्रतिक्रिया, सोशल मीडिया जुड़ाव और कल्याण: एक मध्यस्थता विश्लेषण", श्रम और उद्योग: एक जर्नल ऑफ द कार्य के सामाजिक और आर्थिक संबंध, 31, 4, 457-484।
- कुमार, ए. और खन्ना, एस., 2022. "क्या भारत और एशियाई बाघ शावक आपस में जुड़े हुए हैं?", थाईलैंड और विश्व अर्थव्यवस्था, 40, 2, 102-126।
- कुमार, ए., सिकदर, पी., गुप्ता, एम., सिंह, पी. और सिन्हा, एन., 2022. "ई-किराना खुदरा बिक्री में संतुष्टि और उपयोग निरंतरता के चालक: एक सहयोगी डिजाइन समर्थित परिप्रेक्ष्य", जर्नल ऑफ रिसर्च इंटरएक्टिव मार्केटिंग में, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, प्रिंट से आगे, प्रिंट से आगे, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1108/JRIM-02-2020-0035।
- कुशाग्र, के. और ढींगरा, एस., 2021. "क्लाउड सिद्धांत: भारत के सरकारी संगठनों में क्लाउड अपनाने पर प्रभाव", जर्नल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी मैनेजमेंट, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1108/JSTPM -06-2019-0058.
- कुशाग्र, के. और ढींगरा, एस., 2021. "भारत में सरकारी क्लाउड अपनाने का एक अनुभवजन्य विश्लेषण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक गवर्नमेंट रिसर्च, 17, 3, 21-43।
- मित्तल, आरके, सिन्हा, एन. और अग्रवाल, एमके, 2021. "सामाजिक प्रभाव निवेश में विकासवादी मुद्दे: एक साहित्य समीक्षा।", व्यावसायिक प्रबंधन की समीक्षा, 19, 1, 24।
- सिंह, पी., गुप्ता, एम., कुमार, ए., सिकदर, पी. और सिन्हा, एन., 2021. "ई-किराना रिटेलिंग मोबाइल एप्लिकेशन: एक उभरती अर्थव्यवस्था में प्रत्यावर्तन इरादों के समझदार निर्धारक", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन -कंप्यूटर इंटरेक्शन, 37(19), 1783-1798।
- रमजान, एम., रजा, एसए, उस्मान, एम., शर्मा, जीडी और इकबाल, एचए, 2022. "गैर-नवीकरणीय ऊर्जा और आर्थिक प्रगति की पर्यावरणीय लागत: क्या आईसीटी और वित्तीय विकास कुछ बोझ को कम करते हैं?", जर्नल ऑफ क्लीनर उत्पादन, 333, 130066।

- सहरावत, के., विज, एम. और तलान, जी., 2021. "वित्तीय कल्याण की दिशा में पथ को समझना: भारत से साक्ष्य", फ्रंटियर्स इन साइकोलॉजी, 12, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.3389/FPSYG.2021.638408।
- शर्मा, जी. डी., बंसल, एस., यादव, ए., जैन, एम. और गर्ग, आई., 2021. "मौसम संबंधी कारक, सीओवीआईडी -19 मामले, और शीर्ष 10 सबसे अधिक प्रभावित देशों में मौतें: एक अर्थमितीय जांच", पर्यावरण विज्ञान और प्रदूषण अनुसंधान, 28, 22, 28624-28639।
- शर्मा, जी. डी और हांडा, एम., 2021। "एक टिकाऊ और न्यायसंगत समुदाय की ओर परिवर्तन पर छात्रवृत्ति को आगे बढ़ाने के रास्ते", संगठनों और प्रबंधन में गुणात्मक अनुसंधान: एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 16 3/4, 425-434।
- शर्मा, जी. डी., पॉल, जे., श्रीवास्तव, एम., यादव, ए., मेंडी, जे., सरकार, टी. और बंसल, एस., 2021. "न्यूरोएंटरप्रेन्योरशिप: एक एकीकृत समीक्षा और अनुसंधान एजेंडा", उद्यमिता और क्षेत्रीय विकास, 33, 9-10, 863-893।
- शर्मा, जी. डी, रहमान, एमएम, जैन, एम. और चोपड़ा, आर., 2021. "ऊर्जा खपत, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी और आर्थिक विकास के बीच संबंध: उभरते एशियाई देशों में एक जांच", जर्नल ऑफ पब्लिक अफेयर्स, 21, 2, उपलब्ध यहां: https://doi.org/10.1002/pa.2172.
- शर्मा, जी. डी, रेपास, डी., मस्कर्ट, जी. और परेरा, वी., 2021. "डिजिटल स्थिरता की जांच: भविष्य के अनुसंधान दिशाओं की ओर ले जाने वाले साहित्य का एक पूर्वव्यापी ग्रंथसूची विश्लेषण", पहला सोमवार, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.5210/fm.v26i11.12355।
- शर्मा, जी. डी, सरकार, टी., राव, ए., तलन, जी. और जैन, एम., 2022. "कोविड के बाद की दुनिया में पारंपरिक और हरित वित्त स्पिलओवर पर दोबारा गौर करना: मजबूत अर्थमिति मॉडल से साक्ष्य", ग्लोबल फाइनेंस जर्नल, 51, 100691.
- शर्मा, जी. डी., शाह, एमआई, शहजाद, यू., जैन, एम. और चोपड़ा, आर., 2021. "बिम्सटेक क्षेत्र में कृषि और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के बीच संबंध की खोज: मॉडरेटर के रूप में नवीकरणीय ऊर्जा और मानव पूंजी की भूमिका", पर्यावरण प्रबंधन जर्नल, 297, 113316।
- शर्मा, जी. डी, तिवारी, एके, एरकुट, बी. और मुंडी, एचएस, 2021। "गैर-नवीकरणीय और नवीकरणीय ऊर्जा खपत और आर्थिक विकास के बीच संबंध की खोज: पैनल अनुमानों से साक्ष्य", नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, 146, 111152।
- शर्मा, जी. डी., तिवारी, एके, जैन, एम., यादव, ए. और श्रीवास्तव, एम., 2021. "कोविड-19 और पर्यावरण संबंधी चिंताएं: एक त्वरित समीक्षा", नवीकरणीय और सतत ऊर्जा समीक्षा, 148, 111239।
- शर्मा, जी. डी., तिवारी, एके, तलन, जी. और जैन, एम., 2021. "कोविड-19 समय में टिकाऊ बनाम पारंपरिक निवेश दुविधा पर दोबारा गौर करना", ऊर्जा नीति, 156, 112467।
- सिंह, पी., गुप्ता, एम., कुमार, ए., सिकदर, पी. और सिन्हा, एन., 2021. "ई-किराना रिटेलिंग मोबाइल एप्लिकेशन: एक उभरती अर्थव्यवस्था में प्रत्यावर्तन इरादों के समझदार निर्धारक", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ ह्यूमन -कंप्यूटर इंटरेक्शन, 37, 19, 1783-1798।
- सिन्हा, एन., प्रकाश, डी. और मनचंदा, पी., 2022. "एक भारतीय सामाजिक उद्यम की स्थिरता और व्यावसायिक मापनीयता", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सोशल इकोलॉजी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट, 13, 1, 1-13।
- सिन्हा, एन. और सिंह, एन., 2022. "बुजुर्ग उपभोक्ताओं के लिए मल्टीचौनल बैंक सेवाओं की प्रभावशीलता को मापने के लिए प्रत्याशा पुष्टिकरण मॉडल का पुनरीक्षण", इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इमर्जिंग मार्केट्स, एमराल्ड पब्लिशिंग लिमिटेड, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1108/IJOEM03-2021-0361.
- सिन्हा, एन. और सिंह, एन., 2022. "मोबाइल भुगतान सेवाओं का उपयोग करने के लिए व्यापारी के व्यवहारिक इरादे पर कथित अनुभव का मध्यम और मध्यस्थता प्रभाव", जर्नल ऑफ फाइनेंशियल सर्विसेज मार्केटिंग, पालग्रेव मैकमिलन यूके, नंबर 0123456789, यहां उपलब्ध है: https://doi.org/10.1057/s41264-022-00163-y.
- विमला, तनेजा, यू., 2021. "अनुमानित सेवा गुणवत्ता और रोगी संतुष्टि के माध्यम से कादारी के लिए ब्रांड छवि: एक वैचारिक ढांचा", स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन अनुसंधान, 34, 4, 250-257।
- यादव, जे., सैनी, ए. के और यादव, एके, 2021. "भारतीय संदर्भ में सरकारी-नागरिक भागीदारी मॉडल के लिए वैचारिक मॉडल और सांख्यिकीय सत्यापन डिजाइन करना", सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 13, 2, 637-645।
- यादव, जे., सैनी, ए. के और यादव, एके, 2022. "कर्मचारियों के परिप्रेक्ष्य दृष्टिकोण का उपयोग करके तकनीकी पहलू से ई-सरकारी परियोजनाओं की स्थिरता का विश्लेषण और सुरक्षित करना", सूचना प्रौद्योगिकी के अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 14, 2, 1131-1143.

- यादव, एमपी और सिन्हा, एन., 2022. "प्रतिस्पर्धी प्रदर्शन पर कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रभाव की जांच: पैनल डेटा विश्लेषण पर आधारित एक अनुभवजन्य अध्ययन", एफआईआईबी बिजनेस रिव्यू, 11, 2, 165-173।
- यान, वाई., शाह, एमआई, शर्मा, जीडी, चोपड़ा, आर., फरीद, जेड. और शहजाद, यू., 2022. "क्या पर्यटन महामारी के दौरान खुद को बनाए रख सकता है: पर्यटन, सीओवीआईडी -19 मामलों और वायु गुणवत्ता के बीच संबंध" 'पाइनएप्पल स्टेट' हवाई में फैला", पर्यटन में वर्तमान मुद्दे, 25, 3, 421-440।
- जुत्शी, ए., मेंडी, जे., शर्मा, जीडी, थॉमस, ए. और सरकार, टी., 2021. "चुनौतियों से रचनात्मकता तक: कोविड-19 के संदर्भ में एसएमई के लचीलेपन को बढ़ाना", स्थिरता, 13, 12 , 6542.

ख) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. आहूजा, पी. और हांडा, एम., 2021 "डिजिटल पाइरेसी का उपभोक्ता औचित्य: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण", सम्मेलन - प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमपी2021) https://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm\abstract_id=3993017# अंतर्राष्ट्रीय).
2. गर्ग, एस., 2022 "कार्य-परिवार संघर्ष पर जनसांख्यिकीय कारकों के प्रभाव पर एक अध्ययन", सम्मेलन - "विकासशील अर्थव्यवस्थाओं में समावेशी व्यवसाय: लोगों, लाभ और कॉर्पोरेट नागरिकता को एकजुट करना" (अंतर्राष्ट्रीय)।

ग) पुस्तक अध्याय

1. अग्रवाल, वी., सैनी, एके, सिन्हा, एन. और जैन, एस., 2021. "अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ और सशक्तिकरण (अंतर्राष्ट्रीय)।
2. अग्रवाल, वी., 2021. "लैंगिक समानता और सतत विकास को आगे बढ़ाना", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकासरू लैंगिक समानता और सशक्तिकरण (अंतर्राष्ट्रीय) प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ।
3. गर्ग, एस., 2022. "कार्यस्थल पर विकलांग व्यक्तियों के लिए माइंडफुलनेस का क्या मतलब है", सम्मेलन - माइंडफुलनेस 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आईआरसीएम 2022) (अंतर्राष्ट्रीय)।
4. गर्ग, एस., 2022. "डिजाइन थिंकिंग के माध्यम से माइंडफुल वर्क कल्चर बनाना", सम्मेलन - माइंडफुलनेस 2022 पर अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान सम्मेलन (आईआरसीएम 2022) (अंतर्राष्ट्रीय)।
5. जैन, एस., 2021. "क्या भारतीय एचई संस्थान लैंगिक सशक्तिकरण की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं? भारत में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ।
6. जैन, एस., 2021. "लैंगिक असमानता से निपटने में उच्च शिक्षा की भूमिका: एक अनुभवजन्य साक्ष्य", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ (अंतर्राष्ट्रीय)।
7. जैन, एस. और हांडा, एम., 2021. "उपभोक्ता वित्तीय समाजीकरण: एक ग्रंथ सूची समीक्षा", कार्यवाही - उपभोक्ता वित्तीय समाजीकरण: एक ग्रंथ सूची समीक्षा। सम्मेलन - प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमपी2021) https://papers.ssrn.com/sol3/papers.cfm\abstract_id=3993675 (अंतर्राष्ट्रीय)।
8. कुमार, ए., ढींगरा, एस. और सिन्हा, एन., 2022. "कोविड महामारी प्रभाव: एक बहु-अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य", कार्यवाही - विश्व शेयर बाजारों पर कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन का प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच (राष्ट्रीय)।
9. मित्तल, आर. के. और सिन्हा, एन., 2021. "सूचना और संचार प्रौद्योगिकी, लिंग सशक्तिकरण और प्रभाव निवेश के माध्यम से सतत स्वास्थ्य सेवा की ओर", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ (अंतर्राष्ट्रीय)।
10. प्रकाश, डी., 2021. "बहुसांस्कृतिक शिक्षा: समावेशन की ओर एक कदम", कार्यवाही - अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और अधिकारिता प्राप्त करने की रणनीतियाँ (अंतर्राष्ट्रीय)।

ग) कोई अन्य प्रकाशन (पुस्तकें)

1. प्रबंधन अनुसंधान में समसामयिक मुद्दे, सैनी, एके, ढींगरा, एस. और प्रकाश, डी. 2021. ब्लूम्सबरी प्रकाशन।
2. अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अग्रवाल, वी.एस., सैनी, एके, सिन्हा, एन. और जैन एस., 2021. व्हाइट फाल्कन प्रकाशन।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय सदस्यों ने भाग लिया:

प्रो. आर. के. मित्तल

- सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से सतत स्वास्थ्य सेवा की ओर, लैंगिक सशक्तिकरण और प्रभाव निवेश, अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय, 2021।

प्रो. मीनाक्षी हांडा

1. गुणात्मक विश्लेषण पर एफडीपी, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 4-8 जुलाई 2022।
2. उपभोक्ता वित्तीय समाजीकरण: एक ग्रंथ सूची समीक्षा, प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीएएमपी 2021), अंतर्राष्ट्रीय, 2021।
3. डिजिटल पाइरेसी का उपभोक्ता औचित्य: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण, प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही (आईसीएएमपी 2021), प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। अंतर्राष्ट्रीय 2021।

प्रो. शालिनी गर्ग

1. "गहन शिक्षण और अनुप्रयोगों में प्रगति पर दूसरी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान कार्यशाला" (वाडला2022), भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, श्री सिटी, चित्तूर, 21-25 फरवरी 2022।
2. टेक वेबिनार श्रृंखला विली में विविधता, "आलिंगन और पीढ़ीगत विविधता का लाभ उठाने" पर, विली, फरवरी 2022।
3. "लिंग समान, न्यायसंगत और समावेशी समाज बनाना: लिंग परिवर्तनकारी और समावेशी विकास को बढ़ावा देने पर एक बहुहितधारक परिप्रेक्ष्य", यूएनपीआरपीडी एमपीटीएफ, संयुक्त राष्ट्र महिला, विदेश मंत्रालय, फिनलैंड (एमएफए), विकलांगता अधिकार निधि/विकलांगता अधिकार वकालत निधि और वैश्विक विकलांग महिलाओं के नेतृत्व पर फोरम, फरवरी 2022।
4. स्ट्रैटेजिक इंटेलिजेंस, एसएचआरएम टेक 21 सम्मेलन, सितंबर 2021।
5. "क्वांटिटेटिव एनालिटिक्स पर टॉक सीरीज", अपोलोनियस कम्प्यूटेशनल बिजनेस सॉल्यूशंस, अगस्त 2021।
6. डीप लर्निंग डेवकॉन 2021, नैसकॉम क्लाउड समिट 2021, सितंबर 2021।
7. "सांकेतिक भाषा- वेब एड. एसएल", सेंस इंटरनेशनल इंडिया, नवंबर 2021-फरवरी 2022।

प्रो. विजिता एस अग्रवाल

1. अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय, 2021।
2. लैंगिक समानता और सतत विकास को आगे बढ़ाना, अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकासरू लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय, 2021।

प्रो. पूजा खत्री

1. 27 जून 2021 को गुणात्मक डेटा विश्लेषण पर कार्यशाला सुनील बुद्धिराजा टीआईएसएस, मुंबई द्वारा आयोजित की गई।

डॉ. आशीष कुमार

1. कोविड महामारी प्रभाव: एक बहु-अनुशासनात्मक परिप्रेक्ष्य, विश्व शेयर बाजारों पर कोविड-19 महामारी और लॉकडाउन का प्रभाव: एक अनुभवजन्य जांच, राष्ट्रीय, 2022।
2. गुणात्मक विश्लेषण पर एफडीपी, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 4-8 जुलाई 2022।

डॉ. दीप्ति प्रकाश

1. बहुसांस्कृतिक शिक्षा: समावेशन की दिशा में एक कदम, अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय, 2021।

डॉ. शिल्पा जैन

1. दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम "विकलांगता और कार्यस्थल पहुंच का परिचय: मुद्दे, पहल और चुनौतियां, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 21-22 जनवरी 2022।

2. क्या भारतीय एचई संस्थान लैंगिक सशक्तिकरण की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं? भारत में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ, अंतर्राष्ट्रीय, 2021।

श्री गौरव तालान

1. सेमिनार – भारत में स्टार्ट-अप परिदृश्य पर ऑनलाइन सेमिनार: महामारी के साथ समायोजन, 13 सितंबर 2021।
2. वेबिनार – "कोविड-19 महामारी के दौरान कॉर्पोरेट चुनौतिया", भारतीय कंपनी सचिव संस्थान और गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, 16 सितंबर 2021
3. "छाया बजट 2022-23ष पर कार्यक्रम, पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, 11 जनवरी 2022

सुश्री भारती

1. छाया बजट 2022-23, पीएचडी आर्थिक मामलों की समिति, 11 जनवरी 2022
2. बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम" का आयोजन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली द्वारा 08 मार्च 2021 से किया गया।

5. स्कूलों द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

1. दो दिवसीय प्रबंधन विकास कार्यक्रम "विकलांगता और कार्यस्थल पहुंच का परिचय: मुद्दे, पहल और चुनौतियां", 1. श्री सुभाष वशिष्ठ (निदेशक, सीएबीई फाउंडेशन) 2. श्री टी.डी धारियाल (कार्यकारी निदेशक, सीएबीई फाउंडेशन), 3. श्री इस्लाम उल हक (मास्टर ट्रेनर, आईएसएलटीआरसी), 4. श्री मुकेश कुमार (प्रमाणित जेएडब्ल्यूएस 2020 और एक्सेसिबिलिटी कोर कॉम्पिटिशन में प्रमाणित पेशेवर), 5. डॉ. ए. मैरिसपोर्ट (एचओसी विकलांगता अध्ययन, जीएनएलयू), 6. श्री दीपेंद्र मनोचा (निदेशक डेजी), 7. डॉ. पीयूष चानना (रेज्ड लाइन्स फाउंडेशन के सह-संस्थापक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, एक आईआईटी दिल्ली स्टार्टअप), 8.तृप्ति सोमेश्वर (विशेष शिक्षक, पीएआर टीम में नेतृत्व), 21-22 जनवरी 2022, प्रो. शालिनी गर्ग द्वारा आयोजित।
2. तकनीकी विश्लेषण और मूल्यांकन कार्यशाला, 06-10 दिसंबर 2021, डॉ. आशीष कुमार और भारती द्वारा आयोजित।
3. बिजनेस एनालिटिक्स वर्कशॉप, 16-20 जुलाई 2021, डॉ. आशीष कुमार और भारती द्वारा आयोजित।

6. पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति/संकाय द्वारा प्राप्त:

प्रो. मीनाक्षी हांडा

1. कूड़ा कचरा? भारत में उपभोक्ताओं के बीच ई-अपशिष्ट पुनर्चक्रण की मंशा को प्रभावित करने वाले कारकों का एक अध्ययन, जीडी गोयनका विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मैनेजमेंट द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित 'एक समतामूलक ग्रह के लिए सतत विकास रोड मैप' पर पांचवें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2022 के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार।
2. डिजिटल पाइरेसी का उपभोक्ता औचित्य: एक ग्रंथ सूची विश्लेषण, ट्रैक में सर्वश्रेष्ठ पेपरय प्रबंधन प्रथाओं में प्रगति पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएएमपी 2021) जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज 3, इंस्टीटयूशनल एरिया रोहिणी, सेक्टर - 5 दिल्ली, 110085, 2022

डॉ. शिल्पा जैन

1. क्या मेटाकॉग्निशन महामारी के दौरान कर्मचारी की प्रभावशीलता निर्धारित कर सकता है? साहित्य की एक एकीकृत समीक्षा, यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, 2021
2. क्या भारतीय एचई संस्थान लैंगिक सशक्तिकरण की दिशा में अपना योगदान दे रहे हैं? भारत में सार्वजनिक और निजी विश्वविद्यालयों का एक अध्ययन, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2021
3. लैंगिक असमानता से निपटने में उच्च शिक्षा की भूमिकारू एक अनुभवजन्य साक्ष्य, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2021

डॉ. दीप्ति प्रकाश

1. बहुसांस्कृतिक शिक्षा: समावेशन की ओर एक कदम, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, 2021।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1	डॉ. आशीष कुमार	वित्तीय बाजारों पर कोविड 19 के प्रभाव का विश्लेषणरू ब्रिक देशों का एक अध्ययन	एफआरजीएस, जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85
2	डॉ. संचिता बंसल	एसडीजी हासिल करने के लिए व्यवसाय/ संगठन के स्वदेशी मॉडल	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85
3.	प्रो. विजिता. एस अग्रवाल	रिलेशनल कैपिटल के निर्माण के लिए अग्रणी संरचनात्मक और सामाजिक कारक और अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त उद्यम के प्रदर्शन पर उनका प्रभाव	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.85
4.	प्रो. (डॉ.) शालिनी गर्ग	"विकलांग लोगों के लिए सहायक प्रौद्योगिकी उपकरण और संबंधित सेवा ढांचा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोग: एक क्रॉस-नेशनल अध्ययन"	(आईसीएसएसआर) मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शुरू की गई (आईएमप्रेस) योजना के तहत	2 वर्ष अगस्त 2019 - 2021	12
5.	सुश्री भारती	क्रिप्टोकरेंसी में झुंड व्यवहार का अध्ययन- एक अनुभवजन्य जांच	जीजीएसआईपीयू	1 वर्ष	0.455

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्रों का नाम	कार्यक्रम	पुरस्कार विवरण
1.	ट्विंकल अरोड़ा	सर्वोत्तम पेपर प्रमाणपत्र	अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ।
2.	ट्विंकल अरोड़ा	सर्वोत्तम पेपर प्रमाणपत्र	महाराजा अग्रसेन प्रबंधन अध्ययन संस्थान
3.	आरुषि सिंह	सर्वोत्तम पेपर प्रमाणपत्र	अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ
4.	आरुषि सिंह	सर्वोत्तम पेपर प्रमाणपत्र	अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टरेट अनुसंधान ई-सम्मेलन 2021

9. स्कूलों द्वारा आयोजित अतिरिक्त सह-पाठयक्रम गतिविधियाँ जैसे /त्योहार/वार्षिक बैठकें:

प्रो. मीनाक्षी हांडा

- ब्रांड डैजल - 19 जून 2021, प्रो. मीनाक्षी हांडा द्वारा आयोजित।
- एडविजन - 04 मार्च 2022, प्रो. मीनाक्षी हांडा द्वारा आयोजित।

10. स्कूल द्वारा हस्ताक्षरित एमओयू (शैक्षणिक/अनुसंधान एवं विकास):

क्र.सं.	दूसरा दल	एमओयू तिथि	अवधि
1.	एसोबीन कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड	16.7.2021	3 वर्ष
2.	एएसडीजे एंड एसोसिएट्स	12.11.2021	3 वर्ष
3.	इंस्टापावर लिमिटेड	23.11.2021	3 वर्ष
4.	कम्प्यूटर सोसायटी ऑफ इंडिया (सीएसआई)	23.11.2021	3 वर्ष
5.	सेडुलिटी सॉल्यूशंस और टेक्नोलॉजीज	25.11.2021	3 वर्ष
6.	प्रिमेरो स्किल्स एंड ट्रेनिंग प्रा. लिमिटेड (पीएसटीपीएल)	2.12.2021	3 वर्ष
7.	पहल बहुउद्देशीय समाज सेवा संगठन	2.12.2021	3 वर्ष

क्र.सं.	दूसरा दल	एमओयू तिथि	अवधि
8.	टोरस प्रिमेरो एडुटेक प्राइवेट लिमिटेड (ओपीईपीएल)	2.12.2021	3 वर्ष
9.	पारस इंडिया	3.12.2021	3 वर्ष
10.	फ्लोर एंड फर्निशिंग ग्लोबल प्रा. लिमिटेड	3.12.2021	3 वर्ष
11।	आर्ट क्रिएशन्स कल्चरल सोसायटी	6.12.2021	3 वर्ष
12.	क्रैडल (विकलांगों के पुनर्वास और उन्नति केंद्र)	8.12.2021	3 वर्ष
13.	इंद्रप्रस्थ अकादमी मिलियन पीपल फाउंडेशन (पूर्व में इंद्रप्रस्थ अकादमी फाउंडेशन)	9.12.2021	3 वर्ष
14.	नोवा प्रकाशन एवं प्रिंटर्स प्रा. लिमिटेड	10.12.2021	3 वर्ष
15.	सर्वे भवन्तु सुखिन:, सर्वे सन्तु निरामया (एपीडब्ल्यूपीएल)	13.12.2021	3 वर्ष
16.	मास कम्युनिकेशन के एक स्कूल को लीजिए	14.12.2021	3 वर्ष
17.	गांधी स्मृति और दर्शन स्मृतिमैं (जीएसडीएस)	15.12.2021	3 वर्ष
18.	दिल्ली जल बोर्ड	16.12.2021	3 वर्ष
19.	मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज मैदा	16.12.2021	3 वर्ष
20.	डायरेक्ट एडमिशन ग्रुप (डीएजी)	20.12.2021	3 वर्ष
21.	हस्तनिर्मित कागज एवं बोर्ड उद्योग	22.12.2021	3 वर्ष
22.	अखिल भारतीय रचनाकर्म कार्य संस्थान	23.12.2021	3 वर्ष
23.	इंडस्ट्रियल इनक्यूबेशन ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एंड स्किलफेडरेशन (आईआईईएसटी फेडरेशन)	23.12.2021	3 वर्ष
24.	मूनलाइट फिल्म्स एंड थिएटर सोसाइटी	27.12.2021	3 वर्ष
25.	एलआरजी एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड	31.12.2021	3 वर्ष
26.	बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय	31.01.2022	3 वर्ष
27.	दिल्ली विधानसभा अनुसंधान केंद्र, दिल्ली विधान सभा	07.04.2022	3 वर्ष
28.	ईडीसीआईएल इंडिया लिमिटेड	19.04.2022	3 वर्ष
29.	स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं का संघ (एएचपीआई)	28.09.2020	उपलब्ध नहीं है
30.	सैनफोटेक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	28.09.2020	उपलब्ध नहीं है
31.	एसएमसी ग्लोबल सिक्योरिटीज लिमिटेड	29.09.2020	उपलब्ध नहीं है
32.	बीआईपीएस सिस्टम्स लिमिटेड	28.09.2020	उपलब्ध नहीं है
33.	चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (सीयूटीबीआई)	29.09.2020	उपलब्ध नहीं है
34.	भारतीय कंपनी सचिव संस्थान (आईसीएसआई)	23.10.2020	उपलब्ध नहीं है
35.	सीडीएमएस, जीजीएसआईपीयू और दिल्ली अग्निशमन सेवाएँ	13.04.2022	उपलब्ध नहीं है
36.	सीडीएमएस और होम गार्ड महानिदेशालय	22.04.2022	उपलब्ध नहीं है
37.	पीएच ईआरओ (सार्वजनिक स्वास्थ्य अधिकारिता एवं अनुसंधान संगठन)	17.12.2021	उपलब्ध नहीं है
38.	सीक्यूएएस (गुणवत्ता एवं खाद्य सुरक्षा केंद्र)	05.05.2022	उपलब्ध नहीं है
39.	एनआईटीकेकेआर (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कुरूक्षेत्र)	26.05.2022	उपलब्ध नहीं है
40.	लियामातिवो कंसल्टिंग प्रा. सीमित	15.11.2021	उपलब्ध नहीं है
41.	विमानन, भारत	–	उपलब्ध नहीं है

11. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	प्रस्तावित वार्षिक औसत पैकेज (एलपीए)
1	ऑरेंज	3	6.5
2	ईवैल्यूसर्व	31	6
3	बीसी जिंदल ग्रुप	2	6
4	क्रिसिल	3	5
5	टू द न्यू	4	4.5
6	आईसीआईसीआई	3	4.2
7	इनोवेटएमआर	4	4.2
8	6डब्ल्यूरिसर्च	2	3.6
9	कोटक लाइफ	5	3.5
10	मजिस्ट्रल	8	4.5
11	फैब एनालिटिक्स	2	6 महीने की परिवीक्षा के लिए 30 हजार प्रति माह
12	गार्टनर	4	24k वजीफा
13	प्रोटिविटी	3	6
14	जारो	3	7.5
15	बायजस	4	6.4
16	लोनफ्रेम	8	4
17	ग्रिल	2	7
18	फ्लिपकार्ट	4	5
19	लीडो	3	4
20	निवेश ग्लोबल	4	4
21	रियलिटी असिस्टेंट	2	3.5
22	वर्डवेदा	3	4.6
23	गोदरेज और बॉयस	3	5.75
24	एचडीएफसी	2	3.5

12. शोधार्थियों का विवरण:-

(क) सम्मानित पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 24

क्र.सं.	विद्वान का नाम	शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक
1	पारुल सिंह	नवप्रवर्तन पद्धतियाँ और संगठनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता: भारत में चुनिंदा संगठनों का एक अध्ययन	प्रो. अनिल के. सैनी
2	किमी थरेजा	सेवा क्षेत्र में ग्राहक संबंध प्रबंधन (सीआरएम): भारतीय जीवन बीमा उद्योग के विशेष संदर्भ में एक अध्ययन	प्रो. अनिल के. सैनी और प्रो. पूजा खत्री
3	नित्या खुराना	भारतीय होटल उद्योग में कर्मचारियों की नियुक्ति पर योग्यता विकास और प्रतिभा प्रबंधन प्रथाओं का प्रभाव	डॉ. शिल्पा जैन
4	भावना बजाज	कर्मचारी के व्यक्तिगत प्रदर्शन और टीम की प्रभावशीलता के संबंध में मेटाकॉग्निटिव क्षमता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सामाजिक बुद्धिमत्ता का एक अध्ययन	डॉ. शिल्पा जैन

क्र.सं.	विद्वान का नाम	शीर्षक	पर्यवेक्षक/सह-पर्यवेक्षक
5	शेफाली	पारिवारिक खरीद निर्णयों में बच्चों का प्रभाव: भारत में भारतीय बच्चों और जापानी प्रवासी बच्चों का तुलनात्मक अध्ययन	प्रो. विजिता एस अग्रवाल
6	निधि सिंह	मोबाइल वॉलेट अपनाने के उपभोक्ता के इरादे का एक अध्ययन	प्रो नीना सिन्हा
7	रिधि भाटिया	उपभोक्ताओं की ई-स्वास्थ्य सेवाओं के उपयोग का इरादा और भुगतान करने की इच्छा	प्रो. उदिता तनेजा
8	सुमेधा दत्ता	आईटी क्षेत्र में कर्मचारियों के टर्नओवर इरादों पर नौकर नेतृत्व, सकारात्मक संगठनात्मक व्यवहार और मनोवैज्ञानिक स्वामित्व का प्रभाव	प्रो. पूजा खत्री
9	दीक्षा अरोड़ा	"समय में परिवर्तनशील बीटा के साथ परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल की प्रभावशीलता: एक भारतीय साक्ष्य"	डॉ. दिव्या वर्मा
10	अभिजीत फुकोन	भारत में केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के प्रदर्शन पर विनिवेश का प्रभाव।	डॉ. दिव्या वर्मा
11	स्वाति गनोत्र खन्ना	अस्थिरता स्पिलओवर की गतिशीलता और शेयर बाजारों का एकीकरण: एशियाई देशों से साक्ष्य	डॉ. आशीष कुमार
12	क्षितिज कुशाग्र	भारत के सरकारी क्षेत्र में क्लाउड कंप्यूटिंग को अपनाने के लिए महत्वपूर्ण कारकों का एक अध्ययन	प्रो. संजय ढींगरा
13	प्राची जैन	ग्राहक संतुष्टि पर सेवा गुणवत्ता का प्रभाव: भारतीय और ताइवानी संगठित किराना खुदरा की तुलना	प्रो. विजिता एस अग्रवाल
14	स्वधा अग्रवाल	ऑटो कंपोनेंट क्लस्टर फर्मों की नवप्रवर्तन क्षमताएं और प्रतिस्पर्धात्मकता	प्रो. आरके मित्तल और प्रो. नीना सिन्हा
15	मृणालिनी श्रीवास्तव	मस्तिष्क की कार्यप्रणाली और वित्तीय निर्णय लेने के बीच संबंध का अध्ययन	डॉ. गगन दीप शर्मा
16	मिशा मथारू	भारतीय विनिर्माण एमएसएमई में लीन प्रबंधन का एक अध्ययन'	प्रो नीना सिन्हा
17	अमित शर्मा	विपणन के लिए एक उपकरण के रूप में सोशल मीडिया का अध्ययन और उपभोक्ता निर्णय लेने पर इसका प्रभाव	प्रो.संजीव मित्तल
18	ज्योति यादव	राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस योजना (एनईजीपी) में मिशन मोड परियोजनाओं का प्रभाव आकलन	प्रो. अनिल के. सैनी
19	शिवानी आनंद	पूर्वाग्रहों और प्राथमिकताओं के संबंध में व्यक्तिगत निवेशक व्यवहार अभिविन्यास और ट्रेडिंग व्यवहार पर इसके प्रभाव का एक अध्ययन	प्रो. अनु सिंह लाठर और डॉ. शिल्पा जैन
20	प्रीति सिंह	पारस्परिक दक्षताएँ, आंतरिक मानवीय क्षमताएँ और उच्च और निम्न प्रदर्शन करने वालों के कार्य जीवन की गुणवत्ता: सार्वजनिक क्षेत्र के विनिर्माण संगठनों का एक अध्ययन।	डॉ. शिल्पा जैन
21	दिनेश रावत	भारत के ऑटो कंपोनेंट क्लस्टर में काम करने वाली र्मों के प्रदर्शन पर बिजनेस नेटवर्क का प्रभाव	प्रो. आरके मित्तल और प्रो. विजिता एस. अग्रवाल
22	शिप्रा शर्मा	भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में संगठनात्मक प्रदर्शन पर ई-प्रशिक्षण प्रभावशीलता का प्रभाव	प्रो. शालिनी गर्ग

(ख) अनुसंधान विद्वानों ने प्रवेश लिया (2021-22): 24

(ग) चल रहे पी.एच.डी. अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 81

13. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

इंद्रप्रस्थ जर्नल ऑफ मैनेजमेंट अंक 1.

14. अवधि के दौरान अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

प्रो नीना सिन्हा

- स्कूल बोर्ड के सदस्य महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा
- विश्वविद्यालय सलाहकार समिति एनएसएस सेल (जीजीएसआईपीयू) के सदस्य

15. प्रकाशित/सम्मानित पेटेंट की संख्या:

1. स्कोरकार्ड दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए जेनेरिक ब्रांड मेट्रिक्स फ्रेमवर्क, 2021104350, 5.5.2022, डॉ. आशीष कुमार
2. कॉपीराइट संख्या टीएक्सयू 2-288-635, सतत निवेश का समग्र मूल्य संवर्धन (एचवीए) ढांचा, गौरव तालान
3. क्रमांक एल-108713/2021 वित्तीय कल्याण स्केल, डॉ. गगन दीप शर्मा

4.11 विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एम.ए (एम.सी)	2 वर्ष	60

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल के संबंध में स्कूल में नई सुविधाओं के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	कंप्यूटर वर्कस्टेशन	विंडोज 10 प्रो, रैम-4 जीबी, 6 बिट प्रोसेसर। संकाय वीडियो बना सकते हैं जहां छात्र प्रशिक्षक, बोर्ड, कंप्यूटर जनित ग्राफिक्स (पावरपॉइंट, ग्राफ, फोटो), और किसी भी भौतिक वस्तु (मॉडल, उपकरण, आदि) का अवलोकन करते हैं जो पाठ का हिस्सा हैं। एक बार संपादित होने के बाद, इन वीडियो को यूटयूब या अन्य मल्टीमीडिया स्रोतों का उपयोग करके छात्रों के साथ साझा किया जा सकता है।
2.	कंप्यूटर	विंडो 10, रैम-16 जीबी, 64 बिट प्रोसेसर। रेडियो और टेलीविजन कार्यक्रमों के लिए रिकॉर्डिंग, संपादन, अंतिम ऑडियो मिश्रण
3.	ऑडियो वॉयस रिकॉर्डर (सोनी) पोर्टेबल।	सोनी आईसीडी-यूएक्स 51 2एफ. आउटडोर रिकॉर्डिंग में वॉयस रिकॉर्डिंग/बाइट्स के लिए उपयोग किया जाता है।
4.	ऑडियो वॉयस रिकॉर्डर. (ऐस्कम)	टैस्कम डीआर 40 और डीआर 100 (एमके II) का उपयोग इनडोर स्टूडियो रिकॉर्डिंग के साथ-साथ आउटडोर रिकॉर्डिंग उद्देश्यों में वॉयस रिकॉर्डिंग/बाइट्स के लिए किया जाता है।
5.	ऑडियो कार्ड	कंप्यूटर और माइक्रोफोन के बीच उपयोग किया जाने वाला एक ऑडियो इंटरफेस। यह डेटा ट्रांसफर और स्टोरेज की प्रक्रिया को तेज करने में मदद करता है।
6.	ऑडियो मिक्सिंग कंसोल	ऑडियो रूटिंग/मिक्सिंग के लिए साउंड क्राफ्ट ईएफएक्स 12 ।
7.	माइक्रोफोन (गतिशील)	ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रक्रिया सामग्री विकास का समर्थन करने के लिए सेन्हाइजर ।
8.	माइक्रोफोन कंडेनसर	ई-सामग्री विकास के लिए ऑडियो रिकॉर्डिंग प्रक्रियाओं का समर्थन करने के लिए सीएडी ई 100 और रोड एनटी2।
9.	कैमरा और ट्राइपॉड्स	कैनन, निकॉन और सोनी

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिसर्च जर्नल में लेख

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

- टंडन, एस., सिंह, एनवी, और त्रिपाठी, डी., 2022. लाइक, शेयर और कमेंट: सोशल मीडिया पर जेन-जेड और पॉलिटिकल मीम्स। स्पेशल्यूसिस उगडीमास/विशेष शिक्षा, 1(43), 2973-2998। [स्कोपस इंडेक्स्ड जर्नल]

डॉ. एसडी त्रिपाठी

- गुप्ता, जी. और त्रिपाठी, एसडी, 2021।'द ब्लाइंड साइड: सोशल मीडिया लिटरेसी एंड यूजेज पैटर्न्स अमंग द विजुअली-इम्पेयर्ड', जर्नल ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ तमिलनाडु, ईआईएसएसएन: 2581-513X,5, 2 , 210-228.

डॉ. कुलवीन त्रेहान

- त्रेहन, के. 2021. वैश्विक रिपोर्ट ओलंपिक और पैरालंपिक विश्लेषण 2020 के लिए "टोक्यो ओलंपिक में भारतीय महिला एथलीटों पर ट्विटर वार्तालाप": मेगा इवेंट, मीडिया और खेल की राजनीति, संपादक, डैनियल जैक्सन, अलीना बर्नस्टीन, माइकल बटरवर्थ, यंगान चो, डेनिएल सरवर कॉम्ब्स, माइकल डेवलिन, चूका ओनवुमेचिली, ऑस्टिन में टेक्सास विश्वविद्यालय, सेंटर फॉर स्पोर्ट्स कम्युनिकेशन एंड मीडिया और सेंटर फॉर कम्पेरेटिव पॉलिटिक्स एंड मीडिया रिसर्च, यूएसए।

- गुप्ता, एस. और त्रेहान, के., 2021. "विकिपीडिया पर महिलाओं की अनुपस्थिति पर ट्विटर की प्रतिक्रिया: #विजिबलविकीवुमेन अभियान का मिश्रित-तरीकों का विश्लेषण," मीडिया एशिया, टेलर और फ्रांसिस (रूटलेज)। स्कोपस अनुक्रमित।
- गुप्ता, एस. और त्रेहन, के., 2021. "मासिक धर्म सक्रियता के लिए गैर-सरकारी संगठनों द्वारा डिजिटल वकालत: #लहुकलागान का एक "रेमिंग विश्लेषण," जर्नल ऑफ कंटेंट, कम्युनिटी एंड कम्युनिकेशन वी13 (7), (2021) स्कोपस इंडेक्स्ड और यूजीसी देखभाल सूची।

बी) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

डॉ. कुलवीन त्रेहान

- त्रेहन, के., 2021. मासिक धर्म सक्रियता के लिए गैर-सरकारी संगठनों द्वारा डिजिटल वकालत: शेसेज इंडिया द्वारा #लहुकलागान (रक्त कर) अभियान का एक फ्रेमिंग विश्लेषण।
- त्रेहन, के., 2021. विकिपीडिया पर महिलाओं की अनुपस्थिति पर ट्विटर की प्रतिक्रिया: #विजिबलविकीवुमेन अभियान का मिश्रित-तरीकों वाला विश्लेषण।

ग) पुस्तक अध्याय

- त्रिपाठी, डी. और टंडन, एस., 2021। क्या मुक्त शिक्षा संसाधन न्यायसंगत और सुनिश्चित कर सकते हैं
- महामारी से प्रभावित दुनिया में SDG4 द्वारा परिकल्पित सभी के लिए समावेशी शिक्षा? डी. गुसे, एच. उइगुन, और आर. गुजराती (सं.), सतत विकास लक्ष्य (पहला संस्करण, पीपी. 132-145) में। ट्रेडप्रेन्योर ग्लोबल एकेडमिक प्लेटफॉर्म साउथेम्प्टन, यूके। https://img1.wsimg.com/blobby/go/59887e6b-2074-4102-8fa4-572b54f01c54/SDG_%20Proceeding%20Book_2021.pdf
- भारती, एस. और गौर, पी., 2022। पोस्ट कोविड परिवेश में अनुकूली शिक्षा: जेन जेड ग्लोबल साउथ में क्या चाहता है।
- त्रिपाठी, डी., 2021। क्या मक्त शिक्षा संसाधन महामारी से प्रभावित दुनिया में एसडीजी 4 की परिकल्पना के अनुसार सभी के लिए समान और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं? 132-145.
- दत्त, टी. एस., 2022. 'स्वतंत्रता पूर्व काल में भारत में प्रकाशित संरक्षक में जनपक्षधर यूरोपीय पत्रकार', स्वतंत्रता आंदोलन तथा राष्ट्रवादी प्रेस: विस्मृत संघर्ष, बलिदान और परिवर्तन, एड राघवेंद्र मिश्र, भारती प्रकाशन, वाराणसी, आईएसबीएन: 978-93-9129751-0, 138-144.
- त्रेहन, के., 2021. "ग्लोबल वर्ल्ड में पंजाबी टेलीविजन: भारत में क्षेत्रीय भाषा टेलीविजन में मूल निवासी और प्रवासी लोगों को पकड़ना": प्रोफाइल और परिप्रेक्ष्य, संस्करण। मीरा के. देसाई, रूटलेज।
- त्रेहान, के., 2021. डिजिटल युग में बीट समाचार-लेखन और संपादन पत्रकारिता में खेल समाचार-लेखन सुरभि दहिया, संभू दास साहू, सेज प्रकाशन।

घ) कोई अन्य प्रकाशन

- त्रिपाठी, डी.,2021. मीडिया और सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन पर पुनर्विचार: महामारी के समय में भारत और विश्व (पहला संस्करण)। एचपी हैमिल्टन लिमिटेड, इंग्लैंड। आईएसबीएन नंबर: 978-1913936204.
- त्रेहन, के., 2022. अनुसंधान परियोजना "द एम3 ऑन मैन, मेल एंड मैस्कुलिनिटी प्रोजेक्ट" के शोधकर्ता (सोशल मीडिया केस एनालिसिस) - प्रो. उषा रमन (यूओएच) और लक्ष्मी के नेतृत्व में एनडब्ल्यूएमआई गोएथे इंस्टीट्यूट (जर्मनी), नई दिल्ली के बीच एक सहयोग मूर्ति (एनडब्ल्यूएमआई)।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी

- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा 24-25 मार्च को आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी "आजादी का अमृत महोत्सव: राष्ट्रवादी पत्रकारिता और स्वतंत्रता आंदोलन: भूले हुए संघर्ष, बलिदान और परिवर्तन" विषय पर आयोजित की गई। 2022, अमरकंटक, म. प्र.

डॉ. कुलवीन त्रेहान

- यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी-अफ्रीका द्वारा 11-15 जुलाई 2021को आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च, 2021 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट की खपत की खोज: स्पोर्ट्स मीडिया और उपयोगकर्ताओं से परिप्रेक्ष्य" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- मॉस्को रीडिंग कॉन्फ्रेंस, 18-19 नवंबर, 2021, मॉस्को स्टेट यूनिवर्सिटी, रूस 18-19 नवंबर 2021 में "भारत में फैंटेसी स्पोर्ट्स ऑनलाइन के उपयोग और संतुष्टि: स्पोर्ट्स मीडिया में प्रशंसक प्रेरणा और प्रतिबिंब" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया।
- यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी-अफ्रीका, द्वारा आयोजित इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च, 2021 द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "नारीवादी सक्रियता, डिजिटल बहिष्कार और इंटरनेट की पावर डायनेमिक्स: ट्विटर अभियान #विजिबलविकीवुमेन और #शीट्रांसफॉर्म्सटेक का एक महत्वपूर्ण प्रवचन विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, 11-15 जुलाई 2021।
- "भारतीय फैनफिक्शन लेखकों द्वारा लिंग निर्माण: वॉटपैड पर के-पॉप फैनफिक्शन का एक पाठ्य विश्लेषण" शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया गया। इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन रिसर्च द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2021 यूनाइटेड स्टेट्स इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी-अफ्रीका द्वारा आयोजित, 11-15 जुलाई 2021 .
- देश भर से 10 सदस्यों की एक टीम में ऑनलाइन शिक्षण और सीख पर अनुसंधान (आरओटीएल) पर एक राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण पर सहयोग किया। निष्कर्ष एसएनडीटी महिला विश्वविद्यालय मुंबई द्वारा आयोजित मीडिया मंत्र में प्रस्तुत किए गए, जून 2021।
- सीओएफएएस पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मीडिया कर्मियों के लिए पर्यावरण प्रबंधन पर संवेदनशीलता पर एक फ्डीपी में भाग लिया, 11-13 नवंबर 2021।
- यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन (यूएसएमसी), गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (जीजीएसआईपीयू) द्वारा 15-27 अप्रैल 2021 को आयोजित दो सप्ताह के ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम श्डेवलपिंग एकेडमिक लीडर्स फॉर 'यूचर: द वे फॉरवर्ड' में भाग लिया।
- यूएसएमएस, जीजीएसआईपीयू द्वारा 8-12 मार्च 2021 को आयोजित ई-एफडीपी 'बियॉन्ड द बाउंड्रीज: री-इन्वेंटिंग हायर एजुकेशन पैराडाइम' में भाग लिया।

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

- ऑनलाइन यूनिवर्सिटी, किर्गिज रिपब्लिक द्वारा 2 मई 2021 को आयोजित ऑनलाइन वार्षिक व्याख्यान श्रृंखला में 'एमओओसी: द नेक्स्ट जेनरेशन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- एसडीजी-4 पर एक व्याख्यान दिया: संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्य-17 शिखर सम्मेलन, 2021 में सभी के लिए समावेशी, समान गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करें, जो कि ट्रेडप्रेनर ग्लोबल एकेडमिक प्लेटफॉर्म यूके, यूएस-इंडिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी कोलैबोरेशन फॉर सिक्योरिटी यूएस, साकार्या यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंस, तुर्की और कोडोलान्यी जानोस विश्वविद्यालय, हंगरी, द्वारा आयोजित किया गया। 4 जून 2021, ऑनलाइन।
- 17 जून 2021 को चौथे आरईएसएडब्ल्यू सम्मेलन में ऑनलाइन मीम्स और उनकी वायरलिटी पर एक ऑनलाइन पैनल चर्चा में पैनलिस्ट। इसका आयोजन लक्जमबर्ग सेंटर फॉर कंटेम्परेरी एंड डिजिटल हिस्ट्री (सीडीएच)/ यूनिवर्सिटी ऑफ लक्जमबर्ग, द्वारा किया गया था, 17 जून 2021, ऑनलाइन।
- सामुदायिक और विकास संचार पर अंतर्राष्ट्रीय वेबिनार श्रृंखला में 'एचईआई में डिजिटल समावेशन: शिक्षा में डिजिटल कॉमन्स को आगे बढ़ाने का रास्ता: सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा' विषय पर एक व्याख्यान दिया। इसका आयोजन इंटरनेशनल नेटवर्क ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, टीआईआईकेएम, श्रीलंका द्वारा मेडकॉम, एमएसओसी, 21 के सहयोग से किया गया था। जून 2021, ऑनलाइन।
- एशियन कांग्रेस फॉर मीडिया एंड कम्युनिकेशन और ऑक्लैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, न्यूजीलैंड द्वारा 28 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित प्री-कॉन्फ्रेंस फोरम सीरीज में 'मैसिव ऑनलाइन ओपन कोर्सेज: लर्निंग एंड रिसर्चिंग फॉर द नॉलेज इकोनॉमी' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- ग्लोबल टॉक एजुकेशन फाउंडेशन, भारत और ग्लोबल अपॉर्चुनिटीज व्यावसायीकरण, ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित दूसरे डिजिटल शिक्षा शिखर सम्मेलन में पैनलिस्ट, 29-30 जून 2021, ऑनलाइन।

- यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट्स द्वारा वित्त पोषित एक अंतर्राष्ट्रीय परियोजना 'द रूम व्हेयर इट हैपन्स' के तहत 'यूनाइटेड फॉर वन: एक्सप्लिकेटिंग द ऑनलाइन न्यूज एंड टैक्सोनॉमी ऑफ मीडिया लिटरेसी' शीर्षक से एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, 4 सितंबर 2021, ऑनलाइन।
- अमेरिकी विदेश विभाग के एक छोटे से अनुदान द्वारा प्रायोजित प्रोजेक्ट 'द रूम व्हेयर इट हैपन्स' द्वारा आयोजित 'ग्रीस और भारत में बंद एन्क्रिप्टेड चौट रूम ऐप्स में गलत सूचना/दुष्प्रचार की खोज' शीर्षक से एक आभासी वैश्विक सत्र में पैनलिस्ट, 31 अक्टूबर 2021, ऑनलाइन।
- नई दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड मैनेजमेंट, गुरु काशी यूनिवर्सिटी द्वारा ऑरेल व्लाइकू यूनिवर्सिटी अराद, रोमानिया, के सहयोग से आयोजित 'लचीली कार्य व्यवस्था और इंटरनेट ऑफ थिंग्स: आधुनिक परिदृश्य में परिप्रेक्ष्य' नामक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक पूर्ण सत्र को संबोधित किया। 21 दिसंबर 2021, ऑनलाइन।

राष्ट्रीय

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

- एमआईटी-एडीटी विश्वविद्यालय, पुणे, महाराष्ट्र द्वारा 5-6 मई 2021 को ऑनलाइन आयोजित 'कला, डिजाइन, प्रौद्योगिकी, प्रबंधन और शिक्षा में नवीन प्रौद्योगिकी रुझान' नामक राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- मीडिया मॉनिटर और प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर, मध्य प्रदेश द्वारा 15 मई 2021 को आयोजित एक ऑनलाइन वेबिनार में 'एमओओसी: द नेक्स्ट जेनरेशन टीचिंग लर्निंग प्लेटफॉर्म' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (एनएएसी), बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा 28 मई 2021 को ऑनलाइन आयोजित 'ई-पीजी पाठशाला और एमओओसी के संदर्भ में मुक्त शिक्षा संसाधन' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- कालिंदी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित, 10-11 जून 2021, ऑनलाइन 'भारत में महिलाओं पर सीओवीआईडी -19 के सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक प्रभाव' नामक दो दिवसीय राष्ट्रीय वेबिनार में एक सत्र की अध्यक्षता की।
- तेलंगाना विश्वविद्यालय, तेलंगाना से संबद्ध निशिता डिग्री कॉलेज द्वारा 15 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार में 'ई-पीजी पाठशाला और एमओओसी के संदर्भ में मुक्त शिक्षा संसाधनश शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- एमिटी यूनिवर्सिटी, जयपुर, राजस्थान में 23 जून 2021 को ऑनलाइन आयोजित पांच दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में 'शिक्षा में डिजिटल समावेशन: आगे का रास्ता' विषय पर व्याख्यान दिया।
- सेंट पियस एक्स डिग्री और पीजी कॉलेज फॉर विमेन, नाचाराम, हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा 3 जुलाई 2021 को ऑनलाइन आयोजित एक राष्ट्रीय स्तर के संकाय विकास कार्यक्रम में 'एनईपी 2020: एचईआई में डिजिटल समावेशन: आगे का रास्ता' शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन द्वारा 5-11 जुलाई को आयोजित 'उभरते नए संबंध: शिक्षण, सीखने और अनुसंधान के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकियों की खोज' शीर्षक से सात दिवसीय ऑनलाइन एफडीपी में एक व्याख्यान दिया। 2021, ऑनलाइन।
- स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज, आईएफटीएम यूनिवर्सिटी, मोरादाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा 13-19 जुलाई 2021 को ऑनलाइन आयोजित 'इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोच ऑफ लर्निंग' नामक एक सप्ताह के संकाय विकास में 'एमओओसी और ओईआर का महत्वश शीर्षक से एक व्याख्यान दिया।
- पीजी कॉलेज, जौनपुर, वीबीएस पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रत्यायन और शिक्षक विकास' नामक सत्र को 6 अगस्त 2021 को ऑनलाइन संबोधित किया।
- मौलाना अबुल कलाम आजाद प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल के सहयोग से साउथ एशियन इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड रिसर्च एंड डेवलपमेंट के बीच आयोजित 'पारंपरिक शिक्षा के लिए उभरती तकनीक और चुनौतियां' नामक राष्ट्रीय सेमिनार में पैनलिस्ट, 10 अगस्त 2021, ऑनलाइन।
- पत्रकारिता और जनसंचार विभाग, स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात द्वारा आयोजित 'भारत में डिजिटल शिक्षा क्रांति: स्वयं, एमओओसी और ओईआर' नामक सत्र को 8 सितंबर 2021 को ऑनलाइन संबोधित किया।

- उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वारा प्रायोजित रक्षा अध्ययन विभाग, मेरठ कॉलेज, मेरठ द्वारा आयोजित 'कश्मीर समस्या और भारत-पाकिस्तान संबंध' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित किया, 25-26 सितंबर 2021, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- 23 अक्टूबर 2021 को केसीसी संस्थान द्वारा आयोजित 'मीडिया ब्रेड्स' नामक राष्ट्रीय मीडिया ऑनलाइन संगोष्ठी को ऑनलाइन संबोधित किया।
- कनोहर लाल पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'एचईआई में डिजिटल शिक्षा समावेशन' नामक कार्यशाला में मुख्य वक्ता, 6 दिसंबर 2021, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- कनोहर लाल पोस्ट ग्रेजुएट गर्ल्स कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित 'अनुसंधान पद्धति में विभिन्न सामग्री रुझान' नामक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सम्मानित अतिथि, 19 दिसंबर 2021, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (आरयूएसए), मेरठ कॉलेज, मेरठ और ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन (एआईएसएचई), मेरठ कॉलेज, मेरठ, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित '3-डी ऑफ एमओओसी कोर्स' नामक पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में मुख्य वक्ता। 28 दिसंबर 2021, मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली से संबद्ध टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज द्वारा आयोजित 'सोसाइटी एंड मीडिया' नामक वेबिनार के मुख्य वक्ता, 22 जनवरी 2022, ऑनलाइन।
- बेनेट यूनिवर्सिटी, उत्तर प्रदेश में 22 -24 फरवरी 2022 को ऑनलाइन '3डी ऑफ एमओओसी कंटेंट डेवलपमेंट' विषय पर दो व्याख्यान दिए।
- उच्च शिक्षा में डिजिटल संसाधनों के उपयोग और विकास पर एक ऑनलाइन पुनश्चर्या पाठ्यक्रम में "एमओओसी और ई-पीजी पाठशाला के संदर्भ में उच्च शिक्षा संस्थानों में डिजिटल शिक्षा समावेशन: शिक्षकों के लिए उभरती सुलभ तकनीकें", संकाय विकास केंद्र (एफडीसी) ईश्वर सरन पीजी कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, द्वारा आयोजित किया जा रहा है। 10 मार्च 2022, ऑनलाइन।
- पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक, मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित 'राष्ट्रवादी पत्रकारिता और स्वतंत्रता आंदोलन: भूले हुए संघर्ष, बलिदान और परिवर्तन' राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'स्वतंत्रता आंदोलन, राष्ट्रवादी प्रेस और उनके बलिदान' शीर्षक से एक पेपर प्रस्तुत किया, 24 मार्च 2021, अमरकंटक, मध्य प्रदेश।
- भविष्य के लिए अकादमिक नेताओं का विकास: आगे का रास्ता, 22 मई 2021, आईआईएम बैंगलोर।

5. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	संकाय का नाम	आयोजन गतिविधि का शीर्षक	प्रतिभागियों की संख्या
1.	श्री विनय शंकर	एक सप्ताह का वैल्यू ऐड ऑन कोर्स (पेशेवर और जीवन कौशल) (26/12- 31/2021) और प्रतिभागी 90	90
2.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	श्री भास्कर मजूमदार, प्रमुख - कॉर्पोरेट मामले, संचार और डिजिटल, एजिस इंडिया 2, 9, 23 और 30 अक्टूबर 2021 द्वारा अभियान योजना और निष्पादन पर चार दिवसीय कार्यशाला। 4-5 और 11 अक्टूबर, 2021 को श्री आशीष चटर्जी श्री वरिष्ठ कला निदेशक, पूर्व में इंडिया टुडे ग्रुप, टाइम्स ऑफ ओमान समाचार पत्र, स्वागत- इंडियन एयरलाइंस पत्रिका, मनोरमा पत्रिका द्वारा डिजाइन और लेआउट पर तीन दिवसीय कार्यशाला। सुश्री अनीता बोस, पूर्व सीओओ, मैडिसन मीडिया, जो पहले स्टारकॉम मीडियावेस्ट और ग्रुपएम से जुड़ी थीं, द्वारा 6-8 अक्टूबर 2021 को मीडिया प्लानिंग पर एक तीन दिवसीय कार्यशाला। 25-27 अक्टूबर, 2021 को अनुभवी ब्रांड रणनीतिकार श्री रमेश ताहिलियानी द्वारा ब्रांड पहचान पर तीन दिवसीय कार्यशाला। डॉ. कुलवीन त्रेहन ने 28 अक्टूबर 2021 को यूएसएमसी द्वारा एसडीजी पर कहानियां सुनाने के लिए आकर्षक समुदायों पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया। प्रतिभागी 28	28

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	2021	'ग्रामीण राजस्थान में डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से किशोरियों को सशक्त बनाना: गर्ल्स इफेक्ट्स छाजा (गो फोर्थ एंड शाइन) प्रोग्राम का एक केस स्टडी' के लिए यूनिसफे सी4डी रिसर्च फंड ग्रांट अवार्ड से सम्मानित: शोधकर्ता: स्नेह गुप्ता (डॉ. कुलवीन त्रेहन के तहत पीएचडी स्कॉलर), परियोजना सलाहकार: डॉ. कुलवीन त्रेहान।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी	मुक्त शिक्षा संसाधन और प्रभाव विश्लेषण: दिल्ली में युवाओं के बीच अनुकूली शिक्षण मॉडल का अध्ययन	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रलय, भारत सरकार	6 महीने	98
		युवा जुड़ाव और सोशल नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म: पूर्वोत्तर भारत में कोविड 19 के प्रभाव और भविष्य की चुनौतियों का आकलन	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार	2 वर्ष	8
2.	डॉ. कुलवीन त्रेहान	ग्रामीण राजस्थान, भारत में सतत विकास लक्ष्य - 5 (लैंगिक समानता) की वकालत पर मोबाइल मीडिया।	यूनिसेफ-आईएएमसीआर सी4डी अनुदान पुरस्कार	1 वर्ष	4000 अमरीकी डालर

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	पुरस्कार का विवरण
1	स्नेह गुप्ता	यूएसएमसी	पी.एच.डी	'ग्रामीण राजस्थान में डिजिटल हस्तक्षेप के माध्यम से किशोरियों को सशक्त बनाना: गर्ल्स इफेक्ट्स छात्रा (गो फोर्थ एंड शाइन) प्रोग्राम का एक केस स्टडी' के लिए यूनिसेफ सी4डी रिसर्च फंड ग्रांट (इंटरनेशनल) की विजेता: शोधकर्ता: स्नेह गुप्ता (डॉ. के तहत पीएचडी स्कॉलर)। कुलवीन त्रेहन), परियोजना सलाहकार: डॉ. कुलवीन त्रेहान
2	प्रियंका सचदेवा	यूएसएमसी	पी.एच.डी	चतुर्थ वर्ष
3	तन्वी समद्दर	यूएसएमसी	एम.ए (एमसी) 2020	चतुर्थ सेमेस्टर

9. स्कूल द्वारा आयोजित त्यौहार/वार्षिक बैठकें जैसी अतिरिक्त सह-पाठ्यचर्या गतिविधियाँ:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	तारीख	आयोजन का विवरण
1	पूर्व छात्रों की बैठक	4 जनवरी 2022	डॉ. सर्वेश दत्त त्रिपाठी द्वारा आयोजित ऑनलाइन पूर्व छात्र सम्मेलन
2	एमए(एमसी) छात्रों के लिए सामुदायिक सहभागिता गतिविधि	13 फरवरी 2021	डॉ. कुलवीन त्रेहान के नेतृत्व में, यूनेस्को के सहयोग से स्मार्ट द्वारा आयोजित किया गया

10. प्लेसमेंट गतिविधियाँ:

क्र.सं.	कंपनी का नाम	नियोजित छात्रों की संख्या	औसत वार्षिक पैकेज की पेशकश
1.	परिशिष्ट 12	https://docs.google.com/document/d@1zEux5fMMmL8H7uUgvTkPwwjSUK9lPOM3/edit?usp=sharing-ouid=112159592748945989743&rtpof=true-sd=true	

11. शोधार्थियों का विवरण:-

(क) सम्मानित पी.एच.डी अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 04

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पी.एच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	उपाधि प्रदान करने की तिथि
1	अहाना भटनागर	भारत में मीडिया साक्षरता ढांचे के विशेष संदर्भ में कार्टून कार्यक्रमों को समझना'	2018	डॉ. कुलवीन त्रेहन	30.07.2021
2	नमिता नागपाल	घरेलू क्षेत्र में आभासी: समाचार मीडिया का एक अध्ययन और परिवारों में इसका सामाजिक प्रभाव	2016	डॉ. एसडी त्रिपाठी	2021
3	दिव्यानी रेढू	हिंदी फिल्म उद्योग के विकास में डिजिटल प्रौद्योगिकी का योगदान: 2005 के बाद से एक अध्ययन	2018	डॉ. सचिन भारती	2021
4	कृष्णा पांडे	कैडबरी द्वारा संकट संचार रणनीतियाँ भारत में नेस्ले: एक महत्वपूर्ण अध्ययन	2016	प्रो. सीपी सिंह	2021

(ख) चल रहे पीएचडी पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 13

12. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	स्नेह गुप्ता	नेट जेआरएफ
2.	सुरभि टंडन	नेट जेआरएफ
3.	दिशा मेधावी	नेट जेआरएफ

13. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

- डॉ. कुलवीन त्रेहन, संपादकीय और डिजाइन समिति के सदस्य, प्रथम विश्वविद्यालय इयरबुक जीजीएसआईपीयू इयरबुक (2019-2020)। पहली जीजीएसआईपीयू इयरबुक मार्च 2022 में दीक्षांत समारोह में जारी की गई थी।

14. रिपोर्ट अवधि के दौरान किए गए औद्योगिक दौरे/शैक्षिक दौरे:

औद्योगिक प्रशिक्षण सह भ्रमण

- डॉ. कुलवीन त्रेहान विज्ञापन और कॉर्पोरेट संचार में विशेषज्ञता रखने वाले एमए (एमसी) के छात्रों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रा, अजीब अनुभव, ऑनलाइन उत्पीड़न और फर्जी खबरों पर चार दिलचस्प ऑनलाइन गेम्स के लॉन्च के लिए और 24 सितंबर 2021 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में फेडरिक नौमैन फाउंडेशन द्वारा समर्थित सोशल गेमिंग वर्टिकल स्मार्ट, सिविक गेम्स लैब द्वारा विकसित 'अंतरजाल नगर की कहानियां' शीर्षक वाली फर्जी खबर प्रशिक्षण सह मीडिया दौरा का आयोजन किया गया ।

15. अवधि के दौरान महत्वपूर्ण होने वाली अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ।

डॉ. दुर्गेश त्रिपाठी

- डॉ. त्रिपाठी को गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की ओर से पहला एमओओसी पाठ्यक्रम - सोसाइटी एंड मीडिया लॉन्च करने का गौरव प्राप्त है। इसे 2022 में लगातार चौथी बार स्वयं प्लेटफॉर्म पर लॉन्च किया गया था। यह स्वयं प्लेटॉर्म पर एनसीटी दिल्ली सरकार से संबद्धता वाला पहला और एकमात्र बहुविषयक पीजी कोर्स है।
- पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में 15 अप्रैल 2021 से 27 अप्रैल 2021 के बीच 'भविष्य के लिए नेताओं का विकास: आगे का रास्ता' शीर्षक से दो सप्ताह की ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम/अनुसंधान पद्धति कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित किया गया था। इस आयोजन के लिए ज्ञान भागीदार थे इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल जर्नलिज्म, स्क्रिप्स स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, ओहियो यूनिवर्सिटी, यूएसएय एशिया पैसिफिक इंस्टीट्यूट फॉर इवेंट्स मैनेजमेंट, लंदन, यूनाइटेड

किंगडमय अर्थशास्त्र विभाग, अर्थशास्त्र विश्वविद्यालय, ब्रातिस्लावा, स्लोवाकियाय ऑनलाइन विश्वविद्यालय, बिश्केक, किर्गिज गणराज्य; आतिथ्य, पर्यटन और कार्यक्रम स्कूल, टेलर विश्वविद्यालय, मलेशिया; कॉलेज ऑफ हॉस्पिटैलिटी एंड टूरिज्म मैनेजमेंट, ट्रिनिटी यूनिवर्सिटी ऑफ एशिया, फिलीपींस। कार्यक्रम में भारत और विदेश के प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों और संस्थानों से 12 राष्ट्रीय वक्ता और 12 अंतर्राष्ट्रीय वक्ता शामिल थे।

डॉ. कुलवीन त्रेहान

- डॉ. कुलवीन त्रेहान 27 दिसंबर 2021 को आईसीसी और आईआईक्यूएसी के तत्वावधान में जीजीएसआईपीयू द्वारा कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न पर आयोजित प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम के लिए संकाय समन्वयक थे।
- आईएएमसीआर, नैरोबी, 2021 में मीडिया, संचार और खेल अनुभाग (एमसीएस-2) में 'खेल में उभरती प्रौद्योगिकियां: उत्पादन और उपभोग के लिए नवीन स्थान' सत्र की अध्यक्षता की।
- डिजिटल डिवाइड वर्किंग ग्रुप, आईएएमसीआर, नैरोबी, 2021 में 'वैश्विक दक्षिण में डिजिटल असमानताएँ' सत्र की अध्यक्षता की।
- यूनिसेफ के यूनीलर्न प्लेटफॉर्म, 2021 के लिए सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन के लिए संचार पर ई-लर्निंग मॉडयूल के लिए तकनीकी सलाहकार समूह में आमंत्रित किया गया।
- टीआरएफ की जूरी में आमंत्रित - सामुदायिक रेडियो के लिए यूनेस्को रेडियो फैलोशिप, 2021।
- 19 अप्रैल 2021 को संचार और पत्रकारिता विभाग, सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे में 'कक्षा शिक्षण के अलावा आप उन्हें विज्ञापन सिखाने के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों और नवीन तरीकों' पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया है।
- 9 जुलाई, 2021 को डीकिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया (आईसीएसएसआर प्रायोजित) के सहयोग से डीएमई द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएएन4 में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-ट्रांसफॉर्मिंग मीडिया इंडस्ट्री लैंडस्केप' पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- डीकिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया (आईसीएसएसआर प्रायोजित) के सहयोग से डीएमई द्वारा आयोजित 'सीआईएफआई 2020 में भारतीय सिनेमा सम्मेलन में महिलाएं' विषय पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 3 जुलाई, 2021 को सीडीएमसी, एमआईसीए, अहमदाबाद द्वारा आयोजित ई-संगोष्ठी 'व्हेन किड्स गो ऑनलाइन: पैनिक, प्रोटेक्शन एंड पार्टिसिपेशन' में विशेषज्ञ (मीडिया और सूचना साक्षरता) के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 27 जुलाई, 2021 को जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के जनसंचार और न्यू मीडिया विभाग में 'कोविड युग के बाद सतत ब्रांडिंग के लिए डिजिटल विज्ञापन' पर एक विशेष व्याख्यान दिया।
- 7 मई, 2021 को भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में 'डिजिटल युग में विज्ञापन' विषय पर व्याख्यान दिया।
- 21 मई, 2021 को भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली में 'डिजिटल विज्ञापन में व्यावहारिक अनुप्रयोग' विषय पर व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया गया।
- 15 अप्रैल, 2021 को पत्रकारिता विभाग, भारती कॉलेज में 'प्रिंट मीडिया और सीओवीआईडी: चुनौतियां और संभावनाएं' पर एक व्याख्यान दिया।
- 11 अगस्त, 2021 को भारत में पत्रकारिता शिक्षा पर डब्ल्यूईजेसी, आईआईएमसी- यूनेस्को गोलमेज सम्मेलन में 'कक्षा प्रवचन से ऑनलाइन शिक्षण में बदलाव: चुनौतियां और संभावनाएं' विषय पर पैनल चर्चा के लिए पैनलिस्ट-सह-मॉडरेटर के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 23 अगस्त, 2021 को इंद्रप्रस्थ महिला कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा खेलों में महिलाओं पर मीडिया प्रतिनिधित्व पर राष्ट्रीय वेबिनार में 'टोक्यो ओलंपिक में महिला एथलीटों का सोशल मीडिया प्रतिनिधित्व' सत्र के लिए एक संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 2 अक्टूबर, 2021 को पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा 'एकीकृत विपणन संचार में अभिनव निष्पादन और रचनात्मकता' पर एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया गया।
- 2 दिसंबर, 2021 को गोएथे इंस्टीट्यूट, मैक्स मुलर भवन द्वारा आयोजित मीडिया सम्मेलन में 'सोशल मीडिया और टॉक्सिक मैस्क्युलिनिटी एट इंट्रोगेटिंग मैस्कुलिनिटीज' पर बात करने के लिए पैनलिस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया।

- 30 दिसंबर 2021 को यूएसएमसी, जीजीएसआईपीयू द्वारा आयोजित नॉन वर्बल कम्युनिकेशन वैल्यू एडेड कोर्स पर एक व्याख्यान दिया।
- भारतीय जनसंचार संस्थान, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार में 'मीडिया साक्षरता' पर एक विशेष व्याख्यान दिया। 8 दिसंबर, 2021 को भारत का।
- "खेलों में लैंगिक समानता की ओर: क्या सोशल मीडिया एक महान स्तर है?" विषय पर व्याख्यान दिया। स्कूल ऑफ मास कम्युनिकेशन, KIIT, ओडिशा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर टॉक 2022 का आयोजन किया गया
- 22 जनवरी 2022 को दक्षिण एशिया में कोरियाई लहर के लिए पुस्तक चर्चा कार्यक्रम में वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
- 9 मार्च 2022 को जीएमईसी (गलोबल मीडिया एजुकेशन काउंसिल) द्वारा विज्ञान पत्रकारिता की खोज: चुनौतियां और संभावनाएं विषय पर आयोजित वेबिनार की अध्यक्षता की।

4.12 विश्वविद्यालय चिकित्सा और पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ

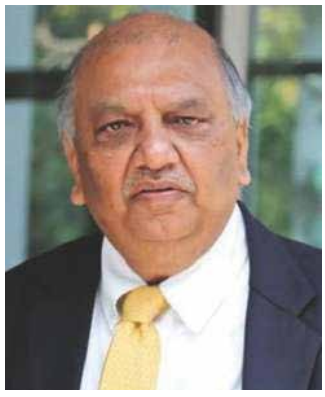

वर्ष 2001 में स्थापित, यूनिवर्सिटी विद्यापीठ ऑफ मेडिसिन एंड पैरामेडिकल हेल्थ साइंसेज (यूएसएम और पीएमएचएस) का नेतृत्व वर्तमान में प्रो. (डॉ.) यतीश अग्रवाल कर रहे हैं। वह 24 सितंबर, 2018 से स्कूल के अध्यक्ष हैं। स्कूल में 30 संबद्ध चिकित्सा और संबद्ध संस्थानों के साथ एक सहक्रियात्मक सिनैप्स है, और 70 से अधिक शैक्षणिक कार्यक्रमों का घर है। हम विद्वानों की वैज्ञानिक खोज को पूरा करने के लिए कई क्षेत्रों में स्नातक शिक्षा और डॉक्टरेट और पोस्ट-डॉक्टरेट अनुसंधान को बढ़ावा देते हैं।

जबकि स्कूल छह मेडिकल कॉलेजों का अल्मा मेटर है जो एमबीबीएस, एमडी, एमएस, डीएम और एम.सीएच कार्यक्रम चलाते हैं, इसमें एक डेंटल कॉलेज भी है जो बीडीएस के लिए शिक्षण और प्रशिक्षण प्रदान करता है, एक आयुर्वेद कॉलेज जो छात्रों को स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए ले जाता है। बीएएमएस की डिग्री और पांच धाराओं में एमडी आयुर्वेद की स्नातकोत्तर डिग्री, योग में स्नातक और स्नातकोत्तर डिग्री को बढ़ावा देने वाला एक राष्ट्रीय शीर्ष योग संस्थान, और एक होम्योपैथिक कॉलेज जो बीएचएमएस और एमडी होम्योपैथी के माध्यम से युवा विद्वानों को होम्योपैथी की कला सिखाता और प्रशिक्षण देता है।

स्कूल से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों को बहुत सम्मान मिलता है। वे एक उच्च राष्ट्रीय रैंकिंग का जश्न मनाते हैं, और स्कूल का पहला मेडिकल कॉलेज, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल लगातार देश के सर्वश्रेष्ठ दस मेडिकल कॉलेजों में रहा है। स्कूल के तीन मेडिकल संस्थान 23 विषयों में पोस्ट-एमबीबीएस डॉक्टरेट पाठ्डक्रम चलाते हैं, जबकि पोस्टडॉक्टरल सुपर स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम 11 उप-धाराओं में चलाए जाते हैं।

स्कूल वैकल्पिक पैथियों में अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों को उतना ही महत्व देता है। इन्हें आयुष के बैनर तले चलाया जाता है. जहां चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान आयुर्वेद में स्नातक की डिग्री और इस प्राचीन विज्ञान की पांच विविध धाराओं में पोस्ट-बीएएमएस एमडी पाठ्यक्रम प्रदान करता है, वहीं मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान योग की कला, विज्ञान और दर्शन में एक प्रमुख संस्थान है। फिर, डॉ. बीआर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र एक ऐसा संस्थान है जो होम्योपैथी में स्नातक डिग्री कार्यक्रम के लिए जाना जाता है।

बी.एस.सी और एम.एससी नर्सिंग पाठ्यक्रम सात नर्सिंग कॉलेजों में चलाए जाते हैं, जिनमें से सेंट स्टीफंस अस्पताल अपने साथ बेशकीमती इतिहास का एक टुकड़ा रखता है। यह एलिस विल्किंसन के तहत नर्सों के लिए एक प्रशिक्षण स्कूल शुरू करने वाला भारत का पहला संस्थान था - पहली प्रशिक्षित ब्रिटिश नर्स जो 1908 में अस्पताल में शामिल हुई थी।

पैरामेडिकल विज्ञान में स्कूल का क्षेत्र समान रूप से प्रशंसित है। यह दिल्ली भर के तेरह चिकित्सा और संबद्ध संस्थानों में नौ स्नातक पाठ्यक्रमों और आठ स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को बढ़ावा देता है।

यह सब करने के लिए, स्कूल नैदानिक मनोविज्ञान के साथ-साथ मनोरोग सामाजिक कार्य में दर्शनशास्त्र कार्यक्रम के परास्नातक का पोषण करता है, और यह चिकित्सा और पैरामेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान के विशाल और विकसित ज्ञान-साम्राज्य में किसी भी शोध प्रश्न पर डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्वानों के लिए एक बड़ी संख्या में चिकित्सा संस्थान के साथ साझेदारी करता है।

30 संबद्ध संस्थानों में से प्रत्येक से संबद्ध संकाय बेहतरीन है - अत्यधिक निपुण, गहराई से प्रतिबद्ध और उत्कृष्ट शैक्षणिक साख से संपन्न। आधुनिक शिक्षण और अनुसंधान पद्धतियों में पारंगत, उनमें से कई ने शीर्ष अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में किताबें, मोनोग्राफ और कई उच्च मूल्य वाले शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। कई संकाय सदस्यों ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर शिक्षा जगत में बड़ी पहचान हासिल की है।

स्कूल के अध्यक्ष, प्रो. (डॉ.) यतीश अग्रवाल को रेडियोलॉजी और इमेजिंग साइंसेज में उनके अनुकरणीय और दीर्घकालिक योगदान के लिए इंडियन रेडियोलॉजिकल एंड इमेजिंग एसोसिएशन, दिल्ली का विशिष्ट सेवा पुरस्कार मिला। यह सम्मान उन्हें 17 अप्रैल, 2021 को नई दिल्ली में प्रदान किया गया।

चार प्रमुख कार्यक्षेत्र

शैक्षणिक कार्यक्रमों की एक श्रृंखला से सुसज्जित, स्कूल का कामकाज कई वैधानिक निकायों द्वारा शासित होता है, जो अपने स्वयं के नियमों का पालन करते हैं। प्रत्येक व्यापक श्रेणी की अपनी विशिष्ट संरचना होती हैय फिर भी, प्रत्येक किसी न किसी तरह से दूसरे से जुड़ा होता है। सहजता के कारण, इन कार्यक्रमों को मोटे तौर पर चार प्रमुख क्षेत्रों में बांटा जा सकता है:

चिकित्सा एवं दंत विज्ञान

- चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियाँ (आयुष)
- पैरामेडिकल विज्ञान
- नर्सिंग विज्ञान

1.0 मार्गदर्शक रोशनी

स्कूल को प्रतिभाशाली प्रमुख विचारशील नेताओं के एक बोर्ड द्वारा निर्देशित किया जाता है, जो वर्तमान और संभावित शैक्षणिक पथ को तराशने के लिए अपनी दृष्टि, कल्पना और बहु-विषयक विशेषज्ञता लाते हैं। अध्ययन बोर्ड का प्रत्येक सदस्य अपने पीछे एक विशाल अनुभव रखता है, एक बेहद सकारात्मक रुख दर्शाता है और अवंत-गार्डे दृष्टिकोण का एक कट्टर नायक है। वे अलग-अलग क्षेत्रों से संबंधित हैं और अपने-अपने विषयों में सबसे महत्वपूर्ण अंतर हैं।

प्रो. (डॉ.) अभिजात शेठ प्रख्यात कार्डियोवस्कुलर सर्जन, अध्यक्ष, नेशनल बोर्ड ऑफ एग्जामिनेशन ऑफ मेडिकल साइंसेज और चिकित्सा निदेशक, अपोलो अस्पताल, अहमदाबाद। एक लंबे अकादमिक और शोधकर्ता, उनके शोधपत्र कई उच्च-प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं और उन्होंने ब्रिटिश थोरैसिक सोसाइटी, यूरोपियन रेस्पिरेटरी सोसाइटी और अमेरिकन थोरैसिक सोसाइटी के समक्ष अपने काम प्रस्तुत किए हैं। 2019 से, वह बायोएथिक्स राष्ट्रीय कार्यक्रम में नियुक्ति की यूनेस्को अध्यक्ष हैं। वह अप्रैल 2019 से एनएबीएच के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य भी हैं। 2021 से, वह प्रो. एमेरिटस (आईएमए) हैं।

प्रो. (डॉ.) योगेन्द्र सिंह रॉकफेलर फेलो और अध्यक्ष, अनुसंधान, जीवन विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली जेसी बोस राष्ट्रीय फेलोय जेसी बोस नेशनल फेलोय अध्यक्ष, एसोसिएशन ऑफ माइक्रोबायोलॉजिस्ट ऑफ इंडियाय अध्यक्ष, अनुसंधान, जीवन विज्ञान, दिल्ली विश्वविद्यालयय मोसेलियो शेचटर विशिष्ट सेवा पुरस्कार, अमेरिकन सोसाइटी फॉर माइक्रोबायोलॉजीय फेलो, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमीय फेलो, भारतीय विज्ञान अकादमीय फेलो, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारतय रॉकफेलर कैरियर डेवलपमेंट अवार्ड (1994)य नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ, यूएसए में अनुसंधान वैज्ञानिक, 1983-87, 1989-91 और 2008-09।

प्रो. (डॉ.) प्रणव देसाई सदस्य, टीआरसीएसएस, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और विजिटिंग फैकल्टी, किंग्स कॉलेज, लंदन। प्रधान समन्वयक और संस्थापक सदस्य, स्थिरता अध्ययन पर ट्रांस-डिसिप्लिनरी इनोवेशन रिसर्च क्लस्टर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्लीय विजिटिंग फेलो, सेंटर फॉर बायोमेडिसिन एंड सोसाइटी, किंग्स कॉलेज, लंदन, यूकेय सदस्य, वैज्ञानिक समिति, जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड डेवलपमेंट, रूटलेज (अेलर और फ्रांसिस समूह); क्षेत्रीय संपादक, दक्षिण एशिया विश्व समीक्षा विज्ञान, प्रौद्योगिकी और सतत विकास।

प्रो. (डॉ.) परवीन गुलाटी भारत में क्रॉस-सेक्शनल इमेजिंग के अग्रदूतों में से एक प्रख्यात रेडियोलॉजिस्ट और फैकल्टीय प्रशिक्षु रेडियोलॉजी निवासियों और रेडियोलॉजी तकनीशियनों के लिए कई शैक्षणिक और प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए। पचहत्तर से अधिक शोध पत्र, और रेडियोलॉजी और इमेजिंग पर कई पाठ्यपुस्तकों के लेखक और संपादक। चिकित्सा में टीपी झुनझुनवाला राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार के प्राप्तकर्ता।

प्रो. (डॉ.) संजय चतुर्वेदी प्रो. और प्रमुख, सामुदायिक चिकित्सा विभाग, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, नई दिल्ली। कवि, विचारक, लेखक, संपादक और नीति निर्माता। सामुदायिक चिकित्सा प्रमुख, यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज, दिल्लीय नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज, इंडियन पब्लिक हेल्थ एसोसिएशन और इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रिवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन के फेलोय एसईएआर, समुदाय आधारित सेवाओं और चोट और हिंसा की रोकथाम और नियंत्रण में डब्ल्यूएचओ के सहयोग केंद्रों के मूल्यांकन पर डब्ल्यूएचओ के तकनीकी विशेषज्ञय पोलियो और खसरा-रूबेला पर भारत के विशेषज्ञ सलाहकार आधार, आईडीआरसी इको हेल्थ रिसर्च कोर ग्रुप, राष्ट्रीय एईएफआई समिति और अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक महामारी विज्ञान नेटवर्क की केंद्रीय समन्वय टीम के सदस्य। 1989 में यूसीएलए और यूसी बर्कले में डब्ल्यूएचओ फेलो।

प्रो. (डॉ.) सुनील शर्मा अध्यक्ष, इंडियन स्पाइनल इंजरीज सेंटर, नई दिल्ली। पूर्व अध्यक्ष और सीईओ क्लिकोर्ड और एमिली एलएलसी, यूएसएय पूर्व सहायक निदेशक, क्लिनिकल रिसर्च, हेनरिकसन बायो मेडिक्स, प्रेंडवुड, टीएक्सय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला, रियाद, सऊदी अरब के पूर्व प्रमुख; और पूर्व में संक्रामक रोग विभाग, एनवाईयू अस्पताल और मेडिकल सेंटर, न्यूयॉर्क, यूएसए और जॉर्ज वाशिंगटन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन एंड हेल्थ, वाशिंगटन, डीसी, यूएसए के साथ।

प्रो. (डॉ.) डीके शर्मा चिकित्सा अधीक्षक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्लीय प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना की विशेषज्ञ समिति के सदस्यय फेलो, अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान अकादमीय अस्पताल प्रशासन अकादमीय इंडियन हॉस्पिटल एसोसिएशनय और इंडियन सोसाइटी ऑफ हेल्थ एडमिनिस्ट्रेटर।

प्रो. (डॉ.) रेणुका शर्मा निदेशक-प्रो., फिजियोलॉजी विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली। फिजियोलॉजिस्ट, अकादमिक, शोधकर्ता, शिक्षक और संरक्षक। इंटरनेशनल यूनियन ऑफ फिजियोलॉजिकल साइंसेज के लिए अखिल

भारतीय संसाधन संकायय फिजियोलॉजी और बायोकैमिस्ट्री विभाग, एम्स, नई दिल्ली के सहयोग से स्नातकोत्तर छात्रों के लिए सामग्री समीक्षक यूजीसी ई-पाठशाला परियोजना। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, संघ लोक सेवा आयोग और कई अन्य सार्वजनिक निकायों के सलाहकार।

डॉ. राजीव अग्रवाल न्यूरो-फिजियोथेरेपी यूनिट, न्यूरोसाइंसेज सेंटर, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली के प्रमुख। नैदानिक, शैक्षणिक और अनुसंधान क्षेत्रों में दो दशकों से अधिक सक्रिय योगदान। छब्बीस शोध पत्रों के लेखक, प्रमुख पुस्तकों में कई अध्याय, और भारत सरकार के लिए स्ट्रोक प्रबंधन के लिए राष्ट्रीय फिजियोथेरेपी दिशा निर्देश तैयार किए। सीपी नायर ओरेशन, गोल्डन जुबली अवार्ड, यंग साइंटिस्ट अवार्ड के प्राप्तकर्ता। जर्नल ऑफ आईएपी के मुख्य संपादक और जर्नल ऑफ सोसाइटी ऑफ इंडियन फिजियोथेरेपिस्ट के संपादक। संबद्ध और स्वास्थ्य देखभाल व्यवसायों के लिए अंतरिम आयोग के सदस्य, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रलय, भारत सरकार।

प्रो. (डॉ.) महेश व्यास अध्यक्ष और प्रमुख, संहिता और सिद्धांत विभाग, अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान, दिल्ली। 171 से अधिक शोध पत्र उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में प्रकाशित हुएय सदस्य, एकीकृत चिकित्सा पर कार्य समूह, नीति आयोगय सदस्य, केंद्रीय नैतिक समिति, सीसीएआरएसय जर्नल ऑफ आयुर्वेद एंड इंटीग्रेटेड मेडिकल साइंसेज के सलाहकार बोर्ड के सदस्यय धन्वंतरि पुरस्कार (काशी विद्वत परिषद, वाराणसी), उत्कृष्टता पुरस्कार (एमिम कैंसर ट्रस्ट) के प्राप्तकर्ता।

प्रो. (डॉ.) तूलिका त्रिपाठी प्रमुख, ऑर्थोडॉन्टिक्स विभाग, मौलाना आजाद इंस्टीट्यूट ऑफ डेंटल साइंसेज, नई दिल्ली। गहरी अकादमिक और शोधकर्ता, उनके पास 125 से अधिक शोध पत्र हैं और उन्होंने विश्व स्तर पर अकादमिक प्रस्तुतियाँ दी हैं। डॉ. एवी अरुण उत्कृष्ट प्रो. पुरस्कार, टोकाई यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन जापान में डब्ल्यूएचओ फेलोशिप, ग्लासगो विश्वविद्यालय में वरिष्ठ बायोमेडिकल वैज्ञानिकों के लिए आईसीएमआर इंटरनेशनल फेलोशिप और एनसीटी दिल्ली सरकार द्वारा दिल्ली राज्य पुरस्कार के प्राप्तकर्ता।

डॉ. प्रणव ईश संकाय, पल्मोनरी मेडिसिन विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली। उत्सुक शोधकर्ता, उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में 230 प्रकाशन हैं; उनके शोध के प्रमुख क्षेत्रों में नींद की दवा और गहन देखभाल शामिल हैं। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा शिक्षा इकाई और बहुविषयक अनुसंधान इकाई के सदस्य।

प्रो. (डॉ.) यतीश अग्रवाल अध्ययन बोर्ड के अध्यक्षय वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल में रेडियोलॉजी के प्रमुखय लेखक, कवि, विचारक, संपादक, अकादमिक, शोधकर्ता, संरक्षक और स्वास्थ्य विज्ञान संचारकय पचास पुस्तकें, सैकड़ों लेख, और राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में स्वास्थ्य स्तंभय डब्ल्यूएचओ फेलो, जनसंख्या और सामाजिक अनुसंधान संस्थान, महिदोल विश्वविद्यालय, थाईलैंड (2005); फेलो, फाउंडेशन फॉर डिटेक्शन ऑफ अर्ली गैस्ट्रिक कार्सिनोमा, टोक्यो, जापान (1998); राष्ट्रपति के आत्माराम पुरस्कार, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी पुरस्कार, मेघनाद साहा पुरस्कार, प्रधान मंत्री शिक्षा पुरस्कार, साहित्यकार पुरस्कार (हिंदी अकादमी), गृह मंत्रलय के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार और राजीव गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार सहित कई राष्ट्रीय पुरस्कारों के प्राप्तकर्ता, शताब्दी पुरस्कार, विज्ञान परिषद, इलाहाबाद और विज्ञान भूषण।

2.0 चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा विज्ञान

सभी व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में से, चिकित्सा विज्ञान और दंत शल्य चिकित्सा में करियर आसानी से सबसे अधिक मांग वाले पाठ्यक्रमों में से एक है। गहरी प्रतिबद्धता, कड़ी मेहनत, त्वरित सोच और पवित्र भावना की आवश्यकता होती है, इस कठिन क्षेत्र में कदम रखने की इच्छा रखने वाले एक युवा को बार-बार खुद को साबित करने की आवश्यकता के साथ खुद को एक लंबी, कड़ी मेहनत के लिए तैयार करना होगा। जब तक आप अपने मध्य-तीस के दशक में नहीं पहुंच जाते, तब तक सीखने और प्रशिक्षण का पहला दौर पूरा नहीं होता है, और आप एक पेशेवर करियर में कदम रखते हैं।

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन सात मेडिकल और डेंटल कॉलेजों का मातृ संस्था है (तालिका 1)

तालिका 1: स्कूल से संबद्ध मेडिकल और डेंटल कॉलेज

मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेज	संबद्धता के बाद से वर्ष
वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	2002
अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	2005
आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज	2008
ईएसआईसी अस्पताल और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च	2010
उत्तरी दिल्ली नगर निगम मेडिकल कॉलेज और संबद्ध हिंदू राव अस्पताल	2013

मेडिकल कॉलेज और डेंटल कॉलेज	संबद्धता के बाद से वर्ष
डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल	2016
ईएसआईसी डेंटल कॉलेज और अस्पताल	2010

स्कूल हर वर्ष छह चिकित्सा और दंत चिकित्सा संस्थानों में स्नातक स्तर पर 600 से अधिक सीटें प्रदान करता है (तालिका 2)।

तालिका 2: दंत चिकित्सा और चिकित्सा विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
बैचलर ऑफ डेंटल सर्जरी (बीडीएस)	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज, रोहिणी	62
बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी (एमबीबीएस)	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	170
	अटल बिहारी वाजपेयी आयुर्विज्ञान संस्थान और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	100
	आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंसेज	100
	उत्तरी डीएमसी मेडिकल कॉलेज और हिंदू राव अस्पताल	60
	डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर मेडिकल कॉलेज	125

चिकित्सा शिक्षा एक पिरामिड की तरह है। जैसे-जैसे आप ऊपर जाते हैं यह तीव्र और संकीर्ण होता जाता है, और प्रतिस्पर्धा अधिक तीव्र होती जाती है। यह समकक्षों में पहला है, जो स्नातकोत्तर कार्यक्रमों में प्रवेश लेता है, जिसे दुनिया के कई प्रमुख विश्वविद्यालय, जैसे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय, पीएचडी के समकक्ष मानते हैं। स्कूल में वर्तमान में तीन चिकित्सा संस्थान हैं जो तेईस विषयों में स्नातकोत्तर कार्यक्रम प्रदान करते हैं (तालिका 3)।

तालिका 3: चिकित्सा विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
डिप्लोमा नेत्र विज्ञान	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	1
एमडी फिजियोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	7
एमडी बायोकैमिस्ट्री	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	6
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	7
एमडी फार्माकोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
एमडी पैथोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	21
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	7
एमडी माइक्रोबायोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	10
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	10
एमडी फोरेंसिक मेडिसिन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
एमडी समुदाय दवा	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	9
एमडी जनरल मेडिसिन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	25
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	39
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	4
एमडी बाल रोग	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	26
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	15
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	4

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
एमडी रेडियोडायग्नोसिस	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	14
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	15
एमडी मनोचिकित्सा	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	7
एमडी त्वचाविज्ञान	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	5
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	3
एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	61
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	31
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	8
एमडी फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर)	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	6
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	3
एमडी रेडियोथेरेपी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
एमडी स्पोर्ट्स मेडिसिन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
एमएस एनाटॉमी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	8
एमएस जनरल सर्जरी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	24
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	20
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	5
एमएस आर्थोपेडिक्स	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	17
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	10
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	8
एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	30
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	10
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	8
एमएस नेत्र विज्ञान	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	3
एमएस ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी (ईएनटी)	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	3
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	5

कुछ लोगों की तलाश अभी भी पूरी नहीं हुई है। वे कड़ी मेहनत करते हैं और सुपर स्पेशलिटी में अपना करियर स्थापित करने के लिए पोस्ट-डॉक्टरल पाठ्यक्रमों में कुछ सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। स्कूल के तीन चिकित्सा संस्थान वर्तमान में ग्यारह अलग-अलग धाराओं में पोस्टडॉक्टरल कार्यक्रम पेश करते हैं (तालिका 4)।

तालिका 4: चिकित्सा विज्ञान में पोस्टडॉक्टरल कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
डीएम कार्डियोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	8
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	5
डीएम न्यूरोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	3
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
डीएम नेफ्रोलॉजी	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
डीएम नियोनेटोलॉजी	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
डीएम पल्मोनरी मेडिसिन	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	4
	ईएसआईसी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान	2
डीएम कार्डियक एनेस्थीसिया	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	2
एमसीएच प्लास्टिक और पुनर्निर्माण शल्यचिकित्सा	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	10
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
एमसीएच कार्डियोथोरेसिक शल्य चिकित्सा	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
एमसीएच न्यूरो सर्जरी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	4
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	5
एमसीएच बाल चिकित्सा सर्जरी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	4
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4
एमसीएच यूरोलॉजी	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	5
	अटल बिहारी वाजपेई आयुर्विज्ञान संस्थान	4

- निकाय और विनियम जो चिकित्सा और दंत चिकित्सा विज्ञान को नियंत्रित करते हैं
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग स्नातक और स्नातकोत्तर विनियम
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग न्यूनतम शिक्षण पात्रता योग्यताएँ
- डेंटल काउंसिल ऑफ इंडिया विनियम
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, कानून और अध्यादेश
- स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की सलाह और माननीय न्यायालयों के फैसले

3.0 चिकित्सा की वैकल्पिक प्रणालियाँ (आयुष)

स्कूल का उद्देश्य शिक्षा प्रदान करना, अनुसंधान को बढ़ावा देना और भारत में स्वदेशी वैकल्पिक चिकित्सा प्रणालियों का प्रचार करना है। इस दृष्टिकोण के अनुरूप, इसका विविध पथों में तीन संस्थानों से जुड़ाव है (तालिका 5):

तालिका 5: स्कूल के लिए वैकल्पिक चिकित्सा (आयुष) संस्थान

वैकल्पिक चिकित्सा (आयुष) संस्थान	संबद्धता के बाद से वर्ष
डॉ. बी.आर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	1999
चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान	2010
मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	2012

आयुर्वेद का प्राचीन विज्ञान जिसका जन्म कई हजार वर्ष पहले भारत में हुआ था; होम्योपैथी की कल्पना 1796 में जर्मन चिकित्सक सैमुअल हैनीमैन ने की थी; और योग जो पूर्व-वैदिक भारतीय तपस्वी और श्रमण परंपराओं से जुड़ा है; और इसका संदर्भ ऋग्वेद, उपनिषद और पतंजलि के योग सूत्र में मिलता है जो ईसा पूर्व दूसरी शताब्दी का है।

स्कूल हर वर्ष तीन आयुष संस्थानों में स्नातक छात्रों को 200 से अधिक सीटें प्रदान करता है। आयुर्वेद और योग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक लोगों के लिए, दो संबद्ध आयुष संस्थान हर वर्ष सात स्नातकोत्तर कार्यक्रम पेश करते हैं (तालिका 6)।

तालिका 6: आयुष में स्नातक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी (बीएएमएस)	चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान	125
होम्योपैथी चिकित्सा और सर्जरी में स्नातक (बीएचएमएस)	डॉ. बीआर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज, अस्पताल और अनुसंधान केंद्र	63
बैचलर ऑफ साइंस (योग)	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	30

आयुर्वेद और योग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक लोगों के मामले में, दोनों संबद्ध आयुष संस्थान मिलकर हर वर्ष सात स्नातकोत्तर कार्यक्रम पेश करते हैं (तालिका 7)।

तालिका 7: आयुष में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
मेडिकल और पैरामेडिकल स्नातकों के लिए योग थेरेपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	20
एमडी आयुर्वेद कायाचिकित्सा	चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान	08
एमडी आयुर्वेद पंचकर्म		06
एमडी आयुर्वेद क्रिया शरीर		07
एमडी आयुर्वेद रचना शरीर		08
एमडी आयुर्वेद रोगनिदान एवं विकृति विज्ञान		07
मास्टर ऑफ साइंस (योग)	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान	30

पाठ्यक्रमों को नियंत्रित करने वाली नियामक संस्थाएँ

- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, कानून और अध्यादेश
- आयुर्वेदिक विज्ञान में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद
- होम्योपैथी में अनुसंधान के लिए केंद्रीय परिषद
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

4.0 पैरामेडिकल विज्ञान

चिकित्सा विज्ञान से निकटता से संबंधित, और स्वास्थ्य के रखरखाव या बहाली में इसके अभ्यास के सहायक, पैरामेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान में प्रयोगशाला चिकित्सा से लेकर मेडिकल इमेजिंग तकनीक, स्पीच थेरेपी से फिजियोथेरेपी, व्यावसायिक थेरेपी से लेकर ऑर्थोटिक्स और प्रोस्थेटिक्स, और नैदानिक मनोविज्ञान के लिए बाल मार्गदर्शन और परामर्श तक कई प्रकार के संबद्ध विषय शामिल हैं।

स्कूल में तेरह संबद्ध संस्थान हैं जो विभिन्न विषयों में कई रोजगार-उन्मुख शिक्षण और प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करते हैं (तालिका 8, 9 और 10)।

तालिका 8: स्कूल के लिए पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान

पैरा मेडिकल स्वास्थ्य विज्ञान संस्थान	संबद्धता के बाद से वर्ष
अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एंड हियरिंग डिसेबिलिटीज	2003
बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, एन. दिल्ली	2003
पुनर्वास विज्ञान संस्थान, भारतीय स्पाइनल इंजरीज सेंटर	2004
राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र	2007
वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	2008
कॉलेज ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी हिंदू राव अस्पताल	2009
बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण के लिए राष्ट्रीय संस्थान	2012
अष्टावक्र संस्थान पुनर्वास विज्ञान और अनुसंधान	2013
एकीकृत प्रौद्योगिकी संस्थान	2014
क्लिनिकल मनोविज्ञान विभाग, मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	2015
मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	2016
राष्ट्रीय ऑटिज्म केंद्र भारत	
जीवन गोपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी	2019
होली फैमिली हॉस्पिटल	2020

तालिका 9: पैरामेडिकल विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी एंड स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी	अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द हियरिंग हैंडीकैप्ड	25
	अष्टावक्र पुनर्वास विज्ञान और अनुसंधान संस्थान	25
बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी	60
	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	50
बैचलर ऑफ फार्मेसी	जीवन गोपी इंस्टीट्यूट ऑफ ार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी	60
चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी में विज्ञान स्नातक	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और फदरजंग अस्पताल	25
	कॉलेज ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, हिंदू राव अस्पताल	30
	एकीकृत प्रौद्योगिकी संस्थान	30
बैचलर ऑफ ऑक्युपेशनल थेरेपी	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	25
बैचलर ऑफ प्रोस्थेटिक्स एंड ऑर्थोटिक्स	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	25
	शारीरिक चिकित्सा और पुनर्वास विभाग, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और फदरजंग अस्पताल	16
बैचलर ऑफ मेडिकल रेडिएशन टेक्नोलॉजी	राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र	4
बैचलर ऑफ मेडिकल इमेजिंग टेक्नोलॉजी	होली फैमिली हॉस्पिटल	15
	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	12
बाल मार्गदर्शन और परामर्श में एडवांस डिप्लोमा	राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान	30

तालिका 10: स्नातकोत्तर और एम.फिल. पैरामेडिकल विज्ञान में कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
अपराध विज्ञान में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एम.ए)	लोकनायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस	22
फोरेंसिक साइंस में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एस.सी.)	लोकनायक जयप्रकाश नारायण नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ क्रिमिनोलॉजी एंड फोरेंसिक साइंस	31
फिजियोथेरेपी के परास्नातक (नयूरोलॉजी)	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	8
फिजियोथेरेपी के परास्नातक (मस्कुलोस्केलेटल)	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	8
फिजियोथेरेपी में परास्नातक (खेल)	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	9
फिजियोथेरेपी के परास्नातक (कार्डियोपल्मोनरी)	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	5
व्यावसायिक चिकित्सा के परास्नातक (नयूरोलॉजी)	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	10
प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स के मास्टर	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान	16
एम. फिल. क्लिनिकल साइकोलॉजी में	मनोरोग विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	13
एम. फिल. मनोरोग सामाजिक कार्य में	मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल	12

पाठ्यक्रमों को नियंत्रित करने वाली नियामक संस्थाएँ

- फिजियोथेरेपी काउंसिल ऑफ दिल्ली
- भारतीय पुनर्वास परिषद (आरसीआई)
- अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई)
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, कानून और अध्यादेश

5.0 नर्सिंग विज्ञान

विभिन्न धर्मों, भौगोलिक क्षेत्रों और संस्कृतियों में ननों और भिक्षुओं जैसे धार्मिक आदेशों से जन्मे, जो अक्सर नर्सिंग जैसी देखभाल प्रदान करते थे, और 19 वीं शताब्दी में फ्लोरेंस नाइटिंगेल द्वारा व्यावसायिक शिक्षा की वैज्ञानिक नींव दी गई थी, चिकित्सा पेशा की नर्सिंग सबसे करीबी और सबसे पुरानी सहयोगी रही है। अपने आप में एक विज्ञान और कला, यह व्यक्तियों, परिवारों और समुदायों की देखभाल पर ध्यान केंद्रित करता है ताकि वे इष्टतम स्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता प्राप्त कर सकें, बनाए रख सकें या पुनर्प्राप्त कर सकें।

रोगी की देखभाल के प्रति अपने दयालु दृष्टिकोण के लिए प्रसिद्ध, आधुनिक नर्सिंग में गहन शिक्षा और प्रशिक्षण की आवश्यकता होती है, और इसमें अभ्यास की पर्याप्त गुंजाइश होती है। इसकी बढ़ती वैश्विक मान्यता ने नर्सिंग अभ्यास के लिए सैद्धांतिक आधार को परिभाषित करने की आवश्यकता को बढ़ावा दिया है। इससे विभिन्न प्रकार के पेशेवर संगठनों और निकायों का गठन हुआ है, और स्नातक और स्नातकोत्तर नर्सिंग डिग्री का विकास हुआ है जिसमें नर्सिंग सिद्धांत और अभ्यास के व्यापक अध्ययन के साथ-साथ नैदानिक कौशल में प्रशिक्षण भी शामिल है।

दुनिया भर में नर्सिंग समुदाय का उद्देश्य अपने पेशेवरों के लिए उनकी साख, आचार संहिता, मानकों और दक्षताओं को बनाए रखते हुए और उनकी शिक्षा जारी रखते हुए सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण देखभाल सुनिश्चित करना है।

स्कूल से वर्तमान में सात नर्सिंग कॉलेज संबद्ध हैं, जो स्नातक और स्नातकोत्तर नर्सिंग डिग्री प्रदान करते हैं (तालिका 11 और 12)।

तालिका 11: स्कूल से संबद्ध नर्सिंग कॉलेज

नर्सिंग कॉलेज का नाम	संबद्धता के बाद से वर्ष
लक्ष्मी बाई बत्रा कॉलेज ऑफ नर्सिंग	2004
नर्सिंग कॉलेज, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल	2008
नर्सिंग कॉलेज, डॉ. आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली	2008
नर्सिंग कॉलेज, सेंट स्टीफंस अस्पताल	2008
स्कूल ऑफ नर्सिंग, हिंदू राव अस्पताल	2019
नर्सिंग कॉलेज, कस्तूरबा अस्पताल, दरिया गंज	2019
नर्सिंग कॉलेज, नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट, ईस्ट ऑफ कैलाश	2016

तालिका 12: नर्सिंग विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली संस्थाएँ	वार्षिक सेवन
बीएससी (ऑनर्स) नर्सिंग	लक्ष्मी बाई बत्र कॉलेज ऑफ नर्सिंग, नई दिल्ली	60
	नर्सिंग कॉलेज, वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली	50
	नर्सिंग कॉलेज, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली	50
	सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली	50
	स्कूल ऑफ नर्सिंग, हिंदू राव अस्पताल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम	20
	नर्सिंग कॉलेज, कस्तूरबा अस्पताल, नई दिल्ली	20
पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग	सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली	20

तालिका 13: नर्सिंग विज्ञान में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

शैक्षणिक कार्यक्रम	कार्यक्रम की पेशकश करने वाली संस्था	वार्षिक सेवन
एम.एस.सी नर्सिंग {कार्डियोवस्कुलर और थोरैसिक नर्सिंग}	नर्सिंग कॉलेज, नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट	10
एम.एस.सी नर्सिंग {मेडिकल सर्जिकल}	सेंट स्टीफंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग	08

पाठ्यक्रमों को नियंत्रित करने वाली नियामक संस्थाएँ

- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, कानून और अध्यादेश
- भारतीय नर्सिंग परिषद

6.0 डॉक्टर ऑफ फिलॉस्फी (पीएचडी) कार्यक्रम

एक परिकल्पना का परीक्षण करने के लिए गहन अध्ययन करना, एक जांच शोध प्रश्न का गहराई से अध्ययन करना और डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त करना शिक्षा जगत में सबसे बड़ा सपना है। डॉक्टरेट अध्ययन अकादमिक शोध का उच्चतम स्तर है। इसे कार्य क्षेत्र में नई समझ और ज्ञान का योगदान देना चाहिए। यह शोधार्थी को अकादमिक क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने, परिकल्पना विकसित करने, उपयुक्त प्रयोगों के माध्यम से उसका परीक्षण करने और परिणामों का अवलोकन, व्याख्या और विश्लेषण करने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करता है।

परंपरागत रूप से, पी.एच.डी कार्यक्रम का उद्देश्य विश्वविद्यालयों के साथ-साथ वैज्ञानिक और चिकित्सा संस्थानों के लिए शोधकर्ताओं की नई पीढ़ी तैयार करना है। वर्तमान में, स्कूल के पीएचडी कार्यक्रम में 27 गाइड, 13 स्ट्रीम में 76 स्लॉट हैं।

पी.एच.डी कार्यक्रम को नियंत्रित करने वाली नियामक संस्थाएँ

- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय अधिनियम, कानून और अध्यादेश

4.13 विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	बी डिजाइन	चार वर्ष	120

2. प्रयोगशालाओं/सेमिनार हॉल के संबंध में स्कूल में नई सुविधाओं के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
1.	कंप्यूटर लैब	35 डेस्कटॉप सिस्टम की एक प्रयोगशाला स्थापित की गई है

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) जर्नल में लेख अनुसंधान

प्रो. मंदीप सिंह

- कोचर, पी., और सिंह, एम., 2021। जीआरआईएचए रेटेड संस्थागत भवनों का केस अध्ययन: सभी के लिए डिजाइन की सुविधा के लिए जीआरआईएचए रेटेड परियोजनाओं की ग्रीन बिल्डिंग सुविधाओं और निर्माण ऊर्जा प्रणालियों की जांच करना। (एलके दास, एड.) डिजाइन फॉर ऑल जर्नल, नवंबर, 16(11), 64-80।
- नायर, पी., और सिंह, एम., 2021. उम्र बढ़ने की पुन: कल्पना: स्वस्थ उम्र बढ़ने को बढ़ावा देने में मिश्रित उपयोग वाले स्थानों की भूमिका। (एलके दास, एड.) डिजाइन फॉर ऑल जर्नल, नवंबर, 16(11), 12-33।
- मेहता, वी., और सिंह, एम., 2021. करोल बाग और पश्चिमी एक्सटेंशन: दूसरी नई दिल्ली। (एलके दास, एड.) डिजाइन फॉर ऑल जर्नल, नवंबर, 16(11), 81-101।
- जालान, ए., और सिंह, एम., 2021। थ्रेसहोल्ड स्पेस को पुन: प्राप्त करने में निर्धारक के रूप में नॉर्म-आधारित कोड की भूमिका: वडोदरा के चारदीवारी वाले शहर का एक केस स्टडी। (एलके दास, एड.) डिजाइन फॉर ऑल जर्नल, नवंबर, 16(11), 102-127।
- सिंह, के., और सिंह, एम., 2021. उच्च वृद्धि समूह आवास में बाहरी आराम की उपयोगकर्ता धारणा पर क्षैतिज सतहों के प्रभाव का आकलन। (एलके दास, एड.) डिजाइन फॉर ऑल जर्नल, नवंबर, 16(11), 128-147।
- कोचर, पी., महल, एन., सेठ, एस. और सिंह, एम., 2022. एकीकृत पर्यावास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग-भारत में जलवायु-परिवर्तन शमन/अनुकूलन को उत्प्रेरित करने के लिए एक ग्रीन-बिल्डिंग रेटिंग प्रणाली। एफ1000 रिसर्च, 11:153 (https://doi.org/10.12688/f1000research.108826.1)
- सक्सेना, एस. और सिंह, एम., 2021. हरे-भरे स्थानों में हुमायूँ के मकबरे की शांति। इनटैक जर्नल ऑफ हेरिटेज स्टडीज - विरासत और कल्याण। आर्यन बुक्स इंटरनेशनल, दिसंबर, पब., आईएसएसएन: 2395-6909, 4, 2, 68-80।

4. प्रकाशित किसी भी आधिकारिक जर्नल/पत्रिका का विवरण:

"डिजाइन फॉर ऑल" जर्नल के अतिथि संपादक (नवंबर 2021, वॉल्यूम 16 नंबर-11 आईएसएसएन: 2582-8304)।

4.14 विश्वविद्यालय डिजाइन और नवाचार विद्यापीठ

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस)	चार वर्ष	120
2	बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग)	चार वर्ष	120
3	बी.टेक (इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स)	चार वर्ष	120
4	बी.टेक (ऑटोमेशन और रोबोटिक्स)	चार वर्ष	120

2. प्रयोगशालाओंध्सेमिनार हॉल के संबंध में स्कूल में नई सुविधाओं के बारे में विवरण:

क्र.सं.	सुविधा	सुविधा का विवरण
01	लेक्चर हॉल	प्रथम तल, द्वितीय और तृतीय तल (ए1 और ए2 ब्लॉक) पर प्रभावी शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के लिए इंटरैक्टिव स्मार्ट बोर्ड के साथ 08 वातानुकूलित व्याख्यान कक्ष
02	सामान्य कंप्यूटिंग लैब्स	02 ऊपरी बेसमेंट में, 04 द्वितीय तल में, 01 ग्राउंड फ्लोर में (ए1 और ए2 ब्लॉक)
03	भौतिकी प्रयोगशालाएँ	02 ऊपरी बेसमेंट में (ए1 ब्लॉक)
04	रसायन विज्ञान प्रयोगशाला	02 ग्राउंड फ्लोर में (ए1 ब्लॉक)
05	इंजीनियरिंग ग्राफिक्स लैब	01 ग्राउंड फ्लोर में (ए2 ब्लॉक)

3. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) रिर्सज जर्नल में लेख अनुसंधान

1. कश्यप, एस., और बत्रा, के., 2022. SnlSemSn क्लस्टर के संरचनात्मक, इलेक्ट्रॉनिक, थर्मोडायनामिक और ऑप्टिकल गुण: एक डीएफटी अध्ययन। रासायनिक भौतिकी, 558, 111501।
2. यादव, एस., मिश्रा, एन., खन्ना, पी., मानसी, बत्रा, के., और खन्ना, एल., 2022. डिबेंजाजेपाइन और 2, 5-डाइमिथाइलफ्यूरान के डायल्स-एल्डर रिएक्शन पर विभिन्न सॉल्वैंट्स का उपयोग करके एक डीएफटी अध्ययन और तापमान की स्थिति. पॉलीसाइक्लिक सुगंधित यौगिक, 1-12।
3. चानाना, जी., और बत्रा, के., 2022. डीएसएससी अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न सॉल्वैंट्स में प्राकृतिक डाई अणुओं लॉसोन और पुरपुरिन की मॉडलिंग: एक डीफ्टी और टीडी-डीएफटी अध्ययन। आणविक सिमुलेशन, 1-16.
4. चानाना, जी., और बत्रा, के., 2021. आणविक संरचना, यूवी-दृश्यमान स्पेक्ट्रा, और डी-ω-ए संयुग्मित कार्बनिक डाई अणुओं के ऑप्टिकल गुणों के मॉडलिंग में कार्यात्मक प्रदर्शन और स्थानापन्न प्रभाव की जांच: एक डीएफटी और टीडी-डीएफटी अध्ययन. जर्नल ऑफ मॉलिक्यूलर मॉडलिंग, 27(8), 1-19.
5. दहिया, एस., सलूजा, ए., सिंघल, पी., और जौहरी, आर., 2022. व्हाट्सएप उपयोगकर्ताओं के ऑनलाइन सामाजिक व्यवहार का विश्लेषण। वेबोलॉजी, 19(1), 229-249.
6. जौहरी, आर., कुमार, वी., गुप्ता, के. और विद्यार्थी, डीपी, 2022. ब्लॉसम: मेडिकल रिकॉर्ड की सुरक्षा के लिए ब्लॉकचेन तकनीक। आईसीटी एक्सप्रेस, 8(1), 56-60।
7. वर्मा, आर. और अग्रवाल, ए., 2021। 2-टुपल अंतर्ज्ञानवादी फजी भाषाई भुगतान के साथ मैट्रिक्स गेम पर, ईरानी जर्नल ऑफ फजी सिस्टम्स, 18(4),149-167।
8. वर्मा, आर. और अग्रवाल, ए., 2021। भाषाई अंतर्ज्ञानवादी अस्पष्ट भुगतान के साथ मैट्रिक्स गेम: बुनियादी परिणाम और समाधान विधियां, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समीक्षा, 54, 5127-5162।

9. मोहन्ता, के.के, सुनील, एसडी और अग्रवाल, ए., 2021। डेटा आवरण विश्लेषण के आधार पर भारत में सीओवीआईडी -19 महामारी के प्रबंधन में दक्षता विश्लेषण, व्यवहार विज्ञान में वर्तमान अनुसंधान, 2, 100063।

10. श्रीवास्तव, एस., अग्रवाल, ए. और मेहरा, ए., 2022. संचयी संभावना सिद्धांत द्वारा पोर्टफोलियो चयन और माध्य-विचरण मॉडल के साथ इसकी तुलना, ग्रैनुलर कंप्यूटिंग.23456789)

बी) सम्मेलन की कार्यवाही में पूर्ण कागजात

1. खंडेलवाल, पी., जौहरी, आर., चुघ, एम., और गोयल, ए., 2022. आलिंगन: इलेक्ट्रॉनिक मेडिकल रिकॉर्ड सुरक्षा, बचाव के लिए ब्लॉकचेन। डेटा एनालिटिक्स और प्रबंधन की कार्यवाही में (605-613)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

2. चुघ, एम., जौहरी, आर., और गोयल, ए., 2022. गणित: हेल्थकेयर सिस्टम में मशीन लर्निंग तकनीक। इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (693702) में। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

3. अचारी, एस., और जौहरी, आर., 2022. एफओजी-ईई कंप्यूटिंग: फॉग, एज और इलास्टिक कंप्यूटिंग, नए युग के क्लाउड कंप्यूटिंग प्रतिमान। इनोवेटिव कंप्यूटिंग और संचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (579-589) में। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

4. पीलम, एमएस, और जौहरी, आर., 2022. क्वांटम कंप्यूटिंग (ईएसयूक्यूसी) का उपयोग करके सुरक्षा बढ़ाना। मशीन लर्निंग में, कंप्यूटिंग में प्रगति, नवीकरणीय ऊर्जा और संचार (227235)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

5. चानाना, जी., और बत्रा, के., 2022. नॉनलाइनियर ऑप्टिकल (एनएलओ) अनुप्रयोगों के लिए मॉडलिंग नोवेल ऑर्गेनिक अणु 2-(4-एथिलबेंजाइलिडीन) मैलोनोनिट्राइल (ईबीएम)। अनुप्रयोगों के साथ परमाणु, आणविक, ऑप्टिकल और नैनो भौतिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की कार्यवाही में (421-438)। स्प्रिंगर, सिंगापुर।

ग) पुस्तक अध्याय

1. अग्रवाल, एच., जौहरी, आर., विद्यार्थी, डी.पी, गुप्ता, के., और अरोड़ा, ए., 2022. सर्वश्रेष्ठ: स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन प्रणाली में ब्लॉकचेन सक्षम सुरक्षित प्रौद्योगिकी। स्वास्थ्य देखभाल सूचना विज्ञान के लिए ब्लॉकचेन अनुप्रयोगों में (267-282)। अकादमिक प्रेस.

2. भाटिया, एच., जौहरी, आर., और गुप्ता, के., 2021. शांत: क्वाट्रो-इनवर्स एक्सपोनेंशियल सिफर तकनीक। कार्यात्मक एन्क्रिप्शन में (279-301)। स्प्रिंगर, चाम।

4. सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी में संकाय द्वारा भाग लिया गया:

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	दिनांक/अवधि	स्थान
1.	डॉ. राहुल जौहरी	एमएमएमयूटी विश्वविद्यालय से गणितीय उपकरणों और अनुप्रयुक्त गणित में हालिया प्रगति पर एफडीपी	16-20 अगस्त, 2021.	एआईसीटीई अटल एफडीपी (ऑनलाइन)
2.	डॉ. राहुल जौहरी	डेटा विज्ञान की नींव पर एफडीपी और आईजीडीटीयूडब्ल्यू से इसके अनुप्रयोग।	06-10 सितंबर 2021.	एआईसीटीई अटल एफडीपी (ऑनलाइन)
3.	डॉ. राहुल जौहरी	श्री वीएन इंजीनियरिंग कॉलेज से मीन स्टैक टेक्नोलॉजीज पर एफडीपी।	21-25 सितम्बर 2021	एआईसीटीई अटल एफडीपी (ऑनलाइन)
4.	डॉ. राहुल जौहरी	तकनीकी शिक्षा में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर एफडीपी	15-19 नवंबर, 2021	एआईसीटीई अटल एफडीपी (ऑनलाइन)
5.	डॉ. कृति बत्रा	"राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: कार्यान्वयन चुनौतियां और आगे का रास्ता	19 फरवरी - 02 अप्रैल 2022।	स्कूल ऑफ फिजिकल साइंसेज, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स (ऑनलाइन)
6.	डॉ. कृति बत्रा	प्रो. सर कॉलिन हम्फ्रीज, क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन द्वारा, "ग्राफीन और गैलियम नाइट्राइड: बुनियादी विज्ञान से विनिर्माण उपकरणों तक"	5 फरवरी 2022.	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	दिनांक/अवधि	स्थान
7.	डॉ. कृति बत्रा	"जैव-प्रेरित, प्रतिक्रिया युग्मित सुपरमॉलेक्यूलर पॉलिमर" प्रो. सुबी जैकब जॉर्ज, जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), बैंगलोर,	31 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
8.	डॉ. कृति बत्रा	प्रो. अविनाश के अग्रवाल, आईआईटी कानपुर द्वारा "आंतरिक दहन इंजनों का भविष्य और बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से अस्तित्व संबंधी खतरा"	28 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
9.	डॉ. कृति बत्रा	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित "संख्या सिद्धांत और गतिशीलता में यादृच्छिकता" प्रो. अनीश घोष, टीआईएफआर, मुंबई,	24 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
10.	डॉ. कृति बत्रा	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, नई दिल्ली द्वारा आयोजित जेपलर इंस्टीट्यूट ऑफ फोटोनिक्स के निदेशक प्रो. सर डेविड पायने द्वारा "द फाइबर लेजर रिवोल्यूशन: फॉम द पास्ट टू द फ्यूचर"	22 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
11.	डॉ. कृति बत्रा	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित डॉ. बीएन उपाध्याय आरआरसीएटी, इंदौर द्वारा "उच्च शक्ति फाइबर लेजर: चुनौतियां और अवसर"	22 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
12.	डॉ. कृति बत्रा	"सीओ 2 के संग्रहण, पृथक्करण और रासायनिक रूपांतरण के लिए कार्बनिक-अकार्बनिक हाइब्रिड सामग्री, प्रो. तापस कुमार माजी, स्कूल ऑफ एडवांस्ड मैटेरियल्स (एसएएमएटी), जवाहरलाल नेहरू सेंटर फॉर एडवांस्ड साइंटिफिक रिसर्च (जेएनसीएएसआर), बैंगलोर, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल द्वारा आयोजित उपाध्याय कॉलेज	21 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
13.	डॉ. कृति बत्रा	नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिकी 2020 प्रो. रेनहार्ड जेनजेल द्वारा "40-वर्षीय यात्रा"।	12 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
14.	डॉ. कृति बत्रा	"सेंसिंग, ड्रग डिलीवरी और थेरेपी में क्रियती हेल्थकेयर टेक्नोलॉजीज प्रो. रोहित श्रीवास्तव, प्रो. और प्रमुख, बीएसबीई विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज इंडिया और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज द्वारा आयोजित।	10 जनवरी 2022	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
15.	डॉ. कृति बत्रा	प्रो. उदयन गांगुली, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी बॉम्बे, पवई द्वारा "न्यूरॉन्स और सिनेप्सेस: आरआरएएम आधारित न्यूरोमोर्फिक इंजीनियरिंग" और प्रो. रेणुका पी द्वारा "द सॉलिड-स्टेट रिवोल्यूशन एंड द इंफॉर्मेशन एज" पर चर्चा में भाग लेकर दो व्यावसायिक विकास घंटे। जिंदल, प्रख्यात वैज्ञानिक और मुख्य प्रौद्योगिकी	28 दिसंबर 2021	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)

क्र.सं.	संकाय का नाम	कार्यशाला/आयोजक का विवरण	दिनांक/अवधि	स्थान
		अधिकारी, वेंडरजिल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, एलएलसी, प्रिंसटन, न्यू जर्सी		
16.	डॉ. कृति बत्रा	प्रो. अमिताव दासगुप्ता, वीवी शास्त्री इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष प्रो., विभाग द्वारा "एमओएसएफईटी से एमआईएसएचईएमटी तक - एक विकास" पर निम्नलिखित वार्ता में भाग लेकर दो व्यावसायिक विकास घंटे। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, आईआईटी मद्रास और "सस्टेनिंग मूर्स लॉ (एंड बियॉन्ड) विद 2डी मैटेरियल्स प्रो. कौस्तव बनर्जी, प्रो. इलेक्ट्रिकल और कंप्यूटर इंजीनियरिंग और निदेशक, कैलिफोर्निया नैनो सिस्टम्स इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी एफिशिएंसी, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय द्वारा	27 दिसंबर 2021	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)
17.	डॉ. कृति बत्रा	"आविष्कार जिसने आधुनिक समाज को बदल दिया: डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र को सक्षम करने वाले ट्रांजिस्टर का विकास" डॉ. समर साहा, मुख्य अनुसंधान वैज्ञानिक, प्रोस्पिसिएंट डिवाइसेस, कैलिफोर्निया, यूएसए द्वारा	24 दिसंबर 2021	राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत और दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, (ऑनलाइन)

5. स्कूल द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	आयोजन/गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
01	राष्ट्रीय विज्ञान सप्ताह	26 फरवरी - 05 मार्च 2022	350
02	राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मार्च 2022	200

6. संकाय द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियां/छात्रवृत्ति:

क्र.सं.	संकाय का नाम	वर्ष	पुरस्कार का विवरण
01	डॉ. कृति बत्रा	2021	प्रशंसा प्रमाणपत्र- एनएईएसटी, 2021 इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजिक्स टीचर्स, नेशनल अन्वेषिका नेटवर्क ऑफ इंडिया, विज्ञान प्रसार और शिक्षा सोपान द्वारा प्रदान किया गया।
02	डॉ. राहुल जौहरी	2022	एसईएमएस वेलफेयर फाउंडेशन और पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा सर्वश्रेष्ठ संकाय पुरस्कार (पुरुष)।

7. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/अवधि	राशि
1.	प्रो. अजय एस सिंघौली	डेनोवो टेक्नोलॉजीज और एर्गोनॉमिक्स केंद्र की स्थापना	डीकेडीएफ फाउंडेशन, एनसीटी दिल्ली सरकार	03 वर्ष	4.5 करोड़ रु

8. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	आयोजन नाम	पुरस्कार का विवरण
1.	शिवांग रतन	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर
2.	राहुल जैन	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर

क्र.सं	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	आयोजन नाम	पुरस्कार का विवरण
3.	अनुराग जुयाल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर
4.	अमन गुप्ता	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर
5.	आकाश महंती	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर
6	शुभ सरदाना	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, मिस्ट्री कोड एक्सप्लोरर
7	गोविंद राजोरिया	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, साइंस-ओफिलिक
8	नजमुस साकिब	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, साइंस-ओफिलिक
9	अवनीश पांडे	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	एसीएम चौप्टर, साइंस-ओफिलिक
10	हर्ष कुमार शर्मा	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
11	तनिष्क झा	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
12	युवराज सिंह	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
13	सुजल कुमार	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
14	शुभांगी मिश्रा	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
15	मिहिर वैद	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
16	रुद्राख मेहता	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
17	अपर्णा गर्ग	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	सीएसआर- वाद-विवाद प्रतियोगिता
18	सार्थक सिंह	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ड्रामेटिक्स क्लब शार्क टैंक
19	उत्सव बंसल	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ड्रामेटिक्स क्लब शार्क टैंक
20	फरमान अली	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ड्रामेटिक्स क्लब शार्क टैंक
21	अनिरुद्ध गुप्ता	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ड्रामेटिक्स क्लब शार्क टैंक
22	हरीश रावत	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ललित कला - भविष्य की कल्पना
23	आदित्य राज	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ललित कला - भविष्य की कल्पना
24	अपर्णा गर्ग	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	ललित कला - भविष्य की कल्पना

क्र.सं	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	आयोजन नाम	पुरस्कार का विवरण
25	मिहिर वैद	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	साहित्यिक क्लब - अंतरिम-ओ-कोस्मोस
26	अपर्णा गर्ग	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	साहित्यिक क्लब - अंतरिम-ओ-कोस्मोस
27	खुशी अरोरा	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	साहित्यिक क्लब - अंतरिम-ओ-कोस्मोस
28	तेजस्वी अरनेजा	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम
29	विदुषी भारद्वाज	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम
30	चौतन्य राय	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम
31	हर्षवीर सिंह	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम - दिन का कलाकार
32	रजत कानूनगो	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम - इलेक्ट्रिक एंटरटेनर
33	मिहिर वैद	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	संगीत कार्यक्रम - गीतात्मक उस्ताद
34	तुषार खंडेलवा	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	नेचर क्लब - सवाल-ए-जवाब
35	अमरेश कुमार	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	नेचर क्लब - सवाल-ए-जवाब
36	वरेन्या मलिक	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	नेचर क्लब - सवाल-ए-जवाब
37	नजमुस साकिब	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	नेचर क्लब - सवाल-ए-जवाब
38	अर्णव जैन	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	प्रकाशन क्लब - वैज्ञानिक-तथ्यात्मक ओलंपिया
39	हर्ष कुमार शर्मा	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	प्रकाशन क्लब - वैज्ञानिक-तथ्यात्मक ओलंपिया
40	जतिन रे	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	विज्ञान सप्ताह	प्रकाशन क्लब - वैज्ञानिक-तथ्यात्मक ओलंपिया
41	उज्जवल बारेला	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साइंस क्लब - वाद-विवाद प्रतियोगिता "एआई, रोबोटिक्स और नौकरियों का भविष्य"
42	हर्ष कुमार शर्मा	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साइंस क्लब - वाद-विवाद प्रतियोगिता "एआई, रोबोटिक्स और नौकरियों का भविष्य"
43	प्रखर अग्रवाल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साइंस क्लब - वाद-विवाद प्रतियोगिता "एआई, रोबोटिक्स और नौकरियों का भविष्य"

क्र.सं	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	आयोजन नाम	पुरस्कार का विवरण
44	सिया गुप्ता	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	नेचर क्लब - पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
45	नजमुस साकिब	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	नेचर क्लब - पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
46	उदय बारी	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	नेचर क्लब - पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता
47	प्रतीक बिष्ट	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
48	अंजलि राठौड़	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
49	शिवम कुमार झा	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
50	उत्सव बंसल	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
51	हरजोत सिंह जस्सल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
52	आर्यन चौहान	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
53	अवि चड्ढा	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
54	मोहित गुप्ता	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
55	अनीश सामंत	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
56	आर्यन कंसल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
57	उत्सव बंसल	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
58	सार्थक जैन	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	ड्रामेटिक्स क्लब - टेक्नोड्रामा ड्रामा एक्ट्स
59	चिराग शर्मा	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साहित्यिक क्लब - टेक - कॉम्बैट
60	अविनाश कुमार श्रीवास्तव	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साहित्यिक क्लब - टेक - कॉम्बैट
61	खुशी पांडे	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साहित्यिक क्लब - टेक - कॉम्बैट
62	जुबेल जॉर्ज	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	साहित्यिक क्लब - टेक - कॉम्बैट
63	शलेन्दर भंडारी	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	प्रकाशन क्लब - रंग दे
64	दिव्यांश नौटियाल	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	प्रकाशन क्लब - रंग दे

क्र.सं	छात्र का नाम	कार्यक्रम	सेमेस्टर/वर्ष	आयोजन नाम	पुरस्कार का विवरण
65	मिहिर वैद	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	प्रकाशन क्लब - रंग दे
66	युवराज सिंह	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	प्रकाशन क्लब - रंग दे
67	टीना	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	सीएसआर क्लब - टेक्नोफिलिया-मौखिक प्रस्तुति
68	प्रांजल	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	सीएसआर क्लब - टेक्नोफिलिया-मौखिक प्रस्तुति
69	अपर्णा गर्ग	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	टेक दिवस	सीएसआर क्लब - टेक्नोफिलिया-मौखिक प्रस्तुति
70	अपर्णा गर्ग	स्वचालन और रोबोटिक्स	प्रथम/प्रथम	एसीएम टेकफेस्ट	एसीएम- वेबस्ट्रो वार्स
71	अदम्य गौड़	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	एसीएम टेकफेस्ट	एसीएम- सर्किट डिबगिंग
72	सागर रुहेला	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-डेटा साइंस	प्रथम/प्रथम	एसीएम टेकफेस्ट	एसीएम- सर्किट डिबगिंग
73	शुभ सरदाना	औद्योगिक इंटरनेट ऑफ थिंग्स	प्रथम/प्रथम	एसीएम टेकफेस्ट	एसीएम- जीथब रीडमी चौलेंज

5. विश्वविद्यालय केंद्र

5.1 आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र

1. विद्यापीठ द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1	एमबीए (आपदा प्रबंधन) सप्ताहांत	2 वर्ष	60
2	पीजीडी (फायर एंड लाइफ सेफ्टी ऑडिट) अंशकालिक	1 वर्ष	50

2. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

एक परामर्श परियोजना की लागत रु. 50 लाख लगभग गंगा और यमुना नदी के मुख्य राज्यों में चल रहे अत्यधिक प्रदूषणकारी उद्योगों (जीपीआई) के वार्षिक निरीक्षण के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से - संबंध में।

3. केंद्र द्वारा हस्ताक्षरित कोई भी समझौता ज्ञापन (शैक्षणिक/अनुसंधान एवं विकास):

क्र.सं.	एमओयू की तारीख	सहयोग करने वाले संस्थान आदि जैसे एमओयू का विवरण।	एमओयू के उद्देश्य
1.	2022	होम गार्ड निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ समझौता ज्ञापन	शैक्षणिक सहयोग
2.	2022	दिल्ली अग्निशमन सेवा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के साथ समझौता ज्ञापन	शैक्षणिक सहयोग

4. शैक्षणिक सत्र 2021-22 के दौरान प्रवेशित पीएचडी विद्वान: 9

5.2 फार्मास्युटिकल साइंसेज में उत्कृष्टता केंद्र (सीईपीएस)

1. केंद्र द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रम का विवरण:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अवधि	स्वीकृत सेवन
1.	एमएससी (औषधीय रसायन विज्ञान एवं औषधि डिजाइन)	2 वर्ष	15-20

2. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

क) शोध पत्रिका में लेख

प्रो. ए.के नरूला

1. शुक्ला, पी., देसवाल, डी., पंडित, एम., लता, एन., महाजन, डी., श्रीवास्तव, टी., नरूला, के.ए, 2021. उपन्यास टोस्मिक टेथर्ड इमिडाजो [1,2-ए]पाइरीडीन की खोज संभावित एंटिफंगल दवा उम्मीदवार के विकास के लिए यौगिक, औषधि विकास अनुसंधान, 27 सितंबर, https://doi.org/10.1002/ddr.21883.
2. सहगल, पी. और नरूला, के. ए., जे. मेटर। 2021. मेटर। दुर्लभ पृथ्वी-डोप्ड जिंक ऑक्साइड से बने डाई-सेंसिटाइज्ड सौर कोशिकाओं के इलेक्ट्रॉन, बेहतर ऑप्टिकल, इलेक्ट्रोकेमिकल और फोटोवोल्टिक गुण, 32, 16612-16622, doi-org/10-1007/s10854-021-06216-7.
3. चंद्रा एसए, शुक्ला, पी., ओल्सन, एमए, नरूला, के.ए, 2021। चाइनीज जर्नल ऑफ केमिस्ट्री, फॉस्फिनिक एसिड/एनएआई ने दो-घटक तीन-केंद्रित (2सी3सी) यूजीआई प्रकार प्रतिक्रिया का उपयोग करके एल-1डीऑक्सीनोजिरिमाइसिन तक पहुंचने के लिए रिडक्टिव साइक्लाइजेशन दृष्टिकोण की मध्यस्थता की। 39 (6), 1503-1510, doi:10.1002/cjoc-202000634.
4. सिंह, ए., नरूला, केए, 2021. कॉपर और एन-हेटरोसाइक्लिक कार्बेन-उत्प्रेरित ऑक्सीडेटिव अमीनेशन के साथ एल्डिहाइड का अमीन, सिनलेट,; 32(07): 718-722, डीओआई: 10.1055/ए-13435203।
5. सिंह, ए. और नरूला, के. ए, केम, एनजे, 2021। एन-हेटरोसायक्लिक कार्बाइन (एनएचसी) ने अग्रानुक्रम एन-हाइड्रॉक्सीसुसिनिमाइड एस्टर गठन के माध्यम से एमाइन के साथ एल्डिहाइड के संशोधन को उत्प्रेरित किया, 45, 7486, डीओआई:10.1039/डी1एनजे00591जे।
6. सेंगर, एम., नरूला, केए, 2021। लैंथेनाइड डोप्ड ल्यूमिनसेंट NaGdF4:Nd3+, Yb3+@CaF2:Eu3+ डुअल-मोड (दृश्यमान और एनआईआर) ल्यूमिनेसेंस के लिए नैनोकण, जर्नल ऑफ सॉलिड स्टेट केमिस्ट्री, 295, 121913, doi:10.1016/j.jssc.2020.121913.
7. देसवाल, डी., शुक्ला, पी., चंद्रा एसए, नरूला, के.ए, 2020। कार्बोहाइड्रेट ने फंगल कोशिका झिल्ली के विघटन के लिए एजेंट के रूप में इमिडाजोल को जोड़ा, जर्नल डी माइकोलोजी मेडिकेल, 30 (1), 100910, डीओआई: 10.1016/जे। मायसीमेड.2019.100910.
8. सिंह, ए., चंद्रा, एसए, नरूला, के.ए, 2020. Fe(II) द्वारा उत्प्रेरित एमाइन के साथ एल्डिहाइड का ऑक्सीडेटिव अमिडेशन - हाइड्राइड कॉम्प्लेक्स और एन-हेटरोसाइक्लिक कार्बेन (एनएचसी), केमिस्ट्री सेलेक्ट, 110, 110480, doi.org/10.1002/slct.202000981.
9. सेंगर, एम., नरूला, के.ए, 2020. BaGdF5 होस्ट मैट्रिक्स में Ln3+ अशुद्धता आयन का ल्यूमिनसेंस संवेदीकरण: संरचनात्मक जांच, रंग ट्यून करने योग्य ल्यूमिनसेंस और ऊर्जा हस्तांतरण, ऑप्टिकल सामग्री, 110, 110480, डीओआई: 10.1016/जे.ऑप्टमैट.2020.110480।
10. सिंह, ए., चंद्रा, एसए, नरूला, के.ए, 2020. Fe(II) द्वारा उत्प्रेरित एमाइन के साथ एल्डिहाइड का ऑक्सीडेटिव अमिडेशन - हाइड्राइड कॉम्प्लेक्स और एन-हेटरोसाइक्लिक कार्बेन (एनएचसी), केमिस्ट्री सेलेक्ट, 110, 110480, doi.org/10.1002/slct.202000981.

3. केंद्र द्वारा आयोजित सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन/संगोष्ठी:

क्र.सं.	आयोजन/गतिविधि का शीर्षक	दिनांक/अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	हरा रसायन	एक हफ्ता	10
2.	क्वांटम मैकेनिक्स, मैकेनिक्स, होमोलॉजी मॉडलिंग, और क्यूएस एआर	दो दिन	10

4. संकाय द्वारा प्राप्त परियोजनाएं/अनुदान/परामर्श:

क्र.सं.	संकाय का नाम	परियोजना का शीर्षक	अनुदान देने वाली एजेंसी	काल/ अवधि	राशि (लाख रूपये में)
1.	प्रो. एके नरूला	ग्रोएबके ब्लैकबर्न बायनेमे (एमसीआर) रिएक्शन के माध्यम से संयोजन चिकित्सा का मुकाबला करने के लिए संशोधित फ्लुसाइटोसिन	डीएसटी	3 वर्ष	20

5. छात्रों द्वारा प्राप्त पुरस्कार/पुरस्कार/उपलब्धियाँ/छात्रवृत्ति/परियोजनाएँ:

क्र.सं.	छात्र का नाम	कार्यक्रम	पुरस्कार का विवरण
1.	सुश्री प्रतिभा शुक्ला	पीएचडी	सर्वोत्तम मौखिक प्रस्तुति

6. केंद्र द्वारा आयोजित उत्सव/वार्षिक बैठकें जैसी पाठ्येतर गतिविधियाँ:

क्र.सं.	आयोजन का नाम	अवधि	आयोजन का विवरण
1.	स्थापना दिवस	एक दिन	नृत्य, प्रहसन, प्रश्नोत्तरी आदि।
2.	विज्ञान दिवस	एक दिन	प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

7. शोधार्थियों का विवरण:-

(क) सम्मानित पी.एच.डी अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 2

क्र.सं.	विद्वान का नाम	पी.एच.डी. का शीर्षक	अंतिम पंजीकरण की तिथि	पर्यवेक्षक का नाम	उपाधि प्रदान करने की तिथि
1.	मंजू सेंगर	लैंथेनाइड धातु परिसरों, संश्लेषण, लक्षण वर्णन और संभावित अनुप्रयोगों का अध्ययन	2014	प्रो. एके नरूला	2022
2.	अश्मिता सिंह	औषधियों और औषधि जैसे अणुओं के संश्लेषण में एन-हेटरोसाइक्लिक कार्बेन की खोज	2018	प्रो. एके नरूला	2022

(बी) चल रहे पी.एच.डी पंजीकृत अनुसंधान विद्वानों की कुल संख्या: 2

8. जेआरएफ-नेट/गेट उत्तीर्ण छात्रों का विवरण:

क्र.सं.	छात्र का नाम	योग्य परीक्षण का विवरण
1.	शगुन सिंह	गेट

5.3 कानूनी सहायता केंद्र

कानूनी सहायता केंद्र, यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपीयू

गलत को सही करने और अन्याय को सुधारने के लिए कानूनी सहायता केंद्रीय है

"न्याय के बिना कानून इलाज के बिना एक घाव ह" (विलियम स्कॉट)।

कानूनी सहायता केंद्र का गठन 2002 में यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज द्वारा किया गया था। कानूनी सहायता किसी भी देश में कानून के शासन के लिए महत्वपूर्ण है और हमारा कानूनी सहायता केंद्र (एलएसी), देश के कानून द्वारा निर्धारित मूल्यों का पालन करते हुए, यह सभी जरूरतमंदों को कानूनी सहायता सुनिश्चित करने और सभी की गरिमा बनाए रखने में योगदान देने का एक प्रयास है। एलएसी का मिशन कानूनी जागरूकता प्रदान करके और सामाजिक आउटरीच और सेवा पहलों, जागरूकता अभियानों, सूचनात्मक बैठकों और दान के माध्यम से सामुदायिक चेतना को बढ़ावा देकर, समाज को सभी मोर्चों पर उन लोगों के साथ जोड़ना जो कानूनी सहायता के लिए भूखे हैं और न्याय तक पहुंच की आवश्यकता रखते हैं। इसने 2002 से समाज के अशक्त, हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए न्याय तक पहुंच की दिशा में काम किया है।

एलएसी ने 2019 तक प्रो. एम. अफजल वानी, यूएसएलएलएस के दूरदर्शी नेतृत्व में और उसके बाद 12 जुलाई 2022 तक प्रो. कंवल डीपी सिंह, यूएसएलएलएस के तहत कार्य किया है। जुलाई 2022, प्रो. लिसा पी. लुकोस, यूएसएलएलएस ने कानूनी सहायता केंद्र के निदेशक का पद ग्रहण किया है।

इसे दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण से अनुमोदन प्राप्त है और प्रत्येक शुक्रवार को दिल्ली कानूनी सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) के पैनल में शामिल वकील का दौरा होता है। (हालाँकि, सेल के अदृश्य और कम पहुंच वाले कमरे में स्थित होने के कारण 2021 में इसे पैनल से हटा दिया गया। सेल इसे सुधारने की दिशा में काम कर रहा है और माननीय कुलपति ने मुख्य के पास एक खिड़की को मंजूरी दे दी है। एलएसी के लिए एक सुविधा केंद्र के रूप में विश्वविद्यालय का प्रवेश द्वार, मुख्य द्वार के पास सड़क की ओर बाहर की ओर खुलने वाली एक खिड़की के साथ गरीबों और जरूरतमंदों को डीएलएसए की सेवाएं प्राप्त करने के लिए केंद्र को फिर से सूचीबद्ध किया जाएगा।

गरीबी और असमानता की पृष्ठभूमि में, कानूनी सहायता 'सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक' न्याय के आदर्शों की प्राप्ति की दिशा में एक प्रभावी तरीका है जो राज्य नीति के निदेशक सिद्धांतों के तहत हमारे संविधान में निहित हैं। सामाजिक प्रगति के लिए एक तंत्र के रूप में कानूनी सहायता और जागरूकता अभियान का महत्व कुछ ऐसा है जिस पर भारत सरकार द्वारा बार-बार जोर दिया गया है। एलएसी पर, हम उन लोगों को मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करना चाहते हैं जो पेशेवर कानूनी सेवाएं नहीं खरीद सकते हैं और हम उन सार्वजनिक कारणों की वकालत करना चाहते हैं जिनके लिए समर्थन की कमी है। एलएसी ने पिछले कुछ वर्षों में कानूनी जागरूकता, दान शिविर, सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम, इंटरैक्टिव सत्र, कार्यशालाएं, सेमिनार और संगोष्ठियां, नाटक इत्यादि से लेकर विभिन्न गतिविधियों पर काम किया है।

एलएसी ने 2014 में "स्वच्छता अभियान" का आयोजन किया। इसका उद्देश्य सामान्य भीड़ के बीच स्वच्छता और स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाना था। शहर को साफ रखने के लिए नागरिकों में नैतिक और समझदार विवेक की कमी की अंतर्निहित समस्या से निपटना था और यह एहसास कराना था कि स्वच्छ वातावरण बनाए रखकर, हम स्वयं को बनाए रख रहे हैं। पूरा अभियान सभी प्रतिभागियों, संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए काफी प्रेरणादायक था। स्वच्छता और पवित्रता के महत्व और दायरे को दोहराया गया। एक कड़ा संदेश कि अस्वच्छता और असुविधा की स्थिति वास्तव में सीखने में बाधा डालती हैय इसे सभी तक पहुंचाने के लिए आदतन और अन्य रचनात्मक कार्य किए गए।

2014 में दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से "सामूहिक कानूनी जागरूकता कार्यक्रम" आयोजित किया गया था। सामाजिक नियंत्रण के साधन और व्यवहार के लिए दिशानिर्देश जैसे रीति-रिवाज, नैतिकता, सार्वजनिक राय और रीति-रिवाज या परंपरा जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। जनमत या अन्य दबावों के महत्व और कानून के विकास के अन्य साधनों की उपयोगिता, सीमा और तर्कसंगतता पर चर्चा की गई।

एक लघु नाटिका के साथ बाल दुर्व्यवहार पर संवादात्मक सत्र 2014 में आयोजित किया गया था। बाल शोषण पर सत्र का उद्देश्य कफी विचित्र और अभिव्यक्त था। जैसा कि बार-बार कहा गया है, बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं और इस प्रकार, उनकी सुरक्षा और देखभाल सरकार और नागरिकों का प्राथमिक कर्तव्य है। असंख्य छोटे और मासूम बच्चों को तस्करी और देह व्यापार में खींचने वाले विभिन्न गठजोड़ के खुलासे समाज के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करते हैं। खतरनाक उद्योगों में बाल श्रम में बच्चों का रोजगार फिर से एक बहुत ही खतरनाक मुद्दा है जिस पर व्यापक रूप से चर्चा की गई है।

2015 में कर्मचारियों के लिए एक विशेष कानूनी सूचना डेस्क का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम सी ब्लॉक सभागार में हुआ और एलएसी द्वारा आयोजित किया गया था। यूएसएलएलएस के छात्रों ने पूरे कार्यक्रम का सक्रिय रूप से समन्वय किया। इस कार्यक्रम में भाग लेने वालों में तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी शामिल थे। यूएसएलएलएस के सभी संकाय सदस्य भी उपस्थित थे और उन्होंने कर्मचारियों के विभिन्न अधिकारों के बारे में जानकारी दी। इस इंटरैक्टिव सत्र में, जहां भाग लेने वाले कर्मचारियों ने उत्सुकता से प्रश्न पूछे, वहीं संकाय सदस्यों द्वारा कानूनी अधिकारों के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करते हुए प्रश्नों का तुरंत उत्तर दिया गया। इन कर्मचारियों की प्रभावी ढंग से मदद करने के लिए, यूएसएलएलएस छात्रों ने हेल्प डेस्क पर शिकायतें दर्ज कीं। यह आयोजन कुल मिलाकर सफल रहा और कई प्रतिभागियों ने भविष्य में इस तरह के और आयोजन देखने की आशा व्यक्त की।

शीतकालीन कपड़ा और सुविधाएं दान शिविर 2015 में आयोजित किया गया था। दिल्ली में अनुभव की गई क्रूर सर्दियों में, कई बेघर और/या संसाधन-विहीन लोग हैं जिनके पास मौसम की कठिनाई से खुद को बचाने के लिए बुनियादी सुविधाएं नहीं हैं। इस प्रकार शीतकालीन दान शिविर का आयोजन उन सभी चीजों को लाने के लिए किया गया था जो हम ऐसे लोगों के उपयोग के लिए एकत्र कर सकते थे। एकत्र किए गए कपड़े और अन्य सामान गरीबों और जरूरतमंदों को दे दिए गए, जिन्होंने एलएसी को अपनी हार्दिक शुभकामनाओं से आशीर्वाद दिया।

मध्यस्थता और मध्यस्थता के व्यावहारिक पहलुओं पर कार्यशाला 2015 में आयोजित किया गया था। मध्यस्थता और मध्यस्थता मुख्य रूप से सामूहिक सौदेबाजी समझौतों की शर्तों की व्याख्या या आवेदन पर नियोक्ताओं और कर्मचारियों के बीच विवादों से संबंधित है, और कभी-कभी नए अनुबंध शर्तों के साथ। वाणिज्यिक मध्यस्थता माल के उत्पादन, खरीद, बिक्री, पट्टे या वितरण, या व्यावसायिक सेवा करने के अनुबंधों के संबंध में निजी पार्टियों के बीच विवादों से निपटती है।

2016 में 3 सप्ताह की अवधि के लिए "सामुदायिक आउटरीच कार्यक्रम" आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य विभिन्न शिकायतें प्राप्त करना था और न केवल प्राप्त करना बल्कि मामलों को हल करना भी था। इस प्रकार, मामलों को तदनुसार विभाजित करते हुए, छात्रों के समूह बनाए गए। इस प्रकार प्राप्त शिकायतों को उन मामलों को हल करने और समाधान देने के लिए सक्षम अधिकारियों को भेजा गया, जिनके लिए छात्र की क्षमता से परे थे। एलएसी ने भरत विहार, द्वारका (सेक्टर 14 मेट्रो स्टेशन के पास) 'सी' ब्लॉक और श्बीश ब्लॉक में अपना शिविर आयोजित किया। विभिन्न सेमेस्टरों से कुल 150 छात्रों ने भाग लिया। छात्रों ने भरत विहार के निवासियों से इलाके में घर-घर जाकर संपर्क किया और लोगों को कार्यक्रम के बारे में बताया और लोगों को उनके लिए उपलब्ध योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए शिविर के पास इकठ्ठा होने के लिए कहा। छात्रों ने गरीब और हाशिए पर रहने वाले लोगों को होने वाली कानूनी और प्रशासनिक परेशानियों के बारे में पूछताछ की। छात्रों और संकाय का उद्देश्य लोगों के कानूनी और अन्य प्रश्नों का समाधान करना और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाले विभिन्न लाभों के बारे में शिक्षित करना है।

सामाजिक आउटरीच और सामाजिक-कानूनी मुद्दों के व्यावहारिक पहलुओं पर व्याख्यान और इंटरैक्टिव सत्र 2016 में आयोजित किया गया था। पैनल में आमंत्रि लोगों ने यूएसएलएलएस सोशल आउटरीच स्वयंसेवकों के साथ सामाजिक आउटरीच मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। सोशल आउटरीच कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को संकटग्रस्त समुदायों को पुनर्जीवित करने की चुनौती के लिए अपने मानव, बौद्धिक और संस्थागत संसाधनों को लागू करने में मदद करता है।

2016 में, कानूनी न्याय और चुनौतियों पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया था। संगोष्ठी में सामाजिक कल्याण गतिविधियों में वकीलों, कानून के छात्रों और कानून शोधकर्ताओं की भूमिका, कमजोर वर्गों तक न्याय की पहुंच, शिक्षा का अधिकार आदि जैसे विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। मध्यस्थता पर एक विशेष कार्यशाला 2016 में आयोजित की गई थी। पूरी कार्यशाला काफी जानकारीपूर्ण थी और सभी प्रतिभागियों, संकाय, कर्मचारियों और छात्रों के लिए समान रूप से समृद्ध है।

"अपराध के पीड़ितों के अधिकार" विषय पर संगोष्ठी केंद्र के सहयोग से डीएलएसए द्वारा 2016 में आयोजित किया गया था। सेमिनार में पीड़ितों द्वारा अधिकारों का सर्वोत्तम उपयोग कैसे किया जा सकता है, संतुष्टि के अभाव में क्या उपाय उपलब्ध हैं, इस पर सूक्ष्म विवरण और बारीकियों के बारे में सार्थक चर्चा हुई। इन अधिकारों और भविष्य के सामाजिक-कानूनी विकास के दौरान इन अधिकारों को कैसे बदला जा सकता है।

असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों पर शोध एवं सर्वेक्षण 2017 में आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले मजदूरों के जीवन और आर्थिक स्थितियों पर एक पूर्ण सर्वेक्षण और व्यापक शोध करना था। एकत्र किए गए डेटा से श्रमिकों की शिकायतों का जवाब देने के तरीके और तरीके तैयार करने में मदद मिलेगी।

सामुदायिक आउटरीच कार्रवाई कार्यक्रम 2017 में आयोजित किया गया था। हमारा उद्देश्य विभिन्न श्रेणियों से विभिन्न शिकायतें प्राप्त करना था। और, न केवल प्राप्त करने बल्कि मामलों को हल करने के लिए, हमने छात्रों के समूह बनाए और निपटाए जाने वाले मुद्दों को विभाजित किया। जो शिकायतें प्राप्त हुईं, उनका हमारी टीम द्वारा अध्ययन और विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम को भागों में आयोजित किया गया था ताकि एक समय में वितरित की जा सकने वाली अधिक से अधिक शिकायतों का निपटारा किया जा सके। सौ से अधिक स्वयंसेवकों ने कवर किए गए क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए सहयोग किया। एक-एक व्यक्ति

के पास जाकर उन्हें आम जनता की सामान्य समस्याओं के संबंध में चर्चा करने के लिए लगाए गए शिविर में लाने की रणनीति बनाई गई। अपनाया। इससे निवासियों ने खुलकर और सर्वसम्मति से अपनी सभी शिकायतों पर चर्चा की। लोगों को स्थानीय औषधालयों के पते दिए गए, उनकी शिकायतें संबंधित विभागों को भेजी गईं और उनके निवारण की निगरानी की गई।

यूएसएलएलएस, जीजीएसआईपीयू ने भारत सरकार के कानून और न्याय मंत्रालय के न्याय विभाग की कार्रवाई योजना के तहत किए गए अपने अनुभवजन्य शोध के परिणाम के रूप में कानूनी सहायता क्लीनिकों के प्रभावी कामकाज के लिए कानून और न्याय मंत्रालय (एसओपी) को मानक संचालन प्रक्रिया प्रस्तुत की है। उक्त रिपोर्ट को डीओजे की आधिकारिक वेबसाइट से इस लिंक पर जाकर देखा जा सकता है: https://cdnbbsr.s3waas.gov.in/s35d6646aad9bcc0be55b2c82f69750387/uploads/2021/11/2021112373.pdf

उपरोक्त अनुभवजन्य परियोजना के हिस्से के रूप में विभिन्न कानून स्कूलों/ विश्वविद्यालय विभागों/ निजी विश्वविद्यालयों में कानूनी सहायता कोशिकाओं के कामकाज का विश्लेषण और न्याय तक पहुंच पर कानूनी सहायता पर डिजिटलीकरण का प्रभाव (प्रायोजित: कानून और न्याय विभाग: 2017-19) कानूनी सहायता केंद्र ने 23 नवंबर, 2018 को 'कानूनी सहायता का अधिकार- समावेशिता पुनर्परिभाषित' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का भी आयोजन किया।

यूएसएलएलएस को यूआईएलएस लीगल एड फोरम 2019 में दूसरे रनर-अप के रूप में चुना गया है: यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज, जीजीएस आईपी यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली ने भाग लिया था और इसे पूरे देश में दूसरे सर्वश्रेष्ठ रनर-अप लीगल एड क्लिनिक के रूप में चुना गया था। पहला यूआईएलएस राष्ट्रीय कानूनी सहायता फोरम, 2019 5 अप्रैल 2019 को यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ में आयोजित किया गया। यूएसएलएलएस विजेता टीम का प्रतिनिधित्व उसके कानून के छात्रों, मोहित तंवर (चौथे वर्ष), देव सरीन (द्वितीय वर्ष) और हर्षवर्द्धन सिंह राठौड़ (द्वितीय वर्ष) ने किया। यूआईएलएस लीगल एड फोरम एक अनूठा मंच था जहां कानूनी सहायता क्लीनिकों के विभिन्न प्रतिनिधि और गैर सरकारी संगठनों ने अपने कानूनी सहायता कक्षों या क्लीनिकों के संचालन पर प्रस्तुति दी और चर्चा की। यह उल्लेख करना उचित है कि संबंधित कानूनी सहायता कोशिकाओं की गतिविधियों और कामकाज की प्रस्तुत रिपोर्टों के आधार पर आयोजकों द्वारा केवल 16 सर्वश्रेष्ठ कानूनी सहायता क्लीनिकों को शॉर्ट-लिस्ट किया गया था, ताकि उनके संबंधित कानूनी सहायता कोशिकाओं के कामकाज या संचालन को प्रस्तुत किया जा सके। न्यायाधीशों के पैनल ने योग्यता के आधार पर रैंक आवंटित की।

इसने छात्रों में संवैधानिक मूल्यों और लोकाचार को स्थापित करने के लिए बड़े पैमाने पर गतिविधियों के साथ कई सामुदायिक/सामाजिक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए हैं, 26 नवंबर 2019 को संविधान दिवस (संविधान दिवस) और 24-31 जनवरी, 2020 तक गणतंत्र सप्ताह मनाया है। इंद्रप्रस्थ क्वालिटी एश्योरेंस सेल, कानूनी सहायता सेल और महिलाओं के लिए टास्क फोर्स, जीजीएसआईपीयू ने 15 को "लैंगिक समानता और महिला अधिकार" पर एक पैनल चर्चा का आयोजन किया। जुलाई 2020.

पैन इंडिया जागरूकता और आउटरीच कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने "आजादी का अमृत महोत्सव" और कानूनी सेवा सप्ताह के एक भाग के रूप में 2 अक्टूबर 2021 से 14 नवंबर 2021 तक पैन इंडिया जागरूकता और आउटरीच अभियान के दौरान विभिन्न गतिविधियों/कार्यक्रमों के संचालन में भाग लिया और समर्थन किया। छात्रों ने उन क्षेत्रों को कवर किया जो 11 जिला न्यायालयों के दायरे में आते हैं। छात्रों के एक समूह ने तिहाड़ जेल का भी दौरा किया और वहां कैदियों की स्थिति को जाना। सभी छात्रों को संबंधित जिला न्यायालय के सचिव से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुए।

4 फरवरी 2022 को 'विश्व कैंसर दिवस' के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' मनाने के लिए हमारे छात्रों ने एनएएलएसए के तत्वावधान में दक्षिण-पश्चिम डीएलएसए द्वारा आयोजित वॉकथॉन में सक्रिय रूप से भाग लिया और योगदान दिया। वॉकथॉन का मुख्य उद्देश्य कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाना था। छात्रों ने विभिन्न इलाकों, समुदायों, जेजे क्लस्टर, आधार आदि का दौरा किया। गैर सरकारी संगठनों का समर्थन किया गया

1. नवलोक फाउंडेशन
2. आदर्श ग्रामीण युवा विकास संगठन
3. छोटी सी खुशी
4. उत्तम जय राम फाउंडेशन
5. संघर्ष सेवा संगठन

यूएसएलएलएस एलएसी के छात्रों ने 24 जुलाई 2022 को "अंडर-ट्रायल रिव्यू कमेटी" द्वारा कैदियों की रिहाई के लिए "रिलीज यूटीआरसी @75" अभियान के दौरान यूटीआरसी के काम में डीएलएसए की सहायता की। छात्रों ने कैदियों की रिहाई के लिए दिल्ली की सभी जेलों और दक्षिण पूर्व जिले की अदालतों से डेटा मांगा।

निकट भविष्य में, केंद्र आईपी विश्वविद्यालय में मानक संचालन प्रक्रिया को लागू करने, जीजीएसआईपीयू कानूनी सहायता सेल को अन्य विश्वविद्यालयों के लिए मॉडल के रूप में बदलने, प्रभावी कानूनी सहायता सेल प्रदान करने के लिए वकील और न्यायाधीशों को प्रशिक्षण देने, वरिष्ठों के लिए प्रशिक्षण और पुनश्चर्या कार्यक्रम आयोजित करने की दृष्टि से काम करेगा। सरकारी अधिकारी, कानूनी सहायता प्राप्त करने के लिए कंपनियों के सीएसआर फंड का उपयोग, कानूनी सामाजिक जिम्मेदारी और फीडबैक के लिए ऑनलाइन पोर्टल, कानूनी सहायता मोबाइल ऐप।

- अधिक जानकारी के लिए लिंक: http://www-ipu-ac-in/uslls/legalaid cell-pdf
- फोटो के लिए लिंक:
  https://drive.google.com/drive/folders/1O90bmhrD9eDplQs_28IJao4938RP Zo-J

द्वारा तैयार: प्रो. (डॉ.) लिसा पी लुकोस, निदेशक, कानूनी सहायता/प्रो., यूएसएलएलएस

5.4 मानव मूल्यों एवं नैतिकता केंद्र

केंद्र की स्थापना 2011 में छात्रों और संकाय दोनों को स्वतंत्र विचारों के साथ सक्रिय रूप से जुड़ने और विचार-विमर्श, चर्चा और स्वतंत्र सोच की संस्कृति विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए की गई थी।

उद्देश्य

- शैक्षणिक समुदाय को निष्पक्ष तरीके से सोचने और साथी प्राणियों और प्रकृति के प्रति दया दिखाने के द्वारा जिम्मेदार और भरोसेमंद नागरिकों में ढालना
- छात्रों को संस्कारों, अनुष्ठानों और मान्यताओं में अंतर से ऊपर उठकर मानवता के मूल मूल्यों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने में सकारात्मक भूमिका निभाएं

दृष्टि

छात्रों और शिक्षकों के बीच एक सकारात्मक माहौल बनाएं जिसमें वे रचनात्मक, नवीन और उत्पादक विचार-विमर्श और चर्चाओं में शामिल होकर खुद को विकसित कर सकें।

उद्देश्य

सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स का उद्देश्य युवा पेशेवरों में मूल्यों और नैतिकता की उचित भावना पैदा करना है। शिक्षा केवल जानकारी प्रदान करने या छात्रों को दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल प्रदान करने तक ही सीमित नहीं है बल्कि इसमें चरित्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण पहलू भी शामिल है। नैतिक विकल्प हमेशा काले और सफेद नहीं होते, लेकिन फिर भी उन्हें बनाना पड़ता है।

विश्वविद्यालय ऐसे स्थान हैं जहां मुक्त संवाद और विचारों का आदान-प्रदान होता है। विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों को उच्च शिक्षा के विचारों से जोड़ने के लिए, यह उचित है कि उन्हें आलोचनात्मक और स्वतंत्र सोच के लिए अभिविन्यास और प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। समाज और मानवता के प्रति गहरी प्रतिबद्धताओं के साथ-साथ पेशेवर नैतिकता की भावना पैदा करना भी साथ-साथ समाहित करना होगा। अपनी लोकतांत्रिक परंपराओं को लगातार मजबूत करने की कोशिश कर रहे राष्ट्र के लिए उद्देश्य और आत्म-अनुशासन की मजबूत भावना वाला सामाजिक रूप से संवेदनशील व्यक्ति एक आवश्यक पूर्व-आवश्यकता है। अखंडता, ट्रस्टीशिप, सद्भाव, जवाबदेही, समावेशिता, प्रतिबद्धता, जिम्मेदारी, संसाधनशीलता, अपनेपन और स्थिरता जैसे नैतिकता और मूल्य आवश्यक सूचकांक हैं।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, केंद्र कार्यशालाएं, संगोष्ठी, विस्तार व्याख्यान, वाद-विवाद, सेमिनार और चर्चा के साथ फिल्म स्क्रीनिंग जैसी विभिन्न गतिविधियां चलाता है। पिछले दिनों, केंद्र ने भंवरी देवी और कविता श्रीवास्तव के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र, उच्च शिक्षा के समक्ष चुनौतियों पर एक इन-हाउस कार्यशाला और दक्षिण एशिया में पहचान के दावे पर एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया था।

2021-2022 के दौरान गतिविधियाँ

सहायक निदेशक, कौशल विकास सेल, (एआईसीटीई), अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद एआईसीटीई द्वारा शिक्षा में मानवीय मूल्यों को शामिल करने के लिए 5-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) 6-10 सितंबर, 13-17 सितंबर, 20-24 सितम्बर, 27 अक्टूबर-01 नवम्बर, 2021 के दौरान आयोजित किया गया था।

यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, पीएचडी छात्रों के पाठ्यक्रम कार्य में "अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता (आरपीई)" नामक 2-क्रेडिट पाठ्यक्रम शुरू किया गया है। यह पाठ्यक्रम यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के सभी प्रवेशित पीएचडी छात्रों को सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स की छत्रछाया में पढ़ाया जा रहा है।

केंद्र ने सभी स्नातकोत्तर विश्वविद्यालय कार्यक्रमों के लिए "मानव मूल्य और नैतिकता" पर एक और 2-क्रेडिट पाठ्यक्रम भी शुरू किया है। यह एक नया पाठ्यक्रम होने जा रहा है और शैक्षणिक सत्र 2021 से पाठ्यक्रम का हिस्सा होगा।

'आर्ट ऑफ लिविंग' (एओएल) कार्यक्रम: सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स (सीएचवीई) ने 7-10 दिसंबर 2021 तक विश्वविद्यालय परिसर में 'आर्ट ऑफ लिविंग' (एओएल) फाउंडेशन द्वारा संचालित 4 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का संचालन आर्ट ऑफ लिविंग (एओएल) के वरिष्ठ संकाय द्वारा 3 घंटे के 3 सत्रों में किया गया। प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, माननीय कुलपति, जीजीएसआईपीयू ने 7 दिसंबर 2021 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। माननीय कुलपति ने एक अत्यधिक प्रेरक भाषण

दिया और जीजीएसआईपीयू के प्रतिभागियों से दिन-प्रतिदिन का जीवन-तनाव से निपटने के लिए आध्यात्मिक और ध्यान तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया। कार्यशाला का उद्देश्य संकाय, कर्मचारियों और अनुसंधान विद्वानों को एक नए दृष्टिकोण और समग्र जीवन शैली से परिचित कराना था जो उन्हें दिन-प्रतिदिन के जीवन के तनाव पर काबू पाने और निपटने में मदद कर सके। सभी के लिए भागीदारी शुल्क विश्वविद्यालय द्वारा प्रायोजित किया गया था।

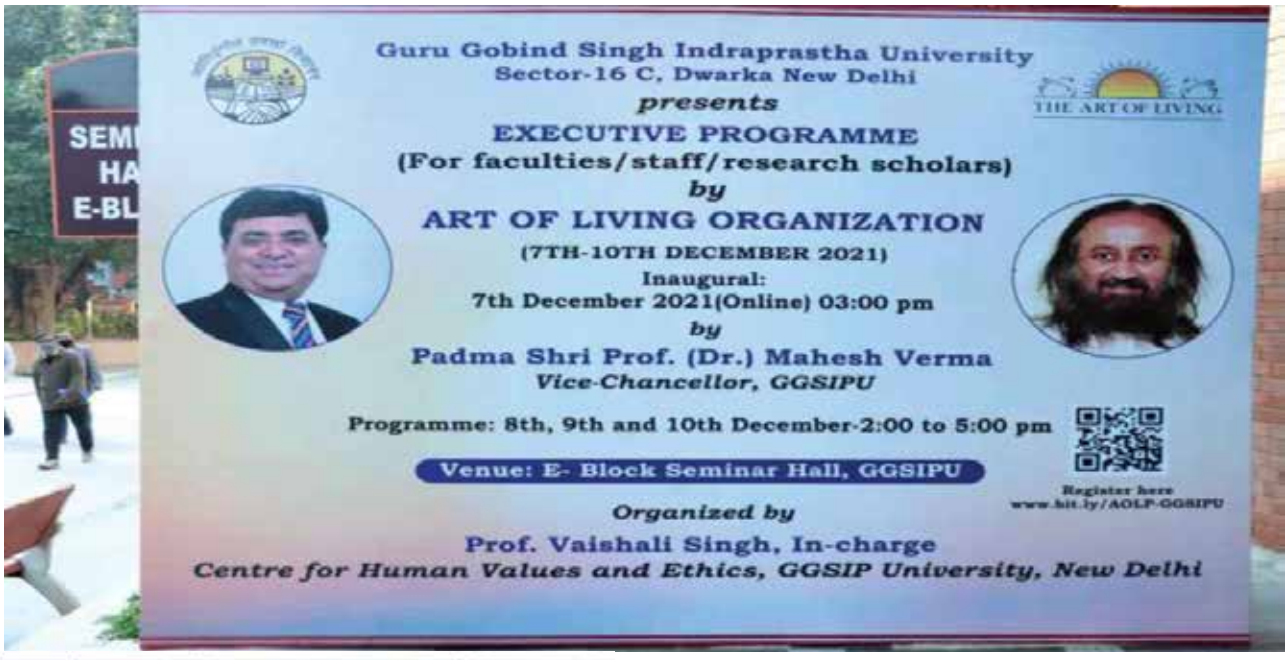

पतंजलि योगसूत्र (पीवाईएस) पर एक महीने का ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स जीजीएसआईपीयू विश्वविद्यालय के मानव मूल्यों और नैतिकता केंद्र द्वारा 3 फरवरी–17 मार्च 2022 के दौरान जीजीएसआईपीयू के संकाय और अनुसंधान विद्वानों के लिए आयोजित किया गया था। सत्रों का संचालन सुश्री श्वेता आर्या द्वारा ऑनलाइन किया गया

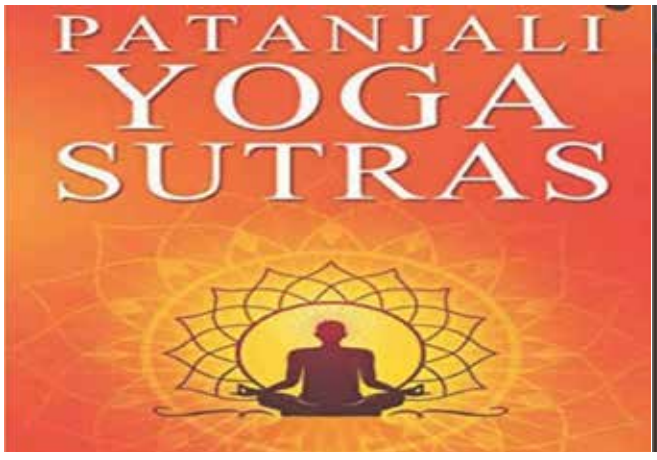

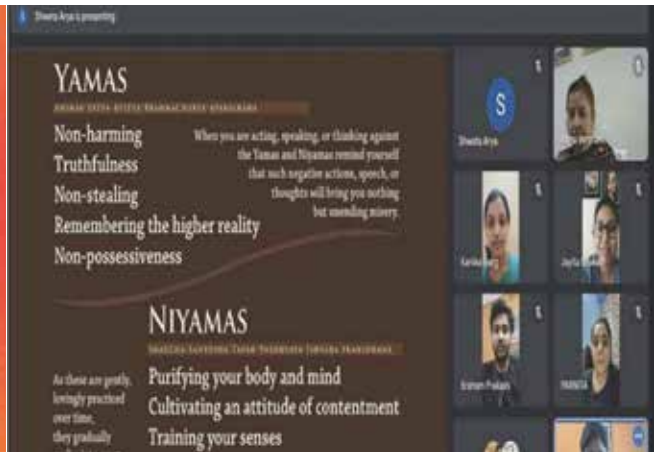

8 मार्च 2022 को सेंटर फॉर ह्यूमन वैल्यूज एंड एथिक्स (सीएचवीई), जीजीएसआईपीयू विश्वविद्यालय द्वारा "कैसे शांत रहें और इसके लाभ" विषय पर ऑनलाइन बातचीत आयोजित की गई थी। दिव्यानंदपर्णा माताजी – श्री सारदा मठ, दक्षिणेश्वर की एक मठवासी सदस्य/नन, वर्तमान में रामकृष्ण सारदा मिशन, नई दिल्ली में तैनात हैं। माताजी श्री सारदा मठ की अंग्रेजी पत्रिका संविट की संपादक हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक शिक्षण के अलावा, संगठन भारत में शैक्षिक और परोपकारी कार्य भी करता है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला विकास के क्षेत्र में भी श्री सारदा मठ की भिक्षुणियाँ सेवाएँ प्रदान कर रही हैं। श्री सारदा मठ में वेदांत और हिंदू धर्म पर कुछ वक्ता भी हैं जो व्याख्यान, वार्ता और प्रवचन देने के लिए दुनिया के विभिन्न हिस्सों की यात्रा करते रहे हैं।

6. अंतर्राष्ट्रीय मामले

1. अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा प्रवेशित छात्रों की सूची (शैक्षणिक सत्र 2021-22)

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	उद्गम देश	छात्रों की संख्या		
			पुरुष	महिला	कुल
1.	एम.बीए (नियमित)	नेपाल	00	01	01
2.	एम.बीए (सप्ताहांत)	गाम्बिया	01	00	01
3.	बी.टेक (सी.एस.ई)	नेपाल	04	02	06
4.	बी.टेक (सी.एस.ई)	यूएसए	01	00	01
5.	बी.बी.ए (एल.एल.बी)	नेपाल	00	01	01
6.	बी.एस.सी (योग)	रूस	00	01	01
7.	बी.एस.सी (योग)	यमन	01	00	01
8.	बी.एस.सी (योग)	मिस्र	00	01	01
9.	बी.ए.एम.एस	बांग्लादेश	00	01	01
10.	बी.ए.एम.एस	नेपाल	01	00	01
11।	बी.ए.एम.एस	श्रीलंका	00	01	01
			कुल		16

2. अवधि के दौरान अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ

सम्मेलन का आयोजन

"अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने की रणनीतियाँ" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 10-11 अगस्त 2021 को आयोजित हुआ

10 अगस्त 2021 को अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, आंतरिक शिकायत समिति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सहयोग से, "अंतर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षा में सतत विकास: लैंगिक समानता और सशक्तिकरण प्राप्त करने के लिए रणनीतियाँ" विषय पर एक ऑनलाइन सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन की उत्पत्ति यूनेस्को के 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) में निहित है, जिसमें लैंगिक समानता (एसडीजी 5) और गुणवत्ता शिक्षा (एसडीजी 4) पर महत्वपूर्ण ध्यान दिया गया है। सम्मेलन का उद्देश्य सभी महिलाओं और पुरुषों के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण तकनीकी, व्यावसायिक और तृतीयक शिक्षा तक समान पहुंच की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करना था। इस सम्मेलन में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

वेबिनार का आयोजन किया गया

(i) 6 सितंबर 2021 को अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन के लिए विश्वविद्यालय, कार्यक्रमों और इसकी प्रवेश प्रक्रिया के बारे में प्रश्नों के उत्तर देने के लिए एक वेबिनार सत्र का आयोजन किया गया।

निदेशालय ने विदेशी श्रेणी के तहत जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में इच्छुक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए एक ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया। इस वेबिनार को आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य विश्वविद्यालय कार्यक्रमों और इसकी प्रवेश प्रक्रिया के बारे में अंतर्राष्ट्रीय उम्मीदवारों के प्रश्नों का उत्तर देना था। इस कार्यक्रम में नेपाल से लगभग 20 विदेशी छात्र शामिल हुए।

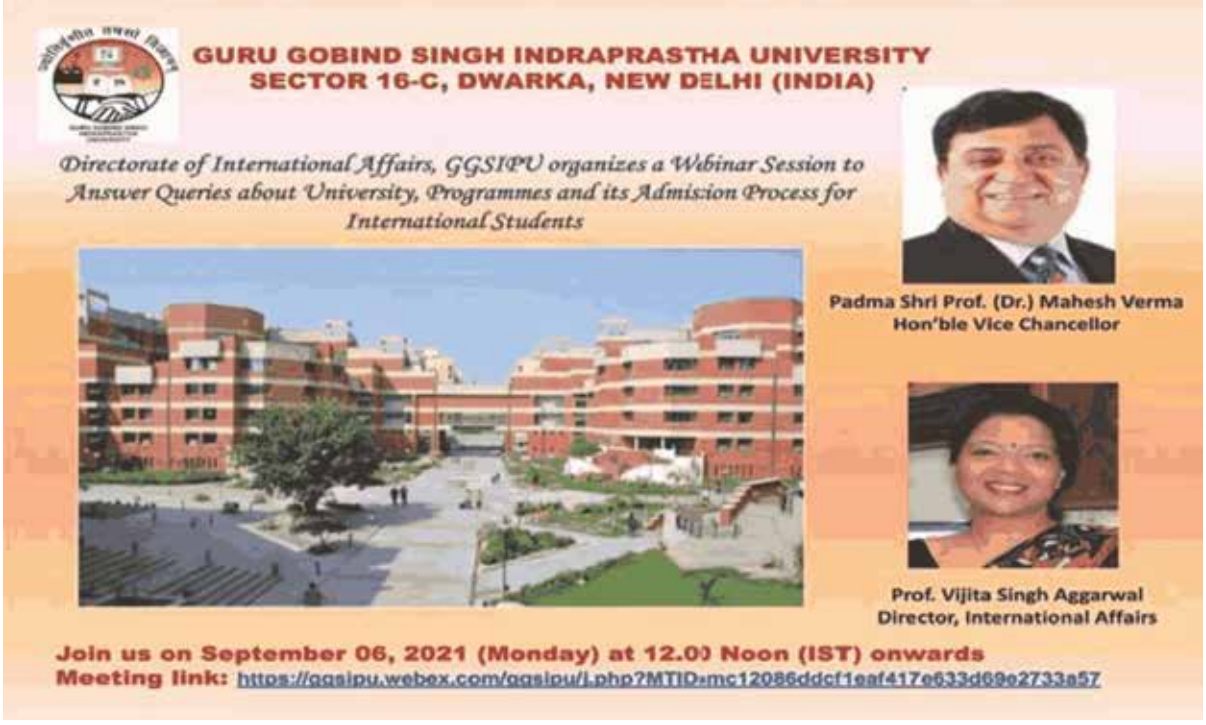

(ii) "एकात्म मानववाद और वैश्विक विश्व के लिए इसकी प्रासंगिकता" पर वेबिनार अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 14 दिसंबर 2021 को एकात्म मानववाद और वैश्विक दुनिया के लिए इसकी प्रासंगिकता पर एक वेबिनार का आयोजन किया। सेमिनार का उद्देश्य व्यक्ति, समाज, संस्कृति, आध्यात्मिकता के बारे में हमारे सोचने के तरीके में नई सोच पैदा करना था। नैतिकता, पसंद, राज्य और पारिस्थितिकी तंत्र जिसमें हम काम करते हैं, जिसमें हमारे संस्थानों की डिजाइन और भावना और विभिन्न संस्कृतियों और समाजों के बीच समझौते का आधार शामिल है। इस वेबिनार में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(iii) "शहरी-ग्रामीण संपर्क और लचीलापन निर्माण" पर वेबिनार

कीओ यूनिवर्सिटी, जापान के सहयोग से "शहरी-ग्रामीण संपर्क और लचीलापन निर्माण" शीर्षक से एक वेबिनार 28 दिसंबर 2021 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से आयोजित किया गया था। कीयो विश्वविद्यालय के श्री विभास सुखवानी वेबिनार के वक्ता थे, जो प्रतिष्ठित जापानी सरकार मोनबुकागाकुशो (एमईएक्सटी) छात्रवृत्ति के प्राप्तकर्ता हैं। श्री सुखवानी आपदा जोखिम न्यूनीकरण और सतत विकास से संबंधित कई अनुसंधान परियोजनाओं में लगे हुए हैं। ब्रिगेडियर. भगत के. खन्ना सत्र के मॉडरेटर थे और प्रो. अमरजीत कौर, निदेशक, सीडीएमएस, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय वेबिनार के संयोजक थे। वेबिनार में लगभग 160 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(iv) "द रिसर्च जर्नी" पर वेबिनार

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 29 दिसंबर, 2021 को इंस्टीट्यूट सुप्रीयर डी 'इलेक्ट्रॉनिक डी पेरिस (आईएसईपी), पेरिस के सहयोग से "द रिसर्च जर्नी" नामक एक वेबिनार का आयोजन किया। आईएसईपी के श्री प्रवीण सोनी वेबिनार के वक्ता थे जिन्होंने आईएसईपी, पेरिस के छात्र के रूप में अपना अनुभव साझा किया। श्री प्रवीण सोनी एक डॉक्टरेट छात्र@यूओटी हैं और डॉट्स और प्रमित फाउंडेशन के संस्थापक-निदेशक भी हैं। वेबिनार को प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। वेबिनार में लगभग 300 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

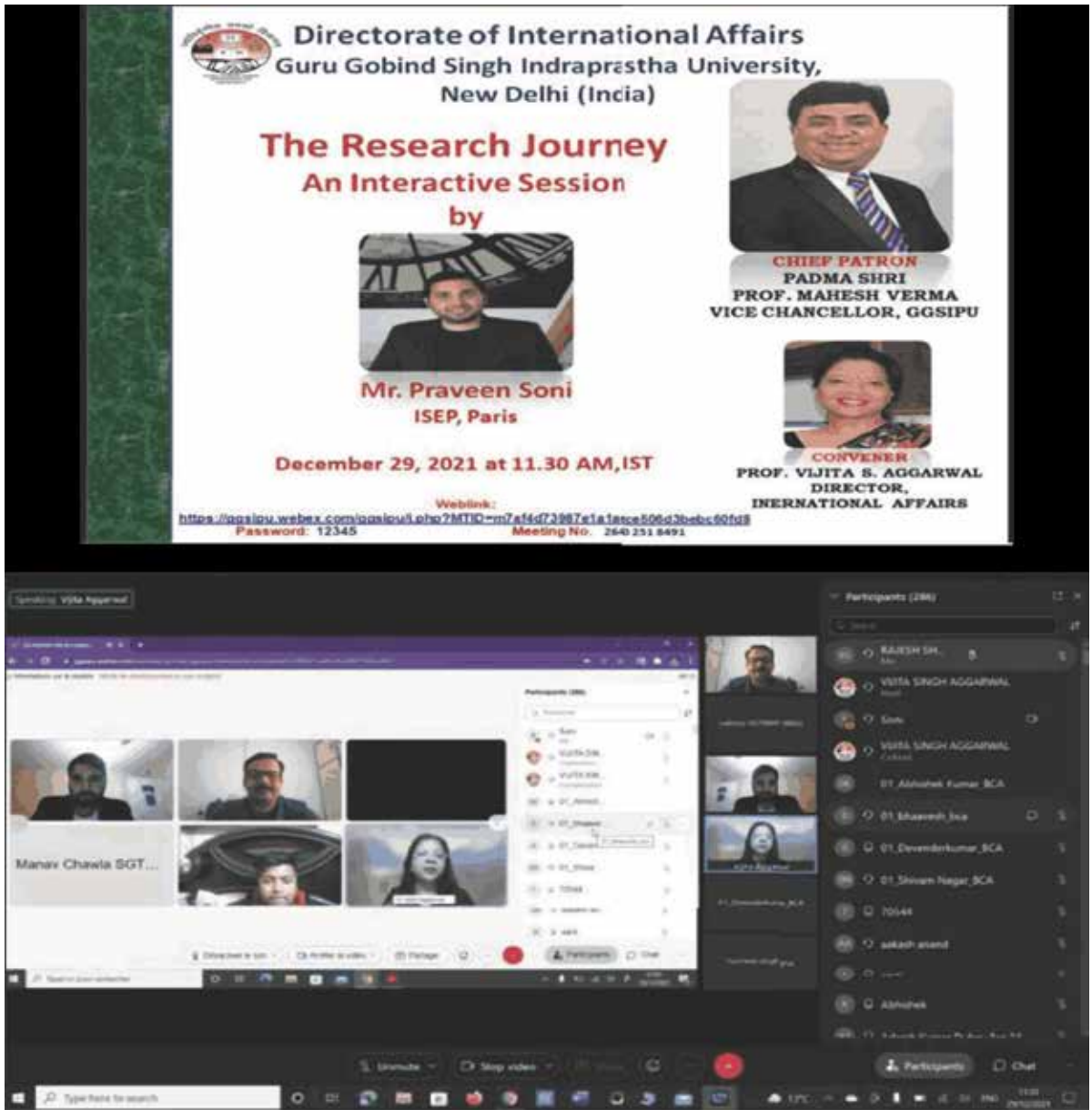

(v) 30 दिसंबर 2021 को "इरास्मस मुंडस कार्यक्रम के तहत उच्च शिक्षा पहल" पर वेबिनार आयोजित किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 30 दिसंबर 2021 को "इरास्मस मुंडस कार्यक्रम के तहत उच्च शिक्षा पहल" पर एलयूएमएसए विश्वविद्यालय, रोम के सहयोग से एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। सत्र को एलयूएमएसए विश्वविद्यालय के संकाय डेनिएला बंदेली ने संबोधित किया। सत्र के दौरान, एल यूएमएसए विश्वविद्यालय के छात्रों श्री सनी जौहरी और श्री सतीश वाजंत्री ने अपने अनुभव साझा किए। सत्र में लगभग 280 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

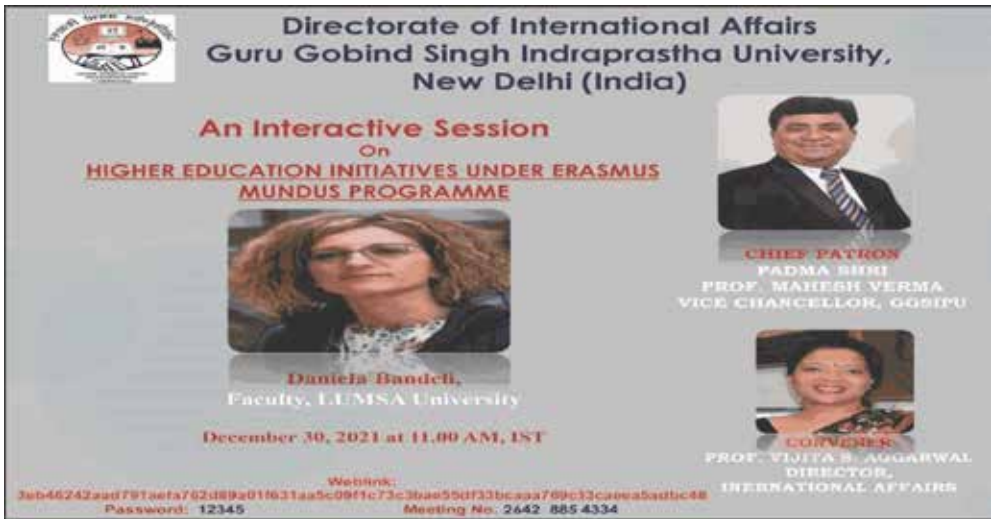

(vi) 30 दिसंबर 2021 को "यूरोपीय देशों में उच्च शिक्षा के अवसर" पर वेबिनार

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा तुजला विश्वविद्यालय, बोस्निया और हर्जेगोविना के सहयोग से "यूरोपीय देशों में उच्च शिक्षा के अवसर" शीर्षक से एक वेबिनार आयोजित किया गया था। वेबिनार को तुजला विश्वविद्यालय, बोस्निया और हर्जेगोविना के संकाय डॉ. एस.सी अमरा सेलिमोविक ने संबोधित किया। वेबिनार में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

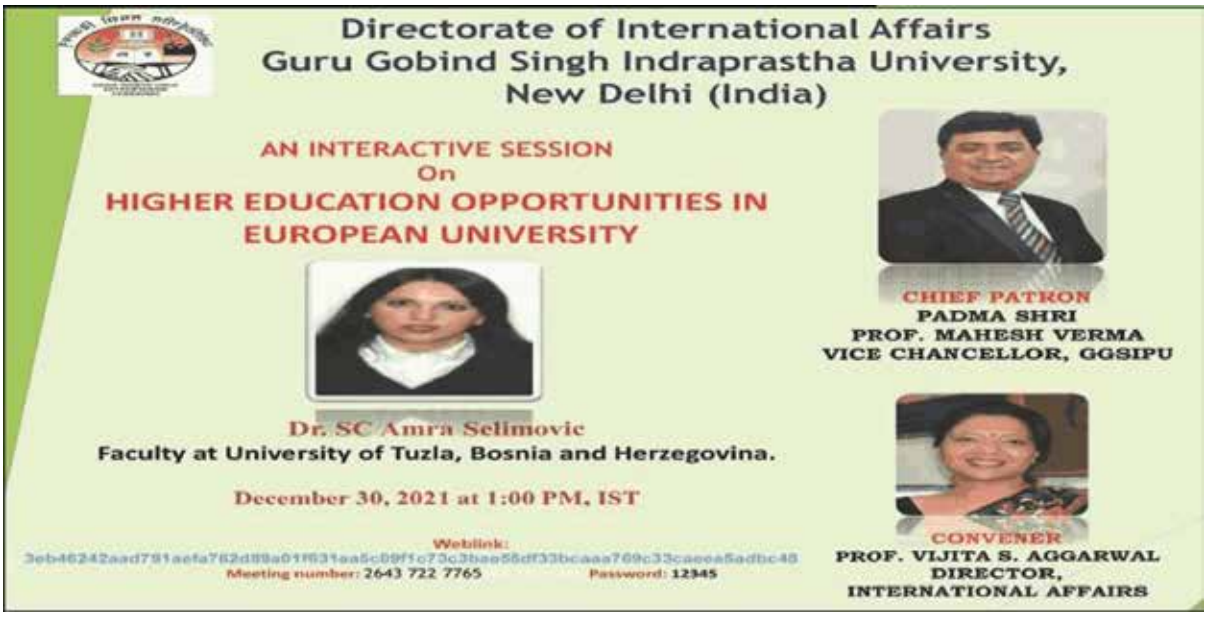

(vii) 30 दिसंबर 2021 को "प्रबंधन में नवीनतम रुझान" पर इंटरएक्टिव सत्र आयोजित किया गया

30 दिसंबर 2021 को "प्रबंधन में नवीनतम रुझान" पर केन्याटा विश्वविद्यालय, नैरोबी के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। सत्र को प्रो. एमपी जैन, स्कूल ऑफ बिजनेस स्टडीज और डॉ. ज्ञांती ठाकुर, स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, केन्याटा यूनिवर्सिटी ने संबोधित किया। उन्होंने एक ऐसा वातावरण बनाने की कला पर अपने विचार प्रस्तुत किए जिसमें लोग प्रदर्शन कर सकें और व्यक्ति समूह लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सहयोग कर सकें। उन्होंने संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन और हालिया तकनीकी चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित किया। वेबिनार में लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

(viii) 30 दिसंबर 2021 को "अंडर-ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद यूरोप में कॉलिंग के अवसर" पर एक ऑनलाइन सत्र

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय द्वारा "अंडर-ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के बाद यूरोप में कॉलिंग के अवसर" विषय पर एक सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के वक्ता श्री पवन के. श्रीराम थे, जो संस्थापक कोहोर्ट, पूर्व अध्यक्ष, इरास्मस मुंडस एसोसिएशन, पूर्व सह-अध्यक्ष और बोर्ड सदस्य ईएसएए हैं। श्री पवन ने स्नातक और स्नातकोत्तर के बाद यूरोप में कैरियर के अवसरों के बारे में बात की। सत्र में 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

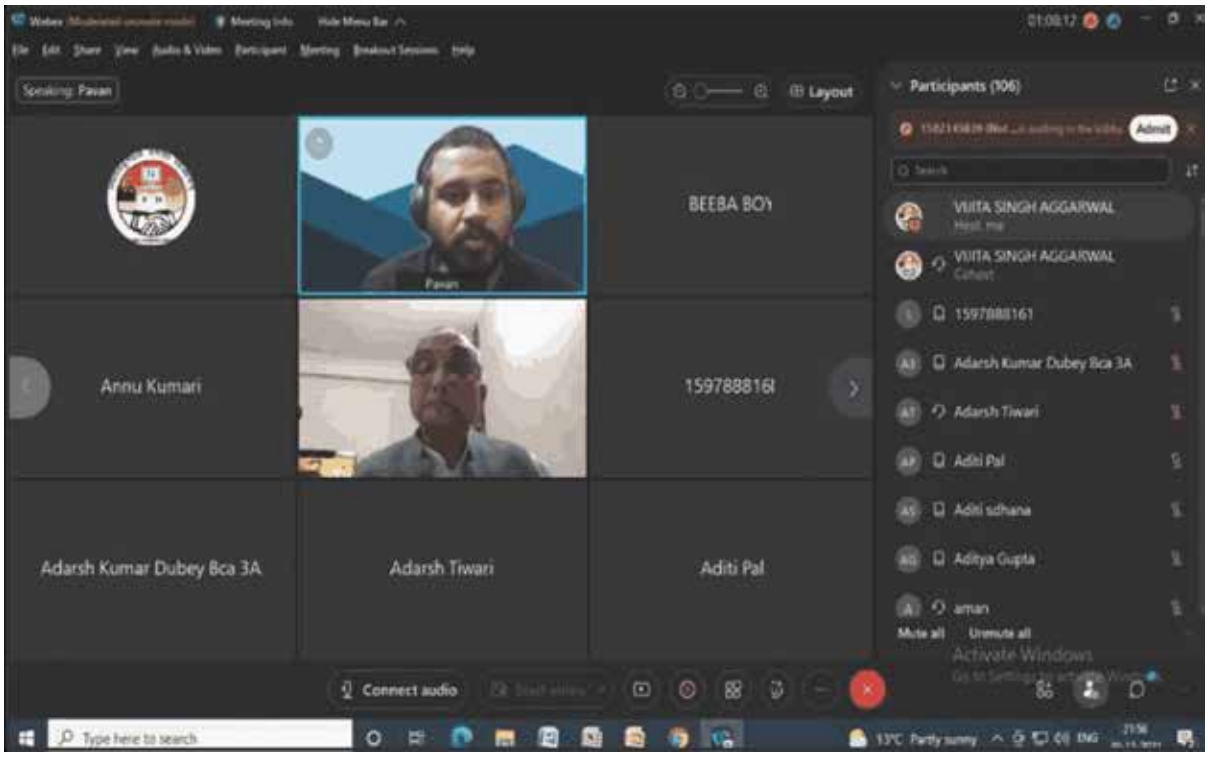

(ix) 31 दिसंबर 2021 को "उच्च शिक्षा में अवसर" पर एक ऑनलाइन इंटरैक्टिव सत्र

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 31 दिसंबर 2021 को प्रो. सुनील कुमार गर्ग, प्रो., भारतीय विदेश व्यापार संस्थान और वैश्विक शिक्षा और प्रवेश सलाहकार द्वारा "उच्च शिक्षा में अवसर" पर एक इंटरैक्टिव सत्र का आयोजन किया। प्रो. गर्ग ने वैश्विक सशक्तिकरण के लिए उच्च अध्ययन के क्षेत्र, सर्वश्रेष्ठ वैश्विक संभावनाओं के लिए संगत पाठ्यक्रम का चयन, कैंपस नौकरियों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में सही विश्वविद्यालय का चयन, संयुक्त राज्य अमेरिका में ओपीटी नौकरियों और कैरियर योजना के लिए मार्गदर्शन, डब्ल्यूपी और पीआर के लिए कनाडा में सही संस्थान का चयन, वैश्विक करियर संभावनाओं के साथ सस्ती और प्राप्य उच्च शिक्षा की सलाह के क्षेत्र को कवर किया। वेबिनार में लगभग 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

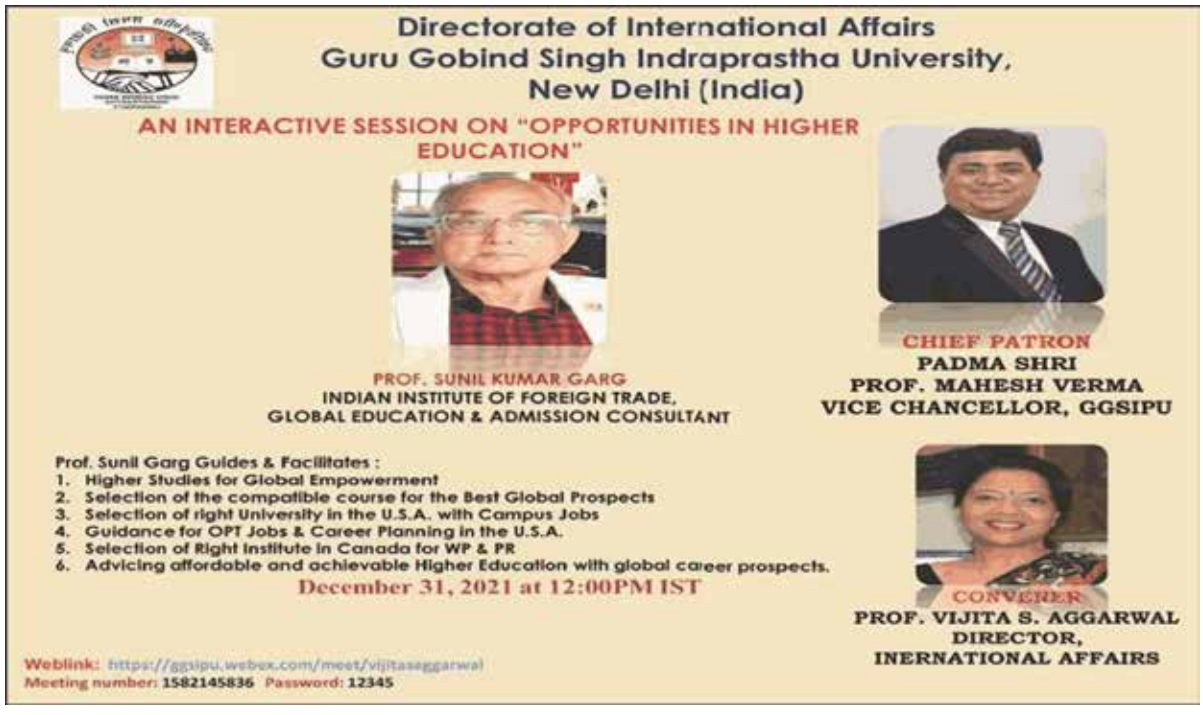

(x) "सही पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय का चयन" पर एक वेब सत्र

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने किंग्स कॉलेज, लंदन, यूके के सहयोग से 22 नवंबर 2021 को "सही पाठ्यक्रम और विश्वविद्यालय का चयन" पर एक वेब सत्र आयोजित किया। वेब सत्र को किंग्स कॉलेज की अंतर्राष्ट्रीय छात्र भर्ती अधिकारी सुश्री पलक बहल ने संबोधित किया। लंडन। यह सत्र विशेष रूप से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों आदि के लिए विदेशी संस्थानों/ विश्वविद्यालयों में प्रवेश चाहने वाले स्नातक छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। सत्र में 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त की।

ऑनलाइन सत्र का आयोजन

(i) निदेशालय द्वारा 29 मई 2021 को "तनाव प्रबंधन के लिए रणनीतियाँ - कोविड-19 का मुकाबला" पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र की वक्ता डॉ. शिल्पा जैन, सहायक प्रो., यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपीयू थीं। सत्र में 100 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया और प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

(ii) निदेशालय द्वारा 5 जून 2021 को "नए क्षितिज की खोज: कोविड और उससे आगे" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र की वक्ता शिक्षाविद, शोधकर्ता और डिजिटल सामग्री निर्माता डॉ. शिखा जैन थीं। सत्र में 150 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया और प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

(iii) निदेशालय द्वारा 19 जून 2021 को "कोविड समय में उद्यमशील मानसिकता का विकास" विषय पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के वक्ता प्रो. (डॉ.) सरोज व्यास, प्रिंसिपल और निदेशक, फेयरफील्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, जीजीएसआईपीयू थे। प्रो. (डॉ.) सरोज व्यास, एक अनुभवी प्रशासक हैं। उन्होंने हिंदी भाषा पर विभिन्न पाठ्य पुस्तकें लिखी हैं। साहित्य और कविता में उनकी रुचि के कारण उनकी पुस्तकें 'पलाश के फूल' और 'आशास अनुठे रिश्तो का' प्रकाशित हुईं। उनके व्याख्यान सीईसी, यूजीसी पर उपलब्ध हैं। इस सत्र को भी बड़ी संख्या में प्रतिभागियों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली थी।

(iv) निदेशालय द्वारा 25 जून 2021 को "मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कल्याण कार्यक्रम/तनाव प्रबंधन पर परामर्श सत्र" पर एक ऑनलाइन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र की वक्ता डॉ. रचना खन्ना सिंह थीं। डॉ. सिंह एक प्रशंसित मानसिक कल्याण, जीवन शैली और संबंध विशेषज्ञ हैं जो 20 वर्षों से अधिक समय से अभ्यास कर रहे हैं। वह आर्टेमिस अस्पताल, गुड़गांव में समग्र चिकित्सा की एचओडी और द माइंड एंड वेलनेस स्टूडियो की संस्थापक निदेशक भी हैं। डॉ. रचना नियमित रूप से मीडिया में छाई रहती हैं। वह टीओआई के लिए एक स्तंभकार हैं और 104.8 एफएम पर उनका एक रेडियो शो है। सत्र में लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

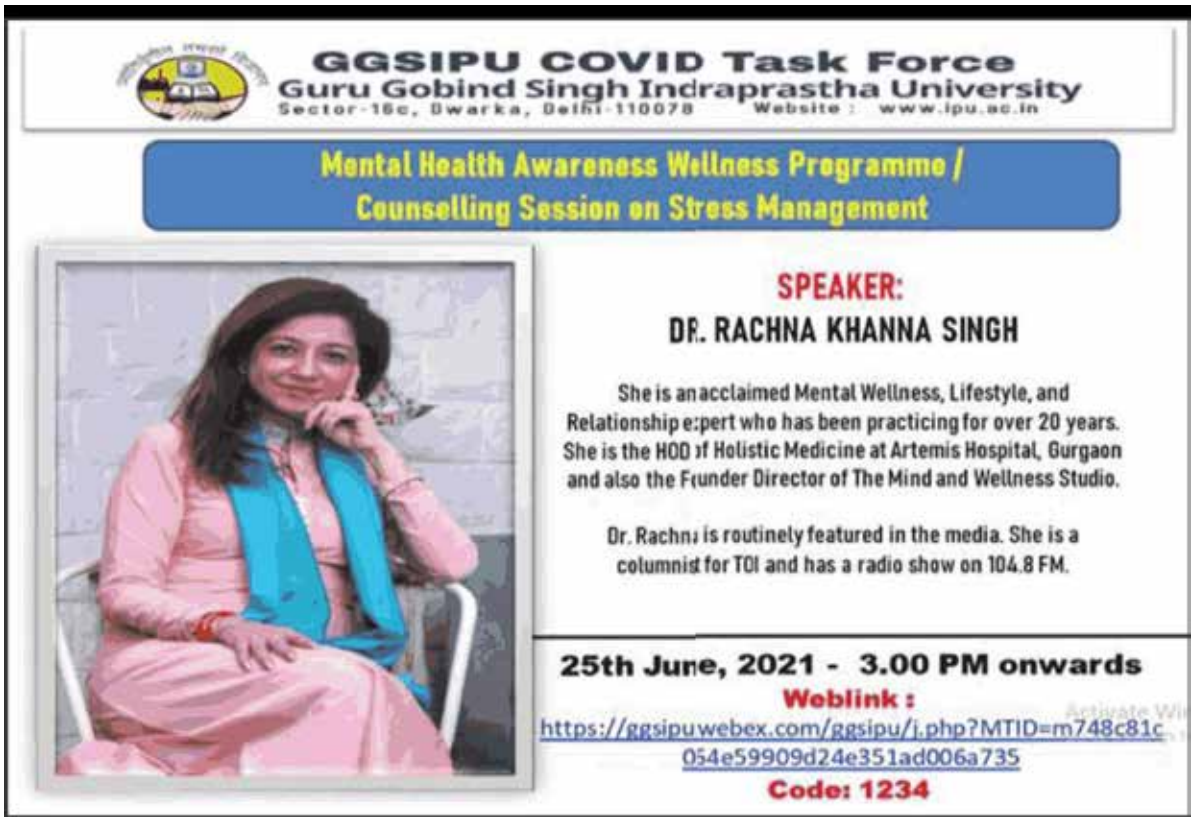

डीआईए की अन्य गतिविधियाँ

(i) अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय ने 25 फरवरी 2022 को स्वधर्म, स्वभाषा, स्वदेशी और स्वराज के माध्यम से भारतीय पहचान पर एक सर्टिफिकेट कोर्स शुरू किया है। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय कुलपति, पद्म श्री, प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा, राजदूत डॉ. दीपक वोहरा और डॉ. रमिंदर रेंजर, सदस्य हाउस ऑफ लॉर्ड्स, यूके द्वारा किया गया था।

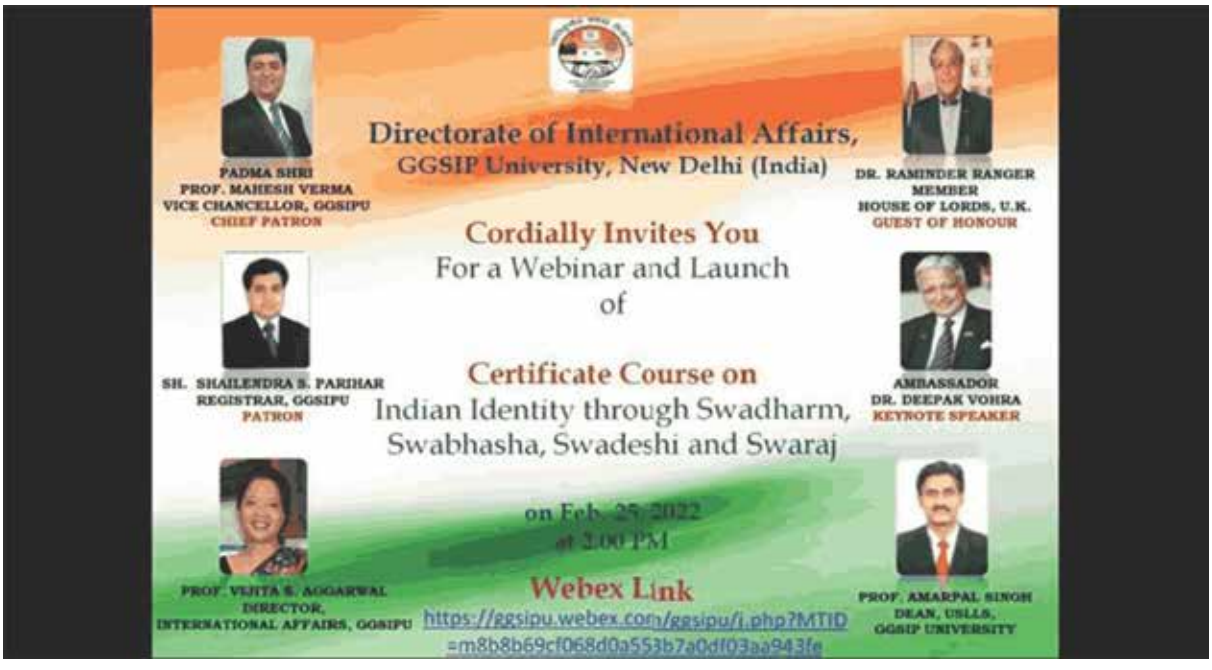

(ii) अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत) ने जस्टिस अपहेल्ड, यूनाइटेड किंगडम के सहयोग से जनवरी 2022 के महीने में एक अंतर्राष्ट्रीय निबंध लेखन प्रतियोगिता 2022 का आयोजन किया। भारत और विदेश के प्रतिभागियों से निम्नलिखित 04 ट्रैक में 60 से अधिक प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं।

1. महिलाओं और लड़कियों के मानवाधिकार और सशक्तिकरण
2. मानव अधिकार प्रवर्तन तंत्र और चुनौतियों तक पहुंच
3. शिक्षा और जागरूकता सृजन के माध्यम से मानवाधिकारों को बढ़ावा देना
4. बाल अधिकार संरक्षण: मुद्दे और चुनौतियाँ

(iii) 25 मार्च 2022 को विश्वविद्यालय में जापान के कीओ विश्वविद्यालय के प्रो. राजीब शॉ के साथ जीजीएसआईपीयू के संकाय सदस्यों के लिए एक इंटरेक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपति, पद्मश्री, प्रो. (डॉ.) महेश वर्मा ने की

दूतावासों/उच्चायोगों/वाणिज्य दूतावासों के साथ बैठक आयोजित की गई

(i) भारत में मॉरीशस के उच्चायोग के साथ बैठक।

शैक्षणिक सहयोग के एक भाग के रूप में, अंतर्राष्ट्रीय मामलों का निदेशालय संकाय और छात्र विनिमय कार्यक्रमों के लिए मॉरीशस में कुछ विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने की योजना बना रहा है। इस संबंध में, शैक्षणिक सहयोग के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए 25 मार्च 2021 को भारत में मॉरीशस गणराज्य की उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती शांति बाई हनुमानजी के साथ उनके कार्यालय में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मॉरीशस उच्चायोग के द्वितीय सचिव श्री यूके सुकमानी भी उपस्थित थे। बैठक बहुत उपयोगी रही और बहुत जल्द मॉरीशस के विश्वविद्यालयों और जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के बीच पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग पर चर्चा होगी।

(ii) नेपाल दूतावास, नई दिल्ली में नेपाल के महामहिम राजदूत के साथ बैठक

अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू के प्रतिनिधिमंडल ने 4 अक्टूबर 2021 को नेपाल में विदेशी विश्वविद्यालय के साथ अकादमिक सहयोग और विश्वविद्यालय की प्रवेश प्रक्रिया के संबंध में नई दिल्ली में नेपाल दूतावास का दौरा किया। महामहिम, नेपाल के राजदूत, श्री नीलाम्बर आचार्य एवं सांस्कृतिक परामर्शदाता श्री यदु नाथ पौडेल बैठक के दौरान उपस्थित थे। बैठक बहुत सार्थक रही और उम्मीद है कि नेपाल के विश्वविद्यालयों के साथ कुछ समझौता ज्ञापनों को अंतिम रूप दिया जाएगा।

(iii) गाम्बिया गणराज्य, नई दिल्ली के उच्चायुक्त के साथ बैठक

निदेशक ने सहायक रजिस्ट्रार, अंतर्राष्ट्रीय मामलों के निदेशालय, जीजीएसआईपीयू के साथ गाम्बिया गणराज्य, नई दिल्ली के उच्चायोग का दौरा किया और महामहिम, उच्चायुक्त, श्री मुस्तफा जवारा और मिशन के उप प्रमुख, श्री लामिन ई. सिंगातेह से मुलाकात की। बैठक में गाम्बिया के अधिकारियों के लिए स्टॉक एक्सचेंज प्रबंधन में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। अधिकारियों के लिए बजटिंग में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम की भी योजना बनाई गई है। इसके अलावा, उच्चायुक्त ने शैक्षणिक सहयोग के लिए जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के साथ गाम्बिया में विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने में बहुत रुचि दिखाई।

(iv) शैक्षणिक सहयोग के संबंध में मॉरीशस के मुक्त विश्वविद्यालय के साथ बैठक

22 दिसंबर 2021 को जूम प्लेटॉर्म के माध्यम से मॉरीशस के मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के निदेशक डॉ. उषाद अगाथी सुबदर और अकादमिक मामलों के प्रभाग डॉ. जुगमोहन अशीष के साथ एक जूम मीटिंग आयोजित की गई। बैठक का एजेंडा संकाय/छात्र विनिमय और संयुक्त अनुसंधान कार्यक्रम के क्षेत्र में मॉरीशस के मुक्त विश्वविद्यालय के साथ समझौता ज्ञापन में प्रवेश करने की संभावनाओं का पता लगाना था। यह एक सार्थक बैठक थी और जल्द ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

निम्नलिखित बैठकें राजदूतों/उच्चायुक्तों/वाणिज्य दूतावासों के साथ भी आयोजित की गईं

(i) 25.03.2021 को मॉरीशस के उच्चायोग में भारत में मॉरीशस के उच्चायुक्त, भारत में मॉरीशस गणराज्य की उच्चायुक्त महामहिम श्रीमती शांति बाई हनूमानजी के साथ बैठक।

(ii) 4 अक्टूबर, 2021 को नेपाल दूतावास में नेपाल के राजदूत नेपाल के राजदूत श्री नीलाम्बर आचार्य और सांस्कृतिक परामर्शदाता, श्री यदु नाथ पौडेल से मुलाकात ।

(iii) 13 अक्टूबर, 2021 को गाम्बिया उच्चायोग में गाम्बिया गणराज्य, नई दिल्ली के उच्चायुक्त, श्री मुस्का जवारा और मिशन के उप प्रमुख, श्री लामिन ई. सिंगातेह के साथ बैठक।

(iv) अकादमिक सहयोग के संबंध में मॉरीशस के मुक्त विश्वविद्यालय के साथ अकादमिक मामलों के निदेशक डॉ. उषाद अगाथी सुबदर और मॉरीशस के मुक्त विश्वविद्यालय के अकादमिक मामलों के प्रभाग डॉ. जुगमोहन अशीष के साथ बैठक 22 दिसंबर, 2021 को जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से आयोजित की गई थी।

7. विश्वविद्यालय सूचना संसाधन केंद्र

क्र.सं.	विवरण	कुल संख्या
1.	(क) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में खरीदी गई पुस्तकों की संख्या	481 (कुल) खरीदी गई 481 पुस्तकों में से 374 पुस्तकें ईस्ट कैंपस लाइब्रेरी में स्थानांतरित कर दी गई हैं
	(ख) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में खरीदी गई पत्रिकाओं की संख्या (भारतीय और विदेशी दोनों)	279
	(ग) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए सब्सक्राइब किए गए ऑनलाइन डेटाबेस की संख्या	14
	(घ) विश्वविद्यालय पुस्तकालय वेब-पेज के माध्यम से उपलब्ध ई-जर्नल्स की कुल संख्या	15043
	(ड) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में खरीदे गए ई-पुस्तक डेटाबेस की संख्या	शून्य (हालाँकि, 12177 (लगभग) ई-पुस्तकें सतत आधार पर यूआईआरसी उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध हैं)
2.	शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 में जारी सदस्यता की संख्या	1344
3.	(क) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में छात्रों को जारी की गई पुस्तकों की संख्या	5988
	(ख) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में छात्रों द्वारा लौटाई गई पुस्तकों की संख्या	4986
	(ग) शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में उपयोगकर्ताओं द्वारा किया गया कुल लेनदेन	10974
4.	शैक्षणिक सत्र 2021-2022 में सेमिनार/सम्मेलन का विवरण	शून्य
5.	01-04-2021 से 31-03-2022 की अवधि के दौरान महत्वपूर्ण कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ	शून्य

8. शैक्षणिक मामले

शैक्षणिक मामलों का कार्यालय विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षणिक मामलों से संबंधित है। इस कार्यालय का उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों की योजना और पाठ्यक्रम को प्रासंगिक वैधानिक निकायों के अनुसार और उद्योग और अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप रखना है। कार्यालय संकाय और छात्रों को सहायता भी प्रदान करता है, एक सुविधा प्रदाता के रूप में कार्य करता है और सभी शैक्षणिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अधिक विशेष रूप से यह निम्नलिखित प्रकार की गतिविधियों से संबंधित है:

1. नये कार्यक्रमों की योजना एवं पाठ्यक्रम को मंजूरी

कार्यालय विभिन्न यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज और संबद्ध संस्थानों में प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम की अनुमोदन प्रक्रिया का समन्वय करता है। जब भी किसी यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडी या संबद्ध संस्थानों द्वारा कोई नया कार्यक्रम शुरू करना होता है, तो प्रक्रिया संबंधित यूनिवर्सिटी स्कूल द्वारा शुरू की जाती है और योजना और पाठ्यक्रम का प्रारंभिक मसौदा विषय विशेषज्ञों की समिति द्वारा तैयार किया जाता है। योजना और पाठ्यक्रम को संबंधित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडी के बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) द्वारा अनुमोदित किया जाता है, फिर इसे अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाता है और इसके लिए एजेंडा अंतत: अकादमिक मामलों के कार्यालय द्वारा तैयार किया जाता है, और अनुमोदन के लिए अकादमिक परिषद को भेजा जाता है। एक बार जब योजना और पाठ्यक्रम को अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित कर दिया जाता है तो इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है और इसकी एक प्रति रिकॉर्ड के लिए इस कार्यालय में भी रखी जाती है।

2. मौजूदा कार्यक्रमों में संशोधन की मंजूरी

नए कार्यक्रमों के अलावा, मौजूदा कार्यक्रमों के लिए योजनाओं और पाठ्यक्रम को भी लगभग तीन साल या उससे अधिक के अंतराल पर यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज द्वारा संशोधित किया जाता है और एक बार यह अधिसूचित हो जाता है या कोई नया पाठ्यक्रम शुरू किया जाता है या सामग्री बदल जाती है या योजना के साथ कोई अन्य परिवर्तन होता है और संबंधित कार्यक्रमों का पाठ्यक्रम, फिर उस बदलाव को भी संबंधित विश्वविद्यालय स्कूल के बीओएस से पारित होने के बाद अकादमिक परिषद द्वारा अनुमोदित किया जाना चाहिए, जिसकी देखभाल निदेशक अकादमिक मामलों के कार्यालय द्वारा भी की जाती है।

शैक्षणिक सत्र 2021-22 के लिए संशोधित कार्यक्रमों/पाठ्यक्रमों की सूची

कार्यक्रम/पाठ्यक्रम अद्यतन	
बीएएलएलबी (ऑनर्स)/ बीबीएएलएलबी (ऑनर्स)	बी.एड
यूएसआईसीटी में बी.टेक/एम.टेक (दोहरी डिग्री) (1-4 वर्ष और 1-2 वर्ष)।	एम.एड
यूएसएआर में बी.टेक/एम.टेक (दोहरी डिग्री) (1-4 वर्ष और 1-2 वर्ष)।	यूएसईएम में पी.एच.डी
फायर एंड लाइफ सेफ्टी ऑडिट में पीजीडी	यूएसई में पी.एच.डी
एम.टेक (एनएसटी)	पी.एच.डी. प्रबंधन
एम.टेक (ईपी)	इक्विटी रिसर्च में पीजीडी
एम.ए (इंजी)	यूजी कार्यक्रमों के लिए एईईसी के रूप में पर्यावरण अध्ययन
एम.एस.सी (ईएम)	पीजी कार्यक्रमों के लिए एईसीसी के रूप में पर्यावरण अध्ययन
एम.एस.सी (बी एवं सी)	उद्यमशील मानसिकता (सभी यूजी कार्यक्रमों और वैकल्पिक पीजी कार्यक्रमों में अनिवार्य पाठ्यक्रम)
एम.एस.सी (एनआरएम)	विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों के लिए एनएसएस/एनसीसी

कार्यालय शिक्षा से संबंधित वैधानिक निकायों के दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन के लिए यूएसएस के साथ समन्वय करता है। कार्यालय विभिन्न कार्यक्रमों की परीक्षा योजना और पाठ्यक्रम के अपेक्षित रिकॉर्ड को प्रसारित और बनाए रखकर सभी हितधारकों को जानकारी प्रदान करता है। यह उम्मीदवारों के अनुरोध पर इसकी सत्यापित प्रतियां भी वितरित करता है।

3. विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए प्रवेश/पात्रता मानदंड हेतु अनुमोदन की प्रक्रिया

विश्वविद्यालय 180 कार्यक्रम पेश करता है। कार्यालय वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने और विश्वविद्यालय के विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए पात्रता और प्रवेश मानदंडों को अंतिम रूप देने के लिए विभिन्न अध्ययन स्कूलों के साथ समन्वय करता है, जो हर साल विश्वविद्यालय के प्रवेश विवरणिका की तैयारी के लिए सबसे महत्वपूर्ण और एक आवश्यक गतिविधि है।

4. कैरियर उन्नति योजना (सीएएस) के तहत विश्वविद्यालय शिक्षकों की पदोन्नति

विभिन्न चरणों में विश्वविद्यालय के शिक्षकों की पदोन्नति के लिए सीएएस को समय-समय पर विश्वविद्यालय सीएएस विनियमन और यूजीसी नियमों के अनुसार संसाधित किया जाता है। विश्वविद्यालय ने पहले ही यूजीसी विनियम (चौथा संशोधन) 2016 और यूजीसी विनियम 2018 को अपना लिया है और इसके परिभाषित दिशानिर्देशों के अनुसार मामलों को संसाधित करने के लिए इस पर विचार किया जाता है। कार्यालय विश्वविद्यालय/यूजीसी द्वारा निर्धारित प्रारूप में अगले चरणों में उनकी पदोन्नति के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों से आवेदन आमंत्रित करके प्रक्रिया शुरू करता है। शिक्षक संबंधित स्कूलों में आवेदन करें। स्कूल स्तर पर गठित स्कूल समिति द्वारा प्रारंभिक स्क्रीनिंग के बाद इन आवेदनों को शैक्षणिक मामलों के कार्यालय में भेज दिया जाता है। निदेशक, शैक्षणिक मामलों का कार्यालय मामलों को आगे बढ़ाता है। निदेशक, शैक्षणिक मामलों के स्तर पर केंद्रीय रूप से गठित स्क्रीनिंग समिति यूजीसी/विश्वविद्यालय विनियमों के अनुसार इन आवेदनों की जांच करती है और फिर सिफारिशों को चयन/स्क्रीनिंग सह मूल्यांकन समिति द्वारा विचार और आगे की अधिसूचना के लिए कार्मिक शाखा को भेज दिया जाता है। विश्वविद्यालय ने जुलाई 2021 तक पात्रता की तारीख के साथ यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के संकाय सदस्यों (लगभग 80 आवेदन) के ऐसे सभी मामलों को संसाधित किया है।

5. विश्वविद्यालय का शैक्षणिक कैलेंडर

शैक्षणिक कैलेंडर विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए लागू विश्वविद्यालय अध्यादेश और अन्य वैधानिक निकायों के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार किया गया है। कार्यालय शैक्षणिक कैलेंडर को अंतिम रूप देने के लिए यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के सभी डीन के साथ समन्वय करता है। सक्षम प्राधिकारी की उचित मंजूरी ली जाती है और शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले इसे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया जाता है। एमबीबीएस, पीजीएमसी, एस.एस.एम.सी, बी.एस.सी जैसे मेडिकल और पैरा-मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए अलग शैक्षणिक कैलेंडर। नर्सिंग, एम. एससी. नर्सिंग, बीएएमएस, पीजी आयुर्वेद, बी.एच.एम.एस और विश्वविद्यालय के सप्ताहांत कार्यक्रम भी अपलोड किए गए हैं।

6. शिक्षक की मान्यता (मेडिकल कॉलेज)

कार्यालय निम्नलिखित के लिए आवेदन आमंत्रित करके शिक्षकों (मेडिकल कॉलेजों) की मान्यता की प्रक्रिया शुरू करता है:

i) जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों के गैर-शिक्षण विशेषज्ञ/चिकित्सा अधिकारी, जिन्हें पहले जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय द्वारा समान शिक्षण पदनाम दिया गया है, जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 1998 का 09 के पहले कानून के कानून 18 और अन्य लागू विश्वविद्यालय विनियम के तहत अगले उच्च शिक्षण पदनाम देने पर विचार करने के लिए।

ii) जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों के पहले से मान्यता प्राप्त शिक्षण विशेषज्ञों को जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 1998 का 09 के पहले कानून के कानून 18 और अन्य लागू विश्वविद्यालय विनियमों के तहत अगले उच्च शिक्षण पद पर मान्यता के लिए।

iii) जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय अधिनियम संख्या 1998 का 09 के पहले कानून के कानून 18 और अन्य लागू विश्वविद्यालय विनियमों के तहत मान्यता के लिए जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय से संबद्ध मेडिकल कॉलेजों/संस्थानों के पहले गैर-मान्यता प्राप्त शिक्षण विशेषज्ञ।

कार्यालय इन मामलों पर विचार करने के लिए संकलन, प्रसंस्करण और समिति के गठन के लिए कार्मिक शाखा के साथ संयुक्त रूप से काम करता है।

7. विश्वविद्यालय के छात्रों को शैक्षणिक प्रमाण पत्र जारी करना

i) विश्वविद्यालय के पीएचडी पुरस्कार विजेताओं को यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार आवश्यक मानदंडों को पूरा करने वाले उनके अनुरोध पर 2009 से पहले और साथ ही 2009 के बाद पंजीकृत विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए पीएचडी अनुपालन /नेट छूट प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं।

ii) डिग्री की किसी भी समकक्षता पर विचार के लिए 14.06.2016 को आयोजित बीओएम की 63वीं बैठक में अनुमोदित दिशानिर्देशों और नीति के अनुसार कार्यालय यूएसएस के संबंधित डीनध्संस्थान के निदेशकों की सिफारिश के अनुसार उम्मीदवारों के अनुरोध पर बी.टेक (एमएई) से लेकर बी.टेक (एमई) कार्यक्रम के लिए बैच 2015 तक प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए समकक्षता प्रमाण पत्र जारी करता है।

8. विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना एवं प्रस्तुत करना

यह कार्यालय विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट की तैयारी और दस्तावेजीकरण के लिए भी जिम्मेदार है। कार्यालय स्कूलों द्वारा प्रस्तावित कार्यक्रमों, अतिरिक्त नई सुविधाओं, शोध कार्य, सम्मेलन में कागजात प्रस्तुति, पुरस्कार/उपलब्धि और परियोजनाओं और स्कूलों में आयोजित सम्मेलन सेमिनारों से संबंधित विवरण के लिए विश्वविद्यालय स्कूलों और केंद्रों के साथ समन्वय करता है। रिपोर्ट में लेखा शाखा से विश्वविद्यालय की संबद्धता, प्रवेश और आय व्यय विवरण का विवरण भी शामिल है। कार्यालय विश्वविद्यालय के ऐसे सभी विवरणों को एकत्र और संकलित करता है और इसके मुद्रण के लिए विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त प्रिंटर के साथ समन्वय करता है। वार्षिक रिपोर्ट की प्रति विश्वविद्यालय अधिनियम धारा 29 के अनुसार दिल्ली विधान सभा के समक्ष रखे जाने के लिए सरकार को सौंपी जाती है।

9. अन्य गतिविधियां

i) कार्यालय विभिन्न विश्वविद्यालय स्कूलों/शाखाओं/संबद्ध कॉलेजों के सभी शैक्षणिक संबंधी प्रश्नों का समाधान करता है।

ii) कार्यालय समय पर निपटान के लिए मामले-दर-मामले आधार पर संबंधित मुद्दों को हल करने वाली शिकायतों/अभ्यावेदनों से भी निपटता है।

iii) यह भारत या विदेश में छात्रों की शैक्षणिक/व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित सभी शैक्षणिक मामलों से संबंधित मुद्दों का समाधान करता है।

iv) कार्यालय आरटीआई आवेदनों के तहत जानकारी प्रदान करता है।

vi) सक्षम प्राधिकारी द्वारा गठित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष/सदस्य के रूप में विश्वविद्यालय के विभिन्न मामलों पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करते हैं।

संक्षेप में, निदेशक अकादमिक मामलों का कार्यालय विभिन्न विश्वविद्यालय अध्ययन स्कूलों के संकाय सदस्य और छात्र और विश्वविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारियों के बीच एक कड़ी है। लक्ष्य एक प्रणाली को तेज, पारदर्शी और ढेर सारी ई-गवर्नेंस पहलों के साथ बनाना है।

9. अनुसंधान और परामर्श

1. 2021-22 की अवधि के लिए नामांकित पीएचडी छात्रों की संख्या (विद्यालयवार):

क्र.सं.	विद्यालय का नाम	प्रवेशित शोध छात्रों की संख्या
1.	विश्वविद्यालय सूचना, संचार और तकनीक विद्यापीठ	20
2.	विश्वविद्यालय प्रबंधन अध्ययन विद्यापीठ	17
3.	विश्वविद्यालय रासायनिक प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	03
4.	विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी विद्यापीठ	03
5.	विश्वविद्यालय पर्यावरण प्रबंधन विद्यापीठ	13
6.	विश्वविद्यालय चिकित्सा और परा चिकित्सा स्वास्थ्य विज्ञान विद्यापीठ	06
7.	विश्वविद्यालय वास्तुकला और नियोजन विद्यापीठ	01
8.	विश्वविद्यालय बुनियादी और अनुप्रयोगिक विज्ञान विद्यापीठ	14
9.	विश्वविद्यालय मानविकी और सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ	13
10.	विश्वविद्यालय कानून और कानूनी अध्ययन विद्यापीठ	13
11.	विश्वविद्यालय शिक्षा विद्यापीठ	शून्य
12.	विश्वविद्यालय जनसंचार विद्यापीठ	05
13.	आपदा प्रबंधन अध्ययन केंद्र	04
14.	फार्मास्युटिकल विज्ञान में उत्कृष्टता केंद्र	01
	प्रवेशित शोध छात्रों की कुल संख्या	**113**

2. 2021-22 की अवधि के दौरान कोई अन्य प्रासंगिक जानकारी/गतिविधियाँ:

(i) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय प्रत्येक विश्वविद्यालय स्कूल से योग्यता के आधार पर पहले दो शोध शोध छात्रों (शीर्ष रैंक) को इंद्रप्रस्थ रिसर्च फेलोशिप (आईपीआरएफ) प्रदान करता है। आईपीआरएफ की राशि वर्तमान में यूजीसी फेलोशिप के बराबर है यानी पहले दो वर्षों के लिए 24: एचआरए के साथ 31,000 रुपये प्रति माह और दो वर्ष पूरा होने के बाद भुगतान की गई राशि 24: एचआरए के साथ 35,000 रुपये प्रति माह है और सामाजिक विज्ञान स्कूलों के मामलों में आकस्मिक राशि यूजीसी के बराबर है और विज्ञान स्कूलों के मामलों में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की फैलोशिप के बराबर हो सकती है। 2021-2022 में 21 रिसर्च स्कॉलर्स को आईपीआरएफ से सम्मानित किया गया।

(ii) गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय भी शोधार्थियों को शॉर्ट टर्म रिसर्च फेलोशिपश (एसटीआरएफ) प्रदान करता है। इन शोधार्थियों को 15,000/- (पंद्रह हजार) रुपये प्रतिमाह की समेकित राशि दी जाती है। हालांकि, वे शोध छात्र जिन्होंने सीएसआईआर-नेट, यूजीसी-नेट, डीबीटी-जेआरएफ, आईसीएमआर-जेआरएफ आदि जैसी किसी भी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण की है, लेकिन इन एजेंसियों से फेलोशिप का लाभ नहीं उठा रहे हैं, उन्हें प्रति माह 25,000/- (पच्चीस हजार) की समेकित राशि दी जाएगी। यूएसएस में किसी विशेष विषय में प्रवेश पाने वाले गेट-योग्य उम्मीदवारों के मामले में, यूएसएस में प्रत्येक अनुशासन (विधाओं) में शीर्ष दो छात्र उस प्रवेश वर्ष में उच्चतम प्रतिशत स्कोर रखते हैं, वे भी प्रति माह 25,000 रुपये (पच्चीस हजार) की समेकित राशि के एसटीआरएफ के अनुदान के लिए पात्र होंगे। कोई एचआरए और आकस्मिक अनुदान स्वीकार्य नहीं होगा। 143 रिसर्च स्कॉलर्स को 2021-22 में एसटीआरएफ से सम्मानित किया गया।

(iii) विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय अध्ययन स्कूल के सभी नियमित संकाय सदस्यों को एक वैज्ञानिक निकाय (भारतीय/विदेशी)/अकादमिक संघ (पंजीकृत) के वार्षिक सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति को मंजूरी दे दी है। विभिन्न स्कूलों के 19 संकाय को वर्ष 2021-22 में वार्षिक सदस्यता शुल्क की प्रतिपूर्ति की गई है।

(iv) विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय अध्ययन विद्यापीठों के सभी नियमित संकाय सदस्यों द्वारा प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में सहकर्मी समीक्षा प्रतिष्ठित पत्रिका में प्रति वित्तीय वर्ष एक शोध लेख के लिए प्रकाशन/प्रक्रिया/पृष्ठ/रंगीन आकृति आदि की प्रतिपूत का भी अनुमोदन किया है। वर्ष 2021-22 में विभिन्न स्कूलों के 10 संकाय को प्रकाशन शुल्क की प्रतिपूर्ति की गई है।

(v) गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पास विश्वविद्यालय के अध्ययन विद्यापीठों में नियमित संकाय की अनुसंधान गतिविधियों को करने में सहायता करने के लिए एक 'संकाय अनुसंधान अनुदान योजना' (एफआरजीएस) है। वार्षिक अनुसंधान अनुदान (एआरजी) 2.00 लाख रुपये और पाठ्यक्रम के अनुसार 1.00 लाख रुपये है। वर्ष 2021-22 में इस योजना के तहत विभिन्न विश्वविद्यालय स्कूल ऑफ स्टडीज के कुल 70 संकाय को शोध अनुदान से सम्मानित किया गया है।

10. निदेशक विकास

1. वर्ष 2019-20 के लिए वार्षिक गुणवत्ता आश्वासन रिपोर्ट (एक्यूआर) निर्धारित समय-सीमा के भीतर 10 दिसंबर 2021 को नैक पोर्टल पर दाखिल की गई है।

2. इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईआईक्यूएसी) की तीन बैठकें 23 जुलाई 2021, 15 दिसंबर 2021 और 08 मार्च 2022 को विभिन्न एजेंडे पर काम करने के लिए आयोजित की गईं और साथ ही बैठकों के दौरान की गई कार्रवाई रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गईं।

3. शैक्षणिक वर्ष 20202021 के लिए राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा मान्यता के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षण/गैर-शिक्षण स्टाफ/डॉक्टरेट छात्रों/यूजी और पीजी छात्रों के सम्मान के लिए पुरस्कार समारोह 30 दिसंबर 2021 को विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया है। पुरस्कार समारोह में 14 संकायों और 11 छात्रों को प्रशंसा पत्र/पट्टिका / नकद पुरस्कार प्रदान किए गए।

4. फैकल्टी स्व-मूल्यांकन परफॉर्मा वर्ष 2020-21 के लिए अधिसूचित किया गया था। इसका उपयोग यूजीसी के दिशानिर्देशों के अनुसार सीएएस पदोन्नति के लिए किया जाएगा।

5. विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और बढ़ाने के लिए गठित समिति की रिपोर्ट पूरी हो चुकी है और आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत की गई है।

6. विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स की स्थापना के लिए समिति की सिफारिशें तैयार की गईं और मामले में आगे की कार्रवाई के लिए निदेशक (शैक्षणिक मामले) को भेज दी गईं।

7. विश्वविद्यालय की अनुसंधान एवं परामर्श संवर्धन नीति को संशोधित कर कार्यान्वयन हेतु अनुमोदित कर दिया गया है।

8. वर्ष 2020-2021 के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से विभिन्न हितधारकों, यानी छात्रों, पूर्व छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और नियोक्ताओं से पाठ्यक्रम डिजाइन पर ऑनलाइन फीडबैक प्राप्त हुआ। इसे संकलित, विश्लेषित किया गया है और विस्तृत रिपोर्ट को संबंधित अध्ययन विद्यापीठों के साथ साझा किया गया है। आईआईक्यूएसी बैठक में रखने के लिए आईक्यूएसी द्वारा की गई कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्त हो गई है।

9. शैक्षणिक वर्ष 2020-21 के लिए यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज (यूएसएस) के लिए अकादमिक ऑडिट शुरू किया गया है। कोविड-19 महामारी के कारण 2019-20 में ऑडिट नहीं हो सका।

10. वर्ष 2020-21 के लिए प्रवेश, संबद्धता, स्टोर, खरीद, परीक्षा, जीए, सुरक्षा और स्वच्छता, यूआईआरसी, कानूनी और आरटीआई, डीएसडब्ल्यू, यूडब्ल्यूडी, कार्मिक और समन्वय शाखाओं के लिए शाखाओं का प्रशासनिक ऑडिट पूरा हो चुका है।

11. विश्वविद्यालय के लिए पर्यावरण स्थिरता नीति की हरित और पर्यावरण ऑडिट रिपोर्ट के आलोक में समीक्षा की गई है और हितधारकों द्वारा कार्यान्वयन के लिए अनुमोदित किया गया है।

12. 2022-23 बैच में प्रवेश के लिए एमबीए प्रवेश प्रक्रिया की समीक्षा की गई और फरवरी, 2022 के पहले सप्ताह में लॉन्च किया गया।

13. विश्वविद्यालयों, उद्योगों, गैर सरकारी संगठनों और आईईटीई, सीएसआई, एएचपीआई, एसीएम जैसे व्यावसायिक समाजों के साथ छात्र और संकाय उन्मुख गतिविधियों/प्लेसमेंट/प्रशिक्षण/अल्पकालिक पाठ्यक्रम/विस्तार गतिविधियों/परामर्श आदि जैसे उद्देश्यों के लिए कुल 39 एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए हैं। आदि। इन एमओयू के तहत विभिन्न गतिविधियों के संचालन और अन्य पहल करने के लिए इन एमओयू को सभी विश्वविद्यालय अध्ययन स्कूलों/केंद्रों के साथ साझा किया गया है।

14. नैक के तीसरे चक्र के लिए नैक की तैयारी सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ की गई है और सभी संबंधित हितधारकों के सहयोग से अंतिम चरण में है।

15. विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ रैंकिंग 2021 प्राप्त हुई है। परिणाम काफी उत्साहजनक रहे हैं:

एनआईआरएफ रैंकिंग 2021	
विश्वविद्यालय रैंकिंग	79 वीं रैंकिंग
शीर्ष कानून संस्थानों में से एक	12 वीं श्रेणी
शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में से एक	51 वीं रैंकिंग
शीर्ष इंजीनियरिंग संस्थानों में से एक	108 वीं रैंकिंग

एनआईआरएफ रैंकिंग 2022 के लिए डेटा भारत सरकार को उनके ऑनलाइन पोर्टल पर जमा कर दिया गया है।

16. आईआईक्यूएसी ने यूएसएमएस के साथ 12 सितंबर 2021 को "भारत में स्टार्ट-अप लैंडस्केप: महामारी के साथ समायोजन" विषय पर सेमिनार आयोजित किया।

17. यूएसएमएस के साथ आईआईक्यूएसी ने 27 सितंबर 2021 – 08 अक्टूबर 2021 के दौरान "अनुसंधान विद्वानों के लिए व्यवहार कौशल संवर्धन" पर दो सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की।

18. आईआईक्यूएसी ने 24 दिसंबर 2021 को "डेटा विजुअलाइजेशन और बिब्लियोमेट्रिक विश्लेषण" पर एक कार्यशाला आयोजित की।

19. 31 दिसंबर 2021 को आईआईक्यूएसी, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोफेशनल्स ऑफ इंडिया (एएचपीआई) और डीएसटी-प्रायोजित परियोजना "दिल्ली में सार्वजनिक संचार के माध्यम से सार्वजनिक समझ में सुधार करके कोविड -19 से स्वास्थ्य जोखिम को कम करना" ने "ओमाइक्रोन चुनौतियां – खतरे, मिथक और शमन" पर एक वेबिनार आयोजित किया।

20. आईआईक्यूएसी सेल ने उचित जांच के बाद यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के संकाय से प्राप्त यूजीसी अनुमोदित पत्रिकाओं की संदर्भ सूची में शामिल करने के लिए कंसोर्टियम फॉर एकेडमिक एंड रिसर्च एंड एथिक्स (केयर) को पत्रिकाओं को अग्रेषित/अनुशंसित किया है। 31 मार्च 2022 तक कोई भी मामला लंबित नहीं है।

21. 27 दिसंबर 2021 को "कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013" पर प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

22. 23 दिसंबर 2021 को ऑनलाइन मोड में ओपन मूडल प्लेटफॉर्म पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) को अपनाने, अनुकूलन और कार्यान्वयन पर एक फैकल्टी ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया।

23. सेडुलिटी सॉल्यूशंस एंड टेक्नोलॉजीज-22 दिसंबर 2021 के सहयोग से "साइबर सुरक्षा: भारत के लिए चुनौतियां" पर वेबिनार।

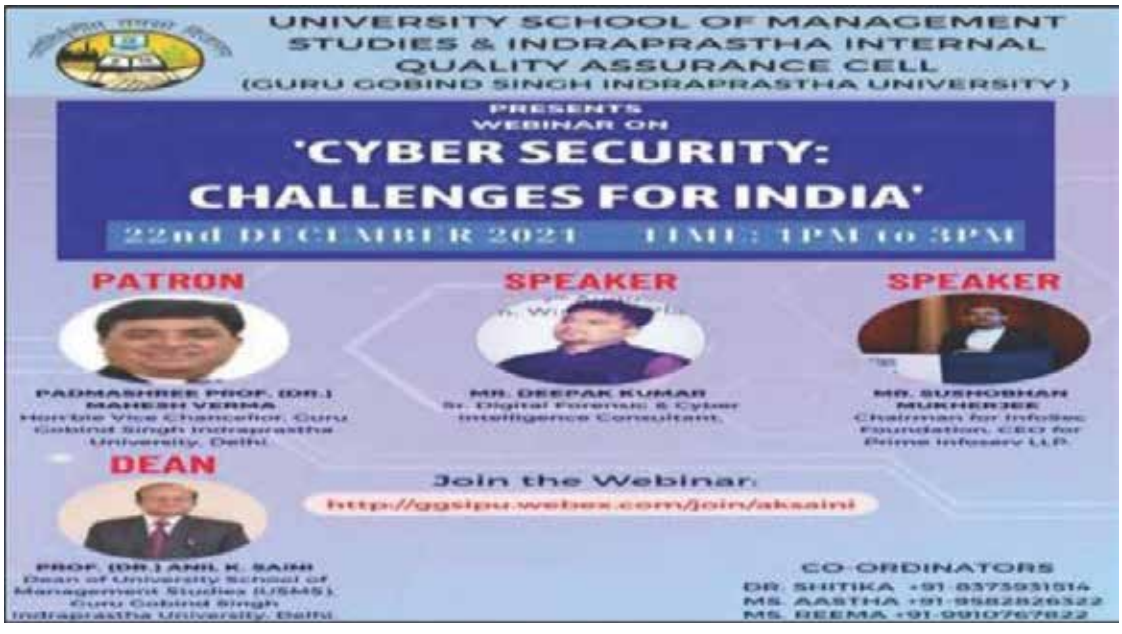

24. 16 सितंबर 2021 को इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के सहयोग से "कोविड-19 महामारी के दौरान कॉर्पोरेट चुनौतियां" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया।

25. 15 जून 2021 को "ऑनलाइन शिक्षण के साथ समायोजन: प्रभावी शिक्षण के लिए उपकरण" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई

26. 20 सितंबर 2021 को भारतीय स्टेट बैंक के सहयोग से "वैश्विक अर्थव्यवस्था का भविष्य और भारत के लिए इसके निहितार्थ" विषय पर ई-संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय और भारतीय स्टेट बैंक के 120 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

27. 13 दिसंबर 2021 को "आत्मनिर्भर भारत के लिए नवाचार और स्टार्ट-अप: फंडिंग के अवसर" पर ओरिएंटेशन-सह-जागरूकता सत्र आयोजित किया गया था। सत्र के दौरान विश्वविद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया, मामले के अध्ययन प्रस्तुत किए गए।

28. यूनिवर्सिटी को वेस्ट कैंपस स्थित यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज के लिए अपनी शैक्षणिक प्रक्रियाओं के लिए आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्रदान किया गया था। प्रमाणीकरण हर एक वर्ष के बाद निगरानी दौरे के साथ दिसंबर 2024 तक वैध रहेगा।

Certificate of Registration

This is to certify that Quality Management System of

GURU GOBIND SINGH INDRAPRASTHA UNIVERSITY

SECTOR-16 C, DWARKA, NEW DELHI-110078, INDIA

is in accordance with the requirements of the following standard

ISO 9001:2015

(Quality Management System)

SCOPE

Design, Development and Delivery of Professional Educational Programmes Including Execution of Research and Consultancy Projects in the Area of :

West Campus
- Basic & Applied Science
- Bio Technology
- Chemical Technology
- Education
- Environment Management
- Humanities & Social Science
- Information and Communication Technology
- Law & Legal Studies

West Campus
- Architecture & Planning
- Management Studies
- Mass Communication
- Pharmaceutical Studies
- Disaster Management

Certificate Number : SCK/01/GGS/21/01/955

Initial Registration Date : 30-Dec-2021
1st Surveillance Date : 30-Nov-2022
2nd Surveillance Date : 30-Nov-2023
Certificate Expiry Date : 29-Dec-2024

To verify certificate, visit at :
www.sckcerts.com
www.iafcertsearch.org

Issued by SCK Certifications Pvt. Ltd.

Director

11. विश्वविद्यालय कार्य प्रभाग

1. द्वारका परिसर (निर्मित/उन्नत सुविधाएं)

- कैंटेरिया का नवीनीकरण और फव्वारा कार्य सहित आसपास के हैंगआउट क्षेत्र का विकास
- जीजीएसआईपीयू द्वारका परिसर, नई दिल्ली (एसएच: सीसीटीवी की एसआईटीसी) में अतिरिक्त परिवर्तन
- कमरा नंबर 413, यूएसएलएलएस में मूट कोर्ट की रीमॉडलिंग
- केंद्रीकृत प्लेसमेंट सेल, जीजीएसआईपीयू का नवीनीकरण और उन्नयन
- पीए कॉन्फ्रेंस सिस्टम, वीसी कॉन्फ्रेंस हॉल का प्रतिस्थापन।
- जीजीएसआईपीयू के ऑडिटोरियम सह प्लेसमेंट सेल और ओपन-एयर थिएटर का निर्माण (30% काम पूरा)
- डीएसडब्ल्यू, जीजीएसआईपीयू का नवीनीकरण और उन्नयन
- मौजूदा स्प्लिट और विंडो एसी का प्रतिस्थापन
- यूएसएपी के नए कार्यक्रम के लिए पुरानी कैंटीन का नवीनीकरण
- अटल इन्क्यूबेशन सेंटर (जी+3), द्वारका परिसर का निर्माण (40% कार्य पूर्ण)
- आवासीय क्षेत्र में पारंपरिक लाइट के स्थान पर एलईडी लाइट लगाना
- पशु गृह का निर्माण (107 कार्य पूर्ण)
- बालक एवं बालिका छात्रवास, जीजीएसआईपीयू के कॉमन रूम का आधुनिकीकरण (40% कार्य पूर्ण)
- ई ब्लॉक सेमिनार हॉल, जीजीएसआईपीयू का नवीनीकरण
- परीक्षा शाखा की सेवर शाखा में यूपीएस की एसआईटीसी
- ऑडियो-वीडियो, कॉन्फ्रेंसिंग सुविधा और मॉडयूलर फर्नीचर सहित कक्षा कक्षों का आधुनिकीकरण और उन्नयन।
- वीसी सचिवालय लॉन में फाउंडेशन की स्थापना
- वीसी सचिवालय में एसएस फायर सीढ़ी और चेन लिंक फेंसिंग प्रदान करना
- ऑडियो-वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहित एडमिन ब्लॉक में कॉन्फ्रेंस और डाइनिंग रूम का नवीनीकरण/उन्नयन
- कक्षा के लिए प्रोजेक्टर और स्क्रीन उपलब्ध कराना और लगाना
- गर्ल्स कॉमन रूम का निर्माण
- विभिन्न स्थानों पर सुरक्षा गार्ड शेड का निर्माण, जीजीएसआईपीयू

2. पूर्वी दिल्ली परिसर (सूरजमल विहार परिसर)

- कार्य प्रगति पर- 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण।
- पूर्वी दिल्ली परिसर में रसायन विज्ञान, भौतिकी, विद्युत और पर्यावरण प्रयोगशाला के लिए फर्नीचर उपलब्ध कराना (कार्य प्रगति 40%)

12. संबद्धता शाखा

शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए स्व-वित्तपोषित संस्थानों की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
1	आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, प्लॉट नंबर एम-1, ब्लॉक नंबर पी-5, सेक्टर - पॉकेट-5, ग्रेटर नोएडा यूपी - 201306	एमबीए	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	60
2	आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर एम-1, ब्लॉक, नंबर पी-5, ग्रेटर नोएडा - 201306	बी.एड	2 वर्ष	100
		बी.एड (विशेष शिक्षा) (सीखने की विकलांगता)	2 वर्ष	30
3	आर्मी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस, बेस हॉस्पिटल के पास, दिल्ली कैंट, नई दिल्ली - 110010	एमबीबीएस	5)	100
4	अष्टावक्र इंस्टीट्यूट ऑफ रिहैबिलिटेशन साइंसेज एंड रिसर्च, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर-14, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.एड विशेष शिक्षा (आईडी)	2 वर्ष	30
		बी.एड विशेष शिक्षा (एचआई)	2 वर्ष	30
		बी.एड विशेष शिक्षा (एएसडी)	2 वर्ष	30
		बी.एड विशेष शिक्षा (एलडी)	2 वर्ष	30
		बी.एड विशेष शिक्षा (वीआई)	2 वर्ष	30
5	ऑटिज्म के लिए कार्रवाई नेशनल सेंटर फॉर ऑटिज्म इंडियानेशनल सेंटर फॉर ऑटिज्म इंडिया, पॉकेट 7 और 8, जसोला विहार, नई दिल्ली - 110025	बी.एड (विशेष शिक्षा) (ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकार)	2 वर्ष	30
6	एक्मन बिजनेस स्कूल, 46 ए/2, नॉलेज पार्क III, ग्रेटर नोएडा, यूपी - 201308	एमबीए	2 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
7	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 110019	बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120
8	बनारसीदास चांदीवाला सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 110019	एमसीए	2 वर्ष	60
		बीसीए	3 वर्ष	60
9	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी, चांदीवाला एस्टेट, मां आनंदमई आश्रम मार्ग, कालकाजी, नई दिल्ली - 110019	बीपीटी	4½ वर्ष	60
		एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	8
10	बनारसीदास चांदीवाला इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर - 11, (मेट्रो स्टेशन के सामने) द्वारका, नई दिल्ली - 110075	एमबीए	2 वर्ष	120
		बीबीए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
11	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान, पीएसपी - 4, सेक्टर - 17, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	60
12	भारती विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, ए - 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
13	भारती विद्यापीठ इंस्टीट्यूट ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन एंड मैनेजमेंट, ए 4, पश्चिम विहार, नई दिल्ली - 110063	एम.सी.ए	2 वर्ष	120
		एम.सी.ए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	0
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	120
14	भगवान महावीर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, जगदीशपुर, ओपी जिंदल यूनिवर्सिटी के पास, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.आर्क	5 वर्ष	80
15	बीएम इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, फाजिलपुर पावर स्टेशन के पीछे, सोनीपत, बहालगढ़ रोड, गांव रायपुर, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स) (आईआईओटी)	4 वर्ष	30
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		एम.बी.ए	2 वर्ष	30
16	चंद्रप्रभु जैन कॉलेज ऑफ हायर स्टडीज एंड स्कूल ऑफ लॉ, प्लॉट नंबर ओसीएफ, सेक्टर - ए - 8, नरेला, दिल्ली	बी.बी.ए	3 वर्ष	75
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	75
		बी.सी.ए	3 वर्ष	30
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.बी.ए (सीएएम)	3 वर्ष	30

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बीबीए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
17	कॉम-आईटी, कैरियर अकादमी (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) एफसी-31, डीडीए का संस्थागत क्षेत्र (पुष्पावती सिंघानिया अस्पताल के पास) प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-द्वितीय, नई दिल्ली -110017	बीसीए	3 वर्ष	60
		बीसीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	-
18	डॉ. अखिलेश दास गुप्ता प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, एफसी-26, शास्त्री पार्क, नई दिल्ली 110053।	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (आईटी) दूसरी पाली	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (सिविल इंजीनियरिंग)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस) (एआई एंड डीएस)	4 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	60
		बीबीए	3 वर्ष	120
19	दिल्ली स्कूल ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड रिसर्च, 9, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर-25, रोहिणी, फेज-III, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	140
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	140
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	70
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	70

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
20	दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, प्लॉट नंबर 6, सेक्टर-25, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बीबीए	3 वर्ष	60
		एमबीए	2 वर्ष	180
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		एमबीए (वित्तीय प्रबंधन)	2 वर्ष	60
21	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, होलंबी खुर्द, दिल्ली-110082	बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	30
		बीबीए	3 वर्ष	-
22	दिल्ली ग्रामीण विकास संस्थान, (डीआईआरडी की सहयोगी शाखा), जीटी करनाल रोड, गांव नंगली पूना, दिल्ली-110036।	बीबीए	3 वर्ष	90
		बीबीए (बी एंड आई)	3 वर्ष	30
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.एड	2 वर्ष	100
		बीए अंग्रेजी (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
		बीए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	15
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	23
23	दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन (सनशाइन एजुकेशन एंड डेवलपमेंट सोसाइटी) बी-12, सेक्टर-62, नोएडा (यूपी)	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बीएजेएमसी	3 वर्ष	120
		बीएजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	180
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
24	दिल्ली टेक्निकल कैंपस, 28/1, नॉलेज पार्क - III, ग्रेटर नोएडा, यूपी - 201306	बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	-
		बीटेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	60
		बी.आर्क	5 वर्ष	80
		एम.बी.ए	2 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बीएचएमसीटी	4 वर्ष	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
25	दिल्ली टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, 340, दीन पुर, बिजवासन रोड, नजफगढ़, नई दिल्ली।	बी.एड	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
26	दिल्ली प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, एनएच-1, गांव बरोट, तहसील गन्नौर, सोनीपत, हरियाणा (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	90
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	90
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	90
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		एम.बी.ए	2 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
27	नेयरुील्ड इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, प्लॉट नंबर 1037/1, कापसहेड़ा, नई दिल्ली - 110037	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बीजेएमसी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र) दूसरी पाली	3 वर्ष	60
		बी.ए अंग्रेजी (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
28	गीतारतन इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज एंड ट्रेनिंग, डी-ब्लॉक, सेक्टर-7, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.एड	2 वर्ष	100
29	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल, रोहिणी एजुकेशनल सोसाइटी, पीएसपी, कॉम्प्लेक्स- II, मधुबन चौक, दिल्ली	एम.बी.ए	2 वर्ष	120
		एम.बी.ए (द्वितीय पाली)	2 वर्ष	120
		एम.बी.ए (आईबी)	2 वर्ष	60
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
30	गुरु नानक कॉलेज ऑफ एजुकेशन (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) रोड नंबर 75, पंजाबी बाग, नई दिल्ली - 110026	बी.एड	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
31	गुरु नानक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, रोड नंबर 75, पंजाबी बाग (पश्चिम) नई दिल्ली - 110026 (अल्पसंख्यक संस्थान)	एम.सी.ए	2 वर्ष	30
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
32	गुरु राम दास कॉलेज ऑफ एजुकेशन, वेस्ट ज्योति नगर, शाहदरा, दिल्ली	बी.एड.	2 वर्ष	100
33	गुरु तेग बहादुर प्रौद्योगिकी संस्थान, (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान) जी-8 क्षेत्र, राजौरी गार्डन, सामने। स्वर्ग आश्रम मंदिर, दिल्ली - 110064	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस) (एआई एंड डीएस)	4 वर्ष	60
34	ग्रेटर नोएडा इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, प्लॉट नंबर 6-सी, नॉलेज पार्क II, ग्रेटर नोएडा, जिला। गौतमबुद्धनगर, यूपी	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	30
35	एचएमआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, हमीद पुर, दिल्ली - 110036	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (एम.ई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ई.ई)	4 वर्ष	60
36	आइडियल इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, 16-एक्स, कड़कड़डूमा, (टेलीफोन एक्सचेंज के पास), दिल्ली - 110092	बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	110
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.बी.ए (सीएएम)	3 वर्ष	45
		बी.बी.ए (सीएएम) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	45
37	आईएसआईसी पुनर्वास विज्ञान संस्थान, सेक्टर - सी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	एम.पी.टी (नयूरोलॉजी)	2 वर्ष	8
		एमपीटी (मस्कुलोस्केलेटल)	2 वर्ष	8
		एमओटी (नयूरोलॉजी)	2 वर्ष	10
		एम.पी.टी (खेल)	2 वर्ष	9
		प्रोस्थेटिक्स और ऑर्थोटिक्स में मास्टर्स (एमपीओ)	2 वर्ष	8
		एम.पीटी (कार्डियोपल्मोनरी)	2 वर्ष	5
		बी.पी.टी	4½ वर्ष	50
		बी.ओ.टी	4) वर्ष	25
		बी.पी.ओ	4.6 वर्ष	25
38	सूचना प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, डी-29, इंस्टीटयूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली	एम.बी.ए	2 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
39	इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन इन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट, डी 27 और 28, इंस्टीटयूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली	बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
		बी.सी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
40	इंस्टीट्यूट ऑफ वोकेशनल स्टडीज (अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान), एफसी-31, डीडीए का इंस्टीटयूशनल एरिया, प्रेस एन्क्लेव रोड, शेख सराय, पीएच-II, नई दिल्ली - 110017	बी.एड	2 वर्ष	100
41	जगन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज,3, इंस्टीटयूशनल एरिया, सेक्टर 5, रोहिणी (राजीव गांधी कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट के पास), दिल्ली - 110085	एम.सी.ए	2 वर्ष	60
		एम.सी.ए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
42	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल, ओसीएफ, पॉकेट - 9, सेक्टर बी, वसंत कुंज, नई दिल्ली - 110070	बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
43	जगन्नाथ इंटरनेशनल मैनेजमेंट स्कूल एमओआर पॉकेट-105 कालकाजी (कालकाजी पुलिस स्टेशन के सामने), नई दिल्ली-110 019	बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स) दूसरी पाली	3 वर्ष	60
44	जिम्स इंजीनियरिंग मैनेजमेंट टेक्निकल कैंपस, 48/4, नॉलेज पार्क - III, ग्रेटर नोएडा	बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	-
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स) (आईआईओटी)	4 वर्ष	60
		बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.एड	2 वर्ष	100
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
45	कालका इंस्टीट्यूट फॉर रिसर्च एंड एडवांस्ड स्टडीज, कालका पब्लिक स्कूल कैंपस, अलकनंदा, नई दिल्ली - 110019	बी.एड	2 वर्ष	100
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
46	कस्तूरी राम कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, वि. कुरेनी नरेला, दिल्ली - 110040	बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी(दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	50
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	50
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	50
		बी.एड	2 वर्ष	100
47	कमल इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन एंड एडवांस टेक्नोलॉजी के-1 (बलॉक) मोहन गार्डन नई दिल्ली-110059	बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
		बी.सी.ए	3 वर्ष	30
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
48	केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, 2बी-2सी, नॉलेज पार्क III, ग्रेटर नोएडा, गौतमबुद्ध नगर, यूपी	बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
49	लिंगया का ललिता देवी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंसेज, 847 - 848, मंडी रोड, ग्राम। मंडी, नई दिल्ली - 110047	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	120
		बी.जे.एम.सी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	30
		बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	30
		बी.सी.ए	3 वर्ष	30
50	लक्ष्मी बाई बत्रा कॉलेज ऑफ नर्सिंग, प्लॉट नंबर 45,46, और 47, तुगलकाबाद, इंस्टीटयूशनल एरिया, महरौली बदरपुर रोड, नई दिल्ली - 110062	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	60
51	लीलावती मुंशी कॉलेज ऑफ एजुकेशन,भारतीय विद्या भवन 01, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली 110001	बी.एड	2 वर्ष	100
52	महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, सेक्टर -22, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.कॉम. (ऑनर्स) दूसरी पाली	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	60
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.ए एल.एलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	120
53	महाराजा अग्रसेन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, सेक्टर – 22, रोहिणी, दिल्ली – 110085	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (एमएई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी) (सीएसटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सूचना प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग) (आईटीई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस) (एआई एंड डीएस)	4 वर्ष	60
		एम.बी.ए	2 वर्ष	180
54	महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट, सी – 4, जनक पुरी, नई दिल्ली – 110058	बी.एड	2 वर्ष	100
		बी.सी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
55	महाराजा सूरजमल प्रौद्योगिकी संस्थान, सी - 4, जनक पुरी, नई दिल्ली - 110058	बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (आईटी) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.टेक (सीएसई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (ईसीई) (दूसरी पाली)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	60
56	महावीर स्वामी प्रौद्योगिकी संस्थान, जगदीशपुर, ओपी जिंदल विश्वविद्यालय के पास, सोनीपत, हरियाणा 131030 (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (सीई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	180
		बी.बी.ए	3 वर्ष	-
57	मधु बाला इंस्टीट्यूट ऑफ कम्युनिकेशन एंड इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, 568/2/1, फिरनी रोड, मुंडका, दिल्ली	बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	150
58	प्रबंधन शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, 53-54, इंस्टीटयूशनल एरिया, जनक पुरी, नई दिल्ली - 110058	एम.बी.ए	2 वर्ष	180
		एम.बी.ए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	120
		बी.जे.एम.सी(दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	40
59	एमबीएस स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर, सेक्टर-09, द्वारका, नई दिल्ली- 110075	बी.आर्क	5 वर्ष	120
60	नई दिल्ली प्रबंधन संस्थान, 60 और 61, तुगलकाबाद इंस्टीटयूशनल एरिया, नई दिल्ली - 110062	बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
61	नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट, 49-50, सामुदायिक केंद्र, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली - 110065	एम.एस.सी (नर्सिंग) सीवीटीएन	2 वर्ष	10

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
62	प्रदीप मेमोरियल कॉम्प्रिहेंसिव कॉलेज ऑफ एजुकेशन, प्रताप विहार, किरारी एक्सटेंशन, नांगलोई, दिल्ली - 110041	बी.एड	2 वर्ष	100
63	पेरियार स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, 1 और 2 इंस्टीट्यूशनल एरिया, जसोला, नई दिल्ली - 110025 (पुराना नाम पेरियार मैनेजमेंट एंड कंप्यूटर कॉलेज है)	बी.आर्क	5 वर्ष	40
64	राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र, सेक्टर-5, रोहिणी, नई दिल्ली-110085	बी.एस.सी.(मेडिकल टेक्नोलॉजी रेडियोथेरेपी)	3 वर्ष	4
65	आरसी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गोपाल नगर, नजफगढ़, नई दिल्ली - 110043	बी.सी.ए	3 वर्ष	30
		बी.एड.	2 वर्ष	100
66	रुक्मिणी देवी इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, 2ए और 2बी, पीएच.- I, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	एम.बी.ए	2 वर्ष	120
		एम.बी.ए (दूसरी पाली)	2 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
67	संत हरि दास कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, (वायु सेना स्टेशन के सामने), बानी कैंप, नजफगढ़, नई दिल्ली - 110043	बी.एड.	2 वर्ष	100
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
68	सिरीफोर्ट इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, प्लॉट नंबर 8, सेक्टर - 25, रोहिणी, नई दिल्ली	बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
69	श्री गुरु तेग बहादुर प्रबंधन और सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, गुरुद्वारा नानक पियाओ, जीटीके रोड, दिल्ली - 110033	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (बी एंड आई)	3 वर्ष	60
		बी.बी.ए (बी एंड आई) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
70	श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, ग्राम बामनोली, सेक्टर-28, द्वारका, नई दिल्ली -110045	बी.एड.	2 वर्ष	100
71	श्री कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्लॉट/ खसरा: 234, जॉनमानी, डौला, बागपत, उत्तर प्रदेश	बी.एड.	2 वर्ष	100
72	सेंट लॉरेंस कॉलेज ऑफ हायर एजुकेशन, गीता कॉलोनी, सुविधा केंद्र, दिल्ली - 110030	बी.एड.	2 वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
73	सेंट स्टीकंस कॉलेज ऑफ नर्सिंग, तीस हजारी, दिल्ली (अल्पसंख्यक संस्थान)	बी.एस.सी (एच) नर्सिंग	4 वर्ष	50
		एम.एस.सी (नर्सिंग)	2 वर्ष	8
		एम.एस.सी नर्सिंग (सामुदायिक स्वास्थ्य)	2 वर्ष	
		पोस्ट बेसिक नर्सिंग	2 वर्ष	20
74	एसजीआईटी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, एनएच-24, विपक्ष। जिंदल पाइप्स लिमिटेड, जिंदल नगर, गाजियाबाद - 201302	बी.बी.ए	3 वर्ष	45
		बी.सी.ए	3 वर्ष	15
75	संत गोपीचंद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, प्लॉट नंबर 149, गांव - अहेरा, हरचंदपुर, बागपथ, यूपी	बी.एड	2 वर्ष	100
76	टेक्निया इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, मधुबन चौक, रोहिणी, दिल्ली - 110085	बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बीबीए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	120
		बी.जे.एम.सी(दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		एम.बी.ए	2 वर्ष.	120
		एम.बी.ए (दूसरी पाली)	2 वर्ष.	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
77	ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, सेक्टर - 9, द्वारका, (मेट्रो पिलर नंबर 1160 के निकट), नई दिल्ली - 110075	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी(दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	40
		बी.कॉम. (ऑनर्स) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	40
		बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
78	यूनाइटेड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, प्लॉट नंबर 50, नॉलेज पार्क 3 ग्रेटर नोएडा, जीबी नगर, यूपी	बी.बी.ए	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
		बी.ए एल.एल.बी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
79	वास्तु कला अकादमी, 9/1, अरुणा आसफ अली मार्ग, नई दिल्ली - 110067	बी.आर्क	5 वर्ष	40
		एम.आर्क (यूडी)	2 वर्ष	20

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
80	वीडी इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कृष्ण विहार, सुल्तान पुरी, दिल्ली - 110041	बी.एड	2 वर्ष	100
81	विवेकानन्द इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज - टेक्निकल कैंपस, एयू ब्लॉक (आउटर रिंग रोड), पीतमपुरा, नई दिल्ली	बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	300
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	240
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	180
		बी.जे.एम.सी(दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.सी.ए	3 वर्ष	180
		बी.सी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	120
		बी.बी.ए	3 वर्ष	180
		बी.बी.ए (दूसरी पाली)	3 वर्ष	180
		बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	180
		बी.कॉम. (ऑनर्स) दूसरी पाली	3 वर्ष	120
		एलएलएम (कॉर्पोरेट कानून)	1 वर्ष	40
		एल.एल.एम (एडीआर)	1 वर्ष	20
		एम.सी.ए	2 वर्ष	120
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र)	3 वर्ष	120
		बी.ए अंग्रेजी (ऑनर्स)	3 वर्ष	120
		बी.ए (ऑनर्स) (अर्थशास्त्र) (दूसरी पाली)	3 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग) (एआईएमएल)	4 वर्ष	120
		बी.टेक (इंडस्ट्रियल इंटरनेट ऑफ थिंग्स) (आईआईओटी)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा साइंस) (एआई एंड डीएस)	4 वर्ष	120
82	संत विवेकानंद कॉलेज ऑफ लॉ एंड हायर स्टडीज, एनएच-24, दिल्ली हापुर रोड, जिंदल नगर, दिल्ली एनसीआर, गाजियाबाद, यूपी	बी.कॉम. (ऑनर्स)	3 वर्ष	30
		बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	30
		बीबीए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	30
		बी.बी.ए	3 वर्ष	30
83	जीवन गोपी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी एंड टेक्नोलॉजी, गांव और पोस्ट अहेरा जिला बागपत, यूपी	बी.फार्मा	4 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
84	ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इनोवेशन इन प्रोफेशनल स्टडीज, प्लॉट नंबर 2बी/1, नॉलेज पार्क-III, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश 201308	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	54
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	54
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	54
		बी.ए एलएलबी (एकीकृत)	5 वर्ष	60
		बी.बी.ए	3 वर्ष	60
		बी.सी.ए	3 वर्ष	60
		बी.जे.एम.सी	3 वर्ष	60
85	बॉस्को टेक्निकल ट्रेनिंग सोसाइटी, डॉन बॉस्को टेक्निकल स्कूल, ओखला रोड, नई दिल्ली	बी.सी.ए	3 वर्ष	60
86	पवित्र परिवार अस्पताल ओखला रोड, ओखला, नई दिल्ली - 110025	बी.एस.सी (एमआईटी)	3 वर्ष	15
87	श्री बलवंत इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मेरठ रोड (पलरी), सोनीपत, हरियाणा	बी.टेक (सीएसई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (आईटी)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (ईसीई)	4 वर्ष	30
		बी.टेक (एमई)	4 वर्ष	60
		बी.टेक (ईईई)	4 वर्ष	30
		एम.बी.ए	2 वर्ष	10
		एम.सी.ए	2 वर्ष	10
		बी.बी.ए	3 वर्ष	30
		बी.सी.ए	3 वर्ष	30

शैक्षणिक सत्र 2021 - 2022 के लिए सरकार संस्थान की सूची

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
1	अली यावर जंग नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर द हियरिंग हैंडीकैप्ड, (उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, दिल्ली) सी-44ए, सेक्टर-40, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, यूपी	बीएएसएलपी	4 वर्ष	25
2	कॉलेज ऑफ मेडिकल लैब टेक्नोलॉजी, हिंदू राव अस्पताल, मल्कागंज, दिल्ली	बी.एस.सी. (एम.एल.टी)	3 वर्ष	30
3	सी-डैक, नोएडा (पूर्व में भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स अनुसंधान एवं विकास केंद्र) सरकार। भारत सरकार, अनुसंधान भवन, सी - 56/1, इंस्टीट्यूशनल एरिया, सेक्टर - 62, नोएडा	एम.टेक. (सी.एस.ई)	2 वर्ष	25
		एम.टेक. (आईटी)	2 वर्ष	25
		एम.टेक. (वीएलएसआई)	2 वर्ष	25
		एम.सी.ए	2 वर्ष	60
		एम.बी.ए (आईटी)	2 वर्ष	60

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
4	चौ. ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, नजफगढ़, दिल्ली - 110073	बी.ए.एम.एस	4½ वर्ष	125
		एम.डी (आयफ)	3 वर्ष	36
5	नर्सिंग कॉलेज, वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली - 110026	बी.एस.सी.(ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
6	नर्सिंग कॉलेज, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली - 110001	बी.एस.सी.(ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	50
7	मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र (सीईआईएमएच) (पूर्व में) मनोचिकित्सा विभाग, डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, पीजीआईएमईआर पार्क स्ट्रीट, नई दिल्ली 110001	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	2 वर्ष	13
8	डॉ. बीआर सूर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, नानकपुरा, मोती बाग, नई दिल्ली - 110021	बी.एच.एम. एस	5½ वर्ष	63
9	डॉ. बीएसए हॉस्पिटल मेडिकल कॉलेज सेक्टर 6, रोहिणी दिल्ली-110085	एम.बी.बी.एस	5½ वर्ष	125
10	मनोरोग सामाजिक कार्य विभाग, मनोरोग विभाग पीजीआईएमईआर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली 110001	एम.फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	2 वर्ष	12
11	ईएसआईसी डेंटल कॉलेज और अस्पताल, सेक्टर - 15, रोहिणी, नई दिल्ली - 110085	बी.डी.एस	5 वर्ष	62
12	मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान, 68, अशोक रोड, नई दिल्ली - 110001	बी.एस.सी. (योग)	3 वर्ष	30
		एम.एस.सी (योग)	2 वर्ष	30
		मेडिकोज और पैरामेडिकोज के लिए योग थेरेपी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा	1 वर्ष	20
13	राष्ट्रीय सार्वजनिक सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, 5, सिरी इंस्टीटयूशनल एरिया, हौज खास, नई दिल्ली - 110016	बाल मार्गदर्शन और परामर्श में उन्नत डिप्लोमा	1 वर्ष	33
14	हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज, दिल्ली में एनडीएमसी मेडिकल कॉलेज	एम.बी.बी.एस	5½वर्ष	60
15	राष्ट्रीय बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) दिव्यांगजन (पुराना नाम राष्ट्रीय मानसिक रूप से विकलांग संस्थान एनआईएमएच, क्षेत्रीय केंद्र, C-44ए, सेक्टर - 40, गौतमबुद्ध नगर, नोएडा, यूपी (यह संस्थान 2015 में मौजूदा संस्थान है)	बी.एड विशेष शिक्षा (आईडी)	2 वर्ष	33
16	राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, वरुण मार्ग, डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली	बी.एड.	2 वर्ष	100
17	अटल बिहारी वाजपेयी इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज और डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल, बाबा खड़क सिंह मार्ग, गुरुद्वारा बंगला साहिब के पास, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 110001	एम.डी माइक्रोबायोलॉजी	3 वर्ष	10
		एम.डी पैथोलॉजी	3 वर्ष	7
		एम.डी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	31

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		एमडी सामान्य चिकित्सा	3 वर्ष	39
		एमडी बाल रोग	3 वर्ष	15
		एमडी त्वचाविज्ञान	3 वर्ष	5
		एमडी रेडियो डायग्नोसिस	3 वर्ष	15
		एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	10
		एमडी मनोचिकित्सा	3 वर्ष	7
		एमएस ईएनटी (कान, नाक और गला)	3 वर्ष	5
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	20
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	4
		एमएस आर्थोपेडिक्स	3 वर्ष	10
		एम.सीएच (बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	5
		एम.सीएच (पलास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम कार्डियोलॉजी)	3 वर्ष	5
		एसएसएमसी (डीएम नियोनेटोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (एम.सीएच सीटीवीएस)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम न्यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (डीएम नेफ्रोलॉजी)	3 वर्ष	4
		एस.एस.एम.सी (एम.सीएच न्यूरो-सर्जरी)	3 वर्ष	5
		एस.एस.एम.सी (एम.सीएच. यूरोलॉजी)	3 वर्ष	4
		नेत्र विज्ञान में डिप्लोमा	2 वर्ष	1
		एम.डी बायोकैमिस्ट्री	3 वर्ष	7
		एम.डी फिजिकल मेड. एवं पुनर्वास.	3 वर्ष	3
		डी.एम (कार्डियक एनेस्थीसिया)	3 वर्ष	2
		एम.बी.बी.एस	5) वर्ष	100

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
18	ईएसआई - पीजीआईएमएसआर, ईएसआई अस्पताल, बसैदरपुर, नई दिल्ली	एमडी एनेस्थीसिया	3 वर्ष	8
		एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	8
		एमडी (बाल रोग)	3 वर्ष	4
		एमडी (सामान्य चिकित्सा)	3 वर्ष	4
		एमएस आर्थोपेडिक्स	3 वर्ष	8
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	3
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	5
		डीएम (फुफ्फुसीय चिकित्सा)	3 वर्ष	2
		एमडी (त्वचाविज्ञान)	3 वर्ष	3
		एमडी (माइक्रोबायोलॉजी)	3 वर्ष	2
		एमडी (पैथोलॉजी)	3 वर्ष	3
19	वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज और सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली - 110026	एमडी सामान्य चिकित्सा	3 वर्ष	25
		एमडी बाल रोग	3 वर्ष	26
		एमडी रेडियो डायग्नोसिस	3 वर्ष	14
		एमडी फिजिकल मेड. एवं पुनर्वास.	3 वर्ष	6
		एमडी त्वचाविज्ञान	3 वर्ष	5
		एमडी एनेस्थिसियोलॉजी	3 वर्ष	61
		एमएस एनाटॉमी	3 वर्ष	8
		एमडी बायोकैमिस्ट्री	3 वर्ष	6
		एमडी कम्युनिटी मेड	3 वर्ष	9
		एमडी माइक्रोबायोलॉजी	3 वर्ष	10
		एमडी पैथोलॉजी	3 वर्ष	21
		एमडी फार्माकोलॉजी	3 वर्ष	5
		एमडी फिजियोलॉजी	3 वर्ष	7
		एमडी स्पोर्ट्स मेडिसिन	3 वर्ष	5
		एमडी (रेडियो थेरेपी)	3 वर्ष	5
		एमडी (मनोरोग)	3 वर्ष	5
		एमडी (फोरेंसिक मेडिसिन)	3 वर्ष	5
		एमएस जनरल सर्जरी	3 वर्ष	24
		एमएस ओटो-राइनो-लैरिंजोलॉजी (ईएनटी)	3 वर्ष	3
		एमएस आर्थोपेडिक्स	3 वर्ष	17

क्र.सं.	संस्थान का नाम	कार्यक्रम	अवधि	ए.एस. 2021-22 के लिए अंतिम प्रवेश
		एमएस नेत्र विज्ञान	3 वर्ष	5
		एमएस प्रसूति एवं स्त्री रोग	3 वर्ष	30
		एसएसएमसी (एम.सीएच. प्लास्टिक सर्जरी)	3 वर्ष	10
		एसएसएमसी (एम.सीएच. (सीटीवीएस)	3 वर्ष	5
		एसएसएमसी (डीएम फुफुसीय एंड क्रिटिकल केयर चिकित्सा)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (एम.सीएच यूरोलॉजी)	3 वर्ष	5
		एसएसएमसी (एम.सीएच न्यूरो-सर्जरी)	3 वर्ष	4
		एसएसएमसी (एम.सीएच बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	4
		डीएम (कार्डियोलॉजी)	3 वर्ष	8
		डीएम (नयूरोलॉजी)	3 वर्ष	3
		एमबीबीएस	5½ वर्ष	170
		बीपीओ	4½ वर्ष	16
		बीएससी (एमएलटी)	3 वर्ष	25
		बीएससी (एमआईटी)	3 वर्ष	12
20	स्कूल ऑफ नर्सिंग हिंदू राव अस्पताल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, हिंदू राव अस्पताल, मलका गंज के पास, दिल्ली- 110007	बी.एस.सी (ऑनर्स) (नर्सिंग)	4 वर्ष	20
21	नर्सिंग कॉलेज कस्तूरबा अस्पताल, उत्तरी दिल्ली नगर निगम, दरियागंज, नई दिल्ली 110002	बी.एस.सी. (ऑनर्स) नर्सिंग	4 वर्ष	20
22	राष्ट्रीय क्षय रोग एवं श्वसन रोग संस्थान, श्री अरबिंदो मार्ग नई दिल्ली 110030 (नया संस्थान)	एम.डी (श्वसन चिकित्सा)	3 वर्ष	20
23	इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ पैकेजिंग, प्लॉट नंबर 21, पटपड़गंज इंदल एस्टेट, दिल्ली 110092	एम.एस.सी (पैकेजिंग टेक्नोलॉजी)	2 वर्ष	60
24	चाचा नेहरू बाल चिकित्सालय, गीता कॉलोनी, दिल्ली 110031	एम.डी बाल रोग	3 वर्ष	4
		एम. कैमि (बाल चिकित्सा सर्जरी)	3 वर्ष	2

13. परीक्षा

किसी भी विश्वविद्यालय का परीक्षा प्रभाग विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके मुख्य कर्तव्यों में परीक्षा आयोजित करना और योग्य छात्रों को डिग्री प्रदान करना शामिल है। यह प्रभाग पेपर सेटिंग, मॉडरेशन, परीक्षाओं का शेडयूलिंग, परीक्षाओं के संचालन, परिणामों की घोषणा और छात्रों को डिग्री प्रदान करने से संबंधित है। परीक्षा प्रभाग यह सुनिश्चित करता है कि परीक्षाएं विश्वविद्यालय के अध्यादेशों और विनियमों के अनुसार आयोजित की जाएं।

सुचीः कामकाज के लिए और अधिकतम परिणाम प्राप्त करने के लिए, परीक्षा प्रभाग को चौदह शाखाओं/ वर्गों जैसे आचरण, परिणाम, ईडीपी, सर्वर, गोपनीयता, पीएचडी, एनएडी, मूल्यांकन, रिकॉर्ड, सीईटी, आरटीआई/कानूनी, समन्वय, खाता और स्टोर में विभाजित किया गया है।

परीक्षा प्रभाग कुलपति, रजिस्ट्रार, परीक्षा नियंत्रक (सीओई) और समर्पित कर्मचारियों की एक टीम की दूरदर्शी देखरेख में काम करता है।

1. पहली बार, विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2020-21 में एक सरकारी एजेंसी (एमआईएस एडसिल इंडिया लिमिटेड) के माध्यम से कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (सीईटी) के कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड का आयोजन किया है। 94 सीईटी और गैर-सीईटी के खिलाफ कुल 1,68,776 उम्मीदवार पंजीकृत थे
2. परीक्षा प्रभाग विभिन्न गतिविधियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया में है जिसमें भारत में आगे के अध्ययन/रोजगार के उद्देश्य से प्रतिलेखों, डुप्लिकेट मार्कशीट, डुप्लीकेट डिग्री और दस्तावेजों के सत्यापन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना और जारी करना शामिल है।
3. हाल के दिनों में, जब पूरी दुनिया कोविड-19 के खिलाफ लड़ रही थी, परीक्षा प्रभाग ने परीक्षाओं के समय पर संचालन के लिए विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए "ऑनलाइन प्रॉक्टर्ड परीक्षाएं" को अपनाया। छात्रों के पास घर पर या आवंटित परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा में उपस्थित होने का विकल्प था। परीक्षाएं संबंधित कार्यक्रम/यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज की आवश्यकता के अनुसार वस्तुनिष्ठ (एमसीक्यू) के साथ-साथ सब्जेक्टिव मोड में आयोजित की गई थीं। परीक्षा प्रभाग सामान्य रूप से परीक्षाओं के आयोजन के 45 दिनों के भीतर परिणाम घोषित करता है, यह अभ्यास कोविड -19 और लॉकडाउन परिस्थितियों के दौरान भी जारी रहा।
4. छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए, स्थापना के बाद पहली बार, परीक्षा प्रभाग ने छात्रों/कॉलेजों/संकायों को पंजीकरण चार्ट (आरसी), आंतरिक अंक जमा करने की सुविधा प्रदान करने के लिए "ऑनलाइन डिजिटलीकृत सेवाएं" भी लागू कीं और उक्त उद्देश्य के लिए छात्रों/कॉलेज प्रतिनिधियों की किसी भी भौतिक उपस्थिति से बचने के लिए ऑनलाइन प्रवेश पत्र भी जारी किए।
5. परीक्षा प्रभाग ने कोविड-19 जैसी महामारी के समय और लॉकडाउन के दौरान भी काम किया। छात्रों के हित में, परीक्षा प्रभाग ने प्रतिलेख, मार्कशीट, अनंतिम/मूल डिग्री जारी करने, डिग्री और मार्कशीट के सत्यापन और सत्यापन के लिए सार्वजनिक व्यवहार भी किया।
6. 13वें दीक्षांत समारोह (03.12.2019 को आयोजित) के बाद और 31 मार्च, 2021 तक, कुल उत्तीर्ण छात्र 27,711 थे, जिनमें से, 95 डॉक्टरेट की डिग्री थे, 24 एम.फिल डिग्री थे, 4,435 स्नातकोत्तर डिग्री थे और 23,157 स्नातक की डिग्री थे

14. प्रवेश शाखा

2021-2022 में नामांकित कुल छात्रों की संख्या

		लड़के					लड़कियाँ					
क्र.सं	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	कुल योग
1	बी.टेक	341	14	121	4489	4965	45	3	6	1129	1183	6148
2	एलई- बीटेक	47	4	3	502	556	5	1	1	77	84	640
3	बी.टेक बायो-टेक	0	0	0	11	11	2	0	0	30	32	43
4	बी. आर्क.	2	1	9	117	129	3	0	3	90	96	225
5	बी.कॉम. (ऑनर्स)	28	0	0	1007	1035	3	0	0	447	450	1485
6	बी.एड (विशेष शिक्षा)	2	0	2	14	18	1	1	5	123	130	148
7	बी. फार्मा	1	1	0	8	10	1	0	0	2	3	13
8	बी.एस.सी एमआईटी	1	0	2	6	9	2	0	1	11	14	23
9	बी.एस.सी एम.एल.टी	2	0	4	30	36	3	0	3	45	51	87
10	बी.एस.सी. नर्सिंग	0	0	0	0	0	0	0	0	199	199	199
11	बी.ए (इको)	0	0	0	109	109	0	0	0	160	160	269
12	बी.ए (अंग्रेजी)	1	0	0	42	43	5	0	0	105	110	153
13	बी डिजाइन	0	0	0	5	5	0	0	0	2	2	7
14	बी.एड	13	2	4	147	166	113	14	12	1547	1686	1852
15	बीएससी (योग)	0	0	0	15	15	0	0	0	5	5	20
16	बी.एस.सी एम.टी.आर	0	0	0	1	1	0	0	0	3	3	4
17	बी.ए एलएलबी /बी.बी.ए एल.एल.बी	82	6	14	1041	1143	51	4	9	910	974	2117
18	बी.ए.एम.एस	0	0	0	63	63	0	0	0	57	57	120
19	बीएएसएलपी	0	0	0	12	12	0	0	0	12	12	24
20	बी.बी.ए	198	5	0	4320	4523	63	3	0	1903	1969	6492
21	बी.सी.ए	98	9	1	1842	1950	20	0	0	440	460	2410
22	बी.डी.एस	0	0	0	17	17	0	0	0	44	44	61

		लड़के					लड़कियाँ					
क्र.सं	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	कुल योग
23	बी.एच.एमसीटी	0	0	0	78	78	0	0	0	27	27	105
24	बी.एच.एम.एस	0	0	0	25	25	0	0	0	38	38	63
25	बी.जे.एम.सी	27	0	0	632	659	26	1	0	745	772	1431
26	बी.ओ.टी	0	0	0	2	2	0	0	0	5	5	7
27	बी.पी.ओ	0	0	0	2	2	0	0	0	14	14	16
28	बी.पी.टी	1	0	0	26	27	2	0	0	75	77	104
29	एम.बी.बी.एस	9	4	17	343	373	5	3	9	165	182	555
30	बाल मार्गदर्शन एवं परामर्श में उन्नत डिप्लोमा	0	1	0	4	5	6	0	0	22	28	33
31	एल.एल.एम	7	1	0	35	43	7	0	0	50	57	100
32	एल.एल.एम (सप्ताहांत)	0	0	0	26	26	0	0	0	14	14	40
33	एम.आर्क	0	0	0	1	1	0	0	0	4	4	5
34	एम.एड.	0	0	0	2	2	7	0	0	41	48	50
35	एम.फिल (नैदानिक मनोविज्ञान)	0	0	0	1	1	0	0	0	11	11	12
36	एम. फिल (मनोरोग सामाजिक कार्य)	0	0	0	0		0	0	0	2	2	2
37	एम.प्लान	0	0	0	2	2	0	0	0	2	2	4
38	एम.एससी (बी एवं सी)	0	0	0	1	1	0	0	0	14	14	15
39	एम.एस.सी (ईएम)	1	0	0	2	3	1	0	0	20	21	24
40	एम.एस.सी (एनआरएम)	0	0	0	0		0	0	0	3	3	3
41	एम.एस.सी (योग)	0	0	0	7	7	0	0	0	11	11	19
42	एम.एस.सी (एम.सी एवं डी.डी)	0	0	0	5	5	0	0	0	12	12	17
43	एम.एस.सी पैकेजिंग	0	0	0	12	12	0	0	0	9	9	21
44	एमएससी नर्सिंग	0	0	0	0		0	0	0	1	1	1
45	एम.टेक	0	0	0	32	32	0	0	0	24	24	56

		लड़के					लड़कियाँ					
क्र.सं	कार्यक्रम	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	एससी	एसटी	ओबीसी	जनरल	कुल	कुल योग
46	एम.ए (इको)	1	0	0	14	15	0	0	0	21	21	36
47	एम.ए अंग्रेजी	0	0	0	6	6	3	0	0	52	55	61
48	एम.ए.एम.सी	1	0	0	22	23	2	1	0	35	38	60
49	एम.बी.ए	9	1	0	528	538	4	0	0	406	410	948
50	एम.बी.ए (आईटी)	0	0	0	2	2	0	0	0	0	0	2
51	एम.बी.ए (सप्ताहांत)	0	0	0	93	93	0	0	0	33	33	126
52	एम.सी.ए / एमसीए (एसई)	11	1	2	393	407	1	0	0	173	174	581
53	एम.डी (आफ)	0	0	0	13	13	0	0	0	23	23	36
54	एम.ओ.टी	0	0	0	1	1	0	0	0	7	7	8
55	एम.पी.ओ	0	0	0	5	5	0	0	0	2	2	7
56	एम.पी.टी	0	0	0	8	8	0	0	0	25	25	33
57	डेटा एनालिटिक्स में पीजीडी	0	0	0	19	19	0	0	0	10	10	29
58	इक्विटी रिसर्च में पीजीडी	0	0	0	4	4	0	0	0	2	2	6
59	उद्यमिता एवं स्टार्ट अप में पीजीडी	0	0	0	3	3	0	0	0	1	1	4
60	होटल एम.जी. एम.टी में पीजीडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0		0
61	पोस्ट बेसिक नर्सिंग	0	0	0	0	0	0	0	0	11	11	11
62	अग्नि एवं जीवन सुरक्षा में पीजीडी	0	0	0	38	38	0	0	0	2	2	40
63	मेडिकोज और पैरामेडिकोज के लिए योग थेरेपी में पीजीडी	0	0	0	0	0	0	0	0	3	3	3
64	आपदा प्रबंधन में पीजीडी	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0

15. वित्तीय स्वास्थ्य

(आंकड़े वार्षिक लेखा 2021-22 पर आधारित)

(क)	अनुदान	2021-22
क्र.सं.	**सामान**	
	से अनुदान प्राप्त हुआ	**राशि (रु.)**
1	(i) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	0
2	(ii) दूरस्थ शिक्षा परिषद	
3	(iii) अन्य केंद्र सरकार विभाग	
4	राज्य सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ	
5	स्थानीय निकायों से प्राप्त अनुदान	
6	दान	
	कुल (क)	0
(ख)	**आय**	**राशि (रु.)**
1	छात्रों से फीस	1,51,85,97,246
2	आवेदन पत्रों की बिक्री	20,00,28,400
3	छात्रों से अन्य शुल्क	8,33,41,030
4	अर्जित ब्याज	17,75,72,232
5	अन्य कमाई	10,66,18,499
6	पूर्व अवधि की आय	8,58,79,945
	कुल (क+ख)	**2,17,20,37,351**
(ग)	**व्यय**	
क्र.सं.	**सामान**	**राशि (रु.)**
(i)	**वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ**	1,28,37,09,215
(ii)	**भवन (निर्माण एवं रखरखाव)**	
1	भवन-गैर आवर्ती	10,40,83,878
2	रखरखाव - आवर्ती	9,10,79,790
(iii)	**पुस्तकालय एवं प्रयोगशाला**	
1	पुस्तकालय - गैर आवर्ती	3,34,41,097
2	लैब उपकरण - गैर आवर्ती	74,31,967
3	प्रयोगशाला - आवर्ती	81,36,013
(iv)	**अनुसंधान गतिविधियाँ/वजीफा (फेलोशिप)**	4,76,58,054
	कुल (ग)	1,57,55,40,014

(क)	अनुदान	2021-22
क्र.सं.	**सामान**	
(घ)	**अन्य व्यय**	
क्र.सं.	**सामान**	**राशि (रु.)**
1	आवर्ती व्यय	53,45,47,157
2	गैर-आवर्ती व्यय	4,90,76,788
3	पूर्व अवधि के व्यय	12,24,573
	कुल (घ)	58,48,48,518
(ड)	**छात्र कल्याण व्यय**	**राशि (रुपये)**
	छात्रवृत्ति एवं शुल्क माफी (शुल्क रियायत)	2,25,34,189
	छात्र कल्याण पर व्यय (डीएसडब्ल्यू)	33,34,954
	कुल (ड)	2,58,69,143
	कुल व्यय (ग+घ+ड)	2,18,62,57,675
क्र.सं.	**सामान**	
1	विश्वविद्यालय का वार्षिक बजट (आरई-2021-22)	2,20,38,66,000
2	बजटीय व्यय (वास्तविक व्यय)	2,18,62,57,675
3	विश्वविद्यालय को यूजीसी से प्राप्त अनुदान (परियोजनाओं के अलावा)	0
	क) अनुदान-यूजीसी (सामान्य विकास) सहायक योजना-बारहवीं योजना	0
	ख) प्रकाशन अनुदान-बारहवीं योजना-यूजीसी	0
4	एकत्रित राजस्व सृजन	2,17,20,37,351
5	कॉर्पस फंड	1,09,50,49,747

16. केन्द्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन एवं नियुक्ति कक्ष

कक्ष की स्थापना वर्ष 2012 में हुई थी। प्रो. बीवी रमना रेड्डी को कक्ष का अध्यक्ष और प्रो. एके सैनी को संयोजक नियुक्त किया गया था। विश्वविद्यालय विद्यापीठों और संबद्ध कॉलेजों में नियुक्ति समितियाँ हैं। सीसीजीपीसी को विश्वविद्यालय के विभिन्न विद्यापीठों के साथ उचित इंटरफेस रखने और सभी नियुक्ति गतिविधियों को एक छत के नीचे लाने (प्रत्येक विद्यापीठ से नियुक्ति प्रतिनिधि के साथ) और संबद्ध कॉलेजों को अपने सभी धाराओं के छात्रों के लिए दृश्यता और नियुक्ति रिकॉर्ड बढ़ाने में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया था। नियुक्ति किसी भी शैक्षणिक संस्थान के महत्वपूर्ण स्तंभों में से एक है।

कक्ष का मुख्य उद्देश्य नियुक्ति को बढ़ावा देना और सभी यूएसएस और सहयोगी कॉलेजों के लिए कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों के माध्यम से कौशल प्रदान करके अच्छी तरह से प्रशिक्षित समग्र जनशक्ति उत्पन्न करना है। सीसीजीपीसी ने विश्वविद्यालय में शीर्ष कंपनियों को लाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं और अप्रयुक्त प्रतिभा को चमकाने का हमारा प्रयास है और हम आवश्यक पाठ्यक्रमों से कॉर्पोरेट में गुणवत्तापूर्ण प्रवेशकों को प्रदान करने का प्रयास करते हैं।

1. दृष्टि

1. यूएसएस और जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के संबद्ध संस्थानों दोनों के लिए कैरियर मार्गदर्शन और नियुक्ति गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए,
2. अपने आप में अच्छे नेता और उद्यमी बनने के लिए गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति विकसित करना
3. वैश्विक नियुक्ति को बढ़ावा देते हुए और स्टार्ट-अप को प्रोत्साहित करते हुए उद्योग की आवश्यकताओं और छात्रों की आकांक्षाओं के बीच तालमेल लाना

2. उद्देश्य

1. सभी हितधारकों (यूएसएस/संबद्ध कालेजों/इंडस्ट्रीज/अन्य नियोक्ता) को शामिल करते हुए पूरे विश्वविद्यालय में नियुक्ति गतिविधियों का संचालन करना।
2. विश्वविद्यालय भर में नामांकित सभी छात्रों के लिए कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों का संचालन करना और एनसीटी दिल्ली के तहत सभी सरकारी संस्थानों के संकायों/परामर्शदाताओं के लिए गतिविधियों का संचालन करना।
3. सीसीजीपीसी के लिए विशेष रूप से एक वेबसाइट विकसित करना और नियुक्ति डेटा संकलित करने के लिए सॉफ्टवेयर विकसित करना.
4. मजबूत संबंधों को बढ़ावा देने, इंटर्नशिप और नियुक्ति गतिविधियों को विकसित करने के लिए उद्योग, विश्वविद्यालय और संबद्ध संस्थानों के बीच संपर्क करना।
5. नियुक्ति मेलों/कैरियर मार्गदर्शन व्यक्तित्व विकास कैरियर कॉन्क्लेव/एचआर मीट/कार्यशालाएँ एवं सम्मेलन का समन्वय एवं संचालन करना.
6. निदेशक प्लेसमेंट, संपर्क अधिकारी को शामिल करते हुए एक पूर्ण सीसीजीपीसी की स्थापना करना, ऑनलाइन परीक्षण और साक्षात्कार आयोजित करने के लिए पीपीटी/ऑनलाइन परीक्षण/साक्षात्कार/पैरामीट्रिक केंद्रों के संचालन के लिए क्षेत्रा का निर्माण करना।
7. जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय के तहत प्रत्येक संबद्ध कॉलेज में मजबूत प्रशिक्षण और नियुक्ति सेंटर की स्थापना को प्रोत्साहित करना।
8. उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को बढ़ावा देना और उन्हें प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए सहायता प्रदान करना।
9. संबंधित व्यापार के लिए उपयुक्त गुणवत्तापूर्ण जनशक्ति का विकास करना

3. गुणवत्ता नीति

1. कार्यस्थल पर चुनौतियों का सामना करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित समग्र जनशक्ति का विकास करना।
2. कैंपस नियुक्ति के दौरान शीर्ष पायदान के उद्योगों/कॉरपोरेट घराने में एक से अधिक नियुक्ति ऑफर पेश करना
3. उद्यमशीलता कौशल को निखारने के लिए, स्टार्ट-अप के माध्यम से इन्क्यूबेशन केंद्रों के नवाचार को बढ़ावा देना।

4. जीजीएसआईपीयू के पोर्टल पर अध्ययन कर रहे इच्छुक स्नातकों/स्नातकोत्तर/डॉक्टरेट उम्मीदवार के लिए मजबूत कैरियर मार्गदर्शन पहल और बेहतर वेतन पैकेज।

इस दृष्टिकोण के साथ विश्वविद्यालय अपने मिशन को पहले कभी न देखी गई गति से पूरा करने का प्रयास कर रहा है। वर्ष 2020 विश्वविद्यालय के लिए एक उल्लेखनीय वर्ष था और अपने दायित्व को पूरा करने के लिए कई कदम उठाए गए। एक केंद्रीकृत नियुक्ति कक्ष के निर्माण को बढ़ावा देना और विश्वविद्यालय के छात्रों के नियुक्ति को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की दिशा में काम करने के लिए एक ऊर्जावान, उत्साही और अत्यधिक प्रेरित टीम बनाने की नींव रखना।

4. जनशक्ति और बुनियादी ढाँचा

प्रो. उदयन घोष वर्तमान में सीसीजीपीसी के निदेशक हैं। डॉ. आशीष पायल सह निदेशक हैं और उन्हें सीसीजीपीसी में प्लेसमेंट अधिकारी की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इससे पहले सुश्री निशा सिंह ने प्लेसमेंट अधिकारी के रूप में (29.06.22 तक) काम किया था। सीसीजीपीसी में अधिकारी और कर्मचारी उद्योग कर्मियों के साथ बातचीत को बढ़ावा देने और अभिनव प्लेसमेंट विचारों और इसके संचालन के साथ सेल विकसित करने और प्लेसमेंट और कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियों का आयोजन करने के लिए काम कर रहे हैं।

प्लेसमेंट और इसकी गतिविधियों के लिए स्थायी स्थान निर्माणाधीन है। प्रस्तावित स्थायी क्षेत्ररू सीसीजीपीसी संचालन के लिए सभी सुविधाओं के साथ कुल 844 वर्गमीटर का स्थान और 3300 वर्गमीटर का अतिरिक्त स्थान चरण-2 विस्तार में सीसीजीपीसी के प्लेसमेंट और अन्य गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय की सामान्य सुविधा के रूप में साझा किया जाना है।

5. पिछले शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के दौरान आयोजित प्लेसमेंट गतिविधियाँ

1. केंद्रीकृत प्लेसमेंट सेल और उसके टीपीओ (यूएसएस और संबद्ध कोलाज) कोविड-19 महामारी के दौरान सक्रिय थे, उन्होंने कई प्लेसमेंट ड्राइव (ऑनलाइन) आयोजित किए और छात्रों के प्लेसमेंट के लिए उद्योग कर्मियों के साथ जुड़े रहे।
2. हालाँकि इस कोविड-19 परिदृश्य में नौकरी बाजार बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कई नियमित भर्तीकर्ता इस वर्ष कैंपस के माध्यम से भर्ती से पीछे हट रहे हैं, निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, सेल 2020, 2021 और 2022 बैच के उत्तीर्ण छात्रों को नौकरी देने में सक्षम था। विभिन्न प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक और सरकारी संगठनों में बैच।
3. महामारी के कारण, कंपनियों ने इस सत्र में परिसर का दौरा नहीं किया है और चयन प्रक्रिया को ऑनलाइन आयोजित किया है, जिससे छात्रों के लिए अपने स्थान से चयन प्रक्रिया के लिए उपस्थित होना सुविधाजनक हो गया है।
4. चूँकि ड्राइव केवल ऑनलाइन आयोजित की गई थी, सेल दिन में चयन के विभिन्न दौरों के साथ लगभग 4-5 प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित करने में सक्षम था।
5. सेल ने कंपनी "इन्फोसिस" के लिए दिल्ली राज्य के सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों के लिए एक राज्य स्तरीय अभियान भी आयोजित किया और जीजीएसआईपीयू, जेएनयू, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और आईजीडीटीयूडब्ल्यू के छात्रों को आमंत्रित किया।
6. सेल द्वारा साझा किए गए अवसर सभी यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के सभी छात्रों के लिए खुले थे और 2020 बैच और 2021 बैच के छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठित निजी, सार्वजनिक और सरकारी संगठनों में रखने में सक्षम थे। इससे छात्रों को अच्छी कंपनियों से अधिक संख्या में अवसर प्राप्त करने में मदद मिली, जो अन्यथा प्लेसमेंट के लिए अपने कॉलेजों में नहीं आते थे।
7. सेल ने न केवल इंजीनियरिंग छात्रों के प्लेसमेंट में योगदान दिया, बल्कि प्रबंधन, पत्रकारिता, वाणिज्य, मानविकी, शिक्षा, बीएएमएस, वास्तुकला, बायोटेक, पर्यावरण आदि पाठ्यक्रमों के स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों को अच्छी संख्या में अवसर भी प्रदान किए।
8. छात्रों को रुचि और क्षमता के अनुसार अधिक से अधिक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से सेल द्वारा उद्योग जगत के अगणी से लेकर स्टार्टअप तक सभी श्रेणियों की कंपनियों को आमंत्रित किया गया था। कुछ निजी संगठनों के नाम हैं: अमेजॅन, एडोब, हुआवेई, सैमसंग डिस्प्ले, रिलायंस रिटेल, एनटीटी डेटा, ब्रिटिश टेलीकॉम, इंफोसिस स्क्वायरयार्ड्स, टीसीएस, टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स, विनजो गेम्स, क्यू-इन-1, ओकीपॉकी, आदि।
9. विश्वविद्यालय ने छात्रों के डेटा को बनाए रखने और ऑन-कैंपस प्लेसमेंट के लिए बोर्डिंग कंपनियों के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के लिए विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र श्री अभिषेक खंडेलवाल द्वारा स्टार्ट-अप कंपनी एनसवी के साथ एक समझौता ज्ञापन किया। कंपनी का लक्ष्य आधुनिक तकनीक के उपयोग के माध्यम से कॉलेज भर्ती में क्रांतिकारी

बदलाव लाना है, जिससे स्टार्टअप और कंपनियों के नेटवर्क को छात्रों के करीब लाकर बेहतर प्लेसमेंट सुनिश्चित किया जा सके।

10. विश्वविद्यालय ने सीखने के परिणामों में सुधार, दक्षता में सुधार और संपूर्ण शिक्षा प्रणाली की प्रभावशीलता में सुधार के लिए अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे का उपयोग करने के लिए श्री भूपेश डहेरिया द्वारा स्टार्ट-अप कंपनी मुनि सीगल प्लेटफॉर्म के साथ एक समझौता ज्ञापन किया। मुनि सीगल प्लेटफॉर्म, एक क्लाउड-आधारित प्लेटफॉर्म है और प्रौद्योगिकी के माध्यम से कॉलेज की प्रशिक्षण और प्लेसमेंट गतिविधियों में निर्बाध सहायता की सुविधा के लिए केंद्रीकृत अल-संचालित इंटर्नशिप और कैंपस प्लेसमेंट प्रबंधन सूट और निजी जॉब बोर्ड प्रदान करता है।

यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज और संबद्ध कॉलेजों के लिए केंद्रीकृत कैरियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल द्वारा किए गए प्लेसमेंट की मुख्य विशेषताएं (यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों के प्लेसमेंट सेल द्वारा किए गए प्लेसमेंट के अलावा) -

- प्लेसमेंट ड्राइव की कुल संख्या - 300+
- नियोजित छात्रों की कुल संख्या - 2600+
- अधिकतम प्रस्तावित पैकेज (सीटीसी) - राशि 45 एलपीए
- औसत पैकेज की पेशकश (सीटीसी) - राशि 12 एलपीए
- इन अभियान के लिए छात्रों से प्राप्त पंजीकरण की कुल संख्या - 35229'
- इंटर्नशिप की पेशकश करने वाली कंपनियों की संख्या - 100+

*एकल छात्र ने मल्टीपल ड्राइव के लिए पंजीकरण कराया

III कैरियर मार्गदर्शन गतिविधियाँ

1) हमारे विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके करियर और उच्च शिक्षा के लिए तैयार करने के हमारे प्रयासों के एक हिस्से के रूप में, सेल ने विदेश में उच्च शिक्षा पर विशेष जोर देने के साथ छात्रों के लिए 10 वेबिनार/कैरियर परामर्श सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की है।

क्र.सं	दिनांक	विषय
प्रकरण 1	1 अप्रैल 2021	भारत में उच्च शिक्षा पर विशेष जोर देने के साथ जीजीएसआईपीयू के छात्रों के लिए कैरियर परामर्श सत्र
प्रकरण 2	3 अप्रैल 2021	कनाडा के लिए कैरियर परामर्श सत्र
प्रकरण 3	6 अप्रैल 2021	ऑस्ट्रेलिया के लिए कैरियर परामर्श सत्र
प्रकरण 4	8 अप्रैल 2021	यूएसए के लिए कैरियर परामर्श सत्र
प्रकरण 5	10 अप्रैल 2021	जर्मनी के लिए कैरियर परामर्श सत्र
प्रकरण 6	13 अप्रैल 2021	वीजा नियम
प्रकरण 7	15 अप्रैल 2021	एलओआर/एसओपी प्रारूप
प्रकरण 8	17 अप्रैल 2021	रसेल समूह के कॉलेजों में आवेदन कैसे करें
प्रकरण 9	20 अप्रैल 2021	आईवीवाई लीग कॉलेजों में आवेदन कैसे करें

2) सेल ने 17 से 5 दिनों की अवधि का "कैंपस-रेडी प्रोग्राम" आयोजित किया मई 2021।

3) 7 अप्रैल 2021 को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग कार्यशाला "गेम ऑफ ट्रेड्स" का आयोजन किया गया।

जीजीएसआईपीयू युवा छात्रों के मन में सही दृष्टिकोण पैदा करने और उन्हें सभी गुणों से सुसज्जित व्यक्तियों के रूप में विकसित करने में विश्वास रखता है ताकि वे जिस भी संस्थान/संगठन में शामिल हों, उनके लिए एक परिसंपत्ति बन जाए, जिसमें न केवल अपने जीवन में स्कल होने की बल्कि अपने जीवन में सफल होने की भी जन्मजात इच्छा हो। सभी संभावित क्षेत्रों में सामाजिक विकास में सार्थक योगदान दें।

***यूएसएस और संबद्ध कॉलेजों से अब तक एकत्र किए गए आंकड़ों के अनुसार, प्लेसमेंट अभी भी जारी है**

- माइक्रोसॉफ्ट ने हमारे विश्वविद्यालय के 4 छात्रों को 42 एल.पी.ए का पैकेज ऑफर किया
- एडोब ने 1 छात्र को 24 एलपीए का पैकेज ऑफर किया
- टीसीएस ने 834 इंजीनियरिंग छात्रों को नौकरी की पेशकश की है
- चेग इंडिया द्वारा 89 बी.टेक छात्रों का चयन किया गया है
- डीएक्ससी टेक्नोलॉजी द्वारा 400 बी.टेक/एम.टेक/एम.सी.ए छात्रों का चयन किया गया है
- क्यूस्पाइडर द्वारा 81 बीटेक छात्रों का चयन किया गया है
- एनटीटी डाटा कंपनी द्वारा 61 विद्यार्थियों का चयन किया गया
- हमारे विश्वविद्यालय के 41 छात्रों को अमेजन में नौकरी मिली है
- इंफोसिस द्वारा बीसीए के 40 छात्रों का चयन किया गया है।
- हमारे विश्वविद्यालय के 35 इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग छात्रों को सैमसंग डिस्प्ले में रखा गया
- रिलायंस रिटेल ने 34 मैकेनिकल इंजीनियरों की भर्ती की
- 22 इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरों को हुआवेई में नौकरी मिली
- 16 विद्यार्थियों का आईसीआईसीआई बैंक में चयन
- लगभग 80 छात्रों को वेदांतु, हाइक एजुकेशन, जारो एजुकेशन, लिडो लर्निंग, बायजूस, प्लैनेटस्पार्क आदि जैसी एडटेक कंपनियों में नौकरी मिली है।

17. विश्वविद्यालय का एनएसएस/एनसीसी कक्ष

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
1	विश्व विरासत दिवस - प्रतिष्ठित स्थलों को जानें (19 अप्रैल)	58	विश्व विरासत दिवस, 19 अप्रैल 2021 के ऐसे महत्वपूर्ण दिन पर, डीएमई एनएसएस सेल ने प्रतिष्ठित स्थलों पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया, जिसमें तीन राउंड आयोजित किए गए। क्विज राउंड 1: अपने प्रतिष्ठित स्थलों की पहचान करेंय राउंड 2: स्थानों पर जाना: प्रतिष्ठित स्थलों वाले राज्य और शहरय राउंड 3: भारत के स्थलों के बारे में सामान्य ज्ञान तथ्य।
2	"अपशिष्ट प्रबंधन सीखें: धरती माता को बचाए" (22 अप्रैल) (विश्व पृथ्वी दिवस)	92	22 अप्रैल, 2021 को डीएमई एनएसएस सेल के साथ पृथ्वी दिवस पर एक आभासी सत्र - "अपशिष्ट प्रबंधन सीखें: धरती माता को बचाएं" आयोजित किया गया था। व्याख्यान बहुत ज्ञानवर्धक था। रिसोर्स पर्सन ने कई शहरों की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा किया और दर्शकों को अपशिष्ट प्रबंधन तकनीकों के दृष्टिकोण को अपनाने के लिए प्रेरित किया।
3	कुछ हरा बनाएँ	30	जीआईबीएस में जीजीएसआईपीयू एनएसएस इकाई ने 22 अप्रैल 2021 को 'क्रिएट सम ग्रीन' अभियान शुरू किया। एनएसएस स्वयंसेवकों को अपने पर्यावरण को सक्रिय रूप से संरक्षित करने के लिए सशक्त बनाया गया। कैसे? बस बीज बोने से जो पौधे या पेड़ बन जाते हैं। महामारी के समय में यह आयोजन धरती माता के लिए एक योगदान था। अभियान को कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता के साथ जोड़ा गया था
4	डिजिटल क्लाइमेट स्ट्राइक (22 अप्रैल)	60	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (जीआईबीएस) ने डिजिटल क्लाइमेट स्ट्राइक का आयोजन किया, जहां पूरे संस्थान ने 22 अप्रैल 2021 को किसी भी डिजिटल उपकरण का उपयोग न करके पृथ्वी ग्रह को बचाने का संकल्प लिया। इस हड़ताल के तहत, छात्रों, शिक्षकों और उनसे जुड़े लोगों से इसका उपयोग न करने का आग्रह किया गया। लैपटॉप, कंप्यूटर, मोबाइल फोन और अन्य सभी गैजेट एक दिन के लिए। लगभग 100 छात्रों ने घरेलू चिन्हों के साथ अपनी तस्वीरें पोस्ट करके हड़ताल में सक्रिय रूप से भाग लिया। इन सभी छात्रों ने हैशटैग रुडिजिटल क्लाइमेट स्ट्राइकश्श का इस्तेमाल किया और प्रतिज्ञा लेने के लिए 10 दोस्तों को टैग किया। डिजिटल युवा जलवायु आंदोलन सफल रहा।
5	उम्मीद-ए वितरण अभियान (5 मई)	70	यह कार्यक्रम 5 मई 2021 को गरीबी से त्रस्त और वंचित लोगों को राशन और गर्म कपड़े उपलब्ध कराने पर केंद्रित था। जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल (जेआईएमएस) वसंत कुंज के स्वयंसेवकों ने गरीबों और वंचितों की मदद करने के प्रति अपनी सामाजिक जिम्मेदारी को पूरा करके अपना योगदान दिया। जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए भोजन और कपड़े।
6	योग द्वारा व्यक्तित्व विकास (8-15 मई 2021)	400	एनएसएस सीबीपीएसीएस ने जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल के सहयोग से छात्रों और संकाय सदस्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 8-15 मई 2021 को 7 दिवसीय कार्यक्रम की एक कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।
7	पीसीओडी पर वेबिनार (16 मई 2021)	150	यह आयोजन श्रीमती के साथ एनएसयूटी के सहयोग से था। 16 मई 2021 को आचार्य स्वाति झा। उन्होंने सकारात्मक माहौल पैदा करते हुए ओम के जाप से शुरुआत की। उन्होंने बताया कि कैसे इस आधुनिक समय में महिलाएं विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रही हैं और कैसे पीसीओडी एक आम समस्या बन गई है। योग में उनकी विशेषज्ञता ने प्रत्येक उपस्थित व्यक्ति को प्रबुद्ध किया और सलाह दी कि योग महिलाओं को ऐसे स्वास्थ्य मुद्दों से उबरने में कैसे मदद कर सकता है और योग और पीसीओडी के बारे में संदेह और मिथक को दूर किया। लगभग 150 से अधिक उपस्थित लोगों के साथ सत्र बहुत सफल रहा।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
8	बुनियादी वित्तीय अवधारणाओं पर वेबिनार (23 मई 2021)	190	इस ऑनलाइन सत्र में छात्रों को बीमा, बैंकिंग, बचत और निवेश, म्यूचुअल फंड और बांड जैसी बुनियादी वित्तीय अवधारणाएं सिखाई गईं। इस कार्यक्रम ने छात्रों को स्टॉक मार्केट से परिचित कराया। छात्रों को अर्जित धन का प्रबंधन, बचत और निवेश करने के बारे में सभी आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। पैनल के विभिन्न वक्ताओं द्वारा टैक्स भरने या प्राप्त करने और शिक्षा ऋण के बारे में उचित शिक्षा दी गई। लघु प्रश्नोत्तरी और प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किए गए। कार्यक्रम के बाद एक परीक्षण का भी आयोजन किया गया। 190 से अधिक उपस्थित लोगों के साथ यह आयोजन सफल रहा। कार्यक्रम के बाद विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए।
9	योग कार्यशाला (30 मई 2021)	150	एनएसएस सीबीपीसीएस ने एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू के सहयोग से एक वर्चुअल योग सत्र का आयोजन किया। यह एक जानकारीपूर्ण सत्र था और आयुष मंत्रलय द्वारा जारी सामान्य योग प्रोटोकॉल पर आधारित था।
10	एनएसएस वर्चुअल कैंप - स्वयं का प्रबंधन: मंत्र समग्र जीवन	400	महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट के एनएसएस और महाराजा सूरजमल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू के सहयोग से आत्म विकास पर 10 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें "स्वयं का प्रबंधन: समग्र जीवन का मंत्र" पर जोर दिया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने सच्चे स्व की खोज करने, आत्म-उपचार को जानने, समग्र रूप से बढ़ने, लोकतांत्रिक जीवन का सार रखने और नि:स्वार्थ सेवा की आवश्यकता को बनाए रखने, एनएसएस और जीवन के वास्तविक आदर्श वाक्य को समझने में मदद करना था - नहीं मैं लेकिन तुम.
11	मातृत्व - श्रद्धांजलि माँ	89	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) के स्वयंसेवकों ने मदर्स डे पर अपनी माताओं की मदद के लिए स्वयं को उपलब्ध कराया और श्रमदान किया।
12	प्रकृति एवं कोविड-19 (स्वस्थ भारत योजना) के अंतर्गत	122	जीजीएसआईपी यूनिवर्सिटी एनएसएस (एफआईएमटी) ने प्रकृति और कोविड 19 पर वर्चुअल जागरूकता सत्र का आयोजन किया। इस कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति पीपल बाबा थे।
13	अनाथालय विजिट डोनेशन ड्राइव	19	एनएसएस एफआईएमटी ने होली पर वंचित बच्चों को खुश करने के लिए दान अभियान चलाने के लिए बाल सेवा संस्थान का दौरा किया
14	होली महोत्सव रंग वितरण अभियान	114	एनएसएस एफआईएमटी ने समाज के वंचित वर्ग के लिए एएआरयूडीआईटी फाउंडेशन द्वारा होली पर वितरण अभियान चलाया
15	विश्व अस्थमा दिवस (05 मई)	122	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) ने विश्व अस्थमा दिवस 2021 पर गतिविधि सत्र का आयोजन किया जो जानकारी फैलाने और इस अनुभव को आसान बनाने के लिए समर्पित है। हम 5 मई को एक साथ आए और अपने परिवेश को स्वच्छ बनाने और लोगों को ताजी और स्वस्थ हवा में सांस लेने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाया।
16	घर से योग	124	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) ने कोविड 19 के दौरान लोगों को स्वस्थ रखने के लिए वर्चुअल योग सत्र का आयोजन किया।
17	रेड डॉट चौलेंज	112	मासिक धर्म के बारे में मिथकों को दूर करने के लिए एनएसएस एफआईएमटी ने रेड डॉट चौलेंज का आयोजन किया। यह आयोजन बहुत ही जानकारीपूर्ण और अत्यधिक प्रशंसनीय था।
18	"हर एक एक को खिलाता है"	350	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल की एनएसएस इकाई ने जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने के लिए "ईच वन फीड वन" भोजन दान अभियान का आयोजन किया। इसके लिए दानदाताओं को हैप्पीनेस किट दान करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए महीने भर प्रयास किए गए। छात्रों ने कॉलेज का दौरा किया, किटों की पैकिंग, लेबलिंग और वितरण के लिए सुरक्षा और स्वच्छता मानदंडों का पालन किया। वे कचरा बीनने वालों, दैनिक वेतन भोगियों, सड़कों पर रहने वाले गरीब बेघर लोगों,

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			मेट्रो पुलों के नीचे रहने वाले परिवारों और कई अन्य लोगों तक पहुंचे। एक सप्ताह के भीतर 300 से अधिक हैप्पीनेस किट वितरित किये गये। यह कार्यक्रम गरीबों के चेहरे पर मुस्कान लाने के सबसे महान कार्य "एन डैन" पर केंद्रित था। भोजन वितरण के समग्र अविस्मरणीय अनुभव के लिए मुद्रा क्लब के छात्रों ने भी अपने प्रदर्शन के माध्यम से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाकर अपना योगदान दिया।
19	"अनिश्चितताओं के तनाव पर काबू पाने" पर वेबिनार।	70	जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल के सहयोग से जीआईबीएस ने "अनिश्चितताओं के तनाव पर काबू पाने" पर एक वेबिनार आयोजित किया। संस्थान अपने छात्रों के समग्र सामाजिक और औद्योगिक कौशल विकसित करने के लिए कई वेबिनार आयोजित करता है। इस बार हमारा संस्थान इन लक्ष्यों से आगे बढ़ गया और महामारी के दौरान अनिश्चितताओं के कारण होने वाले तनाव से निपटने के लिए दोषपूर्ण सदस्यों, छात्रों और उनके संबंधित परिवारों की मदद करने की पहल की। ओम शांति रिट्रीट सेंटर, गुरुग्राम की सिस्टर दिव्या द्वारा विषय को अच्छी तरह से प्रस्तुत और समझाया गया और खूब सराहा गया। सत्र के दौरान, यह बताया गया कि हमारे आसपास की परिस्थितियाँ और लोग हमारी मानसिक शांति को कैसे प्रभावित करते हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम आंतरिक रूप से केंद्रित और शांत रहें तो हम जीवन में किसी भी चुनौती और अनिश्चितता का सामना कर सकते हैं। http://life.it
20	प्रकाश दिवस (1 मई 2021)	100	एनएसएस बीपीआईटी एनएसएस/जीजीएसआईपीयू के सहयोग से। 350वां प्रकाश पर्व (प्रकाश उत्सव भी) या 10वें सिख गुरु, आध्यात्मिक गुरु, योद्धा, कवि और दार्शनिक गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती जनवरी 2017 में पटना में मनाई गई। इस अवसर पर पटना में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए जो उनके इतिहास में एक भव्य उत्सव था।
21	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (सवस्थ भारत) (21 जून 2021)	75	टिप्स एनएसएस समिति ने संस्थान के सभी छात्रों के लिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल के तत्वावधान में 21 जून 2021 को चक्र प्रवाह पर योग शुरुआती गाइड पर एक वेबिनार का आयोजन किया।
22	परवाह	90	एनएसएस- सेल जीजीएसआईपीयू (जिम्स वसंत कुंज) ने एक खाली कटोरा शुरू किया, और फिर इसे प्रोजेक्ट पारवाह नाम से फिर से व्यवस्थित करने के बारे में सोचा। इस बार का आयोजन बेहद सफल रहा और इसमें 90 से अधिक स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। यह आयोजन 45 दिनों तक चला और स्वयंसेवकों द्वारा सड़क पर रहने वाले जानवरों को दिन में दो बार खाना खिलाया गया।
23	प्रकृति	65	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (जेआईएमएस वसंत कुंज) ने ग्रीन इंडिया मिशन की योजना को बढ़ावा देने के लिए प्रोजेक्ट प्रकृति नामक एक ऑनलाइन वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया था। 3 सप्ताह लंबे इस प्रोजेक्ट की योजना छात्रों में जिम्मेदारी की भावना पैदा करने और साथ ही प्रकृति में योगदान देने के लिए बनाई गई थी। प्रोजेक्ट प्रकृति के दौरान यूएसएस और जेआईएमएस दोनों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने शपथ ली।
24	योगभ्यास (स्वस्थ भारत)	250	21 जून 2021 को, 7वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस एनएसएस सेल, बीपीआईटी द्वारा आयोजित एक ऑनलाइन कार्यक्रम ष्योगाभ्यासष के माध्यम से मनाया गया। दिन की वक्ता डॉ. पूनम कथूरिया थीं, जो 1996 से बीवाईएस की सदस्य हैं। उन्होंने हमारे शरीर और दिमाग पर योग के प्रभावों के बारे में बात की। उन्होंने बीवाईएस के अपने साथी प्रदर्शनकारियों के साथ कुछ योग मुद्राएं प्रदर्शित कीं, जिन्हें उपस्थित छात्रों ने भी प्रदर्शित किया। प्रदर्शन के बाद प्रश्नोत्तरी सत्र हुआ और डॉ. अरुणिमा कुमारी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।
25	विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून)	150	भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की एनएसएस जीजीएसआईपीयू इकाई ने हर साल 5 जून को मनाए जाने वाले वार्षिक कार्यक्रम विश्व पर्यावरण दिवस

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			(उब्ल्यूईडी) को मनाने की पहल की। जिसका उद्देश्य प्रकृति से संबंधित मुद्दों के बारे में जानकारी और जागरूकता बढ़ाना है।
26	कोविड को हराएं अभियान (सवस्थ भारत)	100	एनएसएस/जीजीएसआईपीयू के सहयोग से आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन ने 6-28 जून तक महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद, हैदराबाद द्वारा शुरू किए गए बीट सीओवीआईडी अभियान के हिस्से के रूप में एआईई सीओवीआईडी टास्क फोर्स की टीम का हिस्सा बनकर अपनी बहुमूल्य सेवाएं प्रदान कीं। 2021
27	आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से शारीरिक कल्याण पर जागरूकता कार्यक्रम (स्वस्थ भारत)	111	एनएसएस एआईई ने 15-21 जून 2021 तक लंबे सप्ताह के उत्सव के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से शारीरिक कल्याण पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम को "स्वास्थ्य और कल्याण की खुशी" की थीम पर उल्लास-2021 कहा गया।
28	योग और आयुर्वेद की शक्ति (अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 21 जून 2021)	70	दिल्ली मेट्रोपॉलिटन एजुकेशन में जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 19 जून 2021 को दोपहर 12:00 बजे आयुर्वेद और योग की शक्ति पर एक आभासी सत्र का आयोजन किया। सत्र के मुख्य वक्ता आयुर्वेद और चिकित्सा विशेषज्ञ डॉ. मुरुगन पिल्लई थे। यह आंखें खोलने वाला सत्र था क्योंकि डॉ. पिल्लई ने इस तथ्य को दोहराया कि हर इलाज हमारे शरीर के भीतर ही है। उन्होंने युवा दर्शकों को आयुर्वेद में त्रिदोष से अवगत करायाय वात, पित्त और कफ, और कैसे हमारी दिन-प्रतिदिन की गतिविधियाँ हमारे शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणालियों में असंतुलन पैदा करती हैं। सत्र से छात्रों और शिक्षकों को लाभ हुआ और यहां तक कि कई लोगों ने विभिन्न बीमारियों के बारे में अपने प्रश्न भी पूछे।
29	प्रकृति को काव्यात्मक श्रद्धांजलि (4 जून 2021) (विश्व पर्यावरण दिवस)	69	विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर धरती माता के प्रति आभार और श्रद्धा व्यक्त करने के लिए डीएमई एनएसएस सेल द्वारा 4 जून 2021 को एक आभासी कार्यक्रम 'प्रकृति को काव्यात्मक श्रद्धांजलि' आयोजित किया गया था। पर्यावरण की रक्षा करने और इसके संरक्षण और पोषण में योगदान देने के लिए हर संभव उपाय करने के लिए जागरूकता बढ़ाई गई। छात्रों और शिक्षकों ने समुदाय को प्राकृतिक सुंदरता की सराहना करने और इसे संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रकृति की अपनी चुनी हुई कविताएँ साझा कीं। साथ ही इस बात पर भी खुली चर्चा हुई कि हम सामूहिक रूप से प्रकृति के संरक्षण और पोषण में कैसे योगदान दे सकते हैं
30	पोस्टर बनाना: बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस	54	12 जून 2021 को डीएमई ने पोस्टर मेकिंग के माध्यम से बाल श्रम के खिलाफ विश्व दिवस मनाया। दुनिया बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती है और बच्चों का भविष्य शिक्षा के इर्द-गिर्द घूमता है। एक पोस्टर मेकिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 54 छात्रों ने भाग लिया। सभी ने विभिन्न प्रकार के पोस्टर बनाकर अपने विचार प्रस्तुत किये। कुछ हस्तनिर्मित थे और कुछ डिजिटल रूप से बनाए गए थे।
31	सड़क किनारे परित्यक्त जानवरों की देखभाल गाड़ी चलाना	32	सड़क किनारे जानवर- कोविड-19 महामारी जानवरों सहित सभी के जीवन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रही है। केसीसीआईएलएचई के छात्रों ने शोध किया था कि कई क्षेत्रों में सड़क किनारे जानवरों को भोजन नहीं मिल पा रहा है। कोविड-19 के डर से लोग जानवरों से भी दूरी बना रहे हैं और इसीलिए उन्हें खाना नहीं खिला रहे हैं. इसके बाद, नीचे उल्लिखित छात्रों ने 30 जून 2021 को हर वैकल्पिक दिन सड़क किनारे जानवरों को खाना खिलाने की शपथ ली।
32	कैंसर में अधूरी नैदानिक आवश्यकताओं को संबोधित करने के लिए नवीन स्क्रीनिंग	50	एनएसएस (यूनिट-डी) सेल, जीजीएसआईपीयू द्वारा 26 जून 2021 को कैंसर में अपरिहार्य नैदानिक आवश्यकताओं (सवास्थ्य जागरूकता पहल) को संबोधित करने के लिए नवीन स्क्रीनिंग तकनीकों और उपचारों पर वेबिनार का आयोजन किया गया था। वेबिनार का आयोजन गेटवेल कंपनी के सहयोग से किया गया था। एम्स के मेडिकल ऑनकोलॉजी में डीएम डॉ. विराज नेवरेकर कार्यक्रम के मुख्य वक्ता थे।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
	तकनीकों और उपचारों पर वेबिनार (सवास्थ्य जागरूकता पहल) (26 जून 2021)	50	उन्होंने मेडिकल ऑनकोलॉजी के बारे में विभिन्न जागरूकता आधारित जानकारी पर चर्चा की कि इस बीमारी से निपटने के लिए आवश्यक निवारक उपाय, उपचार क्या हैं। यह एक इंटरैक्टिव सत्र था जहां वक्ता से कैंसर से संबंधित नैदानिक मुद्दों के संबंध में नवीन स्क्रीनिंग तकनीकों की प्रकृति, प्रभाव और उद्देश्य के बारे में विभिन्न प्रश्न पूछे गए। इस कार्यक्रम में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।
33	उचित कोविड व्यवहार और स्वास्थ्य साक्षरता से संबंधित अन्य मुद्दों पर वेबिनार (27 जून 2021)	80	एनएसएस (यूनिट-डी) सेल, जीजीएसआईपीयू ने 27 जून 2021 को "उपयुक्त कोविड व्यवहार और स्वास्थ्य साक्षरता से संबंधित अन्य मुद्दे" पर एक वेबिनार का आयोजन किया। यह कार्यक्रम प्राइड ऑफ इंडिया, विज्ञान ज्योति और बायोस्पेक्ट्रम के सहयोग से आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में निम्नलिखित चार प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। 1. डॉ. ईश्वर गिलाडा - संक्रामक रोग सलाहकार, माननीय। सचिव, पीपुल्स हेल्थ ऑर्गनाइजेशन-इंडिया (पीएचओ), अध्यक्ष, एड्स सोसायटी ऑफ इंडिया (एएसआई), गवर्निंग काउंसिल सदस्य, इंटरनेशनल एड्स सोसायटी (आईएएस), महासचिव, ऑर्गनाइज्ड मेडिसिन एकेडमिक गिल्ड-ओएमएजी 2. डॉ. अनुप आर वारियर - सलाहकार, संक्रामक रोग और अस्पताल संक्रमण नियंत्रण विभाग 3. डॉ. पंकज आनंद - फोर्टिस एस्कॉर्ट्स अस्पताल, जयपुर में वरिष्ठ सलाहकार क्रिटिकल केयर और आईसीयू 4. डॉ. आलोक रॉय - अध्यक्ष, फिक्की स्वास्थ्य सेवा समिति और अध्यक्ष, मेडिकल ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स। वेबिनार में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के छात्रों, संकाय सदस्यों और अनुसंधान विद्वानों सहित 250 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। वेबिनार में उचित कोविड व्यवहार के महत्व, मास्क के उपयोग की आवश्यकता और सामाजिक दूरी पर चर्चा की गई। वेबिनार में स्वास्थ्य प्रशासन, मानव शरीर की प्रतिरक्षा, सामान्य रूप से नीम-हकीम के खिलाफ सावधानी के हित में सार्वजनिक स्वास्थ्य साक्षरता की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।
34	आभासी योग सत्र	198	एनएसएस, फ्आईएमटी ने एनएसएस/जीजीएसआईपीयू के सहयोग से 21 जून 2021 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर वर्चुअल योग सत्र का आयोजन किया। इस गतिविधि के दौरान जीजीएसआईपीयू और संबद्ध कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने वर्चुअल योग सत्र में भाग लिया। योग शिक्षक डॉ. विपिन कुमार ने लाइव प्रदर्शन के साथ विभिन्न उन्नत योग आसन सिखाये।
35	राहत - पांच दिवसीय कल्याण अभियान	932	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल ने 21-25 जून 2021 तक एनएसएस इकाई के तहत "राहत" - एक पांच दिवसीय ऑनलाइन कल्याण अभियान का आयोजन किया। सीओवीआईडी -19 के अभूतपूर्व विश्व संकट के इस समय के दौरान, राहत का उद्देश्य यह पता लगाना था कि वैकल्पिक व्यायाम और फिटनेस गतिविधियाँ कैसे हो सकती हैं भावनात्मक, मनोवैज्ञानिक मुद्दों, आहार संबंधी मुद्दों और शारीरिक स्वास्थ्य परिणामों का सामना करने पर इसे घर पर ही किया जाना चाहिए। यह कार्यक्रम महामारी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करने के लिए प्रभावी मुकाबला रणनीतियों, मनोवैज्ञानिक संसाधनों, आहार योजनाओं और नियमित शारीरिक व्यायाम पर केंद्रित है। योग आसनों का संचालन भारतीय योग एसोसिएशन (यूपी चौप्टर) के उपाध्यक्ष और सह योग अनुभूति, नई दिल्ली के अध्यक्ष और निदेशक श्री अबोध श्रीवास्तव द्वारा किया गया। तीसरा दिन कोविड-19 और फ्लू तथा सामान्य सर्दी के लक्षणों के बीच अंतर करने और कोविड का शीघ्र पता लगाने पर केंद्रित था। डॉ. मैथ्यू वर्गीस, पूर्व निदेशक और वर्तमान में विभागाध्यक्ष (ऑर्थोपेडिक्स), सेंट स्टीफंस अस्पताल, दिल्ली प्रवक्ता थे। चौथा दिन महामारी के दौरान आहार योजनाओं और स्वस्थ भोजन और पोषण के रुझान पर था। चूंकि इष्टतम पोषण और आहार पोषक तत्वों का सेवन प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है,

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			वर्तमान संदर्भ में जीवित रहने का एकमात्र स्थायी तरीका प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करना है। इस सत्र का संचालन सेंटर फॉर डाइटरी काउंसलिंग, दिल्ली की प्रसिद्ध क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट सुश्री इशी खोसला द्वारा किया गया था। पांचवां दिन उस दिन के सम्मानित अतिथि योग गुरु डॉ. एचआर नागेंद्र, चांसलर - स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान, बैंगलोर और अध्यक्ष, भारतीय योग एसोसिएशन के सम्मान में विनम्र था। गुरुजी के समापन भाषण के बाद पिछले 36 वर्षों से लाइफस्टाइल सलाहकार अचल श्री भारती द्वारा लाइफस्टाइल परिवर्तन सत्र का आयोजन किया गया। राहत अभियान को जीआईबीएस संकाय, स्टाफ सदस्यों, छात्रों और बाहरी उपस्थित लोगों द्वारा खूब सराहा गया। सभी 5 दिनों में कुल मिलाकर, 932 उपस्थित लोगों ने सत्र में भाग लिया।
36	आभासी वृक्षारोपण एवं ध्यान सत्र	112	एनएसएस एफआईएमटी ने कोविड के दौरान लोगों को शांत और स्वस्थ रखने के लिए 19 सप्ताह के खिलाफ लड़ाई के तहत एक आभासी वृक्षारोपण और ध्यान सत्र का आयोजन किया।
37	पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	140	एफआईएमटी एनएसएस ने लोगों की जागरूकता के लिए कोविड 19 सप्ताह के खिलाफ लड़ाई पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया।
38	विश्व जनसंख्या दिवस (जागरूक भारत)	20	एनएसएस यूनिट भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी ने 11 जुलाई 2021 को विश्व जनसंख्या दिवस मनाने की पहल की। विश्व जनसंख्या दिवस (उब्ल्यूपीडी) एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह कार्यक्रम 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) की गवर्निंग काउंसिल द्वारा स्थापित किया गया था। जनसंख्या स्थिरीकरण की आवश्यकता तेजी से अपरिहार्य हो गई है क्योंकि स्थायी सीमा से परे जनसंख्या गरीबी, बाल श्रम, स्कूल छोड़ने, कुपोषण, शिशु मृत्यु दर और रुग्णता, मातृ मृत्यु दर और रुग्णता, मलिन बस्तियों का प्रसार और कई संचारी रोग, इसके अलावा संसाधन, पर्यावरण और जनसंख्या के बीच एक खतरनाक असंतुलन पैदा कर रहे हैं। दो कार्यक्रम आयोजित किए गए: पोस्टर डिजाइन प्रतियोगिता और नारा लेखन प्रतियोगिता
39	आवारा जानवरों को खाना खिलाएं	10	एनडीआईएम के एनएसएस और सीएसआर सेल ने आवारा जानवरों को खाना खिलाने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। यह संवेदीकरण कार्यक्रम यह जागरूकता लाने के लिए आयोजित किया गया था कि सभी जानवरों का समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए।
40	मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान (सवस्थ भारत)	8	मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान। एनएसएस इकाई के तहत केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन के छात्रों ने रविवार 18 जुलाई 2021 को दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास मासिक धर्म स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाया। छात्रों ने सैनिटरी नैपकिन वितरित किए और श्रमिक श्रमिकों के बीच स्वच्छता की प्रासंगिकता भी बताई।
41	अनाथालय का दौरा	8	अनाथालय दौरे के दौरान, एनएसएस इकाई के तहत केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन के छात्र रविवार 18 जुलाई 2021 को दिल्ली के कश्मीरी गेट के पास किलकारी रेनबो होम गए। छात्र कपड़े, किताबें, अन्य स्टेशनरी सामान, खिलौने, खाद्य पदार्थ लेकर गए। आदि जब विद्यार्थी अनाथालय के बच्चों से मिले और उनके साथ कुछ समय बिताया तो उनकी जरूरतों और समस्याओं को समझा।
42	#फीलब्यूटीफुल" सप्ताह, शारीरिक सकारात्मकता अभियान	20	गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल ने 16-23 जुलाई 2021 तक एनएसएस यूनिट के तहत 8 दिवसीय ऑनलाइन बॉडी पॉजिटिविटी अभियान "#फीलब्यूटीफुल" सप्ताह का आयोजन किया। बॉडी पॉजिटिविटी एक आंदोलन है जो शरीर के लिए प्रशंसा, सम्मान और स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और उसके लिए वे जो कार्य

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			और गतिविधियां करते हैं। अधिक विशेष रूप से, शरीर की सकारात्मकता में किसी के शरीर के अनूठे पहलुओं की सराहना करना, शरीर द्वारा किए जा सकने वाले कार्यों के लिए आभार, शरीर के हिस्सों और विशेषताओं के लिए प्रशंसा, भले ही वे सामाजिक आदर्शों से भिन्न हों, किसी के शरीर के भीतर आराम और आत्मविश्वास शामिल है, बल्कि सकारात्मकता पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है। कथित खामियों या खामियों की तुलना में और निकायों के बारे में नकारात्मक छवियों या जानकारी की अस्वीकृति। "#फीलब्यूटीफुल सप्ताह" का उद्देश्य लोगों को यह समझने में मदद करना था कि लोकप्रिय मीडिया संदेश लोगों के उनके शरीर के साथ संबंधों में कैसे योगदान करते हैं। ऐसे प्रभावों को समझकर, लोग अपने शरीर के साथ एक स्वस्थ और अधिक यथार्थवादी संबंध विकसित कर सकते हैं। एक सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम में छात्रों ने अपने शरीर के प्रति प्रेम से संबंधित उद्धरणों के साथ अपनी तस्वीरें साझा करके उत्साहपूर्वक भाग लिया।
43	कैंसर जागरूकता पर वेबिनार (सवस्थ भारत)	105	वेबिनार का आयोजन 8 अगस्त 2021 को संजीवनी एनजीओ लाइफ बियॉन्ड कैंसर और सीबीपीएसीएस द्वारा किया गया था। कैंसर जागरूकता के लिए इस वेबिनार में 100 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।
44	व्यक्तित्व विकास पर वेबिनार (श्रेष्ठ भारत)	100	एनएसयूटी और सीबीपीएसीएस ने 8 अक्टूबर 2021 को एनएसएस@जीजीएसआईपीयू के सहयोग से इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अपने सच्चे स्व की खोज करने, आत्म-उपचार को जानने, समग्र रूप से बढ़ने, लोकतांत्रिक जीवन का सार रखने और निस्वार्थ सेवा की आवश्यकता को बनाए रखने में मदद करना था। , एनएसएस और जीवन के सच्चे आदर्श वाक्य को समझना - मैं नहीं बल्कि तुम। वक्ता ने आत्म-स्वीकृति, पर्यावरणीय निपुणता, सकारात्मक संबंधों पर वास्तविक जीवन के उदाहरणों के साथ व्याख्या की और उन्हें विभिन्न प्रकार की मनोवैज्ञानिक बीमारियों, उनके लक्षणों, गंभीरता और उपचार के बारे में शिक्षित करके सत्र का समापन किया।
45	स्वच्छता अभियान	50	प्रकृति एमएसआईटी के सहयोग से एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एमएसआईटी), ने स्वच्छता पखवाड़ा मिशन के तहत एक स्वच्छता अभियान चलाया, जो 1-15 अगस्त 2021 तक कॉलेज परिसर के अंदर और 11 अगस्त को बाहर मनाया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों में स्वच्छता और इसके लाभों के बारे में जागरूकता पैदा करना और पर्यावरण स्वच्छता की दिशा में आगे बढ़ना था। स्वयंसेवक न केवल कूड़ा उठाने के लिए, बल्कि जगह को साफ करने के लिए डिस्पोजेबल बैग और झाड़ू लाए। स्वयंसेवकों ने नारे लिखे बोर्ड व बैनर के माध्यम से स्वच्छता की भावना जगायी।
46	स्वच्छ भारत पखवाड़ा	30	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू एनडीआईएम सीजीआई, सीएसआर और एनएसएस सेल ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर का जश्न मनाने के लिए 14 अगस्त 2021 को स्वच्छ भारत पखवाड़ा का आयोजन किया। दो रोमांचक कार्यक्रम आयोजित किए गए: शायरी प्रतियोगिता का विषय "स्वच्छता" था और वृक्षारोपण अभियान के लिए हमने कॉलेज परिसर में पौधे लगाए।
47	वृक्षारोपण अभियान	23	14 अगस्त 2021 को एनएसएस@जीजीएसआईपीयू के सहयोग से एनडीआईएम के सीजीआई और सीएसआर सेल के सहयोग से। इस आयोजन का उद्देश्य छात्रों को केवल पढ़ाई के अलावा सीखने के अवसर प्रदान करना और उन्हें अपनी सोच, और रचनात्मकता कौशल को बढ़ाने देना था।
48	आजादी दिवस प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (15 अगस्त 2021)	85	स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर डीएमई एनएसएस सेल ने इसे प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता "आजादी दिवस" के रूप में मनाया। यह क्विज प्रतियोगिता स्कूली छात्रों (कक्षा 9, 10, 11 और 12) और डीएमई छात्रों के लिए खुली थी, वस्तुत: आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता का पहला राउंड 13-14 अगस्त 2021, अपराह्न 3.00-3.30 बजे

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			आयोजित किया गया। दूसरा राउंड 15 अगस्त 2021 को दोपहर 3.00-3.30 बजे आयोजित किया गया। क्विज का विषय भारत का स्वतंत्रता संग्राम था। क्विज Google फॉर्म के साथ बनाया और वर्गीकृत किया गया था। क्विज के लिए लगभग 85 छात्रों ने पंजीकरण कराया। 64 डीएमई छात्रों और 21 स्कूली छात्रों ने एक साथ भाग लिया।
49	"भविष्य की प्रौद्योगिकी की भारत को आवश्यकता है - 2047" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता	35	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एडीजीआईटीएम उम्मीद) ने मनाया "आजादी का अमृत महोत्सव" 16 अगस्त 2021 को "भारत के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकी आवश्यकताएँ - 2047" विषय पर एक ऑनलाइन निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन करके। कुल प्रविष्टियों में से 5 सर्वश्रेष्ठ को प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।
50	"विचार बिन्दु" - लिंग संवेदीकरण पर एक वेब वार्ता	90	जीआईबीएस की एनएसएस इकाई ने 14 अगस्त 2021 को वस्तुत: लैंगिक संवेदनशीलता पर एक वेब टॉक "विचार बिंदु" का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य लैंगिक पूर्वाग्रह के मुद्दों को संबोधित करना है, जिससे हमारे चारों ओर एक सकारात्मक और समावेशी माहौल तैयार हो सके। वद्रा ने मौलिक मानव अधिकार के रूप में लैंगिक समानता पर खूबसूरती से बात की, जो पूर्ण मानवीय क्षमता वाले शांतिपूर्ण समाज को प्राप्त करने के लिए आवश्यक है। लेकिन दुर्भाग्यवश, पीढ़ियों के अनुकूलन के माध्यम से प्राप्त सचेत और अचेतन पूर्वाग्रह के परिणामस्वरूप लैंगिक समानता का स्थान लैंगिक भेदभाव ने ले लिया है। उन्होंने अपने जीवन से उदाहरण उद्धृत करते हुए लिंग रूढ़िवादिता के बारे में संक्षेप में बात की जिसने सत्र को दिलचस्प बना दिया। उन्होंने सभी लिंगों द्वारा निभाई गई विभिन्न भूमिकाओं का उल्लेख किया और चर्चा की कि घर पर बच्चों और छात्रों को लैंगिक समानता की शिक्षा कैसे शुरू की जाए। सुश्री मैत्र ने कहा कि सामाजिक मानदंडों, दृष्टिकोण और प्रथाओं में बदलाव समय की मांग है। सत्र ज्ञानवर्धक था और छात्रों ने लिंग-पूर्वाग्रह मुक्त समाज बनाने में उनके योगदान के बारे में जानकर सराहना की
51	आभासी रक्तदान एवं टीकाकरण जागरूकता सत्र (सवस्थ भारत)	123	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) ने कोविड 19 के कठिन समय के दौरान टीकाकरण के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए 15 अगस्त 2021 को वर्चुअल रक्तदान और कोविड 19 टीकाकरण जागरूकता सत्र का आयोजन किया।
52	वृक्षारोपण अभियान	140	स्वच्छता पखवाद 2021 कार्यक्रम के तहत बीपीआईटी की एनएसएस इकाई 21 अगस्त 2021 को वृक्षारोपण अभियान का आयोजन कर रही है। प्रतिभागियों को कम से कम 5 पौधे लगाने होंगे। अपने संबंधित पौधों के साथ अपनी एक तस्वीर क्लिक करें और इसे अन्य विवरणों के साथ दिए गए फॉर्म में अपलोड करें। एक महीने के दिए गए समय के बाद आपको एक और फॉर्म प्रदान किया जाएगा जहां आपको अपने पौधे और उसके विकास की तस्वीर अपलोड करनी होगी। प्रत्येक प्रतिभागी को एनएसएस बीपीआईटी की ओर से प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
53	छात्रवास की स्काई (सवच्छ भारत)	40	भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की एनएसएस इकाई ने 18 अगस्त 2021 को स्वच्छ भारत अभियान के समान उद्देश्य के साथ स्वच्छता पखवाड़ा 2021 के तहत "छात्रवास स्वच्छता अभियान" का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य कचरे के बारे में जागरूकता पैदा करना है।, इसके प्रभाव, और स्वच्छता, लड़कियों का छात्रवास होने के नाते यह सभी लड़कियों के लिए खुला था, लेकिन महामारी की स्थिति को ध्यान में रखते हुए केवल 15-20 छात्रों को सभी सुरक्षा उपायों जैसे कि उन्हें टीका लगाया गया है या नहीं और अन्य महत्वपूर्ण मानदंडों के साथ अनुमति दी गई थी।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
54	इकोटोपिया–स्वच्छता पखवाड़ा (सवच्छ भारत)	200	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान की एनएसएस इकाई ने प्लास्टिक कचरे का पुन: उपयोग करने के विचार के साथ 22 अगस्त 2021 को स्वच्छता पखवाड़ा 2021 के तहत "इकोटोपिया" नामक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसका उद्देश्य इको ब्रिकिंग में शामिल प्लास्टिक की मात्र के बारे में मात्रत्मक डेटा और प्रतिभागियों के दृष्टिकोण, जागरूकता और व्यवहार के बारे में गुणात्मक डेटा एकत्र करना था।
55	मेल पोषण पर वेबिनार (पोषण माह)	201	पोषण माह 2021 कार्यक्रम के तहत, भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की एनएसएस इकाई ने 19 सितंबर 2021 को "कुपोषण" विषय पर एक वेबिनार की मेजबानी की। उन्होंने बताया कि कुपोषण कैसे होता है जब शरीर को पर्याप्त पोषक तत्व नहीं मिलते हैं, जो इसके कारण हो सकता है। विभिन्न प्रकार के कारक जैसे कि भोजन, पाचन समस्याएं, या कोई अन्य बीमारी, साथ ही कुपोषण के लक्षण और संतुलित और स्वस्थ आहार खाकर इसे कैसे दूर किया जाए। स्लम समुदायों में कुपोषण एक प्रमुख मुद्दा है, जहां निवासी अक्सर एक समय का भोजन भी नहीं कर पाते हैं। वक्ता ने यह बताते हुए निष्कर्ष निकाला कि हम, हमारे देश के युवा के रूप में, इस बीमारी को खत्म करने और जरूरतमंद लोगों की सहायता करने के लिए कैसे काम कर सकते हैं।
56	कोविड–19 पर जागरूकता वेबिनार (सवस्थ भारत)	110	सीबीपीएसीएस ने एनएसएस@जीजीएसआईपीयू के सहयोग से छात्रों को सामाजिक सहायक के रूप में उनकी भूमिका के बारे में परामर्श देने के लिए ऑनलाइन मार्गदर्शन सत्र आयोजित किया कि वे कैसे मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक रूप से सीओवीआईडी –19 रोगियों और उनके परिवार के सदस्यों का समर्थन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में कैसे निपटें और छात्रों को सही जानकारी को कैसे बढ़ावा देना चाहिए और समाज में प्रसारित होने वाली झूठी खबरों को रोकने का प्रयास करना चाहिए, इस पर हमारे माननीय वक्ता द्वारा कई उपयोगी सुझाव दिए गए। 110 से अधिक छात्रों के साथ यह आयोजन सफल रहा।
57	स्पोर्टिफाई (फिट इंडिया)	100	युवा मामले और खेल मंत्रलय की फिट इंडिया पहल का जश्न मनाने के लिए, एनएसएस एमएसआईटी और प्रकृति एमएसआईटी ने 24 सितंबर 2021 को एक खेल कार्यक्रम स्पोर्टिफाई'21 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर हमारे मुख्य अतिथि, श्री कप्तान सिंह, अध्यक्ष एसएमईएस के आगमन के साथ शुरू हुआ। और कर्नल (डॉ.) रणजीत सिंह, निदेशक एमएसआईटी के साथ डॉ. सविता अहलावत, एनएसएस अधिकारी एमएसआईटी और डॉ. कविता श्योराण, कार्यक्रम प्रभारी और अन्य संकाय। श्री कप्तान सिंह जी ने अपने सशक्त शब्दों से छात्रों को प्रेरित किया और दिन की शुरुआत राष्ट्रगान से की।
58	शपथ ग्रहण समारोह	53	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एनडीआईएम) ने 24 सितंबर 2021 को एनएसएस दिवस समारोह के अवसर पर एक शपथ समारोह आयोजित किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने संकाय और अन्य कार्यालय स्टाफ सदस्यों के साथ स्वच्छता अभियान के बारे में शपथ ली।
59	स्वच्छ भारत अभियान	11	एनएसएस जीजीएसआईपीयू ने सीएसआर, सीजीआई और एनडीआईएम के रोटारैक्ट सेल के साथ कॉलेज परिसर में सफाई अभियान चलाया, संकाय सदस्यों और सोसायटी के कोर टीम के सदस्यों के साथ हमने कॉलेज परिसर की स्काई की।
60	बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट प्रतियोगिता	17	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एनडीआईएम) ने एक प्रतियोगिता आयोजित की जिसमें उन्हें अपशिष्ट से सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगिता के लिए 17 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को रचनात्मकता और नवीनता को आकार देने और बेकार सामग्री का पुन: उपयोग करने में सक्षम बनाना था।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
61	पोषण माह: वृक्षारोपण अभियान (सितंबर 2021)	8	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (डीएमई) ने सितंबर, 2021 के महीने के लिए पोषण माह (भारत सरकार के पोषण अभियान) के तहत एक वृक्षारोपण अभियान का आयोजन किया था। विभिन्न विभागों के संकाय और छात्रों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लेने के लिए एक साथ हाथ मिलाया। डीएमई एनएसएस छात्रों के साथ संकाय सदस्यों ने जनता के बीच पर्यावरण के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए कॉलेज के बगीचे में पौधे लगाए।
62	स्वच्छता पखवाड़ा (सवच्छ भारत)	225	भारत सरकार द्वारा शुरू किया गया स्वच्छता पखवाड़ा एक पखवाड़े तक चलने वाला कार्यक्रम है, जो स्वच्छता गतिविधियों में नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने और स्वच्छ भारत को वास्तव में एक नागरिक आंदोलन में बदलने के लिए मनाया जाता है। स्वच्छता पखवाड़ा अभियान के तहत, जीआईबीएस की एनएसएस इकाई ने निम्नलिखित गतिविधियों की योजना बनाई 1 सितंबर छात्रों और कर्मचारियों द्वारा स्वच्छता शपथ ग्रहण समारोह 6 सितंबर नारा लेखन प्रतियोगिता 10 सितंबर परिसर के पास स्वच्छता अभियान 13 सितंबर जल संरक्षण पर पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता 15 सितंबर "वायु" पर वेब टॉक प्रदूषण: आइए साफ करें और उद्धार करें"
63	"मानवीय मूल्यों को उजागर करें" विषय पर एक वेब वार्ता	100	जीजीएस इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय की गीतारतन इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई ने दर्शकों को व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन में मूल्यों और नैतिक व्यवहार को आत्मसात करने और आंतरिक बनाने में सक्षम बनाने के लिए 3 सितंबर, 2021 को "मानवीय मूल्यों को उजागर करें" विषय पर एक वेब टॉक का आयोजन किया। टॉक ने उन्हें तकनीकी गतिविधियों में शामिल लोगों और निगमों के नैतिक आदर्शों, चरित्र, नीतियों और संबंधों, शांति, किलताओं को संभालने के लिए उदाहरणों के साथ सही आचरण के बारे में ज्ञान प्राप्त करने में मदद की। उन्होंने ईमानदारी, सटीकता, साहस, सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और आत्म-जागरूकता का महत्व बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि 'बॉक्स से बाहर सोचने' से हमेशा सफलता नहीं मिलती है। असफलता के कारण हताशा और निराशा की भावनाओं पर काबू पाने के लिए व्यक्ति को तैयार रहना होगा। उन्होंने स्वच्छता, जिम्मेदारी, कर्तव्य, आत्मनिर्भरता, समय की पाबंदी, सहयोग, साफ-सुथरी उपस्थिति और अच्छे आहार के माध्यम से सही आचरण अपनाने की कुछ तकनीकें भी साझा कीं। साथ ही, उन्होंने शांति का उपयोग करने के लिए धैर्य, संतोष, अनुशासन, आत्म-सम्मान, खुशी, ध्यान और शांति विकसित करने के कुछ तरीकों का भी उल्लेख किया। दर्शकों के प्रश्नों के समाधान के लिए प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ बातचीत समाप्त हुई।
64	पोषण माह	175	पोषण अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियों को और तेज करने के लिए हर साल सितंबर महीने को देश भर में राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की एनएसएस इकाई ने कोविड-19 प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम मनाया। ग्रामीण बच्चों के लिए एक ऑनलाइन वेबिनार, खाद्य वितरण अभियान, पोषण प्रथाओं और स्वच्छता प्रोटोकॉल को कवर करते हुए चार सप्ताह के कार्यक्रम की योजना बनाई गई थी। यह कार्यक्रम बौनेपन, अल्पपोषण, एनीमिया और जन्म के समय कम वजन वाले शिशुओं के स्तर को कम करने का प्रयास करता है। 2021 के खाद्य वितरण अभियान के दौरान, स्वयंसेवक एक एनजीओ में गए, जहां उन्होंने बच्चों को खाने के दौरान, खाने से पहले और बाद में पालन की जाने वाली नैतिकता, पौष्टिक भोजन के महत्व और कार्बोहाइड्रेट, वसा, प्रोटीन, विटामिन जैसी आवश्यक चीजों की बुनियादी आवश्यकताओं के बारे में जागरूक किया। आदि ने सभी को फल सहित पौष्टिक आहार वितरित किया।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
65	गणतंत्र दिवस पूर्व परेड शिविर (विश्वविद्यालय स्तर)	94	एनएसएस सेल, जीजीएसआईपीयू ने प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप-2021 के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर एनएसएस स्वयंसेवकों के चयन के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया। एनएसएस जीजीएसआईपीयू ने एनएसएस स्वयंसेवकों के साथ शारीरिक और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित कीं और एनएसएसआरसी को सूची जमा करने के लिए 03 अक्टूबर, 2021 को एनएसएसआरसी के पत्र के अनुसार पात्र एनएसएस स्वयंसेवकों (10 पुरुष और 05 महिला) को शॉर्टलिस्ट किया। शॉर्टलिस्ट किए गए एनएसएस स्वयंसेवक गणतंत्र दिवस 2022 के लिए राज्य स्तरीय प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 2021 में प्रतिस्पर्धा करते हैं।
66	राज्य स्तरीय प्री-रिपब्लिक डे परेड शिविर-2021 (एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम) में भाग लिया	25	यूएसएस और उसके संबद्ध कॉलेजों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने एनएसएसआरसी के तहत नेताजी सुभाष यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएसयूटी) में 14 अक्टूबर 2021 (गुरुवार) को आयोजित राज्य स्तरीय प्री-रिपब्लिक डे परेड कैंप 2021 (एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम) में भाग लिया।
67	पौधारोपण परियोजना	11	टिप्स के एनएसएस सेल ने पर्यावरण की बेहतरी के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया। इसके लिए पौधारोपण अभियान चलाया गया।
68	मानसिक बीमारी पर वेबिनार (सवस्थ भारत)	100	9 अक्टूबर 2021 को बीपीआईटी की एनएसएस इकाई ने दृष्टि: भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के रोटारैक्ट क्लब के सहयोग से कोविड-19 महामारी के बीच मानसिक बीमारी पर एक वेबिनार का आयोजन किया। अतिथि वक्ता डॉ. मीना चंद्रा, प्रो. मनोचिकित्सा, मानसिक स्वास्थ्य उत्कृष्टता केंद्र, एबीवीआईएमएस और आरएमएल अस्पताल, नई दिल्ली थीं। वेबिनार के बाद दर्शकों ने अवसाद और चिंता को कैसे पहचानें और उससे कैसे निपटें? पर सवालों की एक श्रृंखला दी। कोई ऐसे व्यक्ति से कैसे संपर्क कर सकता है जो ऐसी बीमारी से पीड़ित है? आदि सभी प्रश्नों का उत्तर डॉ. मीना चंद्रा ने समझदारी से दिया। उन्होंने संतुलित आहार, उचित कार्यक्रम बनाए रखने, जब कोई अपनी समस्याओं के बारे में बात करता है तो मानसिक बीमारी के लिए मदद मांगना, उन्हें धैर्यपूर्वक सुनना आदि पर सुझाव भी साझा किए।
69	हरित परिसर (सवच्छ भारत)	75	एनएसएस बीपीआईटी यूनिट-II ने जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल के सहयोग से ग्रीन कैंपस ड्राइव का आयोजन किया। ग्रीन कैंपस ड्राइव के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों ने रचनात्मक दीवार पेंटिंग के निर्माण के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाई और गो-ग्रीन की अवधारणाओं का प्रसार किया। यह जागरूकता फैलाने का एक छोटा सा कदम था जिसमें यूएसएस (एनएसएस स्वयंसेवकों) के 12 छात्रों के साथ 75 छात्रों ने भाग लिया।
70	सतर्कता जागरूकता सप्ताह - डूडलिंग प्रतियोगिता	13	कार्यक्रम का उद्देश्य डूडल कला के बारे में जागरूकता फैलाना, सतर्कता जागरूकता सप्ताह (सवतंत्र भारत @ 75: अखंडता के साथ आत्मनिर्भरता) के विषय के बारे में युवा क्या सोचते हैं इसका विश्लेषण करना और उनकी रचनात्मकता कौशल की जांच करना था।
71	बाल यौन शोषण एवं पॉस्को अधिनियम 2012 रोकें	117	एनएसएस ने लक्ष्य एनजीओ के सहयोग से ष्बाल यौन शोषण रोकें एवं पोस्को अधिनियम 2012ष विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया। छात्रों को वेबिनार बहुत जानकारीपूर्ण लगा।
72	एनजीओ विजिट - सतर्कता जागरूकता सप्ताह	12	इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सतर्कता जागरूकता के संबंध में जागरूकता पैदा करना था। टीम के सदस्यों ने स्टेशनरी का सामान दान किया और मिठाइयां बांटकर बच्चों के साथ दिवाली मनाई।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
73	स्वच्छ भारत अभियान में भागीदारी (22 अक्टूबर 2021)	10	नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा 22 अक्टूबर 2021 को नेहरू पार्क, चाणक्यपुरी में अभियान का आयोजन किया गया। अभियान की मुख्य अतिथि सचिव, युवा मामले श्रीमती थीं। उषा शर्मा एवं सचिव खेल श्रीमती सुजाता चतुवेर्दी आईपी विश्वविद्यालय के स्वयंसेवकों, एनएसएस स्वयंसेवकों, एनवाईकेएस स्वयंसेवकों और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों, विभिन्न कॉलेजों की एनएसएस टीम ने पोस्टर और झंडे लेकर, आयोजकों द्वारा दी गई टी-शर्ट पहनकर भाग लिया, साथ ही जीजीएसआईपीयू के 50 एनएसएस स्वयंसेवकों ने नृत्य, अभिनय आदि जैसे सांस्कृतिक प्रदर्शन किए।
74	सरकारी स्कूल में दिवाली उत्सव	29	जीजीएसआईपीयू से संबद्ध दिल्ली महानगर शिक्षा की एनएसएस इकाई ने 29 अक्टूबर 2021 को नवादा प्राथमिक विद्यापीठ, रसूलपुर, सेक्टर-62 के कक्षा 6वीं, 7वीं और 8वीं के छात्रों के लिए दिवाली उत्सव का आयोजन किया। और मनोरंजक गतिविधियाँ। कार्यक्रम की शुरुआत मजेदार पहेलियों, गूंगे नाटकों, उत्तेजक प्रश्नोत्तरी प्रश्नों के एक सत्र के साथ हुई जिसका छात्रों ने भरपूर आनंद लिया। भाग लेने वालों को चॉकलेट और उपहार मिले।
75	स्वच्छ यमुना अभियान (सवच्छ भारत)	10	स्वच्छ यमुना अभियान केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने 7 अक्टूबर 2021 को सराय काले खां के पास नदी तट पर स्वच्छ यमुना अभियान में भाग लिया। यह अभियान नेहरू युवा केंद्र के सहयोग से चलाया जा रहा है। संगठन (एनवाईकेएस) का लक्ष्य दक्षिण पूर्व जिले के अंतर्गत आने वाले यमुना के पूरे हिस्से को साफ करना है। "भारत के जलपुरुष" के रूप में जाने जाने वाले पर्यावरणविद् और मैग्सेसे पुरस्कार विजेता राजेंद्र सिंह ने अभियान को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि हर छोटे प्रयास से फर्क पड़ता है। सिंह ने "यमुना नदी के जंग में हम सब संग हैं" का नारा लगाते हुए कहा, नदी को साफ करने के लिए ऐसे और प्रयासों की जरूरत है। मंडलायुक्त संजीव खिरवार और जिलाधिकारी विश्वेंद्र ने स्वयंसेवकों से यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने को कहा। एनवाईकेएस के कार्यक्रम निदेशक अपूर्वा शिंदे, पूर्वी जिला मजिस्ट्रेट सोनिका सिंह और उनके शाहदरा समकक्ष, संजीव कुमार भी उपस्थित थे।
76	मास्क वितरण अभियान	25	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन) ग्रेटर नोएडा ने 10 अक्टूबर 2021 (रविवार) को नोएडा एनएसईजेड के पास एक असभ्य क्षेत्र में एक मुफ्त मास्क वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। लगभग 1000 लोगों को नि:शुल्क मास्क दिये गये। विद्यार्थियों ने जनता को मास्क पहनने, सामाजिक दूरी का पालन करने तथा हाथों को नियमित रूप से साफ करने का महत्व बताया। हमने उस क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों और बच्चों के लिए मुफ्त फेस मास्क वितरित किए। हमने सामाजिक दूरी और हाथ धोने के अभ्यास के बारे में जागरूकता दी
77	सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान	45	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (केसीसी इंस्टीट्यूट) ने अपने स्वयं के छात्रों के लिए एक ऑनलाइन जागरूकता अभियान चलाया और बाद में उन्हें और अधिक जागरूकता फैलाने के लिए कहा गया। छात्रों ने लोगों को वाहन चलाते समय हेलमेट या सीट बेल्ट न पहनने जैसी सावधानियां न बरतने के दुष्परिणामों के बारे में जागरूक करने के लिए अपने संबंधित शहरों के नजदीकी यातायात बिंदुओं और बड़े चौराहों का दौरा किया था। कोविड सुरक्षा प्रोटोकॉल के कारण छात्रों को सीधे संपर्क करने की अनुमति नहीं थी। लोग इसलिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों ने ट्रैफिक पुलिस की मदद ली। इस जागरूकता योजना के माध्यम से छात्रों ने स्वयं विभिन्न सड़क सुरक्षा प्रोटोकॉल के बारे में सीखा है और एक आम आदमी को चीजों को कैसे समझाना है।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
78	"पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन"	16	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (उम्मीद एडीजीआईटीएम) ने 2 अक्टूबर 2021, शनिवार को सुबह 11.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक "पोस्टर मेकिंग और स्लोगन राइटिंग" का एक ऑनलाइन कार्यक्रम आयोजित किया। बापू और उनके दर्शन को याद करते हुए गांधी जयंती मनाने के लिए हाथ मिलाया गया। विजेताओं को प्रमाण पत्र दिए गए
79	सतर्कता जागरूकता सप्ताह (वाड)	20	सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2021 इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 26 अक्टूबर 2021 से शुरू हुआ और 1 नवंबर 2021 को समाप्त हुआ एनएसएस सेल, डीएसपीएसआर ने भी इसमें भाग लेकर इसे मनाया। इसमें एनएसएस के 20 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। सभी स्वयंसेवकों ने प्रतिज्ञा ली और अपनी तस्वीरें साझा कीं जिन्हें एनएसएस के सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किया गया।
80	ई अपशिष्ट संग्रहण ड्राइव (सवच्छ भारत)	46	एनएसएस एफआईएमटी के स्वयंसेवकों ने 9 अक्टूबर 2021 को एक ई-कचरा संग्रह अभियान आयोजित किया, जिसके तहत उन्होंने ई-कचरा एकत्र किया और इसे रीसाइक्लिंग के लिए सौंप दिया। एनएसएस स्वयंसेवक इस अभियान को अपने घर (सथानीय क्षेत्र) के बाहर चलाते हैं और जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल की पांच एनएसएस स्वयंसेवकों की टीम के एक समूह ने भी इस गतिविधि में भाग लिया और अपने स्थानीय क्षेत्र में ई-कचरा एकत्र किया। एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा अपने घर (सथानीय क्षेत्र) से 8 किलोग्राम ई-कचरा एकत्र किया गया। उन्होंने चार्ज, बैटरी, सेल, बेकार तार, सीडी आदि जैसी चीजें एकत्र कीं। एनएसएस स्वयंसेवक इस कचरे को कबाड़ीवाले को बेचते हैं और कुछ 540/- रुपये की राशि प्राप्त करते हैं। यह राशि दिल्ली के कापसेहरा स्थित गुरुद्वारा में भी दान की गई
81	"संजय गांधी पशु देखभाल केंद्र" का दौरा - डोगाथॉन	20	घर पर हमारे पालतू जानवरों की तरह, आश्रय स्थल पर हमारे पशु मित्रों को भी कुछ प्यार और ध्यान की जरूरत है। और यही कारण है कि एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (जीआईबीएस) ने संजय गांधी पशु देखभाल केंद्र के सहयोग से 22 अक्टूबर 2021 को 'डोगाथॉन' आयोजित करने का निर्णय लिया। प्रारंभ में एनएसएस स्वयंसेवकों को जानवरों से परिचित कराने के लिए आश्रय के अंदर एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया गया था। उनकी दु:ख-भरी कहानियों ने स्वयंसेवकों में जानवरों के कल्याण के लिए काम करने की प्रेरणा पैदा की। इसके बाद स्वयंसेवक एक-एक कुत्ते को आश्रय क्षेत्र में मनोरंजक सैर के लिए ले गए। प्रत्येक स्वयंसेवक ने जानवरों के लिए भोजन, आश्रय कर्मियों के लिए घरेलू सामान दान किया और आश्रय से एक पिल्ला गोद लिया। फाउंडेशन ने दान के लिए आभार व्यक्त किया। स्वयंसेवकों को एसजीएसीसी में एक पुरस्कृत अनुभव प्राप्त हुआ।
82	गांधी जयंती	46	भगवान परशुराम प्रौद्योगिकी संस्थान की एनएसएस इकाई 2 अक्टूबर, 2021 को राष्ट्र के गौरव के लिए कुछ अच्छे कार्य करके स्वस्थ तरीके से गांधी जयंती मना रही है।
83	सुरियाना 2.0 (आठ ऑनलाइन कार्यक्रम)	50	जीजीएसआईपीयू एनएसएस सेल (यूनिट-जी) ने कई ऑनलाइन कार्यक्रम (08) आयोजित किए और 17-30 अक्टूबर 2021 के दौरान 8वां राष्ट्रीय एकता दिवस-2021 और सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई। खुद को खोजने का सबसे अच्छा तरीका खुद को सेवा में खो देना है। दूसरों का जो एनएसएस के विचार को भी दर्शाता है। अद्भुत अवसरों से भरा बैग देश भर के छात्रों के बीच उत्पादकता को प्रोत्साहित करेगा और इस महामारी की स्थिति में दिमाग की अलमारियों में बंद ज्ञान के संदूक से धूल हटाने में मदद करेगा।
84	वस्त्र दान अभियान	100	एनएसएनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एमएसआईटी) और प्रकृति एमएसआईटी ने 14 नवंबर से कपड़े दान अभियान शुरू करने की पहल की, जो 4 दिसंबर को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अभियान से 650 से अधिक कपड़े एकत्र करने में मदद मिली, जो छंटाई और सफाई के बाद लोगों के जीवन में गर्माहट फैलाने के लिए तैयार थे।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			प्रत्येक छात्र द्वारा दान देने में प्रदर्शित पूर्ण दृढ़ संकल्प और उत्साह के साथ हम जरूरतमंदों और गरीबों को कड़ाके की सर्दी के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए तैयार करने में सक्षम थे।
85	स्वच्छता अभियान (सवच्छ भारत)	75	भगवान परशुराम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, रोहिणी की एनएसएस इकाई ने गांधी जयंती के अवसर पर माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत अभियान के तहत एक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच स्वच्छता के महत्व और इसके लाभों के बारे में जागरूकता फैलाना था। हमारे कॉलेज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सभी छात्रों ने भाग लिया था। सफाई कार्यक्रम में विद्यापीठ के शिक्षकों के साथ-साथ सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने भाग लिया। वर्तमान कोविड 19 महामारी की स्थिति के कारण, यह कार्यक्रम डिजिटल रूप से आयोजित किया गया और सभी छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी प्रतिभागियों के बीच गूगल फॉर्म प्रसारित किया गया था जिसमें उन्हें अपनी प्रतिक्रियाएँ भरनी थीं और इस कार्यक्रम का हिस्सा बनने की तस्वीरें अपलोड करनी थीं। कुल मिलाकर यह एक शानदार और सफल आयोजन था।
86	ऑनलाइन पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता	34	प्रतियोगिता का आयोजन एनएसएस ने एनडीआईएम की सीएसआर सोसायटी के साथ मिलकर किया था, जिसका उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी छिपी प्रतिभा दिखाने और पोस्टर या स्केचिंग बनाकर अपनी रचनात्मकता कौशल व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करके टीकाकरण के बाद स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना था।
87	वृद्धाश्रम का दौरा	11	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (एनडीआईएम) ने एक वृद्धाश्रम का दौरा किया। टीम के सदस्य ने वृद्धाश्रम में रहवासियों के साथ गेम खेलकर और डांस कर खूब आनंद उठाया। उन्होंने कुछ भोजन और रोजमर्रा की चीजें भी दान कीं।
88	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	25	एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू, एनडीआईएम ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत तीन कार्यक्रम आयोजित किए। यह एक सफल आयोजन था
89	स्वच्छता अभियान (सवच्छ भारत)	28	केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई ने स्वच्छ भारत अभियान और डेंगू के खिलाफ लड़ाई को बढ़ावा देने और छात्रों में स्वच्छता की आवश्यकता को विकसित करने के लिए 15 नवंबर 2021 को "स्वच्छता अभियान" में भाग लिया। "स्वच्छ भारत मिशन" के तहत, केसीसी इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल एंड हायर एजुकेशन, ग्रेटर नोएडा में ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में स्वच्छता और अपशिष्ट पदार्थों के निपटान पर जोर देने के साथ एक स्वच्छता अभियान चलाया गया। मिशन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, छात्रों, संकायों, कर्मचारियों, आगंतुकों और बच्चों को "स्वच्छता शपथ" दिलाई गई। आसपास फैले कूड़े-कचरे और अन्य अपशिष्ट पदार्थों को एकत्र किया गया और पर्यावरण-अनुकूल तरीके से उनका निपटान किया गया। सभी स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया और जिम्मेदार व्यवहार दिखाया। भविष्य के टिकाऊ समाज के निर्माण के लिए उन्हें तैयार करने के लिए ऐसी गतिविधियाँ आयोजित की जानी हैं।
90	संविधान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	37	जीजीएसआईपीयू एनएसएस (केसीसीआईएलएचई) ने 26 नवंबर 2021 को जूम के माध्यम से संविधान दिवस समारोह के अवसर पर एक ऑनलाइन ओपन बुक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। यहां सभी छात्रों को भारतीय संविधान से संबंधित 100 प्रश्न दिए गए और 30 मिनट में अपना जवाब देने के लिए कहा गया। यह सभी पाठयक्रमों के छात्रों के लिए अपने सामान्य ज्ञान कौशल को तलाशने और सुधारने का एक सुनहरा अवसर था।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
91	टीकाकरण जागरूकता अभियान (सवस्थ भारत)	55	पोस्टर, वीडियो रिकॉर्डिंग, परिवार के सदस्यों की गवाही की मदद से लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करने के लिए एनएसएस सेल जीजीएसआईपीयू (केसीसीआईएलएचई) के छात्रों द्वारा वैक्सीन जागरूकता अभियान शुरू किया गया था। टीकाकरण के दुष्प्रभावों के बारे में कई तरह की अफवाहें फैलाई गईं, जिससे लोगों को टीके लेने से रोका गया। सोशल मीडिया पर इस अभियान का उद्देश्य तथ्यों और अफवाहों के बीच अंतर को पाटना है। छात्रों द्वारा एक सर्वेक्षण भी किया गया, जिसमें पता चला कि ऐसे लोग हैं जो अभी भी अफवाहों पर विश्वास करते हैं और उन्होंने अफवाहों पर ध्यान नहीं दिया है। छात्रों ने कोविड-19 टीकों में सार्वजनिक विश्वास विकसित करने की पहल की थी ताकि इस घातक बीमारी से सामूहिक रूप से लड़ा जा सके।
92	"देश के मेंटर" कार्यक्रम में भाग लिया - दिल्ली सरकार (श्रेष्ठ भारत) द्वारा शुरू की गई मेंटर बनने की एक पहल	-	देश के मेंटर, मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के मार्गदर्शन और नेतृत्व में दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया देश का सबसे बड़ा परामर्श कार्यक्रम है। देश के मेंटर के तहत, दिल्ली सरकार के स्कूलों के छात्र (मेंटीज) एक करियर अन्वेषण यात्रा शुरू करेंगे जो उन्हें सूचित करियर विकल्प चुनने में मदद करेगी। उक्त कार्यक्रम 30 नवंबर 2021 को आयोजित किया गया था।
93	पैसिफिक फिटनेस इवेंट (सवस्थ भारत)	20	पैसिफिक फिटनेस इवेंट 12 दिसंबर 2021 को पैसिफिक मॉल द्वारा ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्राफेशनल स्टडीज के साथ आयोजित किया गया था। एनएसएस जीजीएसआईपीयू सेल और ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज के स्वयंसेवकों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जो द्वारका में आयोजित पहला फिटनेस कार्यक्रम था।
94	कैंसर जागरूकता पर वेबिनार	168	14 दिसंबर 2021 को राजीव गांधी कैंसर संस्थान और अनुसंधान केंद्र के सहयोग से एनएसएस @एफआईएमटी द्वारा कैंसर जागरूकता सत्र पर एक वेबिनार आयोजित किया गया था। यह कार्यक्रम यूटयूब लाइव पर था और वक्ता डॉ. विनीत तंवर थे।
95	अपशिष्ट प्रबंधन सत्र	154	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) ने लोगों को अपशिष्ट पदार्थ - मास्क, सैनिटाइजर, बोतलें आदि के प्रबंधन के बारे में जागरूक करने के लिए 15 दिसंबर 2021 को एक वर्चुअल अपशिष्ट प्रबंधन सत्र का आयोजन किया।
96	राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस पर प्रदूषण रोकें	120	एनएसएस जीजीएसआईपीयू (एफआईएमटी) ने 2 दिसंबर 2021 को नो व्हीकल डे का आयोजन किया है, जिसके तहत सभी स्टाफ सदस्य और छात्र सार्वजनिक परिवहन/साइकिल/पैदल यात्री के माध्यम से कॉलेजों तक यात्रा करते हैं। टीम द्वारा प्रकृति संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण सत्र का भी आयोजन किया गया।
97	राष्ट्रीय एकता शिविर 2021, कोयंबटूर, तमिलनाडु (समृद्ध भारत)	10	राष्ट्रीय एकता शिविर-2021 (एनआईसी-2021) पाठ्यक्रम सामग्री: राष्ट्रीय एकता शिविर (एनआईसी) हर साल आयोजित किया जाता है और प्रत्येक शिविर की अवधि दिन-रात के भोजन और आवास के साथ 7 दिनों की होती है। ये कैंप देश के अलग-अलग हिस्सों में आयोजित किए जाते हैं. प्रत्येक शिविर में निर्धारित गतिविधियों को करने के लिए 200 एनएसएस स्वयंसेवक शामिल होते हैं। राष्ट्रीय एकता किसी देश के नागरिकों के बीच एक समान पहचान की जागरूकता है। इसका मतलब यह है कि यद्यपि व्यक्ति विभिन्न समुदायों, जातियों, धर्मों, संस्कृतियों और क्षेत्रों से संबंधित हैं और विभिन्न भाषाएँ बोलते हैं, लेकिन वे सभी इस तथ्य को पहचानते हैं कि वे एक हैं। इस वर्ष 2021 में, एनएसएसआरसी, दिल्ली ने एनएसएसआरसी, दिल्ली, शिक्षा मंत्रालय और युवा मामले और खेल मंत्रलय के सहयोग से कोयंबटूर, तमिलनाडु, भारत में (14-20 दिसंबर 2021) आयोजित राष्ट्रीय एकता शिविर 2021 (एनआईसी-2021) का आयोजन किया। जीजीएसआईपीयू के तहत यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ स्टडीज और संबद्ध कॉलेजों के 10 एनएसएस स्वयंसेवकों की टीम ने

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			इस कार्यक्रम में भाग लिया। एनएसएसआरसी द्वारा यात्र भत्ता प्रदान किया गया और विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए एनएसएस स्वयंसेवकों (प्रतिभागियों) को ट्रैकसूट, एनएसएस कैप, टी-शर्ट, स्कार्फ इत्यादि जैसी सामग्री/वस्तुएं प्रदान की गईं। स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक गतिविधियों, भाषण, संचार कौशल कार्यों, जमीनी स्तर के काम, वृक्षारोपण अभियान और टीम प्रबंधन कार्यों आदि के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।
98	26 जनवरी 2022 को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड-2022 (एक राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम) में भाग लिया	1	हमारे एनएसएस स्वयंसेवकों में से एक श्री विनायक कंसल ऑफ एफआईएमटी, जीजीएसआईपीयू ने 26 जनवरी 2022 को आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2022 में दिल्ली राज्य का प्रतिनिधित्व किया। राष्ट्रीय सेवा योजना, जीजीएसआईपीयू के माध्यम से इस राष्ट्रीय स्तर की भागीदारी के लिए जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय और एफआईएमटी के लिए यह गर्व का क्षण है।
99	आधार स्मार्ट कार्ड, पैन कार्ड एवं वोटर आईडी शिविर	100	सीपीजे कॉलेज ने दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से नए/संशोधित आधार स्मार्ट कार्ड, पैन कार्ड और वोटर आईडी के लिए 31 जनवरी 2022 को एक शिविर का आयोजन किया है।
100	शारीरिक सकारात्मकता पर वेबिनार	110	एनएसएस एमएसआईटी ने प्रकृति एमएसआईटी के सहयोग से 15 जनवरी 2022 को शरीर की सकारात्मकता पर गूगल मीट पर एक वेबिनार की मेजबानी की। यह वेबिनार एवरी माइंड मैटर्स पहल के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यक्तियों को अपने मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए आसान उपाय करने, अपने मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ाने और दूसरों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करना है। यह कार्यक्रम सुश्री अनुष्का चन्ना, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट, सर्टिफाइड लाइफ कोच और सेल्फ-लव एडवोकेट के मार्गदर्शन में प्रभावी ढंग से आयोजित और कार्यान्वित किया गया था।
101	स्तन कैंसर जागरूकता पर वेबिनार	172	जीआईबीएस एनएसएस ने संजीवनी- लाइफ बियॉन्ड कैंसर, मुंबई के सहयोग से संयुक्त रूप से बीबीए, एमबीए, बीए एलएलबी और बीबीए एलएलबी छात्रों के लिए "स्तन कैंसर" पर एक वेबिनार का आयोजन किया, जो छात्रों और संकाय सदस्यों के परिवार और दोस्तों के लिए खुला था। पहला भाग स्तन कैंसर से संबंधित मुद्दों के बारे में था। इसका संचालन अतिथि वक्ता डॉ. रुचि राय आहूजा, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, स्तन रोगों की विशेषज्ञ द्वारा किया गया। उन्होंने विभिन्न पहलुओं के बारे में जागरूकता के लिए स्तन कैंसर से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का दूसरा भाग एक प्रश्नोत्तरी था, जिसका संचालन सुश्री फ्लोरिना सिंह, वरिष्ठ कार्यक्रम समन्वयक, दिल्ली और चंडीगढ़ चौप्टर, संजीवनी-लाइफ बियॉन्ड कैंसर द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिसके अंत में विजेताओं की घोषणा भी की गई।
102	सेल्फ लव पर वेबिनार	100	13 फरवरी 2022 को, प्रकृति एमएसआईटी, एनएसएस एमएसआईटी और यूबीए सेल ने "एवरी माइंड मैटर्स' पहल के तहत 'सेल्फ लव' पर एक वेबिनार सफलतापूर्वक आयोजित किया, जिसका उद्देश्य सभी के लिए रुसेफहेडस्पेस प्रदान करना था। सेमिनार के लिए आमंत्रित वक्ता सुश्री स्वाति सदाना, परामर्श मनोवैज्ञानिक थीं। उन्होंने उपस्थित लोगों को आत्म-प्रेम की परिभाषा बताते हुए समझाया और उन्हें बताया कि आत्म-प्रेम उनके आसपास कैसे साकार होता है।
103	एंगर डिटॉक्स पर बात करें	198	जीआईबीएस की एनएसएस इकाई ने 15 फरवरी 2022 को कॉलेज के सभी छात्रों के लिए 'एंगर डिटॉक्स' पर एक वार्ता का आयोजन किया। प्रभुजी अमोघ लीला दास, उपाध्यक्ष, इस्कॉन मंदिर, द्वारका इस वार्ता के संसाधन व्यक्ति थे। प्रभुजी ने बात की शुरुआत यह समझाते हुए की कि अनियंत्रित क्रोध कितना विनाशकारी हो सकता है।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			उन्होंने विद्यार्थियों को क्रोध से होने वाले कष्टों से अवगत कराया। प्रभुजी ने कहा कि क्रोध, चाहे वह विस्फोटक हो या विस्फोटक, को विषहरण करना चाहिए और छात्रों को क्रोध को नियंत्रित करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन दिया। प्रभुजी ने एक बहुत ही गहरा मनोवैज्ञानिक अवलोकन साझा किया कि अक्सर गुस्सा इसलिए होता है क्योंकि हममें से ज्यादातर लोग सोचते हैं कि दूसरा व्यक्ति ही दोषी है, जबकि हम अपनी मिलीभगत से अनजान होते हैं। अंत में उन्होंने शांतिपूर्ण अस्तित्व के लिए कृतज्ञता और क्षमा का अभ्यास करने की सलाह दी। भाषण को खूब सराहा गया और सभी ने खूब सराहना की। प्रभुजी ने अपने उत्कृष्ट अलंकारिक कौशल और आध्यात्मिक अनुग्रह से दर्शकों पर अमिट प्रभाव छोड़ा। उन्होंने भक्तिमय तरंगें प्रवाहित कीं जिससे माहौल में आनंदमय शांति भर गई।
104	आधार कार्ड शिविर	100	कॉलेज की एनएसएस इकाई और कानूनी सहायता सेल ने नरेला और आसपास के गांवों के निवासियों के लिए दिल्ली राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के सहयोग से आधार कार्ड शिविर का आयोजन किया, 25 आधार कार्ड बनाए गए और 75 संशोधित किए गए।
105	एक भारत श्रेष्ठ भारत - सिक्किम राज्य (श्रेष्ठ भारत)	96	आईएचएम पूसा के सहयोग से एक भारत श्रेष्ठ भारत वेबिनार आयोजित किया गया। वेबिनार का उद्देश्य एक भारत श्रेष्ठ भारत अभियान के तहत सिस्टर स्टेट सिक्किम को बढ़ावा देना और सिक्किम की संस्कृति, भोजन और पर्यटन के बारे में जानकारी देना है।
106	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह	10	जीआईबीएस एनएसएस ने 8 मार्च 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन और जश्न मनाया। महिलाओं की सांस्कृतिक, राजनीतिक और सामाजिक-आर्थिक उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। जीआईबीएस में महिला दिवस मनाने के पीछे का लक्ष्य लैंगिक समानता का संदेश फैलाना, विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का जश्न मनाना और सभी लैंगिक पूर्वाग्रहों, रूढ़ियों, लैंगिक समानता और भेदभाव से मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में काम करना था। वाइस चेयरमैन-श्री अनिरुद्ध जिंदल, डीन कॉरपोरेट अफेयर्स-सुश्री प्राची जिंदल, विभिन्न विभागों के प्रमुखों ने अपनी उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम में सभी पुरुष एवं महिला संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकाय और स्टाफ सदस्यों के लिए कई खेलों का आयोजन किया गया। एंकर मयंक जैन ने सूझबूझ से मंच संभाला। यह दिन लैंगिक समानता में तेजी लाने के लिए कार्रवाई के आह्वान के रूप में चिह्नित किया गया।
107	आत्मरक्षा कार्यशाला	130	एनएसएस एमएसआईटी, प्रकृति एमएसआईटी और यूबीए सेल ने लोगों को अपनी रक्षा के लिए आवश्यक कौशल से लैस करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक आत्मरक्षा कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला सुबह 11 बजे एमएसआईटी मैदान में हुई। कार्यक्रम की शुरुआत ताइक्वांडो संगठन के राज्य प्रमुख श्री विनोद कुमार की अध्यक्षता में प्रशिक्षकों के सौहार्दपूर्ण स्वागत के साथ हुई, जो छात्रों को पढ़ाने के लिए पूरी तरह तैयार थे। इस कार्यक्रम में कई संकाय सदस्यों ने भाग लिया और निदेशक महोदय भी उपस्थित थे, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों के साथ प्रेरणा के कुछ शब्द साझा करके कार्यशाला की शुरुआत की। कई छात्र मैदान पर एकत्र हुए, कुछ नया सीखने और विभिन्न अप्रत्याशित परिस्थितियों के लिए तैयार अनुभव से बाहर आने के लिए रोमांचित हुए। कार्यशाला न केवल लड़कियों और समान विचारधारा वाले लोगों के लिए तैयार की गई थी। इसमें उतनी ही संख्या में लड़के हिस्सा लेते दिखे. प्रशिक्षकों द्वारा लड़कों और लड़कियों का अलग-अलग मनोरंजन किया जाता था, क्योंकि दोनों को विभिन्न परिस्थितियों से खुद को बचाने के लिए अलग-अलग तरीके सिखाने की आवश्यकता होती थी।

क्र.सं.	गतिविधि का नाम	छात्र भागीदारी	विवरण
			कार्यशाला एक घंटे तक चली। विशेषज्ञों ने अपना काम त्रुटिहीन ढंग से किया और सभी को प्रभावित किया। कार्यशाला में लगभग 70 छात्रों ने भाग लिया और इसके अंत तक वे सभी उत्साहित और तरोताजा पाए गए। विशेष रूप से लड़कियाँ आत्मविश्वास से भरी हुई थीं, अब वे अपनी सुरक्षा के लिए तैयार हैं।
108	माइक खोलें	90	16 मार्च 2022 को प्रकृति एमएसआईटी ने एनएसएस एमएसआईटी और यूबीए सेल के सहयोग से छात्रों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और खुद को अभिव्यक्त करने का मौका देने के लिए एक ओपन माइक का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सुबह 11 बजे कॉलेज सेमिनार हॉल (06) में हुआ। कार्यक्रम के मेजबान ने दर्शकों के साथ बातचीत करके और उसके तुरंत बाद शुरू हुए प्रदर्शन के लिए एक मजेदार माहौल बनाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। दर्शकों के गर्मजोशी से स्वागत के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस कार्यक्रम को देखने के लिए विभिन्न संकाय सदस्यों को भी आमंत्रि किया गया था।
109	प्राचीन भारत में आध्यात्मिकता, युवाओं की आंतरिक क्षमता, सामाजिक लत पर सेमिनार	40	एनएसएस उम्मीद एडीजीआईटीएम ने एक गैर-लाभकारी संगठन, दास गुरुकुल के एक प्रतिष्ठित वक्ता द्वारा एक सेमिनार आयोजित किया। दास गुरुकुल एक छत्रछाया है जिसका उद्देश्य शिक्षा और नेतृत्व के माध्यम से वंचित बच्चों का उत्थान करना है। वक्ता श्री दास कैलाश ने अपने व्याख्यान में आध्यात्मिकता, युवाओं की आंतरिक क्षमता, सामाजिक व्यसन, इसे सकारात्मक तरीके से कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है और प्राचीन भारत की अनभिज्ञता जैसे विषयों को शामिल किया। उपरोक्त विषयों के संबंध में ज्ञान ने हमारे छात्रों के साथ-साथ उपस्थित अन्य सदस्यों को भी प्रेरित किया।
110	रक्तदान शिविर	200	प्रकृति एमएसआईटी, एनएसएस एमएसआई और एनएसएस एमएसआईटी ने दो ब्लड बैंकों, रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली जनक और पीतमपुरा ब्लड बैंक के सहयोग से 28 मार्च को "रक्तदान शिविर" का आयोजन किया। भीड़ में सिर्फ छात्र ही नहीं बल्कि परिसर के बाहर से भी कई अन्य लोग शामिल थे जो रक्तदान करने आए थे।
111	संगोष्ठी-जल संरक्षण	200	29 मार्च 2022 को प्रकृति एमएसआईटी, एनएसएस एमएसआईटी, एनएसएस एमएसआई और यूबीए सेल ने जल की कमी और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए जल संरक्षण और इसकी क्रांतिकारी संभावनाओं के मुद्दे पर एक सेमिनार और वृत्तचित्र स्क्रीनिंग का आयोजन किया। प्रो. तेजबीर सिंह राणाजी ने पानी की कमी और उनके द्वारा बनाई गई डॉक्यूमेंट्री के बारे में अपना ज्ञान साझा किया, जिसे संयुक्त राष्ट्र द्वारा पुरस्कृत किया गया था। उन्होंने "जल स्थिरता के लिए चार स्तंभ दृष्टिकोण" के बारे में बात की। डॉक्यूमेंट्री एक ही समय में सुंदर और निराशाजनक थी।

18. विश्वविद्यालय में अन्य सुविधाएँ

1. विश्वविद्यालय में निम्नलिखित सुविधाएं हैं:

- एटीएम सुविधाओं के साथ इंडियन बैंक
- पोस्ट ऑफिस
- वाणिज्यिक सेवाएँ जैसे, केन्द्रीय भंडार, मदर डेयरी, फोटोकॉपियर, स्वस्थ चूल्हा

2. कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे और मेहमान घर

विश्वविद्यालय में कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे और मेहमान घर हैं जिनका विवरण नीचे दिया गया है:-

कर्मचारियों के रहने के लिए कमरे

प्रकार	क्वार्टर की संख्या	आवश्यक सेवाएं
टाइप-III	12	01
टाइप-IV	42	01
टाइप-V	09	01

मेहमान घर

प्रकार	कमरे की संख्या
मेहमान घर-I टाइप-IV ब्लॉक-ए 101 एवं 102	04 साधारण कमरे 02 डीलक्स कमरे
मेहमान घर-II (पुराना वीसी निवास)	02 डीलक्स कमरे 02 सुपर डीलक्स कमरे

3. विश्वविद्यालय छात्रवास

विश्वविद्यालय 360 महिला और 364 पुरुष छात्रों की क्षमता के साथ एकल अधिभोग छात्रवास की सुविधा भी प्रदान करता है।

4. गर्ल्स कॉमन रूम

विश्वविद्यालय सभी सुविधाओं के साथ गर्ल्स कॉमन रूम भी प्रदान करता है।